



सं० 1 3] No. 13]

नई विल्ली, शनिवार, मार्च 30 , 1985 (चैन्न 9, 1907) NEW. DELHI, SATURDAY, MARCH 30, 1985 (CHAITRA 9, 1907)

PUBLISHED BY AUTHORITY

हस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संक्रजन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग [[]--खण्ड 1

PART III-SECTION 1)

उक्क न्यायालयों, तियन्त्र ह और नहाले बापरी शह, संव लोक सेवा आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं offications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

मंघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्लों-110011, दिनांक 6 फरवरी 1985

सं० ए० 32011/1)84-प्रशा०-1--कार्मिक तथा प्रशा-मनिक सुधार विभाग के ला० ज्ञा० सं० 13/2/83-सी० एस० (ii) (i) दिनांक 23-1-1985 के प्रनुसरण में मंघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में के उस उस्टे के के चवन ग्रेड ग्राम-लिपिक ग्रेड "ग" श्री जितन्दर लाल जो सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान में स्थानापन्न रूप से महायन निदेशन (अंग्रेजी आणुलिपिक और टंकण) के पद पर कार्य कर रहे हैं, संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में के ० स० स्टे० से में 23-1-1984 (पुत्रीह्म) से आगामी आदेगों तक वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर पदोन्नत कर दिया गया है।

दिनांक 13 फरवरी 1985

सं० ए० 32011/1/83-प्रणा०-1-- प्रध्यक्ष, सं० लो० मे० न्नार, संव लो'व सेव न्नार (कर्मचार) विनियमावली) 1958 को नियम 7 के अन्तर्गत निहित एक्तियों के द्वारा संघलोक सेवा 'ग्रायोग के मंवर्ग में के० स० से० के निम्नलिखित स्थाय। अनुभाग अधिकारियों की प्रत्येक के सामने निष्टि अवधि के

लिए क्षेत्र सब सेव के ग्रेड 1 में भ्रवर सिवव के पद पर स्थानापन्न क्ष से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं:--

क० नाम (सर्वे श्रो) सं०	तदर्थं पदोन्नति की श्रवधि	
1. मुकुल चटर्जी		तक
2. बी० एन० ऋरोड़ा	15-10-84 से 28-11-84	तक तभ सक
3. श्राई० षा० सुर्ले।	15-10-84 से 28-11-84	तक तक
4. के० एन० सूरी	15-10-84 से 28-11-84	 तक तक
5. बी०डी० शर्मा 6. डी० श्रार० मदान	13-8-84 社 26-9-84	पान् साकः साकः
7. धनीण चन्द्र	3-7-84 से 28-7-84	ा क तक त <i>का</i>
		तक तक

516GI/84-1

दिनांक, 14 फरवरी 1985

संव ए० 32014/1/84-प्रणा०-III-राष्ट्रपति द्वारा संघ लोश मेवा आयोग के मंबर्ग में के० म० से० के निम्निलिखित नियमित राहायकों को प्रत्येतः के सामने निर्दिष्ट श्रवधि के लिए अथवा श्रागाम। श्रादेशों तक जो भी पहले हो, संघ लोक मेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग में नदर्थ श्राधार पर श्रवभाग अधिकार। के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य वरने के लिए सहपे नियुक्त विया जाता है .--

 क०
 नाम (विश्वी)
 नदर्श नियुक्ति को श्रविध सं०

 1
 एस० ड,० मल
 18-2-85 में 4-4-85 नक

 2
 मज त कुमार
 1-3-85 में 14-4-85 नक

 3
 अमृत लाल
 1-3-85 में 14-4-85 तक

 4
 एस० पा० एस०
 1-3-85 में 14-4-85 तक

 सागर (अ० जा०)
 सागर (अ० जा०)

दिनाक 15 फरवरी 1985 ,

सं० ए० 19014/4/84-प्रणा०-1---भारत,य रेलवे दाता-यात सेवा में पर व.क्षाध.न के रूप में उनके चयन हो जाने के परिणामस्त्रमा श्री सुरेन्द्र कुमार, अवर राचिव को 15-2--1985 (श्रपराह्न) से आयोग के कार्यालय से कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

दिनाक, 21 फरवरी, 1985

ं स० ए० 32013/1/85-प्रणा०-1---सं० लो० से० श्रा० के संवर्ग में के० म० से० का स्थाया श्रनभाग श्राधकार, श्रीमता जयनक्षमा बालाचन्द्रम् जिन्हें के० स० से० के ग्रेड-1 का वर्ष 1983 का चयन सूचा मे क० गं० 24 में सम्मिलित क्षण लिया गया है, को राष्ट्रपति हारा 1-2-1985 (पूर्वाह्र) से श्रागामी आदेशों ता श्रायोग के कार्यालय में श्रवर सचिव के पद पर नियमित श्राधार्धण ामि एव प० म० विभाग के ना० जा० सं० 4/14/83-मा० एगं० (1) दिनाव 4-1-84 के पैरा 2 के श्रव्यवान हिंप नियुक्त विथा जाता है।

दिनावः 22 फरवरः 1985 ू शुद्धि-पद्म

न० ए० 32014/1/85-प्रणा० 1—-हमं कार्यालय की प्रशिक्षमूचना स० ए० 32014/1/85 (ii)-प्रणा० 1 दिन्तवः 21 जनवर, 1985 में ऋ० गं० 3 के लामने श्रामनी, मरोज के० एपूर राजान और उस्म मब्धित अन्य प्रविध्यियां द्वाट दी जाये और ऋम मं० 4 को ऋम मं० 3 कर दिया जाय।

धिनाक 28 फरबर, 1985

स० पा० 1142/प्रशा० 1---संघ लीक सेवा आयोग के कार्यावय में के० म० से० के स्थाय। ग्रेड 1 प्रधिकारी तथा स्थानापत उप मिचन था। बा० प्रम० जगपोता को राष्ट्रपति द्वारा 28 फरवर, 1985 के अपराह्म से निवर्तन आयु होने के पश्चात् मर्शरार, सेवा में निवृत्त होने का महर्ष अतुमनि प्रदानका जातो है।

मं० ए० 19014/2/83-प्रणा०-1-मंघ लेख सेवा आयोग के कायलिय में स्थाय, श्रनुभाग श्रिधवारी, तथा स्थानापृष्ठ अवर सचित्र श्र, एम० एल० राय की राष्ट्रपति द्वारा .28 फरवर., 1985 के श्रपराह्म से निवर्गन श्रायु होने के पश्चान सरशारा सेवा से निवृत्त होने से सहर्प अनुमति प्रसान को जाता है।

एम० पी० जैन, ग्रवर सचिव (प्रणा०) संघ लोक सेवा श्रायीग

नई दिल्ल.-110011, दिनाक 18 फरवरी। 1985

मं० ए० 35014/2/80-प्रणा० 11 (i)—-मचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्दारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० के अनुभाग अधिकार, श्र्वं करण सिंह को आयोग के कार्या य में 1-2-85 से 30-4-85 तक अथवा आगाम। आदेशो तव जो भ पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकार। संवर्ग बाह्य पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करने हैं।

2. लेखा ग्राधिकार, के म्प मेश्रा करण सिंह के नियुक्ति प्रतितियुक्ति के शर्नी पर होगे, और उनका वेतन वित्त मंत्रालय (ब्यय विभाग) कार ज्ञार मंद्र एफर । (मं)-ईर्-मेमं (ब.) 75 दिनांक 7-11--1975 मे उल्लिखित श्रनुदेशों के श्रनुम र विनियमित होगा।

विजय भल्ला, श्रनुभाग श्रधिकार। (प्रण ० II) • संघ लोक मेवा श्रायोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रणासनिक सुधार विभाग केन्द्र,य न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगणाल। केन्द्र,य श्रन्वपण ब्यूरो

नई दिल्ला, दिनाक 5 मार्च 1985

मं० 1.20/82 मी० एफ० एम० एल०/1593—- राष्ट्रपति केन्द्रीय नगर वैद्युक विज्ञान प्रयोगणाना के विष्ठ वैज्ञानिक सहायक श्र एन० के० प्रसाद (रसायन गास्त्र) के 19 जनवर। 1985 (पूर्वाह्म) से केन्द्रिय अन्वेषण ब्यूरी, नई दिल्ल, का केन्द्रीय न्याय वैद्युक विज्ञान प्रयोगशाला में विष्ठ वैज्ञानिक श्रीध-कारी (रसायन गास्त्र) के पद्मप्र तदर्थ आधार पर छः (6) माह और या पद के स्थाई रूप से भरने तक, जो भ, पहले हो, निथुक्त करते हैं।

दिना 🛭 11 मार्च 1985

सं० ए० 19015/1/78 शा० 5---निवर्तन होने पर श्री एच० सी०पार्वा, ने दिनांक 28 फरवरा, 1985 के अपराह्म मे कार्यालय अध्धार, केन्द्राय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ला के पद का कार्यभार त्याग दिया। सं० एं०- 19021/11/80-प्रशा०--5---प्रत्यावर्तन । होने पर, श्री तिलक काक, भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर प्रदेश-1971) पुलिस ग्रधाक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्युरी, विशेष पुलिस स्थापना, देहरादून शाखा को सेवाएं दिनांक 26 फरवरी, 1985 के ग्रपराह्न से उत्तर प्रदेश सरकार को सौंपा जातो हैं।

सं 3/6/85-प्रणा 5---राष्ट्रपति, श्रा एल ० डी ० नरवाल, भारतीय पुलिस सेवा (हरियाणा-1972) को एक मार्च, 1985 के पूर्वाह्म से अगले आदेश होने तः केन्द्राय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति के आधार पर पुलिस अधीक्ष्य के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 3/18/85-प्रणा० 5--श्रा डा० मुखर्जी, ग्रंपराध सहायक्ष, केन्द्राय अन्वेषण ब्यूरो को दिनाव एका मार्च, 1985 के पूर्वीह्न से अगले आदेश होने तक केन्द्राय अन्वेषण ब्यूरी में स्थानापन्न कार्यालय अधाक्षक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 12 मार्च 1985

् सं० ए०-19021/2/82-प्रणा०-5 -- निवर्तन कः स्रायु प्राप्त कर लेने प्रदेश स्थार० प ० अपूर, पुलिस स्रधः क्षानं, सः० स्राई० यू० (1), के० स्थ० ब्यूरो दिनों : 28 फरवर , 1985 के स्राराह्म से ः रार, सेनों से सेवा निवृत्त हो गए।

> राम स्वकृष नागपाल, पणा तेन : अधिकार (स्था०) केन्द्र य अन्वेषण ब्यूरो

महानिदे तला, केन्द्रीय रिवर्क पुलिस वल

मं ३ ड ७' ए : 30 483 स्थाप त रान्ध्या सुरज त । सिंह, पुति । उर्देश्य क्षाप्त, 7वी वटालियन, केंन्द्र य रिजर्व । पुलिस व । को से तप्ति सिंहा, 1-2 र85 (पूर्विह्न) से आस्ताम सरवार को डेर्डेट अगा. र : भौंग: जात है।

एँम० प.० जंबेमोला, सहायवः निदेशक (स्थापना)

म_्गिनिदेशालय केन्द्राय औद्योगिन सुरक्षा वल

नई दिल्ल:-110 003, दिनाक 4 मार्च 1985

सं० ई०-32015 (3)/2/85-गामिक-1--राष्ट्रपति, श्रा पा० एन० नन्दल, की, प्रोन्नति पर, 14 फरवरा, 1985 के पूर्वाह्म से 26-3-85 ता का अंबाधि के लिए या इन्हें अबाधि ता विक्रिया हिने ता, जो भा पहले हो, के अाँ जे पुठ वर्ष प्राह्म आई० जारू भिट, हैं रहाबाद में पूर्णक्या सदर्थ क्या अस्थाई असा का उर्व हमाईट है का में लियुक्त अन्ते हैं।

> (ह०) अप**उनीय** गरानिदेणका**नि**शीसुय

भारतोय लेखा तथा लेखा परोक्षा विभाग भारत के नियंत्रक महालेखा परोक्षक का कार्यालय नई दिल्ला-110002, दिनांक 11 मार्च 1985

सं० 5 वा० ले० प० 1/167--69---महालेखाकार (लेखा पराक्षा-II), पंजाब, चण्डागढ़ के श्रा रूप बसन्त शर्मा, लेखा पराक्षा श्रिकारा (वा०) अपना श्रिविधिता श्रीयु पूरी करने पर दिनांक 31-12--84 (अपराह्म) से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

के० पो० लक्ष्मन राव, सहायक नियंत्रक-महालेखापर,क्षक (वा०)

कार्यालय, महालेखाकार -I(लेखा) बिहार राच-2, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० प्र० प्रो०--3421---महालेखाकार-- (लेखा) बिहार, रांचा अपने कार्यालय के स्थाया अनुभाग अधिकारों मु० नमामुल हक को अपने कार्यालय में दिनांक 30--1-85 के पूर्वीह्न से अगला आदेश होने तह स्थानापन्न लेखा अधिकारों के पर पर 840 ·40 ·1000-ई० बा०--40--1200 रू० सहर्ष पदोन्नन करते हैं।

सं० प्र० प्रो०-3132---महालेखाशार (लेखा)-I बिहार, रावा प्रपति संपतिय के स्थाया अनुभाग अधिकारी श्री सत्य-नारायण चौधरा की प्रपति कार्यालय में दिनांक 30-1-85 के पूर्वाह्न से अपना आदेग होते तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर रू० 840-40-1000-ई० बी०--40-1200 सहर्ष पदोन्नन गरते हैं।

सं० प्रव प्रीं० -3148 - - महाल आकार (लेखा) - 1 बिहार, राजः प्राने ार्था तर के स्थायः प्रतुमाग प्रधिकारो श्री महेन्द्र प्रभाद वर्ना को अपने कार्यात्रय में दिनांक 31-1-85 के पूर्वीह्न मे अगता आदेश होने तर स्थानापन्न लेखा अधिकारी के प्रपर 840 - 40 - 1000 - ई० वा० - 40 - 1200 रु० सहर्ष पर्दीक्रत अरते हैं।

(ह०) स्रपठनीय वरोय उप महालेखाकार (प्रशा०) बिहार

महालेखाकार कार्यालय

(लेखा व ह∹दार) महाराष्ट्र⊸1

बनवई--400 020, विनार: 15 विराम्बर 1984

म०-प्रणानल-1/नामान्य/31-खण्ड- III/साॐी (1)/420--महालेखाकार (लेखा), महाराष्ट्र, वस्बई, ग्रवोनस्थ लेखा सेवा के निकाणिक्या मदण्यों को उनके नाम के सन्मुख निर्दिष्ट किए गए दिनांक से आगामी आदेण तक स्थानापन्न रूप लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

 -		
क ० सं०	नाम	दि नाक
 ,	,	
1.	श्री एस० बी० चौबक	20-10-1984 (ਸੁਸ਼ੀਵਾ)
2.	श्रो एस० एस० रानवडकर	(पूर्वाह्न) 5–11–1984
		(पूर्वाह्न)

3. প্রা দাত एल ০ केसवान।

एस० विश्वनाथन वरिष्ठ उपमहालेखावगर/प्रकासन

5-11-1984

(पूर्वाह्न)

कार्यालय निदेशक लेखा पर कार

नई दिल्ला →110 001, दिनाक 5 मार्च 1985

सं० 5691/ए--प्रणासन/130/82-84—-वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर श्रा डा० श्रीनिवासन, सहायक लेखा पराक्षा श्रीधकारा, रक्षा सेवाए, दिनाक 28-2-1985 (श्रपराह्म) की सेवा निवृत्त हुए।

भगवान भरण तायल, सयुक्त निदेशक लेखा ५र.क्षा रक्षा सेवाए, नई दिल्ला ।

वाणिज्य मत्रालय

(वस्व विभाग)

हथकरघा विकास श्रायुक्त वा कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 18 फरवरी, 1985

स० ए-12025(1)/7/83-प्रशासन III-राष्ट्रपति, श्रा नरेन्द्र कुमार ओखामाई मोलकी को 14 दिसम्बर, 1984' से ग्रागामी ग्रादेशों तक के लिए बूनकर सेवा केन्द्र पानीपत में महायक निदेशक ग्रेड-1 (बूनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> विवेक कुमार अग्निहोर्ता, श्रपर ।वकास श्रायुक्त (हथकरघा)

विकास प्रायुक्त (हर्म्ता मल्प) नार्यालय

नई दिल्ला-110066, दिनाक 28 फरवर। 1985

स० 58/(176)/75-अणासन-1--- अधिविधिता कः आयु प्राप्त होने पर, श्रां एस० एन० सहगल, उप निदेणक (प्रदर्शनः) विकास आयुष्त (हस्तिणिल्प) कार्यालय, नई दिल्लं। 28 पञ्चरः। 1985 के अपराह्म से सरवारा सेवा से नियुन्त २ए।

> शिरोमणि गर्मा, विद्यास सायुक्त (हस्लाभित्प)

उद्योग मत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास म्रायुक्त (लधु उद्योग) का कार्यालय

नई। दल्ला, दिनाक 6 मार्च 1985

स० ए०-19018 (104)/75-प्रशा० (राज०)-राष्ट्र-पति, विकास श्रायुक्त (लघू उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ला के उपनिदेशक (इलेक्ट्र्बंल), श्रा ए० बन्दोपाध्याय को दिनाक 2-2-1985 से पाच माह का श्रवधि के लिए उसा कार्यालय मे, निदेशक (ग्रेज-2) (इलेक्ट्र्क्ल) के पद पर नदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

स० ए०→19018/222/75-प्रमा० (राज०)-राष्ट्र-पति, खोद से घोषणा वण्ते हैं कि दिनाक 19-1-1985 की, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बगलौर के उपनिदेशक, काच एव मृत्तिका श्रा डा० रामचन्द्र राव का मृत्यु हो गई है।

सं० ए०-19018(775)/85-प्रका० (राज०)--विकास आयुक्त (लघु उद्योग) लघु उद्योग सवर्द्धन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषक), श्री राम कुमार को, दिनाक 1-2-1985 (पूर्वाह्न) में अगले आदेशो तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, सोलन में सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (आर्थिक अन्वेपण/उत्त्पादन सूचकाक) के पद पर तदर्थ आधार पर, नियुक्त करते हैं।

मं० ए०-19018 (776)/85-प्रशा० (राज०)-विकास आयुक्त (लवु उद्योग), लघु उद्योग विकास सगठन
के लघु उद्योग सक्रदंन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण), श्री कमला
पाण्डे को, दिनाक 18-1-1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशो
तक, लघु उद्योग सेवा सम्थान, पटना में, सहायक निदेशक,
प्रेड-2 (आर्थिक अन्वेषण/उत्पादन सूचकाक) के पद पर, तदर्थ
आधार पर, नियुक्त करते हैं।

सीं० सीं० राय, उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात श्रौर खान मन्नालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनाक 2 मार्च 1985

स० 1382बी०/ए०-32014 (2-म्रां०एस०)/8119 बी०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण क महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विरुट्ठ तकनीकी गहायक (सर्वेक्षण)
श्री आर० एम० पक्क की अधिकारी मर्वेक्षक के पद पर
उमी विभाग में नियमानुसार 650-30-710-35-810द० रो०-35-880-40-1000-द०, रो०-40-1200 ह०
के वेतन पर, अरशाई क्षाता में, 9-9-83 के पूर्वात्त में मीमांसात्मक पदोष्ठात पर नियुक्त कर रहे हैं। श्री पंकज ने भारतीय

भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में अधिकारी सर्वेक्षकं के पद का कार्यभार ़ ास्तव में 15–11–84 (पूर्वाह्न) से ग्रहण किया।

> अमित कुमारी, निवेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 21 जनवरी 1985

सं० ए०-19011 (177)/77-स्था० ए०--राष्ट्रपति श्री एम० के० ए० मुताफ, स्थायी सहायक खान नियंत्रक को भारतिय खान ब्यूरों में उप-खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 2 जनवरी 1985 (पूर्वाह्न) से, तदर्थ आधार पर 6 माह के लिए या उस पद को विभागीय पदोप्तति समिति/संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 मार्च 1985

सं० ए०-19011(239)/78-स्था० ए०--राष्ट्रपति श्री अलोक बसु, स्थानापश्च सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में उप-खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 18 जनवरी 1985 के अपराह्म से, निदर्थ आधार पर 6 माह के लिए या उस पद को विभागीय पदोश्चित समिति/संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19011 (186) / 84-स्था० ए०--राष्ट्रपति श्री कं० सी० पी० सिंग, स्थायी सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरों में उप-खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 25 जनवरी 1985 के अपराह्म से, तदर्थ आधार पर 6 माह के लिए या उस पद को विभागीय पदीश्वति समिति/संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, सह्पं नियुक्त करते हैं।

> पी० पी० वादी, प्रशासन अधिकारी कृते महानियंत्रक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक फरवरी 1985

सं० एफ० 30-11/83-स्था०/4634--- निवर्तन आयु पूरा करने पर, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के किनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, श्री एस० सी० राय चौधुरी ने, 31-1-1985 (अपराह्म) से किनिष्ठ प्रशासित अधिकारी के पद का कार्यभार, कोड दिया।

दिनांक 6 मार्च 1985

सं० एफ० 9/2/83-स्था०/4535--कार्यालय अधीक्षक, श्री मी० प्रार० साहा को, मुख्यालय, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, कलकत्ता में २० 650-1200 के वेतनमान में, किनष्ठ प्रशासिनक अधिकारी (ममूह ख) के पद पर, 16-2-85 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेश तक, अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर, नियुक्त किया गया।

डा० बी० के० टिकादर, निदेशक भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

आकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी 1985

सं० 17/7/84-एम०-4-महानिदेशक, आकाशवाणी, निम्निलिखित प्रवर इंजीनियरी सहायकों, उनके सहायक अभियंता को पदोश्रति पर उनके नामों के नामने दी गई तिथियों संदर्भ आधार पर अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं:--

ऋ० सं०	नाम'	तैनाती केन्द्र ,	कार्यभार मंभालने की नारीख
1. ર્શ્ન	एम० जयनारायणन्	आकाशवाणी	12-12-84
2. র্প্র	ो एस० देंग्० शर्मा	कोयम्बटूर दूरदर्शन केन्द्र,	(पूर्वाह्न) 1-1-85
		नई दिल्ली	(पूर्वाह्न)

जे० डी० भाटिया, उपनिदेशक (प्रकासन) कृते महानिदेशक

भाभा परमाणु केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक, 1 मार्च 1985

सं० पी० ए०/76(2)/84-आर०-III/421--नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्नभहायक लेखाकार श्रीमती यशोधरा योगेण को सहायक लेखा अधिकारी पद्भू पर दिनांक 15 फरवरी 1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेण जारी होने तक इसी अनुसंधान केन्द्र में नियुक्त करते हैं।

ए० एस० दीक्षित, वरिष्ठ प्रणानन अधिकारी

बम्बई-400 085, दिनांक 8 फरवरी 1985

 लेखा अधिकारी, श्री एंथोनी मैंसकैरेनहेस को 29 जनवरी 1985 (पूर्वाह्म) में आगामी आदेश होने तक इसी अनुसंधान केन्द्र में तारापुर में लेखा अधिकारों II पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> एम० डी० गाडगिल, उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग कय ग्रीर भंडार निदेशालय वम्बई-400001, दिनांक 4 मार्च 1985

मं० ऋ० भं० नि०/2/1(3)/82/प्रणा० 6622—परमाणु ऊर्जा विमाग, ऋष ग्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने भा० प० अ० के० के स्थायी सहायक लेखापाल श्री अदत रामन कुट्टी नायर को इसी निदेशालय में दिनाक 18 फरवरी, 1985 (पूर्वाह्न) में अगले आदेण होने तक रुपए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के बेननमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

पीं गोनालन, प्रशासन अधिकारी

मंद्रास परमाणु विद्युत परियोजना कलपाक्कम 603102,दिनांक 4 मार्च 1985

सं० एम० ए० पी० पी०/3(1515)/8 प्र०—पियोजना निदेशक, मद्राम परमाणु विद्युत परियोजना, श्री एम० वेंकटरामन् एक स्थाई महायक प्रशासनिक अधिकारी को प्रशासनिक अधिकारी—II के रूप में र० 840-40-1000—ई० बी० 40-1200 के वेतनमान में मद्राम परमाणु विद्युत परियोजना में अस्थाई रूप से दिनांक 4 फरवरी 1985 से आगे के आदेशो तक सहबं नियुक्त करते हैं।

बी० ए० एम० प्रसाद, प्रशासनिक अधिकारी

न्यू क्लियर विद्युत बोर्ड वम्बई, दिनांक 6 मार्च 1985

गं० पा०पा० ई० डा० 3(235)/83-2370--- निदेशक (अभियानिका) विद्युत परियोजना अभियानिका प्रभाग के एक स्थार्या वरिष्ठ आणुलिपिक श्रा जा० जा० कुलकाणी को तारीख दिसम्बर 6, 1984 ने अगले आदेश तक इसी बोर्ड में इ० 650-- 30-740-35 र 880 ए० रो०-- 40--960 के वितनमान में सहायक गार्मिक अधिकार, के रूप में नियुक्त धरते हैं।

 को । जनवरे: 1985 रे अगले आदेश तक सहायक कार्मिक अधिकारा के पद पर अस्थाया रूप से नियुक्त करते हैं।

> आर.० ह्वं ० बाजपेयी सामान्य प्रणासन अधिकारी कृते निदेशक

बम्बई-5, दिनांक 6 मार्च 1985

> आर० एस० तलपदे सहायक कार्मिक अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र कालपाककम दिनांक, 26 फरवर: 1985

मं० आर० आर० मा० ए० 32023, 1/85-आर०/3800--इा केन्द्र का ताराख 2/4 जनवर), 1985 का ममसंख्या (247)
आंध्रमूचना के काम में रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के निदेश: ने केन्द्र के स्थाया सहायन लेखापाल था। किल्ला कुलगार नामन वेतायूधन को उसा, केन्द्र में महायन लेखा आध्रशार, के प्राप्त तदर्य आधार पर स्थानापार एक किन्ना भागा प्रदेशित का अवध्रि 1--2-85 से 28-2-85 तह अथना अगना आदेश होने तक के लिए, जो भा पहले घटिन हो, यहा दा है।

कु० ए८० गेरान्ध्रिप्तण प्रणासन अधिकार

अन्तरिक्ष विभाग विकाम साराभाई अतरिक्ष केन्द्र तिरुवन्तपुरम -22, दिलाक 12 फरवर, 1985

सं० वि:० एप० एप० में.०/स्थाः /ए०/85 -- निदेशक, वि:० एप० एप० पे.० अं तिथा विस्तान के विकास को भिर्म देखा कि कि कि (वा:० ए ० ए ० ए ० में.०) निकास एप्रांच के लिक कि विवास के विवास कि वियास कि विवास कि वि

दी गई तारींखों से केवल अस्थाया रूप में आगाम। आदेश तक नियुक्त करते हैंं :---

羽 o	नाम		प्रभाग	नियुक्तिकः
सं०				तार खा
				
1. 왕	। ए० वी० निर्मल	सः०	স।০ ভঃ ০	26-11-84
2. স্ব	। बेब _{ें} अब्रहाम	आई०	पां० इति	22-10-84

जा० मूरलीधरन नायर प्रणासन अधिकार:- II (स्था०) कृते निदेशक, वारणसरु एस० एस० सरू

इसरों: शार केन्द्र

्रकामिक और सामान्य प्रशासन प्रभाग

श्रीं हरिकोटा-524124 दिनांक 25 फरवर) 1985

मं० श्रा गा० मुं०/सा० श्रीर मा० प्र०/स्या० प०: 111: 1-72---निम्ताचित अमेचारियों को वैज्ञार्थ इंजे, नियर एम० ब्री० के पदों पर, स्थानापन्त क्षमता के रूप में, अंतित तार,खों से नियुषित करने के लिए, णार केन्द्र, श्रीहिरिकोटा के निदेशन ते से प्रमन्ता प्रकट का है:---

ऋ० नाम सं०	पदनाम	नियुक्तिका वारीख
सर्वेश्री/श्रीमती/ कुमारी	-	
1. एस० विजया	वैज्ञा० इंज।निय एस० बी०	₹ 21-09-84
2. वीलनागराजू	वै ज्ञा ० इंजी।नियर एस० की०	1 2- 1 1- 84
3. एस० जयलक्ष्मी	वैज्ञा० इंजी नियार एस ्बी ०	30-11-84
4. णिव प्रसाद मिश्र	वैज्ञा० इंजं।नियर एस० वी०	07-12-84

एल० राजगोपाल प्रणायन अधिकारो-II कृते निदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ला, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० ए० 38 013/1/84-ई० सा०--नागर विमानन विभाग के वैमानियां मंचार स्टेशन कलकत्ता के श्री बीठ एन० भट्टाचार्जी, सर्वायक सचार अधिकारो, नियर्तन आयु प्राप्त इप लेने पर दिनांक 31--12-84 (अपराह्न) से सरकारो सेवा से सेवा निवृत्त हो गए है।

> वा० जयसम्बद्धन महायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 8 मार्च 1985

मं० 1/91/8 5- स्था०-- विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा मद्रास शाखा के पर्यवेक्षक, श्रा वा० कोदण्डरामन की तदर्थ आधार पर और स्थानाय व्यवस्था के रूप में एक अल्प कालिए रिक्ति पर 9-12-83 से 7-1-84 (दोनों दिनों सहित) तक का अयिध के लिए उमा शाखा में स्थानापन्त की है सियत से उप-परियान प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

र० का।० ठक्कर उप निदेशक हते महानिदेशक

केन्द्राय उत्पादन शृल्क और सीमा शुल्क :

वडोदरा, दिनाक 1 मार्च 1985

सं० 1/1985--श्रा वाय० बंा० बेखरकर, प्रणासनिक अधिकारो, केन्द्रीय उत्पादन शुल्म व सीमा शुल्क, (वर्ग "ख") भण्डल-III, सूरत वृद्धावन्या में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनाक 28-2-1985 के अपराह्म से निवृत्त हो गये हैं।

एन० बी० सोनावणे समाहर्ता केन्द्रं,य उत्पादन और र्स.मा शुल्क वडोदरा

दक्षिण मध्य रेलवे

सिकन्दराबाद 11 दिनांक 1 मार्च 1984

सं० पा०/राज/185/लेखा---इस रेलवे के भारताय रेल लेखा सेवा अधिकारो श्री एम० जयबृष्णन् तथा श्रामता गीता तूपल की क्रमणः 7-7-80 (सात जुलाई, उन्नीस सी अस्सा) और 15--5-1983 (पन्द्रह् मई, उन्नीस सी तिरास) ये उस सेवा के प्रवर वेतनमान में स्थायी किया जाता है।

> चन्द्रमणः, मलिक महाप्रबन्धक

उद्योग तम कम्पनी कार्य मवालय (कम्पनी कार्य विभाग) वस्पनी विधि वार्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय करोत, पर्विनियम, 1956 और ग्रहर इण्डस्ट्राज प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे

कोच्चःन, दिनाक 28 फरवर: 1985

मं० 69/लिक/1662/560(5)— कम्पनः ग्रिधि-नियम 1956 कः धारा 560 कः उपधारा (5) के श्रनुसार एनद्वारा सूचना दः जातः है कि श्रन्य इण्डस्ट्राज प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज वाम्यनियों के रिजम्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनो विघटित हो गयें। है।

> कम्पना ग्रिधिनियम 1956 और युनाइटेड रब्बेरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कोच्चीन, दिनांक 5 मार्च 1985

मं० 1695/लिक/1731/560(5)—नम्पना प्रधिनियम 1956 का धारा 560का उपधारा (5) के अनुसार एतद्-द्वारा सूचना दा जाता है कि युनाइटेड रब्बेरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनं। विघटित हो गया है।

> कम्पना ग्रिधिनियम, 1956 और एसोसिएटेड लक्ष्मा चिट्स फण्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

को च्चीन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 2076/लिक/1733/560(5)—-कम्पना श्राधिनियम 1956 को धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसार एतद्वारा सूचना दा जातो है कि एसोसिएटेड लक्ष्मी चिष्टस फंडस प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज कम्पनियों के रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गया हैं।

कम्पना श्रधिनियम 1956 और इण्डयन ट्रस्ट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चीन, दिनांक े 5 मार्च 1985

सं० 483/लिक/1735/560(5)——कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसार एतद्बारा सूचना दो जाता है कि इण्डयन ट्रस्ट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड को नाम श्राज कम्पनियों के रजिस्टर से कोट दिया गया है और उक्त कम्पन। विषटित हो गया है।

कम्पर्ना अधिनियम, 1956 और सूरेश चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चीन, दिनांकः 5 मार्च 1985

सं० 2325/लिक/1737/560(5)----कम्पन, श्रधिनियम 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसार एतदृहारा सूचना दा जाता है कि सुरेण चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम ब्राज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटितः हो गर्या है ।

> कम्पना श्रिधिनियम, 1956 और एम० परेस एण्ड सम्पना (कोच्चं न) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

> > कोडचीन, दिनाक 5 मार्च 1985

सं० 726/लिक/1739/560(5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसार एतद्-बारा सूचना दा जाती है कि एम० परेस एण्ड कम्पनी (कोच्चीन) प्राइवेट लिमिटड का नाम श्राज कम्पनियों के रिजम्टर से नाट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और तिचुर फर्टिलाइजर डिस्ट्रिबुटर्म प्राइवेट लिमिटक के विषय में कोच्चोन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 726/लिक/1741/560(5)- कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 का धारा 560 को उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि लिचुर फरिटलाइजर्स टिस्ट्रिब्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, धाज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त नाम्पनी विघटित हो गयी है।

नम्पना श्रिधिनियम, 1956 और सरवें**ट्टम कु**रीस ए**ण्ड** लोनस प्राइवेट लिमिट**ड के** विषय में

कोच्यीन, धिनांक 5 मार्च 1985

सं० 3399/लिक/1743/560(5)--कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 को धारा 560 कं उपधारा (5) के अनुसार एतवृद्वारा सूचना दी जाती है कि सरवौद्धम कुरीस एण्ड लोन्स प्राइवेट लिमिटड का नाम भ्राज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पना विघटित हो गयो है।

> कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 और दरारना चिट फैनान्स एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिट**ड के** विषय में

> > कोच्चीन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 2445/लिक/1745/560(3) -- कम्पनीः प्रधिनियम्, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार किया यह सूचना वा जाती है कि इस तारीख से तान मास के अभिन्य पर दरारना चिट फैनान्म एण्ड ट्रेडिंग कम्पना प्राइवेट लि। मटेट का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हिन्दुस्तान कारपोरेशन (ट्रावनकूर) प्राइवेट खिमिटेड के विषय में

कोण्यान, धिनांक 5 मार्च 1985

सं • 430/लिस/1748/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार में एतव्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हिन्दुस्तान कारपोरेशन (द्रावनकुर) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्व न किया गया तो 'रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विचटित कर दी जावगी।

कम्पनी प्रविनियम, 1956 और रिनौण्ड फिलिम्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्यीन, विनांक 5 मार्च 1985

सं० 2074/लिक/1751/560(3)—कम्पनी मधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के मनुसार एतव्दारा यह सूचना वो जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भवसान पर रिनीण्ड फिलिस्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उन्त कम्पनी विधिटत कर दी जाएगी।

कम्पनी मिधिनियम, 1956 और इण्डस्ट्रियल लयीम एण्ड मलैंड प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोण्जीन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 2854/लिक/560(3)1754--कम्पनी मिधिनियम,
1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के झनुसार
मैं एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से
वीन मास के झबसान पर इण्डस्ट्रियल लयीम एण्ड झलैंड प्रोडक्टस
प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिक्त न (कया
गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्ष कम्पनी विघटित
कर दी जाएगी।

कम्पनी प्रधिनियम 1956 और तिवेन्द्रम कारबहरूस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोर्च्यान, विनांक 5 मार्च 1985

् सं० 3149/लिक/1757/560(3)—कम्पनी मधिनियम
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्वारा
यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर
विवेन्द्रम नारवहब्स प्राह्येट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत
कारक देशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा
और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।
2=516G1/84

सम्पना प्रधिनियम, 1956 और मलबार विजय सम्पनी प्राइवेट लिमिटे**ड से** विषय में

कोच्यांन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 1552/लिक/1760/560(3)--कम्पनीः श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के भनुसार एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भवसान पर मलबार विजया कम्पना प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण धीशत किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विभटित कर वी जायेगी।

नम्पती अधिनियम, 1956 श्रीर अजय फरनेसस प्राइवेट लिमिटेड ने विषय में

कोच्चीन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 2569/लिक/1785/560(3) → अम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 का उपधारा (3) के धनुसार एतद्शारा यह सूचना दें। जाती, है कि इस तार्र ख से तीन मास के धवसान पर अजय फरमेसस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण धर्मित न किया गया तो रिजस्टर से बाट दिया जाएगा और उक्त कम्मनी विषटित कर दी जाएगी।

्रभम्पनी श्रिधिनियम, 1956 और पान ट्रावनकोर इण्डरट्रं ज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चीन, विनांब 5 मार्थ 1985

जि 935/लिक/1490/560(3)--कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तार्र ख से तीन मास के अवसान पर पान दावनकोर इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया न किया गया ती रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उकत वाम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी ब्रधिनियम, 1956 और जोरज हारी मैंको बायो-निक्स प्राइवेट जिमिटेड के विषय में

कोच्चीन, दिनांक 5 मार्चे 1985

सं 2703 निका 1495 / 560 (3) --- कम्पर्नः अधिनियम, 1956 की धारा 560 के. उपधारा (3) के अनुसार एतद्ढारा यह सूचना दी जाती है कि इस सारीख से सं न मास के अवसान पर जोरज हारी मैको बायो निक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएंगा और उक्त अम्पर्नः विषटित कर दी जाएंगा।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 और ग्रालवे केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चीन, दिनांक 2 मार्च 1985

सं० 2552/लिक/560(5)1816--लम्पर्ना मधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्-धारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आलवे के मिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगा।

कम्पना प्रधिनियम, 1956 और न्यू इण्डिया प्रोड्यूस एजेंस.स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चीन, दिनांक 5 मार्च 1985

स० 1970/लिक/560(5) 1807— सम्पर्ना स्रिधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के स्रुनुसार एतद्-द्वारा सूचना दी जाति है कि न्यु इण्डिया प्रोड्युस एजेंसीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम स्राज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पना विघटित हो गई है।

कम्पना ग्रंधिनियम, 1956 और टैक्नीक्शल एण्ड मैनेजमेंट कन्सल्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चीन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं 2798/लिक/560(5)1809 -- कम्पनः प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 का उपधारा (5) के श्रनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि टैक्नीकल एण्ड मैनेजमेंट कन्सल्टेटन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त सम्पनी विषटित हो गया है।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 और एस० पिचू ग्रम्यर एण्ड सन्स प्राइवेट सिमिटेड के विषय में

कोर्फ्वान, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 1034, लिका 560 (5) 1811--कम्पनी मधिनियम, 1956 का धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसार एतद्वारा सूचना दी जाता है कि एस० पिचू मध्यर एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रंधिनियम, 1956 और नजोमा ग्राफिक्स प्राइवेष्ट लिमिटेश के विषय में

कोर्च्यान, दिनांक 5 मार्च, 1985

सं॰ 2627/लिक/560(5)1813--कम्पना भाधिनियम, 1956 को धारा 560 को उपधारा (5) के भनुसार एसदृष्टाग सूचना दी जातं. है कि नज़ीमा ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम माज कम्मिनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्मिन विषटित हो गई है

कम्पर्नः ग्रधिनियम, 1956 और इर्न्जानियरिंग टैक्नाकल इण्डस्ट्रियल प्रोमोशनल एण्ड मैनेजेरियल ग्रण्डस्टेकिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चान, दिनांक 5 मार्च 1985

सँ० 2651/लिक/560(3)1819—कम्पना प्रधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रमुसार
में एतव्दारा यह सूचना दा जाता है कि इस साराख से तीन मास के
प्रवसान पर इन्जानियरिंग टैक्न वाल इण्डस्ट्रियल प्रोम कनल
एण्ड मनेजेरियल प्रण्डरटेकिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम
इसके प्रतिबूल कारण दिणत न विध्या गया तो रिजस्टर से बाट
दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

क्षे० पंचापक्षेणन अम्पनियों का रजिस्ट्रार क्षेरल

कम्पनं। प्रधिनियम, 1956 और ईस्टार्न कनसेणन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० 9552/560(3) — कम्पनि प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस सारीख से तीन मास के प्रवसान पर ईस्टान कन-सेगन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पना विषटित कर दा जायेगा।

कम्पनो ग्रधिनियम, 1956 और साइन्टिफिक्स साफटवेयर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कसकता, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० 32375/560(3)—कम्पना अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) से अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दो जाते। हैं कि इस ताराख से तीन मास के अवनान पर क्षाइन्टिफिक साफटवेयर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इक्षके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त्कम्पनी विषटित कर दो जायेगा।

सम्पता श्रिधिनियम, 1956 और श्रलकतन्दा इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकता, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० 30776/560(2) -- सम्पर्ना प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दा जातो है कि इस साराख से तान मास के अवसान पर प्रसमनन्दा

इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पर्ना विघटित कर दो जायेगी।

> राप्पती प्रधित्तियम, 1956 और इंडियन क्लाक मैन्यूफैक्परिंग कम्पती लिमिटेड के विषय में

> > कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० 10465/560(3)—कम्पना अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्हारा यह सूचना दो जाता है कि इस हाराख से तान मास के अवसान पर इंडियन क्लावा मेन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत बारण धिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त बास्पना विघटित कर दी जायेगा।

कम्पनं: अधिनियम, 1956 और पाल बादर्स (आमक्रेला) प्राहवेट (लामटेड, के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० 22316/560(3)—न्तम्मना श्राविनियम, 1956 का धारा 560 का उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाता है कि इस ताराख से तान मास के श्रवसर पर माल बार्स (आमक्रेना) प्राइवेट लिभिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न निया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दा जायेगा।

कम्पनी श्राधिनियम, 1956 और जनपद श्रा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

भलकत्ता, दिनांभः 4 मार्च 1985

सं० 1608 5/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 का धारा 560 का उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दं। जाती है कि इस तारीख से तान मास के अवसान पर जनपदश्री प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से बाट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगा।

कम्पनं। ग्रंधिनियमं, 1956 और गोसेन एण्ड कं० (इंडिया) प्राइवेंट लिमिटेड के विषय में

कलक्सा, विनांक 4 मार्च 1985

सं ० 17646/560(3)— कम्पनी मधिनियम, 1956 की धारा 560 का उपधारा (3) के मनुसरण में एतद्वारा यह सूचना

दो जाती है कि इस तारीख से तान मास के श्रवसान पर गोसेन एण्ड कं० (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल गारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दो जायेगी।

> एष० बनर्जी कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 और ग्रमरावर्ता श्री वेंकटेसा फाइनान्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० 9470/560/8 4- - नम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाता है थि इस तारीख से तान मास के श्रवसान पर श्रमरावती श्री वेंकटेसा फाइनान्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतकूल कारण दिया न क्या गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त अम्पना विघटित अर दो जायेगी।

ह० पठनीय कम्पानयों का सहायक राजिस्ट्रार तमिलनाडू

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के श्रधीन सूचना कम्पनो श्रधिनियम, 1956 के मामले में और नानभीस्कोस प्राइवेट लिमिटेड के मामले में अम्बई, दिनांक 5 मार्च 1985

म० 13241/445(2)/लिक-कम्पनी आवेदन संख्या 13241 वर्ष में स्थित माननाथ उच्च न्यायालय, बेम्बई के झादेश दिनांक:17-3-77 के बारा सानमीस्कोस प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का झादेश प्रदान कर दिया है।

> ओम प्रकाश जैन श्रितिरिक्त सम्पनी रिजस्ट्रार महाराष्ट्र, बम्बई

प्रक्ष बार्षे हो, एवं, एत्, न्यान्त्रान

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

नारुत चरकार

कार्यालय सहायक बायकर आयुक्स (निरीक्षण) अप जंन रेज-3, धम्बर्ध

धम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

मिर्देश सं० आई०-3₁37ईई₁10386₁84-85—अतः मुझे, ए**० लहिरी**,

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विदयस करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जिपत बाजार मृल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 404, जो 4 थी मंजिल, पूजा धुमारत, माहूल रोड, चेंबूर, अम्बई-71 में स्थित है (भौर इससे उपाबक अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी गय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरकः थे दायित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविक्ष के भए: बॉर/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी थन या जन्य भास्तियों को जिन्ही भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) मा उन्हर्ग निभिन्यम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. नहार एसो मिएटस ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कथिता अर्जनदास रामचन्दनानी।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां क्रारता क्रों।

उनत रोपरित को अर्थन को संबंध में कोई भी जाओब :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्थान: की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को साहीब है 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी सन्य स्थानित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

पलैट्रों नं र्वे 404, जो 4 थी मंजिल, पूजा इमारत, माहूल रोड, चेंबुर, अम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० आई०-3/37ईई/10386/84-85 ग्रौर जो सञ्जम प्राधिकारी अम्बई द्वारा विनांक 1-6-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :11-2-1985

मोहर ३

प्रक्य बार्ड .टी .एन .एस . ------

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रेंज-3, अम्बई अम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं०अई०-3/37ईई/10138/83-84—अतः मुझे, ए० लहिरी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 39 जो 2 री मंजिल, प्रेम प्रकाश, को-आप० हार्जीसग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 5,6 श्रीर 7 लक्ष्मी कालोनी, माहूल, रोड, चेंबूर, अम्बई-74 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दीयत्व में कमी करने या उससे वचने में सूबिधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन्या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए:

वतः वयः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-व के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- 1. श्री के० एन० श्री निवासा मूर्ती।

(अन्तरक)

2. श्री के० विजय शेट्टी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लट नं० 39, जो 2 री मंजिल, प्रेम प्रकाश को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 5, 6 ग्रीर 7, लक्ष्मी कालोनी, माहल रोड, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं आई-3,37ईई,10138,84-85 और जो सक्षम पाधिकारी वस्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, सम्बद्ध

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🛨

मच्य बाह् । हो . एत् . दब .-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269-म (1) के अभीन सुखना

भारक सरकार

कार्यांक्य, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं. अई०-3₁37ईई₁10055/83-84--ं-अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनिगम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही की धारा 269-ख के जबीन सभ्रम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचितः वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

भ्रौर जिसकी संव बुकान नव 4, जो प्लाट नव 4, सीव टीव एसव नंव 278, बाधवली, व्हलेज, चेंबूर कालोनी, अम्बई-74 में स्थित है (भ्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विषत है) भ्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की घारा 269 केख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रोतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से लिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितिस्त) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-क्षण निम्नां भीति सद्देश्य है जिस्स निम्तरण कि सिन्न के बाल्य दिस कर से कारिक स्था दिस कार्या है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी जाय वा किसी भग या अन्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ का उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

1. मैसीस सुप्रिभ बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नृतन केशवजी छेडा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करफे पूर्वोक्त संपत्तिं के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

शक्द सम्पोत्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेय ह---

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकासन की तारीच से 45 विस की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी जविष बाद में समाप्त हाती हों, के नीउर प्रविक्त व्यक्ति स्वारा ;
- (क) इस स्थान के रावपन में प्रकावन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शक्त विश्वित के लिए मा मान्ये।

स्पन्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिया, के आधाय 20-क ने परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया सभा हैं।

अनुसूची

दुकान नं० 4, जो प्लाट नं० 4, सी० टी० एस० नं० 278, वाधवली व्हिलेज, चेंब्र, कालोनी, बम्बई-74 में (स्थत है:

अनुसूची जैसा कि क० सं० बम्बई-3, 37ईई/10055,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० सहिरी नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🛚

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

HING EVER

भार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० माई०-3/37ईई/10021/84-85---मतः मुझे, ए लहिरी,

आयकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'),, की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान नं० 9, जो ग्राइन्ड फ्लोर "वामण ग्रपार्टमेन्ट्स" इमारत जंक्शन ग्राफ वि एन० पूरव मार्ग और घाटला व्हिलेज, रोड, चबूर बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वांणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 भी घारा 269 कुछ के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है विनाक 1-6-1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और , मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पृत्य , उसके दश्यमान प्रतिफल से , एसे दश्यमान प्रतिफल का नन्तह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुए किसी नाय की शवत उसल मिंध-नियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) डे ज्यान्य निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैसर्स पारेख क्रांस ।

(श्रन्तरक)

2. कुमारी गुलाब सुरेशभाई शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख सं
 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील सं. 30 दिन की अविधि, आं भी
 अविधि शदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्पब्हीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उभ प्रध्याय में विका गया है।

जन्सू ची

दुकान नं० 9, जो ग्राउन्ड फ्लोर ''वामण श्रपार्टमेन्ट'' ६मारत अंक्शन ग्राफ वि० एन० पूरव माग और घाटला व्हिलेज रोड, चेंब्र बम्बई-71 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि से श्राई-3/37ईई/10021/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर:

प्रकृप बाह्र .टी. एवं एक .-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जनरेज-3, बम्बर्ड

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश स॰ प्रई०-3/37ईई/10043 84-85--प्रतः मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' महा गया हैं), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुक्त से अधिक हैं

आंग जिसकी स् ० राईट उटरेस्ट शीर टायटल्स इन पलैट न ० सी-1/10 हरी रतन को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० वागर नगर गोरेगांव, (प०) बस्बई-90 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध पन जी में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्राधिनयम 1961 की घारा 269 कथ के धीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान पितफा के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया प्रा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किया गया है :——

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (ब) एसी किसी बाय वा किसी भन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नजिक्ति व्यक्तियाँ, अभादा क्र— ा श्री संतीश गजानन चितले।

(मन्तरक)

2. श्री पुंडलिक कृष्णा नखरे।

(भन्तरिती)

को मह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है?।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इब तुजना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की जबभि, वो भी जबिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाए;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विचित में किए जा सकोंगे।

स्यक्किरणः — इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

मनुस्पी

राईट इटरेस्ट, और टायटल इन फ्लैंट न० सी-1/10 हरी रसन को-भाप० हाउसिंग सोसायटी लि॰, बांगूर, नगर, गोरेगांव (प॰) बस्बई-90 में लिखा है।

घनुसूची जैसा कि कि सं धई-3/37ईई/10043/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० ल**हिरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, *बम्ब*ई

विनोक: 12-2-1985

मोहर 🖰

प्रकृष बाइ⁴. दी. इस . एवं

नायकर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में नभीन स्वना

सार्क वरकार कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

बम्बई विनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं व भाई व्याई व्याई 10137/84-85—भतः मुझे, एव - लाहरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रः से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० सी/33, जो 1ली मंजिल मंगल कारीनी को-जाप० हाउसिंग सोसायटी लि० 17, सिद्धार्थ नगर रोड, गोरेगांव (प०) बम्बई-62 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो (पूर्ण रूप से वांणत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान दितकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, विस्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त सिंधिनियम के अधीन कर दोने के अप्तरक के वास्तरम में कामी करने या उससे क्याने में सुविचा चै सिंध: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में द्विया वे किया

1. श्री राजाराम कवा सुपुत्रश्री निवार कवा

(अन्तरकमे)

- (1) श्री गणेश नारायण अजमेरा, भौर
 - (2) श्री बद्री नारायण अजमेरा।

(अन्तरिती)

्क्री यह ब्यमा बारी करके प्रतिका सम्मतित के नवंत के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

बक्त सम्मतित् के अर्थन से सम्बन्ध में कोई भी बाखेर ॥--

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तार्रांश है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ प सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (का) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थल्लीकरणः --इगर्ये प्रमुक्त अस्ति और पद्यों का, जो उदर विभिन्नियम के अध्यास 20-के में परिभावित है, यही वर्ष होगा को उस सम्यास में विका गया ही।

वनस्पी

प्लंड नं की/33, जो 1 ली मंजिल, मंगल कारिणा को-आप का हा जिंसा सोसायटी लि , 17, सिद्धार्थ नगर रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूर्चा जैसा कि ऋ० सं० आई-3/37ईई/10137/84-85 और जो अभग प्राधिकारी बम्बई, ब्राप्त दिनोक 1-6-1984 को एजिस्टई किया गया है।

> ए० सहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक खायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-अ, बस्बई

विनांक: 12-2-1985

मोह्यु 🔞

प्ररूप बार्ड . टी. एन . एस . ---- ---

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरें ज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10008/84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उनत् अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा .269-स के अभीन 'सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000%- रू. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201, जो प्लॉट नं० 301, देवकुपा इमारत, जवाहर नगर, गोरेगांव, (प०), बम्बई-62 में स्थित है (भौर इससे उपाबज अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में शास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाय्ति में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269 ज के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ज की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

 श्रीमती हंसमुख प्रवीण शेठ भौर श्री प्रवीण आर० शेठ।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र एन० शहा।

(अन्तरिती)

क्को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ः--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गरा हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 201, जो प्लॉट नं० 301, देवकूपा बमारत, जवाहर नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई 3/37ईई/10008/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> . ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, बम्बर्

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🛭

ृत्रस्य ज्ञाहें. टी. एम् ु एक् ,>=====

नायकर जिभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत तरकार कार्यास्य, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

> अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निवेश सं० अई-3/37ईई/10501/84-85-अतः मुझे, ए० लहिरी,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

- (क) संधरण संहूर किसी जान की बानग्र, उच्छ अधिनियन के सभीन कर बेने के वंसड़क के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी थाय या किसी था या अन्य आस्तिक। की, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियम्ने में सुविधा के लिए:

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीम, निम्मसिचित व्यक्तियों, वर्भात् :--- 1. श्री० वि० बी० मंकोडी।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश सोमचन्य, शहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मित्त के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्स सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भीं
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-1/4, जो महोग नगर, एस० बी० रोड, गोरेगांव (प०), बम्बर्ध-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-337ईई/10601/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर 🔞

प्रकम बाहै. ही, एन., एव. -----

नाधकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्याभय, सञ्चयक नायकर बावुक्त (निहासक)

अर्जन रेंज-3, धम्बद्द बम्बर्ड, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10182/83-84--अत. मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

क्रीर जिसकी सं० गाला नं० 31, जो 2 री मजिल, प्रवासी इंडस्ट्रियल इस्टेट, किन्डोधी व्लिलेज, आफ आरे रोड, गोरेगाव (पूर्ण), बम्बई-63 में स्थित हैं (बौर इससे उपाधद अनुसूत्ती में भौर जो पूर्ण रूप से बणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्तम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 6-1984 व । पूर्वे कत सम्मात्त के उचित बाजार मृत्य सं कम क स्वयमान पिक्फ के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य व राके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिग्रत स विध्वत हैं और अन्तरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे कन्तरण के लिए तम पाग गया प्रतिफल निम्नांतिकत उद्भवेष्य से उक्त कन्तरण सिकित का सामित का स

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस नवाने में सुविधा से मिए; बॉर/बा
- (क) एरेती किसी नाथ या किसी धन या नन्य नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर सिधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त स्थितियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वाच प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, पिम्निसिक्त स्थवितयों, अधीत क्र--

- भी एच० जे० पटेल, यू० जे० पटे स भीर अन्य । (अन्तरक)
- 2. भी अनिस एस॰ शहा घौर अन्य (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्श सम्बक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाए;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगुसूची

गाला नं 31, जो 2 ली मिजिल, प्रवासी इंडस्ट्रियल इस्टेट, डिन्डोशी व्हिलेज, आफ आरे रोड, गोरेगांव (पूर्व), अम्बई-63 सें स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-3/37ईई/10182/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी के बम्बई द्वारा दिनौक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी ृसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-3, बम्बई,

विनोक : 12-2-1985

मोहर 🏻

प्रकृप बाइ . टी. एन. एक . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सहस्राप

कार्यालय, सहावक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10171/83-84---अतः मुझे, ए० लहिरी,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित गाजार मृस्य 25.600/- रह. से अधिक र्

- (अन) जनतरण सं हुइ किसी जाव की वायत, उत्तः कांभिनियम के अधीन कर दाने के सन्तरक के शायत्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के सिए; बीड/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्ह अंभारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया भवा था किया आना चाहिए था छिमान से स्विधा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. श्री पी० एन० ब्रह्मवार।

(अस्तरक)

2. डा० बापना चैन सिंह

(अंतरिती)

का यह सुचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के

स्पष्टीकरण:—इसमं प्रयुक्त क्षान्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्की

फ्लैंट नं० 6, 1 ली मंजिल, दिगोरेगांव सहयाद्री को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, आरे रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ़॰ सं॰ अई-3/37ईई/10171/84-85 में स्थित है। ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनॉक 12-2-198**5** मो**हर** ध प्ररूप बाइ .टी.एम.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० अई०-3/37ईई/10637/84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुसे अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 80-1/21, जो जय विजयश्री को-आंप० हाउसिंग सोसायटी (निर्माणाधीन इमारत), बांगूर, नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-90 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्यत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गृह है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उष्यत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तर्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनियत उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्य के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 •(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिष्ठ;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के अनुबरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री एन० सी० ए० हरीस।

(अन्तरक)

श्रीमती रेखा भूपेन्द्र कपाडिया भौर
 श्री भूपेन्द्र हरगोविन्द दास कपाडिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्ते हन्न

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविधि बाद में समीप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति-द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जग्सूची

प्लैंट नं ० 80-1/21, जय विजय श्री को-ऑप हाउसिंग सोसायटीं लि ०, (निर्माणाधीन इमारत), बांगूर, नगर, गोरेगीव (प०), बम्बई-90 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई 3/37ईई, 10637/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ब किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक 11-2-198**5** मो**ड**उ ध प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस . ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) की सर्धान मुख्या

भारत सरकाह

कार्यालय, सहाबक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

धम्बई, विनांक 12 फरवरी, 1985 निर्देश सं० 3/37ईई/10165/83-84-अत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक है

भौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 42, जो, सी० टी० एस० नं० 941, घाटकोपर माल रोड, चेंबूर, अम्बई-71 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-6-1984 की पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के व्ययमान भित्तिल सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के व्ययमान भित्तिल के किए अन्तिर ही याद ही और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से मिषक है और अंतरक (अंतरकों) जीर अंतरिती (अन्तिरित्यों) के बीच ऐसे जन्तरण के निए तथा पामा गया विफल, निम्निजिखित सब्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्र में अस्तिकक, निम्निजिखित सब्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्र में अस्तिकक, निम्निजिखित सब्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्र में अस्तिकक क्य से क्रिथित नहीं किया गया है ह

- (क) अन्तरण से हुई फिरी गाय की बावत उथत अधि-नियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में तृषिधा के लिए; बीर/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या खन्य वास्तियों को, किन्हें भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विधिनयम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जम्मा वाहिए था, कियाने में सुविभा में किह;

अत् बच, उक्त अधिनियम की भारा 269-गु के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निशिक्त व्यक्तियों, अधीत् ्र—

- श्रीमती कौशल्या विलायती लाल कुमार।
 श्रीर श्री चन्द्र प्रकाश राधाकृष्णन कुमार (अन्तरक)
- 2. मैसर्स संवीप कन्स्ट्रवशन ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रजित् सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन वृद्ध सिसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सके में।

स्पष्टिकरण:--इसकी प्रयुक्त कक्की और पर्को का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क मी परिभाषित ही, बही कर्ष होगा जो उस अध्यास मी विया गता ही: "मा है।

बस संस्थित

प्लाट नं० 42, जो, सी० टी० एस० नं० 931, घाट-कोपर माल रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं० अई-4,37ईई,10165,83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रिजस्टर्ड किया, गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) ेशर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

माहर:

प्रकप नाइ . टी. एन. एस. ------

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमरा

मारत तरकार

क्त्रयालय, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, धम्बई
बम्बई, दिनांक 11 फरवरी, 1985
निर्वेश सं० अई-3,37ईई,10574,83-84:--अतः महो,

ानवश स॰ अइ—३, ३७इइ, 10574, 83—84:——अतः मुझ, ए॰ प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्मित्त, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या शेंड नं० 56, जो, 2री मंजिल, सिद्धपुरा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, घोडबंबर रोड, गोरेगांव (प०), घम्बई में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है। श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-6-1984 को प्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान श्रीतफल से, एसे इश्यमान श्रीतफल के पन्दह प्रतिकृत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एको अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित व बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) सन्तरन से हुइ किसी नाम की बावत, उबस जीपीनसम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वासित्व में कजी करने या नससे सचने में सविधा के लिए: जीप/मा
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक् र अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था. छिपाने में सुविधा के किए।

1. बी मगवती जयन्ती साल शाहा।

(अन्तरक)

2. श्री जयन्ती लाल मणिलाल मेहता, भीर प्रकास चन्द्र जयन्ती लाल मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां सूक करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नामेंच :---

- (क) इस शूच्चा के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन के भीतर उक्त धावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्नारा वभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए या सकेंगे।

स्त्रक्कीकरण :----इसमें प्रयुक्त कवा और पदों का, को उक्त विधिनयज्ञ के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विधा वृत्रा ही है।

अनुसूची

तैंड मं० 58, जो, 2री मंजिल, सिद्धपुरा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, घोटबंबर रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि के सं० अई-3,37ईई,10574,83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, धम्धई द्वारा विमोक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्कई

अतः अब, जन्म अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, रुक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के स्थीन, निस्नितिस्ति व्यक्तियों, न्यांत :---

तारीख: 11-2-1985

मोहर:

प्रक्ष कार्ड . टी., एम., एव., 🗷 🗷 - 🗝 -- 🗷

नायकर मिपिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन स्वना

नार्त बहकार

कार्यासय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

थम्बई, दिनांक 11 फरवरी, 1985

निर्वेश सं० अर्ह-3,37ईई,10450,83-84:--अत मुसे, ए॰ प्रसाद,

नायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या पलैट मं० 5, जो, इमारत, नं० 8, महारमा गांधी नगर, आर० सी० मार्ग, बम्बई ←74 चेम्बूर में स्थित है। (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण, रूप से वर्णित), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1−6−1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) सम्प्रत्य के हुइ किसी बाद की नावता, उपत अधिनियम के नभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मंक्रमी करने या उसने दचने में सविधा के लिए बार-रेना
- (च) एसी किसी जाय वा किसी धन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री ज्ञान जैथानंद सल्ला।

(अन्तरक)

 श्री गिरघर लोकराम ठाकुर भौर श्रीमती कमला गिरघर ठाकुर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार,
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंचे।

स्थळीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित . हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैट नं० 8-की_। 5, जो, महात्मा गांघी नगर, आर० सी० मार्ग, चेम्बुर बम्बाई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/10450,83-84 म्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 1-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

सारीख: 11-2-1985

मोहर

त्रकण बाह्र . टी. एव. एत. ------

नावकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की पांच 269-व (1) के नपीन स्पृत्रा

भारत सरकार

कार्यासम, सङ्गायक भागकर नागुक्त (निरीकाण)

अर्जन रेंज-3, धम्बर्द धम्बर्द, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-- 3, 37ईई, 10478, 83-84:---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शासकार अधिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, जो, इमारत, नं० 25 सी महात्मा गांधी नगर, चेम्बूर कालनी, बम्बई—74 में स्थित है। भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 1-6-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बुख्य, जसके दृष्यमान प्रतिफल से हो से दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जनतरण घे हुई फिनी आम की बाबत उक्त मधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के तथित्य में कमी करने का उससे वचने में सुविधा तथिता नीजरमा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय नाव-कर निधीनयम, 1922 (192? का 11) या उन्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गवा या या किया जाना चाडिए वा, कियाने में व्विभा के सिए;

1. श्रीमती कान्ता एस० वावला।

(अन्तरक)

2. श्री प्रमोद जे० गोकानी।

(मन्तरिती)

को बहु श्वामा शहरी करको पृत्रानिक सम्मृतिस के नर्जन के तिवय कार्यवाहियां करता हुं।

उच्च कर्माता के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाजेंप:--

- (क) इत् सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खत्रधि, जो भी बन्धि बाद में तमाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर स्वक्तियों में से किसी स्यक्ति बनारा;
- .) इत मुचना के राज्यम में प्रकाशन की तारींच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य काक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्ष्यीकरणः ----हसमा प्रयासन शब्दों और पदों का, ओ स्वस् अभिनित्रम, के अभ्याय 20 के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो तस अध्याय में दिसी कुछा ही ;

नपचची

पलैट नं० 7, जो, इमारत नं० 25,सी०, महारमा गौधी नगर, चेम्बूर कालनी, अम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3,37ईई,10478/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया ग्या है।

> ए० प्रसाय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज—3, बम्बई

वतः वव, उच्त विधितियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधान, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थातः :---

सारीख: 11-2-1985

मोहर :

प्रकार नाइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई०-3/37 ईई/10278/84-85--- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सिवस इण्डस्ट्रीयल नाला नं० 27, में जो ग्राउन्ड फ्लोर किरण इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, एम० जी० रोड गोरेगांव (पिष्चम), बम्बई-62 में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुचनी में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून 1984

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उसते अन्तरण दिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उन्ध्र अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दासित्य में कमी करने या उसने अचने में सुविभा के मिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उन्का अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए।

बत: अब, उच्नत अधिनियम की भारा 269-ग कै अनुसरण में, मैं, उच्नत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधान, निस्निविद्युत व्यक्तियों, स्थित् :---

(1) मैसर्स गुंदेचा बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० के० खण्डेलवाल फैंमिली ट्रस्ट। (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्थन के .सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपति के वर्णन के संबंध में काई भी वाक्षोच :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असमाची

सर्विस इण्डस्ट्रीयल गाला नं० 27, जो ग्राउन्ड फ्लोर, किरण इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, एम० जी० रोड, गोरेगांव (पिचम) बम्ब ई-62 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० धाई०-3/37 ईई०/10278/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजैन रेज-3, बस्कई

तारीख: 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. -----

श्रायकर ब्रोधीनग्रम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर **आयृक्त** (मिरीक्षण) धर्जन रेंज-3, वन्बई

बम्बई दिनांक 11 फरवरी 1985

मिवेश सं० भाई०-3/37 ईई०/10002/83-84--भतः मझे ए० प्रसाद

नावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित शाबार मूक्व 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० माला नं० बी-312 जो वीरवामी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट वेल्टन एक्सप्रेस हाई वे तीसरी मंजिल गोरेगांव (पूर्व) वम्बई-62 में स्थित हैं (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता धिकारी और जिसका करारनामा धायकर धिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून 1984

को प्रशिक्त सम्पत्ति के स्वित बीजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त समपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल सी, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया प्रति-क्त निम्नितिलित उद्तरेश्य से उकत जन्तरण लिखिश में बास्यविक्ष रूप से कथिया नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तर्भ से हुन्दे किसी बाव की बावत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक से स्वियस में कभी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; बोर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या पाकत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया न्या था वा किया चाना चाहिए था, कियाने बें सरिवध के हिए;

चतः वय उपल अधिनियम की भाष 269-ग के अनुसंरक में, में, उभत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अधीन निम्मतिसित व्यक्तियों, अर्थात् अ— (1) मैं बीर पारीख एण्ड कम्पनी ।

(भसरक)

(2) मैसर्स पालीमर प्रोसेसर्स ।

(मन्तरिती)

का यह श्रृथना धारी भरके पृथानित सम्मिति के वर्षन के निश् कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दियं की बवीं या तरकम्बन्धी म्यक्तिकों पर सूचना की तानीं ज 30 दिन को बद्धि, को भी मब्दि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वों कर स्वित्वयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी जन्म व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्लिम में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः ----इतमें त्रभूकत् सभी जीर पर्वो का, को उपक निधिनसम्, के सभ्याध 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस सभ्याय में दिया गमा है।

धनुसूची

मासा नं बी-312 जो बीरवानी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, वेस्टर्ने एक्सप्रेस हाई वे तीसरी मंजिल गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-62 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कम सं० प्राई०-3/37ईई/10002/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भाषकर श्रायुक्त निरीक्षण) भर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर:

प्रसम्प आर्डं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के न्यीन स्थना

भारत संस्कार

भार्यानय, सहायक बायकर शायुक्त (विद्रीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० प्राई०-3/37 ईई/10645/83-84--- सतः मुझे, ए० प्रसाव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित आजार मृत्य, 25,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 20. जो कैलाश इमारत, व्लाटनं० 83, रोड नं० 1 पेस्तम नगर बम्बई—89 में स्थित है (और इससे उपावड भनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं), और जिसका करारनामा भ्रायकर मधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिका ने के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वाभन सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का प्नदूह प्रतिवास से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वावतं, उपत विभिनियम को अधीन कर दोने के जुन्तरक के स्वित्य में कमी करने या उससे वचने में कृतिया के सिए; बॉट/या
- (क) एसे किसी बाय वा किसी धन वा बन्य वास्तियां को जिन्हों भारतीय नामकर निपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निपिनियम, या वह-कर निपिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्दरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा के किए;

अतः अवः उक्त अधिनियम की भार 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित अपिक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीबी० एस० वेंकटाचार।

(भन्तरक)

(2) श्री एम० वेणुकोपालन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करक प्रांक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्विक्तयों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, को भी जदिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्वक्रोकरण :---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

पलैट नं० 20 जो कैलाश इमारत प्लाट नं० 83, रीड नं० 1 पेस्तम नगर चेंबूर बम्बई-89 में स्थित है। श्रानुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3/37 ईई/10645/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, जम्बई

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाहें, टी. एवं, एस.

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्चना

भारत सहकार

कार्यानय, स**हायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं अर्थ०-3/37ईई०/10641/83-84--- असः मुझे, ए प्रसाद.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, जो ध्मारत नं० 2-बी, नित्यानन्व बाग को-ऑपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि०, ग्रार० सी० पार्ग, खेंबूर बम्बई-74 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

का पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह बिख्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त मम्परित का दिवल बाजार मूल उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बौर/या
- (क) एसी किसी काम या किसी धन या बन्ध बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधार (1) के लधीन, निम्निसिंग व्यक्तियों, अर्थान :—

(1) श्रीमती निर्मला बाई परमानन्द।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती रूकमिणी बाई कुंडोमल पंजाबी । (अन्तरियी)

को यह सूचना जारी कर्क प्वॉक्स सम्पत्ति को वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

नन्स्ची

प्लैट नं० 9 जो इमारत नं० 2—बी नित्यानन्द बाम को-आँपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड श्रार० सी० मार्ग, चेंब्र, बम्बई-574 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कम सं० आई०-3/37 ईई०/10641/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन ⁽रंज-3, अम्बद्धी

तारीख : 11-2-1985

अहर :

प्रकृष आर्थ हो एन एस .------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-व (1) को अधीन सूचना

शाहर सरकार

कार्यालंग, नहांचक मायकर माय्क्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 फरवरी 1984

निदेश सं० ग्रई०-3/37-ईई०/10297/83-84--म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्यति, जिल्ला के विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्यति, जिल्ला के विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्यति, जिल्ला के विश्वास करने का कारण हैं

और जिसकी सं० फ्लट नं० 601 है तथा जो पूजा इमारत, माहल रोड चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

(और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में बणित है) और जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है तारीज 1 जून 1984

की पूर्णेक्स संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान वितंतिक के तिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्बरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कि स्वास्त्र किया के विश्वास के किया कर के प्रतिश्वास के स्वास्त्र के स्वास्त के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त के स्वास्त के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त के स्वास्त के स्वास्त्र के स्वास्त के स्वास्त के स्वास्त्र के स्वास

- 'कः उन्तरण पे **हाइ' जिली बाय की बाबत, उक्त** अभिन्त्रिम को अभीन कर दोने के अन्तरक च बरीपन्य में का**टी कारने या** उससे पा का स्विधा के **हैंनछः बीर/वा**
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम वा धन-कर वा धना वा धना प्रकट नहीं किया गरा था या किया धना वा खासए था. स्थिमाने में सविधा की निए;

्तः कव उक्त विधिनियमं की धारा 269-म के झन्मरण में, मैं उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) ै अधीन निम्नतिवित स्पिक्तयों, स्थिति है— (1) श्री सरताज सिंगयूकराल और श्रीमती राजवंस यूकराल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनोहर सिंह और श्रीमती जोगिन्द्र कौर।

(भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए का गिरिक्षां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मों नी व्यक्तियों पर स्थान की तासील में 30 % की अविधि आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत स्थानित में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारिश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किस का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क मे परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसुची

पलैट न० 601 जो पूजा इमारत, माहूल रोड, चेंबूर, भम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/10297/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-84 कौ रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

सारीख: 11-2-1985

मोहर:

ब्रह्म भाव . टाँ. एन एस.-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) में नभीन स्थान

नारत सरकार

कार्यास्त्र , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज-3, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10425 83-84--- अतः मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसम

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 4-13 है तथा जो गोकुल धाम विह्लेज डिंदोशी / जिसेली, बोरिवली तालुका, गोरेगांव मुलुंड, लिक रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन अभ्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जुन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई और मुभे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित काजार मून्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण विखिश में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुक् किसी अध्य की बाबत, उक्त विधिनियम के बधीन कर अने के अन्तरक के यायित्व में क्यों करने या उससे क्याने में सिवधा के निए: बरि/या
- (क) एसी किसी बाव या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबन अधिनियम, या भन-कर स्थिनियम, 1957 (1957 का २७) के प्रयोजनार्थ सन्तिरिती दुशरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) कॉनबुड कंस्ट्रक्शन कम्पनी प्राप्तवेट जिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राधिका देवी आर० सिंह।

(अन्तरिवी)

को यह स्वता बारी करके पूर्वोक्त सन्मत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की बयिथ या तत्सम्बन्धी न्यवितयों पर सृष्टना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वेक्टर स्यक्तियों में से किसी स्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारिक मों 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकीय।

स्थळीकरण ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पथों का, जो उक्त जिथितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विशा गन्ना है।

बन्स्ची

हुकान नं० 4-13 जो विलेज डिवोशी/चिचौली जो गोकुल धाम, बोरिवली तालुका, गोरेगांव-पूर्लुंड लिक रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई०-3/37 ईई०/10425/ 83-84 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहामक आमकर आमुक्त (मिरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप बाहें.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (196,1 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आर्ष०-3,37 ईई०,10484,83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-104 है सथा जो पहली मंजिल इमारत कुमुद नगर, ए ब्लाक, गोरेगांव (पश्चिम), घम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजन्दी है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मृझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेदेश से उक्त अन्तरण निस्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन वा अन्य बास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिया के लिए;

अतः तव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के जन्मरण प्रें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, जिस्तीनिवित व्यक्तियों, वर्धात् ६----5---516GI/84 (1) रेवरन्ड फादर फिलोमेनो डिक्रूज ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लिबानिया रोसा डिसोजा ।

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यवितयों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्वोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

फ्लैट नं ० ए-104 है सथा जो पहली मंजिल, इमारत कुमुद नगर, ए ब्लाक, गोरेगांव (पश्चिम), धम्बई में स्थित है।

अनुसूची ज़ैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10484/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, यम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

सारीख: 11-2-1985

मोहर 😉

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ष बम्बर्ध, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3,37 ईई०,10131,84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद

जायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० गाला नं० 113 है तथा जो पहली मंजिल, इण्डस्ट्रीयल इस्टेट इमारत, प्लाट नं० 7, उद्योग नगर, आफ स० वी० रोड, गोरेगांव पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है ग्रीर इससे उपाद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क ख के अधीन स्थित है सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जन, 1984

को पृथों स्था सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिकत के सिए बन्तरित की गई हैं, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित् बाजार मृस्य, उसके बनान प्रतिकस से एसे बश्यमान प्रतिकत का पंद्रष्ट प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जौर अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिकस, निम्नसिचित उद्योग्य से उचत अन्तरण कि विस्त में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबत सकत किया निवास के बधीन कर दोने के अन्तरक के दर्गियल हो किया के मिल की मिल की मिल बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों का, जिन्ही भारतीय बाय-कर बिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणोजनार्क सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था बिकार बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

(1) मैं कासलाह डेवलपसं

(अन्तरक)

(2 श्री रोहित टोन नरीमन वादीवाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाप के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवानित स्वीक्तयों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के शस तिस्ति मों किए जा सकरें।

भाष्ट्रीकरथा:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में किया गया है।

क्स संबंधि

गाला नं० 113 है तथा जो पहली मंजिल, इण्डस्क्रीयल इस्टेट इमारत, प्लाट नं० 7, उद्योग नगर, आफ एस० बी० रोड, गोरेगांव (पश्चिम), अम्बई--62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०,10131 83-84 और मा मत्तम प्रश्चिकारी, बम्बई बारा दिनांक 1 जून, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्ब**ई**

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

तारीख : 11-2-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक श्रायकर जायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 फरवरी 1985

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/10503/84-85--अ्तः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज्वत अधिनियम' कहा गया हां), को भाषा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से विधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 135 जो पहली मंजिल, कोहिनूर इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, आफ वेस्टर्न एक्सप्रस हाय वे, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई 63 में स्थित हैं (ऑर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार भूम्य, इसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकस प्रमनिविचित उक्केंद्रम से उक्त बंतरण सिविक्ष में बास्तिकक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) बस्तरण सं हुई किथी जाब की वाबतः, उक्त , विधिविषय के बचीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा को सिए; जरि/वा
- (वा) एंसी किसी नाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सुविधा के विद्;

नतः नंब, उनत किपिनियम की भारा 269-न के जनसम्भ को, मी, उनत अभिनियम की भारा 269-म को उपभाग्र री। सै बभीब, निम्मविधिक व्यक्तियों क्रिक्टिंग क्रिक्टिंग

(1) मैं० शाम फशन वेअर प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मै० एवर लाइट इण्डस्ट्रीज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रावित सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वार्शव:----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्वीक्तशों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिता-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिकित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वार्

अमुस्ची

यूनिट नं० 135 जो पहली मंजिल, कोहिन्र इण्डस्ट्रीयल इस्टेट आफ वेस्टर्न एक्सप्रेस हाय वे, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3,37 ईई०,10503,83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एत. ----

बायकार लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्थन।

भारत तरकार

कार्यालम सहायक नायक र भागुनत (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश स० आई०-3₁37 ईई, 10592₁83-84--अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गाजार मृस्य 25 (100) /- रा २ अधिक है

भीर जिसकी स० पलेट न० 10/77 है तथा जो इमारत न० 10, गोरेगाव नवज्यों त को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, उन्नत नगर, पार्ट-2, एम० जी० रोड, गोरेगाव (पश्चिम;) धम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 के खंक अधीन वम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

की पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्स संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल स एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिंखित उद्वेष्य से उक्स अन्तरण विकित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिन्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दामित्व में कमी करने मा उससे अधने मो सुविधा के लिए और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की पारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, 'म्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :— (1) श्री हर्षद राय नाचा लाल ज्यास।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संगीता मोहन कामत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेक्ष हिमबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलेट नं० 1077 है तथा और गोरेगाय नवज्योति को-आपरेटिव हार्जीसंग सोसाइटी लिमिटेड, उन्नत नगर, पार्ट-2, इमारत नं० 10, एम० जी० रोड, गोरेगांव (पश्चिम) घम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० आई०-3/37 ईई०/10592/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 11+2-1985

मोहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-3, धम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेण 'सं० अई०-3|37 ईई०|10529,83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उपन अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० पलट नं० 8 है तथा जो 'पूर्णिमा', प्लाट नं० 47, स्वास्त्रिक पार्क, चेंब्र बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 19 61 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मित्रियान के लिए असित को गई हैं और मभ्ने यह विश्वास करने की कारण हैं कि अथाएतींक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्यू, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित वों वास्तिबक रूप से काथत नहीं किया गया है इ—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

कत्तः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, डक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु--- (1) श्री एन० आर० जगन्नाथन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हेमलता आर० अय्यर ग्रौर श्री रविगोपाल अय्यर।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन कं लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

पर्लोट नं० 9 है तथा, जो 'पूर्निणमा', प्लाट नं० 47 स्वास्तिक पार्क, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अईई०-3/37 ईई०/10529/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज–3, अम्ब**र्**

तारीख: 11-2-1985

मोद्वर:

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-3/37 ईई९०/10407/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृंस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० फ्लोट नं० 35 है तथा जो तीसरी मंजिल, यूनिट नं० 5, एम० जी० रोड, गोरेगांव (पिचम), बम्बई—62 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) बार अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ. पाया गया प्रतिफल, निम्निचिखत उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग्य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीपी० एच० बेनसी लैण्ड डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मेला भगवान जी नस्टू। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुक्तरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमृध्यी

फ्लेट नं 35 है तथा जो तीसरी मंजिल, यूनिट नं 5, एम० जी० रोड, गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई० -3_137 ई० $_110407_1$ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

्ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई ्टी.एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/10708/84-85-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69- ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर समित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० आफिस नं० 4 है तथा जो पहली मंजिल, नीलकन्ठ कर्माणयल कम्पलेक्स, चेंबूर गोवंडी रोड, चेंबूर, बम्बई—71 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि— निका, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है सारीख 1 जूम, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फें यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित, बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (†) के अधान, निम्निस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

(1) मैं० आर० के० डेकोरेटर्स

(अन्तरक)

(2) मैं जे जे जे एस करीयर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्यष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त अधिनियमः, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 4 जो पहली मंजिल, नीलकन्ठ कर्माणयल कम्पलेक्स, चेंबूर गोबंडी रोड, चेंबूर, बम्बई--71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-3/37 ईई०,83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

तारीख : 11-2--1985

मोहर :

प्ररूप आद्दे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निवेश सं० ग्रई-3¹37 ईई'०/10591/83-84--- ग्रत: मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 6 है तथा जो पहली मंजिल चेंबूर मधुबन को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसौंइटी श्रन्तूर पार्क डी-6, सायन ट्रांबे रोड चेंब्र बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की घारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आये की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उमसे बचने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—— (1) श्रीमती उपा सुन्दररेश्वरन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पद्मा रूपचन्द क्रपलानी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- तद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्की

प्लीट नं० 6 है तथा जो पहली मजिल चेंबूर मधुबन को-भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी श्रन्य पार्न दी-6 सायन ट्रांबे, रोड चेंबूर बम्बई-71 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई०-3/37 ईई०/10591/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षः) ग्रर्जन रेंज-3 बैंग्ब र्ष

तारीख : 11-2-1985

मांहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० श्रई०-3/37 ईई/10773/84-85- मृतः मुझे, ए० प्रसाद,

षायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुः से अधिक हैं

और जिसकी मं० गाला नं० 41 है तथा जो किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट पहली मंजिल महात्मा गांधी रोड गोरेगांव (पिण्वम) बम्बई-62 में स्थित है (और इसमे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ध्रायकर श्रीध-नियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून 1984

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित कीगई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वेक्स पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृधिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्धातः :—
6—516GI/84

(1) थी गंकर लाल सोमा भाई पटेल।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री कामा भाई गोदावाभाई पटेल आर
 - श्री बाबल दास वाला भाई पटेल । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, अरे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन, की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हिस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

गाला नं 41 जो किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट पहली मंजिल महात्मा गांधी रोड गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई-62 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई०-3/37 ईई०/10773/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) ग्रजन रेंज-3 बस्बर्ड

तारीख : 11-2-1985

मोहर:

हरून् आह^रा थी<u>.</u> एस् एस_ -----

नाय्कार निधानयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के नधीन सुचना

ब्राइत बहुकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जम रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० भाई०-3/37 ईई०/10602/83-84-- मतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लंट नं० 603 है तथा जो नवीं मंजिल, इमारत ए भागनगरी को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, डंकन काजवे रोड चुका भट्टी बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है सारीख 1 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह बिश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण जिल्हित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से इन्द्र किसी जाय की बाबत उक्त जिल-नियम के अधीन कर दोने के जन्मरक के दायित्व को कसी करणे या उत्तुखे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क बन्सर भों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नतिविक व्यक्तियों है वर्षा धारा धारा की वर्षा की स्थान की स्था की स्थान की

(1) श्रीनरेश दौलत राम कामरा।

(म्रन्तरक)

(2) श्री प्रशोक भार० तारा सिंगानी और श्रीमती मोनिका ए० तारा सिंगानी ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पर्हित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप 🖫 🗝

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयम्त सन्यों और पर्यो का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिता है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पत्रा है।

बग्तुर्की

पर्लैट न'० 603 जो नवीं मंजिल इमारत-ए भागनारी को--ग्रापरेटिश हाउसिंग सोसाइटी लि० डंकन काजवे रोड जुला भट्ठी बम्बई--22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई०-3/37 ईई०/10602/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहें ्टी एन एस । ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के जभीन सुभना भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्राई०-3/37 ईई०/10114/84-85- ग्रतः मुझे, ए० लॉहरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संज फ्लैट नंज 103 है तथा जो पहली मंजिल, बिल्डिंग नंज 15 कपाड़िया नगर कुर्ला-70 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उक्षित बाजार मूलय से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गुई है और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथाप्योक्त संपर्ति का उचित बाचार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरफ के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निस्ति में बास्त्रिक क्यू से किसी नहीं फिया प्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी अरने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (६) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्।

कतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीन क्र--- (1) मै० दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शाहनवाज मोहम्मद ग्रली विरानी । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों प्र सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिआषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिम्स ग्या हैं।

अनुसुची

फ्लैट नं ० 103 है तथा जो पहली मंजिल विहिष्टग नं ० 1 कपाड़िया नगर कुर्ला वस्बई - 70 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3/37 ईई०/10113/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० नहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहरु 🛭

प्रस्य बार्च . टो . एव . एस . ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुवना

नारत संदुकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10115,84-85-अतः मुझे,ए० लहिरी

नायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवाए 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पैनैंट नं० 3 है तथा जो ग्राउंड प्लार, बिल्डिंग नं० 17, कपाड़िया नगर, सी० टी० एस० रोड, कुर्ला अम्बई 70- में स्थितहैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में बिलित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कद्ध के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 4-6-1984

को पूर्वेक्स सैम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मिनफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् मित यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् मितशास से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया भितिक न निम्नलिखित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई किसी आय की बायत, उन्नत बीधनियम के अधीन कर दान के लगारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा को लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क् अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीत् ः— 1. मेससे दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लि॰ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शमीम इस्माईल खोत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

बन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी श्रु से 45 दिन की अविधिया तत्सें बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास, लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्याकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वन्स्पी

पर्लंड नं० 3 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, ब्रिल्डिंग नं० 17, कपाड़िया नगर, सी० टी० एस० रोड, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अम सं० आई०-3/37 ईई०/10115/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रारुप आर्ड. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

, भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10116/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं पर्लंट नं 403 है तथा जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग नं 17, कपाड़िया नगर, सी टी एस रोड, कुर्ला (पिष्चम), अम्बई-70 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूत से विणत है), स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्ड़ा है तारीख 2 जुन, 1984

करं पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान सितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दासित्व में कभी करने या उससे स्वाने में सुविधा के सिए; अरि/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, यां धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, में जिक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैं ० दीपक बिल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड ।
 - (अन्सरक)
- (2) श्री गेख मोहम्मद णफीक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का ओ उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, धही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्पी

पलैंट नं० 403 है तथा जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग नं० 18, कपाड़िया नगर, सी० टी० एस० रोड, कुर्ला -(पश्चिम), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/10116/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन_़ रेंज–३, बम्बई

सारीख: 12-2-1985

मोहर:

प्रस्क नाद"्टी .एन .एस .,-----

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नधीन स्वना

धाउत दशका

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी [1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई/10134/84-85-अतः मुस्रो, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं० 18, कपाड़िया नगर, सी० टी० एस० रोड, कुर्ला बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनमा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है तारीख 5 जून, 1984

को पूर्वेक्स सम्परित के उभित बाजार मूल्य से काम के सहयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल का निम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की/बायत, उक्त आभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के द्रियत्व में कमी कारने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त जीधनियम की धारा 269-ए के बन्सरण में, में, उक्त जीधनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, न्मिनलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मैं ० दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री हायाबी कादर मोमीन ग्रीर श्री कासम करीम मोमीन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अनिधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्राप्त;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

फ्लैंट नं० 3 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत न० 18, -कपाड़िया नगर, सी० एस० टी० नं० रोड, कुर्ला, बम्बई — में में स्थित है।

अनुसूची जसा कि कम सं० आई०-3,37 ईई/10134/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

सारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहु टी. एन एस . -----

कायकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) को अधीन सूचना

BIEG STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 फरवरी 1985

निदेश स० आई०-3,37 ईई०,84-85-अतः 10584 मृज्ञो, ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छित्ति आजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है •

भीर जिसकी सं फ्लैंट नं 404 है तथा जो चौथी मंजिल इमारत नं 16, कपाड़िया नगर, सी एस टी रोड, कुर्ला (पिच्चम), बम्बई-70 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वृणित है), श्रौर जिसका करारनमा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 23 जन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) ब्रुप्तरण वे हुइ किसी नाव की शावत, इक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के जन्तरक के बारियल के कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् हरू (1) मैं बीपक बिल्डसं प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री काजी अबदुल हलीम हसन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूर्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूर्यना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्बारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया गया है 1' र

जन्स्यी

पलैट नं० 404 है तथा जो चाथा माजल, इमारत नं० 16, कपाड़िया नगर, सी० एस० टी० नं० रोड, कुर्ला (पश्चिम) बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3,37 ईई०,10584,84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 23 जून, 1984 को रजिस्दुई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहुर 🛭

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10555/84-85-अत: म झे, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनस अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, विग वी इमारत नं० 2, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाट — कोपर (पिक्चम), बम्बई—86 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसकी करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; आडि/वर
- (क) एसी किसी काय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा स्विधा के निए;

बत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, मा, अक्त अधिनियम की धारा 269-व भी उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिबित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मै० पारुल इन्टरप्राइजेस ।

(अन्तु रक)

(2) थी राम दाय बाबू राव कानडे।

(अन्तरेखी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए आ सकना।

स्पट्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का घो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सू वर्ष

पलैंट नं० 2 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं० 2 दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई—86 में स्थित है ।

अनुसूर्चः जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10555/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० ल'हिरी सक्षम प्राधिकारी, . (सहायक आथंकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्ग

तारीख: 12-2-1985

मोहर ः

प्ररूप भाइं.टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10339/83-84-अनः मुझे, ए० सहिरी

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2 है. तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, सी विंग, इमारत नं० 2, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई—86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है, श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कखा के अधीन बम्बई , स्थित सक्षम प्रा. भ्रकारी के कार्यालय में र. जिस्ट्री है तारीख 1 जून,

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विश्वास करने की कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हूर्य किसी जाय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7—516GI/84

(1) श्री पारूल इस्टप्राइजम ।

(अन्तरक)

(2) श्री उदयराज के० दुब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्भा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सक्ति।

स्पद्धी करण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्स बिभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वर संची

पलैट नं० 2 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, सी विंग, इमारत नं० 2, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, धाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/10339/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोष्टर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बस्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई•-3/37 ईई०/10117/84-85--अन: मुझे, एँ० लहिरी

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की कि 2'6,9-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समास्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं ० फ्लैटनं ० 1 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं ० 17, कपाड़िया नगर, सी ० टी ० एम० रोड, कुर्ला (पश्चिम), बम्बई—70 में स्थित है (घौर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रों पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि— नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 4 जून, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य में कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एं द्रायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक " और अंतरिक (अंतरिकों) की बीच एमें अन्तरण के लिए तम पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हर्ष किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिर हैं को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, एक धनत्वर अधिनियम, एक धनत्वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैं ३ दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटे ।

(अन्तरक)

(2) श्री दाऊद दर्याखान बलजी श्रीर श्रीमति तादीया दाऊद दलवी।

(अन्य रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 1 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं 17, कपाड़िया नगर, सी० टी० एस० रोड, कुर्ला (पिश्चम,) बम्बई—70 में स्थित है।

अनु सूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10117/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर :

प्रकल बाही, टी. एन्. एस.,------

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 12 फरवरी 1985 निदेश सं० आई 3, 37ईई, 10032/84-85---अतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- एत. से **मधिक हैं**

भौर जिसकी संव फ्लैंट नंव 105, जो 1 ली मंजिल. प्लाट "जी" "छोटालाल विला" , अमृत नगर घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है भ्रौर इससे उपाबत अनुमुची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्दी है दिनांक 16-6-1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल् से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्वर्षिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण स हुई किसी बाब की बाबस, अक्स मधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: वरि/वा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भने या अन्य आस्तिगी का, जिन्हां भारतीय आय-कार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधः के सिए:

बात प्रव. उक्त विधिनियम की धारा १६०-ग के. अनुसरण मं, मं, जक्त अधिनियम करेधारा 269-भ की उपधारा (1) 🛊 बधीन, निम्नसिसित भ्यक्तियों, वर्धात्:—

1. मैसर्स शेठ, इंटरप्राइजेस ।

(अन्तरिती)

2. श्री आनन्द शेट्टी

(भन्सरक)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई' भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चनाकी तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हों के भीतर पर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी 📦 पाम लिखित में किए जा सकोंगी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध क्षीमा, जो उस अध्याय में विका नवा 🗗 ।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं ० 105 जो, 1लों मंजील, प्लॉट ''जी'' ''छोटालाल विला", अमृत नगर, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क० सं० आई-4, 3ईई, 10032, 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई क्वारा, दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड फिया गया

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायकत (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3. अम्बर्ध

विर्मांक: 12-2-1985

मोहर 🗯

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के अभीन स्वाना

नाइत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985 निदेश सं अर्ह उ₁ 37ईई, 10132, 84-85—अतः मुह् ए० लहिरी

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 22, जो ग्राउण्ड फ्लोअर, प्लाट "सीँ, "भारती विलिंडग, अमृत नगर, एल बी एस मार्ग घाटकोपर, (प), बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण हप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 6-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ ते हुई किसी आय की बाबत, स्वतः स्थिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सृथिधा के सिए; और/या
- (व) एसे किसी आम या किसी धन या अन्य जास्तियों को फिल्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्याप प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए !

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नोशिक्त स्थ[स्तुयों, अर्थात् ह—- 1. मैससं शेठ इंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

श्रीमती शेराबी, अझिम्दिन मुफला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितवबुध किसी अन्य स्थावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अभिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैटनं ्रे 22, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, प्लाट "सी" 'भारती", बिल्डिंग, अमृत नगर , एल० बी०एस० मार्ग, घाटकोपर (प) बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-3,37ईई, 10132,84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 5-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी बहाबक भावकर भावुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985 मो**हर** इ त्रकम् आहो. टी. एकः, एवः ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेण सं० आई०-4/37ईई/10164/83-84-अतः मुझे ए० लिहरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीरिजिसकी सं ० पलट नं ० 25, जौ ग्राउंड पलोअर, प्लाट "सी" "भारतीय" विडला, अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) श्रीरिजिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 7-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का शन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कृप से किंशत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुद्ध किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती ब्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में युविधा के निए;

जतः अव, उत्तर जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त जिथिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधील, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभार ः—- 1. मैसर्स शेठ इंटरप्राइजेस ।

(अन्सरक)

 श्रीमती निगर मुलताना अब्दुल क्याम पटवेकर । (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपरित की वर्जन के किय कार्यजाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रू-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में अग्र जा सकोंगे।

स्वच्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, चौ हक्छ अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

फ्लैट नं० 25,जो ग्राउन्ड फ्लोअर, प्लाट नं० सी" 'भारती" बिल्डिंग, अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, (प०) सम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र॰ सं॰ आई-4,37ईई,10164,83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर:

प्ररूप जाई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई०-3/37ईई/10133/84-8**5—-अत**ः **मुझे** ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलट नं० 004, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, बिल्डिंग नं० 17, कपाडिया, नगर, सी० टी० एस० रोड, कुर्ला बम्बई-70 में स्थित है (श्रीर इससे उपाधक्व अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 5-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और श्रंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दीपक बिल्डसं प्रायवेट लि॰

(अन्सरक)

2. जैनूल अबेदीन मोईनूदीन, खोत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 004, जो प्राउंड फ्लोअर, बल्डिंग नं० 17; कपाडिया, नगर सी० टी० एस० रोड, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० आई-3/37ईई/10133/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बर्ध -

विनांक 12-2-1985 मोहर ⊈ अरूप आह⁴.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बर्द

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निवेश सं० आई०-3/37ईई/10583/84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 002, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, बिल्डिंग नं० 7, कपाडिया नगर कुर्ला, (प०), बम्बई-70 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1861 की धारा 269 कक्ष के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रीक्षिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 23-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशतः से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकां) और अंतरिकी (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक थे दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म कौ उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दीपक भिल्डर्स प्रामवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. शेख अब्दुल बारी

(अन्तरिती)

को यह सूपना जारी करके । वॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

जन सची

लेट नं० 002, जो ग्राजन्ड फ्लोअर, बिल्डिंग नं० 7, क्यांडिया नगर, सी०टी० एस० रोड कुर्ली, (प०), बम्बई-70 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क० सं० आई-3/37ईई/10583/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, विनाक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्यक्

दिनांक 2-2-1985 मोहर : प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई,दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आहै-3/37ईई/104889,84-8**5,—जतः मु**क्षे ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 1, जो 2री मंजिल, "डी", विंग, निर्मानाधिन, इमारत, कदमवाडी ''गजानन निवास" वाकोला ह्विलेज रोड, मांताकूक (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है। श्रीर जिसका करार नामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कछ के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक दिनांक 22-6-1984

का पूर्वेक्ति सम्मिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बन्तरितियों) के और एसे भन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से सम्त मन्तर्ण सिश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) लग्तरण से धुर्द किसी नाय की बावत , उत्तर विधिनियम के नभीन कार दोने के जग्तरक के दायित्व में क्सी करने ना अससे वचने में सुविधा के सिए; नौर/वा
- (च) ऐसी किसी जाम या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, यो भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा की लिए;

अतः अत्र, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) ज अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. में सर्स राव एण्ड एसो शिएटस् ।

(अन्तरक)

2. श्री लाल्सी एन्योती, फर्नान्डीस।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता है।

वक्त सम्पत्ति के वर्णन के सुम्बन्ध में कोई भी वाशेष:-

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की टारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी स्वक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्कित्रणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह*, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रकी

पलेट नं • 1, जो 2री मंजिल, "डी" विंग, निर्माणाधीन इमारत, कदमवाडी, "गजानन निवास", वाकोला, व्हिलेज रोड, सांताकूज (पूर्व,). बम्बई-55 में स्थित है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी **सहा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रुजन रेंज-3, **अम्बर्**ड

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🖫

TT:

प्ररूप आई.टी एन.एम -----

जार अंग्रियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1984

निदेश मं० आ**ई**०-3, 37ईई, 10610, 84-8**5—अत**ः मुझे, ए० लाहरी

कायकर रुधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राचाट 'जुक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ूर् १ अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हा कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य रूप में अधिक **है**

ग्रीर जिसकी मं० फ्लेट नं० 4, जो ग्राउंड फ्लोअर, "डी" विंग, राजानन निवास विहाइंड एक्सीटिंग, गजानन निवास, ाकोला, व्हिलेज रोड, सांताऋज, (पूर्व,) वम्पर्ट-55 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम \star 1961 की घारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25-6-1984 को पर्वापार सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का उर्देश हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य जसके इस्तकान प्रतिफल म. एमें इश्यक्षान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मं अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तर्रित्यर) के बीच ऐमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकलः निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक एयं से किथन नहीं किया एया है :---

- ानाय हो हुई किसी काय की बाबत, उक्त श्रीतान्त्रमा क्रिक्शिन कर्याने के उन्तरक, क्रे दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा क 'सार, अर्जिया
- ार) भाग जिल्ला जाय या किसी धन या अन्य वास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1992 का 11) या उक्त व्यक्षिनयम, या पन-६१ अभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बत: तव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अर्था । जिस्सीलिंग व्यक्तियों , अर्थात् :--8-516GI/84

1. मैसर्स राव एण्ड एसंन्विएटत्स ।

(अन्तर 🖯)

2. श्रीमती गीता कपूर और श्री सुरेण कपूर।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वीवत राष्ट्रीए को रजन के जिला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अलेन के गंबंध मा कोई भी शाक्षण :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को अक्षेत्र या दलकोती क्विक्तयों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवार:
- (स) इस सतना हो राजपण में पकारान की ताराख में 45 दिन के भीतर नका स्थायर सम्पन्ति सा हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दा हो। ५३ छ। का उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होरा., ना उस अध्याय मा दिया गया है।

फ्लेट नं० 4, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, "डी" विंग, गजानन निवास, विहाइंड एक्सीटिंग, गजानन निवास, कदमवाडी, वाकोला व्हिलेज रोड, सांताकूज ' (पूर्व), वम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० आई-3,37ईई,10610,84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा, दिनांक 25-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० नहिरी सक्षम प्र₁धिकारी, (सहायक आयकर आयकत (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बन्बई

दिनांक 12-2-1985:

मोहर:

प्रकल् बार्ड ्र टी. एन ्र एस ५ ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के स्थीन सुक्ता

भारत सम्बार

कार्यानय, सहायक जायकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेण मं अाई-3/37ईई/10612/84-85---अतः मुझे । ए० जहिंगी

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियन' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० पलेट नं ० 1, जो 5 वीं मंजिल, "श्री" विंग, गजानन निवास, कदमवाडी, श्रोल्ड बिल्डिंग के पीछे, वाकोला किहलेज रोड, सांताक्रूज, (पूर्व), वम्बई-55 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी है दिनांक 25-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करमाब मितकल के जिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निलिखित उद्वेषयों से उक्त जन्तरण सिचित के वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्यारण से हुई किसी आव की वाबत, उक्त वाभिनियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के शायित्व में कमी करने या उससे वचने में सविभा के जिल्ला, वाड़ि/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिस्हें भारतीय भाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, क्विपाने में स्विधा के लिए;

1. मैतर्स राव एण्ड एसोशिएटट्स ।

(अन्तरक)

2- त्रे॰ डिसोजा श्रौर इरीन डिसोजा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के तिए कार्यवाहियां करूता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अनिधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नव्धि नाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्नाय;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब व्रध किसी जन्म व्यक्ति वृवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए था सकेंगे।

स्मध्यीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उनक्ष अविनियम के अध्याद 20-क में परिभावित है, नहीं नर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नवा है।

पन्स्या

पंतर तं ।, जो 5वीं मजिल, ''डी'' विग, गजानन निवास, कदमवाडी, ओल्ड बिल्डिंग के पीछे, वाकीला विहलेज रोड, मांताकुज, (पूर्व), बस्बई-55 में स्थित है।

अनुमूची जीसा कि क० मं० आई-3₁37ईई₁10612₁84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा, दिनांक 25-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० नहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-३. बस्बई

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण भों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अधीत :----

दिनांक: 12-2-1985

मोहरः

शक्त बार्<u>ड हो . यन . यन .</u>

बावकर बाधिनवृत्त, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बुधीन बुधना

TING STATE

कार्यांसय, तहायक भागकर भागकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12फरवरी, 1985

निदेश सं० आई०/3/37/10236/84-8**5—-**अतः मुझे, ए० सहिरी

बायकर जीभीनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उसत जीभीनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के जभीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 9, जो ग्राउंड पलोअर, बिल्डिंग श्री कृपा, प्लाट नं० 159, गरोडिया नगर, घाटकोपर, (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन मिहि स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 8-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूक्य से कम के क्यमान

★प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मूफों यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
कद्यरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय
पावा गया प्रतिफल, निम्निचिचित उद्यदेश से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप में किशा गया है:---

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, अच्छ अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या अससे बचने में सृविधा के लिए: और/वा
- (इ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिणाने बें सविधा के लिए;

बत. इ.ब., उक्त विधिनियम की धारा 269-व के वनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन जिल्लासिय व्यक्तियों, अर्थात् :--- ा. श्रीमती राधा विरामनी।

(अन्तरक)

श्री नयन चुनीलाल व्होरा।

(अन्तरिती

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसक अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बनत सम्मृतित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोप:---

- (क) इस ब्याग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना क ाजपत्र में प्रकाशन की तारीब तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया न्या है।

वन्स्की

पलेट नं० 9, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, बिल्डिंग 'श्री कृपांं, प्लाट नं० 159, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जँसाकि कि० सं० आई-3/377ईई/10236/84-85 ग्रीरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहि ो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर :

प्रकृप बाह्र टी. एन. एत.

आयकार अधिनिधम, 1961 (1961 को 43) की भाग 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत भरकार

कर्मालय, सहारक आयकार वाय्कत (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, वस्वई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10343/84-85—अतः मुझे, ए० लिहरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चीत् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित नाजार मूच्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं वेसमेंट नं 5, जो किज, को-आपरेटिंद हाउसिंग सोमायटी लिं , वाकोला, श्रीज के बाजू में, मांताकूज (पूर्व), वम्बई-55 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावड अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विजत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 केख के अधीन वम्बई क्या सक्षम प्राधिकारी के कार्य लिय में रिजस्ट्री है, दनांक 15-6-1984 को पूर्वोक्त रम्पत्ति के उपेचन अजार मूर्व में क्या के इयमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त समात्ति का उचिन वाजार मूर्व, उसके दरयमान प्रतिफल सं, एसे दर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात सं अधिक है और अंतरित (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुद्धि भिन्नि नाम की बाधला उन्नत क्षेत्रीनयम रा अधीर १२ तम का इन्तान का बायिस्य में कभी कार्न । १० उन्नता संदेश के लिए, क्षेत्रका
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य शास्ति हैं। को, जिन्हा भारतीय आय-के : अहमां हुई के निर्देश (1922 को 11) या अवत ऑक्ट्रेंब्यम अन् धन-कार अधिनियंभ, 1957 (१९६० का ११) की अयोजनाथ कलातिती युवाल शकत नहीं के का का को सा किया जाना चहित्स था. विकास में ब्योक्य के लिए;

अतः अव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्भरक मो, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) इ. अथीन, निम्मीलिक व्यक्तियों, अर्थाल् :---

- ा. श्रीमती रत्ना एच० पंजाबी ।
- (अन्तरक)
- 2. श्रीमती विना जी० भेडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त संपर्धि के अर्जन के सबाथ माँ का हाँ भी नास्प्र

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकार की कर 45 दिन की सर्वाध या तत्सवंधी का नात के सुष्णा की तामील से 30 दिन की अर्थाध का मा अवस्थ वाद में समाप्त होती हो। के भीरूप प्रकार व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वात्राया.

स्वष्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त करूदी गीर पर्योक्त आ उत्तर अधिनेयान को स्वयः है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याध ये दियः गया है।

श्वसची

वेसमेट तं० 5,जो पंकज को-आफरेटिए हाउसिंग साहारटी लि०, वाकोला ब्रीज के बाजू में, मांताक्रूज (पूर्व) घम्बई-55 में स्थित है।

अनुमूची जैसाकि कर मंर आई-3/37हेई/10343/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्व.रा दिनांक 15-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० ल हरी सजम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 वस्प्रई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर:

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, बम्बई

> बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985 • अइ-3/37ईई/10769/84-85—अतः

निदेश सं० अइ-3/37ईई/10769/84-85—अतः मुझे, ए० लिहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं िपस ग्रौर पार्सेल आफ लैण्ड कोले कल्याण, सी नं 242, सर्वे नं 6166, कालिना गावठाण, सांतां क्ज (पूर्व), बम्बई-29 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 29- 6-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त ≯संपत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के १०१० व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शरीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिक को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने दें सृविधा के लिए:

अतः खंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, किशीत है— 1. श्री राझल गोम्स ग्रौर अन्य ।

(अन्तरक)

2. मिलिंद एसोसिएटस।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हूं।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के संबंध म काई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धा व्यक्तिया गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों मा से विस्ती व्यक्ति वृद्धारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो पकाशन की हारीय में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मोत्त मो हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अन्वेहस्ताधरा क पास लिखित मो किए जा सकेंगे।

म्पध्योकरण — इसमं प्रयुक्त शब्दों आर पद्मों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

पिस आर पार्सेल ऑक लेंग्ड कोले कल्याण सी० न०-242, सर्वे नं० 6166, कालिना गावठाण, माताकून (पूर्व), बम्बई-29 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर्मर अई-3/37ई $\frac{7}{5}/10769/84-85$ ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी दम्बई द्वारा दिनांक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ण्० ल*ि*री सक्षम प्रशिधकारी महायक आपकर आयुक्त (निरीजण) अर्जनरेज-3, बस्वई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🦠

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अअंनरेंज-3, बम्बई अम्बई, दिनांक 12 फरवरों, 1985

निदेश सं० आई-3/37 ईई/10235/84-85---अतः मुझे, ए० लहिरी

शायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० व्लाक नं ० 1, जो उप। सदन को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिं ०, प्लाट नं ० 135, गरोडिया, नगर, घोटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूणं रूप से विणित है) ग्रीरिजिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कखके अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 8-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुने यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वंपय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चीहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब की अनुसरण मो, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब की उपधारा (1) के अभीत, जिल्लीक्य व्यक्तिकार, अभीत 1. श्रीमती राजू राजन्ना ।

(अन्सरक)

 श्रो मेहता, विनोदराय मांती सास ग्रौर श्रीमती मेहता प्रसन्ना विनोद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्वी

ब्लाक नं ० 1, जा उपा भदन की-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं ० 135, गरोडिया नगर. प्रस्वर्ट-77 में स्थित हैं।

अतुसूची जैसा कि करु सरु अई-3,37ईई/10235,84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा, दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० पहिरी सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर 🛭

TEST OF SECTION OF SEC

प्रकृत नार्षः, टी., प्रवृत प्रवृत्त-------

नायकार नीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

क्षारक सरकात्र

कांगील्य, सहायक शायकार बागुक्त (पिरीक्षण)

अर्जन रोज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश मं० श्रही/3/37ईई/10197/84-85-- श्रत म्हा: ए० लहिरो

सावकर सिंपिनयन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें परचात् 'स्वता सिंपिनयन' कहा गया हैं), की भारा 269-क के स्थीन सभाम प्राधिकारी को वह निश्चास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नानार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० फ्लंट नं० 3, जो बिल्डिंग नं०13, ग्राउन्ड फ्लांग्रर, विनोबा भावे नगर, एम० ग्राई० जो० कालोना, कुर्ला (प०), बम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपायद्ध ग्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणात है)) और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 को धारा 269 कख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, दिनांक ⊭116 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिबाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिकत, निम्निलिखत उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण निवित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (तत) अन्तरण वं हुई कियी नाम की नामत, उन्हें वृधिनियन के वधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने ना उससे क्याने में समिशा में सिन्धु ब्रीडि/मा
- (थ) एसी किसी शाय ना किसी धन ना अन्य नास्तिकों को जिन्हों भारतीय नाथ-कर अधिनियन, 1922 (1922 को 11) ना जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) से प्रकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) से प्रकार अस्टिन्सिया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपान में स्विधा के दिवस।

जतर अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अगुसरण मी, मी, उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः~÷ ा. शोपा । एसः भानते ।

(भवागद)

रार्टिंग क्सरक, सम्प्रात आर्टिंग, जानुस्ता ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्राप्तित संपरित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां कारता हों।

दक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इब स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन की जनमि वा तत्कानमी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जनभि, को भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकट व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थानत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास निवित में निक्ष वा सकेंगे।

स्पाक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त श्रव्हों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

हैं फ्लेट नं० 3, जो बिल्डिंग नं० 13, ग्राउन्ड फ्लोग्नर, विनोब भावे नगर, एम० ग्राई० जी० कालोनः, कुर्ला (प०). बम्बई में स्थित है।

भ्रमुको जैसाकि कर संरु भ्रई 3/37ईई/10197/84-85 और जो सजस प्राधिकारों वस्वई द्वारा दिनांक 11-6 1984 को रजिस्टर्ग किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निराक्षण') प्रजन रेंज-3, सम्बई

दिन(क) 12 2 1985 **मोहर** इ प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-प (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

ायालय महायक **आयकर आयुक्त (निरक्षिण)** सर्वन रेंग-३, वश्वर्ड

নিউল ক'ত স্মাৰ্চ 3/37ইছ/10380/84-85--স্থান: মূলী মূত কালিক:

लावकः अधिनिएम. 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें हमके प्रशान (उसने अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राण्याती का यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुप्य सार्पिक है

अंशति तार सं क्षिय पं ई-13, अंश सिन्दर व्हॉल्श बिल्डिंग नं 2, का-भाग हाओं गि सं तायह, लिए पुरुषाय धालोन, रेडि, वातंति, कोताकूर (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूच पेश्रीर अंशपूर्व क्षमें बीणतहैं) और जिसका बतारनामा आप गायि दिया 1961का वाता 269 एवं के ब्राधीन बन्दाई स्थित अप कार्या परिचार के पार्थिक में रिजस्ट्र, हैं, दिना र 16-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-जियम के अधीन कर देगों के अन्तरक के दायित्व मां कभी करने या उसस बजन मां गोबंधा के जिल्ह गरि/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या जनकर अधिनियम, या जनकर अधिनियम, या जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने मो स्विधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थातु:— 1. श्राके० के० नायर ।

(श्रन्तरः)

2. श्रामतः इरेनकेडा परेरा ।

(श्रन्तरितः)

कां यह सूचना आरी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस भं 4'5 दिन की क्षत्रिया तत्सम्बन्धी स्थितिसों एर स्थना की तामीज से 30 दिन की जबिध, का भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी गर्भ कत द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी श्रुष्ट स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुधी

पर्नट नं० ई-13, जो नित्त्रर व्हॉलो विल्डिंग नं० 2, को आपण हार्अमा सामायटी लिल, बुल्सराय कालोना रोड, बाकोला, साताकून (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० **प्रई-3/37ईई/10380/84-85** और जो अक्षम प्राधिकारा **बम्बई द्वारा**, दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिर। ्सक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायक्षर स्रायुक्त (निरक्षण) स्रर्जन रेज-3, बस्बई

दिनांक 12-2-1985 मोहर ; प्रकप बाइ ्टी. एन . एस 🚉 -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बागुक्त (निर्देशक)

भर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 फरवरी, 1985

निवण सं० भाई 3/37ईई/10050/84-85→म्प्रत. मुझे ए० लिहो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-छ. से अधिक है

और जिसका सं बुकान नं 13, जो जयलक्ष्मा शापिंग सेटर, एम० जो ० रोड, घाटकोपर, बम्बई 77 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रा है दिनांग 2-6-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान भूपितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जम्मरण के मिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिध-णियम के बधीन कर देखें अन्तरक के दायित्व वों कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/खें
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर विभिन्नयब, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा वै निए:

जतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधान, निस्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :----9—516GI/84 1. थीं प्रेमजी विश्वाम ठक्कर

(अन्तरक)

2. मॅमर्स मेडिको डिस्ट्रं,क्यटर्स ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के सिय कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त तम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कथ्यां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ... कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया इ...

अनुसूची

दुकान नं 13, जो जयलक्ष्मी शापिग सेंटर, एम० जी० रोड, घाटकोपर, बम्बई 77में स्थित है।

प्रानुसूची जैंसा जि ऋ० सं० प्रार्ड 4/37ईई/10050/64-65 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिलांक 2-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंअ-3, बस्बई

षिनांक 12 2 1985 मोहर : प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.------

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुकना

भारत प्ररकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निवेश सं० प्राई-3/37ईई/10748/84-85--प्रत मुझे ए० लहिरी;

अप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसका सं० फ्लैंट नं० 15, जो जगदुशा अंजली, को-प्रापं० हाउपिंग सोक्षायटी जगदुशा नगर, घाटकोपर, (प०), बम्बई 86, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बिणित है) और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रक्षित्यम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नायलिय में रिजस्ट्री है दिनांक 29-6-1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्त-रण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धम या जन्य जास्तियों को, विन्हें भारतीय जाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया या या किया जाना चाहिए था, किया स्वीव्या के किया

सतः नव, उक्त निधिनयम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिक्त स्थितियों, संधात् ह—— 1. श्री धसाराम गणपत नाईकः।

(अस्तरक)

2. श्री भरत बाबुलाल व्होरा।

(भन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नुदुर्वी

पलैंट नं० 15, जो जगवुशा अंजली, की-प्राप० हार्जीसंग सोसायटो जगवुशा नगर, घाटकीपर, (प०), धम्बई 86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० झाई 3/37ईई/10748/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, विनांक 29-6-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई प्र

दिनांक 12-2-1985 मोहर 🛚 प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी. 1985 निर्देश संग्रॄं आई-3,37ईई,10560,84-85—अतः मुझे, एं० सहिरी,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित अभार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पर्लंट नं 2, जो 5 वीं मंजिल, विंग बीड़ बिल्डिंग नं 3, "दामोदर पार्कें, एल बी एस मार्ग घाटकोपर, (प०), बम्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घ।रा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 23-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में बास्तिकक रूप से किया नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269- व को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री रावजी भाई डाह्याभाई पटेल ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नक्षिमा अबू काझी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाखेप हिन्स

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस कै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर क्षित्र की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्थी

फ्लैंट नं० 2, जो 5 वीं मंजिल, विग-बी बिल्डिंग नं० 3, 'वामोदर पार्क एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं. आई-4/37ईई/10560,84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 23-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निर,क्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🖫

प्रकार बाई : दी. एन : एक . -----

बायक<u>र</u> जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निवेश सं० आई०-3,37ईई,10194,84-85—अत:, मुझे' ० लहिरी,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीरजिसकी सं० पर्लंट नं० 3, जो 5 बीं, मंजिल, बिल्डिंग 6-सी दामोदर पार्क एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, (प०), वम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वृणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 11-6-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित जाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती भावना पी० खारा ।

(अन्तरक)

 श्रीमती मधुकान्ता सी० पारेख श्रौर श्री चन्द्रलाल ही० पारेख ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाग के राजपव में प्रकाशन की तारीज में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग कि तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगं।

स्थक्कीकरण : इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित अ है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बगुजुची

प्लैंट नं० 3, जो 5 वीं मंजिल, विस्डिंग 6-सी, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कु० सं० आई-3,37ईई/10194,84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा, दिनांक 11-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985 मोहर 🛱 प्ररूप बादौ. टी., एन. एस्.-----

बायकर अभिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० आई-3,37ईई,10119,84-85---अतः मुझे, ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहवात 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैट नं० 205, जो 2 री मंजिल, बिल्डिंग नं० 10, कपाडिया नगर, सी०टी० एस० रोड, कुर्ला (प०), बम्बई-60 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है। दिनांक 4-6-1984 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्षूला, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अहरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में स्विभा औं सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ग, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1. श्रीमती भूबेदाबाई गुलाम मोहम्मद पटका। (अन्तरक)
- 2. अल्लाउद्दीन, ए० क्यू० शेख।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ज़क्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुची

फ्लैंट नं० 205, जो 2 री मंजिल, बिस्डिंग नं० 10, कापडिया नगर, सी० टी० एस० रोड, कुर्ला (प०), बम्बई -70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-3,37ईई,10119,84-85 श्रीर जो सभा प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-३. बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्रकृष बाह्य हो . एत . एस . ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई-3,37ईई,10247,84-85—अतः, मुझे, ए० लहिरी,

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रींर जिसकी सं० पलैंट नं० 2, जो 9 वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 3-सी, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, वम्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 11-6-1984

को पृथा कि संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ह है मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वासविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाव की वावत, उन्तर अधिनियम के अभीन कर पोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी थन वा बन्स वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः भव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के मुभीन, निम्नसिचित स्थेक्तियों, जभारा ह— 1. मास्टर सुमेर गर्मा ।

(अन्तरक)

 श्री हरिकशनदास रण छोरवास गहा ग्रीर श्रीमती हिरामणी हरिकशनदास शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पत्ति के वर्षन् के जिस् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्घद्ध अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

श्रनुसूची

फ्लैंट नं 2, जो 9 वीं मंजिल, बिल्डिंग 3-सी, दामोदर पार्क, एल बीं एस मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-3/37ईई/10247/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 11-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० सहिरी सक्षम प्राधिकारी! सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक 12-2-1985 मोहर ६

प्ररूप वार्षे.टी.एम..एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निवेश सं॰ आई-3/37ईई/10728/84-85---अतः मुझे; ए॰ लहिरी,

शायकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु∴ से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० की-14, जो हिमालया पार्वतीय, को-आपरेटिव्ह हाउसिंग सोडायटी पी० भी० वर्षे नगर,

घाधकोपर (प०), बम्बई-84 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुपूर्चा में भीर पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका करारनामा आयार अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है दिनांक 27-6-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान अभितिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बिच के बासतीबक रूप से काथत नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध्र— 1. श्रा वि० एन० पालेकर।

(अस्तरक)

 श्रीमती विनोद शुकराल भौर श्री अरविन्य शुकराल।

(अम्तरिती)

को यह तुमना आही करके पुत्रामित् सम्पृतित को वर्णन के हिंदए कार्यवाहियां शुरुत करता हो।

उक्त स्म्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष्:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वार्ग अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्द्वी

पसैट नं बी-14, जो हिमालया पार्वतीय की-आप॰ हार्जीसम सोसायटी पी० घो० वर्ने मगर, घाटकोपर (प०), बम्बई-84 में स्थित है।

अनुसूची जैसाफि क॰ सं॰ आई-3/37ईई/10728/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बईदारा, दिनांक 27-6-1984 को रजिस्टर्श किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विमांक 12-2-1985 मोहर ध प्रकृप आई. टी. एन. एस. ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सुरकार

कार्याण्य, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

मिवेश सं० आई-3/37ईई/10770/84-85--अतः मुझे, ए० लहर्रः,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा है69-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित गाजार मन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलैट नं० 66, जो 4 थी मंजिल, पंकज-बी, आग्ना रोड, एल० बी० एस० मार्ग, बम्बई-86 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) भार जिसका कराकामा आयवार अधिनियम 1961 की धारा 299 इस्त के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी क

कार्यालय में रजिस्ट्रे: है दिनांक 29-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी अपने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविभा के जिए;

क्तः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखनु व्यक्तियों, अर्थास् :--- 1. कुमारी मिना रमणि कलाल गीसर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती धिरजनलाल जे० शहा भौर श्रीमती बनीता भोगीलाल शहा।

(अन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्नोक्त सम्पत्ति के नर्पन् के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब द्र्थ किसी कन्य स्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किये वा सकेंगे।

स्पर्ध्वाकरण:— इपमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याम 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

अनुसूची

प्लंट नं० 66, जो 4 था मंजिल, पंकज-बी, आग्ना रोड, एल० बी॰ एस॰ मार्ग, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-3/37ईई/10770/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-3, बन्बई

दिनांक: 12 फरवरी 1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड, टी. एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्तं (निरीक्षण) अर्जनरेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० अई-8/37ईई/10003/84-85—अतः मुझे. ए० लहिरी,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भून्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं दुकान नं 3, गाउन्ड फ्लांअर, "नूपुर" इमारत प्लाट नं 185, गरोडिया, नगर, घाटकोपर, (पृषं), बम्बई-77 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मे विभिन्न है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है दिनाक 1-6-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्यक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल का कारण निम्नितियां उद्देश्य से उच्च बन्तरण बिचित में बास्तीयक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुईं किसी नाथ की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा रोलए, और/य।
- (थ) ऐसी किसी नाय वा किसी धन या जन्य नास्तियों की जिन्ह भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधीनयम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-भ क अनसरण नें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--10 -516GI/84 1. श्रा सुरेश माहन लाल मोनी ।

(अन्तरक)

2. श्री इंद्रजीत पुलुराम यादव ।

(अन्तरिर्तः)

को बहु बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

जन्म सम्परित के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की लारीख ए 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों मों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाश्यत है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

दुकान नं० 3, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, "न्पेर" इमारत, प्लॉट नं० 185, गरोडिया, नगर, घाटकॉपर, (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूर्चा जैमा कि कर मर अई-3/37ईई/10003/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारा बम्बई द्वारा, दिनाक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बुजंनरेंज-3, बस्बई

दिनांक 12-2-1985 मोहर:

प्रक्य बाइ .टो.एन.एचं.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार्

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10292/84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रह. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लांट ऑफ लैंग्ड, औट विलेज, कोले कल्याण सी० टी० एस० नं० 5864 से 5869 ग्रीर 5871, सांताकूज (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कर्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-6-1984 को पूर्वों कर संपरित के उपालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-6-1984 को पूर्वों कर संपरित के उपालय में एक स्ट्री है दिनांक उपालय प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत सम्परित का उपित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल को पन्तर प्रतिफल को पन्तर प्रतिफल को पन्तर प्रतिफल के करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत सम्परित का उपित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम, के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के सिए;

मन बज, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग की बनुसरण में ,मैं उक्त अधिनियम को भारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन जिम्मीलिखित व्यक्तियों, बार्थात्—

1. रेव्हरेड, सिस्टर असून्था श्रीर अन्य ।

(अन्तरक)

2. कालिदास थामण उसःपकर श्रीर अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति विषक्ति व्यक्ति व्यक्ति विषक्ति व्यक्ति व्यक्ति विषक्ति व्यक्ति विषक्ति विषक्त
- (व) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के धीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्यव्ध किन्नी अन्य व्यक्ति इनारा अभोहस्ताक्षरी के णत निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा नवा है।

वन्त्वा

्रलॉट प्रॉफ लैंड अँट विलेज, कोले कल्याण, सी० टी० एस० नं० 5864 से 5899 श्रौर 5871, स्टक्चर्ड के साथ, सांताऋज (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूत्री जैसाकि करु मं अई-3/37ईई/10292/84-85 श्रोर जो मक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा, दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन समाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दनाक 12 फरवर्र, 1985

निर्देश स॰अई—3/3७ईई/10543/84—85:——अत: मुझे, ए० लहिरी

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्भात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति. जिसका उचित बाजार मल्य से अधिक है ग्रीर जिसकी संख्या 25,000 玉。 **ਧਲੀ**ਟ 14, जी, निता अपार्टमेट प्लॉट न ० न० 21, 4थ. मजिल, "डी०", कालोनी रोड, यशोदा निवास के पीठ, रजावार्ड, विद्या छेडार, (पूर्व), बम्बर्ड-5 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अन्सूर्च, मे ग्रीर पूर्ण हर मे वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तार ख 22-9-1984 को पर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि थथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियागयाहै:---

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

जतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ■— 1. मैसर्स अनिल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

2. श्रा राधाक कुण एम० अदप्पा।

(अन्त(रतः)

को यह सुचना वारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त व्यक्तें और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 14, जो, निताअपार्टमेट, प्लाट न० 21, 4थीं मंजिल, "डा" कालौना रोड, यशोदा निवास के पोछे, रजावाडी, विद्याबिहार, पूर्व, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूच, जैसा कि क स० अई-3/37ईई/10543/84-85 ग्रौरजो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 22-6 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरो, सक्षम प्राधिकारः महायक आयकर आयुक्त निरक्षण), अर्जन रेज—3, **बम्बई**

तारंख: 12-2-1985

प्ररूप आह. टी, एन. एस.-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरो, 1985

सं० अकुई-3/37ईई/10719/83-84:—अत: मुसं, ए० लहिर्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं० 303, जो, 3री मंजिल, हिल व्ह्यू इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एल० बीट एस० मार्ग, घाटकीपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीखा 1-6-1984

को पूर्वीत संस्म्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति किक कप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आख-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन कर अभिनियम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैसर्स एस० एम० पी० इण्टरप्राइईज। (अन्तरक)
- 2. मैंसर्स पी० आर० ए० इन्स्टालेसन्स । $\left(\text{अन्तरिती} \right)$

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अबिध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण'--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

यूनिष्ट नं० 303, जो 3री मिजल,हिल व्ह्यू इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एम० मार्ग, घाटकोबर (प०), बम्बई-89 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/10719/83-83 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वहिरी, मक्षम प्राधिकारा, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1885

मोहर 🖫

प्ररूप आई. दी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-एं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० अई-3/37ईई/10556/83-84-अत मुझे, ए० लिह्रं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार मूल्य 25,600/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी दुकान नं० 9, जो, विग बी.०, इमारत न० 3, दामोदर पार्क, एल० बी.० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई—89 में स्थित है (ग्रौर इसके उपाबद्ध अनुसूदी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1991 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थिस सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिबों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्थित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्र) एसी किसी आय या किसी क्ष्म या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण भो. मी, उन्हां अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— पारुल इन्टण्प्राईज।

(अन्तरक)

2. श्रीमती फेहमिदा उस्मान शरीफ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान न० 9, जो, विग बा, इमाएत नं० 3 दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-8, मुं स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि क सं० अई-3/37/ईई/10556/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, ाजम प्राधिकारी, महायह आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब**र्श**

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. - - -

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 ए (1) के अधीन मुखना

शारत सरकार

कार्याजय, सहायक नायकर जायृक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

स॰ अई-3/37ईई/10487/83-84:--अतः मुझे, ए॰ लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाबार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पिम श्रौर पार्सेल ऑफ लैन्ड एस० नं० 424, एच० न० 21, सी. टी० एस० न० 832, वाकोला, विलेज, माताऋज, बम्बई-55 में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपा-बद्ध अनुसूर्ची: में श्रौर पूर्ण रूप में विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय में रिजर्म्ट्री है, तार ख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार प्ला, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त बन्तरण में निकित वास्तिबक हूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियत से अधीन कर दोने के जन्तरक के यायित्य में कमी करने या उत्तर्ध बचने में सुविधा के लिए; सीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी धन का अन्य वास्तिकों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियस के 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात ७1. मैं मर्स कानकाई इण्टरप्राईसेज।

(अन्तरक)

2. श्री वाई० सी० साठे।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क्र) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त क्षस्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित -है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

पिम श्रीर पार्सन आफ जमीन मर्बे० नं० 424, एस० एच० णं० 23, मी० टी० एस० न० 832, वाकोला विलेज, कैनरा बैंक के सामने, वाकोला मैंन रोड, सातांकुज बम्बई—55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क मं० अई-3/37ईई/10487/84-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्ब ई

सारीख: 12-2-1985

_- ------

प्रकृप नार्षं. दी. एन. एत. -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भागीन स्थान

भारत तरकाह

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई अम्बई. दिनांक 12 फरवरी 1985

स० ग्रई-3/37ईई/10486/84-85:--ग्रत: मुझ ०० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,900/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या पलैंट नं० 8 जो 1 ली मंजिल, नरेण भवन, को० श्राप हाउसिंग मोसाईटी, माईनाथ नगर, बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 22-6-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान वितफस के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफस से, ऐसे ब्रयमान प्रतिफस का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्निस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए आर्टि/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनक र अधिनियम, वा धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः जब , उन्त विधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के जभीन, निगमिसिसत व्यक्तियों, अर्थातः :---

- श्रीमृती मारागथम कल्याणकृष्णन
- (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रशधीर नैया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के नर्गन के सम्बन्ध में काई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शबें और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री पा

पलैंट नं० 8, जो, 1ली मंजिल, परेश भवन, को० श्राप-हाउसिंग सोसाईटी, साईनाथ नगर, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० भई-3/37ईई/10486/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर ः

प्रकृप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-3 वस्वई

बम्बई, दिनांक 12 फरवर्र , 1985

मं० ग्रई-3/37ईई/10242/84-85—ग्रत मुझे ए० लहिर्।

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव प्लैट नंव 12 जो 16 मिजल "विशाल प्रपार्टमेट" इमारत प्लाट नंव 108 गरोडिया नगर घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूर्वी, में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख़ 8-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से **हुई किसी बाध की बाबत, उक्त** अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनियम, को धन-कर बंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाय अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिएचा, छिपाने के सविद्या के विद्या

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, कर्थातः— श्रीमती रमा रघुनाथन और श्री औ० रघुनाथन।

(श्रन्तरक)

2. श्री टं.० एम० वेकटरामन।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किছ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अजन क संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस पूजना हराज्य। र रहणा की तारीक से 45 दिन की प्रकिष्ठ या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना क तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाश की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर मन्पत्ति में हित्बद्ध किसी मन्य स्थित द्वारा, मधोहस्ताक्षरी क प्रभ लिखित में किये जा सकेंगे

ध्यव्ही हरण: ---इसमें प्रयुक्त गण्डों गीर पदा का, ज उक्त प्र धन नियम उ अह्याय राम्क मे परमाणित है वही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

क्स सच्ची

फ्लैंट नं० 12, जो 1ली मंजिल "विशाल श्रपार्टमेंट" इमारत प्लाट नं० 108 गरोडिया नगर घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-3/37ईई-/1024284-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 8-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक . 12-2-1985

प्ररूप बाइ". टर्रे. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) कं अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

स० श्रर्ष-3/37ईई/10557/84-85 — यैत मुझे, ए० लंडिरी

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रस्थात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा स अधिक हैं

और जिसकी सख्या फ्लैंट न० 3 जो 7वी म जिल विग-सी इमारत नं० 3 "दामोदर पार्न' "एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर (प०) वस्बई-85 में स्थित है (और इसमें उपा-बद्ध श्रनुम्ची में और पूर्ण रूप से वणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 23-6-1984

का पूर्वाक्त मधित क रिचन बाजार मत्य स कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुफे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत सेर अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकात में वास्तियक रूप स विश्वत नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या

श्री इस्सर के० लाला और
 श्री तुलभी आ० के० लाला

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स पारूल इन्टरप्राईसेज।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 4.5 दिन को भीतर उच्त स्थावर सपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकाये।

स्वाद्योकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट न० 3 जो 7 वी मंजिल विग सी इमारत न० 3 "दामोदर पार्क एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर (प०) बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि श्र स श्राप्ट-3/37ईई/10557/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 23-6-1984 को रिजस्टिई किया गया है।

ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-3 बम्बई

दिनाक 12-2-1985 **मोहर** ।

शक्य बाह्^र् टी. एम<u>े.</u> एड.,-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के निधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासक, सहायक आयकर आजुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

मं० ग्रई-3/37ईई/10493/84-85 —यतः मुझे, लिहरी,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके पश्चात् (उक्त अभिनियम कहा गया है), की धारा 269-भ के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित्स जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्ट. से अधिक है

और जिसकी संख्या पर्लंट नं० 9 जो ग्राउण्ड पलोर द्वारका धाम इमारत, प्लाट 133 गरोडिया नगर घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 24-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिका है और अन्तरक (क्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नगररण से हुई किसी नाय की वावत, उपक श्रीकृतिकाओं के ज्योग कर दोने के जंतरक के वाणित्व में कमी करने या उससे अभने में मृविधा के लिए, शीर/वा
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः धवः, उक्त अधिनियत्र की धारा 269-ग के अनुसरण बें, में,, उक्त अधिनियस की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निस्निलिवित स्यक्तियों अधार्त हु— 1. श्री टी० एस० वेंकटरामन ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती राधा विरामणी और श्री नारायणन विरामणी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्ल सर्मात्त को अपन का सम्बन्ध मा अपने भी अभाग ---

- (क) इस स्थान के सजवन में प्रकावन की सारीस से 45 दिन को अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्याक्तियों मा में चित्री व्यक्ति दवारा.
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकासन की तारीब सं 45 विन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति व्यास, अभोहस्ताक्षरी के पाद तिवित में किए जा सकोंगे।

स्वाकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त श्रीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वही अर्थ होगा का उस अध्याग में दिया यस है।

वन्स्ची

पर्लैट नं० 9 जो ग्राउण्डपलोर द्वारका दास ध्मारत प्लाट नं० 133 गरोडिया नगर घाटकोपर (पूर्व) बम्बर्ट 77 में स्थित है।

ध्रत्मूची जैसा कि के सं० भ्राई-3/37ईई $^{1}10493/84$ -85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-6-1984 को रिजम्टई किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज--3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं • ग्रई-3/37ईई/10340/84-85.—यत मुझे, ए • लिहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र रुक्त से अधिक हैं

और जिसकी सख्या फ्लैंट न० 3, जो, 4थी मजिल, विगसी, इमारत न० 3 "दामोदर पार्क", एल० बी० एस० मार्ग, घाटकीपर (प०), बम्बई-85 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्दी हैं, तारीख 15-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या बन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय नाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के सिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण भें, मैं, उक्तः अधिनिय की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननि**विका व्यक्तियों, अर्था**त् ध— 1. श्रीमती ग्रायली ग्रार० नायक।

(भन्तरकः)

2. पारूल इण्टरप्राइसेज।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्ह संपरित के कर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजबुध, किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए का सकर्ग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा, जो जस रूथ्याय में दिया नया

अन<u>ु</u>स्ची

प्लौट न० 3, जो, 4थी मजिल, विंग सी, इमारत न० 3, "दामोदर पार्क", एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०) बम्बई-86 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क सं० ब्राई-3/37ईई/10340/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० ल**हिरी,** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर भाषका (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज−3, बस्बई

दिनांक: 12; 2-1985

मोहर ः

प्रक्ष बाह् े टी. एन. एस.-----

बायकर ब्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) क्रीं भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

भाइत चरकार

कायोलयं, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी, 1985

स॰ म्राई-3/37ईई/10558/84-85:--यत. मुझे, ए॰ प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सक्या प्लैंट न० 1. जो, 11वी मजिल, इमारत न० 3/डी, दामोदर पार्क, लाल बादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करारनामा भायकर भिर्मित्यम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 23-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का, जिन्नलिविस उद्योक्त से अक्त बन्दरण निविद्य में सक्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से इंड्रंकिसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (च) देशी किसी जाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वंश था या किया वाना वाहिए आ दिन्याने में सुनिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1 सीमती भगवती डी० मखिजानी।

(ग्रन्तरक)

2 श्री जयन नैटम लाल शाहा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

डाचस सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप इ~

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी क्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रिक्सित में विश्वास्त्र मुक्ति ।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

पलैट न० 1, जो, 11वी मजिल, इमारत न० 3/डी, दामोदर पार्क, लाल बहादुर मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई 86 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्र स० ग्रई-3/37ईई/10558/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 23 23-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🖫

प्रकृप आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं॰ प्रई-3/37ईई/10092/84-85:--यत: मुझे, ए० लाहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 2 और 3, जो, हिल व्यू श्रपार्टमेटस, हिमालया पर्वतीय को श्राप० हाउसिंग मोमाईट्री, नेताजी पालकर, मार्ग, श्रमल्फा, घाटकोपर, बम्बई-84 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अन्यूची में और पूर्ण रूप में विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-6-1984

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाँकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से कांचित हों किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण क दायित्व में कभी करने या उससं वचन में स्विधा के बिए; ब्योड्र/या
- (क) एसी किसी बाथ या किसी धन था बन्य आस्तियां का, विन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, खियाने में सविधा के लिए;

नतः नव, उक्त निभिभयम की भारा 269-ग के ननूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधारि ध--- 1. श्री गणेश कन्स्ट्रक्शन ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती बिसेण्वरी देवली।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

दुकान नं० 2 और 3, जो, हिल ब्यू ग्रपार्टमें दस, हिमालया पर्वतीय को ग्राप हार्जामग सोसाईटी, नेताजी पालकर मार्ग, ग्रसल्फा घाटकोपर, बम्बई—84 में स्थित है।

श्रनुसूची जैपा कि क मं० ग्रई-3/37ईई/10092/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985

त्रक्य नार्द्रं , टी ु एम ु एस ु-----

भायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-मं (1) के मधीन सुमना

सादुत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरुक्तिण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० ग्रई-3/37ईई/10371/84-85.—यतः मुझे, ए० लिहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदनास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मंख्या यूनिट नं० 2, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, ग्रनोटो इण्डस्ट्रियल इस्टेट, नित्यानन्द नगर, गृल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 16-6-1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से एसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्यम के अधीन कार दोने के अंतरक के दामित्व में कभी कारने या उससे बचने में सृविधा के निए: अरि/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था, क्रियान में मृदिधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मुनीर मोहसिन बच्च्याली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री शिवकान्त विश्वनाथ चौधरी।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

वनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अयिक्त द्वारा,
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मभ्यत्ति में हिसबद्ध "किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सवागे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागर जो उस अध्याय में िदस्स गया है।

and d

यूनिट नं० 2 जो, ग्राउण्ड फ्लोर, ग्रानोटो इण्डस्ट्रियल इस्टेट, नियानन्द नगर, एल० पी० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि क सं० श्च $\hat{\mathbf{x}}$ -3/37 $\hat{\mathbf{x}}$ $\hat{\mathbf{x}}$ /10371/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब $\hat{\mathbf{x}}$ द्वारा दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 💌

प्ररूपु आर्हे.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, धम्बई धम्बई, दिनांक 12 फरकरी 1985

निवेश सं० अई०-3/37 ईई०/10559/84-85-अतः, मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 3 है तथा जो नवीं मंजिल, इमारत नं० 3/सी, 'दामोदर पार्क', लाल बहादुर शास्त्री मागं, घाट— कोपर (पश्चिम), अम्बई—86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन चूम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मैं रजिस्ट्री है तारीख 23 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल के पन्म्रह प्रतिशत से अधिक ले और अंतरिक (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्य अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० टी० मिरचंदानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री बलजीत सिंह कोचर श्रीर श्री भाग सिंह कोचर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ज़ें भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैंट नं० 3 है तथा जो नवी मंजिल, इमारत नं० 3/सी, 'दामोदर पार्क', लाल बहादुर शास्त्री मार्गे, घाटकोपर (प०), वम्बई-86 मैं स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/10559/ 84-85 झौर जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनांक 23 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ् ए० लहिरी सक्षम प्राधिवारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 12-2-198**5**

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10741/84-85—अतः, मुझे, ए० लहिरी,

आयकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 4 है तथा जो 'श्री द्वारका धाम', प्लाट नं० 133, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), वम्बई-77 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विश्वत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 29 जुन, 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्द मुभ्रे विष्वास करने का कारण यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रति-फल से, ऐसी धरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क्क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्यिश के लिए, और/सा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 19?? (1922 का 11) या उपन अधिनियम, 19?? धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 7% प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में निविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री अशोक जयसिंह भाटिया।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप हसराज सम्पत ग्रीर श्रीमती रोहिणी दिनेश कुमार संपत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ म 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

ब्लाक नं० 4 है नथा जो श्रीद्वारका धाम", प्लाट नं० 133, गरोड़िया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्रम मं० आई०-3/37 ईई०/10741/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनकि 29

जन, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी **सक्षम प्राधिका**री <mark>|</mark> सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) | अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख : 12**-2-1985**

मोहर 🛭

प्रकप बाइं.टी.एव.एस. -----

नायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

सहायक घायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जेम रेंज-3, बम्बई धम्बई, बिनोक 12 फरवरी 1985

मिवेश सं० अई०/3-37 ईई०/10013/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विदवास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,00/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलेंट नं० 25 है तथा जो छठवीं मंजिल, राजू मैनशन, बल्लभ बाग लेन, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-75 में स्थित है (भौर इससे उपाधद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 266 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री है तारीख 16 जून, 1984

कि पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के सीयरल में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के भिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, इक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१ के बचीन निम्नितिमित व्यक्तियों, अर्थात :---- 12—516GI/84

(1) श्री पी० वासुवेव भोणाय।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभावती डी॰ माधी ग्रीर श्रीमती राजू महेन्द्र माथी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यनाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वेंबित भाक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किरण :--- इसमे प्रयुक्त कम्यों आँर पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गैंवा हैं।

धनुसूधी

प्लाट नं० 25 है तथा जो छठवीं मंजिल, राजू मैनमन, वस्लभ बाग लेन, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-75 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि कम सं० अई०-3/37 ईई०/10013/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 16 जून, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर ;

प्ररूप बाई.टी.एन.एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/10163/84-85-अत:, मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

षीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5 हैं तथा जो पहली मंजिल, ऋषभ आशिष, प्लाट नं० 74, डी० पी० रोड, मुुलुंड (पिष्प्रिम), अम्बई—81 में स्थित हैं (धौर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विजित हैं), घौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जुन, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान लिए अन्तिरत की गद्द हैं के मभे यह विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्यक्तिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाष्ट्रिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अधीत :---

(1) मैसर्स अजय बिस्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मैससं स्टील अथारिटी आफ इण्डिया लि॰ ग्रीर श्री बोद्र गंकर खाडे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्िक के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हालेगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

फ्लैट नं० 5 है तथा जो पहली मंजिल, ऋषभ आशिष, फ्लाट नं० 74, डी० ती० रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बाई—81 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई० 3/37 ईई०/10163/ 84-85 क्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई इ।रा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिर सक्षम अधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्ब**र्ध**

तारीख: 12-2-1985

मोधुर 🗅

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3 बम्बई बम्बई दिनोक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० श्राई०-3/37 ईई०/10564/83-84--- प्रतः मुक्षे ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000′ रा में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर इन्द्रप्रस्थ पी० नं० 1 एस० नं० 49 एच० नं० 1 (अंग) सी० टी० एस० नं० 1071 (अंग) भीठा नगर रोड मुर्लूड (पूर्व) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा धायकर श्रीध—नियम 1961 की धारा 260 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है तारीख 1 जून 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रहें प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निक्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकितों में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व को अनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री पटेल भानजी करमशी एण्ड कम्पनी । (श्रन्तरक)
- (2) श्री जयराम एम० शेट्टी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रतस्त्री:

पर्लंट नं० 3 तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर इन्द्रप्रस्थ, पी० नं० 1, एस० नं० 94, एच० नं० 1 (अंग), सी० टी० एस० नं० 1071 (अंग), मीठा नगर रोड मुलुड (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची नैसा कि कम स० आई०-3/37 ईई०/10564/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज--3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

नक्य नाइं.टी.पुर.पुर.,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य - 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 46 है तथा जो 'फाल्गुनो', लावी वाला कालोनी, बाल राजेश्वर रोड, मुलुंड (पश्चिम), बस्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से वांगत है) और जिसका करारनामा घायकर श्रधानियम 1961 की घारा 269 क ख के घधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

की पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रितिक ल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिक ल से एसे दश्यमान प्रतिक ल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिक ल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती रीटा ए देसाई।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभातिकारी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांद्रें भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

नगसची

फ्लैट नं० 46 है तथा जो 'फाल्गुनी', लाबी वाला कालोनी, बाला राजेश्वर रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्राई०-3/37 ईई०/10720/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप नाइ.टी.एन.एस.-----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं॰ माई०-3/37 ईई०/10251/83-84-मत: मुझे, ए० लहरी,

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० बी/303 है तथा जो सौरम ध्रपार्टमेंट्स, सर्वे नं० 44 (अंग) ग्राफ पी० के० रोड, नाहूर मुलुंड (पिष्मम) बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करार-नामा ग्रायकर मधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पूर्तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करिने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयण्ड-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा भन-कर अधिनियम, गा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, जर्धात् :--- (1) मैसर्स एस० एन० बिल्डर्स

(भन्तरक)

(2) श्रीमती वर्षा प्रशोक राणे।

(भग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति को अर्जन को किए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कित- सव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुस्ची

पलैट नं वी/303 है तथा जो सौरभ ग्रपार्टमेंट्स, सर्वे नं 44 (अंश), ग्राफ पी के रोड, नाहूर मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3/37 ईई/10251/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-3, बम्बई

शारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्रकृप बाद .टॉ. एन. एस. ----

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुधीन सूचना

शारत पहला

कार्यालय, महासक नासकर नायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० प्राई०-3/37 ईई०/10457/83-84-प्रतः मुझे, ए० लहरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० पर्लंट न० 7 है तथा जो प्लाट न० 48, काजूर को-आंपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, माझूप, बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के इक्ष्मान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्षास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इक्ष्मान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्ताह प्रतिशत से अधिक है जोर अन्तरक (अन्तरकार्य) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पादा गवा प्रतिफल निम्नलिबित उद्वर्षय से उक्त बन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक से शावित्व में कनी करने या उक्त वचने में सुविधा के किंद, बॉर्/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में स्थिया के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) मैसर्स मार्डन बिल्डसं ।

(मन्तरक)

(2) श्री एनु॰ सी॰ शो।

(मर्लारती)

को यह बुचना जारी कारके पुनरित्त सम्मतित के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त कमरित के वर्षन के कमान्य में कोई भी बाखेर:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविभ, जो भी अविभ बाद में समस्त होती हो, के भीतर प्रांकित स्थितयों में से किसी स्थानित द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के बीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा व्याहस्ताक्षरी के चार सिचित में किए वा सकोंगे।

स्यक्षीकरणः — इसमें प्रयूक्त कव्दी और पर्यो का, को उससे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वसा है।

वयस्त्री

फ्लैटनं० 7 है तथा जो प्लाटनं० 48, कांजूर को-धाप० हाउसिंग सोसाइटी, भांडूप (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है ।

भनुसूची जैसा कि कम सं० भाई०-3/37 ईई/10453/83-84 और जो सक्सम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 12-2-1985

माष्ट्रर :

प्ररूप बाईं. टी. एम. एस. - - -

कावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

नाद्यं चुर्यन्त

कार्याजय, सहायक नायकर जागुक्त (नि.दीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10593/83-84--अत: मुझे, ए० लहिरी

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ब्लाक नं 4 है तथा जो ग्राउण्ड पलोर, मुलुंड राज मयूर को आपरेटिय हार्जीसा सोसाइटी लिमिटेड, एसं एलं रोड, मुलुंड (पिक्चम), बम्बई-80 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की घारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उियत बाजार मूल्य से कम के इष्यमान स्मितिकल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिकल से, एसे ब्रुच्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसीं बान की बानत, उनत् बीधिनियम की बधीन कर दोने के अन्तरक के धावित्व में कमी करने या उससे दचने में जुनिका के सिक्; बॉट/बा
- (का) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण के. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री पी० एन० सुक्रमनियन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० जे० सोनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सञ्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख्या

ब्लाक नं 4 है तथा जो ग्राउण्ड फ्लोर, मृलुंड राज मयूर को-आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, एस० एल० रोड मृलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/10593/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 कून, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

प्रकप बाइ". टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं अर्ध -3/37 ईई 0/10516/83-84-अत: मुझे, ए० लहिरी

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रः. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलट नं० 304 है तथा जो तीसरी मंजिल, सुशीला अपाटमेंट, सरोजनी नायडू रोड, तांवें नगर, मुलूंड (पश्चिम), बम्बहै-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के जिया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (क) बन्तरण से हुई किती आय की बाबते, उक्त बिशनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के कृपित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्रीमती भाग्यवंती अचल दास पलेसा।

(अन्तरक)

(2) श्री के० बाल कृष्णन ।

(अन्सरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेष :----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किये वा सकरेंगे।

स्पच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा है।

तमसर्ची

पलैंट नं० 304 जो तथा जो तीसरी मंजिल, सुशीला अपार्ट-मेंट्स, सरोजनी नायडू रोड, तांबे नगर, मुलुंद (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/10516/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 1 जून, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कर्णन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

प्रोष्टर:

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

नाय्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, तहार्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, धम्धई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1984

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

कायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति; जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं दुकान नं 5 है तथा जो ग्राउछ पक्षोर, श्री सदन कुंज को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेंद, 90 फीट रोड, नवघर रोड, मुलुंड (पूवं), बम्बई-81 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूणें रूप से विजत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की श्रीरा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

का पूर्विकत संपरित के उपित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान पूर्विकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षें यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्परित का अधित बाजार ब्रुक्व, उसके दश्यमान प्रतिकाल के इसे दश्यमान प्रतिकाल के प्रस्ति प्रतिकाल के प्रतिकाल से बिधक है और बंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनियम 1922 (1922 असे 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बना धाहिए था, क्रियाने में सविधा के लिए:

अतः अब., उदत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तें, मैं उत्तत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती वसुन्धरा रमाकांत तारी।

(अतरक)

(2) भीमती प्रतिभा प्रकाश मुंबरकर।

(अन्तरिती)≪

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गृरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में सभाप्ता होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पद्धिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जभिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाजित हैं, यही वर्ष होंगा यो उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुर्लौन मं० 5 है सथा जो ग्राउण्ड फ्लोर, श्री सदन कुंज को-आपरेटिव हार्जीसंग सोसाइटी लिमिटेड, 90 फीट रोड, नवघर रोड, मुलुंद (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/83-84 10288 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज-3, बम्बई

सारीख: 12-2-1985

पाहर 🕾

प्ररूप. बार्ड. टी. एन्. एस. ४००००

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

भम्बई, दिनांकः 12 फरवरी 1985 े

निदेश सं० आई०-के/37 ईई०/10156/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० यूनिट नं० 139 है तथा जो पहली मंजिल, हीरानन्दानी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मार्ग, बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपायद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा आयवार धिनियम, 1961 की धारा 269 कथा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रतिधकारी के कार्य रूप में रजिस्ट्री है तारीखा 1 जून, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उाचत बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एमे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित्री (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक ले वायित्व में कभी करने या उससे अधने में सविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्श अन्तौरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकां, अर्थात् :--- (1) श्री हीरानन्यानी इण्डस्ट्रियल इस्टेट।

(अन्सरक)

- (2) 1. श्री अशोक टी॰ चन्दानी,
 - 2. श्री राजेश टी० चन्वानी ग्रीर
 - 3. कुमारी बीना के मोतीरामानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में तितवह्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निश्चित में किए जा सकर्ण।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ डोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्**न्स्ची**

यूनिट जो 139 है तथा जो पहली मंजिल, हीरानन्यानी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मार्ग, अम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/10156/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, सम्बर्ध

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप भार्ष, टी., एन्. एस. - - + ----

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 क्षा 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जामुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/10166/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं।, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उणित बाजार मृज्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं गाला नं 25 है तथा जो मेघल सर्विस इण्डस्ट्रियल इस्टेट, डी० डी० रोड, मुलुंड (पिश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क खंके अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीखं 1 जून, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शतिफल् के लिए बन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल् से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (बा) अन्तराहण ते हुन्द्र' किसी आव की बावत, उक्तः अधिनियम को अधीन कर दोनें के अन्तरक को दाखित्य में कमी करने या जनमे त्वाने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के लिए;

नतः नव, उक्त निर्मित्यम की भारा 269-म के जनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के कधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों. क्यांत ७—- (1) श्री हंसराज के॰ हरिया।

(अन्तरिती)

(2) श्री यशपाल के० कालरा।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपंत्र में श्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकंगे।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिशियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

गाला नं० 25, है तथा जो, मेघल सर्विस इण्डस्ट्रियल इस्टेट, डी० डी० रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/10166 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा बिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

सारी**व : 12-2-198**5

प्रक्ष् बार्च. टी. एन्. एव्.,-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुवना

भारत दरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्ज रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई० 10227/84-85--अत: मुझे, ए० सहिरी

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिगियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी—1 है तथा जो हित निकेतन, कोकण नगर, जे० एम० रोड, भांडूप (पश्चिम), बम्बई—78 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान असिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सेन एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निष् तब गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्वेषय से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्वेषय से उक्त अन्तरण निम्तरित में वास्तिवक रूप से कृषित नहीं किया यवा है -

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाम की शबस, धक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्तः अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में सविभा के जिए;

बतः जव, उक्त जिम्मियम की धारा 269-ग के अनुसरक भी, भी सक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा 👭 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भी अन्थोनी सालढाणा।

(अन्तरक)

(०) श्री वी० आर० हरीवास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ठारीं के 45 दिन की बनिध या तत्सं इंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

पलैट नं सी-1 है तथा जो हित निकेतन, कोकण नगर, जे एम रोड, भोडूप (पश्चिम), वस्वई-78 में स्पित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3 37 ईई० 10227 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1 जून, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 12-2-1985

प्रकृष नार्ष्_ळ ही ् एन्<u>ळ</u> पुष्_{य स्}रुष समास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन स्कृता

भारत सरकार

कार्नाक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बर्ध

बस्बई, दिनांन 12 फरवरी 19 85

निदेश सं० आई०→3/37 ईई०/10540/83-84--अतः ए० लहिरी

नायकर मिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा∴से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० यूनिट नं० 27 है तथा जो पहली मंजिल, हीरानन्दानी इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, कांजूर मार्ग, बम्बई में स्थित है (मौर इससे उपायद्ध अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से वणित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधि नयम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षंम प्राधिकारी के कार्यालम में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूलैय उसके रूपमान प्रितिफल से, एसे रूपमान प्रितिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुर् किसी बाव की बावत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्/वा
- (थं) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जिन्हें अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के सिए।

जतः जव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तिकरें, अभीर हैं

- (1) श्री हीरानन्दानी इण्डस्ट्रियल ईटरप्रायजेज।
 (अन्तरक)
- (2) श्री सुरेश टोमक दास मूलचन्दानी ।

(अन्तरिती)

को यह सुषना जारी करके प्वोंक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोष्ट्री भी जाक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुवत शब्दों और पर्वो का, जो ज़बत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

নগ্র্থী

यूनिट नं० 27 है तथा जो पहली मंजिल, हीरानन्दानी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, कांजूर मार्ग, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ्रम सं० आई०:3/37 ईई०/10540/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **यम्बर्ध**

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप बाइ^क. टी. एन. एस.-----

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्णालय, सहायक नायकर आयुक्त (1नरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10727/83-84--अतः · मझे, ए० लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक ही

श्रोर जिसको सं० प्लैट नं० 404 है तथा जो चौथी मंजिल, मुगीला अपार्टमेंट्व, नांवा नगर, मरोजतो नायडू रोड, मुलुंड (पेवन), रावई-80 में िया है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से मुद्द किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (फ) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में ज्यिभा के लिएं:

नतः अस, उनत निधिनयम की धारा 269-ग के जनसरण में, में उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री भरत एम० परवानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गजराबेन लाहेरचन्व शाह ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध माद मों अविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैट नं० 404 है तथा जो चौथी मंजिल, मुशीला अपार्टमेंट, तांबा नगर, सरोजनी नायडू रोड, मुसुंद (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/10727/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख: 12-2-1985

शृक्य कार्च. टी. एन्. एव. न्यानामाना

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-भू (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानय, बहायक शायकर बायूक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंश-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फ़रवरी 1985

निदेश सं० अर्६०—3_/ 37 ईई०/10353/83—84—अतः मुझे, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं । आई०-3/37 ईई०/फ्लैंट नं । बी/4 है तथा जो पहली मंजिल, माहेश्वरी अपाटमेंट, जें ठा मंकर डोसा रोड, मुलुंड (पिश्चम), बम्बई-80 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा आयक्त अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख , अधीन बम्बहै स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जुन, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे रायमान प्रतिफल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे रायमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिस्ति से बृधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में ब्रास्तिवक कर प्रकार नहीं किया गया है रा

- (क) अन्तरण सं शुर्ध किसी आय काँ बाबत , उक्त अभिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक अभिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक अभिनियम के अभी कर्ति या उसते अचाने में सुनिधा के जिए, और था
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1977 का 27) हे प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्री नरोत्तम दास प्रभु लाल गणाता भौर श्रीमती विजयावेन नरोत्तम दास गणाता। (अन्तरक)
- (2) श्री रमेश चन्द्र श्रीराम मोवी श्रीर श्रीमती शारवा देवी रमेशचन्द्र मोवी । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी क्यिश दान में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीच से 45 विश्व के भीता उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकित ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों जोर पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-के में परिभावित हु⁴, वहीं जर्भ होगा को उस अभ्याय में दिया पदा है।

वम्स्वी

फ्लैट नं० बी-4 है तथा पहली मंजिल, 'माहेश्वरी अपार्टमेंट' इमारत, जठा शंकर डोसा रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/10353/83-84 और जो सञ्जम पाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

भीहर:

प्ररूप माइ. टी. एव. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुष्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, धम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10135/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभिन दाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० यूनिट नं० 213 है तथा जो दूसरी मंजिल, पी० एन० कोठारी इस्टेट, सर्वे नं० 200 (श्रंश), सी० टी० एस० नं० 288, आगरा रोड, भांडूप बग्बर्-78 में रिश्त है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीहरूपूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका कररनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन धम्बई स्थित स्थाम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वो अत सम्परित के उचित बाजार मृष्य से काम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और किया गया है मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एक्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में धास्तिवक लय में कथित नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मी कमी करने या उपारं अधन मी सुविधः के लिए; और/या
- (३) प्तर्श किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविभा के सिए;

अतः अम उक्त कि भिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीपी० एन० कोठारी।

(अन्तरक)

(2) मै॰ स्पेसटेक इनयुपर्मेटस एण्ड स्ट्रनचर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनिधम के अध्याय 20-क में परिभाधित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्यी

यूनिट सं० 213, है तथा जो, दूसरी मंजिल, पी० एन० कोठारी इस्टेट, सर्वे मं० 200 (भंग), सी० टी० एस० नं० 288, आगरा रोड, भांडुप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/10135/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, अम्बर्ध

सारीख : 12-2-1985

महिर 🥲

प्रकप आहूरं, टी. एन. एस. ------

ण्डस्थकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-3,बस्बई
धम्बई,दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10563/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. में अिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 7 है तथा जो दूसरी मंजिल, इन्द्रप्रस्थ पी० नं० 1, एस० नं० 94, एच० नं० 1 (श्रंभ), सी० टी० एस० नं० 1071 (श्रंध), मिठागर रोड, मुलुंड (पूर्व), धम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाध्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिमका करारमामा आयकर अधि—नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन धम्धई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कुम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अल्तरिन की गर्व है और एक गर्ज विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुं इं किसी आब की अअत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के निए:

कतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण धें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितृष्टित स्विक्तयों, अर्थीत प्रकार 14—516GI/84

(1) श्री पटेल भानजी एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाण मंगेणराव कंटक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी क्योंक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी को पास सिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्य

पलैट नं० 7 है तथा जो दूसरी मंजिल, इन्द्रप्रस्थ, पी ० नं० 1, एस० नं० 94, एच० नं० 1 (श्रंश), सी० टी० एस० नं० 1071 (श्रंश), मिठागर रोड, मुलुंड (पूर्व) बस्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कम सं० आई०~3/47 ईई०/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 ज्न, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर

म्हन कार् ा हो । युन् पुत्र पुत्र ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के स्थीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्स (निरक्षिण)

अजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10233/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

भायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पण्यात 'उन्त मिपिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के मधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मुस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं यूनिट नं 1 है तथा जो ग्राउन्ड पलोग्नर 'गोविन्द उद्योग भवन', बाल राजेश्वर रोड, मुलुंड (पश्चिम), धम्बई-80 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

भन्ने प्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तर दिक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई िकसी याय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय ना किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा या किएए जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिंखित व्यक्तियों, अर्थात् (1) मैसर्स इण्डो सायगन एजेंसी।

(अन्सरक)

(2) म० मेटकन्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के गर्जन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बतिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किती व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित वहुध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोवस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, थां उच्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया पद्मा है।

अनुसुची

यूनिट नं 0 1, तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, 'गोबिन्द उद्योग भवन', बाल राजेश्वर रीड, मुंलूंद पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3'37 ईई०'10233' 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (चिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

प्रक्य बाह् ं टी. एन., एस.,=---

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भूभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर भायकः (निर्देशक)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3,37 ईई०,10153,83-84-अतः मुझे, ए० लहिरी

नायकर भिश्वियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाबार मृख्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 24 है सथा जो के० के० गुप्सा, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, मुलुंड बम्बई—80 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुन, 1984

का पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय्पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुइ किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के शियित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए धः, छिपाने में सुविधा अं लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें अन्सरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखिट क्यक्तियों, अर्थात् क्र---- (1) म० ग्लो पेकेजिंग इण्डस्ट्रीज ।

(अन्तरक)

(2) म० टेलकम इण्डस्ट्रीज ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां शुरू करता हुई ।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसुधी

श्रुनिट नं० 24 है तथा जो के० के० गुप्ता इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, मुलुंड बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3,37 ईई०,10153,83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बईद्वारा दिनांक 1 जून,1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्लं रेज-3, अम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर 🗵

प्रका बाह्र हो, एन्, एस्,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुवना भारत सम्बन्ध

कार्यालय, सहायक मायकर मायक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

यम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं अर्ह ० – 3, 37 ईर्ह ०, 10550, 83 – 84 — अतः मुझे, ए० लहिरी

काथकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्स 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ब्लाक नं 6 है तथा जो इमारत नं 16, निर्मानाधीन इमारत, प्लाट नं 4, एस० नं 55 श्रौर 56, सी टी० एस० नं 2070208, मृलुंड (पूर्व), बम्बई-81 स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है तारीख 1 जुन, 1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए एक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विश्वास में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है क्ष्य

- (क) अंसरण से हुए किसी जाव की कारत, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे मचने में सूविधा के लिए; बरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर क्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वी सिए;

आतः लब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् बों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निन्धित व्यक्तियमें, अर्थात अ— (1) मैं ज मुकंद आयरत् स्टाफ एसोसिएशन को-आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती अनसुया रामनाथ सोडे स्रीर
 - 2. कुमारी राजश्री माधव भट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेंबर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवार;
- (ण) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 चिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास तिश्वित में किए वा सकेंगे।

न्यव्यक्तिरण: --क्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिवा गया है।

वरसंधी

ब्लाक नं० 6 है तथा जो इमारत नं० 16, निर्मानाधीन इमारत, प्लाट नं० 4, एस० नं० 55 श्रौर 56,सी० टी० एस० 2070208 मुलुंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-3/37 ईई०/10550, 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∽3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर 🖫

प्रकृष आहे ही एवं अस. -----

आंबकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

धम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/10438/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, निसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-202 है तथा जो सौरभ अपार्टमेंटस बी, आफ पी० के० रोड, नहार विलेज, मुलूंड, घम्बई-80 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुचची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून,

को पूर्वीक्त सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान गहुर प्रतिफल को लिए अन्तरित की मुभ्हे विश्वास करने का क्तरण है कि यथा-पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निष्ठित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं पाया गया ह*्----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में केसी करने या उसने बचने में सन्विधा के स्थित; बौद्र/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए था., क्रिपाने में स्विधा के लिए;

भारा अब, उक्त गिंधितयम की धारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं०एस० एन० बिल्डर्स।

(अन्तरक) :

(2) श्री ग्रंकृश दिनकर राणे।

(अन्तरिती).

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभांह-साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त विधिनियम, के अभ्याम 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याम को निकार गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं ० $v_I 202$ है तथा जो सौरभ अपार्टमेंट्स-बी आफ फी के रोड, नहार बिलेज, मुलुंड बम्बई-80 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि के सं० अई०-3/37 ईई०/10438/83-84 और जो सक्षम प्राधिकरी, वस्वई हारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

सारीख: 12-2-1985

मोहर 🕄

प्ररूप कार्ड्ः टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सुचना

भारत बहुकाङ

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं अर्ह०-3/37 ईई०/10250/83-84-अतः मझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फ्लैट नं ए-2 है तथा जो सौरभ अपार्ट मेंट्स, सर्वे नं 44 (श्रंग), ऑफ पी के रोड, नाहूर, मुलूंड (पिंग्चम), बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेद्य से उस्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया प्या है :——

- (क) वंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के वंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिमी द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विस्तितिस्ति व्यक्तियों, अधीन, विस्तितिस्त

(1) मैं ० एस० एन० बिस्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री रजनी कांत बी० रेगे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सच्यातिक के वर्णन के सिष्क कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हिन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेचल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन् के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विस गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं॰ v/2 है तथा जो सीरभ अपार्टमेंट्स, सर्बे नं॰ 44 (श्रंश), आफ पी॰ के॰ रोड, नाहूर मुलूंड (पश्चिम), अम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 हेई/10250/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्रश्चिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब^र

तारीख: 12-2-1985

मोहर:

प्ररूप बाइं., टी. एन. एस. -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यानय, तहापक आयक्तर अप्युक्त (निरोक्षण)

अर्जन--रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं॰ अई-3/37ईई/10291/83-84-अत मुझे ए॰ लहिरी,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं ० ए/102, जो, सौरभ अपार्टमेंटस सर्वे ० नं ० 44 (ग्रंग), ग्राफ पी ० के ० रोड, नाहूर, मुलूँड, बम्बई—80 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारमामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-6-1984।

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का .उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल क्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्य अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से किया गया है है—

- (क) अन्तरंत्र से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत् ध--- 1. मैसर्स एस० एन० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र टी० मिश्रा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, खों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्ची

पर्लंड नं० 102, जो, सौरभ अपार्टमेंटस, सर्बे० नं० 44 (श्रंश), आफ पी० के० रोड, नाहूर, मृलूंड (प०) बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ सं० अई-)3/37 ईई/10291/83-' 84 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 1-6-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अत्युक्त (निरीक्षण) अतं तेंब-अ,ाः

तारीख: 12→2~1985

मोहर 🖁

प्ररूप आइ^र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० अई-3/37ईई/10329/83-84—अत: मुझे, ए०, लिहरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-छ से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं० 212, जो, 2 री मंजिल पी० एन० कोठारी इस्टेट, सर्वे० नं० 200 (अंग), सी टी० एस० नं० 288, आग्रा रोड, मांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजक्रस्ट्रीहै, तारीख 1-6-1984। कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके एश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त् अन्तरण लिखित में वास्तीलक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की यायत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसी, अर्थात् क्रिक्न 1. श्री पी० एन० कोठारी।

(अन्तरह)

मैनर्स न्यूटेक एनर्जी इंडिनियर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>स्**ची**

यूनिट नं० 212, जो, 2 री मंजिल, पी० एन० कोठारी इस्टेट, सर्वे नं० 200 (श्रंश), सी० टी० एस० नं० 288, आग्रा रोड, मांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37/10329/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6 1984 को रजिस्टर्ड ्किया गया है।

ए० लहिरी, स**क्षम प्राधिकारी** सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज–3, बम्बई

सारीख: 12-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ, टी. एन एस. -----

माण्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, विनांक 12 फरवरी, 1985

सं० अई-3/37ईई/10567/83-84--अतः मझे, ए० लहिरो,

नायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25 000/- रु में अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० 15, जो, "बी", विंग, "अष्ट लोटा" प्लाट नं० 38, विलेज वालनाय, मालांड मार्बे रोड, सालांड, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निनिक्त में अध्वतिया स्था है:——

- (त) यानगण स हुई किसी बाय की बाबत, उन्ह अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी फरने या उसमे अचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

जन अब. उक्त विधिनियम की धारा 269-म को अनुसरक को , मैं उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 15—516 GI/84

1. श्री प्रहलाज सिंह हस्सा सिंग बजाज।

(अन्तरक)

2. श्री देवेन्द्र प्रभुदयाल मंगला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे केत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और ९वाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बयस औ

दुकान न० 15, जो, बी विंग, "अटलांटा" प्लाट नं० 38, विलेज वालनाय, मालाड मार्वे रोड, मालाड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स० अई-3/37ईई/10597/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, गञ्जम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

नारीख: 12-2-1985

मोहर :

प्रकथ बाह् .टी.एच.एस.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ब** (1) के अधीन सुजना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं॰ अई-3/37ईई/10547/83-84--अतः मुझ, ए॰ लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

घोर जिसकी संख्या दुकान नं० 1, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, मनाली इमारत, न० 2, प्लाट न० 48, 49 श्रौर 50, बालनाय विलेज, मालाड, (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा, 269 क, ख के अधीन बम्बई, स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के निए तय पाया प्या प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है '---

- (क) वंतरण ते हुई किसी बाव की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक व दायित्व में कमी करने या उसमें अचन में मृत्रिका के मिए; और/मा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिख्या के स्वीचा के सिए;

कतः अव उक्त अभिनियम का धारा 269-ग क जनसरण को, मी, इक्त अधिनियम की धारा 269-ज को उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— 1. मैंसर्स मनाली कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्री सैयद शहीद हुसैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 विन की अविधि या तत्में बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन कीं अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिन। एया है।

and the

दुकान न० 1, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, मनाली इमारत नं० 2, प्लाप्ट नं० 48, 49 ग्रौर 50, बालनाय विलेज, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ स० अई-3/37ईई/10547/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

तार[ी]खाः 12—2—1985

मोहर

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/10551/83-84--अतः रिमुझे ए० लहिरी,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕- रत. से अधिक **ह**ैं

स्रोर जिलकी संख्या त्रिनायक्षेत्र बेंअरिंग न० सी० टी०एस० नं० 515 ए० 128, म्युनिसपल असेसमेंट, न०पी०-3925 52, तुरेन पखाई, हाउस, मालाड तुरेल पखाई, बम्बई-64 में स्थित है (ग्रर इससे उपाबद्ध अनुसूच: में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारो के कार्यालय में रजिस्ट्रो है, ताराख 1-9-1984

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एेसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उप्यास्य से उस्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी भन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधितिभन, 1922 (1922 को 11) या उपंत अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, स्थिनाने में सुविधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम ग्री धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ी। की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स एम०एत० अदर्श।

(अन्तरक)

एन० आर० पावस्कर।

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की **तारीस से** 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचनाको तामील से 30 दिन की अवधि, जांभी अवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पोस लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही वर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया पया है ≀

वप्तुक

प्रिमायसेस बेअरिंग सी० टी० एस० नं० 515 ए० 128. म्युनिसिपल असेममेंट नं० पी-3925-52, तूरेन पखार्ड हाउस, मालाड तुरेल पखाड़ी, बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/10551/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 12-2-1985 मोहरः

प्रकृष् बाह् ,डी ,थ्क , एक् , ------

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के व्योग त्युना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 फरवरी 1985

सं० अई-4/37ईई/10599/83-84--अत: मुझे, ए०, लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-जा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० पलैष्ट न०ए-5/3, जो, इम्सीको कोआप हार्जिसम सोसाईटो लि॰, सुन्दर नगर, मालाड (प॰), वम्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारो के कार्यालय में रिजस्ट्रो है, तार ख 1-6-1984 को पूर्विकत संपत्ति को उपात बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्विकत संपत्ति का उपात बाजार मूस्य , उसके दश्यमान प्रतिफल को कर्यमान प्रतिफल को कर्यमान प्रतिफल को क्रियमान प्रतिफल का कर्ये प्रतिकत से विश्वास है और अन्तर्क (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिकत्त निम्निविद्या उद्देश्य से उपत अन्तरण जिल्ला में बास्त-विक स्था से क्षित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संबुद्ध किया आव की वाजत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासिस्य में कमी करने वा उचने अपने में स्पिधा कंश्रिप; स्पर/वा
- (७) एसी किसी नाय या किसी धन या नम्ब नास्तिनों को, विनहीं नारतीत जाय-कर निधानियन, 1922 (1922 का 11) या उनत निधानियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ नन्तरिती कुवारा प्रकट नहीं किया गया जाया किया थाना वाहिए था कियाने में कृषिभा के बिए;

नतः नव, रक्त अधिनियम की भारा 269-ए की, बनुसरक में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के बभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—— 1. श्रीमती महिन्दर कौर बाला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वि० वि० बाघासिया ग्रीर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हु।

उन्त राम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येष 🏖 --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, थो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थितयों में से किसी स्थक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोइस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगेर जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

पलैट न० ए-5/3, जो, एमसिको को-आप० हाऊसिंग सोसाईटो लि०, सुन्दर नगर, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/10569/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ष

तार**्व**: 12~2-1985

मोहर:

प्ररूप मार्डं. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 फरवरी 1985

सं० अई-3/37ईई/10692/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-

रुपयं से बिधक हैं

ग्रीर जिसकी स० फ्लैट न० 301, जो, चन्द्रराज अपार्टमेट,
चिषोली रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर
इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है),
ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिन्दम, 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यात्य में रिजिल्ट्री है, तारीख 1-6-1984
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,
उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह
प्रतिकृत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के तीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणाजनार्थ असरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के किए:

बतः वयः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग कै अनुसरणं मों, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, विधितः :— 1. मैसर्स चन्द्रराज विरुदर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री रावजीभांई के० पटेल।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ंक में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मन्स्पी

फ्लैंट नं० 301, जो, चन्द्रराज अपार्टमेंट, चिचोली रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०मं० अई-4/37ईई/10692/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० ल**हिरी,** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आगुका (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

मोहर.

प्रकप आर्ड ० टी० एन० एस०----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन सुचना

भारत बहुन्तह

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 फरवरी, 1985

सं० अई-3/37ईई/10455/83-84---अतः मुझे ए० लिहरी,

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या ब्लाक नं० 2, जो, 1 ली मजिल, मालाड अशोक प्रिमायमम को-आप० हार्ऊामग मोमाईटी लि०, मालाड (पूर्व), दफ्तरी रोड, बम्बई में स्थित है (ग्रीर

इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ब्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खंके अर्धान बम्बई स्थित मक्षमें प्राधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वों कर समपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके छ्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्विस में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुकरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिधित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बाब्भाई वि० पटेल।

(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार एन० गाड और अन्य

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदभ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

म्मुची

ब्लाक न० 2, जो, ाली मंजिल, मालाड अशोक प्रिमायसेस को आप० हार्जीसग सोसाईटी लि०, दक्तरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनसूची जैसा कि ऋ० स० अई-3/37ईई/10455/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० नहिरी, नक्षम प्राविकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-3, बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

मोहरः

प्ररूप बाइ , टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

शारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनाक 12 फरवरो 1985
निदेश स० आई०-3/37 ईई०/10261/83-84--अतः.
मुझे, ए लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

पलेट न० 30 2 जो उरी मजिल, सी विश 'श्रटलाट प्लाट न० 38, है बालनाथ बिलेज मालाड़ मार्वे रोड (प०) बम्बई –64 में स्थित है (और इससे उपाबड़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है) और जिसका श्रायकर श्रधिनयम 1961 की धारा 269 क कख के श्रधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री नारीख 1–6–1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रिक्षण के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति कम निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तिवक स्था में कथित नहीं किया नया है है—

- (क) अन्तरभ सं हुई भिक्षती आय का आवन उक् विभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नयो क्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा काला

1 मैंसर्स ग्रार० जी० बिल्डर्स प्राइवेट लि०

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती णकुन्तला केबिसेन और घ्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यनाहिया करता हु।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्न 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो क्र स्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा ।
- (स) इस सूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाग

स्पष्टिकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

गलट त 303 जो उरी मजिल सी विंग, "ग्रटलांटा" प्लाट त० 38 ग्राफ बालवाय विलेज मार्वे रोड माला (प०) बम्बई—64 में स्थित है।

श्रमुमूची जैसा कि कस० श्रई-3/37ईई/10261/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रजैन रेज-3 बर्म्बर्ड

अत अव, उक्त अधिनियम की भारा ... 69-ग के अनुसरण कों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभाग (1) अदे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :---

न।रीख 12-2-1985 माहर . प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ्ध्रजीन रेज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं॰ ग्रई-3/37ईई/10106/83-84-ग्रतः मुझे ए० लहिरीः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

अोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302 जो 3री मंजिल सी विंग "ग्रटलाटा" प्लाट नं० 38 बाल नाथ विलेज मार्ने रोड माला (प०) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण स्प से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन मक्षम प्रातिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप में कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचले में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- 1 मैसर्स श्रार० जी० बिल्डर्स प्राइवेट लि०। (ग्रन्तरक)
- श्री मुराज शहीद मली तय्यव शेखा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्रोप :---

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी ध्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वतीकरण '— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्र्यो

फ्लैट नं० 302 जो 3री मंजिल सी विंग "ग्रटलाटा" प्लाट नं० 38 श्राफ बालनाथ विलेज मार्वे रोड माला (प) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क सं० ग्रई-3¹37ईई/10106/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-3, बम्बर्ड

अत्तः अव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारी**ख** . 12-2-1985

मोहर :

प्रकथ आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985 मं • ग्रई-3/37ईई/10613/84-84:—श्रत मुझे ए० लहिरी

शायकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उनत अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-ख के बधीन सक्ष्म पाधिकारी को एक विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/रु. से विषय हैं अप प्रतिक ते प्रति वाचार मृत्य 25 000/रु. से विषय हैं अप प्रति ते वाचा पार्क मित वोधी माला (प०) बम्बई -64 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1984।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्नि का उधित बाबार मृत्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से, एसे ब्रथमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई िकसी बाय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन फर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में मृत्रिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कल अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा धा ग किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

1 मैसर्स ग्रहमद कस्ट्रक्शन ।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती चरणजीत कोर मदन

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी इस से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लैट नं 7, जो 3री मंजिल, "ग्रमित इमारत' साईबाबा पार्क, मितचौकी, मालाड (प०) बम्बई-64 मे स्थित है।

अनुसूची जैसा कि के सं० भई-3/37ईई/10613/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-.

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-3 बम्बई

जतः मन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-गे की उपधारा (1)

को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः

16--516 GI/84

तारीख: 12-2-1984

प्रकथ बाइं. टी. एवं ा एक∑ ध -- -

भागकर व्योधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० एल/10 जो 3 री मंजिल हरीग्रार-1 इमारत प्लाट नं० 18, 19, 20-ए व्हिलेज बाल नाथ मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1984।

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे स्वथमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कत, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) करताहण से हुन किसी बाय की बायत जक्त विध-नियम के अभीन कर धीने के बन्तरक के दासित्व में कामी करने या उससे बचने में स्विचा के लिए, औद/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या कत्य बास्तियों को, जिन्हें बारसीय जायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया प्रया चा या किया लागा चाहिए था, कियाने में स्विधा के खिए;

आतः वनः जन्तः अभिनियम की भारा 269-र वी अनुवरम भैं, मैं, उत्तत अधिनियम की भारा 269-त की उपभारा (1) के वभीन, निम्नलिनित व्यक्तियों, वर्षात :--- 1. मैसर्म निरम होल्डिंग्स प्राइवेट लि० ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री विजय कुमार देव सालियत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्स प्रकारित भी वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उसत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि वास में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- सब्ध किसी बन्य का किस दबारा, अधाहिस्ताक्षरों के पार लिखिल में किए आ कको गे

स्पष्टिकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषन है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में पिला मंबा है।

बनुसूची

फ्लैट नं॰ एल/ 10, जो 3 री मंजिल, हरिद्वार-1 इमारत प्लाट नं॰ 18,19 20-ए॰ विलेज वालनाय मालाड (प॰) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/10030/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🥫

प्ररूप आहु टी. एन. एस.,-----

बायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० अ**ई**-3/37ईई/10725/83-84:--अत: मुझे, ए० लिहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० नं० 9, जो, ग्राउण्ड फ्लोर सन्देश दमारत नं० 6, सर्वे० नं० 26 श्रंग), (एच० नं० 1 अंश), मित चौकी, उप्मा नगर, आफ मार्वे रोड, मलाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं। श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन हैं वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं नारीख 1-6-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उसते अन्तरण किवित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर वर्ग के अन्तरक के वाधित्य में कभी करन या उससे बचने में सुविभा क लिए; और√या
- (च) एंसा किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा ह लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. श्री राजेन्द्र एण्ड नरेश पी० उपाध्याय । (अन्तरक)
- 2. श्री रणजीत सिह मोखा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वायत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की अविभ जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ दोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 9, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, इमारस नं० 6 सन्वेश इमारत, मित चौकी, उप्मा नगर, आफ मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० आई-3/37आईई/10725/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ध

सारीख: 12-2-1985

मोहर ः

प्ररूप वार्ड.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० अई-3/37ईई/10725/83-84:—अतः मुझे, ए० लिहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्लास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्व 25,000/- रा. से अधिक है

े श्रीर निजतकी संख्या इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० 122, जो, 1ली मिजन, विनय इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे नं० 128, 1, देवरूखकर वाडी, चिंचोली बंदर रोड, भालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से काम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बम्तरण ते हुई विक्री बाव की बावत स्वयंत निभिनियम के बभीन कर वेचे के नन्तहक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-जार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
मोहर :

1. मैसर्स वैशाली आर्टस।

(अन्तरक)

2. मैसर्स लेकलेस (इण्डिया) इंजोनियरिंग। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिस्बव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त पान्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही,

वन्स्की

इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० 122, जो, 1भी मंजिल, विनय इण्डस्ट्रियल इस्टेट, चिचोजी बन्दर, रोड, मालाड (प०), देवरुखकरवाडी, बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/10725/83-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

सारीख: 12-2-1985

मोहर:

त्रक्य बाइ, टी. एवं एत्.------

बायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

स॰ अई--3/37ईई/10005/83-84:--अत मुझे, ए॰ लहिरी,

स्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 33, जो, 3 री मंजिल, प्लाट न. 4, रोड नं० 3, मेहता इण्डस्ट्रियल इस्टेट के बाजू में, लिबर्टी गार्डन, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

पूकी पूर्वित सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मिति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्नलिखित उस्वरंग से उक्त बन्तरण किकित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अध्ययम ने हुई किसी आयं की गायत उपत विध-नियम के बचीन कर दोने के शम्परक के दायित्व में कमी करने वा उससे सचने में सुविवा के लिसे बार सा/
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए:

अत. बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के, बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिक व्यक्तियों, वर्षातु क्ष्म

1. मैसर्स एस० आर० इण्टरप्राइजेस।

(अन्सरक)

2. श्रीमती मिरा मुरलीधर काशिकर भीर अन्य। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरिता के अर्जन के लिए कायवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्विकर
 स्थितया में से किसी स्थक्ति स्वारा;
- (च) इस स्चना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा, संधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः —— प्रससे प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया हैं।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 33, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं० 4, रोड नं० 3, मेहना इण्डिस्ट्रियल इस्टेट के बाजू में, लिबर्टी गार्डन, मालाड (प०), प्रम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ सं० अई-3:37ईई 10005/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

मोहर ३

प्रकल् आहे. टी एन. एस. ----

नाथकर भौधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

1 श्री अरूण कुमार एण्ड एसोसियेट।

(अन्सरक)

2. श्री दुश्यत गाबीलाल मर्फातीया।

(अन्तरिती)

भारत तरकार

कार्यालय, सहाया आवकर बायुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्धई, दिनाक 12 फरवरी, 1984

स॰ अई--3, 37हैई, 10087, 83-84.--अत मुझे, ए॰ लहिरी,

कायम श्रीयित्यम 1961 (1961 का 43) (जिस इसमा इसके प्रदात '- का जीर्थान मा हा ी, वी भार 269-इ के अभी। सक्षण प्रतिकारी का यह कि जास व का जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, प्रिसंका उचित बाजार मूल्य 25 000/- से अधिक है

प्रौर जिसकी सख्या फ्लंट नं० 5, जो 1ली मजिल, आणिष इमारत, नाईबाधा पार्क, 1मन चौकी, मालाड (प), बम्बई—64 में स्थित है (और इसस उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और ।जसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की गरा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय में राजस्ट्री है, तारीख 1-6-1984। का प्रवास्त मन्पी विकास की गई है और मुक्त यह निर्माण प्रात्मक के निए अन्तरित को गई है और मुक्त यह निर्माण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके अस्पमान प्रतिकत स, एस इस्पमान प्रतिकत का गई प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरितो (अन्तरितयों) क बाच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नतिखित उद्दाहर स उक्त अन्तरण निखित

म बास्तविक रूप से कांध्व नहीं किया गमा है .---

- (क) बन्तरण स हुई किसी आय मी बासस, उन्स निमायम के अभीन कर दाने के अंतरण के दायित्य म कमा करने मा उसस बचन म मुस्मित के लिए, अरि/या
- (क) एसी जिसी का दा । करी धन व अन्य जानिस्तयों को जिन्ह भारतीय अधिकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया या निया जाना चाहिए था, व्यानिस युक्ति। के लिए,

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को अनुसर्भ मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित अधिकत्यों, अधीतः — का यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- क) उत् क्ष्मा के नाजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 किन की सबिप से एक म्बन्धी व्यक्तियों पर सुन की ताबीद से 30 बिन की खबिध, जो भी खबिश बाद से प्रमाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिया से सिकसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचेना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति युक्तरा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।
- पा निर्मा का प्रमुक्त मध्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया औ गया है।

जन्तु की

फ्लैंट नं० 5, जो, 1 ली मजिल, आशीष इमारत, साईबाबा, पार्क, मितचौकी, मालाङ (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क स० अई-3,3कईई710087,83-84 ग्रीर जो पश्रम ग्राधकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-6-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ् ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्रकल बाह्र टा एन. एस. ----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत धरकार

कार्यालय, महायक आयकार जायकत (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं ० ग्रई-3/37-ईई/10270/83-84.--ग्रतः मुझे, ए० लहिरी,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिन्नामां कहा गया है), की भारा 269 ख के अधीन मलम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. सं नौधक है

अर जिसकी स० ब्लाक २० १, जो, 3री मंजिल, मातृष्ट्रपा बी— इमारत, सालिसिटर रोड, मालाड(पूर्व), बम्बई—64 में स्थित है(और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) (और जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय

ा मुंबई राजस्ट्री है, तारीख 1-6-1984 को प्बोक्स सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य में कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूर्झ यह विश्वास करने का कारण हैं कि संभाप्नेंक्ति सम्पत्ति का जिल्ल बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एोसे स्थमनन प्रतिफल का बंद्रह प्रतिदात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया शितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में भारतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधान केन यान के अन्तरक राज्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या कियर जाना चाहिए था, छिपान में स्रिता के निए;

अप अअ, उल्ल अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्ल अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अबे अधीर, निज्ञिलिसिन व्यक्तियों, अधित्:—

- (1) श्री मनोजकुमार स्नार० कोटारी और ग्रन्थ। (श्रन्तरक)
- (2) अमूभाई गोवाभाई पटेल।

(भन्तरिती)

की मह सुषना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां अन्ता हो।

उन्नत मंपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अर्थांथ या तत्सज्यी व्ययितयों पर मुचना जी नागान हे 30 दिन की अर्थांथ, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में लिगी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति मुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए का सकीं।

स्पच्छीकरण -- - इसक अगवन शब्दा साँग भ्यां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया

अनम्सी

ब्लाक नं० 9, जो, 3री मंजिल, मातृ कृपा—बी इमारत, साति।सिटर रोड़, मालाड (पूर्व), बम्बई—64 में स्थित है।

श्रनुमुची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/10270/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई आरा दिनाक 1-6-198 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख: 12~2~198**5**

प्ररूप आइ. टी.एन.एस.-----

नायकार नीधनियम, 1961 (1961 का 43) की

पारा २६९-ष (1) के अपीन गर्बना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

नि देंश सं ॰ माई-3/37-ईई/10461/83-84--मतः मुझे, ए॰ लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अर्थीत सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करमें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाबार मूल्य 25,000/ रह. से अधिक है

कौर जिसकी सं० हुकान नं० 9, जो, ग्राउंड पलोग्रर, "संदेश मित चौकी, उदमा नगर, ग्राफ मार्वे रोड, मालाङ (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ ग्रानुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 की घारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान भितिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मंगलूर सिटी में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवाँकत संपत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कियां गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायन, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे इचाने में सविधा के किए, और/या
- (क) एसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपभाग (1) हे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत :---

(1) श्री राजेन्द्र एण्ड नरेश पी० उपाध्याय ।

(मन्तरक)

(2) रणजीत सिंह मोखा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप .---

- (क) इस स्वान के रावपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी स्मिक्तयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त स्मिक्तयों में से किसी स्मिक्त द्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवक्ष किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किस जा सकते।

स्पस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त षट्यों और पर्वों का, जो उक्क विभिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

الاستان

दुकान नं० 9, जो, प्राउण्ड, फ्लोग्नर, इमारत नं० 6, "सन्देश" सर्वे० नं० 26, (अंग), एच० नं० 1 (अंग), प्राफ मार्वे० रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है। भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-3/37ईई/10461/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर मायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज–3, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है)., की भारा 269-ल के अधीन सक्षम शिक्षकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 303, जो, 3री मंजिल, बी विंग, ग्राटलांटा" प्लाट नं० 38, ग्राफ वालबाय विलेज, मार्बे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास क्र्रिन का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (करे अन्तरण से हुन्दं किसी आयु की बाब्त, उथक अधिनियम की अधीन कर दोने के जुन्सहरू की वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से निए: और/या
- (स) ऐसी फिसी आय या किसी भन या जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया अधार्त :----17--516GI/84

- 1. मैसर्स ग्रार० जी० बिल्डर्स प्राइवेट लि०। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मायादेवी के० ग्रगरवाल।

(भ्रन्त[रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां मं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

वन्स्ची

फ्लैट नं० 303, जो, 3री मंजिल, "बी", विंग, घ्रटलॉटा", प्लाट नं० 38, आफ वालनाय विलेज मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थिन है।

ग्रनुसूत्री जसा कि क० सं० ग्रई-3/37ईई/10108/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-3, बस्बई

दिनांक 12-2-1985 मो**ह**र :

प्रका बाह् . दी . एवं . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-अ (1) के बधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

मं० ग्रई-3/37ईई/10103/83-84—श्रतः मुझे, ए० लहिरी.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पसैट नं० 40 जी, सी विग, इमारत नं० 3, आफ हिरा नगर, प्लाट नं० 263, (अंग), सी० टी० एस० नं० 8, विलेज मालवाणी, मालाड (प०), बम्बई-74 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमुक्ती में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसक करारनामा आयकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राक्षिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के धरयमान लिए अन्तरित प्रतिफल की गह कारण है विश्वास करने का यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरम से इंड्रं किसी नाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की बाबिरम में कभी करने या उससे वचने में मृबिधा के भिष्ठ, बाँद/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्रा धन-कर अधिनियम, ग्रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा २69-म की उपधाण (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात —— 1. बाफ हीरा बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती चन्दर कांता खन्ना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

अनत संपत्ति के वर्धन के तंत्रभ में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र्स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस तृष्या के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्स्थ्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए का सकांगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष द्वीगा को उस अध्याय में दिख्ये गया हैं।

जन्त्यी

फ्लैंट नं० 40, जो, सी विंग, इमारत नं० 3, बाफ हीरा, नगर, प्लाट नं० 263 (अंग्र), सी० टी० एस० नं० 8, विलेज मालवानी, बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ई/ईई10103/83-84 और जो सक्षम प्राधिकरी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर:

क्ष्म कहा है। एए प्रे प्राप्त

नायकर विभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की पादा 269-न (1) से स्पीद स्पना

मारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्णन रेंज-3, बस्बई अम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/10755/84-85—श्रतः मुझे, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवे इसवें इसकें प्रवास (जन्म अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सकाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, जो इमारत, नं० ए, विग ए, 2री मंजिल, संत गाइगे बाबा नगर, चिंचोली बंदर रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं) भौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 केख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है दिनांक 1-6-1984

पृथ्ये पूर्वीक्ष्त संपरित् के उपित् बाबार मूस्य से कम् के इस्यक्षाव प्रतिपत्त को सह विश्वास प्रतिपत्त को सह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाधार मूस्य, उसके अध्यमान प्रतिपत्त से, एसे अध्यमान प्रतिपत्त का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष का निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक क्ष से कि कि नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्धर्द्धण सं हुई क्रिसी भाग और वागत, उक्त अभिट्रेंतक्थ के अभीन कर दोने के बन्तरुक की वागित्य में कभी करने या उत्तसे बजने में सुनिधा के सिए; बॉड/वा
- (च) एंसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए आ स्थितने में तृतिथा के निए;

वतः वयः, वस्तः विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निम्मिनिविक व्यक्तियों, क्योंत् कर- 1. श्री साई बाबा, विल्डर्स प्रायवेट लि० ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मालाडकर बी० बालकृष्ण

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवाय अभोहस्ताकारी के पास जिस्ति में किए वा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः ----इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

वव्युची

फ्लैट नं 12, जो इमारत, नं ए, विग-ए, 2 री मंजिल, संत गाडगे बाबा नगर, चिचोली बंदर रोड, मालाड (प०). बम्बई-64 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई-3/37ईई/10755/84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ध

विनांक 12-2-1985 मोहरः प्रस्त बाहुं ु टी ्र एन् ्र एस् ु----=

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

नारक वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश मं० श्रई-3/37ईई/10142/84-85—श्रत. मुझे, ए० लहिरी,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे वसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

धीर जिसकी सं० फ्लैटनं० 103, जो 1ली मजिल, दि रत्न रूपल को-ध्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 28-ए, शिवाजी नगर, दफनरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में धीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृन्य से कम के द्रायमाय प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृस्य, उसके द्रायमान प्रतिकल से, ऐसे द्रायमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, शुनम्मिचित उप्योक्त से उन्द संतरण हैन्द्रित में वास्त्रीक कम से किंगत नहीं किया गया है ध्रम्म

- (क) अन्तरण से हुई किती बाय की बाबत, उक्त अभिनित्रम के अभीत कर दोने के अन्तरक को बावित्व में कभी कर्रमें वा उन्नवे वचने में बृतिभा के सिएए बाँड/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भग या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीर , निम्नतिकित व्यक्तिकाँ कुर्णात् क्र— 1. श्री सीताराम चन्द्रश्रौर श्रन्य ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती माथाबेन, रामजी माणेक श्रौर अन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्स सम्पत्ति के अर्थन के सबाध में काई भी जाक्षेप ---

- (क) इस स्वना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिव के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-कं म परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 103, जो 1ली मजिल, रत्न रुपल को-श्राप० हर्जिसंग सोसायटी लि०, 28-ए, शिवाजी नगर, ६फतरी रोड, मालाड (प०), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-3/37ईई/1014 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाक 1-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-३, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर ः

प्रकृप नार्दः, दी_ल एव*् प्*रक*्र----*------

भायकां द्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985 निदेश सं० ग्राई-3/37ईई/10510/84-85—ग्रतः मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० दुकान न० 15, जो, "नालन्दा" इमारत, नं० 1, प्लाट नं० 32,श्रौर 33, वालनाय व्हिलेज, मार्चे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है बिनांक 1-6-84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियार) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क), अंतर्क्षण से हुद कि बी बाव की वावत , अवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दार्मिय में अभी करने या उससे बचने में अविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में त्विभा को लिए।

अतः बय, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के, अनुकर्ण मों, मीं, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात ::— 1. मैसर्स क्वीन्स पार्क ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जगन्नाथ डी० पुजारी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- '(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

मन्बर्ध

दुकान चं० 15, जो "नालन्धा" इमारत, नं० 1, प्लाट नं०32 ग्रौर 33 वालनाय व्हिलेज, मार्ने रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राई-3/37ईई/10510/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-३, बम्बई

विनांक: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्रकृप नाइं.ठी. एन. एस्. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, सम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० ध्रिप्राई०-37/ईई/10281/84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी,

मायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 9, जो 2री मंजिल, शांतीनाथ छाया, प्लाट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित हैं (भौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचितः बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो। पाया यदा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च देय से उक्त अन्तरण लिखित के बारा कि का पन्तर की बारा के कि सामा स्वाप्त के बारा के का स्वाप्त की स्वाप्त की का स्वाप्त की स्वाप्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विध-विश्वय में बधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कमी करने वा उवचे बचने में बृद्धिया के जिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भवोचनार्व अन्यरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना खाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः जब, उक्त मिभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियां, अभित् क्रिक्त 1. वि० एच० शहा एण्ड प्रवर्स।

(भ्रन्र (भ्रन्तरक)

2. श्री भार० भार० पटेल भीर भन्य।

(मन्तरिती)

को यह सूचना आही करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन के निए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्मृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्स्म्यन्थी भ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स स्मित्यों में से किसी स्वनित ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के यास चिकित में किए जा सक्तेयो।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में विशा ब्या हैं।

प्रवृत्त्र्य

ब्लाक नं ० १, जो 2री मंजिल, शांतीनाथ छाया, प्लाट नं ० 11. जितेन्त्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैपाकि कि के सं आई-3/37ईई/10281/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बन्धई द्वारा, विनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 11-2-1985

मोहर :

भूक्य नाह<u>ै.</u> ट<u>ी. एन्. एक्..</u>= = - -- = =

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

गारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी, 1985

निर्वेश सं० आई०-3/37ईई, 10281/84-85--अतः मृझे, ए० लहिरी,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भाषा 269- खं के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुप से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 10, जो 2री मंजिल, शांतीनाय छाया, प्लाट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्त्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तर्रेरितयों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तब थावा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी बाब की बाबता, उक्त बीधीनयम के अधीन कर बेने के जन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निष्; धार/वा
- (व) एमी फिसी प्राय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के निए;

1. श्री वि० एच० शहा भौर अन्य

(अन्तरक)

2. श्री विनोध कांतीलाल शहा श्रीर अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए पा सकरेंगे।

स्वक्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

क्लाक नं० 10, जो 2 री मंजिल, शांतीनाथ छाया, प्लाट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० आई-3/37ईई/10282/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लंहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 11-2-1985

मोहर 🛭

इक्ष्यु मार्च ु टी ् एन ् एस् . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, तहायक नायकार नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्वेश सं० आई/-3/37ईई/10101/84-85-अतः मुझे,

ए० लहिरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कलाक नं 6, जो, शांतीनाथ छ।या, प्लाट नं 11, जितेन्द्र रोड मालाड, (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त संपीत के उच्चि बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिक्रियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; आर/या
- (का) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री वि० एच० शहा ग्रौर अन्य

(अन्तरक)

2. श्री अरविन्दकुमार मंगलदास शहा।

(अन्सरिती)

की यह सूचना धारी करके प्वॉक्त सम्परित के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीटर पूर्व कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

ब्लाक नं० 6, जो शांतीनाथ छाया प्लाट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं आई-3, 37ईई/10101/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, ब्रारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी ृैंसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

मोहुर:

एक्य आहाँ टी एन एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-थं (1) के अधीन सन्तरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11फरवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10102/84-85—अतः, मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 7, जो 1ली मंजिल, गांतीनाथ छाया, प्लाट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिस है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है दिनांक 1-6-1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान अन्तरित की गर्ह के लिए ਲ• मुभते यष्ट विष्वास करने का कारण कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इरय-मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-निसिक्त उनुविदय से उक्त अंतरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- 'को अन्तरण से हुई' किशी काय की **छ**4त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के इतिस्त्रामें किशी करने या उससे बत्तने में सूर्विधा ' भिक्त क्रिक्ट/कर
- (म) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (१९२२ का १) या उन्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकः नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, ाल अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— 18—516GI/84

1. श्री बी० एच० शहा श्रौर अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री एस० एस० महा भ्रीर अन्य।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ये 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी अपिन ववारा,
- (स) इस संचाना के राजगण में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर लक्ट स्थावर संपरित में वितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोनस्ताध्वरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उम बाजाय में किया लगा है।

ममस्ची

ब्लाक नं० 7, जो 1ली मंजिल, शांतीनाथ छाया, प्लाट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/10102/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनोक: 11-2-1985

मोहर ध

प्रक्य कार्यः सी. एक. एवः, ००-४०-४-

भायकर ऑभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अभीत नुचना

भारत सरकात

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निर्दाक्षण)

अर्ज न रेंज-3, बम्बई

बम्बई, धिनांक 11 फरवरी 1985

नर्वेश सं० अई-3/37ईई/10276/84-85—अतः, मुझे, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 13, जो 3री मंजिल, शांतीनाथ छाया, प्लॉट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ष) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्लिखन प्रे कार्य के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्लिखन प्रे कार्यक्ष क्या है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवम के बधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में सभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए नौर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भट-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट उहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए:

1. श्री बी० एच० शहा श्रीर अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्री ए० जे० पुरोहित भौर अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीस से 30 विन की स्विधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकों ने ।

स्वक्रीकरण ए--इतमें प्रयुक्त बक्तें और पटों का, को उक्त विधिनवम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्वा हैं 'ब'

वन्स्ची

ब्लाक नं 13, जो 3री मंजिल, शांतीनाय छाया, प्लॉट नं 11, जिलेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कं सं अई-3/37ईई/10276/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बईद्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक: 11-2-1985

मोहर :

THE RES IS STATEMENT OF THE PARTY OF THE PAR

शायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन सुजना

बाइत संस्था

कार्यात्त्व , सहायक नायकर नायक्त (निर्देक्कण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10524/84-85---अत:, मुझे, ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपये धं मिश्क है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 5, जो मान सरोबर इमारत, जंन्शन, आफ गोविन्द नगर रोड, श्रीर एस० वि० रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्धई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरट्री है विनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्य के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स ज़िश्चित्रक के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए ज़िर्मा
- (क) पुति किसी नाय या किसी भन या अन्य नारितयों की जिन्हें भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त निभिनियम, या भन-करू निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, सिभाने में सुविधा के सिष्

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित ज्यक्तियमें अधीत् ६—

1. श्री वाशूमल, ए० मतलानी ।

(अन्तरक)

2. श्री शा खेम राजजी कोवारचंद जी जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप 🏗---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उसते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्पी

दुकान नं० 5, मान सरोवर, इमारत, जंक्शन, आफ गोविन्द नगर रोड, ग्रौर एस० वि० रोड, मालाड (प०), बम्बई, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37ईई/10524/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड कियां गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

मोहर:

प्रकप् कार्यं हो दी प्रवच्य प्रवच्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, घम्बद्द

बम्बर्ध, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10099/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इ. टेपरटान 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० ब्लॉक नं० 14, जो शांतीनाथ छाया, प्लाट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर जो पूर्णरूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धरा 269 कख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे गम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्भ सं क्षेत्र किली जाय की नावत, उक्क अभिनियम के अभीत कर दोने के जन्तरक के दायिए में कनी करने या उचने नचने में सुनिधा के शिए; कौर /या
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बुम्ब, आस्तियों को जिल्हें भाउतीय जाय-कर जिमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर बृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के सिए।

मतः मन, उक्त निर्मित्रम की भारा 269-न की अभूतरून में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-अ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. श्री वि० एच० शहा घोर अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्री जय गिरी इंटरप्राइजेज।

(अन्तरिती)

को यह सृष्णा <u>कारी करके पृत्रोंक्स, सम्पत्ति के अर्थन</u> के नि<u>ए</u> कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप ह---

- (क) इस स्वान के राजपूत्र मं प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्याक्तयां पर स्वान की तामील से 30 दिन की मविध, जो भी मन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के त्यूचपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जधोहस्तकिही के पास् सिचित में किस्र जा सकोंगे।

स्वाकारणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दां नाँड प्दां का, ना अक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

गगसची

ब्लॉफ नं० 14, जो गांतीनाथ छाया, प्लाट नं० 11, जितेन्त्र रोड, मालाड (पू०), बम्बई-64में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई/3/37ईई/10099/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाह्र . टी. एव. एत. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत चर्चार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, निांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10354/84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी,

कायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 303, जो चन्द्रराज अपार्टसेंट्स, प्लाट नं० बी, एस० नं० 5-ए श्रीर 4-ए (श्रंश), चिंचोली बंदर रोड, मालाड (प०), अम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सृविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उबत किंधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस स्यक्तियों, अर्थात् ाः 1. मैंसर्स चंद्रराज बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री मोहनलाल मुलजीभाई पटेल।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के हाजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के ट्राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाष्ट्रस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 303, जो, चन्द्रराज अपार्ट मेंट्स, प्लाट नं० बी, एस० नं० 5-ए श्रौर 4-ए (अंश), चिचोली बंदर रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-3/37ईई/10354/84-85 भीर जो सक्षम प्राधाकारी, बम्बई द्वारा, विनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

मोहर 🕄

ए० लहिरी,

१६८७ शहर . **टी शन एस**,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सचना

भारत सरुकार

कार्यासय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985 निदेश सं० अई/3/37ईई/10734/84-85--अतः मुधे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, जो 2री मंजिल, "माधव कुटीर" आफ 7वां रस्ता, रजावाडी, विद्याविहार, बम्बई-77 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विज्ञत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाबार मूस्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है: --

- (क) जनसरण सं हुई किसी आय भी धारण, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जनसरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/भा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी-धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती चुनारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया चाना वाहिए था, जिन्माने में सुनिधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलि<u>चि</u>त व्यक्तियों, अर्थात् ह—— 1. मैसर्स जे० एच० इंटरप्राइज।

(अन्तरक)

2. श्री किशन सिंह गोयल।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त स्व्यृतिष् के वर्षन् थे लिए कार्यनाहियां कारता हु⁺।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों इस स्वान की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारण;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बवृष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का मकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिवा

अनुसूची

फ्लैट नं 12, जो 2री मंजिल, माधव कुटीर इमारत, प्लाट नं 3, सर्वे नं 92, आफ 7वां रस्ता, रजावाडी, विद्याविहार, बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई/3/37ईई/10734/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

मोहर :

प्रकृष बाह्य टी. एन. एव. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

नारव चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज- 3, अम्बद्द अम्बद्दे, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई०-3/37 ईई/10032/84-85--म्रतः मस्रे, ए० लहिरी,

शायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-च के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 12-ए, जो 3री मंजिल, ''माधव कुटीर'', ग्राफ 7 वां रस्ता, रजावाडी, विद्याविहार. बम्धई-77 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कल के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के - कार्यालय में रिजस्टी है दिनांक 1-6-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित वाचार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है जौर सुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोंक्त सम्वत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिशत से वृधिक है और अंत्रक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय बाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्बेच्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्धरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अज़र एक में, में, उक्त अधिनियम की धारा-269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीव :---

1. मैंसर्स जे० एच० इंटरप्राइजेस।

(भ्रन्तरक)

2. दमयन्ती जवेशी लाल रावल और भ्रन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप् उ---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयूक्षत शन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, मही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

फ्लैंट नं० 12-ए जो 3री मंजिल "माधव कुटीर", इमारत प्लाट नं० 9 सर्वे नं० 92, ब्राफ 7वां रस्ता रजावाडी विद्याविहार, बम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/10034/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज-3, **बस्बई**

तारी, व : 11-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप वार्ड . टी . एन . एस . ------

1. मैसर्स निवास कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

श्री श्रवाहम, रेमन पावेल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 फरवरी 1985

निवेश सं० म्रई०-3/37 ईई/10462/84-85---- प्रतः मझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चार् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 602, जो 5 वीं मंजिल, निवास ग्रापार्टमेंट्स, कालिना मार्लेट, कालिना, सांताकूज (पूर्व), बम्बई-28, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की घारा 269 कख के ग्रधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 6-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अबीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबधि, जो भी अबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आंधन नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लैट नं० 602 जो 6 वीं मंजिल, प्लाट नं० सीं० टी० एस० 5835 से 5851 कोले कल्याण निवास श्रपार्टमेन्ट्स, कालिना मार्केट सीताकूज (पूर्व) धम्बई-28 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई/3/37ईई/10462/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी धम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी स**हाबक ग्रायकर ग्रायुक्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप नाइं.टी. एन. एस. ------

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भारा 269-म (1) के अभीन मृतना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-3, धम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, जो ए-विंग, 2री मंजिल, ग्रिभिजित ग्रपार्टमेन्ट्स, वाकोला किंज, पोलीस स्टेशन, के वाजू में, साताक्रूज (पूर्व). बम्बई-55 में स्थित हैं (और इससे उपाब ग्रमुसी में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री हैं दिनांक 1-6-1984

करे पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करनेया उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए:

 खानोलकर एण्ड देसाई विल्डिंग, डेवलपमेन्ट शायवेट लि ० (श्रन्तरक)

2. श्री प्रवीण गणपत राणे ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वनाक राजपत्र में प्रकाशन की सारी व से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

-

पसीट तं० 4, जो, ए-विंग, 2री मंजिल, ग्रिमिजित ग्रपार्टमेन्ट्स, वाकोला, ब्रिज पुलिस स्टेशन के बाजू में, सांताक्रूज, (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37ईई/10192/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

तारीख: 12-2-1985

माहर ३

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देण सं० ग्रई०- 3/37ईई-०/10441/84-85--भ्रत: म्झे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्व के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 15, जो 3री मंजिल, शांतीनाथ छाया, प्लाट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व) बम्बई-64 में स्थित है (और धमसे उपावत्न प्रानुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि राथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्वदेश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अर्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उण्धारा (1) के अधीन, गिम्निलिसित व्यक्तियों. अर्थात् :--- 1. श्री वि० एच० गहा और ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्री सी० पी० शहा।

(भ्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अजीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसर अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 15, जो 3री मंजिल, शांतीनाथ छाया, प्लाट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुमूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37ईई/10441/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारः सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रंज→3, बम्बर्ष

तारोख: 11-2-1985

प्ररूप आर्ह्-टी ुएन . एस ु------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 198 5

निर्देश सं० अई-3/37ईई 1068 6/8 3-8 4—अत: मुझे ए० लहिरी,

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) । (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्द सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

श्रौर जिसेकी सं० पर्नैट नं० 304 जो चन्द्र राज अपार्टमेन्ट, चिचोली रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती /अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा वायित्व के लिए; और/या
- (ख) ए'सी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसिन, व्यक्तियों, अर्थीत् :--

(1) मेसर्स चंद्रराज बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री मूलजी भाई के पटेल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्वी

पनैट नं० 304, जो चंद्रराज अपार्टमेंट, चिचोली रोड; मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि सं० अई-34/37-ईई/10686 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० ल**ाहरी,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रें**ज 3, बस्यई**

दिनाक : 11-2-1985

प्ररूप बाहाँ, टी. एन. एस. *****

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरुक्तिक)

अर्जन रेंज 3 बम्बई

नई दिली दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई-10233/83-84--अतः मझे ए० लहिरी ।

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक है

स्रोर जिसको मं० युनिट मं० सी-4 जो ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं० 1, स्माल इंडस्ट्रिज को० आप सोमाईटी लि०, आय० बी० पटेल मार्ग, गोरगाव (प) वम्बई-63 में स्थित हैं (भीर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयहर अधिनयम 1961 की धारा 29 9क ख के अत्रीन वम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 1-6-1984

को प्वाक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मृत्य से कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय याया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन था अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा क लिए;

अतः वक, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अगीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, वर्धात् :-- (1) मैसर्स इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग वर्क्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री बोला मुदन्ना शेट्टी ग्रांर अन्य । (अन्तरितो)

को यह सुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्कोंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क्में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट सं० सी--4, जो ग्राउंड फ्लोर इमारत नं० 1, स्माल को-आप सोसाईटी लि०, आय० बी० पटेल रोड, गोरेगाव (प), बम्बई-63 से स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-3/37-ईई/10233/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-6-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, मआम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई 3 दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-3/37—ईई/10722/84—85——अत: मुझे ए० लहिरी

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० पर्नेट नं० 104, जो, 1 ली मंजिल, मलाइ रजनी गंधा की-आप शोसाइटी मालाइ (१) बम्यई में स्थित है (श्रौर इसम उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन वम्बई स्थिन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, दिनाक 1-6-1984

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उप्कल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब:,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं', उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ. अर्थात् :——

- (1) श्रीमाति दर्शन कौर वाईफ आफ संतासग । (अन्तर्क)
- (2) मेसर्स च्पल ट्रेडर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिथ या तत्सम्बन्धी स्पिवतया पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. मूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीं सा क्षे 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंग।

स्पच्छीकरण: ---इसमे प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में थिया। गया है।

वम्सूर्चाः

पर्नेट नं० 104. जो, 1ली मजिल, मालाइ रजनी गंधा को-आप मोमाइटी, एष० वी० रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूचो जैसा कि कु० सं० अई-3/37—ईई/10722/ 84-85 और जो पक्षन प्राधिकारो, वस्प्रई उपा दिनाक 1-6-1984 को रॉजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी, सक्षम प्रश्विकारी, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3 बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

मोहर .

प्ररूप वार्ष . ही . एन . एस . -----

भायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई 10498/84-85--अत: मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, अडवानी अपार्टमेंट, को-आप सोमाइटी, एल० बी० एम० मार्ग, मुलूंड (प) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण एप में विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड है दिनांक 1-6ब1984 को पूर्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ;——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किभी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करं, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमति हेमलया एस० वेशपांडे । (अन्तरक)
- (2) श्रीमात पाणिकला के० सालियन । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत,र पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित र है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फलैट नं० 4, जो अङ्गानः अपार्टमैंट, एल० बी० एन० मार्ग, मुलूंड (प) बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैमा कि कि नं अई 4/37-ईई-10498/ 84-85 और जो मजन प्रतिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्रजीधकारी' सह्यक आयक्स आयुक्त (निरीक्षण), अजन रेज-4, बम्बई

दिनांक 12-2-1985। गोहर: प्ररूप **वार्** .<u>टी. एन . एस .</u> -------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थाना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई वस्बई, दिनांक 12 फरवरो 1985

निदेश स० ग्राई०-3/37 ईई०/10424/83-84--- प्रतः मुझे, ए० लहिंगी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित वाजार मुल्य 25,000√- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 19 है तथा जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 3, जिला ग्रपार्टमेंट, मित चौकी, मालाड (पश्चिम), अम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रौर जिसका करारनामा श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के म्रधीन बम्बश स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय; रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास क रने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्या उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्क्रह प्रतिशक्ष से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) केबीच एभे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफाल, निम्नलिमित उद्वोष्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया पया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एंसी किसी जाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यक्षिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अत्रतः, उक्त अधिनियम की धारा 2.69-भ के अनुसर्ण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्षेत्रभीन, निम्नलिबित स्थवितयों , वर्षात् :---

(1) श्रीजान ए० डिसील्वा।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय जे० दोशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः संपरित को अर्थन को लिए। कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि भाव में समाप्त होती हो, को भीतर पूँकीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच 🕏 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ्लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय 'में दिया गया है।

पनुसूची

ब्लाक नं० 19 है तथा जो दूसरी मंजिल, इमारत न० 3, बिजल ग्रपार्टमेंट, मितचौकी, भालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित ₹ 1

भ्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-3,37 ईई०,10424/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 फरवरी, 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्_{धि}क्षण) धर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख :12-2-1985

प्ररूप बार्षः टी. एन. एस्.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत बर्कार

कार्यानव, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज; 3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्राई०-3/37 ईई०/10299/83-84--धतः मुक्के ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० जी/7 है तथा जो विरीट की-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मालाउ (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के खें के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैतारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे मह बिग्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) औद अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए इस पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्तियक रूप से अधिक नहीं किया ग्या है:——

- ्हो अन्तरण से शुद्ध किसी भाग की वागत, सक्त अधिकश्चित्र के समीत कर टेने के सन्तरक के वाजित्य में उसी करने या उसले वचने में सुविधा के सिए; और/धः
- ेश्व) एसी किसी बाय या किसी धन ... ज्ञ्ज सास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, श्वी धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना काहिए था छिपाने में स्विधा हो लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्यक्तियों, अर्थीन:—

(1) श्रीमती बिन्द्र जी० चौधरी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० बी० भल्गी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ड सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्यू ची

प्लैट नं० जी/7 है तथा जो किरीट को-म्नापरेटिय सोसाइटी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

श्रतुसूची जैसा कि क्रम स० श्राई०-3/37 ईई०/10299/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्रक्यः बाद्दः टी. एतः, एसः,--------

भायकर विधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के बभीन स्थना

भारत दरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रज-4 बम्बर्ध

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37ईई/10573/83-84-- अतः मुझे, ए० नहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्यात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 0/8 है नथा जो हरीहार-1, इमाण्त श्राफ मार्बे रोड, मालाड (पिष्चम), बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची भें श्रीर पूर्ण का से विणित है), श्रीर जिसका कररनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरका) बौर अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल निम्निवित उद्देश्य से उन्त अंतरण सिवित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरक से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए,

कतः वदः उक्त विधिनियमं कौ भारा 269-त कौ बनुसरण ष्टं, प्रें, उक्त अभिनियमं की भारा 269-त की उपभारा (1) कै सभीनः निम्नलिश्चितं व्यक्तियों, वर्षात् :--

- (1) श्रीमती चन्द्रा एन० बनगम तन्तरेजा श्रीरश्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश एन० धरमदासनी श्रीर श्रन्य । (श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमे प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विका गया हैं।

वन्त्र्या

पसैट नं० 0/8 है तथा जो हरीद्वार-1 इमारत भ्राफ मार्ने रोड, मालांड (पश्चिम), बम्बई मे स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 **ईई०**/10573/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई ढ़ारा दिनांक 1 जून, 1,984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-3, बस्पर्ध

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

यस्य ना<u>ष्ट्री. एन. एस. अञ्चलक</u>

नावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सूचना

श्रारत सरकार

कार्यां स्थान कार्यक व्यवस्य (निर्देशक)

धर्जन रेंज~3, बम्बई

अन्बई, विनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० ग्राई०-3/37 ईई०/10100/83-84--- मतः मुझे, ए० लहिरी

नायकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त निधानयम' कहन गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० क्लाक र्न० 5 है तथा जो पहली मंजिल, शांतिनाथ छाया प्लाट नं० 11, जितेन्त्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64; स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रध-नियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून,

1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिश्रेच से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में स्विभा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीवी० एच० शाह भौर भन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) भी ए० ग्रार० चम्पानारी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां शूरू करता हुं।

उबत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (श्व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

क्लाक नं० 5 जो 1ली मंजिल, शॉतिनाथ छाया, प्लाट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/10100/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3ाधम्बई

तारीख: 11-2-1985

प्रथम बाह् , बी. सुम . प्रा_ # = - ----

भावकर विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-म (1) के बधीन सूचना

शास्त बडकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनां हे 11 फरवरी 1985

निदेश सं० **श्रह्णै०**-3/37 ईई०/10298/84-85--श्रतः, मुझे ए० लहिरो

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० वं/10, जो न्यू एवरणाईन की-ब्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइट'। लिमिटेड, मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), धम्बई में स्थित है (और इससे उपाबढ श्रनुसुन) में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 वी, धारा 269 वा,ख के श्रीधान बस्बई स्थित सक्षम प्राधिवार। के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1 जून,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान अतिफल के लिए जन्दरित की गई है और मूक्षे उह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह्मीतशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरित्यों) के बीम एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्दृष्य में उक्त जन्तरण विश्वित में वास्तिक कप से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कभी करने मा उससे बचने में स्वीयप्त के लिए बार्ट/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने सें सुविधा के लिए;

- (1) श्रीधरमसा मोरारणी केमिकल कम्पनी लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती निलनी जी० पुजारी।

(भन्तरिती)

को यह न्यता वारी करके पूर्वोक्स बंपीत के वर्षत के विष् कार्यवाहियां करसा हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाखेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मदिध बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिक्त इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्स स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाध्यीकरण क्लामें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

वनसची

पर्लंट नं० को/10 है तथा जो न्यू एवरशाईन को-प्रापरेटिव हार्जासन सो गइटो लि०, मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुपूच, जैसा कि का सल अई०-3/37 **ईई०/1029/8** 8 4-8 5 और जो सक्षम प्राधिकार,, वस्वई द्वारा विनांक 1 जून, 198 4 को किस्टर्ड क्यागभाई।

> ए० लहिंगी सक्षम प्राधिवारी सहायवः श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

अति: अंबे, उक्त बोधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिषित व्यक्तियों, अर्थत -

नारोख: 11-2-1985

मुक्त बार्ष . टी . एन . एस . ------

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) को अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आदकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, अम्बर्द

बम्बई, दिनांव 11 फरवर, 1985

निवंश मं० प्रई०--3/37 ईई०/10759-83-84--प्रतः, मुझे, ए० लहिरी

अग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

अंशि जिसका स० प्लॉट न० बेग्ररिंग एस० नं० 33. एन० नं० 1 (अंग), प्लॉट नं० 45, बालनाय विलेज, मालाष्ट (पिचम), बस्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबंद अनुसूब, में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिस्का करार-नामा श्रीयक्षर श्रिकित्यमः 1961 का धारा 269 का के प्रवान बस्बई स्थित सक्षम प्राविकारी के वार्यालय में रिजस्ट्रा, हैं नाराख 1 जुन, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएवॉक्त मपत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलिखत में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ निसी जाव की वावस, उपस्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तसे वचने में सुनिधा व्हे लिए; मार/या
- (क) ऐसी किसी नाम ना किसी भन वा अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त नाधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया भा वा किया जाना चाहिए था कियाने में संविधा के लिए:

ातः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :---

- (1) श्र) ए० ए० फर्नान्डीस ।
- (भ्रन्तरक)
- (2) मैसर्स यू० के० बिल्डर्स।

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप रे--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जंबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जंबिंध, जो भी जंबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया हैं।

वनसूची

प्लॉट नं० बर्ध्वारण एस० नं० 33, एघ० नं० 1 (अंश) प्बॉट नं० 45, बालनाय विलेज, मालाङ (पश्चिम), बम्बई में स्थित है ।•

श्रनुसूचा जैसा कि कम म० श्रई०-3/37 ईई०/10759/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाक 1 जन, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

तारीखा: 11-2-1985

प्रकृप आइ. टी. एन . एस . -----

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेज-3, बम्बर्ष

बम्बई, दिनावः 11 फरवरी 1985

নিৰিগ ন০ সহি০-3/37 ইছি০/10469/84-85--সান, দ্লী, ড০ লভিতিয়

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,0000/- राज्यों में अधिक है

और जिसक। स० फ्लैंट न० 19/बा, जो बाफ हीरा नगर, इसारत न० 3, मार्बे रोड, मालाड (पिक्सिम), वम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबट अनुसूच, में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका वराणनामा आदय श्रीधिनियम 1961 का धरा 269 वाद के अधान वम्बई स्थित सक्षम प्राधिवार (वे वार्यात स्मेर्ग है नारीख 1 जून, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के कन्तर प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतिरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के दावित्य में कमी करने या उससे वचने में दृषिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की किन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, वें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कें अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ड--- (1) मैं बाफ हीरा बिल्डमें प्राईवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री निर्मल शाम ।

(भ्रन्तरितः)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्लिस में किए जा सकेंग।

स्परटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसर्वी

पर्लंट न० 19/का नथा जो बाफ हीरा नगर, इमारत न० 3, मार्बे नगर, माताड (पश्चिम), अम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम म० अई०- 3/37 ईई०/10469/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकार। बस्बई द्वारा दिनाक 1 जून, 1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिनारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

नारीख . 11-2-1985 मोहर ा प्रकष्ट बार्च टी., एन., एस., -----

नायकर व्यितियम्, 1961 (1961 का 43) की भाष्ट्र 269-म (1) के अधीन स्वना

नारक चरकाड

कार्याजन, सहायक वायकार नायुक्त (निद्धीक्षण)

प्रर्जन रेंज~3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10629/83-84-- अतः मुझे, ए० लहिरी,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की भाषा 289-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित वाजार मृस्य 25.000/-रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1- ए है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, कैलाश ग्रपार्टमेंट, 1/171, फिल्मी स्त्रीन स्टुडियो के सामने, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), और जिसका करार-नामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के अचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करूने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त संस्थित का उचित बाबार मूल्य उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिक्षत से जिथक हैं और सन्तरक (मन्तरकों) और बन्तरिती (जन्तरित्ताों) के बीच ऐसे क्तरुण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निस्तिविक्त उच्चेक्त से उच्च जन्तरण सिवित में बास्तविक रूप के कृतियत नहीं किया गया है ह——

- (क) जन्तप्त से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीम कोट् दोने के जन्तरक की बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के सिए;

जतः जनः उत्त विभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण जो, में उत्त विभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) को विभीन, निम्नलिखित स्थितियों, अर्थात् :--- (1) मैं व मैं लाश बिल्डर्स।

(भन्तरक)

(2) श्री बिपिन कुमार एच० मोहिल और भन्य।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की समिधि, को औ
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्मृद्धीक इण : - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

श्रनु सूची

ं बुकान नं० 1-ए है तथा जो कैलाश श्रपार्टमेट, 1/171, फिल्मिश्सतान स्टुडियो के सामने, गोरेगांथ (पश्चिम), अम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3/37 ईई/10629/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985 मोहर ॥ प्ररूप आर्इ .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निवेश सं॰ आई॰-3/37 ईई॰/10191/83-84--अतः मझे, ए॰ लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसका सं० प्रतिष्ट नं० 3 है तथा जो ए विंग, तीसरा मजिल, अभिजित अपार्टमेंट्स, वकोला पोलीय स्टेशन के बांजू में, सांताकूस (पूर्व), बम्बई—55 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार—नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे एर्समान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिस्त उद्दर्भ से उक्त अंतरण लिस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविचा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं ० खानोलकर एण्ड देसाई बिल्डिंग डेवलपमेंट्स।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप गणपत राणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) / इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन; की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्यों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

अनुसूची

पलैटनं 3 है तथा जो तीसली मंजिल, अभिजीत अपार्ट-मेंद्स, वकोला बिज पोलिस स्टेणन के बाजूमें, साताकूस (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/10191/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ज किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-3, बस्बई

तारीख : 11-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेण सं० आई०-3/37 ईई०/10/193/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीर स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 2 है तथा जो ए विग, दूसरो मंजिल, अभिजीत अपार्ट में टूस, दकाल। पोलिस स्टेशन के बाजू में साताश्रूस (पूर्व), बैम्बई – 55 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1991 की धारा 299 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख

ा जून, 1984 जो प्रबोक्त सक्रा

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंगरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

(1) मैं० खानोलकर एण्ड देसाई बिल्डिंग डेवलपमेंट्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीगणपत एम० राणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा गर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट न० 2 है तथा जो ए विंग, दूपरी मंजिल, अभिजील अपार्टमेट्स, बकोला क्रिज बपोलिस स्डेशन के बाजू में, साताकूज़ (पुर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1019-8/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, दिनाक बम्बई में जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहेरो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

्तारी**ख** : 12—2—198**5**

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/10445/84-84-अत: मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 502 है तथा जो वाल ई राम-1, एवर शाईन नगर, आफ मार्चे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई 64 में स्थित है (श्रीर इसेसे उपायद्ध अनुसूर्णः में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 249 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जूम, 1984 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान महे लिए अन्तिरत गर्द्य 😿 प्रतिफल की विश्वास करन यह का कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नौलिसित् उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीयं आयकरं अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21-516GI/84

(1) श्रीमर्ता स्त्राती सनील साहू।

(अस्तरह)

(2) श्री मुरली धर गगत दान गोगालानी ।

(मन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्त के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिस्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-का में परिभाषित है, वहीं अर्थ हानेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यी

प्लैट नं० 502 है तथा जो नात-ई-राम-1, आफ मार्वे रोड, उब्मा नगर, के नाजू में, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है

, अनुमूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/10445/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रं। है किया गयाहै ।

> ए० लहिरी संक्षम प्राधिकारी गहायत आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीब : 12-2-198 5

प्रकृष काई. दी. एन. एस्. -----

शायकर वर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रैंज - 3, बम्बई

बम्बई, दिलांक 12 फरवरी 1985

मिवेश सं० आई०-3/37 ईई०/10690/83-84-**-**।तः मुर्से, ए० सहिरी

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 7 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं० 1, बाफ हीरा नगर, मार्थे रोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई—64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि—नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को प्लेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिश के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित हहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के तिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

- (1) मै॰ बाफ हीरा बिल्डसँ प्राइवेट लि॰। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विनोद कुमार भवान जी संघवी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दियां गया है।

अनुसुची

युकान नं० 7 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं० 1, आफ हीरा नगर, मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम, अम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं०' आई०-3/37 ईई०/1099 0/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिवारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

तारीच : 12-3-1985

प्ररूप आई. टी. एन : एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, उबम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1585

निदेश नं० ग्राई०-3/37 ईई०/10089/84-85--- प्रतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिनकी सक फ्लैटनक 3/डी/53 है तथा जो बाफ ही रा नगर मार्वे रोड, मालाड (पण्लिम), बस्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), और जिनका करारनामा श्रायकर श्रविनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बस्बई स्था पक्षम पाधिकारी के कार्यालय में रिक्ट्री हैं औरीख 1 जून 1984

को प्रांक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मत्या से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसले दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत स शांकि है अप अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरित के जिए तब पाग गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित है वास्तिक रूप सं कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनियम, 1957 (1957 का या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत. अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, भी, उक्त अिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अथीन, निम्नलिखित, व्यक्तियो, अर्थात् :--- (1) मै० बाफ हीरा बिल्डर्स।

(मन्तरक)

(2) श्री जगदीश प्रसाद धवन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के , लिए, कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सर्कोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एक हैं:

अनुसची

भनैट र्न० 3/डो/53, जो बाफ हीर नगर, मार्वे नगर, मालार्ड (पण्चिम), बस्बई में स्थित है।

श्रन्भूची जैता कि कम मं० ग्राई०-3/37 ईई०/10083 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राप्ति π (री, बम्बई हारा दिनाक 1 जून, 1984 को रिज्याई किया गया है।

ए० लाहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का \$43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ध

बस्बाई, दिनांक 12 फरवरी . 1985

निवेश स॰ आई०-3/37 ईई०/10283/83-84--श्रतः मुसे, ए० लहिरी

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० फ्लैट न० सी/42 जो तोसरी मंजिल. इमारत नं० 3, बाफ हीरा नगर, मार्बे रोड, मालाड (पिष्चम) वम्बई में स्थित है (ग्रीर इस्मे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

कां पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसन व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं बाफ हीरा बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एल० चऋवर्ती।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक्ष से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, द वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं. सी-42 हैं तथा जो तीतरी मिजल, इमारत नं 3 बाफ हीरानगर, मार्वे नगर मालाड (पिष्वम), वम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम मं० श्राई०-3/37 ईई०/10283 83-84 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 12-2-1985

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिभियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10439/84-85-- गृतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी सं० फ्लैट र्न० सी/2 है तथा जो दूसरी मजिल निर्माणाधीन इसारत, पार्ट ए, सब० टी० एस० ५० 397 397/1 से 6, विलेज वालयान, जें० बी० कालोनी, ओर्लेम मासाड (पश्चिम), बम्बई-64 में क्रियत है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण हुए से विणित है), और जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, एसे इस्यमान प्रतिकल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुत्रिक्ष के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मै० लूबिन इन्टरप्राइजेस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री इरोल रेमेजिड श्रीर अन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हातेती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

र्स्पष्टोकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

फ्लैंट नं० मी/7 है तथा जो दूसरी मजिन, निर्माणाधीन इमारन पार्ट ए, सी० टी० एस० नं 397, 397/1 से 6 विलेज वालयान जे० बी० कालोनी, ग्रोर्लेम,मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थिन है क्ष

श्रतुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3/37 ईई०/10436/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, पक्षा प्राथकारा स**हायक आयक्र**र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जारेज²3, वस्यह

दिनांक 12-2-1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० म्राई०-3/37 ईई०/10694/83-84-म्रतः मुझे, ए० लहिरी

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 8 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, मनाली इमारत नं० 1, प्लाट न० 48, 49 ग्रौर 50, वालन ब्रिलेज, मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा ग्राय हर ग्रदिनियन, 1961 की भारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ड़ी है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वेदिस सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के ट्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेदिस सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं, किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थान, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थान,

(1) मैं • मनाली कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री काशीराम डी० जशनानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिता है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

श्रन्स्वी

दुकान नं 8 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, मनाली इमारत नं 1, प्लाट नं 48, 49 श्रीर 50 वालनाय विलेज, मार्बे रोड, मालाउ (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है ।

सनुसूची जैना कि कम मं० भ्राई०-3/37 ईई०/1069 ई/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 जून, . 1984 को रजिस्टर्ट किया गया है ।

> ए० लहिरी पक्षद प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज~3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

प्ररूप बाह्र . टी. एन . एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

नारत तरकार

कार्यात्तय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्देशका) प्रजेन रेज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10063/84-85 ---अतः मुझे, ए० सहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

शौर जिसकी सं फलेट नं 304, जो, ए०-सभा, सोमनार बाजार, बाम्बे हाकी ज कम्पाउन्ड के पीछे, एस० नं 388/2, मालाड, बम्बई-94 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में शौर पूर्ण रूप से बणित है)। श्रीर जिसका करारनामा आयकर आध-नियम 1991 की धारा 299 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है। तारीख 1-9-1984 को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कार्यों स्थान शिकास के निए बन्तरित की गई है और मुके के बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थामान श्रीतफल से, एसे स्थामान श्रीतफल का पंद्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत्त, निम्ननिवित उद्वेष्य से उक्त कन्तरण तिचित में कास्तिक स्थ में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की शावतु, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जलने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) करमाली इंटरप्राईज।

(अन्तरक)

(2) मोहम्मद दाउद उमर शखा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण : ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

फ्लेष्ट नं ० 304, ए०-1, जो, सभा, सोमवार बाजार, बाम्बे-टाकीज कम्पाउन्ड के पीछे, एस० नं ० 388/2, मालाड, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-3/37ईई/10063/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 की र्राजस्टर्ड किया ग्या है।

> ए० लहिरी सद्मम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज- 4 बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 📳

प्ररूप केंग्स हो. एन. एस. -----

नायकर अभिनियाध, 1961 (155, का 43) कौ भाग 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10696/84-85-- अतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 25,000/रु. में अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 27, जो, 2री मंजिल,हे मल अपार्ट-मेंट, प्लाट नं० सी०एस०एन० 19, 41, नं० 85/5, 96/1, विलेज, मालवनी, मालाड, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूर्च। में ग्रीर पूर्णक्ष्य से विणत है) ग्रीर जिसका करानामा आयकर अधिनियम 1991 की धारा 299 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-9-1985

को प्वांकित सम्परित के उचित बाजार मृत्या से कम के धरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके शर्यमान प्रतिफल से, एसे शर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक लप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दामिह्न में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना आहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की तपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मनर्स हेमल इटरप्राईजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति शिला एन० पालांडे।

(अन्तरिती)

की वह स्थाना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिस्थित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण: — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, थी अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

फ्लेप्ट नं० 27, जो, 2री मंजिल, हुमल अपार्टमेंट, प्लाप्ट नं० सी ०एस०एन० नं० 19, 41 नं० 85/5, 96/1, घिलेज, मालबनी, मालाड, सम्बर्ध में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-3/37ईई/10999/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा क्निंक 1-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई प

तारीख: 12-2-1985

प्रारूप ब्राह्म टी एन एस .----

बायक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानक गरणक अध्यक्ष आयुगत (निरोक्सण) अर्जन रेज-3, बस्बई

बम्बई दिनाव 10 जनवरी, 1985

निदेण स० अई-4/37ईई/10972/4-81-85---अत मुझे, ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रसक परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन गक्षम शिक्षकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर भएतित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000 /- रु में अधिक है

ग्रीर जिसकी साठ फ्लेट नाठ 305, जा, उरा मिजिन, "सज ना"
"आफ दक्त मिन्दिक राड, माजाड (पूर्व), बम्बई-400097 में
स्थित है। (ग्रीर इसमें उपावड अनुसूच में ग्रार पूर्ण क्य में विणित है) । ग्री जिसका करारनामा आवकर अधानयम, 1961 की धारा 299 केखा अर्धान बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 1-5-1984

को प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल् के लिए, अन्तरित की गर्ध है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापनांक्त सपर्तित का निचत बाधार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) आंग्रान्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्तलिम से बास्तिक हुए से किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बायत, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के गायित्य में कमी करने या उससे बचन में दिश जी जिए और/या
- ष) एसी किसी आय या किसी धन या कर्य आस्त्यों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) व अयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अबीच विक्रितिस्ति व्यक्तियो, अर्थात ---22-16G1/84 (1) आशा अरूण दसाई।

(अन्तरक)

(2) श्री स्थाभ प्रकाण चुक्तालाल ठाकुर श्रीर अन्य।

(अन्न।रतः)

वा रहे र र । जारा करका णाकिन । म्यो । को अर्जान हो लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब में 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपति में हितबस्थ किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधाहस्ताभर्ण के पास सिमिन में किए हा सकरि।

स्वव्यक्तिरण . इसमें प्रयुक्त गब्धा और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

and the same

भिनेट न० 305, ता, 3 के रिता रिता स्वाता", आफ इस महिर रोड, माताइ (पूत्र) बस्बई-97 में स्थित है।

ात्मच जै ॥ कि के में विक्यं निवास 10972/84-85 बाह्य स्वाम साधिकारा, बस्बई द्वाहा दिवास 1-5-1984 को विक्टर्ड स्था गया है।

ए० (रियो मन्स प्रिकारी सहाय ह प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेज, बस्बई

नारक 10-1 1985 **माहर** . andre de descriptor de la la completa de la completa del completa de la completa de la completa del completa de la completa del la completa del la completa de la completa del la completa de la completa del la completa de la completa de la completa del la compl प्रकृष सार्धः सी एतः एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन गुजरा

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोज- ३, दम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 12 फाबर्ह, 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10695/83-84---अतः म्हो, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको धन्ताल 'तस्क प्रांथिनियम' त्रा रूप हुँ।, ती <mark>धारा</mark> ८. ८ व वे १ ी र मध्यम पाधिकारी यो यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जिल्ला बाजार मृत्य 25.000/- रः. से **अ**धिक **ह**ै

भौर जिसकी सं० फ्लेट गं० 38, जो, 3 री मंजिल, हेमल अपार्ट-मेंट, प्लाट नं० सी०एस०नं० 19, 41, नं० 85/5, 96/1, विलेज, मालवनी, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) । भ्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में अजिस्द्री है तारीख 1-6-1984 कर पर्वोक्त सम्पत्ति के अभित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई हैं और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिसी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अंतरण लिखिक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियद के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए: बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया णाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अससरण में, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) में पर्स हेमल इंटरप्राईजेस।

(2) राजन विष्णु रेधनकर।

(अन्तांध्वा)

की यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्प्रीस के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप -

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की शरीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिसों पर समना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वान्त स्मित्वयों में से जिली व्यक्ति दशाय:
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्सि में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए का सकेंग।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदौं का. बो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्मूची

फ्लेप्ट नं ० 38, जो, 3 री मंजिल, हे मल अपार्टमें ए. प्लाट नं ० सी ० एस ० नं ० 19, 41, नं ० 85/5, 96/1, विलेज मालवर्नी, मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

अनुमूर्च। जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/10995/84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधि पर . महायक श्रायक्तर प्रायक्त (निर क्षण), अर्जन रेज- 3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

प्ररूप बाइ .टी. एन . इस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनाक 12 फरवरी 1985 निदेश स० श्रई-3/37ईई/10433/83-84--श्रत मुझे, ए० लहिरी

बाराउर अधिकियम 106) (८६) की 43) (जिसे सम्म इस्के प्रवात 'उवत अधिकियम हरा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक है

और जिसकी म० फ्लैटन० बी-203, जो 2री मजिल, श्रीराम टॅबर्स, टन्क लेन आलेम चर्च के बाजू मे, श्राफ मार्वे थोड मालाइ (प) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) और जिसका करारनामाँ ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1984

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास जरन का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य , उसक स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिश्ति उद्वेश्य से उक्त अन्तरण मिथिक में वास्तिक स्प से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2/) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से निए;

कतः भव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) की अधीन, निम्नसि**ष्का व्यक्तियों**, वर्षात क्र—

- (1) श्रीराम कन्सट्रम्मन प्रायवेट लि०
- (श्रन्तरक)
- (2) श्री पी० भास्करन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्कभगहरण करता हो।

इक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षीप .---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचरा क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उके। स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध एक्सी अला को का दशक दशका अलाहम्हाक्षरा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

अमसची

फ्लैट न० बी-203 जो 2री मंजिल श्रीराम टावर्म टर्न्क लेन ओलेम चर्च के बाजू म आफ मार्बे रोष्ट, मालाइ (प) बम्बई-64 में स्थित है

ग्रनुसूची जैमा कि क्रम सं० ग्रई-3/37ईई/10433/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टड किया गया है।

ए लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक 12-2-1985 मोहर ः gradi Alligores representation for the plant of the controlled statement and the plant of the pl

प्ररूप बाही टी एन. एस -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्पन्

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3 बम्बई बम्बई दिनाक 12 फरवरी 1985

निदेश' स॰ यई-3'37ईई/10509/83-84---मृत ्ते,

ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं।, की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह स अधिक है

अरेर जिसकी स० दुकान न० 14 जा ग्राउन्ड एलार, नालदा इमरत न० 1 पलाट न 32 और ३३ वालनाय जिलेज, माव रोड मालाड, (प) वम्बई+64 म स्थित है (आर ससे उपावद्ध ग्रानुसूची में और पूर्ण म्प ो विशित ह) अर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269 क य के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति क लेचत बागर सत्य ए कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है अर एवा यह विकास करों का कारण है कि एथापर्वोक्षत सम्पोत्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्यों से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक स्था से किथत नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई फिसी बाए की शवत उक्त अधिनियम व अधीर कर दाने के अन्तरक के दायस्य में कमी करने व उसस अधन मा स बहा के किए ओर/या

े राजिन्सी जा मा किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जनहाँ जा नो जाय विषय १ (विषय १) (1922 को 11) या उक्त अधिनिया अन्वर जी निया 1957 (157 को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिल्पाने भी संविधा के लिए;

कतः, अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण म, मै, उच्त अधिनियम की धारा 269 प की तपधारा (1) के अधीर मिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात — (1) मेसर्स वबीन्स पार्क।

(ग्रन्तरक)

(2) शरथ जी माडा

(ग्रन्तिगती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अजन के मन्बन्ध म काई भी लाक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध का तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविध, जा भी तवाध बाद में रसन्त होती हा, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भी र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकीं।

स्परटोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहा अर्थ हागा, जा उस अध्याय में दिया गया हैं.।

जनसूची

दुकान न० 14, जो ग्राउन्ट फ्लोर, नालदा इमारत न० 1, फ्लाटन० 32 ओर 33, वालनाय , विलेज, मार्वे रोड, मालाड (4), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुस्ची जैमा कि त्रम स० गर्ड-3/37ईई/10509/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

विनाक 12-2-1985 मोहर प्ररूप आहें.टी.एन एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर अनुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, वस्बई

बम्बर्ध, दिनांक 12 फरवरी, 1985 👡

निदेश स० ग्रई-3/37ईई/10095/83-84--म्नि: मुझे, ए० लहिरी

आयकर सिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके. पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पन्ति, जियका उचित्त गजार मन्स् 25,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैटनं० 8, जो 1ली मजिल, प्लाट न० 16-ए, सी०टी० एस० न० 432, विलेज वालकाय, के० बी० कालनी ओर्लेम मालग्द (प) बस्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुप्ची में और पूर्ण रूप से विशत है) और जिसका करारनामा स्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के स्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकाी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के रूपमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पामा ममा प्रतिफल, जिम्मिनियत उद्योग्य से उच्त अन्तरण कि खिल में वास्तिक कम में कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्भ से हुंदें किसी आय की शावल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोरे के अन्तर्क के शायित्व में कमी करने या उससे भवने में मृतिशा के लिए; और/या
- (क) एसी कियो बास या किसी क्य वा अन्य बास्त्रवा का, विन्हें भारतीय शय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्यम, ग्रा भनकर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा. कियाने में वृतिका के निए;

अतः. अयः उत्ततः को धिनियमं की धारा १७४-॥ कं अन्भरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नसिवित व्यक्तियों सर्थात् ।

(1) मेसर्स ग्लेन्डाल इण्टरप्रायजेस ।

(ग्रन्सरक)

(2) कुमारी एलिझाबेथ मॅस्करेन्हस

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके प्वॉन्स सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षीप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से, 45 दिन की वदिष या तस्त्रस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी वदिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा?
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पान लिखित में किए जा सकोंगे।

श्याक्षांशारण:---इसमा प्रयुक्त घान्यों और पर्यों का, जो उसल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विद्या गया हैं।

वनसर्ची

पर्लंट नं० 8 जो 1ली मंजिल प्लाट न० 16-ए, सीं०टी०एन० न० 432 विलेज वालनाय जे बीं० कालनी ओर्लेम मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्षम सं० ग्रई-3/37ईई/10095/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनाक · 12-2-1985

प्रकार बाह्र . टी . एत . एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-त्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेज-3 बम्बई बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेण सं० ग्रई-3/37ईई/10244/83-84--श्रतः मुझे, ए० लहिरी

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की, भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वात करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाहार गृल्य 25,000/- क से अधिक ही

और जिसकी म० फ्लैंट न० ए/9 जो 4थी मंजिल, सी० टी॰ एस० ने० 397,/1 से 6 विलेज बालनीय जे बी० कालनी ओलेंम मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण म्प से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरम् सं सुद्दं किसी काम की नायतः, उक्त् वृधिनियम से सभीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्य में कमी करने या उससे अवने से सृष्यिमा के लिए; सरि/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां फर्रा, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11). या जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में रिविधा के निए;

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. जधीत :----

- (1) मेसर्म लूबीन इंटरप्रायजेस ।
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रन्प कुमार पूरी और ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाम जारी करके पृशाँकत सम्पृतिस के अर्थन के लिए न कार्यवादियां शुरु करता हुं।

उन्नत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्ति स्वान्त में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरणः — इसम प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वस्तु विश्व

वनसूची

फ्लैट नं ए। शु जो 4थी मंजिल सी टी एस० नं अ 397/1 से 6 विलेज वालनाय जे श्री कालनी मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-3/37ईई/10244/ और जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांचः : 12~2-1985

मोहर ः

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज- 3. वम्बई

बम्बई दिनाक 12 फरवरी 1985 निर्देश सं० अई-3/37ईई/10744/83-84—अत : मुझे, v० लिहरी

लायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह पिठवास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं अधिक नं 1, जो 1ली मंजिल, मुभलहक्ष्मी शापिग मेंटर, क्यारी रोड़, मालाड (पूर्व), बम्बई—64
में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप
में विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कम्ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
अंग्रितारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीव्य 1—6—1984
को पूर्वोक्त मंपरित के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के
पन्तह पतिकत से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकाँ) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखत में गम्नविक्त हुप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी वा किसी थन ए अन्य अपिन्यां को जिन्हां भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योजनार्थ अन्तरिनी दवारा एकार नहीं किया गयः था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा दे लिए।

कर क्रम, ज्वन विधिनियम की बास 269-स के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के जधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) स्पान बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) जे॰ वि॰ महना (एव॰ यू॰ एफ॰) और अन्य (अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी वाक्षप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस भे 45 दिन की अवीध या तत्मंसंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) हम स्वा के राजपत्र में प्रकाशन का तारी का र्य 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

<u>जनसंची</u>

आफिस नं ० 1 जो 1ली मंजिल, सुभलक्ष्मी शार्षिंग सेंटर, क्बारी रोड़, मालाड (पू०), ब्रम्बई--64 गे स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० जिं—3/37ईई/10744/83—84 प्रार जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 की र्राजस्टर्ट किया गया है

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आरकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-3, बम्बई

नारीखा: 12-2-1985

साहर :

शक्त्य आर्ड. टी. एव. ए**व**. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 85

निर्देश मं० अई-3/37ईई/10418/83-84--शत मुझे, ए० लिहरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 264- श के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार पूल्य 25,000/- र में अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 301, को उरी मंजिल, रिवराज अपार्टमेंट, सी० टी० एम० नं० 816, मामलतदारवाडी, रोड नं० 3, मालाड (प), वम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रीर इसरें। उपावड अनुसूचों में ग्रीर पूर्णक्य में वर्णित हैं), ग्रार जिसका कराण्यामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-6-1984

को प्योंकल सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापबोंकत सम्परित का उचित बाजाए मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ने ऐसे क्वमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और बतरक (अंशरका) की र अनिम्लो (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के मिए एव पावा पना प्रीए-क्क निम्निक्शिक्ष उद्देश्य के उच्च संगरित में बल्टिक्फ रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण संहुई निम्सी साय की बावस अवसं अधि-नियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्न पं कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए भीर/शा

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-म के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की द्रयधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैशर्स रवी बिल्डर्स

(अन्तर ह)

(2) श्री जेनलाल पदमशी गाला

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शक करता हु।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में .कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वास अधाहस्ताक्षणी के पास लिखन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण.---इसमा प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त शीप्रनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, देश कर्ष मोगा जो उस अध्याय में शब्दमा गरा ही।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 301, जो 3री मंजिल, मी० टी० एस० नं० 816, मामलादार बाडी, रोड न० 3, मालाड (प),बम्बर्ड— 64 में स्थित है।

अनुम्वी जैमािक ऋ० स० अई। 3/37ईई | 10418 | 83-84 और जो सक्षम प्राधितारो, बम्बई द्वारादिनाक 1-6-1984 को रिजस्टई किया गया है।

(ए० लहिरी) पतम पत्धिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∽3, बम्बई

तारीख*ं 12 - 2*-1985

माहर:

प्रकथ बाइ.टी.एन.एस. -----

काइकर मंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) में नधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायकर (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 12 फरवरी 85

निर्देश सं० अई--3/37ईई/10019/83--84---अत: मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैट नं० ए० 10 जो, 4थी मंजिल, सी० टी० एस० नं० 397, 397/1 से 6, विलेज वालनाय, जे० बी० कालोनी, आर्लेम, मालाड (प), बस्बई-64 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अमुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

- ेका पूर्वोक्स सम्पत्ति से उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथान्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है है—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-जियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए और/या
 - (क) एसी किसी आय या किशी धन या अन्य आस्तियों कां., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के गभीन, निम्नसिविक व्यक्तियों, वर्धांत् ४---

(1) मैसर्स लुबीन इंटरप्राइसेस

(अन्तरक)

(2) कुमारी जैनिकर एस॰ परेरा

(अन्तरिती)

को यह सृष्यना थारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन् के सिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्मान्तयों में से किसी व्यक्ति हुनारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-क्यभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिक पण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वीधीनवय के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

बन्स्ची

फ्लैट नं ए 10 जो, 4थी मंजिस, सी० टी० एस० नं 397, 397/1 से 6, विलेज बासनाय जे०बी० कालोनी आर्लेम मालाइ (प), बम्बई--64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि नं अई-3/37ईई/10019/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-84 को रजिस्टई किया गया है।

(ए० लहिरी) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर:

3-51 6GI/84

इक्क, बाइ', टी. एन, एव , -----

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाह्य 269-व (1) के संबीत क्वा

भारत वर्द्धार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बाई, विनांक 12 फरवरी 1985

निर्वेश सं अई-3 37-ईई 10107/83-84---अतः मुझे ए० सहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िक्से इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- स्ट. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो, 3री मंजिल, "सी' विग, "बंटलांटा" पी० भी० नं० 38, आफ वालनाय विलेज मार्वे रोड, मालाड, बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूजी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 ी धारा 269 क, ख के अधीर बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याच्य में र्राजस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाषार मृल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आरि/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

सतः सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनूबरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिन्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैसर्स आर० जी० बिल्डर्स प्राइवेट लि० (अन्तरक)
- (2) श्री मुराज शहजाद तैयन शेख। (अन्तरिती)

की यह त्यना चारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के नर्बन के निष् कार्यवाहमां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के कर्चन के संबंध में कींड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब शे 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधः, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य ध्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

लाकीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, यो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

फ्लैट नं० 101, जो, 3री मंजिल, "सी" विंग, "अट-लोटा" पी० मो० नं० 38, आफ वालवाय विलेज, मार्वे रोड, मालाड बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई/3/37ईई/10107/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रिजस्टकें किया गया है।

> ए० ल**हिरी** सक्षम प्रःधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

तारीख: 12-2-1985

प्रकप बाइं.टी.एन.एस-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कप्रयालिय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज-3, वस्त्रई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई—-3/37-ईई/10347/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको मं अभित बे और ग नं 27 प्लाट नं 348, जो एफ । पी । नं 5-ए लक्ष्मी नरायण शार्षिण सेंटर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करार-मामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों हैं सिरीख 4 जन, 1984

को पूर्वा कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन वा जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, स्थिति:— (1) श्रीवसंतभाई ए० पटेल ।

(अन्तरक)

(2) पटेल नटबरलाल चिनूभाई एण्ड कम्पनी । (अग्तरितो)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वपुरुष्

माफिस बेमरिंग नं० 27, जो प्लाट नं० 348, एफ॰ पी० नं० 5-ए, लक्ष्मीनारायण धार्षिण सेन्टर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि से प्रई०-3/37/ईई/10347/ 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

सारी**ख** : 12-2-1985

मोहर 🗈

प्रकथ आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्वेश सं० धई-3/37-ईई/10544/83-84 यतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' क्हा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैंट नं ० ए-5 जो इमारत न० 3, बाफ हीरा नगर, मार्वे रोड, मालाड, वम्बई-64 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिमका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, तारीख 1 जुन, 1984

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै॰ बाफ-हीरा बिल्क्स प्राइवेट लि॰।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुभाषिनी गुप्ता ।

(ग्रसरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ट्रिय ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

यगसची

फ्लैंड नं॰ ए-5, जो इमारत न॰ 3, बाफ-हीरा नगर. मार्वे रोड, मालाड, बम्बई-64 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क० स० अई-3/37/ईई/10544/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 जून, 1984 को रजिस्टबं किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर .

बाक्य बाइं.टी.एव.एस.------

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां जय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्वेश सं० श्रई०-3/37 ईई०/10234/83-84--- ग्रतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका निवत बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिस की सं० फ्लैट नं० 301 है तथा जो तीसरी मंजिल, ग्राकाश गंगा, बचानी नगर रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है : ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 जुन, 1984

कृते पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान जितिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित आजार शूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रमुद्ध प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निमिचत उद्देश्य से उचत अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तारण से हुई किसी बाय की बावस, उक्त कांभानिक्य के लंभीन धर होने के अन्तरक के कांबल से कांग करने गालम समय में मुध्यिया बी सिए; सरि/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को चिन्हें भग्रतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा किया जाना चाहिए था कियाने में तावका के सिए:

अतः अध, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) श्रीमती स्मिता सदानन्द कदम ।

(मन्तरक)

(2) श्रीलीलाधरदामोदर चातवार।

(मन्तरिती)

सा यह सूचना कारा करकं भूवाचित सम्मृतित के वर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, आे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थासितयों में से किसी स्थक्ति बुबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

फ्लैट नं० 301 जो तीसरी मंजिल, "श्राकाश गंगा", बचानी नगर रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-3/37 ईई०/10234/ 83-84 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन ^{कें}ज-3, ब[्]क्ड

तारीख: 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के बभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, धम्बई

बम्बई, दिनांक 15 फरवरी 1985

निदेश 'सं० श्र§-3/37 ईई/10707/83-84---भ्रतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 7 है तथा जो पहली मंजिल, रेखा इमारत, नाहर रोड, मुर्लुड (पश्चिम), बम्बई—80 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से यणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ड़ी है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मै॰ ग्रस्टेरिक दूल्स मैनुफॅक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एश्वरन् वी०।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति ह")

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपर्णि के अर्जन के संबंध में काहे भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्ट्रोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हन्नेगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 7 है तथा जो पहलीमंजिल, 'रेखा' हमारत, नाहर रोष, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-137ईई / 10707/

84-85 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1 जून,

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी स**हायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बस्बर्ध**

तारीख: 15-2-1985

मोहर:

प्रकार कार्या हो। प्रमा एक , -----

नामकर नीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) में सभीत स्चना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बर्ड अम्बर्ड, विनांक 15 फरवरी 1985

निदेश सं० भाई०-3/37 ईई०/10162/83-84--- प्रतः मुझे, ए० लहिरी

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० पसैट नं० 10 है तथा जो दूसरी मंजिल, मीरा--श्याम को- ग्रापरेटिव सोसाइटी लि०, गौशाला रोड, मुलुंड (पिष्चम), बम्बई-80 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावस ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारतामा ग्रायकर ग्राधित्यम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्योश्य से उक्त बंतरण जिन्हित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन गा जन्य ब्रास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मृतिया के सिए;

नतः त्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (१) वे अधीनः विक्तिमिक्ति क्वितियों, वर्षात् क्वा (1) श्रीसी० वी० कृष्णन् ।

(भन्तरक)

(2) श्री जी० हरी कुण्णन । अयर ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग म सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति क मर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की हारीस सं 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर ध्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाः
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं के 45 विन के भीतर उक्त स्थायर मस्पत्ति मों किए जिस्स किसी अन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षरी के पार निस्ति मों किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी कक्त भीभिनियम के अभ्याय 20-क में परिश्रांशिक्ष है, यही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिस् गया है।

अनुस्ची

फ्लैट नं 10 है तथा जे दूसरी मंजिल, मीरा-ण्याम की-धापरेटिव सोमाइटी लि०, गौशाला रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि कम सं० ध्राई०-3/37 ईई/10182/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज-3, **बस्वर्ड**

तारी**ख** : 15~2-1985

मोहर:

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश सं भाई०-3/37 ईई०/10564/84-85-- प्रतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैटनं 3 इन्द्रप्रस्य पी० नं 1 एस० नं० 94 एच नं० 1 (पी) मीठा नगर रोड मुलुंड (पूर्व), में स्थित है (और ईससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में बाणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्टी है तारीख 20 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित गही किया एया हैं .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसंरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिट व्यक्तियों, अधीन, निम्निलिखिट व्यक्तियों, अधीन

- (1) मै॰ पटेल भनजी करमशी एण्ड कम्पनी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जयराम एम० भेट्टी । (अन्तरिती) '

को यह ।सूचना जारी करके पृथींक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य क्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में द्विपा गया है।

अनुसूची

भनुसूची जैसा कि कम सं श्राई०-3/37 ईई०/10564/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 20 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त (निरीक्षण), प्रजन रेज-3 बम्बई

ता रेखा: 15-2-1985

माहरः

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस. ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थार 269-म् (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासम, सहायक जायकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-3 वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 भरवरी 1985

निदेण सं० ग्राई०-3/37 ईई०/10306/84-85—ग्रत: मझे ए० लहिरी

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 10 है तथा जो निर्माणाधीन इसार्त प्लाट नं० 46 कांजूर को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, कांजूर मार्ग बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाणत है) और कृजसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रुयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि बशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल कर कन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से स्वस्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ही:—

- (क) अन्तरण सं हुद्दं किसी आक की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आग या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना चाहिए था, हिणाने में सुविभा के सिए।

(1) मै० मार्डर्न विल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० एस० नोताम राज।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के कर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

तकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नासेपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तहरीब से 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँर पदों का, था उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

फ्लैट नं 0 10 है तथा जो निर्माणाधीन इमारत ब्लाट नं 046; कांजूर की-श्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि० कांजूर मार्ग; अम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3/37 ईई०/10306/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी हूँसक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज–3 बम्बई

नारीख : 12-2-1985 -

मोहर 🖫

प्रस्थ नाहर् ु टी. एन. एस. क्यान्य

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 27/जून 1984/रेंज-2---, ग्रतः मुझ श्रीमती एम० सामुबेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के गधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विषयस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी गं० 49 राजाराम नेता तगर फर्स्ट मेइन रोड बनाक नं० 17 है तथा जो श्रीमिजिकर महाम-29 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिथकारी के कार्यालय कोडम्बक्कम् लेख नं० 1628/84 में स्थित हैं रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त' सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है दिन्न

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाब की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के निए:

कतः अब उत्तत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधारत ;— (1) श्रीमती लीलारघुनाथ ।

(ग्रन्तचक) -

(2) डा० बी०सरस ।

(म्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पृत्रों कर सम्मृतित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकांगे।

स्थितिरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ार संची

भूमि और मकान--डोर नं० 49 राजाराम मेता नगर, 1 मेन रोड ग्रांमजिकरें मद्रास-29 कोडम्बाकुकम् लेख सं० 1628/84 ।

> ्म० सामुबेल सक्षम प्राधिवपरः, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरंक्षण), स्रर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख: 7-2-1985

मोहर 🕹

दरूप बार्ष है हो । प्रयोग हु प्रश्निकारण

भाषकारु मृश्वितवत्र । 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मुधीन सुक्रका

TIST ESTAIS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निर्देश सं० 30/जून, 1984/रेज-2—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी संव प्रारव एसवे नंव 235/1 है तथा जो श्राह्मकाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बीणत है), रजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय कोडम्बायकम लेख संव 1686/84 में रजिस्ट्रीकरण श्राधिभयम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख जन, 1984

भा पूर्वोक्त गम्पत्ति के जीवन बाजार मृत्य के कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिक्क लिए निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कृथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बावत उक्षत आप-नियम के अधीन कर दंने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचन में सिविधा के लिए, शौर/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय आय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था. छिपान में सुविभा के लिए;

लंग अब उवन लिधिनियम की भारा 269 ग की, अनुमरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों। अधीन ---

- (1) श्री एम० बी० जानकी राम नायडू और भ्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) मैं जिस्मले फैन भ्रार्टस एण्ड हार्जीसग वेलफेयर सोसाइटी की सेकेटरी : श्री एस० श्ररंगेशन ।

(श्रन्तरिती)

स्त बहु सुम्बन माडी कर्डके पृष्टियन सम्बद्धित के बर्धम के हिल्छ कार्यवाहियां सुम्क करता हुं।

वक्त सम्मृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोद:--

- (क) इस प्या के रायपन में प्रकारन की तार्रीक से 45 विष् की जनभि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अनीय नाय में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस प्राना के ध्राष्ट्रम में श्रकावन की तारीय से 45 दिन के भीतर उनत् स्थानर सम्पत्ति में हितनवृथ् किसी नस्य व्यक्ति वृनारा अधोहस्ताक्षरी के पार निविद्य में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स् की

> एग० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2 मद्रास

नारीम्ब : 7-2-1985

मोहर

प्ररूप आ**इ**. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मश्रास मश्रास, दिनाक 12 फरवरी 1985 निदेश मं० 169¹6¹84¹ग्रार-2-ग्रत मुझे, श्रोमती एम० राज्योत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 36 कृष्णस्वामी नगर की— भ्रापरेटिव हार्जामग विल्डिंग सोसाइटी ले श्राउट नं० 2, कोयम्बत् र तालुक में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुमुची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), और रिजरट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय कोयम्बत् र तानुक में रिजस्ट्रीकरण श्रीयिनिथम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 16 जून, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिक्रास्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्तर प्रतिफात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब धाया गया प्रतिफल, निम्नितिष्टित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिस में वास्तिविक हुए से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) फे प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने से सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत, निम्नर्लियत, व्यव्धियों, अर्थात् —— (1) श्रीमती विजय लक्ष्मी के०

(अन्तरक)

(2) श्री गोपल कृष्णन्

(अन्तरिर्तः)

कां ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप .--

- (क) इस सूर्चना के राजपत्र म प्रकारान की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

रपट्टीकरण:—इरामे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान— प्लाट न० 36 कृष्णस्त्रामी नगर को श्रापरेटिव हाउमिंग बिल्डिंग मोसाइटी , ले प्राउट न०2, सौरिपालयम, कोयम्बट्र --कोयम्बट्र नेख म० 2291/84

> ्रम सामुवेल्, सक्षम प्राधिकारी पहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−2, मद्राप

नारीख: 12-2-1985

मोहर.

श्रक्य बाह्र . ही . एवं . एवं . -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरक्षिण

अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 40/जून, 1984/रेंज—11—अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डोर न० 12, 4 मंडन रोड, टेलीपोस्ठ कालोनी है तथा जो वेस्ट मोम्बलेम, मद्राय-33 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का ने विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम लेख सं० 144/84 में भारत य रिजस्ट्रीकण्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत दिलेख के अनुसार अन्तरित की गर्इ है अद्भूष मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिम्नत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की दावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा के सिष्ट; और/भा
- (य) एंसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियां को, चिन्हें भारतीय जाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, या भन-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के सिए;

बत क्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) चे बचीन निम्बलिखित अधितयों, वर्षात क्र— (1) श्री एम० के० राजगोपालन्।

(अन्तरक)

(2) श्री रामास्वामी।

(अन्तरिती)

को वह व्यवा कारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्थन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को अवन् क सम्भाग में कार्य भी आक्षेप :---

- (क) वस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ब्राह्मियों में कि किसी क्यन्तित कृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की धारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मो हित-मब्ध किसी अन्य क्योक्त ब्वारा, अध्यक्षस्य के पास निवित्त मों किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण :---इसमा प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम को अध्याय 20-क मो परिभाषित है, बही बर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया।

थन्मूची

भूमि और मकान--12, IV मेन रोड, टेलीपोस्ट कालोनी, मद्रास-33,

कोडम्बावकम् (लेख सं० 1441/84)।

श्चामना एस॰ पामुबेल पञ्चम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख : 7-2-1985 ,

पोहर

प्ररूप आई. टी. एत . एस . ------

नायनार ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 62/जून, 1984/रेंज-II—अतः मुझो, श्रीमती एम० सामवेल

शायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० न्यू नं ० 39, को डम्बावकम, मद्रास-34 है जो में स्थित (ग्रीर इमेसे उपाब द अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप सेविणित है), रिजर्स्ट्रवर्ता अधिकारी के कार्यालय, थासंड लैण्ड्स (लेख सं० 344/84) में रिजर्ट्रवर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अर्धान, 15 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिइस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपका अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्रीमती रूक्मिणी आचारी ग्रीर श्रीएस० जे० कुमार।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० आरूमुगस्थामी स्रोर श्री ए० काजियम्माल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनकथ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

अनम्ची

भूमि श्रीर मकान--36, कोडम्त्रावकृम है रोड, मद्राय । व्यासंडलेण्ड्स (लेख सं० 344/84)।

एम० पामुबेल पंजन प्राधिकारी नहार स्वाप्तिका (निरीक्षण) अर्जा रंज, ३, महार

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मो, मो, जबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीतः निम्नीतिका प्रतिकारों, अर्थातः —

तारीख : 7-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास्

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 64/जून, 1984/रंज-2-अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5, हाईडोम रोड, 1 स्ट्रीट, मब्रास-6में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धामसर्लेण्ड्स (लेख सं० 334/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरिक्षियों) के बीच एसे अंतरण के लिह तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीषु कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य अस्तियों करें, जिन्हूं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

र्ी अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित स्पक्तियों, सर्थात् :--- (1) र्थामनुईा० बजाज ग्रीरअन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीला के० मेनन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारील से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मं दिया गया है।

अनुसूची

प्लाष्टनं० 3—Iा पलोर, 4 हाडोस रोड, 1 स्ट्रीष्ट, मद्रास⊸ ६ थामसलैण्ड्स । लेख सं० 334/84 ।

> एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) । अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई. ट. एन. एस. - - ---

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर अपन्तत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्राम मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 71 जून 1984/रिंज--2--अतः मुझे, श्रीमतीः एम० साम्बेल

आयकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचार् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचन बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 25 कालेज रोड, नुगम्बाक्कम में स्थित है जो मद्रास-6, आर० एस० नं० 99/3 (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्न रूप से विणत है), र्रिक्ट्रीकर्ता आधकारी के कार्यालय, थीमंडलैंग्ड्स (लेख सं० 279/84) में र्राजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन,तारीख जून, 1984

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रातिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे अव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितयारें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में श्रृतिधा के लिए; बौर/या
- (क) पोसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

कतः भव, उक्त विधिनियम की भारा 269-य के जनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुनिवित व्यक्तियों, ब्यांत् ह— (1) दी साउथ इण्डिया फ्लोर मिल्म प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री मिलाप चन्दं आर० ग्रीर अन्य।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधाहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिस्ण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

erred

भूमि श्रौर महान--25, कालेज रोड, नुगम्बाक्कम, मद्रास√ 6, थीसन्सर्लेण्ट्स । लेख सं० 279/84 ।

> एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षेट्र) अर्जन रेंज-2, मद्रास-

तारीख: 7-2-1985 मोहर ध प्ररूप आइ. टी. एन. ऐस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जंन रेंज-2, मद्राम भद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985 निरेश सं० 75/जून, 1984/रेज-2-अतः मुझे श्रीमर्ता ,म० सामुबेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसक, सं० 29, 23सवां काम स्ट्रोट, बेंस्ट नगर है तथा जो मद्राम-90 में स्थित है भौर (जिससे उपाधद्ध अनुसूच में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकार, के कार्यालय, विरूगम्बाक्कम विलेख स० 1711/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ,तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापृवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से अक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहिं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन:——25---516GI/84

(1) श्री भावा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० मगयर्करणी।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशिष्टिया शुरू करता हो।

उम्ल सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान--29, तेइनवां क्राम स्ट्रीष्ट, बेसंट नगर, मद्रास- 90, विरुगम्बाकम । लेख सं० 1711/84।

> ्रम० सामुवेल ाक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त अायुक्त (निराक्षण) अर्जन रज-2, मब्रास

तारीखा: 7-2-1985

मोहर:

प्रक्ष्य बाही, टी. एन. एस.

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

हारव स्टब्सर

कार्याजय, सहायक आगकर आगुन्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनाक 7 फरवरी 1985

निदेश मं० 78/जून 198०/रेंज-2--श्रतः मुझे श्रीमती एम० माम्बेल

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य और जिसकी मं० एम० नं० 41 एक्म 33 सेट्स है तथा जो महास में स्थित है (और इससे, उपावद प्रनुसूची में और पूर्ण स्थ्य से वाणत है) रिजस्ट्रीकर्सा ग्राधिकारी के कार्यालय विस्-गस्वाक्कर् (लेख मं० 1748/84) में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख जून 1984

1908 (1908 का 16) के प्रधान नाराख जून 1984 को प्रांतिक सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिकल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार जन्य उसके इश्वमान प्रतिकल से, एसे इध्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितियों उध्योग्य ने उक्त कन्तरण निम्नितियों वास्तियं उध्योग्य ने उक्त कन्तरण निम्नितियों के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितियों वास्तियं ने उक्त कन्तरण निम्नितियों वास्तियं के स्थान के सिन्या गया है हम्मा

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए, और उ
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) वे न्योजनार्थ अन्यरिती दराया गान्ट नहीं किया गया था वा किया साना बाहिए था, छिपाने के मुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न में अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपपारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, तथित् :—

(1) श्रीमंती शोभा रानी वेनुरी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वडलपठल विजयलक्ष्मी

(भ्रन्तरिती)

का बहु सूचना चारों करके प्वॉक्त संपत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वस्तु बुग्नरित में वर्षन् के बन्न्नम् में कोई भी वाक्षेत्र:--

- (क) इस स्वना के एक्पन में प्रकाशन की तारिक कें
 45 दिन की अविश्या तत्संबंधी क्यन्तियों पर
 स्वास की तामीन से 30 दिन की नविश्व भी
 सम्भि नव में समान्य होती हो, के भीवर पुनों नव
 व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति दुवारा;
- (ख) इसं स्वान के राजवत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनक्ष किसी जन्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकैंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां-उक्स अधिनियम,, कं अध्याय 20-क में परिभाषित इ^{र्}, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया **नया ह**ै।

प्रतुसूची

भूमि--- लेख सं० 1748/84 की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति विरुगम्बाक्कम ।

लेख सं० 1748/84।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, मद्रा

नारीख : 7-2-1985

मोहर 🛭

मुक्य बार्ष हर्वे . एवं . पुत्र . - - - - - - -

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 80/जून 1984/रेंज-2-म्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 सुरबया नायडू स्ट्रीट पुरशाखक्तम है तथा जो पुरखाशवाक्तम में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कप से वणित है) और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ लेख सं० 1514/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान क्रूर्विफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उच्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्दारण से हुई फिली बाय कर्त बायदा, उक्द अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक छे दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुबि: के लिए; आहर/या
- (च) एसी. किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुन्धा के रिक्षः

जतः। जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निस्मलि<u>स्वित स्पश्चितमों, क्रमों क्र</u> (1) डालिंग राबर्टस और श्रन्य

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हिमतमल मार्राज्या और भ्रन्य

(श्रन्तरिती)

करें यह सूचना आरों करके पूर्वीयल सपरित के वर्जन के निष कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी संस् 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समास्त होती हो, के भीतार पूर्वो कर स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरंण:--६समें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उपन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-2; सुब्बेया नायडू स्ट्रीट, पुरणाव। मद्रास मद्रास नार्थ (लेख सं० 1514/84)।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिका रे सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 महास

तारीख : 7-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास दिनांक 7 फरनरी 1985

आयकर अधिनियम, 19'6। (196। का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य और जिसकी सं० लेख स० 1708/84 की णेडूल में दी हुई है सम्पत्ति जो मद्रास नार्थ में स्थित है (और इससे उपायस प्रनुस्चों में और पूर्ण रूप से वीणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (लेख सं० 1708/84) में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री फेरीकक्वन और ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० राजन और ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची -

लेख सं॰ 1708/84 की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति मद्रास नार्थ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख: 7-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 मधास मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेशसं० 106/जून 1984/ रोज-2--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य 100,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० 10, 1 है दूस्ट लिक स्ट्रीट है तथा जो मन्दवेलिप्पाक्कम मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपावक्ष प्रमुची में और पूर्ण रूप य विणत है) रिजस्द्रीकर्ता प्रधिकारी कार्यालय, मैलापुर (लेख सं० 896/84) में रिजस्ट्रीकरण प्रधित्तमम 1908 (1908 का 16) के प्रधीत तारीख जन 1984

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल त्ये लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम गाया भया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विशिक्त में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
 - (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रीपी० रामास्वामी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० ग्रार० पलनियप्पन और श्रीपी० एल० ग्ररूगायलम् ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान--10, 1 ट्रस्ट लिंक स्ट्रीट मंदवेलि-प्याक्कम मद्रास-28

मैलापुर (लेख सं० 806/84)।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

नारीखा : 7-2-1985

मोहर:

त्रक्ष् वार्ध्ः, टी. एष् . एष . -------

मायकर् विधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धादा 269-व (1) में वधीन सुम्र्वा

SIGN CAMP

कार्यासय, सहायक भायकर नामुक्त (जि<u>र</u>ीकन)

र्जन रेंज- , मद्रास मद्रास, दिनाक 7 फरवरी, 1985 निदेश सं० 111/जून 84/रेंज-॥--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के बधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का काएण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी र्सं० डोर नं० 46, अभिरामपुरमा।। स्ट्रीट, है जो मद्रास
-18 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मैलापुर लेख र्सं०
829/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके स्र्यमान प्रतिफल से, एसे स्व्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर विधिनयम के वधीन अर दोने के ज्ञारक के दायित्व में कसी करूने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिता के किए;

अतः अब, उठ त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री एम० के० शेषण।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ई० बलरामन्।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारों करके भृवां कित सम्पृत्ति को वर्षन के जिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्मतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई जी नासंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वं अस सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें पयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ब्रनुसूची

भूमि और मकान -46, श्रभिरामपुरम् III स्ट्रीट, मब्रास-18, मैलापुर (लेख सं० 829/84)

> श्रीमती एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-॥, मद्रास

तारीख: 8-2-1985.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-II, मदास

मद्रास, दिनाक 7 फरवरीं, 1985

निदेश सठ० 115/जून 84/रेंज—II:—-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िजसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक हो

श्रौर जिसकी म० प्लाटन ० 17, डोर र्न ० 21, बीमण्ण मुद्दलि स्ट्रीट, है, जो मैलापुर, मद्राम-4 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध में श्रौर । पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मैलापुर क्लिख सं० 871/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से आधक है और अंतर्क (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एस० पी० पलनियप्पन, श्री पी० एल० सुन्नमणियन्।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० बी० देविकाराणी, श्रीमती रंजनी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्यी

भूमि श्रौर मकान : प्लाट नं० 17, डोर नं० 21, बीमण्ण मुदली स्ट्रीट, मैलापुर मद्रास-4, मैलापुर। लेखार्स० 871/84।

> श्रीमती एम० सामुवेणल, सयक्ष प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख: 7-2-1985.

मोहर:

प्ररूप बाइ 🚉 टो.. एम्.: एस..-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निर्द्रीकाण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1985

निदेश सं० 118/जून 84/रेज-II:---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० डोर नं० 9,व गारम्माल स्ट्रीट, है जो मैलापुर, मद्रास-4 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मैलापुर-लेख सं० 881/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उकत अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नमिसित व्यक्तियों, अर्थाल् ६(1) श्रीमती बागीरति ग्रम्माल ग्रीर ग्रन्यों।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एल० वैल्लैयन् ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच नं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत स्थावितयों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्यादगाक पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धिकरण :--इसमे प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सू प्र

भूमि श्रीर मकान: 9, बंगारम्माल स्ट्रीट, मैलापुर, मद्राम-4, मैलापुर/लेख सं० 881/94

> श्रीमती एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक **श्रायकर** श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेज-II, मद्रास ।

तारीख: 7-2-1985.

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज्-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1985

निवेश सं० 123/जून 84/रेंज-11:--,ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्वेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 15, लिलिनापुरस स्ट्रीट, रायपेट्टा है, जो मद्रास-4 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 554/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास किरने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान अतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अप्त: अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (।) ने अधीत निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थात :---

26-576 GI/44

(1) श्री कें रामनाथन मर्वे।

(अन्तरक)

(2) श्री मेलवी एल० कर्पगम्'।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करेके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर नम्पिस में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

भूमि त्रोर महान : 15, लिलतापुरम स्ट्रीट, रायपेट्टा, मद्राय-154, मद्राप मेंट्रल/लेख सं० 554/84 ।

> एम० यामुबेल, रुक्षम प्राधिकारी सहायक आगकर अध्यक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज—II, मद्राय

नारीख: 7-2-1985.

मोहर :

प्ररूप. आरड्. टी. एन. एस. ~ - - -

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 264-व (1) के अधीन त्वना

भारत मरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, मद्राम

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1985 निदेश मं० 141/6/84/रेंज-।।:---श्रनः मुझे, श्रीमती एम० मामुबेल,

बायक र के धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातें 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने जो कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिन बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी र्सं० एफ-27, पार्मन काम्पलैनम, मौठ रोड, है जो, मब्रास-6 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्राम सेंद्रल लेख सं० 638/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 19854

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफाश के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्यास करने आ कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित श्राजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित तस्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आग की गायत, उसत अभिनियम के अभीत कार दोने के अन्तरत के दासित्व में कभी कारने या खससे नाजने में मृतिका के लिए; और/या।
- (क) ऐसी किसी आम या किसी ध्रांगा जन्म आन्तियाँ को, जिन्हों भारतीय लग्न-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना करिता था। जिल्लान ए स्विधा की विष्;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बों, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

- (1) क्षी वी० नारायणस्वामी म्रण्ड राघा राधा नारायणस्वामी । (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कें ० उदयश्री । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उत्रत सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीशर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवर्भ किसी अन्य स्थावत व्वारा, अभोहस्ताश्वरी के पास निचित म किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्त्स्यी

प्लाट--एफ० ब्लाक--डोर सं० एफ ० मौण्ट रोड, मद्रास-6, मद्रास सेंट्रल/लेख सं० 638/84 ।

> श्रीमती एम० सामुबेश, पक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-॥, मद्रास

तारीख: 7—2—1985.

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2 मद्रास मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1985

निदेश सं० 146/जून-84/रेंज-/II--श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यार करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 0 100, न्यू डोर नं 0 171, लाइड्स रोड, गोपालपुरम्, है, जो रामप्पेट्ठा, मद्रास-14 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के काय लिय मद्रास सेंट्रेल लेख सं 0 657/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन विनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्षदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाग की बाब्त ; उत्तर बहिशानियम के अभीन कर दोने के जन्मरक के दासित्म में कभी करने या उत्तर देखने में सुविधा के सिए;
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपान में सुविधा है बिक:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गंके अनुसरण् मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् ६1. डॉ बडब्ल्यू० डारेस्वामी।

(अन्तरक

2. श्री कासामले डाबूड बाय और ग्रन्यों

(भसरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हूं।

उन्त संपत्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-धत्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्था है।

पन्सूची

भूमि और मकान डोर नं० 100, न्यू डोर नं० 171, लाइड्स रोड, गोपालपुरम्, रायपेट्ठा मद्रास-14। मद्रास सेंट्रल/लेख सं० 657/84

श्रीमती एम० सामुबेल ९ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मन्नास

दिनांक 7-2-1985 मोहर ॥ प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्वना

भारत चेरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 8 फरवरी, 1985

निदेश सं० 151/जून/84रेंज-11/----ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-६ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार भूला 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 49, जी० एन० जेट्टी रोड, है, जो टी० नगर, महास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर, लेख सं० 666/84 में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूवोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, सके रूपमान प्रतिफल को एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क कि निम्निसित उद्वेष्य में उक्त अन्तरण कि चित्रत भे वास्त- विक स्प से स्थित नहीं किया एसा है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उत्तर विधि-विश्व के ब्योग कर दोने के बन्तरफ के वावित्व में कवी करूप वा अवसे वचने में स्विधा के किए; वार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, के भन कर अधिनियम, किया पन कर अधिनियम, किया पन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जन, उक्त जिथिनियम की भारा 269-न की अपूजरूप मों, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री बी० वरवराजन, और ग्रन्यों ।

(ग्रन्तरक)

2. एस० ए० एस० धन्टरशाइजेस

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पृशंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुशरा;
- (ख) इस स्पना के राजपण में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

वन्सूची

भूमि और मकान 49 जी० एन० चेट्टी, रोड, टी० नगर, लेखा सं० 666/84

> एम०् सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2 मद्रास

दिनांक 8-2-1985 मोहर: प्रस्प नाहां.टी.एन.एश.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11 महास

मदास, दिनांक 7 फरवरी, 1985

निदेश सं० 155/जून $84/\sqrt[3]{11}/$ —श्रतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ. से अधिक है

और जिसकी सं० कृष्णानाथ स्ट्रीट, टी नगर है तथा जो महासबा 7 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टीलगर, लेख सं. 855/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्ति की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति की उचित धाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त बिभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- ्ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आज-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 कि 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन : निम्नतिस्ति ज्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री एस० ईश्वरन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० एस० राममोहन राव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर्के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की जगींभ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जगींभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टोकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, खो उस अध्याय में दिया गया

ग्यूचा

भूमि सर्वे नं० 8142 भूमि, :कृष्णावाय स्ट्रीट टी० नगर, मद्रास-17—टी. नगर। लेख सं० 854/84 ।

> एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-11 मन्नास

दिनांक 7-2-1985

मोहर:

अक्य बाइ". टी. एन. एस.-----

भागकर वाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थान

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीत रेंज- मद्रास मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 157/जून 84/रेंज-II/---ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुनेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्मत्ति, जिसका उभित बाजार मूक्य 25,000/- क से अधिक है

और जिसकी सं० व्लाट नं० 45 एस० नं० 4753 / II तथा जो न्मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बांगत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी नगर, लेख सं० 700/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम के अध्यमान प्रसिफल के अन्तरित लिए की गुक् विष्वास करन का कारण पूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत सकत विध-विश्वय की जबीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कड़ी कड़ने वा उन्हों बचने में सुविधा के लिए: बीर/बां
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, चिन्हुं भारतीय अाय-कर स्पिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा की निए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिक्किलिखित व्यक्तिकों, अधीन, जिक्किलिखित व्यक्तिकों, अधीन,

1. श्री एस० राज पेरियस्वामी

(ग्रन्तरक)

2. 🖏 स्वर्णावाणलरशु

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उस्त सम्मत्ति से वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (खं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।

जनसर्जी

मूमि और मकान लेख सं० 700/84 की णैड्यूल में वी हुई हु सम्पत्ति /टी० नगर लेख सं० 700/84 है।

> श्रीमती एम सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II मेड्डास

दिनांक 7-2-1985 मोहर: प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. - - - --

नायकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सुमना

नारक सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1985

निदेश सं० 379/जून 84/रेंज-II/मद्रास—-श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 71 वेलचचेरी रोड, है तथा जो मद्रास-32 में स्थित है (और इससे उपाबड ग्रनुसूची में और जी पूर्ण रूप से वाणत है) राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गैदापेड लेख सं० 524/84 में राजस्ट्रीकरण ग्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफ क्रिके लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते, यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमाम प्रतिक ल से, एसे दृष्यमान प्रतिक ल से बन्दह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कित निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरण से हुई किती नाव की वावष, उक्स निधिन्दम के नधीन कर दोने के नंतरक के दावित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; मौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुराण प्रकाट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं ∴ाक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित स्थिक्तियों, अर्थात् ्र——

- 1. निहालचन्द नहाता वैपावर म्राफ म्रटर्नी म्रार० ध्योनिचंद (भ्रन्तरक)
- श्री सरस्वती कैलासन्,
 श्रीमत लक्ष्मी बैध्यनाथन्,
 श्री ए० एस० सुन्नामणियम,।

(ग्रन्तरिती)

मद्रास रेस क्लब।
 (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन की लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्माक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

भूमि और मकान 71, बेलचेरी रोड भैदार्पेक मद्रास-32 भैदापेकृ/लेख सं० 524/81 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 7-2-1985

मोहरु 🛮

प्ररूप आई.टी.एन.एसं.-----

1 इलवरिश ।

(अन्तरक)

2 एम० लक्ष्मणन, ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृष्णना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० 44/जून 84/रेंज-II/मद्रास—अतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल,

माय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी मं० 81.पी० एच० रोड, मद्राम है, तथा जो मद्राम म स्थित है श्रौर उसने उनाधाद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुरणवावकम, 1048, 1049/84 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के रहरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिगती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण मा. मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्ति द्वारा अधोहस्स्याक्षरी के पास लिसित मो किए जा सर्कोंने।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो दुवक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभौतित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

ग्रन्मूची

भ्मि और मकान 81,पी० एत्र० रोड, मद्रास, पुरणवास्कम लेख सं० 1048/84, 1049/84

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक 8-2-1985 मोहर :

प्रकृप बार्च ्ट्री ्युन् ्युस ्वत्वत्वयव्यव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

साउत् सुरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्धेश सं० 357/6/84—अतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल, श्रायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से बिधिक हैं

भौर जिसकी सं आर एस नं 226/15, अट्ठवणै पिडारियूर गांव है, जो पेरूदुरै, ताल्लुक में स्थित है (श्रौर इससे उपाब ब अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है)रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलक सेन्तिमले लेख स 0472/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1984

का पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, क्रेसे इश्यमान प्रतिफल का अपन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतोरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम, निम्नतिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण मिचित में बास्त्विक इस से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीवरण में कमी करने वा उसने बच्चे में सुविधा के सिए; बाँड/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या कत्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनुकर जाभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया के सिए;

 श्री चेन्निमलै मल्टी पेर्पज् को-आप० सोसायटी, एन० रामस्यामि, को-आपरेटिय सब रजिस्ट्रार।

(अन्तरक)

2. श्री एम० मारप्पन, प्रेसीडेन्ट, चेश्निमलें मेट्री बीवर्स को-आप० सेल्स सोसायटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वाँक्त सम्पृत्ति के अर्जन के रिवृष् कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध--

- (क) इस समना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि ज्यन्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्तुवी

भूमि श्रीर मकान री सर्वे नं० 226/15, विश्वारियूर गांव, वेकत्दुरै, तालनुक जिलिमलै, सब डिस्ट्रिक्ट, पेरियरा, वेशिमलै/ लेख संव 472/84 ।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 8-2-1985 मोहर अ श्**रक्ष हार्ड**े दी. एन**ा एक**ा क्यान

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्षे भारा 269(म) (1) के अधीन सम्जना

मारुत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक)ः अर्जन रेंज-<u>ा</u>र, मद्रास

मद्रास, दिनाक 7 फरवरी 1985

निर्वेश सं० 143/जून, 84/ रेंज-II अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मैलापूर तालुक है, तथा जो मैलापुर गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मद्रास सैंट्रल, लेख सं 646/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्त्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देष्य से उक्त अन्तरण मिवित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नगरंत्र से हुई किसी शाय की बाबत , उक्त मुंगिनियन के बैचीए कर दोने के बम्तरक के यावित्य में कभी करने ना दखते वचने में सुन्तिभा के हुँस्ए; बुदि/या
- (क) एसे किसी आय या किसी अनु वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, कियाने में स्विधा औं सिए !!

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) . हरे अधीन, निस्तिविद्यत व्यक्तियों, अधीत ध—- (1) श्री के० एस • नटराजन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० सिगला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर् के पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत् सुम्पृत्ति को वर्षान् को सम्बन्ध मों कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ग्राज्यक में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरों के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण :--- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त विभिन्तिम के कंध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होगा जो उस कंध्याय में दिया ग्या है।

भगुसुची

प्लाट नं० 6; ब्लाक नं० ए-1065 वर्ग फिट, एस० नं० 3903 हिस्सा, मैलापुर, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 646/84।

> एम० सामुवेश सक्षम प्राधिकारी **वहावक आवकर जानुन्त** (विरीक्षक) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 7-2-84

मोहर :∄

प्रकृष भाष**्ट टो**ु एव*ु* एस्_{र व}्यासम्बद्ध

त्रायकर व्यथितियम्, 1961 (1961 का 43) को बाह्य 269-च (1) के बभीन सुचना

साइव व्यक्ता

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्द्विका) अर्जन रेंज-II, मब्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० 333,जून, 84/रेंज-II/—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धाडा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

स्मौर जिसकी सं० तिरूनगर, कालनी, 4थी वार्ड है, जो ईरोड टाऊन में स्थित है (स्मौर इससे उपाधद अनुसूची में स्मौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ईरोड, लेख सं० 2292/84 है, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुन, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते मह विश्वास किएने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की शबत उक्त बिध-नियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के समित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा में निए, बौर/या
- (क) एसी किसी आय वर्ष किसी भन वा बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कै अनुसरक को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित स्पक्तियों, कर्यात् हिन्स 1. श्री के० अब्दुल रजाक ग्रौर अन्यों।

(अन्तरक)

2. श्री एफ० एम० श्रंजू, अर्षद श्रौर अन्यों

(अन्तरिती)

की वह सूचना चारी करके पृवेक्ति सम्पर्टित के वर्जन, के निष् कार्यनाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त स्म्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वासीप हन्न

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीब के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सुवधि, जो भी अवधि बाद में सम्राप्त होती हो, के भीतर प्रविद्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वान के राजपण में प्रकासन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताकड़ी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त सब्दों बौद्ध पदी का बो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में पहिस्माधित है, वहीं अर्थ होगा बो उस अध्याय में दिया प्रवा है।

जनुसूची

भूमि और मकान तिरूनगर, कालोनी ईरोड, टाउन, 4 था वार्ड, ईरोड, लेखनं० 2292/84 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ध्र, मद्रास

दिनांक 8-2-1985 मोहर # प्रकृपः कार्यः हो। एनः एसः - - - -

भागकर म्भिन्यिन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के म्भीन सुम्ना

HITTE GRAIN

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन-रेंज II, मदास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1985

निदेश सं० 133 जून 84-रेंज 11---अप्तः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० दुककरा नरुल गोंडर स्ट्रीट जो हरोड टाउन (पं०) बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरोड, लेख सं० 2131/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1984।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए रून्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्त्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किचत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण संदूषं किसी अन्य की काब्त, उबल विधिन्त्रत के अधीन कर बोने के बुक्तुरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बच्ने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय किर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

बतः मय उपत अधिनियम की धारा 269-ग के बन्धरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री ए० गोविंदस्वामी।

(अन्तरक)

(2) श्री बी०कें विश्वयया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में स किमी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सके गे।

स्बद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

भूमि श्रीर मकान—डोर नं० 6, टी० एस० 302, दुक्कार नरून गौन्डर स्ट्रीट, लेख स० 2131/84—हिरोड।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज- II, मद्रास

तारीख: 2-2-1985

मोहर:

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II; मद्रास

मब्रास, दिनांक 8 फरवरी 1985

सं० 329/जून84/रेंज-JI--अतः मृक्षे, श्रीमती एम० साम्बेल,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) विसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या भूमि सूरियम्पालयम गांव है, जो ईरोड तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड लेख सं० 0920/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1984

को पूर्वितर सम्पत्ति को जिनत बाजार मूल्य से कम को स्थमान प्रितिकेश को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः जन, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उनत अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री सी० मणिक्तम धीर अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री चेगोड गांडर घौर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में काई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अपित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि सूरियम्यालयम गांव, ईरोड तालुक, ईरोड, लेख सं० 2090/84

> श्रीमता एमे नामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-11, महास

तारीख: 8-2-1985

भोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मब्रास, दिनांक 8 फरवरी 1985

निवेश सं० 288/जून 84/रेंज $-I_I$:—अतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

धगर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो क्रूडिलूर तालूक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय, उदगमण्डलम लेख सं० 495/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत से यूधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरिद्वायों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्क अन्तरण निवृद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीम कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सूर्विभा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिलिश्चित ध्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री रावर्ठ बार्ठन रैठ।

(अन्तरक)

2, श्री पी० एम० कुरियन

(अम्तरिती)

को यह स्वा जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संहैंभ में कोई भी आक्षेप हि—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में द्विष्ट गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर मकान लेख सं० 495/84 की श्रनुसूची में दी हुई सम्पत्ति--उदगममण्डलम

एम० सामुवेल सक्तम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 8-2-1985

मोहर अ

प्रकट् बाहु . हो . एवं . एच्.-------

नायकर नौर्धीनम्ब, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के न्यीय क्षारा

बारत बुरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, मब्रास मब्रास, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० 287/जून 84/रेंज-II:--अतः मही, श्रीमती एम० सामुवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-इ के अधीन सक्त प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० लेख सं० 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567/84, की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति में स्थित है (ग्रीर इससे उपाध्य अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, उदगै (लेख सं० 561/84 से 567/84 तक) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

तुर्धे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मृन्य से कम के क्यमार विकास के लिए बन्तरित की गई है और मृश्वे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृन्य उसके क्यमान प्रतिकत्त स्वी एसे क्यमान प्रतिकत्त का बच्च क्यमान प्रतिकत्त का बच्च क्यमान प्रतिकत्त का बच्च उसके क्यमान प्रतिकत्त का बच्च उत्ति का प्रतिकत्त का बच्च प्रतिकत्ति में स्वी क्या क्या का किए तब पाया गया प्रतिकत्त , निम्नसिवित उप्योक्त से स्वत्त व्यवहरू विविद्य में बास्तविक स्व से की व्यवहरू विविद्य में बास्तविक स्व से की विद्य सही किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबता, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा 'हे लिए, बाँद/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बन्धः बन्धः, उपत किनियम की बारा 269-व की अन्तरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारः (1) के अधीन, निम्नलिक्सिस व्यक्तियों अर्थातः :—- 1. श्री एम० काप्पिनी ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी० सुशीला ग्रौर अन्य।

(अन्तरिती

को वह कुषना चारी करके पृशांकत् संपृत्ति के वर्षन के तितृष् कार्यनाहियां करता हुएं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाकाकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

नन्तर्भी

लेख सं० 561, 562, 563, 564, 565 566 भीर 567/84 की शेड्ल में दी हुई सम्पति—उदगै।

> एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-II मब्रास

तारीख: 8-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाहें टी. एन. एस. -----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायासय, सहायक आयकर आयक्त (निर्देक्षण) अर्जन रेज II मन्नास मदास, दिनांक 8 फरवरी 1985

निवेश सं० 286/जून 84/रेंज II :-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुकेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या भूमि है, जो भोठकमन्द्र में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदगै (लेख सं० 541/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का दृन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

1. श्री एल॰ राजू श्रौर एल॰ बोजन।

(अन्तरक)

2. श्री ए० आर इकवाल सेठ ग्रौर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अयिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति हुवाग;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ट्रित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किन्नुया गया है।

अनुसूची

भूमि:—मोठकमण्ड आर० एस० नं० 3943/2 C 1 B— उदारी—लेख सं० 541/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

अत. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 8-2-1985

मोहुद्ध 🗳

प्ररूप बाह^र्टी<u>.</u> एन. एस. 🚁 - 🗉

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-य (1) के मधीन सुष्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार नागुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 19,85 228/6/84:---ग्रतः मुझे श्रीमती एम सामुमेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या लेख मं० 1125/84 की अनुसूची में दी हुई संपति है जो में व्यापत है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय सत्यमंगलम लेख सं० 1125/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का जून 1981

फी पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बनजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल्खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी भाग की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्थ में कमी करने या उससे ब्वने में सुविधा के लिए; और/या.
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री के॰ एम कृशिलयपन और प्रन्यों (ग्रन्तरक)
- 2 श्री बनानी टेक्टसाईल प्रोसेस कम्पनी लिमिटेड बै॰ टैरक्टर्स श्री एस॰ श्रार० पेरूमाल और पी० मटराजन

(ब्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकता।

स्पष्टीकरण:---६समें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ; हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

अमृत्यी

लेख सं० 1125/84 की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति सत्यमगलम ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2 मद्रास

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्राजन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 फरवरी 1985

सं॰ 201/जून-85/रेज-11:--- म्रतः मुझे, श्रीमशी एम॰ सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कोणवाकरे हैं, जो कोर्तागरी नीलगिरीस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणन है) राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय कोलगिरी में लें ब्सं० 627/84 में भारतीय राजरट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिकाल से, एसे द्रियमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण तिस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्ही भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

उत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन निम्नतिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री टी० एस० रामन ।

(म्रन्तरक)

2. श्री टी॰ मोतीलाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यध्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्पी

भूमि और मकान कोणवाकर गांव, कोलगिरी, नीलगिरीस कोर्तागरी (लेख सं० 627/84)।

> श्रीनिती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) न न-2.

तारीख: 8--2-1985

मोहर 🏗

ब्रह्म ब्राइं टी. एन. एस. ***

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज II महास मद्रास, दिनाक 8 फरवरी 1985 निदेज सं० 181/6/84/रंज II—ग्रत: मुझे श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिन्यम' कहा गया है), की भारा 269-क के निभी सक्षम प्राप्तिकारी को यह निभ्यास करने का नारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रहा से अभिक है

और जिसकी संख्या दुर्कलब बीदी हैं जो कोयम्बटूर तालुक में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजरट्रीकर्त्ता ग्राधकारी के कार्यालय कोयम्बटूर लेख सं० 2476/84 में रिजरट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथाप्यांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यू, असके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है बार अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में नास्तक्षेत्र रूप से कथित नहीं किया गया है,---

- (क) अम्बरण तं हुन् किशी बाद की बावर, उपस विभिन्न वे बणीन कर दोने के अन्तरक के रायित्य में कभी करने वा उल्लेश व्यक्ते में सुविभा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी लाय या फिसी धन या किसी जास्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा पकट नहीं किया गया बा या किया भाग साहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अवः, उत्रत आंधानयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीरा, निक्तिविद्या व्यक्तियों, अर्थात --- ा हाजी पी० एच० मुहम्मद इब्राहीम

(ग्रन्तरक)

2 श्री एम० एम० वेइन मुहम्मद;

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपरित के वर्जन के सिध् कार्यमाहियां करता हुए।

अन्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप रू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वार्ण अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकांगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु¹, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय कें दिया गया हु²।

यहसूची

मूमि और मकात दुर्जनाला स्ट्रीट फोर्ट कोवम्बद्द, लेख सं० 2476/84 कोवम्बद्दर-1

श्रीमती एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II मद्रास

तारीख: 8-2-1985 भोहर त प्रकष् नाइं. टी. एन्. एस. ----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज U, मद्रास में भारता, दिनाक 8 फरवरी 1985

निदेज म० 172/6/84/रैज Ш--प्रत. मुझे, श्रीमती० एम० सामुबेल,

कायां र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रविकारी को यह विश्वास करने स्क कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/-रः से अधिक है

और जिसकी स० लेख मं० 2321/84 की शैंडल मे दी हुई सम्पति हैं जो में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर लेख भूम० 2321/84 में भारतीय रजिस्ट्रीक करण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भितात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिबत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तरिक रूप से किंग्रित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण संहुद्द किती बाय की बावत, उन्तर बीधनियन के जधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य हास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाग प्रकट नहीं, किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए,

बतः जब उक्त किंपिनियम की भारा 269-ग की बजूसरण में, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीतः, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात ---- ा श्रीमती सीतालक्ष्मा श्रम्माल

(अन्तरक)

2 श्री एन० विश्वताथ राव ओर अन्या

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कांड्र भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विक्राः नेमा हैं।

वन्यूची

भूमि और मकान लेख सं० 2321/84 की ग्रैडल मे दी हुई संपत्ति कोयम्बट्र है।

> श्रीमती एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी. सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज II, मद्राम

ना**री**ख . 8-2-1985

मोद्दर:

प्रसम् सार्वे दी एन एस - - --

श्री बिहारी लाल एल० विजयन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

2. श्री एम० रामसामी

(ग्रन्तरिती)

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

य्रजन रेज II, मधास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी ;1985 निदेज सं० 170/जून 84 रेज मि—श्रतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल,

कायकर अधिनियम, 1964 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव डीव संव 19/2 विन्सन्छ रोड बेल्लम कृष्ण सेट्टी स्ट्रीट है जो कोयबस्ट्र में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्राधकारी के कार्यालय कोयस्बट्टर लेख संव 2295/84 में राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मृल्य से कम से स्वयमान श्रीसफल के लिए जन्तिरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण सिखित को वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द्रा--

- (क) विकास से हुई किसी बाब की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एमें किसी अर ए े.सी अन या अन्य अस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किसा गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के निए;

अत: बब, जबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अवत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के कधीन, निम्नीजिसित अधिनतथीं, वर्षात क्रम को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के रिज्य कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप हन्न

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्क शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में पूरि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान बेल्लम कष्ण चेट्टी स्ट्रीट फोर्ट विन्सठ रोड कोयम्बटूर, कोयम्बटूर लेख सं० 2295/84।

> श्रीमती एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रोज II, मद्रास

तारीख: 6→2~1985

महिर 🖫

प्रक्य बार्च, द्री. हुन्, एस्,------

न।यकर वीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्वीन स्वृता

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

> ग्रर्जन रेज-II, मद्रास मद्रास, दिनाँक 6 फरवरीं 1985

निद्यम सं० 63/6/84/रज- -- अतः मुझे श्रीमती म • साम्बेल,

आएकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव 61 टीं एसव नंव 7/3660 सुन्नमणिय मुद्दलिया है जो जारव एसव पुरम कोयम्बट्टर रोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीय सी अधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर लेख संव 2715/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्राधिनयम, 1908 (1908 का 16 के प्रधीन दिनांक 16 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्ञास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निसित्ति उदुद्देश्य से उक्त अंतरण विचित कें सास्तिबक रूप ये कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जुल्तरण वं हुई किसी जाय की शावत, उक्त जिम्हित्स के अधीन कर दोने के जन्दरक के दासित्व में कमी करने ना उन्ते क्याने में सुनिधा के लिए; क्षेट्र/ना
- (व) एसी किसी नाय वा किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर निभिनयम, या भनकर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, स्थिपार्थ में स्विभा के लिए;

जतः अवः, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-गं के जनुसरण में, में, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-वं की उपभारा (1) के भधीतः, निम्नलिधितं व्यक्तियों, अधीतः ा. श्री एस० कुमरगुरू ग्रौर अन्यों।

(अन्तरक)

2. श्री एम० ए० मुरलीधरन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करको पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्भन्ध में कोई भी आक्षेप 🔾

- (क) इस स्थान को राजपण मों प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अवधि या तारप्रकाधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि आद मों समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यितयों में से किसी व्यक्ति ब्रागत;
- (क) इस सूचना की राजपश्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य अमेक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

मग्स्का

भूमि श्रौर मकान 61, सुब्रमणियम मुद्रलियार रोड, आर० एस० पुरम कोयम्बट्र। कोयम्बट्र लेख सं० 2715/84।

> श्रीमती एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- मद्रास

नारील्य: 6+2-1985

भाहेर :

प्रकल बार्ड, टी. एन. एवं, क ∉ न सन्तर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन स्पनर

पारत रहकार

कार्यासभ, शहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज 3 मद्रास

मद्रास, विर्नाक 11 फरवरी, 1985

सं० 25/जून 84 रेंज $I^I:\longrightarrow$ अत मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-स के ज्वीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर उम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ध्रौर जिसकी संख्या 2 (बेल्फोर रोड, कील्पाक है, जो मद्राम में स्थित है (ध्रौर इससे उपायत्र अनुसूची में घ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंद्रल लेख मं० 558/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को प्रोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यभान पितफल के जिए अन्तरित की गई है और अभी यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापृत्वीकत संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह सिंदास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिंदित उद्योव से उसत अन्तरण निम्निस का बारुतियक क्ष्य से कियत महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्थ में कमी कर्ने मा बतसे वचने में सुविधा में किए; अर्थिवा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन मा अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं फिया गया था ना किया जाना वाहिए वा कियाने में स्थिप के जिन्हा

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारी (1) के अभीन, निम्नेसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह---

श्री णांता विजय एटन्प्राइजैस।

(अन्तरक)

श्री जोसफ रोसिंग्यो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना सारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्चन के सिए कार्यवाहियां करला हुं।

एक्स सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई मी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास विभिन्न में किए जा सकींगे.

स्वकाकरणः इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा बो उस अध्याय में दिया। ग्या हैं।

अनुसूची

भूमि श्रौर मकान नं० 2, बल्फोर रोड, कील्पाक मद्रास, मद्रास सेंट्रल 558/84) ।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकाशी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 11, मद्रास

सारीह: 11-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज $\mathbf{I}^{\mathbf{I}}$, महास

मद्रास, विनांक 11 फरवरी 1985

सं॰ 124 जून 84/रेंज II:---अत मुझे, श्रीमती एम॰ साम्वेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या 2, बल्फोर रोड है, जो कील्पाक, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास मेंट्रल लेख सं 557/84 में भ रतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तदिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गर्यो धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केंसिए;

अतः अब, उक्त अविनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिक्षत व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री शांति विजय इन्टरप्राइजेस।

(अस्तरक)

2. श्रीमती ई० विजयलक्ष्मी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त क्यांवितयों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच तिखित में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

वन्स्ची

भूमि श्रीर मकान 2, बल्कोर रोड, कील्पाक, मद्रास, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 557/84 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 11-2-1985

मोहर:

प्ररूप बार्च, की पुन् पृक् . -

1. श्री जी० दुरैशन।

(अन्तरकः)

कारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना 2. श्री जे० नारायणन्।

(अन्तरिती)

भारत तरकार

कार्यालय, सहायाह आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ा मद्रास

मद्रास, दिनांक 1/1 फरवरी, 1985

सं० 22/6/84— जर्जन रेज H:—अत मुझे, श्रीमती एम.० सामुवेल,

आगण्डर अधिनियम, 196; (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्डात 'जन्म अधिनियम' कहा गया है), की धार ,60 → दिल्ली एका गृह्मिंगिय को यह जिस्सा करने का कारण है कि स्थानर राजिन, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रासे अधिक है

ग्रौर जिमकी संख्या सर्वे० नं० 46, ब्लाक नं० 13, कलिनु डेम् गांव, है, जो इन्द्रा नगर में स्थित हैं (गौर इससे उपाबढ़ में ग्रौर पूर्ण रूप से विणिन हैं), राजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, अड्यार लेख सं० 1642/84 में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

पूर्वित सम्पत्ति के उधित बाजार मन्य से कम के रूपमान पतिपत्न के निए अत्तरित की एड ही और मुक्ते कर विख्यात करने का कारण ही कि स्थाप्षेकित सम्पत्ति का उधित बाजार मून्य, रमके इद्यमान पतिपत्त से एमे इच्यमान प्रतिपत्त का प्रमुख्य प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों और अंतरिती (अंतरितीएं) के बीच एमे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिंबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हाई किसी आयं की नायत, उक्त अधिनियंभ के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व यों कारी करने का रासने वचने के पविधा के लिए; और/या
- (भा) उसी किसी आय का किसी धन का पान पास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उबस प्रधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में परिवास के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;—— 29—516GI/84 को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निगृ

उक्त सम्मित्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्रम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की ताभील से 30 दिन की उपि , जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्विक्र प्रति हों।
- (स) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकारत कर नारत्स स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्पद्धीकरण :---कम्मे प्रयुक्त शक्दों और पर्दा का आं उक्त अधिनियम के अध्याय ∠0-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ हागा को उस अध्याम में दिया गया हैं।

नम्स्यी

भूमि भ्रौर मकान सर्वे० नं० 46, ब्लाक नं० 13, कलिकुंड्रान गांव, इन्द्रा नगर अडयार लेख सं० 1642/84।

> श्रीमती एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज II मद्रास

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🖫

प्रकृष बाहाँ ही एन्. एवं.----

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाउउ १६० हा १३, जो जबीर गुरुवा

when is the state of

कार्यां लग्न, एहा एक रायकर आगुक्त (निरीक्षण

प्रजीन रेंज 11 मद्रास

मद्रास, तिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० /49/जून/85 रेंज II:—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल, .

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति., जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - राज्य अधिक है

ग्रीर जिसकी सख्या 25 बिंकठ रोड, टी॰ नगर, मद्र स-17 है, जो के स्थित है (ग्रीर इसमें उपाल्ड के ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टीनगर लेख सं० नं० 564, 565, 113 में भ रतीय अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के लिखत बाबार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंगरित की गई है और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाँकन सपत्ति का उचित नागर मूल्य उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिफल के लिए अंगरित की गई है और मभ्ने यह विश्वास करने (अन्तरितयाँ) के बीच एसे स्नरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- िक) अन्तर स्व हुई किसी आय की बाबता स्वस्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के बायित्य में कमी करने या उपने बावने में गाँउगा है नियम् कीराया
- (क) ऐसी किसी अप या किसी धन वा अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वका मार्थ किया जाना चाहिए था क्रियाने को परिवा

- (1) श्री सी० जार० श्रीनिवासन भौर अन्य (अन्तरक)
- (2) श्रीमती लक्ष्मी सेनापति श्रौर अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

े उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन की अविध या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर मचना की तामील से 00 दिन की यविध, जो भी अविध बाद में समापा होती हो के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनुसं अधिनियम के अध्याय २०-क मा परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उप अध्याय मो दिया गाउँ ह

अन्सूची

भूमि ग्रौर मकान 1:8 हिस्सा 25 बर्फिट रोड़, टी० नगर, मद्रास-17, टी० नगर लेख सं० 564, 565, 613, 614, 68

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, मद्रास

ं अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ए के अनमरण में, में, एकत अधिनियम की धारा 269-ए की ज्यापर (1) के अधीन, ज्यानिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक 12-2-1985

मोहर :

प्रश्च नाम्. टी एव. एम -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का #3) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारिक शाकाध्रक

कार्या**नय, स**हत्यः व्ययकार व्ययक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्र'स, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश स॰ 65 जून 8/रेज-2-अंतः मुझे श्रीमती एम० सामुर्वेल

अ। पकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात 'उकन शिधिनियम' फहा गया है), का भरा २६०-क ले अधीन सक्षम पाधिकारों का, कह विश्वास द रज का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 11 कालेज रोड़, मद्रास 6 है तथ। जो मद्रास-6 रें स्थित हैं (श्रीण इसके उपात् जनुसूची मं स्रीण पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती आधवारी के कार्यालय, थोंसर्ड लैन्बस, लेख स० 324/84 में भ रतीय र्राजस्ट्रीकर्यण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जूनून 1984

को प्योंक्त सम्पृत्ति के जीवत बाबार मून्य स कम के करवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विद्यास अपने का कारण है कि यथान्वींक्त सपित्त का जिबत बाजार मून्य उसके इश्यमान प्रतिफल सा, एस दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिप्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) प्रीर अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एस अन्तरण क लिए सय पाया गया प्रति-फल, जिम्हिलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित मे बास्त-धिक रूप से लिश्व । द्वां किया गया है .---

- (क) अन्तरण के हुई फिसी बाय की बाबत उकत का कि नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायिक में कमी कााने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाग था किसी धन था अन्य आस्तिय। को जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या अनेकार अधिनियम, 1957 (1957 की 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार अकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिए बा, जिनान स सुविधा के सिए;

अतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभार। (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्री कार्ष्मिम कलाली श्रीप ान्य । (अन्तर्क)
- (2) श्रीमती एच० वजीदा । (जन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी अक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपा में पकाल की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि में तिस्मानकी की तिसी पर सूचना की तामील से 30 दिन की शर्वाध, जो भी अवधि दोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स अधिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजधन भाँ शकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर तक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरा के पास

स्थास्टीकं रण :---५मम ४४०ल आन्द्री १८०० , रा उक्स अधिनियम, के अध्यात ४० के मा तिमाधित ही, वही अर्थ होगा जो उर अध्याय मे तिमा स्या ही

मन्स्षी

भूमि और मकान 11 हालेज राइ नाउप ६ धोंसंई लैटस (लेख स० 324/84 I)

> नीमता एम० हिनुबेल सदम प्राधिकारी सहायक आयाप्य बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंग-2, मद्रास

दिनांक : 12-2-19**8**5

मोहरु 😹

त्रसम् बाइं.टी.एन.एस.-----

ब्रायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मदास

मद्रास, दिनाफ 12 फरवरी 1985

निदेश मं० 104/जून 84/रेंज-2--श्वतः मुझे श्रीमती एम० सामधेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के नधान सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभात, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक ही

स्रीर जिसकी स० 10बी, डोर न० 25, एडवर्ड एलियस रोड, है तथा जो मेलापुर, मदाप-4 मे स्थित है (स्रीर इससे उपा-वद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्टीकर्ला अधिकारी के ज्ञाणित्य मेलापुर, लेख सं० 799/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्टिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सपरित के जीचत बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उतित बाजार गृल्म, इसके द्वयमाद प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिपत का उन्दर्श प्रतिसत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया जिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उज्त सन्तरण निरित्त में वास्तिक रूप से करिश नहीं किया गया हैं —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कर बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के भ्लए; और/बा
- (क्षः) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सिवधा के लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियंम की धारा 269-ग के अन्सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री ए गणेशन और दूसरे।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सरोयार मेईदीन्स फैमिली ट्रस्ट बाई एस० एम० सलीमा दीबी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्ट व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबएध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सिस में किए जा सकेगा।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जा उक्त मधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जे उस अध्याय मेरे दियः गया है।

भनुसुची

भूमि श्रीर मकान 10वी नं० 25, एडवर्ड एलियठस रोइ मेलापुर मदास-4, मेलापुर, लेख सं० 799/84

> श्रीमती एम० मामबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

निनांक : 12-2-1985

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक अस्यकर आयुक्तः (निरीक्षण) धर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० 168/जून/84/रेंज-2---ध्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 55,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाटनं ० 16, कुष्णास्वामी नगर है तथा जो सीरियालयम गाव कीयम्बतूर, तालूक में स्थित है (ग्रीर इमसे उपावद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकतों श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर लेख स० 2230/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून 1984

अब पूर्वा करा सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रथमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्थ है और मृत्रों यह विष्यास करने का कारण है कि यंथींपूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ि

(1) श्री बी० सुद्धाराव।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती वसंतकुमारी ग्रीर जगनायन।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्पना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि खाद सें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सृष्ट्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होकः क्षे उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसुधी

भूमि और मकान प्लाट नं० 16, कृष्णस्वामी नगर, सोटिपालयम, कोयम्बत्र, तालूक कोयम्बत्र लेख सं० 2230/84

> श्रीमती एम० सामुत्रेस प्रक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मज्रास

विनांक : 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप आहुर: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रार्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० 235/6/84रें-2—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गता है), की धारा 269-ख के अधीन सध्य अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 697/84 698/84 है तथा जो कि सैडयूल में दी हुई सम्पति में स्थित है (और इनसे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आनैमले 797/84 व 698/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी ख जून 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण दिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) कन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-, नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में क.पी करने या उसम बनने मं स्विधा के निए; और /या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के०के० रंगस्वामी गोंडर श्रीर श्रन्य श्रार उनके पृता

(भ्रन्तरक)

. (2) श्रीनती संय्यातान भ्रौर श्रीमती सरस्यति । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा:
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति.में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में सं किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि :---लेख सं० 697/84 श्रौर 698/84 की गैंडयून में दी हुई सभ्पति ------------------------।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम पाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महास

दिनांक : 12-2-1985

मोहर.

प्ररूप आई. टी. एम. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1985

निटेश सं० 238/6/84/र्ज-2--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहदात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धरण 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

25,000/- र. स आयक ह

श्रीर जिसकी स० भूमि श्रीर मकान है तथा जो मर्चनाय
कनपालयम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में

श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के
श्राममलें लेख सं० 718/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम
1908 (1908 का 16) के प्रधीन नारीख जून 1984
को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान
श्रीकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम
करिने का कारण है कि यथा प्वेक्ति सम्पत्ति का रिचित बाजार
गृल्य, उसके दश्यमान पित्रफल से, एभे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निग्निलित प्रतिका में उस्त अंतरण विस्तित में वास्तिवक
रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्का अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्हरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिणाने में स्विधा के सिए;

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उतन आर्मियम की धारा 269-घ की जिल्लारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात —

(1) श्री एम० एम० नंजाप्पिलौ ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० एम० ग्रब्दुल मजीव

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की सारीस से 45 दिन की अविधि यो तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवक प्थावर संपत्ति में हितब दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सुची

भूमि श्रीर मकान मर्चनायकनपालयम , कोयम्बत्र, श्रानैमलै लेख सं० 718/84

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम पाधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीयण) श्रर्जन रेंज-2, मट्टास

दिनांक: 12-2-198**5**

मोहर:

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज∸2, मब्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० 239/6/84/रेंज-2--- प्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव एकव एकव नंव 163 ग्रीर 152/1 है, तथा जो तेन्छगम गलयम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षिशारी के कार्यालय ग्रानैमले लेख संव 721/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिक्षितम 1908 (1908 का 16) के ग्रिक्षीन तारीख जून 1994

को पूर्व कित सम्पत्ति हो उचित वाजार मूल्य से कम हो दश्यमान प्रतिफल के निए अंगरित की गर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व कित सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आठ गा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती एम० एस० रामस्वामी गोंधर ग्रीर ग्रन्य ः(ग्रन्तरक)
- (2) मैनर श्री राम कुमार प्रसन्ता । (मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इरामें प्रयुक्त घब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि प्रौर महात 7.5 एच० पी० पम्प सेट-एत० ए५० 163/1, 152/1, तेतरंगतरालयम-प्रतमते लेख मं० 721/84

श्रीमती एम० सामृतेल संभम पाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रैंज-2, मब्रास

दिनांक 1 12-2-1985 मोहर क्ष प्ररूप आहर्रं, टी. एन्. एस. -----

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बभीन स्वना

वारत भारतार

कार्यालय, सहायकं आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज. मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी,1985

निदेण सं० 274/जून 84/श्रार० <math>II—श्रनः मुझे, श्रीमती साम्थेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 25,000/-रा. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 255 बी ग्रौर 255 ए लक्ष्मीनारायण समुब्रम है, जो गांव करूर विच्ची में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करूर ट्रिच्ची डिस्ट्रिक्ट लेख सं० 1335, 1342 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, दिनाक 15-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रति-फल के लिए अंतरिती की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से शुर्व किसी जाय की वायत, उपच वीपीयंत्र के वशीन कर दोने के वृत्युरक के ब्रायित्य में कमी करने या उससे वचने में तृतिभा के सिए; बीर/मा
- (पा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्राभा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर भिम्मिलिखित व्यक्तिया भाषा के अधि के उद्यक्ति व्यक्तिया भाषा के अधिक के उद्यक्ति व्यक्तिया भाषा के अधिक के अधि (1) श्री एम० करू यण्णन् श्रीर श्रन्य

(भन्तरक)

ए० मापकुष्णन

(म्रन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिं कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी बन्य स्थावत द्यारा अधोहस्ताभुरी के पाव लिखित में किए जा सकी गे।

स्वक्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और ददों का. आं उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ हागा जो उस अधाय में 'अधा नवा हूँ।

वनस्पी

भूमि श्रार० एम० नं० 255--वी श्रौर 255 ए लक्ष्मीनारायण समुद्रम गांव, कहर ताल्लुक--व्रिच्ची डिस्ट्रिक्ट लेख सं० 1335, $1342,\,1343/84)$ ।

श्रीमती एम० सामुबेल यश्यम पाक्षिका से महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-11, मद्रास

धिनांक 12-2-85

मोहर :

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

(1) श्री सोम प्रलगियवाणन्

(भ्रन्तरक)

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

 $^{'}(\,2)$ डा० के० ए० भेलबराज

(म्रन्तरिती)

बार्च बरकार

कार्यांचय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निवेश सं० 277/6/84—श्रातः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल, आदकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अशीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिल, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

25,000/- स. स आपके ह ग्रीर जिसकी संख्या भूमि और मकान-पेरियनायकनपालयम् गांव है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपात्रद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विण त है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, वेरियनायकनपालयम् लेख सं० 1245/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान ग्रितफल के लिए अन्तरित की नई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

गास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (का) वस्परण से हुइ किसी जाम की बाबत उसत अधि-नियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दाखरव में कमी करने मा उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्कान के राज्यक में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियम के गवा है।

वन्त्व

भूमि ग्रीर मकान-पेरियनायकनपालयम् गांव एस० नं० 295/1 ए 5 बी-ए डिवीजन नं० 17, कोयम्बत्र ताल्लुक-पेरियनायकनपालयम, लेख सं० 1245/84।

> (श्रीमती) एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आधुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज–II, मद्रास

जा: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण जो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

दितांक : 12-2-85

मोहर 🖫

प्रकल आई. टी. एव., एड.,--------

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) म्प्रर्जन रेज- , मब्रास

मद्राम, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश स० 293/6/84/रेंज-II---ग्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है"), की वारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावंद सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000∕-रु. से अधिक **है**

श्रीर जिसकी संख्या डोरन० 10/17 ए, 1 ए 2, सगनूर है, जो कोयम्बतूर तालुक में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, गोधी-पुरम लेख सं० 2249/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुन, 84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार बल्य उसके दूरयमान प्रतिकास से, एसे दूरयमान प्रतिकाल का ान्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से किंचत नहीं किया गया है ६---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के विभीन कर दोने के अन्तरक बाबित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के बिए; और/मा
- (वा) एसी किसी अगय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय नायकार निभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भव-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपानेमें सिवधा की किए।

वत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण को, को, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री पी० सदाशिवन

(मन्तरक)

(2) श्री धार० धंगणन

(भन्तरिती)

को यह सुचला जारी करके पूर्वोक्त संपरित कें अर्थान के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (च) इस सूचना के ट्रावपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविश्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भें किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त कट्यों और पद्धीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याव में वियागया है।

प्रमुस्ची

भिम श्रीर मकान डोर न० 10/17ए, 1, ए-2, सँगनूर, कोयबम्तूर-गाधीपुरम लेख सं० 2249/84 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी ' सहायक भ्रायकर प्रायुक्स (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-II, मद्रास

टिनांक : 12-2-1985

मोहर:

शक्य बाइ.टी.एन,एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक भायकर वाय्वत (निर्क्षिण)

मद्रास, दिनाक 12 फरवरी, 1985

निदेण सं० 350/जुन 84/रेंज ।।---श्रतः मुझे, श्रीमती एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका ज़िवत बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

जिसकी सं० लेख सं० 1089/84 जो शेंडुल में दी हुई मपिख है, जे कोथबम्तूर में स्थित है (ग्राँश इससे उवाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीश पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गोन्लाय्यी लेख मं० 1089/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, धिनांक जुन 84

को पूर्वाकित सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बच्यमान प्रतिफल से एसे बच्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तेरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत, उक्त अधि-निवस के बभीन कर दोने के बंतरक के श्रीवस्त वो क्षमीकरने वाससभे वचने में स्विधाके जिल्: क्षीच्, यः
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय शायक र अधिनिवृत्त, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बांधनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ व्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए चा, खिपाने में सुविधा ने निस्

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बी० एन० नारायणस्वामी ग्रौर भ्रन्य

(अन्तरक)

(2) श्री पी० दौरेस्वामी ग्रौर ग्रन्थ

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्घन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्पनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों मं से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर जक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लि **खितै** में किए जा सकों गे।

स्पच्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु कर्प होगा, को उस कथ्याय में विका मया 🗗 ।

वन्स्वी

भृमि--लेख सं० 1089/84 जोकि शेड्ल में दी हुई संपत्ति पोल्लाबची ।

> श्रीमती एम० सामुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

नारीख: 12-2-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

कासकर किथीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के सभीत् सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनाक फरवरी 6 1985

निदेश सं० 161/जून 84/रेंज ।।---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या आर० एम० पुरम, टी० एम० नं० 8 (पश्चिम) वेंकटमामी रोड, है, जो कोयस्बत्र में स्थित है, (और इसमे उपाबढ़ श्रमुस्ती में श्रीर पूर्ण रूप मे विशित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वायिष्य, कोयस्बत्र लेख सं० 2670/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीत, रिनांक

मई, 84

को पृवा कर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृके यह विश्वास करने का का को है कि स्थाप्वींक्त संपत्ति का अफल बाजार मृत्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तींकक रूप से कियत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उपके बीधनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बधने में सुविधा के लिए, और/वा
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्थियों करो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनफर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथोजनार्व अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपान में स्थिता वे निषय ।

्रु अतः अस, उक्त सिंभिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण से, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री एल० वडीवेलु (2) एल० भ्रहणाचलम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० क्रज्णा स्वामी

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाम बारी करके प्वॉक्स सम्पत्ति के वर्णन् के सिष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

.उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कींड् भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी कृत्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिन्या गया है।

वन्तुची

भूमि ग्रीर मकान--वेंकटसामी रोड, (दक्षिण) ग्रार० एस० पुरम कोयम्बतूर टाउन/ए० एस० नं० 8/384, कोयम्बतूर लेख सं० 2670/84

श्रीमती एम्० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, मद्रास

तारीख: 6--?-85

मोहर 🌼

प्रसम बाह्र . टी . एव . एव . -----

बावकर मीधीनयन, 1961 (1961 को 43) की बाड़ा 269-च (1) के बचीन सुचना

मारल धरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज मक्षास

मद्रास, दिनाक 6 फरवरी 1985

निदेश मं 171/6/84—श्रत मुझे, श्रीमती राम सामुवेल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व ने अधीन सक्षम श्रीभकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका छित्त वाजार मृत्य

25,000 - रु. से अधिक हैं
और जिसकी मं० टी० एस० नं 8/38 न्यू टी० एस न० 8/41
हिस्सा मम्बन्धम् रोड है जो श्रार० एस० पुरम् कोयमबतूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वणित है),
रिष्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कोयम्बतूर लेख स० 2297/
84 में रिष्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16
के श्राधीन जून 1984

को प्योंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के निए तय पाया गया प्रति-फल, निस्नलिखिस उद्योग्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्स-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सूबिधा से किए;

क्षः कवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)। अ अधीन, निम्नसिश्चित व्यक्तिकों क्ष्मीत् ध—-

(1) श्री एन० मुरूगन एम सुधा

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती जी० बारती

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्थन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाझेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बव्धि, को भी वयि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त विधिनियम के बध्धाय 29-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होना को उस बध्धाय में क्रिया क्या है।

अनुसूची

भूमि और मकान न्यूटी ० एस० नं ० ८/411 हिस्सा संबधम् । रोड ग्रार० एस० पुरम् कोयम्बतूर टाउन लेख सं० 2297/84 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-॥ मद्रास

दिनांक : 6-2-1985

मोहर 🕫

प्रकप आर्ड.टी.एन.एस.-----

चायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अभीन सुचना

बार्ड ब्रह्मा

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेण सं० 227/6/84/रेंज ॥—-प्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी सं भूमी है जो वरदापालयम् में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सत्यमंगलम् लेख सं 1350/ 84 तथा 1351/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जुन 1984

को क्षेंबित संपत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के इस्पनान अतिफल के लिए अंतरित की नई है जौर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि संभाप्बोंकत सम्भित्त का उचित बाबार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्पमान प्रतिफल का पन्तह शितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तब पाया नवा श्रोतफल, निम्नसिचित उधुवोस्यों से उच्ने बन्तरण निचित में बास्तविक इन से कर्षित नहीं किया नवा है :---

- (क) ब्रुक्ट्र वे हुई किसी शाव की बाक्त, उक्त बीधीनयम के अधीन कार पाने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के किए; बीट्रिया
- (वा) एसे किसी बाग या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा की विकट:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) चै वधीन, निम्निलिचित व्यक्तिवाँ, अधीत् क्र— (1) श्री चेन्तियपन और श्री कृष्णन

(श्रन्तरक)

(2) श्री एस० एल० सुक्रमणियम्

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संजंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 बिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकने।

स्पच्छोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविता हैं. बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मा दिया गवा हैं।

ग्रमुसुची

भृ्मि :---वरदम्पालयम् --- सत्यमंगलम् लेख 1350/ सं० 84और 1351/84 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।।, मद्रास-6

दिनांक : 6-2-1985

मोहर:

TATA 4 E E E E E E E E E

प्रकृष काइ . टी. एन . एस . ------

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II मदास

मद्रास दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश मं 232/6/84/रेंज-11—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूच्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं अधिम पेरिय बोग गांव है जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ग्रानमले लेख सं 684/84 तथा 683/84 में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून 1984

को प्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मिधक हैं और मंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं ---

- (क्छ) बंतरण से हुई किसी बाव की धावत, उक्त अधिनिवत के अधीय कर दोने के अंतरक के डायित्थ में कंगी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अत्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया कारा जाहिए का छिलान अ स्विधा के लिए:

अत: अब, उन्न वर्षिनियम की धारा 269-ग औ अन्तर्भ में, में, उन्न अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्री अंगमुत्तु गोंडर और उनके पुत्र

(ग्रन्तरक)

(म्रन्तरित्) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

(2) श्रीमती शोभा और मैसर्स बिन्दु और रबी

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकासन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अयिक्त दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाष्ट लिखित में किये या सकोंगे।

स्पब्धीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंपिनयम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्त्वी

भूमि :—-पेहबबोग गांव/भ्रानैमलै लेख सं० 683/84 और 684/84 ।

्रम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II मन्नास

दिनांक : 6-2-1985

मोहर:

प्रकल नाई. टी, एन. एस. -----

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268--व (1) के ब्राचीन मूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरक्तिक) धर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० 245/जून 84/रेंज-॥---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम साम्बेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाख 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं पु सूर गांव प्रभिषेगपुरम टाउन श्रीनिवास नगर उत्तर एक्सटेंशन हैं रीसैंटलमेंट सर्वे नं० 48/3 वोरैयूर द्रिष्ट्यों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विद्यत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालंग वोरैयूर लेख सं० 1563/84; भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जून 1984

को प्वोंक्स सम्पत्ति के उचित भाषार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूद्रके, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्तक प्रतिकल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंटरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (भा) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-जियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के सर्थित्य बें कसी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/वा
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी थन या बन्च जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाडिए था, कियाने में सुनिधा से सिद्;

बतः अब उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अन्मरण का, बा, जाकत अधिनियम का धारा 269-व का उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिबित स्योक्तियों, अर्थात् :-- 31-516GI/84

(1) श्री ग्रार॰ भास्करन्

(मन्तरक)

(2) श्री ए० सुब्बेयापिल्ले

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारी कारके पूर्वोक्स सम्परित के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस स्भाना के उपजपत्र भें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ह्या उ
- (च) इस तृथमा के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति हैवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पब्दीकरण. -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृस्यो

कृषि खेती :--सर्वे नं० 48/3 श्रीनिवासानगर उत्तर एक्सटेंशन ग्रांक्किषेगपुरम टाउन वोर्यपूर द्रिज्वी वोर्यपूर/लेख सं० 1563/84

> श्रीमती एम॰ सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्राथुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II मद्रास

विनोक : 6-2-1985

महिर 🛭

इक्ष्यं आर्षः <u>वर्ते, युव , युक्षः, स्थात्र</u>ातस्य सम्बद्धाः

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्योन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II; मद्रास

मद्रास दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं 246/जून 84/रेंज-।।—- अतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-ऊ. से अधिक है

और जिसकी सं० तिल्लैनगर पोस्ट कालनी टिज्मी है जो टिज्मी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप सेवांणत है); राजस्ट्रीकर्ता ग्रांधकारी के कार्यालय बोरैंयूर लेख सं० 1629/ 84 में राजस्ट्रीकरण ग्रांधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रंधीन दिनांक जून 1984,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुन्दे जिल्ली जाव की बाव्य, उपन्त अधिनिवृत के वर्षीन कर दोने के बच्चरक के बावित्य में क्षणी करने ना उपने वसने में सुन्धा में लिए; शद्वित्या
- (वा) एसी किसी जाव या किसी भन या जन्य जास्तिओं को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसिट व्यक्तिकों, अर्थातु :— (1) श्री एस० गनपति

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० बल्यिप्पन

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप :--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामीज से 30 दिन की वर्षी भ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितम्ब्रभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में णिरशाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्वा है।

नन्त्रची

भूमि और मकान :--तिहलीनगर पोस्ट कालनी बोरीयूर-लेख संo--1629/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–॥, मद्रास

दिनांक : 6-2-1985

मोहर :

प्रक्प काई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कार्ड थारा 269-म (1) के अधीन जुमना

भारत परकाउ

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज⊸॥, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निवेश सं० 257 6 84 रेंज-॥--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेलं,

बावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सुक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित् वाबार मृन्व 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० री० सर्वे नं० 8/20, तथा 8/15, वूंजसूर गांव है, जोईरोड मेंस्थितहै (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडुमुडि लेख सं० 386/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1984,

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाचार मून्य से कना के स्वनाम् प्रतिकल के लिए जंतरित की गई है जौर मुके यह विश्वास करते का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्बद्धि का उचित बाचार मून्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचत से मुश्कि है और जंतरक (जंबरका) जौर जंतरिती (जंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए तम प्रवा नया प्रति-फल निम्मलिखित उद्वर्षय से उक्त जंबरण निम्मलिखत में वास्त-विक रूप से कामत नहीं किया गया है है—

- क्रिंश) वंतरण थे हुए किसी बाब की बाबत, उपन विधानियम के ब्धीन कर योगे के बंदरक के दावित्य में कभी करने या उद्योग वचने में श्रीवया के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी जाब वा किसी भन या जन्य वास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा औ जिए;

बत:, बब, उक्त बरिधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्री के॰ सी॰ रंगसामि गौंडर श्रौर अन्य (अन्तरक)
- (2) श्रीमती चंडिगदेवी (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उन्त तम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ु---

- (क) इस त्वना को राजपात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी समिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए वा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उनक्ष निभिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अगुजुबी

भूमि –री सर्वे नं० 8/20 तथा 8/15, बूंजलूर गांव, ईरोड; कोडुमुडि–लेख सं० 386/84 ।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--।।, मद्रास

दिनांश : 6-2-1985

नोहर 🛭

मुक्त बाद', डी. एम., एक. ------

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) ने मुभीन सूचना

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।।, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985 निदेश सं० 258 6 84 रेंज-।।--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेस,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चप्त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्वास करने का कारण हं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० है, जो ईरोड, में स्थित है (भौर इससे उपाबद में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, कोडुमुडी लेख सं० 388-84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1984,

को प्वेंक्त सम्भत्ति के उचित धाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभो यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का यद्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वायत उक्त अधि-ेनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) भीमती मुत्ताई अम्माल और दूसरे

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पोंगियम्मास

(अन्तरिती)

को यह सृष्ना बारी करके पृत्रोंक्त स्व्यस्ति के नुर्वन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

बन्द सम्मारत के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस चैं 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए या सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नेपा हैं।

सद्य्या

भूमि:--री-सर्वे नं० 8 20 अंजलूर गांव, कोडुमुडि, ईरोड, कोडुमुडि लेख सं० 388 84 ।

श्रीमकी एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

चिनांक : 6-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप महर्च . दी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जुन रेजना, मुद्रास

मद्रास, विनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० 263 जून 84 रेंज-॥-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० शेंडुल में दी गयी सम्पत्ति लेख सं० 1043' 84 है, जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तंजावूर लेख सं० 1043-84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास का का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गुमा प्रतिफल, निम्निलिवित उप्वेष्ट्र से उस्त अन्तरण कि सिक्त में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया नवा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरुपे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाव या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

(1) श्री एस० रित्तसबापित भौर अन्य

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जगधाम्बाल

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष्ट् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निनिद्या में किए या नकींगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची]

भूमि श्रौर बिल्डिंग--लेख सं० 1043 84 की धीइयूल में में दी हुई सम्पत्ति--तंजावूर ।

> एम० सामुवेल सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधास्त्र (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 —

दिनांक : 6-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आर्ष: टी. एन . एस .. ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर भायकत (िनरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985 निदेश सं० 283/6/रेंज-II---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० छठ। वार्ड पेरिय कहें वीधि है, जो ट्रिच्ची डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिच्ची लेख सं० 1050-84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हैलियत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर घेने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती चुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अन, उक्त मधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ अधीन. निम्नलिखित व्यक्तिमां, अर्थात् ह——

- (1) श्री अशोक कुमार स्प्रेसंठड वै श्री हिववुल (अन्तरक)
- (2) श्री वी० गोलवराज

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ्---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की क्विधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (क) इस सूचपा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक्क गया हैं।

अमुसूची

भूमि भौर मकान :---छठा वार्ड, पेरिय कडै बीबी, ट्रिज्जी/ ट्रिज्जी लेख सं० 1050/84 ।

> (श्रीमती) एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--11, मद्रास

विनांक : 6-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, धिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० 240/जून 84/रेंज-II-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि आर० एस० नं० 1672/2, है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उठ्ठी लेख सं० 505 84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अवस्ति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत् अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केतिए;

(1) श्री एच० ए० सी० बणवा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चेल्लम्माल ग्रीर श्रीमती प्लानियम्माल अलैयास शेल्वी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच तिस्तित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पर्वों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

भूमि आर० एस० नं० 1672/2/ऊट्टी— शेख सं० 505/

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास

अत: अब, उक्त अबिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 6-2-85

मोहर 🕄

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

शायकार श्रीभिनिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन मुभना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक कायकर बाय्क्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निवेश सं० 323/जून 84/रेंज-II--धतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त मिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है

भोर जिसकी सं० लेख सं० 2479/84 की शेडुल में दी हुई है, सम्पत्ति है (भीर इससे उपाबद्ध में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकतो भक्षिकारी के कायोलय, ईरोड लेख सं० 2479/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक जून 1984,

को पूर्वियत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान पितफल के निए अंतरित की गई है और मृभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वियत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में बास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक थे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कें लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री सी० ग्रंगमृतु
 श्रीमती तनाई भ्रम्याल

(भन्तरक)

2. श्री जे॰ सुधानन्दम् प्रेसीडेंट ईरोड वीवर्स कोधापरेटिव प्रोडक्शन एण्ड सेस्स सोसैठी लिमिटेड ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (स) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा पर्केंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं., बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नग्स्यी

भूमि: — लेख सं० 2479/84 की गैड्यूल में वी हुई सम्पत्ति, ईरोड/लेख सं० 2479/84 ।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनोक: 6-2-1985

मोहर:

प्रकल बाहैं. टी. एन. एव. -----

मासकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निचेश सं 347 जून 84 रिंज-II--- म्रतः मुझे, श्रीमती एम सामुबेल,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-य के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डोरं नं० 7, पोल्लाय्यी/शांबमूर्ति जोसियर स्ट्रीट है, जो टी० एस० नं० 2, पालाय्यी में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पोलाय्यी लेख सं० 1307/84 मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून 1984,

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उपित बाबार मूल्य से कम के सममान प्रितेफ ल के लिए बंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास किंद्री का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का क्ल्यूह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निसित्त उद्वेषय से सक्त बन्तरण निवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनिवस को अधीन कर बोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वथने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आय-कर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से सिए;

कतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के जनुसरण बो, बों , उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को सधीन निम्मिणित काक्तियों, वर्णात ए----32---516GI/84 1. श्री जी० नीललॉल चेट्टियार

(भन्तरक)

 श्री सुधालाम सेठ श्रीर श्रीमती एस० कमला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना <mark>पारी कारके पर्वोक्त संपर्तित के कर्जन के क्रिए</mark> कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेय---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या संस्थान्यभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो मी ज्यिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतक उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकीं में।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के बध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होंगा जो उस बध्याय में विदा गया है।

नन्त्वी

भूमि भौर मकान:----कोर नं० 7 टी० एस० वार्क 2 शांब-मूर्ति जोसियर स्ट्रीट, पोल्लाय्यी टाउन पोलाय्यी लेख स० 1307/84 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम् प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-11, मद्रास

विनांक : 6-2-1984 :

मोहर 🤄

মুক্তৰ লাহেতি হাঁত হৰত হৰ ১৭ - e e---

बायकर् विभिनियम, 1961 (1961 का 43) क्री भाष 269-व् (1) के व्भीन स्वना

HISO USARS

निरेश सं॰ 348/जून 84/रेंज-II-- भतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 38, जवाहर रोड, महालिगपुरम, कालोनी है, जो पोल्लाय्यी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,पोल्लाय्यी, लेख सं० 1335/84में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफाल का पुन्तह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफाल, निम्नलिबित उद्देश्य से उसते अन्तरण किवित में नास्तिक इस से कारतरण किवित में नास्तिक इस से कारतरण

- (क) अभ्यारण के हुई जिल्ली आय की वायता, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के जन्तरक के स्वियत्व में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय, जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः लग, सम्त निधीनमम की धारा 269-ग के 'सत्सरण में, में', सकत अधिनियम की धारा 269-च के उपधाय (†)' के अधीन, निम्मीक्षिति व्यक्तियों, स्थाति ल--- 1. डॉ॰ एम॰ कोशल्या

(भन्तरक)

2. श्रीमती चेल्लम्माल

(भ्रन्तरिवी)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के हिन्छ कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में काहें भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितसद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर मकान :--38, जवाहर रोड, महालिनपुरम्, कालोनी, पोल्लाय्यी-ले सं० 1335/84 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 6-2-85

मोहर 🛭

प्ररूप् आई.टी.एन.एस्.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) जग्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निवेश सं० 360/जून 84/रेंज-11--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर नं० 44, प्लाट नं० 47, नठेशन नगर, रेड्डियारयालयम गांव है, जो पांडिचेरी में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रोलुगर्रे लेख सं० 1350/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जून 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ट से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास कुरते का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल के, पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्दरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातं :—

 वी पांडिचेरी हाउसिंग बोर्ड रिप्रजेन्टेड बै, सेकेटरी, श्री पी० माधवन पिल्लै

(अन्तरक)

 कुमारी एम० ए० एस० उष्णामलै भलैयास मणिमेगलै ।

(बन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर मकान :----डोर नं० 44, प्लाट नं० 47, नठेरान नगर रीसर्वे नं० 172/रेड्डियारपालयम् गांव, पाडिचेरी, श्रोलुगरें/ लेख सं० 1350/84।

> एम० यामुकेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज–11, मद्राप

दिनांक : 6-2-1985

मोहर :

प्रकृष आहूँ.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निवेश सं० एम-275/84-85--भ्रतः मुझे, जे० पी० हिसोरी,

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. में शिधक है

भीर जिसकी सं० है तथा जो हबीबपुर (दावरी) में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुमूची में भीर पूर्ण एप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता मधिकारी के कार्यालय दादरी रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, विनांक 12-6-84,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत महीं रिधा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुक् िकिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सूविधा के सिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री दर्शनलाल, पुत्न श्री ग्राम्चर्ज लाल, नि०——बी—86, मोहन पार्क, नवीन भहावरा, देहली।

(भ्रन्तरक)

(2) मे॰ लोकप्रिय सहकारी श्राबास समिति, द्वाराश्री ए० के॰ गुप्ता, सेक्रेटरी, सी॰→43, डिकेंस कालोनी, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती , (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिमोगी में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वतसनी

पूर्ण स्वामित्व की जमीन जो कि हवीवपुर, दादरी में स्थित है ।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 31-1-85

मोहर 🖫

प्रक्प आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-- ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम-806/84-85--धतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक है

गी, 00,000/- रहे. से आधिक हैं श्रीर जिसकी संव ए०-244 है तथा हैं। सूर्यनगर में स्थित हैं (श्रीर इससे जपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विधित हैं, रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दादरी में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्री हैं। दिनाक 25-6-84, को पूर्वोवत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विष्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार न्दूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्त में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं.--

- (कां) बन्तरण संधूर्य कियी बाव की बावत उपल अधि-निवास के अधीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्क में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आदि/वा
- (स) ऐसी किसी बाय वा किसी अन वा अन्य वास्तियों को, विन्हें आरतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्च अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था था किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के कभीन, निम्मसिवित व्यक्तिवाँ, वर्षांक क्ष--- (1) श्री भ्रमीर चन्द, पुत्र श्री मोहनलाल, द्वारा मे० मुन्शी राम, मोहनलाल, गोल बाजार, श्री गगा नगर (राजस्थान)

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री म्रोजनाल लिह् मील ह, पुत्र श्री गुरभाग सिह, नि० बी०-35, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली । (ध्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिजाणित हैं, बही अर्थ होगा, जो तम अध्याय में दिया गया हैं।

जन्स्वी

मकान नं० ए--244 जो कि सूर्य नगर, गाजियाबाद मे स्थित हैं।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम पाधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

दिनाक: 31-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अप्रयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-857/89-85--भ्रत: मुझे, जे०पी० हिसोरी,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० है तथा जो ग्राम छगैरा में स्थित (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कायोलय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-6-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीलञ्जाराम व धर्मवीर व धर्मपाल पुत्र श्री शेरसिंह उर्फ रोरा नि० छलैरा वागर डा० वरौला पर० व नह० दादरी गाजियाबाद ।

(भ्रन्तरक)

- (2) मे० न्यू दिल्ली भाटो फाइनेंस प्रा० लि० 7/7 देशबन्धु गुप्ता रोड द्वारा जय पाल सिंह अग्रवाल पुत्र श्री मती राम अग्रवाल नि०-174 कटरा बाडियान फतेहपुरी दिल्ली-6 (भन्तरिती)
- (3) धन्तरिसी (वह व्यक्ति, जिसके धिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स्रं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

जमीन जो कि ग्राम छनैरा में स्थित है।

जे०पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 31-1-85

प्रक्ष्युः आर्हे, टी. एत्. एस्. ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मधीन सूचना

भारत तरकार

कुर्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

मिदेश सं० एम० 928/84-85---श्रत: मुझे, जे० पी० हिलोरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० है तथग जो हवीबपुर दादरी में स्थित है (भौर इससे उपाबज धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 12-6-1984,

को प्रबोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृद्धिय उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम बागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्री किशन लाल पुत्र राम स्वरूप नि० बी०---36 मोहन पार्क नवीन शाहदरा दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

- (2) लोक प्रिय सहकारी भ्रावास सिमिति
 रिजि० नं० 68 सीड--43 डिफेंस काशोनी
 नई दिल्ली द्वारा श्री ए० के० गुप्ता सेक्रेटरी।
 (भ्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त संपत्ति के कर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

जमीन जो कि हवीवपुर दादरी गाजियाबाद में स्थित है।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर ।

दिनांक : 31-1-85

मोहर 🚁

प्ररूप जाइं. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बभीन स्**व**ना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक बाग्कर भाग्वत (निरीक्षण) ऋर्जन रॅज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 28 जनवरी 1985

निदेश सं० एम० 1010/84-85--ग्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 136, 637, 638, 639 ग्रांबि है तथा जो ग्राठ रोशतपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सरधना मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 6-4-84,

को पूर्वेक्ति संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ए कह क स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्यह प्रिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विधों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे अजने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयं-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरम में. में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, रिनम्निमिस्त व्यक्तियों, वर्षात् ह——

- (1) श्री पदम सिंह व ग्रमन सिंह ग्राघि पुत्र बुद्ध व रतन सिंह ग्राम० रोशनपुर जैरली, डा० खास, सरधना, मेरठ। (ग्रन्तरक)
- (2) कोनाके सहकारी श्रावास समिति लि० मोदीपुरम हारा सी० डी० शर्मा पुत्र श्री डी० पी० शमा, उमेद सिंह राजपूत पुत्र रेवत सिंह राजपूत, डा० खास, दौराला-सरधना मेरठ। (श्रन्तरिती)
- (8) श्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिमेके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करतः हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में क्रोड़ भी बाक्षों :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी मयिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पाधानिक रणः -- इसमें प्रयुक्त कार्यों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जग्लुची

सम्पत्ति नं० 136, 637, 638, 639, 688 **शादि ग्राम** रोशनपुर जैरली, धौराला, सरधना, मेरठ ।

> जै० पी० हिसोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रैंज, कानपुर

दिनांक: 30-1-85

प्रकल बाही. टी. एन : एस : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम० 1015/84--85---श्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

बायकर गिंधनियम, 1961 १1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात 'उद्भत अधिनियम' कहा गया ही), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० श्रार-12/1 है तथा जो राजनगर मे स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बाम्बे में, दूरिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनंक 31-7-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विक्वास करही का कारण है कि यथाप्चीवत सम्पत्ति का उचित बाजार हल्या, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की वायत उपत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बच्चने में सुनिधा को लिए; श्रीहर/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के निए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निशित व्यक्तियों, अर्थीत :--- 33--516GI/84

(1) श्री जी० एल० सेठ, श्राई० सी० एस० (रिटायर्ड) फ्लैट नं० 6 फेयर लान द्वितीय संजिल महालक्ष्मी कर्वी मार्ग बोम्बे--400020

(म्रन्सरक)

(2) कर्नल बी० एन० बाली सी---11/72 मोतीबाग-। शान्ती पथ नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

(अ) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थाक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थळाडेकरण: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सगत प्री

प्लाट नं० ध्रार-12/1 राज नगर स्कीम नं० (IV) गाजियामाद ।

ज॰ पी॰ हिलोरी मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 31-1-85

मोहर 🛭

प्ररूप आहाँ, टी. एन एस:-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन स्चना

भारत शरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर दिनांक 31 जनवरी 1985

निर्देश सं० प्रई. 4/37ईई/10661/83-84 -- प्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं.

भीर जिसकी सं० के॰एम॰ 68 है तथा जो किवनगर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के आधीन तारीख 25 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) शंसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हों भारतीश आयवर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या गा- र अभिनियम, या गा- र अभिनियम, १९२७ (1957 का 27) वे प्रशासनार्थ अनिर्द्धी दवारा प्रकट नहीं विद्या नया बा विभा बाना बाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उत्तर अधिनियम, की धारा 269-ण के अनूसरण में, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निविद्यत व्यश्वितयों, अर्थान :--

(1) महावीर प्रसाद जैन पुत्र श्री उम्मेदी लाल जैन, निवास——20 लक्ष्मी विहार कालोनी गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द किशोर झा पुत्र श्री कुशेश्वर झां व श्रीमती लिपुरा झां पत्नी श्री आनन्द किशोर झां द्वारा मे० कालिन्दी वूलन मिल्स लि० जी०टी० रोड षादरी जि० गाजियाबाद।

(अन्तेरिती)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)
की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्पति के अर्जन की
निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकीये।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है ।

पनसंची

अर्द्धनिर्मित भवन सं० के०एम०-68 जोकि कविनगर गाजियाबाद से स्थिस है।

> जे ०पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)ू अर्जन रेंज कानपुर

तारी**च**: 31-1-1985

प्रकप बाहें. टी एन एस त ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

HIS ST

कार्यांलय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश सं० -एम० 1034/84-85---अत मुझे, जे०पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की आय 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, विश्वका उचित बाबार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० आर० 14/183 है तथा जो ब्लाक-14 राज-नगर में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के आधीन तारीख 25 जून 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए असरित की गई है और मुफे यह विश्वास क्रूरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितयों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल्खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहु/या
- (क) एंसी किसी आयु या भून या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भनकर विभिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया व्या था वा किया जाना जाहिए जा, किया वे वृतिया के दिव्हु;

वत: वब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के विधीन ्रो निम्मकिकिक व्यक्तियाँ, जन्मांत् कर- (1) श्री गोपी चन्द गुप्ता पुत्र स्वर्गीय श्री रतन लाल गुप्ता, निवासी -सी--122, सेन्टर बी-अलीगज, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीना गुप्ता पत्नी एम०के० गुप्ता (मानेन्द्र कुमार गुप्ता) निवासी---आर०-14 183 राज नगर--गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बह ब्यक्ति, जिसके श्रिधभाग में सम्पत्ति हैं) का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सबध में कर्ड़िभी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की नविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्षविध, जो भी अविध बाद में समाध्त होती हो, के भीता पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना क राजपत्र भा प्रकाशन की क्षारीखा से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत विभिन्नयम, के अध्याठ 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ववा है।

श्रनुसूची

श्वाटर नं आर०-14/183, श्नाम 14 राज नगर गाजियाबाद।

> जे० पी० हिनोरी मक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन **रेज**, कानपुर

तारी**ख**: 25−1−1985

मोहर ≌

प्रकृप आर्च . हो . एन . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

स० निदेश नं० एम-1037/84-85--अतः, मुझे, जे० पी० हिलोरी

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० आर-1/38 है तथा जो राजनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 18 जून 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री विनय भूषण गुप्ता पुत्र श्री बागीश्वर विद्यालंकर, निवामी—सी-37-बी, सरस्वती बिहार, दिल्ली-34।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रामवती पत्नी श्री श्रोम प्रकाश, निवासी ग्राम—डाबरा, तहसील–दादरी, जिला–गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्िक के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस म्चना के राज्यत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर ज़क्त रथादर संपत्ति मो हितडद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मो किए जा सकोंगे।

स्पन्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० आर०-1/38, जोकि राजनगर, गाजियाबाद में स्थित है।

> जे०पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी <mark>,सहा</mark>यक ग्रायकर **ग्रायु**क्त (निरीक्षण) अर्जन **रें**ज, कानपुर

तारी**ख** : 31→1**−**19**8**5 ्मोहर ध प्रस्य काइं. की., एन. इस. -----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार 💃

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम-1046/84-85--अतः, मुझे, जे०पी० हिलोरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी मं० 3/1412-ए हैं तथा जो सहारनपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के आधीन तारीख 25 जून 1984।

को पूर्वोक्त सम्मित के उिचत नाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उिचत नाजार मिल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पेन्द्रह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में यास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण संहुदं किसी भाय की बाबत, उत्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्याने में बृणिशा के सिक्तुः बाँद्र/या
- (का) एसी किसी आर्थ वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम सा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने अन्तिस्था के सिए;

जतः अयः, उक्त विभिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरीज में . में उक्त विभिनियमं को भारा 269-चं की उपभारा (1) के वभीन, दिस्त्रिमिकतं व्यक्तियाँ, ज्ञामांक् ा— (1) श्रीमती हेमप्रभा देवी पत्नी स्व० श्री रिवन्द नाथ ग्रग्रीस, वर्तमान पता-कस्वा-खतौली द्वाजार, जि० मुजफ्फर नगर एवं अन्य।

(अन्तरक)

(2) हरी उपनाम हरील चन्द गुप्ता पुत्र श्री रामेण्वर दास, निवासी-मंगल नगर, सहारनपुर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील लें 45 दिन के भीतर अक्त स्थाबर गम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मक्कीक हुन ह — इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे. पवां का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हा, वही अर्थ होगा, जो तस अध्याय में दिया गया हां।

नम्स्वी

एक मकान नं० 3/1412--ए, जोकि जनकपुरी, सहारन-पुर में स्थित है।

> जे०पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 31—1—1985

प्रकल आहें . की . हम . हस . -----

अवस्थर अभिनियत 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के बुधीन सूचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम-1051/84-85--श्रतः, मुझे, जे०पी० हिलोरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मूच्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० 9233 है तथा जो मिकन्द्राबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के प्रश्रीन तारीख 28 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का काण्ण है कि यथापूर्वोक्त सपिल्स का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंसरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उचित कलार्ण शिवित में वास्त- विक रूप से क्षित नहीं किया चवा हैं —

- हुँक) मन्तरक से हुई किसी जाव की बाबता, उपत निधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तर्क की व्यक्तिय के कथी क्ष्युन वा ब्लास वचने में सुन्तिथा के सिष्ट; ब्लॉर/बा
- (क) एनेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्त्p, शव, उक्त जिथिनियम, की धारा 269-न की अनुसरण \vec{a}^{\dagger}_{b} , मैं, सकत जिथिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1), \vec{a}^{\dagger}_{b} अर्थात् \vec{a}^{\dagger} —

(1) श्री उदयवीर व सोहन लाल व रामसिंह बालिगाप पुत्रगण—मनफूल श्रीमती किशनदई, के०/ग्रॉ०-—मनफूल सरसर वालमुकन्द, राजफाल—महेश नाबालिगान-सराय-शासन, सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० भारत कोल्ड स्टोरेज एण्ड साईस मिन्स द्वारा— हाजी भ्रब्दुल रहमान खापुल राजी नन्हे खां फर्निचर फर्म उपरोक्त, निवासी रहमान मर्न्जिल, जी०टी० रोड, सिकन्दराबाद।

(भन्तरिती)

(3) मन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र है----

- (क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हिट-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण: इसमें प्रयुक्त संस्वी और पर्वो का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस कथ्याय में विका गया है।

नवृत्त्

खाता सं० 85 खेत सं० 9233, पुरुता का 1/2 भाग पूर्व सोरखा—सासन, सिकन्बाबाय स्थित ।

> जे०पी० हिलोरी सक्रम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

सारी**ख**: 31-1-1**98**5

महिर 🛭

प्रक्ष बाइ^{*}.टी.एन.एस. ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त 269-न (1) के अभीन सुनना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम-1063/84-85—श्रतः, मुझे, जे०पी० हिलोरी

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जुक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० है तथा जो सूर्या नगर-दादरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाधद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दादरी में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12 जून 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उण्चित्न बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उण्चित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पेन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उख्वेश्य से उक्त अन्तरण के लिए तैय

- (क) नातरण सं हुन्दं किसी नाम की मानत, उक्त अभिनियम के बधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने वा उससे क्यने में सुविभा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भागतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1912 ना 111 अ उना अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नाथ अन्तिरती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था खिणाने में सुविधा के लिए;

कतः अन्न, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

- (1) कमलेण कुरीर पत्नी श्रमरजीरा करीर, निवासी-ए-273 सूर्यानगर, गाजियाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सत्या तिहान पत्नी धीरेन्द्र कुमार निहान, निवासी 39-जयना विल्डिंग, रोशनद्यारा रोडं, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

(3) धन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं न में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है हो

श्रनुसूची

रिहायशी मकान नं० ए-273, सूर्यानगर कालोनी, तहसील--वादरी, गाजियाबाव स्थित।

जे॰पी॰ हिसोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 31-1-1985

मोष्ठर:

्रयस्य बार्ड. .टी. एन. र्हेंस ,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना.

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम-1064/84-85--- ग्रतः मुझे, जे०पी० हिलोरी

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह मिस्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सी० 145 है तथा जो नेहरुनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन तारीख 6 जुन 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाज़ार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरितीं (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिक्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपल अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक को बायित्व में कभी करने या उससे व्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयस, या धन- के कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;---

(1) कन्हैयालाल चक्रवर्ती पुत्र के०/म्रो० एम०एन० चक्रवर्ती, 36—नया गंज---गाजियाबाद।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मोहन राम गुप्ता के०/श्री०, रतनलाल गुप्ता, .149-नया गांधीनगर, गाजियाबाद्य।

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्नरिती (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्प :--

- (क) इस त्थना के राजपत्र में प्रकानन की तारींस से 45 दिन की वर्षींथ या तत्त्वस्थन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामींस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास-लिखित में किए का सकरेंगे।

स्यव्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाबित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसुची

प्लाट नम्बर सेकिण्ड-सा 145 नहरूनगर, गाजियाबाद।

जे०पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 31-1-1985

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

भाग अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम-1065/84-85—म्ब्रतः मुझे, जे०पी० हिलोरी

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो रामनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1 जुन 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण **से हुड़ किसी जाम की बाबस उभत अधि**-रायम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित में कमी कारने या उससे अधने में सुविधा के लिये: और/सा
- (वा) एसी किसी बाय वा किसी धन अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या स्वस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकर नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था कियाने में स्विधा स्वे किए:

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनूसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निम्नितिन्त व्यस्तियों, कर्धान :--- 34--516GI/84

(1) श्री कृष्ण लाल श्रनेजा पुत
 श्री काशीराम श्रनेजा,
 श्रार०-11/131-- राजनगर,
 गाजियाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जवाहर सिंह श्ररनेजा पुत श्री परमानन्द श्ररनेजा, श्राई-12, एम्जी बीशन कैम्प केशवनगर, सहारनपुर।

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को पह मुचना जारी करके पूर्वोपत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ह 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के एक लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ध्रार० 11/10/राजनगर गाजिया**बाद रकवर्द** 200 वर्ग गज जिसमें तीन कमरे, लैंटरीन बाथरूम किचन है।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्रारिधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, कानपुर

तारीख: 31-1-1985

मोहर 🖰

प्रस्य बार्च ुटी ुएग ुएस , -----=-±-±-

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सहकाड

कार्यातम, बहायक जायुकर मायुक्त (निद्वीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश सं० एम-1066/84-85---अतः मुझे, जे०पी० हिलोरी

आग्कर क्रिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं व्यार 2/62 है तथा जो राजनगर गाजियाबाद में रियन है (स्रोर इससे उपाबस अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजिया-बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 1 जनवरी 1984।

को पूर्वोकः संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के रहश्मान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके रहश्मान प्रतिफल से एसे रहश्मान प्रतिफल से एसे रहश्मान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अपिक है और अंत-रकों (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त, उत्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी फण्डे या उससे बचने में सृजिधा के लिए; जौर/या
- (ए) ऐंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजवार्थ भन्निति देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण बौ, मौं उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (१) को अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री सुरेन्द्र मोहन चढ़्का पुत श्री एम ०एस ० चढ़का, निवासी-सफदरजंग लेत, नई दिल्ली।

(अन्दर्ग)

(2) श्रीमती पुष्पा शर्मा पत्नी श्री सुरेश चंद शर्मा, व प्रसान्त राज, अमित कुमार आदि, माता कुदरती पुष्पा शर्मा, श्रीमती राज वती पत्नी, शंकर लाल गर्ग, निवासी ई-6, ज्योति कालोनी, शाहदरा, देहली-32।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीः
(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्थ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भीं अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{र्ड}, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह^{र्ड}।

प्रनुसूची

सम्पत्ति नं ० न्आर ०-2/62, ब्लाक 2 राज नगर गाजिया बाद ।

जे ०पी ० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख**: 25—1—1985

लोहर :

हरूप बार्षः टी⊴ पुत्रः एत 🤌 ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) वे ब्योन् स्वया

भारत परंजाप

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनोंक 31 जनवरी 1985

निवेश सं० एम-1067/84-85-अतः मुझे, जे०पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक ही

भ्रीर जिसकी सं व्यक्तरा न ० 445 है तथा जो दिडबारी में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूक्त में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), राजस्ट्राक्ती अधिकार। के वार्यालय गाजियावाद में राजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के आधीन नारीख 15 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिकल स एस दश्यमान प्रतिकल का मन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) क बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया गितकल, निम्नालित उद्दश्य में उक्त अन्तरण विश्वित में आस्तीक के में से कीथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक अर्थ शामित्य में कमी करने या उससे ब्यने में बृधिभा के लिए; बौर/या
- (क्ष) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थित के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अधीन, हम्मिन

(1) श्री दिलावर सिंह पुत श्रीराम ग्राम चितौड़ाभाजरा, डिडवारी-परगना, डासना, गाजियाबाद।

(जनारक)

(2) श्री नियाकतअली व रियाज अहमद व महराज अहमद पुत्रगण श्री बाबूखां, ग्राम-नाहल-परगना-डासना, गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्थन को निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताकारी के पास भिजित में किए जा सकोंचे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अभै डांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

ग्राम-डिडवारी-परगना-डासना—गाजियोबाद में खसरा नं० 445।

> जे० पी० हिनोरी सञ्जम प्राधिकारो सहारक जायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, कानपुर

तार,ख: 31--1-1985

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

नावकार निधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 31 जनवरा 1985

निदेश सर्व एम-1068/84-85--अत. मुझे, जे०पी० हिलोरी

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मपति, जिमका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक हैं

ष्प्रौर जिसकी स० 131 है तथा जा लोहियानगर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विण्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी क कार्यालय गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) ह आधीन तारीख 15 जून 1984

करे पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय जयानगर मा अपरा 269 ए बी के अतर्गत सक्षम अधिकारी के पास राजस्ट्री जि किया गया हो मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्प्रतिक्रित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं '—

- (क) सन्तरण से शुर्द किसी गाथ की बावत, उच्च अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सृविधा से सिए;

अत अब उक्स अधिनियम की तारा 269 म की अनुभरण भें, भीं, उसत अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् "—— (1) श्री महेशकुमार के ०/ध्रो ०,
 रामप्रकाश,
 8-सिदारता इनक्लेब--नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कष्तानसिंह पुत्र श्री बेनीराम, 137-चन्द्रपुरी, गाजियाबाद ।

(जन्नरिता)

(3) अन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ष्त संपत्ति के अर्जन के लिए ायवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित को अर्थन को संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूत्रीं उत्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार सपित्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इचारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पैरिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनस्पी.

मकान नं ० मी-131, लोहियानगर, गाजियाबाद स्थित।

जे ०पी ० हिलोरी सक्षम प्राविकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्गन रेग, कानपुर

नारीख: 31-1-1985

मोहर 🕠

प्रकृष कार्द . टी . एन् . एक् . ----------

मान्कर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-पृ (1) के न्पीन सुपना

धारक बरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश मं० एम-1069/84-85—अनः मुझे, जे०पी० हिलोरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है)., की भारा 269- इ के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाबार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 48 है तथा जा तुराव नगर गा० बाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गा० बाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के

की पूर्वा अस सम्परित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफान की लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति को उपित बाजार बृत्य उसके दश्यमान प्रतिफान से, ऐसे दश्यमान प्रतिफान का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बाच ऐसे अन्तर्क की लिए तय पारा गर प्रतिफान निम्निचित्तित उद्यदेश्य से उवत अन्तरण लिखित मं सास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अप्तरम ने हुई किसी थाय की शब्द उथस अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय अाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में छक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) दर्शन कोर पत्नी म ० इन्दर सिंह, निवासी—31 अर्जुन नगर, गा ० बाद।

(अन्तरक)

(2) श्री पुरण चन्द पुत्त
गद्द मल उर्फ धन श्याम दाम व
राज कुमार पुत्त
पूरण चन्द निवार्मः--गण 15० जवाहर गंज,
हापुण,
गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसक अधिभोग में नम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी मविभ नाद में सम्पन्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभन्नित हैं, वहीं अर्थ क्षोगा, जो उस अध्याय में दिया नुमा हैं।

अनुसूची

एक मकान जिसका न० 48 जो का ईम्माइन खा तुराव नगर गाजियाबाद में स्थित है।

> जे ०प। ० हिलोरी 'पक्षम' प्राधिकारी सहायक आयक्षण आपुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर

ारीख : 31-1-1985 मोहर ं **प्रक्रम कार्य**ु**टी. एत्. एव**ं उन्हें संस्थन ५-

नायकार मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) कही चाडा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेण सं० एम-1070/84-85--अतः मुझे, जे०पी० हिलोरी

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 5,360 है तथा जो भिवाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय केराना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के आधीन तारीख 7 जून 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास का कारण है कि यभाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से मिफ है मीर अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भृषिनियम के मधीन कर दोने के अस्तरक के दादित्व वें कभी करने या उनके बचने में स्विधा के निष्; वर्ड/या
- (क) ह्यी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, हिंगाने में स्विभा के तिए;

भतः अस, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के. मैं, उक्त सिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कधीन, निभ्नितिकत व्यक्तियों, अर्थात् क्ष--- (1) श्री अमर सिंह पुत्र रघुनाय सिंह , ग्रा०—भिवाल, डाकखाना—खास, णामली कैराना, जिला—मुजफ्फर नगर,

(अन्तरक)

- (2) श्री इक बाल सिंह पुत चौहल सिंह व जगगान सिंह व रामगालिमह पुत बिहम सिंह, ग्राम—भिवाल, डाकखाना खास-शामली-कैराना, जिला-मुजाफ्फर नगर। (अन्तरितो
- (3) अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहिं भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा,
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध र्रेष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पार लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिर। स्या है।

अनुसूची

खाता न ० 5 व 360 ग्राम→मीवाल प्र० शामना कैराना-जिला०-मुजफ्फर नगर।

> र्गंभी हिनारी नेतर साबहार। सहायक भाषात्र आस्तुन्त (निरीक्षण) स्तीस रोज, हासपुर

तारीखा . 31—1—1984 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश मं० एम-1071/84-85---अतः मुझे, जे०पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के गधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० के ब्जेंब 76 है तथा जो कविनगर, गाजियाबाद में स्थित है ?ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायोलय गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आर्थन तारीख 28 जन 1984

(1908 का 16) के आधीन तारीख 28 जून 1984 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करिने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उद्ता अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा केलिए;

अतः अद्यं, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थातः ---

(1) श्री मदन मोहन लाग भटनागर पुत्र स्पन श्री जगमोहन नाल भटनागर विष्ठ, 8 चित्रा बिहार, बिहाईन्ड राधू पंलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री नवाब सिंह पुत हुकुम सिंह, ५ निवासी ग्राम टिकरी, डाकखाना नेक, तहसील व जिला मेरठ।

(अन्तरिर्तः)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- , (ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

एक महान जिसका नं ० के ० जे ० जो कि कि किनगर गाजियाबाद में स्थित है।

> जें०पी० हिलोरी मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणी) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-1-1985

प्तक्ष आ**र्**. औ. एन. एस.-----

सामग्रहर की भीतम्म (196) (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत् सुमता

भारत सरकार

काश्रीतय, सहायक अल्ब्हर गाम्क (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश मं० एम०-1073/84-85—-अतः मुझे, जे०पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पर्णाल 'उक्त प्रिक्तियम' कहा गया हैं), की भारा 269- घ टी अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उसित बाजार स्वय 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० 18 है तथा जो वृन्दाबन गार्डन्म लोदी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के आधीन तारीख 18 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापुर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, हुसे रृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आंग्य की बागत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी कड़ने या उसके अचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा औं लिए;

तत वप, जकत विधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल (1) श्री देवी प्रसाद अग्रवाल पुत श्री राम स्वरूप आग्रवाल , निवासी 93, कैलाश नगर मेन रोड गांधी नगर, दिल्ली-31।

(अन्तर्क)

(2) श्री सुभाष चन्द्र गर्ग पुत्र श्री सुखदेव प्रसाद ब श्री मती रेखा कन्सल पत्नी मेहण चन्द्र आदि हाल निवासी होशी वाली गली, गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

? 3मे अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप "---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्व्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दकें और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यगत्त्र च

एक मकाम जिसका नं 18 जो की लोनी गाजियाबाद में स्थित है।

जे०पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

सारीख: 31-1-1985

प्ररूप आर्द्रः टी. एन*.* ए**त**्र--------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन क्सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ार्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1075/84-85--अतः मुझे, जै० पी० हिलोरी

क्षायकर दिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात जिस्ता अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा व 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ∕- ,छ. मे अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी संः है तथा जो नाई सोना में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, हरद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास ्ररने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित । बाजार मुल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्दह पतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखिला यों कास्त्रियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरकृते हुई किसी बाय की बावता उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने भें सुविधा के लिए: शरि/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिला भाग गेण वासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-पर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्तिकार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों . अर्थात 🖫 — 35-516 GI/84

(6) श्री अरूण कुमार व राजीव कुमार, पुत्रगण स्व० श्री बिशन चन्द अग्रवाल एवं अभ्य, निवासी रेलवे स्टेशन रोड, महारनपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री स० चरण सिंह पुत्र स० म्लसिंह, नि० नाई सोता (हरकी पौड़ी), हरिद्वार, परगना ज्वालापुर, जिला सहारनपुर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि., जो भी **अविध बाद मे- समा**प्त होती हो, के भीतर प्*र्वोक्त*ा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अभिनियम, के अध्यास 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सची

एक ह्वेली जो कि लाख पत्थर वाली, नाम से प्रसिद्ध है श्रीर नाई सोता (हर की पौड़ी), हरिडार जिला सहारनपूर में स्थित है।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

तारीख : 31-1-1985

मोहर ॥

त्रस्य नार्दः टी. एन. एच.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

वारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1076/84-85--अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का आरण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 306-ए हैं तथा जो थापर नगर, मेरठ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्क अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रिजस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विचित्त में वास्त्रविक रूप से किथत नहीं किया गया है :-

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिजियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बार/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नत्य आस्तियों करें जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना थाहिए था, कियाने में सुविधा के सिष्;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री बनारसी लाल व श्री अमृत लाल पुत्रनण स्व० लाला देवी दास, निवासी थापर नगर, मेरठ ।

(अन्तरक)

(2) डा॰ सन्तोष कुमार सिंघल पुत श्री सुरेश प्रकाश व डा॰ उमेश अग्रवाल पुत ज्योति स्वरूप, निवासी 306, थापर नगर, मेरट ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिसी।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

शक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अध्यक्त अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) की व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (क) इस सुवना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्युथ किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

एक मकान जिसका नं 306-ए, जो कि थापर नगर, मेरठ में स्थित हैं ।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

प्रकप आहे. टी. एन. एस.,-------

भागकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की पाट 288-म (1) में नभीत सुमना

ब्रार्क सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर,दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1080/84-85---अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ख-421 है तथा जो ग्राम खानपुर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैराना मुराद नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का भण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पासा ग्या प्रति-क्य विस्वक्तिचित उद्वेष्य से दक्त बुम्दरण निचित में बास्तविक च्य वे कांचित वहाँ किया भवा है अ---

- (क) अध्ययम वं हुद्दं किसी भाग की वायस उपस्य विधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्त्रक के वासित्य में कभी करूने मा अवसी व्यूने वें कृष्यिम के बिए; और या
- (ज) श्री किसी बाव वा किसी वह वा बाव क्यासिता की, विन्हें भारतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम या धन-कर विधिनयम या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के चित्र;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथाःत्ः— श्रीमती शिवदेई पत्नी वेद प्रकाश, निवासी खानपुर, डा० व पर० झिन्झाना, मुराद नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री आशा राम पुत्र श्री दलपत व बुगली पत्नी श्री आशा राम आदि, जिला खानपुर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पृत्रायस सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पृतित् के अर्जन के सम्बन्ध में कार्य भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिव की बविध, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाहा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य स्थक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए वा सकरेंगे।

स्वक्योंकरण:----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पूर्वों का, वा उपद अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उद्ध अध्याय में दिया ग्या है।

अनुस्ची

खेती जो कि ग्राम खःनपुर में स्थित है।

जे० पी० हिलोगी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

STORY TOTAL

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1081/84-85—अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 27 है तथा जो गांधी रोड, देहरादून में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप सने वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-6-1984

की पृथें कि संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चोश्य से उक्त अन्तरण कि सितिया में बास्तिबक स्प से किंचत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त निनिधन के बृधीन कहा को वे बृज्युक के वाजित्व में कनी करने का उन्ने क्यूने में बृदिशा के लिए; ब्रॉड√ना
- (क) एसी किस्ती काव वा किसी थन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त बिभिनियम, या धन-कर बिभिनियम, या धन-कर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ बन्तरिती ब्लास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए ला, कियाने में सुनिका के सिक्ट;

ंबतः अभ, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग वे अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, शिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री अनूप कुमार मिलल्
 पुत्र श्री लालचन्द,
 निवासी 38, डिस्पेन्सरी रोड,
 देहरादून ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्र प्रकाश एवं श्री अमर नाथ पुत्रगण स्थ० श्री पूरनचन्द, निवासी 30, राजपुर रांड, देहरादून ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह र्व्याक्त, जिसके अधि-भोग से सम्पत्ति हैं)

का बहु सूचना चारी करके प्रवास्त मंगील क ब्राम् के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्नत संपत्ति के अर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भ्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क 45 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकति।

स्मच्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कर्न्दों बीर पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितु है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चया हैं।

मन्स्ची

सम्पत्ति नं 27 जोिक गांधी रोड, देहरादून में स्थित है।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राप्तधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1~1985

मक्य बार्चाः टी. एव. एव. ॥ - - ----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज; कानपुर

कानपूर; दिनाक 31 जनवरी 1985

निदेश स० एम०--1084/84-85---ग्रत. मुझे जे० पी० हिलोरी,

कायण्य जिथा त्रियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु में अधिक है

और जिसकी म० 143/1 145 श्रादि है तथा जो मोहकम पुर, खुर्द में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय देहरादून में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 28-6-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्इ है और मुभे यह विश्वास मुभे यह विश्वास मुभे यह विश्वास मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि ए अपूर्वेक्त सपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण संशुष्ट किसी आध की बाबस, उक्त अधिनेयन के अधीन कर की के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए और/टा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर नार्थ अन्तिरिती इवारा पकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था जियाने में सुविधा के सिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री कृष्ण चन्द नागिलया
पुत्र श्री गगा राम
निवामी 57,
राजा रोड
देहरादून ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र काता पत्नी श्री मूल राज सिह निवासिनी 21 न्यू कैन्ट रोड देहरादून

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके ग्राध-भोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के बजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप д-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों अर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो नी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा त्रभाहस्ताक्षरी कें पास निवित में किए वा सर्कों ।

स्थव्यक्रिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया हैं।]

धनुसूची

भूमि खसरा नं० 143/1 145 श्रादि जो कि मौजा मोहकमपुर खुर्द परगना परवा जिला देहरादून में स्थित है।

> जे० पी० हिलोगी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, कानपूर

तारीख़ : 31-1-1985

प्ररूप आहूर, टो. एत . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के अधीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1086/84-85-अतः मुझे जे० पी० हिलोरी

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 55 है तथा जो हरिद्वार रोड में स्थित है (और इससे उपापद्ध प्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 19-6-1994

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, एसे द्ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुद्दे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) श्रीमती राज दुलारी सूरी पत्नी स्व० श्री देश राज सूरी 55 हरिद्वार रोड, देहरादून

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती राजेश्वरी देवी पत्नी स्व० श्री ज्योति प्रसाद, ऋषिकेण देहरादून ।

(धन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवार;
- (क) इस स्वना के क्रिकार में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया श्र्या हो।

नन्स्ची

सम्पत्ति नं 55 जो कि हरिद्वार रोड देहरावून में स्थित है।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज कामपुर

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कों अधीन, किल्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्षे—-

तारीख: 31-1-1985

भूक्य बाह् .टी<u>.</u>एन् .एस .-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ?69-भ(1) के अभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निर्दाक्षक)
श्रजीन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985 निदेश सं० एम०-1087/84-85--श्रतः मुझे जे०पी०

हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी सं० 58/1 है तथा जो कावली रोड देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) राजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में, राजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 12-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रण्यमान प्रितिकेल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे जंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्मविक रूप से किथत नही किया गया है:~~

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी नाय की बावत, उक्त अधिनियम से नधीन कर दोने के जन्तरक के शांधित्थ में कभी करने या सससे बचने में सुविधा के निए; अधि/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिये था, कियाने में सुविधा के किए:

शतः अव, उक्त विधिनियमं की भारा 269-मं के अनुसरण शें, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अभीन, निम्नविधितः व्यक्तियों क वर्षात् थे— (1) श्री बन्ता सिंह पुत्र श्री ग्रष्ठर सिंह निवासी 58/1 कावली रोड देहरादून

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सीता रानी पत्नी श्री राम निवास, निवासी 136 पार्क रोड, देहरादून ।

(ग्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरिती।

व्यक्ति, जिसके गि में सम्पक्ति है)

को वह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए</u> कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सपरित के मर्जन के सब्ध में कोई भी जाक्षेप .---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा:
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्यक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदां का, जो उस्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्त्र्यी

एक मकान जिसका नं० 58/1 जो कि कांवली रोड देहरादून में स्थित है।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कानपुर

तारीख: 31-1-1985

प्रकप आई.टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायक दु भाव्यत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-एत से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो धरमपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-6-84

को पूर्वोक्त सम्पर्शि के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरित (अतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के मधीन कर दोने के जतरक के बायित्व के कभी करने या उससे क्याने में सुविधा के निष्; और/का
- (वा) एसी किसी शाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय शायकर स्थिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवंत अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था कियाने में प्रविकास के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारः 269-ग क अनुसरण भौ, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती कमला खन्ना पत्नी श्री बीठ डीठ खन्ना, 14, मोहिनी रोड, देहरादून ।

(भ्रन्तरक)

(2) मै० भागीरथी सहकारी ग्रावास समिति, लि० द्वारा : श्रीपी० एस० विष्ट, सेकटेरी : ृ39, राजपुर रोड, देहरादूत ।

(ग्रन्त(रती)

(3) श्रन्तरिती।

(बह्द्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग**ः** सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जनिध या मत्सम्बन्धी व्यक्तित पर स्थान की तामीत में 30 दिन की अनिध, जाभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकारित स्थानित्यों में संकिरी न्यानित दवारा
- (व) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तार्षि से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बक्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा गथाहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थापिक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषिण हैं, वहीं अर्थ होंगा जो जस अध्याय के दिया गया है।

बन्स्की

पूर्ण स्वामित्व की जमीन जो ग्राम धर्मपुर, देहरादन में स्थित है ।

गे० पी० डिलोरी सुभम श्राधकारी ' सहायक श्रायकर श्राय्वत (निरीक्षण) यर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर ः

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.्=-=-=

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निवेश सं० एम०-1090/84-85--- श्रतः मुझे जे० पी० हिलोरी

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (िजसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 8/1 है तथा जो देहरादून में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्री- कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय देहरादून में रिजस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 21-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रकृतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल्लीम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्रकान चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 36--516 GI/84

(1) श्रीमती सुमरन माला जैन पत्नी श्री मुमेर घन्ड जैन श्री प्रदीप कुमार जैन पुत्र श्री सुमेर चन्दउ जैन ग्रादि 5/2 सुभाष रोड, देहरादून ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गणेण प्रसाद पुत्र श्री शंकर लाल मिलल, श्री विनय कुमार मिसल पुत्र श्री गणेश प्रसाद मिसल, निवासी 46, मलियान मोहल्ला, देहरादन ।

(ग्रन्सरिती)

(3) म्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय '20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है 1

मन्स्क

सम्पक्ति संख्या 8/1 इन्द्र रोड, देहरादून ।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक, श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-1-1985

मोहर 🛚

परुष् बार्ं च द?, एव. एव. -----

भाषकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-म (1) के अभीन सुचना

राउच् प्राच्या

आयंश्रिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निवेश सं० एम०-1091/84-85--ग्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्तास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० आर० 13/89 है तथा जो नगर, गाजियाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रानुस्ची में ग्रीर पूर्ण ऋष से विणित है), रिजिस्टीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियस 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 15-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवित सम्पिति का उचित बाजार भून्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय बाबा मथा प्रतिफल, विश्वनिक्ति उद्देशका से उकत अन्तरण कि बिक्त में बास्तिक करण से कांसर नहीं किया गया है है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मीं भी नयभ के अर्थीन फार बाने के बन्तरक को बादिएन वी कनी करूने या उचने ब्यान के अर्थिका के सिए; बादि/मा
- (ब) ऐसी किसी गाय या किसी भन या छन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया श्रा या किया जाना भाहिये था क्रियाने के मुनिया के नियः;

नतः अब, सन्त निभिनियमं की भारा 269-ग के जनसरण में, में, सक्त निभिनियमं की भारा 269-च की क्रमारा (1) के अधीत, निम्मलिसित क्यिन्तमों, नम्पनि (1) श्री श्रमोलक लाल बजाज पुतृ श्री भगवान दास बजाज, निवासी 11/6 बी, पूसा रोड, नई दिल्ली वर्तमान निवासी : 9-ए/44, करौल बाग, डब्ल्यू० ई० ए०, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा गहिल पत्नी श्री क्रजेन्द्र सिंह पाहिल, निकासी 63, कोट गांव. गाजियाबाद ।

(भन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सी 45 दिन के भीतर पृषींक्त उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टि ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया है!

वनसङ्गी

एक ब्लाट जो कि राज नगर, गाजियाबाद में स्थित है।

जे० यी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-1-1885

मोहर 🤫

प्ररूप नार् .टी .पुन⊙ एस . -----

बायक्ट बरिपनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-ज (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र</u>क्षिण) धर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, विनाक 25 जनवरी 1985

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 न्हा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० ए-22 है तथा जं। नेहरू नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1984

कले पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकाल से, एसे ध्रयमान प्रतिकाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित हद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है। —

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के के लिए; और/या

> (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

 श्रीमती बिमलगृप्ता पत्नी श्री एस० पी० गप्ना, बी--32, माल शेड, श्रागरा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री भूप सिंह, निवासी एफ थर्ड 184, नेहरू नगर, गाजियाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके <mark>प्रधिभोग</mark> में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (६) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पेदों का, जो जक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अपसची

न्लाट नं० ए-22, नेहरू नगर, गाजियाबाद ।

जे० पी० हिसोरी सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन ऐंज, कानपुर

तारीख : 25-1-1985

वचन बाइ .टी .धन .युव 5------

बायकार बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

HIST TOPIS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनाक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1095 84-85-अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० आर०-12 32 है तथा जो राज नगर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-84

को पूर्वोक्त संपर्ति के उणित माजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि वथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उज्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखिक में अस्तिविक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के निए; नौड़/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का का) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुर्जिभा के हिंसए;

शतः अस, उक्त ऑफिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रों, में, अक्त ऑफिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियाँ, क्यांत्रिच- (1) श्री जीवन घन्द्र पन्त पुत्न श्री हरीशचन्द्र पन्त, निवासी तल्लीताल कैलाश व्य, नैनीताल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रीता पत्नी श्री रोशन लाल, निवासी के० जी०-52, कवि नगर, गाजियाबाद ।

(अन्तरितो)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके आध-भोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्प्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:----

- (क) इस गूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 मूचना की नामील में 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवन
 क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ
 किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों केंग्न, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गना है।

मगत्त्रपी

प्लाट नं० आर-12/32, जो कि राज नगर, गाजियाबाह में स्थित है ।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी ,सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर 🗈

प्ररूप भाइं. टी.; एन . एस ., ------------

जायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 25 जनवरी 1985

निदेश सं० ए०-1098/84-85--अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थापित, जिसका उचित् बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीरं जिसकी सं० है तथा जो दादरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम) 1908 (1908 का 16) के अबीन, तारीख 6-6-84

को पूर्वोवत सन्तान के उजित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई हैं - और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण हैं कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य , उसके स्थ्यमान प्रतिफल सं, एसं स्थ्यमान प्रतिफल का बन्यह प्रतिकात से मृष्ठिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिक का निम्मिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तविक स्थ से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दशप्रत म कभी करन या उससे अचने गां सुविधा के निवष्, और/या
- (थ) इसी किसी बाब वा किसी भन वा बन्ध वास्तिकां को, जिन्हों भारतीय वाबकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्राप्त प्रिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विद्य;

(1) श्री सुरेश चन्द्र पुत्र श्री राम कुमार, घनण्याम रोड, दादरी पो० प्र० दादरी, जिला गाजियाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री चोखे लाल पुत्र कुहै, निवासी रेलवे रोड, दादरी, पास्ट दादरी, जिला गाजियाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सुम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप क्र--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्विध, वो भी कविंध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राष्यात्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वार, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वा उक्स विभिन्नियम, के वश्याय 20-क में परिभावित हीं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विका प्रया ही।

बन संची

ग्राम दादरी, परगना व तहसील दादरी, जिला गाजियाबाद

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

अत अब, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरज भो, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन,,निम्नलिखित व्यक्तियों ु अधीत् ह——

तारीखा : 25-1-1985

माहर 🛚

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं॰ एम॰-1102/84 अत: मृझे, जे॰ पी॰ हिस्रोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रौर जिस की सं० के० एच० 36 है तथा जो किव नगर में स्थित और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्द्वीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-6-84

ंको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्थ्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्वित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री भगवान दास गौड़ पुत्र श्री पं० काशी राम, द्वारा मै० यूनिवर्सल सर्विस स्टेशन, जी० टी रोड, बुलन्द शहर

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मण प्रसाद जैन पुत श्री कल्याण राग जैन, श्री अगोक कुमार जैन पुत श्री लक्ष्मण प्रसाद जैन, निषासी के० एक० 188 कवि नगर, गाजियाबाद

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों भिरु सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय गें। दिया गया है।

जनसर्ची

प्लाटनं के एच 36, जो कि किव हैंनगर, गाजियावाद में स्थित है।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी े सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 31-1-1985

मोहर 🛭

प्रकथ वा<u>र्ड. टी.</u> एन. एस ,-==---

बाव्कार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भाउत 269-जु (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1103/84-85---अतः मुझे, जें० पी० हिलोरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 2/1424 सी है तथा जो शंकर नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महारम पुर में रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को सिए बन्तरित की गई है और मुम्ने यह विस्वास कक्त के का का राव है कि यथापुर्वों क्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मून्य, उच्चे द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया वृतिफल निम्मृतिखित उद्वोच से उच्च अन्तरण तिविद् बे भास्तविद्ध कप से के पित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाबत, उन्स नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/स
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन था जब्ब बास्तिवी का, जिल्हें भाषतीय जावकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त सिधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रसोधनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना वाहिए था, कियाने में सुविधा खें लिए;

अतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिबिय व्यक्तियों, अर्थात ्र--

(1) सरदार पूरण मिह पुक्ष स॰ पा सिह, निवासी शारदा नगर, सहारन पुर

(अन्तरक)

(2) सरदार अमर सिंह पुत्र सरदार धन सिंह, निवासी मकान नं० 2 1424 सी, गंकर नगर, सहारनपुर

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करकों पूर्वोंक्य संपरित के वर्षन के किंद् कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शासोब ह—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनः की तामीस से 30 दिन की जबिध, जो भी व्यक्ति जबिस में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास विचित में किए वा सकों वे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को सकत विधिनियम् के सध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं वर्ध होगा को उस मध्याय में विदा गया है।

ware with

मनान नं० 2/1424 सी, शंकर नगर, सहारतपुर में स्थित है

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

तारीख : 31-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आस्य कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन स्थान

भारत चर्चार

कार्यालय, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1112/84-85--श्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

जीर जिसकी सं० 2 है तथा जो चकबसन्त पुर में स्थित है (और इससे उपापद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दादरी में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 6-6-84

को पूर्विकत सम्पत्ति के चित्रत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्बरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, एसे व्ययमान प्रविक्त का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अंतरण के बिए दब नाक ज्या प्राप्तक, निम्मिनियत उद्देश्य से द्वत बंतरण विविद्य से बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जंबरण संहुई किसी माय की नायतः, उपत् अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में काली समये या सबसे कुलने में कुर्तिया के जिए; आर्थना
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, विनहीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदिस्ती ब्वारा प्रकट नहीं किया बना भाषा किया बाना वाहिए वा कियाने में साजभा में लिए,

अतः शय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

(1) श्री फकीरा महीपाल पुत्रगण श्री राम किशन निवासी करहें डा पोस्ट मोहन नगर जिला गाजियाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दीवान ट्रम्ट एम० 255 ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली द्वारा : श्री राधेश्याम निवासी 23-के/1 मालीवाड़ा गाजियाबाद

(श्रन्तरिती)

(3) मन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्मिति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप प्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की वनिध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्चना की तासीन से 30 दिन की अनिध, वो भी वनिध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याराः
- (स) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पन्ति में हित-बस्भ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात किसीत के किस का करूँ के

स्पक्ष्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पकों का, जो उक्त अभि-जियम को अभ्याय 20-क में परिभाषित इं, ह , बही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

मनसर्पा

खेती की जमीन खाना नं० 2 वाके ग्राम चक बसन्त पुर।

> जे० पी० हिलोरी मक्षम प्राधिकारी_ सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज, कानपुर

तारीख: 31-1-1985

मोहर 🛚

प्रकृष **जाह^र.** टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन संजन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनाक 28 जनवरी 1985

निदेश म० एम०-1113/84-85--प्रत. मुझे, जे० पी० हिलोरी,.

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रा स अधिक ही

और जिसकी स० बी/75 है तथा जो सूर्य नगर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री— कर्ना अधिकारी के कार्यालय दादरों मं रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 15-6-84

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल लिए अन्तरित के मुभ्रे विद्वास करने का कारण यह **है** कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार भल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं., एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-िर्कतयों) के बीच एेसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निभ्नतिस्ति उद्बंध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहां किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कार दाने के अतरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे अवने में सबिधा रहें लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा (कट नहीं किया भया धा या विभा जाना चाहिए ता, छिपान भा स्पिता की निए।

अत अट, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण का, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 5--- 37-516 GI/84

(1) श्री विनोद चन्द्र रिशी पुत ओ० पी० रिशी निवासी जी-6 ग्रीन पार्क एक्सटेशन नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पूरन चन्द गुप्ता पुत्न निवासी डी-1/4 कृष्णा नगर दिल्ल -110051

(अन्तरिनी)

(3) ग्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिलए कायवाहियां करता है।

उत्रत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षप .---

- (क) ६स स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिल की अविधि, त्रों भी अविधि भाद में गमाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुरारा,
- (ए) इस सूधना क राज्या म अकाशन की नारांच रें 45 दिन के भीतर ठजन स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्त स्थानन दवारा अधारणनाक्षणी के पास रिधा म किए जो सकेगा

स्भिष्टीकरण.— इसमा प्रयुक्त कट्टा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नप्रसुद्धि

d

श्रावामीय प्लाट मं बी/75 क्लाक नं० 7 जो कि सूर्य नगर गाजियाबाद ।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कानपुर

तारीख: 28-1-198**5**

पांहर :

प्ररूप बाह्र टी एन एस ,-----

जायकार अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सुरकार्

कार्यां तय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्रण)

धर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1114/84-85--ग्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 30-ए है तथा जो ए० बाजार नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मुजपकर नगर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 6-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, असके 'र्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से पिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्वरिय से उक्त अंतरण मिथित में बास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, . उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के जंतरक के शायित्व में काजी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और ंसा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

शतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण म', में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को क्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. वर्षात्ः— (1) श्री गोबिन्द राम पुत श्री दारका दास बाल किशन पुत श्री गोबिन्द राम भाटिया 107 घेर खातियान नई मण्डी कस्बा मुजपफर नगर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीप्रमोद कुमार पुत्र लाला शिव जीराम निथासी 111/1—बी नई मण्डी मुजफ्फर नगर

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती।

(बह व्यक्ति जिसके अर्धिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप 🎾

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्यंश किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किये जा सकेंगे।

स्मध्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त सुक्त और पर्दो का, को उनत विभिन्न के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

वनुसूची

मसान नं 30-ए बाजार नई मण्डी मुजफ्फर नगर।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कानपुर

सारीख : 31-1-1985

म्बन् नाइ. टी. एन. एस्. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प(1) के अभीत स्पना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985 निदेश सं० एम०—1119/84—85——ग्रतः मुझे, जे० पी० लोरी.

बाह्यकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 56 है तथा जो बागपत रोड में स्थित है, (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिकाम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 12-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रिअस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रति-फल्लिसे, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाबस, उक्त दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अधिनियम के अधीन कर वैने के अन्तरक के के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आरिटवों को चिन्हों भारतीय भायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा वा किया वाया भाहिए भा, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात्:— (1) श्री सुरेन्द्र सिंह पुत सरदार सावन सिंह मधुबन कालोनी, बागपत रोड मेरठ।

(ध्रन्तरक)

(2) श्री सूरज प्रकाश पुत श्री चानन शाह साकिन तोवयी बाड़ा मेरठ।

(ग्रन्तरिती)

(3) प्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके ग्राध – भोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थान बारी करके पृथींकत सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहिया करता हु-।

उक्त सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के वास सिचित में किए था सकोंगे।

स्वधीकरण :—इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, जो अवस् विधितिकत् के बध्याव 20-क में परिभावित हैं, यही वर्ष होगा वो उस मध्याय में दिका गया हैं।

समसर्थी

एक मकान म्युनिसिपल नं० 56 बाके बागपत रोड मेरठ।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 31-1-1985

प्रकप साई. टी एम एस. -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1125/84-85-अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कर्णे धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बागार मृल्य 25,000∕- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 7 है तथा जो मिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख़ 13-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की पह है और मुम्हे यह विश्वास करन का जारण है कि यथापूर्वोक्त पम्पत्ति का उचित नावार पूर्य उनके वृश्यमान प्रतिफल में, एसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्धह पतिस म प्रधिक है और बन्तरक (यन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निभिश्वत उद्देश्य से बन्त प्रन्तरण जिल्डिन में बास्तविक क्ष्य से निवत नहां किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुद्दं किसी बाय को बाबत, उपक बीधनियम के अधीन कर दोने की बन्तरक के दायित्व में कमी करने या असमे वचने में सुनिधा के निए; बॉर्ड/या
- (ख) एगे किनी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1992 को 11) या अस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए; और/या

सत: अब, उबत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) यू० पी० फाइनेसिंग कारपोरेशन, द्वाराश्री डी० एस० लाल, गढ खेड, मेरठ।

(अन्तरक)

(2) मैं० सुप्रिया वेजींटेबल आयल, मिल प्राइवेट लिमिटेड, द्वारा श्री सतीण चन्द्र अग्रवाल, मैनेजिंग डायरेक्टर: 21, चन्द्र पुरी, गाजियाबाद ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(बह र्व्याक्त, जिसके अर्ध-भोग में सम्पत्त है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

भगत्त्री

प्लाट नं ० सी-७ जो कि इण्डस्ट्रियल एरिया, सिकन्दराबाद में स्थित है ।

> जै० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31—1—1985 मो**हर**ध

प्रकल नाहाँ है दी . एन है एवं हान्यन्यन्यन

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कायांतयः, सहायक जामकर जामकः (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश मं० एम०--1129/84-85---अतः मुझे, जै० पी० हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक हैं

श्रीर जिसजी मं है तथा, जो बड़ोत, मेरठ में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वागपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-84 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निचित म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दासित्व में कभी करने वा उससे वचने में स्रोवधा के सिए; और/बा
- (स) एसी किसी भाग या किसी भाग या अन्य जास्तियों को, जिन्हां भारतीय आग-कार अधिनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया के वा किया जाना किहाए था, छिपान में सुविधा के लिए;

नतः सन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तः, सः, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, किन्निकित व्यक्तियों, अधीत :— (1) श्री सुखबीर सिंह पुत्र लाला ज्योति प्रसाद, एवं अन्य लोग, नि० गण कस्बा बड़ौत, परगना बड़ौत, जिला मेरठ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फिरोजी देवी पत्नी
स्व० श्री महेन्द्र सिंह एवं
मु० रीता देवी पत्नी
श्री अशोक कुमार,
निवासी पट्टी वाजिदपुर,
कस्वा बंडीत,

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह ध्रुपमा बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

बक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियाँ कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए का सकींगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

ग्रनुसूची

एक मकान जो पट्टी वाजिदपुर, कस्वा₋ बड़ौत, जिला मेरठ में स्थित है ।

> जै० पी० हिलोरी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्गन रेंज, कानपुर

तारीख 31-1-1985 मोहर ा प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 31 जनवरी 1985

निदेश मं० एम०-1132/84-85—अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

गावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्त्रीर जिमकी सं० 386 है तथा जी तिलक रोड, मेरठ में स्थित है (स्त्रीर इसमे उपाबड़ अनुसूची में स्त्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1968 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त विधिनियम के जधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिक्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कस्तिरती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया नाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम का भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभाग (1) के अधीन शिम्मिक वित व्यक्तियों, व्यक्ति ४--- (1) श्रीमती सावित्री सिंह पत्नी स्वि० डा० नौनिहाल सिंह, निवासी बेगम बाग, वेगम बिज रोड, ंगरठ ।

(अन्तरक)

(2) श्री होबाना राम तनेजा पुत श्री परमा राम तनेजा, निवासी फरीदाबाद, य श्री भारतभूषण पुत्र श्री हरी केंद्र, निवासी सास कुर्ती, मरट ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की ताशील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त में स्थानतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

गनुस्ची

1/2 भाग एक मकान नं० 386 पुरना बहाल नं० 15, तिसक रोड, मेरठ ।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ्अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 31-1-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

सायक<u>र</u> विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ु श्रर्जन रेज, कानपुर कानपुर, दिलाक 31 जनवरी 1985

निदेश म० एम०--1133/8 4-8 5 --श्रत. मुझे, जे० पी० हिलोरी,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् उकत अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य $1,00,000/-\tau$ से अधिक है और जिसकी स० 8 0/3 है तथा जो शिवाजी रोड में स्थित है

और जिसकी स् ० 8 0/3 है तथा जो शिवाजी रोड में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनसूची में अंद पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रिजस्ट्रीवर्ता अधितारी के वार्यादर, मेरठ में रिजस्ट्रीवरण अवितियम, 1908 (1908 रा 16) के अधीन, तारीख 2-6-198

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरिक (अन्तरिक)) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उक्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से किथत नह किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उसत विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे वयने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाम वा किसी अन या जन्म वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अदे प्रयोजनार्थ जम्दरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना पाहिए था कियाने में मृतिभा के लिए;

बत: सब, उक्त विधिनियम की बारा 269-व के बनुवरण में, में, सकत विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) में कभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात :— (1) डा० पी० पाण्डे पुत्र स्व० डा० के० पी० पाण्डे, नि० 261, शिवाजी रोड, मेरठ, वर्तमान पना शास्त्री नगर, मेरठ ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती कुमुम लता गर्ग पत्नी श्री वी० के० गर्ग, श्री राकेश कुमार गर्ग पुत्र श्री वाई० के० गर्ग श्रादि निवासी 114, मोहन पुरी, मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का वह स्वा कारों करके प्यांक्य सम्मिति के सर्वन के निए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र से प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्थक्ष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्वी

ए ह मकान न० 80/3 नया न० 261 शिवाजी रोड, मेरठ-हापुड रोड, मेरठ ।

जे० पी० हिलोरी मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर '

प्रकल आइं.टी.एन.एस. -----

भागकर कांभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सुचना

बाइँव बहुकान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 31 जनवरी 1985

निदेश मं० एम०- 1135/8 4--85--श्रृतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की सं० 9/137 है तथा जो राज नगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ऑर पूर्ण हप से वणित है), रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारी के वार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-6-1984

को पूर्विक्त संपर्तित को उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिक कम निम्नतिबित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निमित्त में वास्तिक रूप से कमित नहीं किया वका है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त बीधीनबच के बधीन कार दोने के अन्तरक के वाक्तिय में कभी करने या उसके वचने में सुविधा के लिए; कोंद्र/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, चिन्ही भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ मंतरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः नव, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षीत् हिल्ल (1) श्रामती हुष्णा बघावन पत्नी स्व० श्री चन्द्र प्रकाश बघावन, निवासी 8-ए/93, डब्ल्यू० ई० ए०, लगेलबाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरव)

(2) श्रीमती फूलकली पत्नी श्रीबदन निहं, नि० ग्राम व पोस्ट जलीखरी, जिला श्रनीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रनिरिती।

(बह व्यक्षित, जिसके द्यविन भोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्स सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि लो मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियां भी में किती व्यक्ति हुवारा.
- (थ) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के अस विद्वात मों किए जा सकोंगे।

लब्दीकरणः --इसमें प्रयुक्त कन्यों बौर पर्यों का, वो उक्त विशिवया, के बध्याय 20-क में वृतिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस बध्याय में विवा गया हैं।

ग्रनुसूची

मकान नं० 9/137, सेक्टर:-20, राज नगर, गाजिया-

ज० पी० हिलारी सक्षम प्राधिकारी सहायः भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीखा : 31-1-1985

माक्षर:

भ्रूच्यु बार्ड . टर्ड ., एन . एस . - - - - ----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत ब्रकाड

कार्यां जय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०- 1155/84-85---भ्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निभिनियम' कहा गया है), की भाष 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रा. से सिथक है

और जिसकी सं 187 है तथा जो सूर्य तगर गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण किप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-6-84

को पूर्नोक्त सम्पत्ति को उचित् बाजार मृस्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अतिरती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उपत अन्तरण निवित में बास्त्विक रूप से कथिस नहीं किया गया है "——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावता, उसके अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे अधने में अविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसे किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब उन्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण भारत में, स्वक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् ६~~ (1) श्री रार्जेन्द्र कुमार गुण्ता पुल स्थ० श्री इन्द्र चन्द्र श्रग्रमाल, निवासी मकान न०-1170, छत्ता मदन गोपाल माली वाड़ा, बादनी चीन, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हिंदा लाल शर्मा पुत श्री गोबिन्ध स्वरूप, निवासी ग्राम सिंहानी, पोस्ट खास, जिला गाजियाबाद।

(प्रन्तरिती)

(3) भन्तरिती।

(यह व्यक्ति, जिसके मधिभोग ' में सम्पत्ति हैं)

को नह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के अर्जन के हिनए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीच के 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामीच से 30 दिन की जबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यक्तियों में से किमी क्यक्ति खुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त कान्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जी जस अध्याय में विचा गया है:

वन्त्यी

एक मकान जिसका न० 187 ओ कि ब्लाक सी, सेक्टर, न० 7, श्रावासी कालोनी, सूर्य नगर, गाजियाबाद में स्थित है।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रीमुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रैंज, कानपूर

तारी**थ**: 31-1-1985

. गोहर:

हरूप जाहाँ है हो_ं पुष्_य पुष्_य न्यान्य स्थान

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सूचना

बाइत दरका

कार्याच्यु, बहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1263/84-85--श्रतः मुझ, जे० पी० हिलोरी;

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं है तथा जो धारीपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, मंसूरी में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारीख 30-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के सीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुन्दै कि सी आव की बावत , असत जिथ-रिनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के ट्रिंग्ए; जौर/या
- (क) ऐसी किली बाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

बतः, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु— (1) श्री प्रिय शमशेर पुत श्री महाराज कुमार बहादुर, शमशोर ग्राम फेयर लान, थारीपुरी, मंसूरी।

(म्रन्तरक)

(2) मैं प्रेम हैवी इण्डस्ट्रिं वक्से प्रा० लिं , द्वारा: चेयरमून एस० पी० जैन पुत्र श्री फूलचन्व जैन , रानी मिल देहली रोड, मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन् के निष् कार्यवाहियां क्रुरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप !--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिकित में किए जा सकों में।

स्वव्यक्तितुण :---इसमें प्रयुक्त कम्यों और पर्वो का,, जो उक्त व्यक्तियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया प्या है।

अनुसूची

परि भाफ फेयर टाऊन स्टेट, थाड़ीपुरी, मंसूरी।

जें० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 31~1-1985

प्रकार बाह्र 👸 हों... हरें 😅 🕬

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाज़ 269-म (1) के मधीन सुच्ना

भारत सुरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं० गुड़गांव/89/84→85→--ग्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 68/16 दुकान का आधा भाग पर स्थित बसई रोड, गुड़गांव संख्या वाली एक लाख कि से अधिक के उचित बाजार मूल्य बाली श्रवल सम्पत्ति (जिसका और श्रिधिक विवरण नीचे श्रवमूची में दिया गरा है) को दिस्या (श्रवतर द्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के गुड़गांव स्थित कार्यलय में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 6-6-84 को रजिस्ट्रेशन सं०

को पृथा कित संपत्ति के उपित बाबार मृस्य से कम के क्यमां अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथों कत संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके बध्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया हित्फल, निस्नुतिबिंद उद्वेष्यों से अक्त अन्तरण कि विद्

- (क) बन्तरण वे धुर् फिसी बाब की बावत, क्यल विभिनित्य के बधीन कर दोने के अन्तरक के दानित्य में कमी करने या उत्तते वथने में सुनिधा के सिए; बीर/या
- (क) एंसी किसी थाय वा किसी थन वा बन्य वास्तियों को चिन्हें भारतीय शाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, वा धन-कर विभिनियम, वा धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, कियाने में स्विधा है सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन ा निम्निसिक्त व्यक्तियों स्भात ह— (1) श्रीमती सन्तोष कुमारी पत्नी श्री बलबीर कुमार, नवासी मकान नं ० 528/16, ग्राइस फैक्टरी, सिविल लाइन्स, गुडुगांव।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती सरला गर्ग पत्नी श्री राम किशन गर्ग, न० दुकान नं० 68/16, असई रोड, गुड़गांव।

(ध्रन्तरिती)

को नइ स्वाम कारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के विद् कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में की वे भी बाक्षेप ह

- (क) इस स्थना के राजपन में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामीन से 30 विन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरि के पास निस्तित में किए या सकोंगे।

स्वक्षीकरणः;—हसमी प्रयुक्त सन्यों नीर पथा का, को सक्स अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, यही वर्ध होगा भी उस वृष्याय में दिक्क युवा है !!

अनुसुची

सम्पत्ति दुकान नं ० 68/16 का फ्राधा भाग, वसई रोह, गुड़गांव में स्थत है और जिसका फ्राधिक विवरण रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रिजिस्ट्री सं० 2397 दिनांक 6-6-84 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 8-2-1985 **मोहर** ■

प्रकल बाह्ये, द्वी , पुत्र , पुत्र , क्षानाना

भाषकड अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-ज (1) के अभीन सुचना

भारत चरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं० गुड़गांव/90/84--85---श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 68/16, दुकान का प्राधा भाग पर स्थित कसई रोड, गृष्टणाव मंख्या वाली, एक ताख के में प्रधिन के उचित बाजार मूल्य वाली प्रचल सम्मपत्ति (जिसता और प्रधिक विवरण नीचे की धनुसूची में दिया गया है) को जिसका प्रनंतरण (ट्रांसफर) और रिजस्ट्रणन, रिजस्ट्रांचर्ता प्रधिवारी, गृडगाव स्थित कार्यालय में रिजस्ट्रीवार में प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारी क 6-6-84 को रिजस्ट्रेंचन सं० 2398

को पूर्णेक्त सम्पति के उचित जाआर मृल्य संक्रम के दश्यमान । शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह व्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोषय से अक्त अंतरण लिखित में बास्स- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबल, उक्त जीभीनयम के अभीन कर दोने के जल्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविभा के निए; और/बा
- (च) ऐसी फिसी आय या फिसी भन या बन्य बाहितकों को, जिन्हों भारतीय आय-अर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या भनकर बिधिनियम, या भनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था कियाने में सुविभा के निए;

भतः अव, उकत विधिनियमं की भारा 269-ग के वनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीग, निम्नलिचित व्यक्तियों अधार्त :—— (1) श्रीमती मन्तोष कुमारी पत्नी श्री बलबीर कुमार, नि० मकान नं० 528/16, श्राइम फैंक्टरी, सिविल लाइन्स, गुड़गांव।

(भ्रन्तरक)

(1) श्रीमती मंजू गर्ग पत्नी श्री स्नामा नन्द गर्ग, नि० दुकान नं० 68/16, बसई रोड, गुड़गांघ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🖛 🗝

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी सं मंदि की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस ब्रूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विकास गया ही।

प्रमृत्युची

सम्पत्ति दुकान नं० 68/16 का श्राक्षा भाग, बसई रोड, गुड़गांव में स्थित है और जिसका श्रिविक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री सं० 2398 दिनाक 6-6-84 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

सारीख: 8-2-1985

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. च - -जायकर जिमित्वन, 1961 (1961 का 43) की

नायकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धरा 269 म्(1) के अभीन सुमना

भारत सरकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं० गुङ्गाव/90-ए/84-85---श्रतः मूझे, श्रार० के०भयाना.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 68/16 के पीछ छहाता पर स्थित बसई रोड, गुड़गांव सख्या वाली, एक ताख क० से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्मत्ति (जिसका और अधिक विवरण नीचे की अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अनतरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेंगन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के गुड़गांव स्थित कार्यालय से रिनरट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, नारीख 6-6-84 को रजिस्ट्रेंगन सं० '7309

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंत-रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप

- (क) अन्तरण से झुई किभी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

्रजाः अब उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कुंब्धीन, निम्नृलिसित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती सन्तोष कुमारी पत्नी श्री बलबीर कुमार, नि० मकान नं० 528/16; ग्राईस फैंक्ट्री, सिविल लाइन्स, गुड़गांव ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतीं मंजु गर्ग पत्नी श्री आशा नन्द गर्ग, नि० दुकान नं० 68/16, बसई रोड, गुड़गांव।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ष सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र हनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मीं हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मीं किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसंची

सम्पत्ति दुकान नं ० 68/16 के पीछे का भ्रहाता, बसई रोड, गुड़गाव में स्थित है और जिसका भ्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री सं ० 2399 दिनांक 6-6-84 पर दिया है।

श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, रोहतक

तारीख : 8-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहें दी एन एस _------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)ं अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 फरवरी, 1985

सं० गुड़गावां/105/84--85ः---अत मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

धीर जिसकी संख्या भूमि 5 एकड़ 10 म० 20992.38 व० म० संख्या बाली, एक लाख ६० से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति जिसका धीर अधिक विवरण नीचे अनुसूची में विया गया है को, जिसका अन्तरण ट्रांस्फर ग्रीर रजिस्ट्रेशन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के गुड़गांवा स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, रजिस्ट्रेशन सं० 2751 के अतर्गत किया गया है)

तारीख 19-6-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उणित काजार मूल्य से कम के एथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे एश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, पिम्नुलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्त्रविक रूप से क्थित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

हतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन नियम की ब्रायन व्यक्तियों, अर्थात् :--

सर्वश्री राम चन्द्र
बलबीर सिंह उपनाम भोलू
बलबन्त सिंह पुत्र भीम सिंह
रिसाल सिंह पुत्र लीला राम
गांव सिकोहपुर
तहसील श्रीर जिला गुप्रगांव।

(अन्तरक)

2. मै० लेकर आयल टूल्स (इण्डिया) प्रा० लि०। 15 बी, आत्मा राम हाउस, टालसा राय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताशीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदब्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उम्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

सम्पति भूमि 5 क० 1 एकड़ 10 म० गांव सिकोहपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कायोलय गुड़गावां में, रिजस्ट्री संख्या 2571 दिनांक 19-6-84 पर दिया है।

> आर० के० भयानक्ष् संतम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

धिनांक: 7-2-1985

मोहर 🛭

प्रकृत आहे .टॉ. एव . एव 🗈 -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

मारुव तरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (नि<u>ड</u>ीक्सक) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 फरवरी, 1985

सं० गुड्रगांघा/106/84-85:---अत मुझें, आर० के० मयाना,

नायकर निर्मियम, 1961 (1961 का 43) (श्विस इसमें इसके परिवाद उन्दा निर्मियम कहा गया हैं), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाधार मृस्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

भौर जिसकी संख्या भूमि एक एकड़

5 क० 15 म० संख्या वाली, एक लाख रू० से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका ग्रीर अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को, जिसका अन्तरण (ट्रांस्फर) ग्रीर रजिस्ट्रेंगन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के गुड़गावा, स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) रजिस्ट्रेंगन सं० 2752 के ग्रन्तर्गत किया गया है तारीख 19 -6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दूस्यमान प्रतिफल से, एसे दूस्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया चंचा है में

- र्थुक) जन्मरण वे हुन्द किथी जान की वानत, उन्हें अभिनियस के जभीन कुट देने की जन्मरक औ दायित्व में कमी केदने वा उससे वचने में सुविधा के सिहु; बॉट्∕वा
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या नन्य नास्तिकः को निम्हें भारतीय जायकार निधीनयम, 1922 (1922 को 11) या उत्तत निधीनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया धना था या किया धाना चाहिए था, छिवाने में सविधा के जिए;

ं अतः अव, उक्त आधिनियमं की धारा 269-**ण के अमृतरण** में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसि**र्वत स्पन्तियों, अर्थात्** :—— सर्वश्री रामपत वलीप
पुत्रगण श्री राम चन्द्र पुत
महागिह
राम चन्द्र बलबीर सिंह
पुत्रगण शीला राम
नि० सिकोहपुर
तहसील जिलागुडगांवा।

(अन्तरक)

मै॰ बेंकर आयल टूल्स (इण्डिया) प्रा॰ लि॰: 15 बी आश्मा राम हाउस

1, टालसटाय मार्ग, नई विल्ली

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वाइत;
- (क) इस तृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकीं।

स्पद्धीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्क विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया नवा है।

and the state of

सम्पत्ति भूमि एक एकड़ 5 कनाल 15 मरले गांव सिकोह पुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्रीकरण संख्या 2752 दिनांक 19-6-84 पर दिया है।

> आर॰ के॰ भयाना ॄसक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

विनांक: 6-2-198**5**

मोह्रु 🖫

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिमांक 8 फरवरी, 1985

सं० जींद/19/84-85:—अल मुझें, आर० के० भयाना, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि रुष्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या जींद पर स्थित है ग्रौर 60 कनाल 07 मरले संख्या वाली, किं लाख रू० से अधिक के उचित मूल्य बाली सम्पत्ति (जिसका अचल ग्रौर अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है, को, जिसका अन्तरण (ट्रांस्फर) श्रौर रजिस्ट्रेंशन, रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के जींद स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, रजिस्ट्रेशत सं० 1147 के अन्तर्गत किया गया है तारीख 7 -7-1984। को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसको दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बावेत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायिक्स के कमी करने वा उक्तस बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्पाने में सुविधा के लिए;

वतः जनः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् ह— श्री बिपिन कुमार
पुत्र मृत्वका
श्रीमती रामकली विधवा
श्री राम चन्द,
निवासी जींद।

(अन्तरक)

- 1. श्रीमती केसर देवी विधवा श्री तेलू राम
- 2. श्री भगवान दा० पुत्र श्री मूल चन्द
- श्री गोबिन्द राम मित्तल [पुत्र श्री श्रोम प्रकाण
- 4. श्री मह्मा नन्द सिंजल ्पुत्र स्थ० श्री लक्टमन वास
- 5. श्री सुभाष चयद्र पुत ंपुत्र श्री प्यारे लाल
- 5. श्रीमती राम देवी

 पत्नी श्री हरगोबिन्ध

 श्रीमती सुदर्शन कुमारी

 पत्नी श्री शाम लाल, बजरिये,

 मैं ० पंजाब टिम्बर स्टोर जींद, मण्डी।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्यक्ष से 45 विन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्यक्रिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

जन्सूची

सम्पत्ति 60 कनाल 7 मरले जो कि जींव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जींव में रजिस्ट्री संख्या 1147 विनोक 7-6-84 पर विया है।

> आर० के० भाषाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणु) अर्जन रेंद, रोहदक

दिनांकः 8-2-85

मोहर 🤢

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंजन, रोहतक

रोहराक, विमांक 8 फरवरी, 1985

निर्वेश सं० रिवाड़ी/6/84-85-अत: मुझे, आर० के० भयाना, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिलं इतमें इसमें दसमें परवात 'जबत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ह के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या करना रिवाड़ी पर स्थित है जो दुकान संख्या वाली, एक लाख रू० से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका भीर अधिक विवरण नीचे अनुसूची में विया गया है) को, जिसका अन्तरण (ट्रांस्फर) भीर रिजस्ट्रेशन, रिजस्ट्रोकची अधिकारी के रिवाड़ी स्थित कार्यालय में रिजस्ट्रोकचण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, रिजस्ट्रेशन सं० 584 के अन्तर्गत किया गया है तारीख 2-6-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रिक्षिल से, एसे स्वयमान प्रतिस्कल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखित उस्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उसत सीध-विवास के बधीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कामी करने वा उससे बचने में मृतिभा के लिए सीर/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय आयकर किमीनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्व अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जियाने में मुनिधा के लिए;

कतः अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर् मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपधारा (१) के अधीन, निम्निलिकित मिक्तियों स्थातः 39—516GI/84 श्री चन्दू लाल पुत्र श्री छंगा मल पुत्र वंशीधर, निवासी रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़।

(अन्तरक)

श्री अनिल कुमार
पुत श्री हरी शंकर जैन,
निवासी घरखी दादरी,
द्वारा मुन्ना लाल, श्रोकार मल,
कपड़ा विकता, गुड़ बाजार,
रिवाई।

(अन्तरिती)

कर यह सूचना बारी करके पृशांकर सम्परित के अर्गन के निष् कार्यमहिमां करता हूं!

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाकांब्ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 हिन की जब्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तार्माल के 70 दिन की अवधि , ज्याधी अवधि बाद को समाप्त होती हो, के मीत्र पृथाँक अविकास में से किसी व्यक्ति त्यारा;
- (क) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत दारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक स्था:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो जनत अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

वनसधी

सम्पत्ति दुकान हाउस टैक्स तं० 1318-19 जो कि गुड़ बाजार रिवाड़ी में स्थित हैजिसका अधिक विजरण रिजस्ट्री कत्ती के कार्यालय, रिवाडी में रिजस्ट्री सख्या 584 दिनांक 2-6-84 पर दिया है।

> आए० ते० महाना, नक्षम प्राधिकारी, पहायक आयकर आपुनन (निरीक्षण) अर्जनरेज, रोहतक

दिनांक: 8-2-1985

प्रसम्प मार्थ, टी. एन. एस.--

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन कृषना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
. अर्थन रेंज, रोहसक

अजम रज, राहतक

रोहतक, दिनांक 8 फरवरी 1985

्रु निर्देश सं० रिवाडो/7//84-85--अतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य एक /-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या एक धुकान है तथा कस्या रिवाडी में स्थित है (जिसका और अधिक विवरण नीचे अनुमूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण (ट्रांस्फर) और रिजस्ट्रोणन, राजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के रिवाडी स्थित कार्मालंब में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीन 18-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूकों यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किया नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरम से हुड़ किसी नाथ की बाबत, उपत निधिनियम के अधीन कर दोने के बस्तरण के वाधित्व में कभी भाग्ने या उसस जन्मने से स्विधा के सिष्ट; खरि/वा
- (क) एंसी किसी लाव वा किसी भन मा अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उपले अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनार अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया वया था या किया वाला अभिना । जिल्ला निवास के लिए;

अतः वन, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन किरणीलिंखित स्यक्तियों, अधीन क्रिक्त श्री हरी राम पुत्र श्री छंगा मल पुत्र ला० बशीधर निबासी कस्बा रिवाड़ी जिला महेन्द्र गढ़

(भ्रन्तरक)

श्री राम प्रकाण
 पुत्र श्री बनारसी दास
 पुत्र ला० मुझा लाल
 दारा मुझा लाल औकार मल
 कपड़ा विकेता गुड़ बाजार, रिवाड़ी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रों कत संपरित के वर्षन के विश् कार्यपाहियां कारता हूं।

उक्त संपृत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी बाध्येय !! ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यविध पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क्षेत्र 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार्व सिवित में किए जा सकोंने।

स्वकाक रणः — इतमे प्रयुक्त कब्दों और पवां का, जो उवस् अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्त्रकी

सम्पत्ति दुकान हाउस टैक्स नं० 1318-19, जो कि गुड़ बाजार रिवाडी स्थित है जिसका ग्रीधक विवरण रिजस्ट्री-कत्ती के कार्यालय रिवाडी रिजस्ट्री संख्या 841 विनांक 18-6-1984 पर कृविया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकेरं ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 8-2-1985

प्रकार आहे ु ट्रियुर यु **एक**्रक्त-स्थानस्थ

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सहकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रज^{*}न रेंज रोहतक रोहतक, दिमांक 12 फरवरी 1985

निर्वेश सं० सिरसा/1/84-85-आर० के० भयाना आयकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या दुकान 167 ए० है तथा जो ग्रनाज मण्डी सिरसा पर स्थित है (जिसका और ग्रधिक विवरण नीचे ग्रनुसूची में दिया गया है) जिसका ग्रन्तरण (ट्रांस्फर) और रजिस्ट्रोगन रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के सिरसा स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 23-6-1984 (रजि०सं० 1831)

की पूर्वोक्त सम्मित्त के उणित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उणित आजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ने) और अंतरिती (अन्तरितिओं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण 'लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) नन्तरभ से हुई किसी बाय, की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना जाहिए था जिपाने में सुविधा को जिहा;

बार: बाब, उक्त बाधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरक में, में. इक्त बाधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को बाधीन, निम्नलिखिय व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री रामेश्वर दास
 पुत्र श्री कश्मीरी लाल
 पुत्र लाला मंजू राम
 मुख्तार श्राम श्रीमती पुष्पा देवी
 घर्म पत्नी, खुद
 निवासी नई श्रनाज मण्डी सिरसा।

(मन्तरक)

श्रीमती गीता वेवी
पत्नी श्री हीरा लाल
पुत्र श्री राजा नन्द,
निवासी गांव भादरा
श्री गंगा नगर द्वारा
मैससे सुभाष चन्द हरींश चन्द
160 श्रनाज मण्डी सिरसा।

(भन्तरिती)

कां यह सूचणा जारी कारके पूर्यावत सम्पत्ति के अर्जन को लिय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रांख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी य पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाध्वीकर्ण:---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पर्वो का, जो उक्त वीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया ही।

अनुसूची

सम्पत्ति बुकान नं० 157 ए० नई श्रनाज मण्डी, सिरसा में स्थत है जिसका श्रीधक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सिरसा में रिजस्ट्री संख्या 1831 दिनांक 23-6-1984 पर दिया है।

> ग्रार० के भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🎨

प्रकथ आहें. टी. एन. एस.---=---ध

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय . सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 फरवरी 1985 निर्देश सं० सिरसा/2/84-85--श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एक दुकान है तथा जो नई श्रनाज मण्डी सिरसा 157 ए पर स्थित है (जिसका और श्रधिक विवरण नीचे श्रनुसूची में दिया गया है) जिसका श्रन्तरण (ट्रांस्फर,) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के सिरसा स्थित कार्यालय मे राजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 13-7-1984 (रजि॰ स॰ 2205)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल कर पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (के) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कराह कव, उक्त विधिनियम, की धारा 260-व के अनुसरण की, की, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, विध्वतिश्वित व्यक्तियों, वर्षात् - श्री रामेश्वर दास
 पुत्र श्री कश्मीरी लाल
पुत्र लाला भन्जू राम
 मुख्तयार झाम श्रीमली पुष्पा देवी
 निवासी श्रनाज मण्डी सिरसा।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती गीता देवी
पत्नी श्री हीरा लाल
पुत्र श्री गजा नन्द
निवासी गांव भादरा
जिला श्री गंगा नगर
द्वारा मैसर्ज सुभाष चन्द हरीश चन्व
160 ग्रनाज मण्डी, सिरसा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कींगे।

स्पळीकरण:--इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वसा है।

अनुसूची

दुकान नं० 157 ए ग्रनाज मण्डी सिरसा में स्थित है जिसका ग्राधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय सिरसा में रजिस्ट्री संख्या 2205 दिनांक 13-7-84 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

विनांक: 12-2-1985

मो**ह**र ;

प्रथम् बार्च , द्यो , एन् , एक् , -------

नायकर निपित्यन, 1961 (1961 का 43) का नाज 269-च (1) के स्वीत सूचता

शास्त्र बरकार

कार्यांत्रम्, बहायुक नाथकर नामुक्त (निरीक्क)

ग्रर्जन रेंज रोहतक रोहतक, दिनांक 11 फरवरी 1985 निर्देश सं० हिसार/33/84-8**5-**-श्रतः मुझे, झार० के० सना,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसमें इसमें प्रमात् 'उक्त निर्मियम' कहा गया हैं), की भाउ 269-स के नभीन तक्षम प्राधिकारी को नह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्त सम्मित्त, चित्रका उचित बाजार बून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि 237 क० 12 म० पर स्थित है जो गांव दौलतपुर (हिसार) (जिसका और प्रधिक विवरण नीचे श्रनुसूची में दिया गया है) जो जिसका श्रन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के हिसार स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-6→1984 को रजिस्ट्रेशन सं० 1912

का पृथाकत सम्मतित के उभित बाधार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने की कारण है कि यथापूनों क्य संपरित का उभित बाबार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिकास से, एसे व्यवमान प्रतिकास का पंक्र प्रतिकात से विभिन्न है जीर अंतरिक (बंतरकों) और अंतरिती (वश्यद्वितियों) के सीच देशे सन्तर्भ के विक् तब बाबर न्या प्रतिक् कम निम्नतिवित उद्योद्य से उन्तर अन्तर्भ निवित्त में बास्तविक रूप से किंचत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण ते शृद्ध फिसी बाय की बावरु, उक्स अधिनियस की अधीन कर दोने के अन्तरण के दासिस्थ में कसी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिक्क व्यक्ति/या
- (क) एची किसी बाय ना कियी पन वा अन्य जारितायों को, जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या तक्त अधिनियम, या भन-कर व्याधिनयन, 1957 (1957 का 27) के श्रोकनर्थ कर्यक्रियों कृषस्य प्रकट नहीं किया क्या था वा विका क्षा वाहिए था, कियाने में सुविधा के निक्ष

जत: अब, उक्त विकिथम की धारा 269-ग के अनुन्दरण में, में,, उक्त विधितयम की धारा 269-म की उपधारा (१) दे विधीय जिल्लीकीच्या व्यक्तियों वर्षात् स--- श्री लाल सिंह उर्फ लाल चन्द
 पुत्र मोलङ राम
 पुत्र फूल चन्द
 निवासी मण्डी कलां, तहसील नरवाना,
 जिला जींद ग्रव निवासी बवाला,
 तहसील व जिला हिसार

(भन्तरक)

2. सर्वश्री पृथ्वी सिंह लाम्बा पुत्र सोहन लाल लाम्बा, प्रदीप लाम्बा पुत्र पृथ्वी सिंह, योगेन्दर सिंह पुत्र रामजी लाल; श्रीमती सुलोचना पत्नी योगेन्द्र सिंह निवासी गांव दौलतपुर तहसील व जिला हिसार।

(श्रन्तरिती)

बाह्रे बहु सूचना पारी करके पूर्वांक्त सम्परिश के अर्चन के निष् कार्यनाहियां करता हूं।

बन्द कुम्रीत्व के बर्जन के सम्बन्ध में ओर्ड भी नासोद्ध-

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन की अवश्यि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवश्यि, जो भी ववश्य बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर प्रांच्य व्यक्तियों में से किसी स्पन्तित बुवारा;
- (व) इस त्वना के राजधन के प्रकाशन की वारीय ने 45 बिन के भार र उकत स्थावर सम्परित में हिनवहुब् किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा न्भोहस्ताकृरी के पास सिवित में किए जा बकोंगे।

स्वाहितरण:--इतने प्रयुक्त सन्दों भीर पदी ता, को सन्धा -- विकिथन, के स्थाब 20-क में परिसादित हैं, नहीं सर्थ होगा जो उस स्थाब में दिना नवा हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 237 कनाल 12 मरले गांव दौलतपुर (हिसार) में स्थित है और जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्त्ता के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्री संख्या 1912 दिनांक 27-6-1984 पर दिया है

> न्नार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 11-2-1985

मोहर ध

प्ररूप शादीः टी., एनः, एसः, ------

आयकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-भ (1) के अभीन सुचमा

धारत तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, रोहतक

रौहतक, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं०अम्बाला | 43 | 84 - 85 --- अतः मुझे, ग्रार० के० भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य एक लाख रु. से अधिक है

जो मकान नं ० 16 संख्या वाली, जिसका श्रीर अधिक विवरण नीचे अनुसूची में विया गया है), जिसका अन्तरण (ट्रांसफर) श्रीर रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के अम्बाला स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-1984 (रजिल्से २०७२)

के अधीन, तारीख 27-6-1984 (रिजिंग्सं 3072) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्था पूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरिक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरिताम) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया। गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उसले बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के तिष्;

अतः अव, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः— श्री सम्पूरन सिंह पुत्र श्री सन्तोख सिंह, निवासी मचोदा तहसील अम्बाला ।

(अन्तरकः)

2 श्रीमती सीता देवी पत्नी श्री जोगिन्दर प्रसाद, निवासी म० नं० 46, दयाल बाग, अम्बाला कैंट।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित् के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इतु सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवभि, जो भी जनभि नाद में समाप्ता होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित वृवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए वा सकेंचे।

स्वाक्ष्यंकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बं और पूर्वों का, यो सबक्ष अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं क्षे होगा यो उस क्ष्मान में दिवा दवा है ।

अनुसूची

सम्पत्ति म० नं० 46 जो कि दमाल बाग अम्बाला कैंट में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 3072 दिनांक 27-6-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 11-2-1985

হাৰৰ প্ৰাছ'_ত হী_এ দুব_এ পুৰ_{া সমস্য}

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 11 फरवरी 1985 निर्देश सं रादौर/10/84−85—अतः मुझे, आर० के० मयाना,

बायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की-धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या रादौर बपोली रोख पर स्थित है जो 2 कनाल 18 मरले संख्या वाली, (जिसका श्रीर अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया) को, जिसका अन्तरण (ट्रांसफर) श्रीर रिजस्ट्रेशन, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के रादौर स्थित कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-6-1984 को रिजस्ट्रेशन सं० 1732 है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिकक रूप से किथ्स नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वावित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एनी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 म्घ के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा ।(1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री अशोक कुमार
 पुत्र श्री रामदयाल
 पुत्र श्री लक्षमन दास
 निवासी रादौर, जिला कुरूक्षेत्र।

(अन्तरक)

अग्रवाल आइस फैक्टरी रादौर,
 जिला कुरूक्षेत्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपंक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जग्तुची

सम्पत्ति भूमि बिल्डिंग सहित 1754.5 वर्ग गज जो बपौली रोड रादौर पर स्थित है जिसका अधिक विवरण .रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय रादौर पर रजिस्ट्री संख्या 445 दिनांक 15-6-1984 पर दिया है।

> आर० के० मयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

विनोक: 11-2-1985

मोहर 🛭

प्रकृष काइ¹. टी . एव . एस . ------

गिय हर पश्चि**नियम, 1981 (1981 था 43) की छा**रा 283-म(1) के **प्रशीत सूब**ना

भारत मरकर

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक, 11 फरवरी, 1985

निर्देश स० करनाल/24/84-85--अतः मुझे, आर० के० भयाना.

बावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या अरबन इस्टेट करनाल पर स्थित है जो मकान नं० 1974 संख्या वाली, एक लाख रू० से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पन्ति (जिसका श्रीर अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण (ट्रासफर) श्रीर रिजस्ट्रेशन, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के करनाल स्थित कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-6-1984 को पूर्वेक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाज़त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने भी जन्तरक औं दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के जिए; और/वा
- (व) देशी किसी जाय वा किसी भन या अस्य आस्तिको को ,ूचिन्ह भारतीय आय-कर अभिनियस, 1922 (1927) का 11 एका अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्यास प्रकट नहीं किया दया था या किया जाना चाहिए था, स्थियाने में मुविना के लिए:

बक् कब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिबत व्यक्तियों, अधीन, हम्मिलिबत व्यक्तियों, अधीन,

श्री भूपिन्दर सिंह
 पुत श्री साधू सिंह,
 निवासी 1974/13 अरबन इस्टेट, करनाल।
 (अन्तरक)

श्रीमती सरबजीत कौर पुत्री
मेजर गुरदियाल सिंह मान,
निवासी गाव टलआरन आना,
तहसील सरहिन्द (पटियाला)
(पटियाला)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में क्रोई भी बाक्षेप ८--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशक की तारीक से 45 दिन की जनभि मा तत्सम्बन्धी क्यों कर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी क्यों भा दाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकें कर क्यों में से किसी क्यों कर बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हिसबक्ध कियी जन्म व्यक्ति स्वारा जभोह्स्ताकरी के पाद निवित में किए या सकें ने ।

स्पर्वतिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया दवा है।

गन्स्ची

सम्पत्ति जो कि मकान अरबन इस्टेट करनाल मे स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्री कर्ता के कार्यालय करनाल रिजस्ट्री संख्या 1732 दिनाक 11-6-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण र्फ्रे अर्जन रेज, रोहतक

दिनांक . 11--2--1985 मोह्रर छ प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक
्रोहतक, दिनांक 12 फरवरी, 1985
निर्देश सं०पानीपत/33/84-85:—अत मुझे, आर० के०
भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपरचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित वाजार मृत्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या तरफ इन्सार पानीपत है जो 5 बीघा 18 विस्वा संख्या वाली, एक लाख रू० मे अधिक के उचित बाजार मूख्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका ग्रेर अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है (को जिसका अन्तरण (ट्रांसफर ग्रौर रिजस्ट्रोगन, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के पानीपत स्थित कार्यालय में नै रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, रिजस्ट्रीणन सं० 1506 के अन्तगर्त किया गया है तारीख 21-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शवस, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अल- अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :── 40 ─516G1/84 श्री अमरीक सिंह पुत्र श्री केसर सिंह, निवासी पानीपत।

(अन्तरक)

 लुधियाना बुल एण्ड णाल मैन्यूफक्चरिंग एसोसियेशन लुधियाना द्वारा जगदीश लाल पुत्र श्री हंस राज निवासी लिधियाना।

(अन्सरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में शकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी जदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुस्ची

सम्पत्ति भूमि 5 बीघा 18 बिस्वा जो कि तरफ इंसार पानीपत में स्थित हैं, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय पानीपत रजिस्ट्री संख्या 1506 दिनांक 21-6-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंग, रोहतक

दिनांक: 12-2-1985

मोहर.

प्ररूप बाइ .ट. एन .एस . -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर काय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, रोहतक

रोहतक, विनांक 11 फरवरी, 1985

निर्देश सं० पानीपत/38/84-85:-- प्रत मुझे,, प्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या इण्डस्ट्रियल एरियापानीपत में स्थित है जो प्लाट 1837/5 संख्या वाली, एक लाख रुपय से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली भ्रचल सम्पत्ति (जिसका और भ्रधिक विवरण नीचे भ्रनुसूची में दिया गया है) को जिसका भ्रन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के पानीपत स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, रजिस्ट्रेशन सं० 1644 के भ्रन्तर्गंत किया गया है तारीख 28-6-1984

को पूर्विक्त संपत्त के उिचत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्य है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री जै० कंवर सिंह पुत्त श्री रघबीर सिंह, निवासी 106 वार्ड नं० 5, पानीपत। श्रीमती उषा रानी विधवा श्री राज मार, निवासी 83 बी वजीर चन्द्र कालोनी, करनाल।

(भन्तरक)

 मै० सुन्दर इण्डस्ट्रियल कारपोरेशन द्वारा श्री नसीब चन्द्र पुत्र श्री बाबू राम द्वारा ग्रग्रवाल हार्डवेयर स्टोर संगरूर रोड, धुरी, पंजाब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सम्पत्ति प्लाट 1837.5 वर्गे मीटर **जो इण्ड**स्ट्रियल एरिया पानीपत में स्थित है जिसका श्रधिक से श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 1644 ''दिनांक 28-6-1984 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, रोहतक

दिनांक: 11-2-1985

मोहर 🤋

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निवेश सं० पानीपत/39/84-85:--श्रत मुझे,श्रार० के० भयानाः शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र_ा. से अधिक है भीर जिसकी संख्या तरफ इन्सार पानीपत है जो 10 बीघा 10 बिस्वा संख्या वाली एक लाख रू० मे प्रधिक के उचित बाजार मुल्य वाली श्रचल सम्पत्ति (जिसका श्रीर मधिक विवरण नीचे प्रनुसूची में दिया गया है) को, जिसका अन्तरण (ट्रांसफर भौर रिजस्ट्रेशन, रिजक्रस्ट्रीकर्ता अधिकारी के पानीपत स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, रजिस्ट्रेशन सं० 1976 के भन्तर्गत िक्या गया है तारीख 29-7-1984 की पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम को क्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गर्ध है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और

अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे

अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उद्देश्य

से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया

गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौद/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

असः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)। के अधीन, निम्नसिक्त व्यक्तियों वर्षाध्या—

- सर्वश्री जागीर सिंह, दलीप सिंह, लखबीर सिंह, जसबीर सिंह पुत्रगण श्री पाल सिंह,
- श्रीमती दलीप कौर
 व श्रीमती गुरमीत कौर,
 लखनिन्दर कौर
 पुत्ती श्री प्यारा सिंह,
 निवासी गण तरफ इन्सार, पानीपत ।

(धलरक)

 वृद्धियाक्ष होजपी क्ष्म उक्ताक्ष क्सोतिक्षेच क्षि ्याक्रोपुरी चौक, वृद्धियाका ।

(अन्त(रती)

, का यह सूचना जारों करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कामगाहिया करता हूं।

उस्त सम्मित्त के सर्थन की सम्बन्ध में की हैं भी अक्षेप के-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्साक्षरी के पास सिक्तिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त कन्दों और पर्वों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्मु व्य

सम्पत्ति भूमि 10 बीधा 10 बिस्वा जो कि तरफ इन्सार पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत रिजस्ट्री संख्या 1676 दिनांक 29-6-84 पर दिया है।

म्नार० कॅ० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, रोहतक

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🖟

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

बायकर निपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन सुचना

पाइट सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैसराबाद

हैदराबाध, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० आर० ए० सी० नं० 407/84-85:---श्रतः मुझे एम० ज्ञान मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्भात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बानार मृन्य, 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या भूमि श्रीर बिल्डिंग है, जो कोरी टीपाडू श्रार० आग्रहारम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूत से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गुंटूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जून, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धश्यमान प्रतिफाल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिघात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिय नई पाया गया प्रतिफाल निय्तिश्वित उद्देश्य से धक्त बन्तरण सिचित में शास्त्रिक एस से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई फिली नाम की बाबक, उक्ष जिपिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के विक्ति में कनी करने या उससे मणने में सुविधा वे किए; बीए/या

जर. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्प अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैसर्स ट्डेक्कन भाग्रो इण्डस्ट्रिज लि०, गुंटूर। (भन्तरक)
- 2. मैसर्स पोलीसेट्टी सोमसुन्दरम प्रा० लि० मैनेजिंग डायरेक्टर श्री पि० इ० गुप्ता, भार० भागहारम, गुन्दूर।

(अन्तरिती)

को थष्ट सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से \$5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिवयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी, वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स कास्तियों के से किसी व्यक्ति हवारा.
- (थ) इब सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीका वे 45 दिन के मीतर धकर स्थावर सम्मित्त में हिह्मकर्थ किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्साक्षरी के मान सिवित में किए वा सकेंचे।

स्थक्तकिरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्त और पर्दों का, जो उत्थर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तक्की अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि ग्रीर इमारत, ग्रार० ग्राग्रहारम, ग्रीर कोरीटीपाडू, गुंदूर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7808/84 रजिस्ट्री-कर्ता ग्रीधकारी गुंदुर ।

> एम० जगम मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाव

सारीख: 12-2-198**5**

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (विरोक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाध, धिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं श्रार ए० सी० नं 408/84-85--- मृतः मृतो, एम० अगन मोहन,

बायकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित, जिसका उच्चिम बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संभूमि है, जो नल्लापाडू, गुन्दूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालयश्र गुन्दूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन जुन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिकत्त के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिकत से, एसे द्वयमान प्रतिकत कर पन्द्रहीं प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते शुद्ध किसी बाव की बावद , उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते अभने में सुविधा । के लिए; बाँड़/या
- (क) ऐसी किसी अय या किसी धन अन्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपका अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

 श्री डी॰ चीना हार्नामी रेड्डी श्रीर भन्य नल्लापाडू, गुन्दूर।

(ग्रन्तरक

1. श्री एम० शतमुखमचेट्टीयर श्रीर भन्य, केश्वर श्राफ श्री कामाची काटन जीनिंग भौर श्रेंसिंग फैन्ट्री, 88 एफ० /7-9, (1) कामराज रोड, तीरूपुर 638 604 तमिलनाड्ट।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

तकत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति खुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उच्च अध्याय में दिवा ववा है।

मन्सूची

भूमि विस्तीणें 4-17 सेंट्स, नलापाडू विलेख, गुन्टूर, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 8308, 8267, 11102, 8403, 9404, 9465 श्रीर 9081/84 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गुस्ट्र।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) भ्रजन रेंज,हैदराबाद

. जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में भों, भों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 12-2-1985

प्रकप आहें हो. एन्. एस.-----

जायकर जीभीनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुम्ला

शास्त बरकार

कार्यालय, सहायक मध्यकर सामृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 409/84-85---अतः, मुधे, एम० जगन मोहन

नायकर अभिनिनमं, 1961 (1961 का 43) (विश्वं इसमें इसमें परभात जनत अधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-व में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित गावार मन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो काकीनाडा में स्थित है (भीर इससे उपाबच अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रिजस्ट्रीकरण अधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को प्वोंक्त सम्मिल्त के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपीत्त का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निस्तित उप्वेच्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरम से हुई फिलीं शाय की पावत्, उथव विधितियम् के वधीत कर दोने के बृत्तरक के वादित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; वार/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अफितयों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकतं अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। या मिल्या जाना जाहिए था, किपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती वी० सूर्यकांतम पति श्री वेंकटराजू, काकीनाडा (

(अन्तरक)

(2) श्री एम० कोटेश्वर राव पिता श्री बूचस्या, गनपावरम, चीलका जूरीपेटा, गूंट्र ।

(अन्तरितो)

का नह सूचना नारी करके पृत्राविक संपरित के अर्थन के जिल् कार्यनाहियां करता हुए।

उन्त कमित के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस ब्यान के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में तमाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितवद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा तकोंगे।

स्वव्हीकरण;—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जों, उक्त विभिनयम, के बभ्याय 20-क में परिस्माधित हैं, यही वर्थ होंगा, वो उस अध्याय में दिया यस है।

धनुसूची

भूमि विस्तीणें 1306 चौ॰ गज, काकीनाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 5375/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, काकीनाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबारू

तारीख: 12-2-1985

प्रक्य बाइं.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनिधम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्पना

भाइत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर मायुक्त (निरक्षिण)

अजन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 410,84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्तास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नावार मृत्य 25,000/- रा से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गूडावली विलेज, कृष्णा जिला में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान मित्रुक्त के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विकास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आवार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित्र में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय की बानत अक्ट अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना वाहिए था, सिपाने में स्विधा के तिए;

बतः वाष, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जम्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री जी० वीरमद्वाराव श्रीर अन्य, गुडायली, कृष्णा जिला।

(अन्तर्रक)

(2) श्रीमती के० सत्यवतम्मा पति श्री नागभूषनम, भीमावरम, वेस्ट गोवावरी जिला।

(मन्तरिती)

को वह सुचना जारी करको पूर्वोक्त संपर्शिको अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षम के सम्बन्ध में कोई भी वाक्तेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीम से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवारा;
- (व) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण .----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा पृरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, गृहावली विलेज, कृष्णा जिला, विस्सीर्ण 2 एकड़, 34 गूंठे, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3531, 3476, 3460 श्रीर 3508,84, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, विजयवाड़ा ।

एस० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अनर्ज, रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-2-1985

प्रकम् बार्डः हो . एन . एस . ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वं (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, हैदराधाव

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 411/84-85-अतः मुप्ते, एम० जगन मोहन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० भूमि भौर सम्पत्ति है सथा जो नन्दीगामा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नन्दीगामा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 6, 1984

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेंद्रय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; अद्भिया
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों कां, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथ, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उथरा अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीना, निम्निजिबित व्यक्तियों, अर्थातः :--- श्री के० वेंकटेश्वर राव, नन्दीगामा, जिला कृष्णाः

(अन्तरक)

(2) श्री उमा माहेश्वर ग्राउन्ड नंट मार्डन दाल धौर आइल मिल, बाई पार्टनरश्री डी० पुल्लय्या घौर अन्य, नन्वीगामा पोस्ट, जिला कुण्ण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित ब्र्भू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासे लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

भूमि भौर फैक्ट्री बिल्डिंग, नन्दीगामा जिला कृष्णा रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 1800, 1801, 1802 और 1803/84, रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, नन्दीगामा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, हैदराबाद

सारी**ख** : 12-2-85-

प्रसम् भाष्ट्री, दी. एन्. एक् ,-------

नातकर वॉभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अजंन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 412,84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार मून्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० घर है तथा जो मानूमानपेट, विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अग्रीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबतर कृत्य से कन के क्यमान प्रिक्तिका के लिए अप्तारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य उसके क्ष्यमान प्रतिपन्न से, एसे क्यमान प्रतिपन्न का पन्नत प्रतिपास से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए तथ तावा गया प्रतिपन्न विक्रिक्तियोंत कृत्यका से उच्छ अंतरण कि किए तथ तावा गया प्रतिपन्न विक्रिक्तियोंत कृत्यका स्थापन है है—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जान की वाब्त, उपल अधिनियम को जभीन कर दोने के ज्ञानरक की शायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा की सिए; जीड़/या
- (ब) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या बन्ध वास्तियों को , जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्च विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया बाबा वाहिए था किया वे स्विधा के सिए;

नतः अन उन्त निधिनियम की बारा 269-व के नन्सरक में, में, उन्त निधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निस्ति व्यक्तियों, क्यांत् :---- (1) श्री जी० अप्पाराव ग्रौर श्रीमती नागेदम्मा ग्रौर अन्य, सिंगाराजूबारी विधी, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री नारायणम गोपाल कृष्णा राव पिसा श्री वेंकटेक्वर राव, राजा रंगायण्या राव स्ट्रीट, विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बन्द बन्दित के वर्षन् के सम्बन्ध में काई भी जाओप .--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस स 45 विन की स्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 विन की स्वीध, खों त्री स्वीध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशक स्वीक्तयों में से किसी स्वीक्त ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हित-वहुध किसी नन्य स्थित वृद्धारा, अधोहस्ताक्षरी के शास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्वाकिरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दां और पदों का, या उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया यदा हैं॥

जगसची

घर सम्पत्ति, डी॰ नं॰ 14-8-10, हनुमानपेट, विजय वाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 3786/84, र्राजस्त्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरावाद

तारीख : 12-2-1985

प्ररूप बाइ . दी. एनं. एसं. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

फार्यानय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अजन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 413/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

स्रायकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्थात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं मिल है तथा जो मूलूकूंडूरू, जिला गूटूर में रियत है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोसूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृह्य हो कम कै। इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विष्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेस्थ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जान की वावत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी कारने या उत्तस्त वजने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय अस्य-कर विधिनवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किपिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिकत व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री बी० भूशस्या पिता श्री मूल्कूड्रू शिवारू, मचावाराम पोस्ट, गूंट्र जिला।

(अन्सरक)

(2) श्री बी० पिचय्या पिता श्री विरय्या, मूलूकुडूरू शिवारू, मचावाराम पोस्ट, जिसा गुटुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारि करके पूर्वों क्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जन्स संपत्ति के अर्थन के संबंध में कांडे भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ,सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पीस निवित में किए जा सकोंगे।

अम्स्र

राइम मिल, मूलूकूडूरू विलेज, मचालारम, गूंटूर जिला, रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 560/84, रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, पोसू है।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1985

269-ष (1) के बधीन स्वना

भारत् गरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनोंक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 414/84-85-अतः मुझो, एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो जिला गूंदूर में स्थित है (ग्रीर इममें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूंदूर में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ताराख जून, 1984

को प्रांचित संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्पति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं पाया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने हें स्विभा के सिए।

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, माँ, उक्त निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रो गालीब साहेब और अन्य, वेनीगांड्ला, गूंटूर।

(अन्तरक)

(2) गृंटूर को-आपरेटिय हाउस कस्न्ट्रक्शन सोसाइटी लिमिटेड बाई: श्रीजी० लक्ष्मी नारायणा, श्रीनियास नगर, गृंटूर।

(अन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में क्लोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्यभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए का सकें को।

स्पन्तिकरण: -- इसमं प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

नगत्त्रपी

भूमि वेनीगंड्ला पेदाकाकनी रेड्डी पालम, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 8757, 8746, 7976, 7921, 7683, 7682, 3362 और 3363/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गृंदुर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप आई. टी. एन, एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 415/84-85-अस:, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य $25 \cdot 1000$ - रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं घर है तथा जो पूट्रीवारी थोटा, गूंट्र में स्थित है (श्रीर इसैंसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूंट्र में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पिता के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिता का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिल्ला नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अधीत् :----

- (1) श्री जे॰ लक्ष्मीकांता राव, मचीलीपटनम ।
- (2) श्री के० मूषा राय पिता (ग्रन्तरक) श्री विरा रायवय्या, डी० नं० 13-2-57, गूंटूरवारी बोटा, गूंटूर।

(अतंरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

घर सम्पत्ति, गूंटूरबारी थोटा, गूंटूर, राजस्ट्रीकृत वि लेख नं० 7051 भीर 7040/84, राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गूंटूर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरानाद

तारीख: 12-2-1985

मोहर.

प्ररूप जाडाँ. टी. एन्. एस्. :==---=

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्**च**ना

भारत तरकार

कार्यानय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 416/84-85-अतः मुक्षे,एम० जगन मोहन

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके, पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25, 000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० सम्पन्ति है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पृतिफले के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अजित बाजार भूष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स कि कि है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त कन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियन के श्थीन कुर दोने के अंतरक के शामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और∕मा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-का जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनाथ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः जयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीन, निम्नृजि[िचत् अमिक्यों], वशीत् अ— (1) श्रीसी० एच० रामचद्रा रावश्रीर अन्य पाटामाटा, विजयबाङ्गा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० रामा राव मैसर्स आटोमैटिव रबर प्राडक्टस, सी-6, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, विजयवाडा ।

(अतरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की जबिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरी।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क भी परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्यास भी विका नया है।

नग्रम्

घरसम्पत्ति, इण्डस्ट्रियल एरिया, विजयवाड़ा, विस्तीण 1667 चौ० गज, भूमि भौर 2200 चौ० फीट शेंड एरिया, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा , रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3557/84 ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवरामाद

तारीख : 12-2-1985

मोहर 🖫

प्रस्थ लाहे .टी . एन . एक . ---------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 417/84-85:-- ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० घर है तथा जो नेलीर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नेलीर मे रजिस्ट्रीकर ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1984

की पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य'से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत को गई है और मूओ यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वों कत सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अतरितिशों) के बीच एम अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकत कि विस्तिशों। के बीच एम अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकत विस्तिशों। के बीच एम अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकत कि विस्तिशों। के बीच एस अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकत कि विश्वति उद्देश्य से स्वत् अन्तरण निविद्य में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण वं हुई किसी नाय की बाबत, उक्स अधिनियंत्र को अधीन कर योगे के सन्तरक की यासित्य में कमी, करने या अससे वचने में सुविया की सिंह; और/मा
- (का) एसी किसी जाय या किसी थन या अन्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकर जीधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के जिल्हे

(1) श्री डी० रगा रेड्डी,
 15, कैथेड्राल गार्डन रोड,
 नूंगमबाकम,
 मद्रास-34।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० राम लिंगा रेड्डी और श्रन्य, घर नं० 24/1622, दर्गामीठा, नेलीर।

(भ्रन्तिरती)

को यह सुमना मारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिप् कार्यकाहियां करता हु।

क्षण्य सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेष :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विक्षि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूत्रों करा क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकेंगे।

स्वक्टोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, जो उसका अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसुची

घर सम्पत्ति डी॰ नं॰ 24/1622, दर्गामीठा, नेलौर, रजिस्ट्रीकृत नं॰ 3541/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, नेलौर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

जत. जन, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अभिनियम की भारा 2**69-च की उपभारा (1)** के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🍇

प्रक्ष आहें. टी. एत. एस. ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० ग्रार० ए० सी० नं० 418 / 84-85--

न्नतः मुझे, एम० जगन मोहन

भागकर शॉधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 - रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० घर फ्लैट है तथा जो विजयवाड़ा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ला श्रिधिकारी का कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 । (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रीतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अत्तरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्मसिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनवार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-गार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्पिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की स्पधारा /1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --- (1) श्री डास० पांडुरंग राजू,पिता श्री एन० बी० नारायणा राजू,

विजयवाड़ा ।

(भ्रन्तरक)

(2) क्षीमती एम० धनोदरन पति
श्री कें , श्रार्० धनोदरन,
पार्टनर मैंसर्स सभापित राजेन्द्रन केंनल रोड,
विजयवाड़ा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथें कित मन्यिश के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांद्र भी जाक्षंण :----

- (क) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्विक्त में में किसी व्यक्तित कुलाय:
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से कि 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

बनस्ची

फ्लैट विस्तीर्ण 735 चौ० फीट, मोगलाराज पुरम, विजय-वाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख मं० 4327/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, विजयवाड़ा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-2-1985

मोहर:

प्रकार वाही, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराकाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश मं० श्रार० ए० सी० नं० 1010/84-85-- ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्द 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो पी० जी० रोड, सिकन्यराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रार० श्रार० जिला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अध्कि है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्सित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुइ किमी बाय की वावत, उक्त बीधीमसम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा; के बिए; और/था
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनयम, या धनकर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाडिए था कियाने में सविधा के लिए:

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः--- (1) मैं ० तूरके इंजीनियरिंग कन्ट्रिक्टींग, शमा श्रपार्टमेंटस, 138, पेंडरघास्ट, रोड, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कोरणेड रूस्तूम बिस्ने, 46, शमा भ्रपार्टमेंट्स, पी० जी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचन। बारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

धक्य कुम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्ष्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्लाम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका बना ही।

सराम की

प्लैट नं० 45, शमा अपार्टमेंटम, चौथा मजला, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 1660 चौ० फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3565/84, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, रंगारेड्डी जिला।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-2-1985

मोहर ेें:

प्रकथ काइ. टी. एन. एस. । ------

वायक श्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण) भूजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 1011/84-85--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट है तथा जो वालकर टाउन, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून; 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित दाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रदेतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय दाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उच्चेद्य से उकत अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तर्ण से हुन् किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सविधा के सिए: वरि/के
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियीं को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभग खें सिए;

जतः जव उत्रतः अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :——
42—516GI/84

(1) मैं० कमल रूप बिल्डर्स, 3-4-1983, टी० बी०, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

'2) श्रीमती एस० रिव चौधरी, एन० टी० पी० सी० ए~59, ज्योति नगर, करीम नगर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तिः वे वर्षन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 4, प्रथम तल, सुजाता ग्रपार्टमेंट्स, 6-1-138, बालकर टाउन, सिकन्बराबाद, विस्तीर्ण 700 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 287/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, सिकन्दराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक थ्राप्रकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-2-1985

मोहर:

पञ्च आहेल दी⊴ पन्<u>च प्रच</u>्यक्त----

बायकर अधिनियम : 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

BIEG BETAR

कार्यान्य , सहायक बायकर बायुक्त (निद्धांश्रक)

अर्जन. रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निवेश सं० आर० ए० सी० नं.० 1012/84-85-अतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' महा गवा हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,,000/-रुपये से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० दुकान है तथा जो टूबैको बाजार, सिकन्दराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीयक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के खायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने भें सुनिभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स श्रीनिवासा मार्केट कम्पलेक्स,
 2-1-41 ए,
 टूबैको बाजार,
 सिकन्यरोबाद ।

, अन्तरकः)

(2) श्रीमती पी० कौशल्या पति श्री जगन्नाथम, मृथू कुरू विलेज, जिला नलगों 51।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के सूर्वन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप "--

- (क) इत स्वान के रावपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की ताजीख से 30 दिन की जनिष, का भी जनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्यक्तियों में से किली ाजित व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर शक्त स्थायर सम्मत्ति में हितजब्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पानी करण: — इसमें प्रमुखत सन्दों और पूर्वे का, े जो सैंतर विधिनियम, के क्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्षे होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

दुकान नं० 2-1-41/ए/10, प्रथम तल, श्री निवासा मार्केट, टी० बी० सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 171 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 303/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 11-2-1985

ुसोद्धर ∄

प्र**क्य, भार्<u>ः</u> टी<u>. ए</u>न . एस**् ======

भाग्क अनुभिन्तियस् । 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) के स्थीन स्थना

भारत रहकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद दिनांक 11 फरवरी 1985

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 1013/8 4~8 5—अतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात जिस्तिमा अधिनियम' कहा गया है), की भाद्ध 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 25,000/- रुपए से अधिक है

स्पौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो वेस्ट मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद में स्थित है स्पौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में स्पौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजन्द्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्ति रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योगों से उक्त अन्तरण निखित बें बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिस्तियम के जभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 कर्ष 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्वास प्रकट नहीं किया ग्या धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६मै० मेघना कन्स्ट्रक्शन्स,
 225 ए, त्रिवेणी,
 वेस्ट मारेडपल्ली,
 सिकन्यराबाद ।

(अन्तरक)

(2) डा॰ होमी आर॰ मेहता फ्लैट नं॰ 2, ग्राउन्ड फ्लोर, 225 ए, वेस्ट मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---(क) इस स्वना के उपपन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;

(च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- नव्थ किसी जन्म व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पुरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ET G

म्लैट नं० 2, ग्राउन्ड फ्लोर, मेथना अपार्टमेंट्स, वेस्ट मारेड फ्ली, सिकन्दराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1336/8 4, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडफ्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप नाही. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन सूचना

मारत संस्थार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाव

हैदराबाद, दिनाक 11 फरवरी 1985

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 1014/84-85-अतः, मुझो, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स. फ्लैट है तथा जो रुक्मीणी देवी कालोनी, सिकन्दराबाद में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को प्रवोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ध्रयमाब प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ं-

- (क) अन्तरण से शुर्व किसी आय की वार्यत, संबंध मिनियम के अभीन कर बाने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने मा उससे बचने में स्थिता के ित्र, बाँड/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों क जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अथात :— (1) मैं ० गीतान्जली कन्स्ट्रम्थनस,
 225 ए, वेस्ट मारेडफ्स्ली,
 सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री वेकटरमना बाबू, प्लाट नं० 195, महेन्द्रा मिल्स, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के एजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकल क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में बिग्र जा सकोंगे।

स्पच्चीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषिकों हैं, वहीं अर्थ होगा को उस सध्याय में दिया गया है।

वनस्वी

प्लैंट नं० 3, प्रथम तल, गीताजिल अपार्टमेट्स, वेस्ट मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 1026 चौ० फीट, रिजस्ट्री— कृत विलेख नं० 1317/8 4, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेड-पल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अगन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 11-2-1985

मोहर:

प्रकृप बाइ^र. टी. एम. एत.-----

बायकार निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

शास्त सरकाड

कार्यां संबंधिक कार्यक र जायुक्त (भिरीकन) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरंबरी 1985

निदेश सं० 1015/8 4-8 5---यतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'खन्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से विधिक हैं

स्रोर जिसकी स० कार्यालय है तथा जो एम० जो० रोड, सिकल्दराबाद में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रिज्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रपिफल का पन्त्रह प्रिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- हिंही अन्तरण से हुई फिली साम की नावत, उपक्ष अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उपने में मुविधा भू सिद्धु और/वा
- (स) एंसी किसी शाय वा किसी भग वा अन्य वास्तिकों को जिन्ही भारतीय आय-कर प्रिंगितस्य, 1922 (1922 का 11) वा अवत विभिनस्य, वा भनकर विभिनस्य, 1957 (1957 का 27) के प्रकोशनार्थ वन्यारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए?

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं अबाबूखान विल्डर्स,
 5-4-86 से 92,
 एम० जी० रोड,
 सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैं इलेक्ट्रिकल इण्डस्ट्रीज आफ ए० पी० आफिस नं० 636, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचन। चारी करके प्राप्तित संपर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के भर्जन के सम्जन्भ में कोई भी बाओप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वर्वीय या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधिः, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी स्पवित ब्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर जक्त स्थानर सम्परित में हिसबब्ध किसी कन्य व्यक्ति ब्वारा कथोहस्ताक्षरी के पाइ लिखिय में किए जा कर्यात.

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्स्ची

कार्यालय नं० 636, 5-4-86 से 92, रानीगज, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 439 घौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3565/84, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (र्गिरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्रक्ष वार्थं द्वी. एव . एथ .,-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

प्रान्दि सुरुकांड

कार्यस्य , सङ्ग्यक जायक हु जायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 1016/8 4-8 5--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट है था जो रुक्मीणी देवी कालोनी सिकन्दराबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपामद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय मारेडिपल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 198-4

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जारण हमा कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जारण हमा कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जारण का पन्त्रह प्रतिष्ठात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त विभिन्नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

उत. अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात ;--- (1) मैं ० गीतांजिल कन्स्ट्रक्शन्स,225-ए, वेस्ट मारेडपल्ली,सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी कमलेश राजेशाम,
फ्लैट नं० 5,
सेकन्ड फ्लोर आन फ्लैट नं०4,
फ्लमणी देवी कालोनी,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

क्रो यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नुर्वन के संबंध में कोई भी नाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, वभोइस्ताक्षरी के पास निवित में किये जा सकींगे।

अनुसूची

प्लैट नं ० 5, दूसरा मजला, रुक्मीणी देवी कालोनी, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 955 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1316/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

एम० जगन मोहन सक्षुम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. -----

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) से विभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (नि<u>रोक्षा</u>क)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 1017/84-85---अत:, मुझे, एम० जगन मोहन

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० कार्यालय है तथा जो काक्रा कम्मलेक्स, सिकन्दरा बाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाम ब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जूब, 1984

को पूर्वोक्त संप्रत्ति का उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान क्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था कियाने में के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमृसरम में, मैं, उक्त अधिनिय की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकिक व्यक्तियों, अधित् ह--- (1) श्री प्रवीन कुमार गन्त श्रीर अन्य, 108, नव युगनगर, नौवा फ्लोर, फोरजीत हिल्स, तार देवी, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दीपा पति
श्री रमेश आहूजा,
पर्लंट नं० 408,
तहसाइमान चेम्बर,
142-सा,पेंडरघास्ट रोष्ठ,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसरा;
- (च) इत् स्वना चै रावपृत्र में प्रकासन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबहुभु किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांध् निवित में किए का सकारी।

स्यख्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो जस अध्याय में दिया नया है।

अनुस्ची

कार्यालय नं० 206, दूसरा मजला, काका हिल्स एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 491 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 34/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप भाष्टे, टी., प्रमू, प्रस्कृतन्त्रन्तन्त्रन

मायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउा 269-च (1) के मधीन सुधना

सार्य चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1018/84-85--अत: मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक हैं अप प्राप्त जी एम जी रोड, सिकन्दराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1984

को पूर्वोक्रत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिघत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण कि लिए तम में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त जिभीनयम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे यचने में सुनिधा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया ग्रया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में मृतियश को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैं० काला एण्ड को०,
बाई श्री एस० प्रभाकर रेड्डी,
2-2-132 से 139,
एम० जी० रोड,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० मोहन राव पिता श्री हनुमन्त राव, 1-8-4/83, कृष्ण नगर कालोनी, पी० जी० रोड, सिकन्वराबाद ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

अन्त सन्पत्ति के कर्मन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप "---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्ध स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वशा है।

मन्त्र पर

कार्यालय नं० 204, दूसरा मजला, काक्रा कम्पलेक्स, 2-2-132 से 139, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 491.66 चौ० फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 318/84, राजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैसराबाद

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🖻

प्ररूप आहें .टी .एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निवेश सं० आर० ए० सी० 1023/8 4-8 5--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट है तथा जो दोमलगूडा, हैदराबाध में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जून, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए;

अतः अझः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः ——
43—516QI/84

(1) श्री जे० प्रभाकर राव ग्रौर अन्य,
 1-2-28 2/28 2-ए,
 दोमलगूडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कें प्रचम्मा फ्लैंट न 303, डी नं 1-2-28 2/28 र ए, दोमलगूडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को द सूचना जारी करके पूर्वे अंत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

धममनी

फ्लैट नं० 303. $1-2-282/282-\eta$, दोमलगूडा, हैदरा-बाद, विस्तीर्ण 900 चौ० वर्ग फुट, रिजस्द्रीकृत विलेख नं० 3320/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख 11-2-1985 मोहर ::

प्रकथ बाइ".टी.एम.एस.-----

भागकर अधितियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सुचना

गारक बॅडेकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयमः (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराखाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदश मं० श्रार० य० सी० नं० 1024/84-85-⊶यतः मुझो एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम', कहा गया हैं), की जार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिम्की मं० पर्लंष्ट है, तथा जो दोमलगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण हप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 क्षा 16) के अधीन जुन 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व भारती करने या उससे वचने मो स्विधा कंत्रिण, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, शा भन-कर अधिनियम, शा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय-भा या किया चाना आहिए था. कियाने में मृतिका के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग दें अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कुं अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अधीन, (1) श्री जे० प्रभाकर राव और धन्य
 1-2-282/282-ए०, दोमलगृहा,
 हैवराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० रघुनाथ, फ्लैट नं० 407, डी०नं० 1→2-282और 282-ए० बोमलगूडा हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्यृत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

ब क्य संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधाय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यक्तियों पश्च सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पश्च व्यक्तियों की सी व्यक्तियों में से सिम्प्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितयों में से फिसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्द्र्य किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पदों का, जो उनेक अधिनिधम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विक गया है।

वयसर्वी

फ्लैंट नं० 407, 1-2-282 और 282-ए, दोमलगूडा, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 900 बर्ग फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3318/84 रजिस्ट्रीकृती ग्रधिकारी, हैंदराबाद ।

> ए म० जगन मोहन सक्षम प्रोधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11—2—19**8**5

मोहर 🕆

प्रकृषः बार्डः दी . एन् . एसः . -----

नायकर नीभीनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन स्वता

नारत बहुकाह

कार्यासय, तहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 1025/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो वोमलगूडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 84

को ब्वॉप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करनों का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृद्धे, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एमे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीमिखित अब्दोदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी नाम की बाबत, उन्त निध-निमन की अधीन कहा दोने के जन्तरक के वासित्य में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; बार्/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कार विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, फिपाने में वृत्तिथा के तिए;

अत: जब, उक्त जीभीनयम की भारा 269-त के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् ा— (1) श्री जे० प्रभाकर राव और ग्रन्थ
 1- 2- 28 2/28 2ए०, दोमलगृहा, हैदराबाद ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती जी० हेमलता, 1-2-282 और 282-ए, फ्लैंट नं़ 406, दोमलगूडा, हैदराबाद । (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

विक्रोकरणः--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वग्त्र्ची

फ्लैट नं० 406, 1-2-282 और 282-ए, दोमलगूडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 900 ची० फुट रजिस्ट्रीइत विलेख नं० 3319/84, रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-2-1985

मोहर ः

प्रकथ भाइ टी. एन . एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नेशीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, हैंथराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 1026/8 4-8 5---यतः मुझ एम० जगन मोहन

भायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिषत बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० घर है, जो जूबिली हिल्स कालोनी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रविकारी के कार्यालय खेतराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमे के दूरयमान लिए **ज**न्सरित की गष्ट् मुभो यह विष्वास करने का सम्पत्ति का उच्ति बाजार मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से,, ए से दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नष्टीं गया **€**, ∷—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अज , उक्त अधिनियम की धारा 269-म्घ के अनुसरण में , मैं , अक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिकित व्यक्तियों , अधीत् :--- (1) श्रीमती जी० सरस्वती पति गोपाल रेड्डी 1-10-380/27/4, भ्रागोकनगर, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री छिबिनाथ पिता सुगुमार घर नं० ए- 23, दोमलपेटा, श्रीसईलमदास बेस्ट, जिला महबूबनगर, ए० पी०

(भ्रन्तरती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना कैं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो क्रमत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नमृस्की

घर नं ० 8- 2- 293/32/ए/1102, रोड नं ० 36, जुबिली हिल्स कालोनी, हैंदराबाद, रजिस्ट्री $_{\odot}$ त विलेख नं ० 1450/8 4 रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी हैं दराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम ग्रिझिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराज्ञाक

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्रकल आहे. टी. एन. एसं. - - - ----

बायकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अभीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 फ़रवरी 1985

निर्देश सं० भार० ए० सी० नं० 1027/8 4-8 5--यतः मुझे एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभम प्राधिकारों को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं पर है, जो तिलक रोड हैदराबाद में स्थित है और इससे उपाबड अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रिकरण प्राथिकार 1908 (1908 का 16) के अधीन जन 1984

अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन जून 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विववास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पैन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसमें वचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (क) एनी किसी अथ या किसी एन राज्य शास्तियां को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया है सुविभा के लिए।

कतः अवन जिम्मियमं की भारा 269-मं के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, हिल्लेत् हु— (1) श्री मोहम्मद हासमी मूसा,
 4-1-782, तिलक रोड,
 हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शारदा गुप्ता पति ओमप्रकाण 4-1-872, तिलक रोड, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यि क्तियाँ नर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

घर नं० 4-872, तिलक रोड, विस्तीर्ण 388 चौ० गज भूमि और 1700 चौ० फुट प्लंश एरिया, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3265/84--रजिस्ट्रीकर्ती भ्रधिकारी हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक, श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

शक्य बाइं.टी.एन.एस------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत स<u>र</u>कार कार्यालय, सहायक आधक्तर जागुक्त (निरीक्तण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक: 11 फरवरी 1985

निर्वेश सं भार० ए० सी नं 1022/84-85-यतः मुझे एम० जगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-उ से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैंट है जो बोमलगूडा हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजनर मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विदेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक को दायित्व में कुनी करने या उत्तसे बचने में त्रुविधा के लिए; और अंदे
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अयः, उक्क अभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्क अधिनियमं की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिक्किक व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री जे० प्रभांकर राव और धन्य 1-2-282/282-ए दोमलगुडा हैवराबाद

(मन्तरक)

(2) श्रीमती जे० विजयलक्मी
1-2-282/282-ए
दोमलगुडा हैदराबाद
फ्लैंट नं 101

(मन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हुं।

जनस सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क्क्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वर्त्य

पलैट नं 101 1-2-282/282-ए बोमलगुडा ब्रीहेर्बराबाद; विस्तीर्ण 900 चौ० फुट राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3321/84, राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ग्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० भार० ए० सी० नं० 1021/84-85---यतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ु फ्लैंट है जो दोमलगुड़ा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाद्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण

मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्स जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीयं आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अिबनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत्:---

(1) श्री जे० प्रभाक्षर राव और ग्रन्य1-2-282/282-एदोमलगुङा, हैदराबाद

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० ऊमा देवी पति एम० मोहन राजू फ्लैट नं० 103, 1-2-282 और 282-ए दोमलगुडा, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिक्कित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है:

अनुसूची

प्लैट नं ० 1-2-282 और 282-ए-होमलगुडा हैवराबाद विस्तीर्ण 900 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3322/84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकाप्री हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन र्रेज, हैदराबाद

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🕾

प्ररूप बाइ. टी. एन., एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (11 के अभीन त्वना

भाइत सरकार

ित्रप, सहायक आयकर **आयुक्त (निरक्षिण)** श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनाक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं स्रार० ए० सीं० नं० 1020/84-85—यतः मुझे एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृत्य 25:000/- रा से अधिक है

और जिसकी स दुकान है जो टाबको बाजार सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जन 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, असके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षा , निम्निनिवित्त उद्देश्य से उयत अस्तरण विवित्त के बाक्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की दावत, जन्म अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन गा अन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया या किया बाला बाहू ए जिल्हाने में स्थिश के निहा

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ॥——

(1) मैंसर्स श्रीनिवासा मार्केट काम्प्लेक्स 2-1-41/ए टाबेको बाजार : सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीपी० प्रकाश पिता जगझ्तनाथ शाप न० 2-1-41/ए/7 टाबको बाजार सिकन्दराबाद

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अनल सम्परित के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्ष्य 🛌

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिम की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्वित्यों में से फिसी स्पन्ति ब्वारा
- (ण) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद जिला में किए जा सकारी।

स्पळ्डीकरण '—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु^क, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हु^दी

अनुसूची

दुकान न० 2-1-41/ए/7 श्रीनिवासा काम्प्लैक्स बिल्डिंग टी० बी० सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 153 चौ० फुट राजस्ट्रीकृत विलेख न० 304/84 राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी सिकन्दराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेज, हैदराबाद

तारीख 11-2-1985 **मोहर** ः प्ररूप आहें.टी.एन.एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरोक्सण) प्रजन रेंज, हैदराआद

हैदराबास, दिनांक 11 फरवरी 1985 निर्देश सं श्रार० ये० सी० नं 1019/84-85--यत: मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं फ्लैंट है, जो उमीनीवेबी कालनी सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में और पूर्ण रूप से वांणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मारेडपल्ली में रिजस्ट्रिकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जून 1984

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीकृत के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्तर प्रतिफत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नों सिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि मिन में शहरीं किया नया है ——

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के ब्योन कुत को के अन्तरण क दायित्व में क्सी करने या दख्डे ब्यून में दृश्यिथा के दिए; कोट/पा
- (क) ऐसी किसी बाध या किसी धन वा बन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जायकार बीचिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत निधिनियम, या धनकार निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, जिन्माने में सुविधा के सिए;

बतः अब, उत्तत अधिभिषम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधार्त ६—-44—516GI/84 (1) श्री गीतान्जली कन्स्ट्रक्णन, 225/ए, वेस्ट मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० लब्मीदेवी
पर्लंट नं० 1, ग्राउन्ड पलोग्नर
प्लाट नं० 4, उमीनिदेवी कालौनी,
सिकन्दराधाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 1, ग्राउन्ड फ्लोर उम्मीनिदेवी कालोनी, क् सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 1026 चौ० फुट रॉजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1315/84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मारेडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-2-1985

मोहर:

प्रकल भार_ि दी, एन_े एन_े ----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बंगल्र

बंगलूर, दिनांक 5 फरवरी 1985

नोटिसनं० 870/84-85- - यतः मुझे, ऋार० भारद्वाज भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मुख्य 25,000/- रा. से विधिक ही

और जिसकी सं० 491/2 और 491/1बी है, तथा जो केस्वापुर हुअली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन ता० 28 - 8 - 1984

को पुर्वाक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यह पूर्वीक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से., एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्नलिखित उद्येदय से उक्त अंतरण लिखित में वासिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आप की पान्ता, विभिन्निम के वभीन कर दोने की वितरक के दासित्व में क्यों करने वा अबुद्धे बचने में बुविधा के तिए; गौर/या
- (व) ऐसी किसी आव वा किसी भगवा वस्व वास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मीधीनयम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविशा को लिए

नतः वयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. (1) श्री वसन्तराव नार्यवनराव चोटगुष्पी
 - (2) श्रीमती सुधाबाई पत्नी वसन्तराव चोर्टगूप्पी
 - (3) श्री नारायन वसन्तराव चोटगुप्पी
 - (4) कु० नीता वसन्तराव घोष्टगुप्पी
 - (5) श्रीमती पद्यमा पत्नी एम० मोहनराव, केशवपुर राड, हुझली

(भ्रन्तरक्)

- 2. (1) श्री वेकेटश बोदाराय जोशी
 - (2) ध्रशोन बोदाराव जोशी केशवपूर रोड, हुझली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की ताश्रीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्याह*।'

धनुसूची

(दस्तावेज सं० 1051 ता० 21-6-1984)

केशवपुर हुबली में खुल्ला जगह है। इसका सर्वे सं० और क्षेत्र इस प्रकार है:

वार्ड नं० मी०एम०नं० क्षेत्र (गुठा में) 1

491/24,00

11 491/1वी 15 10

> श्रार० भारहाज प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख. 5-2-1985

माहर :

प्ररूप आहें ्टी ्एन ्एस ;-----≝----

आयकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभाग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 5 फरवरी 1985

नोटिस नं ० 871/84-85--यतः मुझे, श्रारं भारद्वाज, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं. तथा जो पिरना बरडज तालक

और जिसकी सं० एस० 166 है, तथा जो पिरना बरडज तालुक में स्थत है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन-तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

जतः अज, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीम, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् ः---

- (1) श्री पुरषोत्तम नारयन मैनकर
- (2) श्रीमती शान्तीबाई पुरशोसम मैनकर निवासी बैना, वास्कोडा गाम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेश मास्ती शिन्डोलंकर सन/श्राफ श्रटा फताव, निवासी-श्रटा फोनाव, मोंइरा बार्डेन तालुक गोबा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप हिल्ला

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीइ है 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर रूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियस के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।।

नगर ची

(दस्तावेज सं० 542 ता० जून 1984)

खुल्ला जगह पिरना ग्राम में है, इसका मर्वे नं० 166 और इसका क्षेत्र 52,600 मीटर है। इसकी जगह में एक मकान है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बंगलर

√ तारीख: 5-2-1985 मो**हर**ः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस-=----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बगलूर, दिनाक 5 फरवरी 1985

सं० 872/84-85-- यतः मुझे, आर० भारहाज, आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु: से अधिक है

और जिसकी सं जाल्त नं 4 पी व्ही प्रस्त / 32 है तथा जो मरगाव में स्थित है (और इस से उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 वा 16) के प्रधीन ता 1-6-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य बसके द्वयमान प्रतिफल से, एमे द्वयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिचात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण किविद्य में जास्तिक रूप से किविद्य में जास्तिक रूप से किविद्य नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बार्बत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एरेनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्री विनेटेक्स माङ्क् पोरोबो गांवकर और पन्ती मालती वेंकटेश प्रभु गावकर निवासी सोरोडा, तालुक पोंडा (गोवा)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रोजारिया लुइम और पत्ती भाटिया फलेसीडाडा शाता रीटा कु० नुना लुईस निवासी बोरडो, मारगांओं (श्रन्तरिती)

को बहु बृह्मना काड़ी कर्के पृक्तिकत् सम्पृत्ति के अर्थन के स्प् कार्यवाहियां शुरु करता हां।

उमत सुम्मीत्त के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी बासेंपु:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताक्षरी के पास सिधित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, वो उर्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

تحص

(दस्तावेज स० 2016/84 ता० 1-6-1984) खुला जगह मारगांव में है इसका क्षेत्र 1087.39 मीटर्स।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ् भ्रजन रेंज, बंगलूर

तारीख: 5-2-1985

मोहर :

प्ररूप बाई.दी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बगलूर

बगलूर, दिनांक 5 फरवरी 1985

निर्देश स० 873/84-85--यत मुझे, श्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही. की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सपिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक ही

और जिसकी स० एम० न० 197/2 है, तथा जो उनातकल हुबली तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद प्रमुक्त में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीव रण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 26-6-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

प्रातफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रंयमान प्रतिफल की पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्त-'रण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या कच्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विता ले किया

मतः अव, उनत अभिनियम की भारा 269-ग कै बन्धरण मों, मों, उनत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अभौत् ध— (1) श्री वेमनगोड्डा रामनगोड्डा दोडनागनगोड्डा सिरगुष्पा, तालुक हुबली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुबाद जगनाथ णानबाग सिद्देण्यर नगर, उत्कल, हबली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।।

नग्रुपी

(दस्तावेज स० 1089 ता० 26-6-1984) ग्लाटनं० 52, हुबली उत्कल मेहैं। इसका क्षेत्र 4.25 गुठा है। और सर्वे नं० 192/2 है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 5-2-1985

मोहर 🛚

प्ररूप आई, टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बेंगलूर,

बेंगलूर, दिनाक 5 फरवरी, 1985

स० 874/84-85--यतः मुझे, म्रार० भारक्वाज, श्रायकर क्षिपित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीय सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सख्या 192/2 है, तथा जो छणकल हुबली में स्थित है (और इससे सं उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीव रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एश्यमान की गई **5** प्रतिफल के लिए अन्तरित और मभ्रे यह विश्वास करने का कारण यह पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, एसे इंद्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं भौर अन्तरक (अन्तरकों) और क्तिरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोरय से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आर्रिसयों क्रिने जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर रुधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, जिपाने में अविधा के किए।

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिसित, व्यक्तियों, अभीन ह—

 श्री नीगतगौडा रामन गौडा छो।तीगतगोडा सीर-गुप्पा, धाखाइ तालुक।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बोता पत्नी जगसाथ शानबाग खणकल, सीद्देश्वर नगर, हबली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपति के कर्जन के सबंध में कोई भी आओप :---

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भे 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (का) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त कब्दों और पदों का, जो उनत् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिती हैं, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया, गया हैं।

अम्स्की

(दस्तावेज म० 1090 तारीख जून 1984) खुली जगह ष्ठणकल हुबली मे है। और इसके क्षेत्र 4 गुंठा और 3 1/2 प्राप्ता है। इसका प्लाट नं० 49 है। और सर्बे० न० 192/2 है।

> ग्नार० भारहाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 5-2-1085

मोहर

प्ररूप भार . टर्न. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बगलूर

यंगलूर, दिनाक 5 फरवरी, 1985

सं 875/84-85--श्रतः मुझे, श्रार० भार**ा**ज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का स्वारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000 रुप्त से अधिक हैं

और जिसकी संख्या मकान नं० 4964/5104 है तथा जो मीमोगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीक 4-7-1984

क्षां पूर्वोक्स सपिति के तिचित बाजार मृल्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत सेर अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दासित में कमी करने या उससे अचने में सुविभा क निए, और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भटकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के लधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

श्री के० एस० नागराज शैट्टी पुत्र श्री काणन सोमैया जे० पी० एस० रोड, मीमोगा।

(भ्रन्तरक)

2 श्री एच० एम० विश्वनाथ शास्त्री, पुत्र श्री एच० एम० चन्द्रशेखर शास्त्री, III क्राम तिलव नगर, सीमोगा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यों आतत्मों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां करायों में से किसी क्यां कर बुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनके स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकी।

श्वस्थिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज 883 तारीख 4-7-84) खुला जगह राजेन्द्र नगर सीमोगा मे हैं। इसका क्षेत्र 109 09 स्कवे० मीटर्स है।

> स्नार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (तिरीक्षण) श्चर्णन रेज, बंगलर

नारीखाः 5--2--1985

मोहर:

प्रकृष् भाषाः, दी, एन्. एस्.-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 फरवरी 1985

निर्देश सं० 786/84-85--श्रतः मुझे, श्रारं० भारद्वाज बायकर कृथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या 106/5 है, तथा जो नेजून, बर्डेज (गोवा) में स्थित है (और इस से उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं। और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण हैं। कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक हैं। और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्तने या उससे ब्याने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सृतिधा चौँ सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्या श्री वसुन्दरा वाई ग्रलीयाम वसुन्दरी ग्रलीयास सुन्दराबाई श्रीपाद कुकरी ग्रार/ओ ओगनली फाम श्राकफीसा, पामसुइला मरगांओ (गोवा)।

(भ्रन्तरकः)

2 राय प्रथनासीम डीसील्वा प्रार/ओ नेजुल, बर्डेज (गोवा)।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पृशेंकत संग्येत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्र्री के पास निविद्य में किए का सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरुकः: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

(दस्तावेज सं० 566/202 तारीख 17-7-1984) जगह और नारियल का संपत्ति है। इसका क्षेत्र 20-200 वर्ग मीटर्स है। और नेगुल वर्डेज गोवा में है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 6-2-1985

मोहरः

अस्प बाहाँ, टी, एम', एसं.------

स्रागकर अधित्रियर, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-খ (1) के अधान सूचना

भारत चंडकाड

कार्यासय, सहायक जावकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रार्शन रेंज, बंगलूर

नंगलूर, दिनांकः 6 फरवरी 1985

मं० 877/84→85--- श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें धराकं पहचात् 'उवत अधिनियम' मद्दा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वाध करने का कारण् के संशिक्त संपत्ति जिसका उचित बाचार मृश्य 25,000/- में अधिक हैं

और जिसकी संख्या चलता नं 187 है, तथा जो मरगांव में स्थित है (और इसमे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दे हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से जिथक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अध्यक्षण के हुई कि की बाव कर्ड बाव्य , क्यस जिम्मियक के वर्षीन कर दोने के बंदरक के दानित्व में कभी करने वा उसके ब्लग में सुनिधा के जिए; की दु/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी थन वा कव्य बास्तियों कों, विष्टुं भारतीय नावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या भन-क्षर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उस्स अधिनियम : भी धारा 269-ए के अजुनरण में, में,, उन्नत मधिनियम की धारा 269-ए की उपधार) (1) के अधीन: निम्नलिश्वित व्यक्तियों मधात् ह—— 45 -516GI/84 (1) पुण्डालिक विष्णु नायक (2) सुमन पुण्डालिक नायक (3) श्रीमती सुरेखा अच्युत नायक (4) मिम श्रमिता अच्युत नायक (5) अतिश ए० नायक (6) पुष्कोतम विष्णु नायक (7) मरिता पुष्कोतम नायक (8) जिविकम विष्णु नायक नथा (9) सुधा जिविकम नायक

(अन्तरकः)

 वासू इस्माइल इन्नाहिम बन्दुधे अलियाम एक्सि इस्माइल बन्दुधे

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कड़के पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काश्च भी आक्षांप :----

- (क) इस स्वा के स्वयन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी अदिकारों पर स्वयों की तानील से 30 दिन की संबंधि को भी निष्यों के भीतर पर्वोक्त अधिनायों से ये किसी व्यक्तित स्वयों ते ये किसी व्यक्तित स्वयों ते से सिंग्स स्वयों से से सिंग्स सिंग्स स्वयों सिंग्स सिं
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की हार्यक्र से 45 विष् में भीत्र उन्त स्थानर सम्मारित में हिस्समूच किसी सम्म क्यमित स्थाय. अभोहस्ताक्षरी के पाढ़ सिवित में किए का सकेंगे।

रचक्कीकरण : --इसमें प्रयुक्त शब्दों और धदों का, की जक्त अधिनियम के जक्षाय 20-क में परिकासिट हैं. वहीं अर्थ हांगा अथ उस अध्याय में दिया चना हैं॥

धम्स्य

(दस्तावेज सं० 158 तारीख जून 1984) ये सम्पत्ति मरगांव से हैं। इसका सर्वे० नं० (चलता नं०) 187 है। और म्युनिमीपल एरिया जो UDEGD या MESTABHAT के नाम से जाना जाता हैं।

> श्रार० भारत्राज, अक्षम प्राधि ारी सहायक स्रायक्षर स्रायुक्त निरीक्षण स्रर्जन रेंज,ेबंगलुर

नारीख: 6-2-1986

मोहर

प्रकृष् बार्च : दी , एन , एस , -=-===

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भावनत (निरक्षिण)

धर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 फरवरी 1985

निर्देश सि॰ ग्रार० नं० 62/43761/84-85:—यतः मुझें, ग्रार० भारद्वाज

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 1451 है, तथा जो IV मेन रोड इण्डिस्ट्रियल टीन राजाजिनगर, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 16-8-1984।

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार नृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रद्र प्रतिक्ता से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया नया प्रतिफल, निस्नतिचित उद्वरेख से उन्त अन्तरण सिविश में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है "——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत उक्त वींधीनवस के वधीन कर दोने के बन्तरक औं सामित्य में कर्नी करने वा उसने बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) कै अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री टि० एच० बसवा बाज,
 334, III ब्लाक,
 राजुाजिनगर,
 बेंगलूर-101

(मन्तरक)

एच० रगुरामा शैट्टि,
नं० 2190, IV मैन,
भार० पि० सी, लेग्रौट,
विजया नगर, बेंगलूर।

(मन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकी।

स्पक्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नेस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

(दस्तावेज सं० 2124/84 नारीख 16-8-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 145/II, जो IV मैन रोड, इण्डस्ट्रियल टौन, राजाजिनगर, वेगलूर में स्थित है।

म्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षग) म्रर्जन रेंज, बेंगलर

तारीख: 1-2-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 फरवरी, 1985

निर्देश सं० सि० भार०/4394962/84-85:—भातः मुझें; भार० भारताज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 83(17) है तथा जो रियमण्ड रोड, रियमण्ड टाउन, बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 31-8-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, ऐसे खर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्विक्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रीमती शानावर बेगम, श्रलियास याकृत बेगम,
 - (2) श्री मिरजा मोहम्मद करीम,
 र्न ० 39, (27),
 सरपैनटाइन स्ट्रीट,
 रियमण्ड टौन,
 अंगलुर-25।

(भन्तरिती)

2. (1) श्री दशरतमल चोरिडिया, श्रीमती सरोज कुमारी चोरिडिया, नं॰ 106, III कास, गांधीनगर, बंगलूर-9,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अशीधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यापतः
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

(दस्तावेज सं॰ 1832/84 तारीख 31-8-84)। सम्पत्ति है जिसका सं॰ 83(19), जो रियमण्ड रोड, रियमण्ड टौउन, बेंगलूर में स्थित हैं।

> भार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सद्वायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 1-2-1985

मोहर ः

प्रक्रम शाही, टी. एन. एस.-----

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के भेषीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जन रेंज, बंगसूर

बंगलूर, दिनांक 31 जनवरी, 1985

निर्देश सं० सि० श्रार० 62/43746/84-85:--श्रतः मुझे, श्रार० भारताज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या 75(6) है तथा जो ग्रप्पुरायप्पा लेन, सिद्दाना लेन, नगरतपेट, बंगलूर में स्थित है (ग्रौर दससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 22-8-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिवृक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिमियम को अधीन कर् दोन के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उक्कसे बखने में सुविधा के निषु; और/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अरू अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवंजिनार अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्ते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)। व अधीन, निस्मलिकित व्यक्तियों हा अर्थात् ।—— श्री सि॰ नागराज धलियास मुनिबीरप्पा, श्रीर चिन्नाम्मा 1023/1, बनणकरि ई स्टेज, हनुमन्तानगर, बंगलूर।

(भ्रन्तरक)

 श्री रिप्ताबचन्य बनसालि श्रीर प्रेमदेवि, नं० 10, टि० एन० एस० लेन, एवन्यू रोड, बंगलूर

(उन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति की (हस्त्रहन् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधान्नस्ताक्ष्यों के भारके जिस्सा में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का., या अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नग्स्भी

(बस्तावेज सं० 1664/84 तारीख 22-8-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 75 (पुराना नं० 6) जो प्रणुरावाष्या लेन, सिद्दाना छेन, नगरतपेट, बंगलूर, में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीखा: 31-1-1985

मोहर 🛢

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्ष्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निर्देण मं० मि० क्यार० 62/44995/84-85:-- म्रतः मुझे, स्थार० भारतान, न्य

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उस्त मिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के मधीन गक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित सिसका उनित गावार मून्य 25,000/- हर से मिक है

भीर जिसकी सं० 25 है तथा जो चिक्काकविरप्पा गार्डन, सेंट तामम टीउन, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रामस्त, 1984

- (का) जन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत उक्त जींच-नियम को सभीन कर थेने के अंतरक के शायित्व में किसी करने वा उक्की बचने में समिया के निए; बीड़/या
- (क) एेकी किसी बाय या किसी भन या बच्च बास्कियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बीधिनियम, या भन-कर अधिनिक्छ. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्म. जो द्वारा प्रकेट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

र् इस्तः जल, जलत जीभीनयम की भारा 269-न नै मनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, निम्निलिसिस व्यक्तिसयों, अभित्ः— श्री भ्रार० सिंहाद्रि,
 नं० 25, सुन्दरमूति रोड,
 कान्स टाउन, बंगलूर।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती गीला,
 नं० 32/1, क्कमणि कालोनी,
 सेंट जान्स कास रोड,
 शियनचेट्टि गार्डन,
 बंगल्र-42।

(भ्रन्तरिती)

को यह तृष्यना जारी करको पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी कि विसयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अपिप, को भी जबिध साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी क्यकित दवारा;
- (ब) इस स्वना के राजधार में की तारीस है
 45 दिन के भीतार उस सपित्त में हितबद्ध किसी अन्य क्या किसीहस्ताकरी के
 पास निर्मान में किए

स्वयाधिकरण:---इसमें पश्कल शब्दों और पत्रों का, यां उक्त व्यथिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्याः । स्वा हैं।

जनुसूची

(दस्तावेज सं० 2423/84 तारीख श्रगस्त, 1984) सब सम्पति है जिसका सं० 25, जो चिक्काकविरण्या गार्डन, सेंट तामस टाउन, बेंगलूर, में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 31-1-1985

मोहर:

प्रस्प बार् ुटी ु हुन् ु हुन् ========

· आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 फरवरी 1985

निर्देण सं० सां० आर० नं० 62/45593/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 502/14 है तथा जो, 19 मैन रोइ, LV 'श्टी'' ब्लाक बंगलुर में स्थित है।

ग्रीर इससे उपाषद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रं,करण ग्रामी प्रमा 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, रिजस्ट्रीक साधिकारी के कार्यालय जमानगर में तारीख 18-7-1

कां पूर्वोक्त सम्पंति कर्म ते साजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जंता कि की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्मारित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी अन या जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वीधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अस अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् क्र-

- (1) 1 श्रीमती एस ग्रलमेलु,
 - रगुपति,
 - 3. डाक्टर जयाराम सेदान
 - 4. श्रीमती एस० सुलोचना
 - 5. एस० श्रीनिवासन,
 - 6. एस० नाथियार प्रलिवास जयश्री
 - 7. एस प्रेमा
 - एस० कलयाणि और
 मिस एस० जयालक्ष्मी
 नं० 502/14,
 19 मैन रोड, IV 'टि' ब्लाक
 जयानगर, बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री के० के बझा नं० 83, 13 कास, IX मैन विलसन गार्डन्स बंगलूर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, तो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति इंतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सक्तेंगे ।

स्पन्धः श्रीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अविधिनयम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

(दस्तावेज सं० 1776/84 तारीख 18-7-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 502/14, जो 19 मैन रोड, IV 'टि' ब्लाक, जयानगर, बंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)ूर्र श्रर्जन रॅंज, बंगलुर्

तारी**ब 4-2-1985** शहर : प्ररूप **वार**्टी<u>.</u>एन<u>.</u>एस<u>.</u>, ----::=--

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीत तुचना

भारत सरकाह

कार्यालय , असहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, बेंगलूर 🕠

बंगलूर, दिनांक 4 फरवरी 1985

सं० सि० न्नार० 62/45620/84-85:—यत मुझे, मार० भारद्वाज,

नायकर मांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 343 है, तथा जो 11 ब्लाक, II स्टेज, *बनाशंकरि एक्सटेंशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध -भ्रमुचची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जया नगर में तारीख जुलाई 1984

को पूर्लोकत सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दायमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से जिथक है और जंतरक (जंतरकों) जीर जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिफल, निम्निजियत उद्बद्ध से उक्त अन्तरण निमित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत अक्त बिध-नियम के बधीन कर कोने से बंतरक के वार्षित्व में कमी करने या उससे बचने में तुर्विभा के लिए; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्प आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उद्यत अधिनिवस, या धन-कर अधिनिवस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा वी आए;

बत्रक्ष अवा, उक्त विभिनियन की भारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— श्री हैथ हरिशरण म्यानेजर कैनारा बैंक, जमशेदपुर (एम० पी०)

(भ्रन्तरक)

 शास्टर पी० पदमानाभा मैथ्या एम० टी० श्राप्त० नं० 14) लालभाग रोड, अंगलूर-27।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरुणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधितियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है. चया है।

जन्मू ची

(दस्सावेज सं० 1735/84 तारीख जुलाई, 1984) खालि जगह है जिसकी सं० 343 है जो ब्लाक-11, II स्टेज, बनशंकिर एक्सटेंशन बेंगलूर में स्थित है।

> न्नार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 4-2-1985 मोहर: प्रकृप आहूर टी. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जमीन सुमना

भारत सरकार

शर्यालय, सहायक भायकर नायकत (निरोक्तण)

ग्रर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निवेश सं० सि० श्रार० 62/43566/84-85:—श्रत मुझे, भार० भारक्षाज,

शासकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिन, जिसका उचित बाजार मूख्य 25.000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 542 है तथा जो 11 क्लाक कोरामंगला एक्सटेंशन, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलर दक्षिण मैं तारीख 5-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे धश्यमान प्रतिफल का पद्गष्ट प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वं हुद्दं किसी काव की वावत उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तर्रक की दायित्व मं कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए चा, छिपाने में हविभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:— श्रीमती एन० एस० पारवती
केयर/आफ श्री के० एस० सपतर्राण
एडवोकेट नं० 12 IV ब्लाक,
V क्लास, सुद्रामणिया टेपल रोड,
बंगलूर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० एस० पानिक्कार नं० 36 बी, कुद्देमुक कालोनी, कोरा मंगला, एक्सटेंगन, बेंगलुर-34।

(ग्रन्तरिती)

स्त्री सङ् श्रुपना भारती कर्षे पृत्रतीच्य कम्पृतित के वर्षन े से विष् कार्यनाहियां करता हो।

उपन् सम्पृतित् के धर्मन के सम्मृत्यु में कोई भी मार्क्षप्य--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्व कर व्यक्तियों में से किसी स्पंकत स्वारा,
- (६) इस सबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारों हैं
 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी क्ष्मै पास लिखित में किए जा सकोंगे।

बन्धु च

(दस्त वेज सं० 2234/84 तारीख 5 जुलाई, 84) खालि जगह है जिसकी सं० 542, जी III ब्लाक कोरामंगला एक्सटेशन, बगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भाग्द्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण-)। ग्रर्जन रेज, वगलूर

तारीख: 31-1-1985

मोहर 🖠

प्रक्ष बाहै .टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुभना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगल्र, दिनांक 31 जनवरी 1985

सं ं निदेश 62 62/43945/84-85—यतः मुझे, भार० भारकाज

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-छ से अधिक है

और जिसकी संख्या 898 है, तथा जो एच० ए० एल० II स्टेजVII, VIमैन, कास, इन्दिरानगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 15) के प्रधीन, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्योनय शिवाजी नगर में तारीख 23-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विरुवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्ट से उच्च जन्तरण लिखन में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्य के अभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनीय अन्तियम अन्

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभान, निम्निखित व्यक्तियों, अथित् :— 45—516GI/84 श्री जी० एत० नारायण रेड्डी,
गुन्जूर विलेज,
कार्नर होबलि,
बंगलूर दक्षिण तालुक

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती सरास्वाति देवी, नं० 898, हैथ ए० एल० II स्टेज, VII मैन, IV क्लास, इन्दिरानगर, बंगलूर।

(ग्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी मारूप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी स्थित बुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिरवस्थ किसी जन्म व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धाकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है 10

नग्स्ची

(दस्तावेज सं० 1936/84 तारीख 23-7-1984) सम्पत्ति है जिसकी सं० 898, जो हैथ ए० एल० II स्टेज, VII मैन, IV क्लास, इंन्दिरानगर, बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, बंगजुर

तारीख: 31-1-2985

म्रोहर : '

क्षा अर्थक स्रोत स्थान स्थान

नापकड निधीनसम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में नधीन स्वान

ब्राह्त , ब्रुकार

कार्यासय, तहायक नायकर नामुक्त (निर्द्रोक्स)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 फ़रवरी 1985

निदेश सं ०सि ०आर ० नं ० 62/43682/84-85:—अत मुझे, आर ० भारद्वाज,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इस्में इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के क्यीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थात्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या 20(16) है, तथा जो बेनसन रोड, बेनसन टीन, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिट्टीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में तारीख 23-7-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से काम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास

मुक्त यह विद्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार
मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का
पंवह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय
पावा गया प्रतिफल निम्निजिस्त उद्योदय से उक्क अन्तरण
लिखिक में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है है—--

- (क) मृत्तपूर्ण से हुइ किसी माय की नावत, उनत समितियम् को स्थीन कर दोने के अन्तपूर्क की दानित्व में कभी करने ना प्रकार स्थान में सुविधा की सिए; बद्धि/बा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बस्य ब्रास्तियों की विन्हें भारतीय बाय-कर ब्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रीधनियम, या धन-कर ब्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने बें स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, भिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री जे० मक्कारात इगो श्रीप
 मैसर्स जोन मक्कारिन इगो,
 नं० 20, बेनसन रोड, बेनसन टौन,
 बेंगलूर-46।

(अन्तरक)

मैसर्स शमीम अलीम खान,
 नं० 31, I क्रास, विवेकानन्दा नगर,
 बेंगलूर-33

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(बहु व्यक्ति जिसके अधिमोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोचल सम्मित्त के जर्बन के निय

उक्क सन्पत्ति के वर्षम् के संबंध में कोई भी बाक्षेप हिल्ल

- (क) इस सुमना के ट्रामपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की मविभि या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर सुमना की तामील से 30 दिन की सर्वधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पित्तयों में से किसी स्पित्त बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किती अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी अधे गास लिकित में किए का सकेंगे।

स्वक्षीकरण ---इसमें प्रयुक्त कर्यों नीर वृद्धों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा नवा हैं।

अनुष्यी

(दस्तावेज सं० 1267 तारीख 23-7-84)

सम्पत्ति है जिसकी सं 20(16), जो बेंनसन रोड, बेंनसन टौन, बेंगलर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

सारीख: 1-2-1985

स्रोहर 🤢

इस्य हाई<u>.</u> टॉ _ट एवं _ट एवं <u>ट</u> व ≈ ≈ कक्क

भायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अधीय सुख्या

FIRST THEFT

कार्यासय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगल्र

बंगजूर, दिनाँक 14 जनवरी 1985

निदेश सं ० सि ० आर ० 62/45622/84-85—यत: मुझें, आर ० भारद्वाज,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269 व्य के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्र वाजार मृस्य 25,000/- रु से अधिक है

धीर जिसकी सख्या 504 है, तथा जो बनाशंकरि II स्टेज एक्सटेशन, बेगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाधन्न अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जयानगर मे तारीख 26-7-1984

भिक्का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविश्वत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निश्वित अं बास्तिविक रूप से कार्या गया है हि—

- (क) अन्तरम से हुई कियी बाव की वाक्य, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कभी करने वा उससे अधने में सविधा के किए अडि/बा
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन वा बन्य वास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सृतिभा के विषय

कतः अन, उन्त अभिनियम की भारा 269-म के जन्सरण में, मैं, उन्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिकित व्यक्तियों अभीन, हिम्निलिकित व्यक्तियों अभीन, हिम्निलिकित

श्री अमीरजान,
 नं० 2, सुशीला III क्रास,
 बोड्डामावल्लि, बेंगलूर—41

(अन्तर्क)

श्री वी० एस० प्रभाकर,
 श्री वी० एस० सुधाकर,
 नं० 842, 17 मेघ,
 बी० एस० के०, II स्टेंज,
 बंगलूर-70।

(अन्तरिती)

को यह सुभाग जारी कड़के पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू कड़ता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्पन के तत्त्वत्थ में कोई भी अपक्षेप एनज

- (क) इस सूचना के दाजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., को भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्वित्यों में से किसी स्वित्त इवाय;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निवित में किए का सकेंगे।

स्वष्टीकरुण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त मिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

मन्त्र्या

(वस्तावेज सं० 1655/84 तारीख 26-7-84)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 504, जो बनाशंकरि II स्टेज, पुनसटेशन, बगलूर, में स्थित है $(60/\times40/)$

आर० भारताज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक् आयकर आपुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, बंगल्र

तारीख: 14-1-1985

मोहर

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगसूर

बंगलूर, दिनांक 30 जनवरी 1985

सं० सि० आर० 62/45554/84-85---अतः मुझो, आर० भारक्षाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रासे अधिक है

भीर जिसकी संख्या 1157 है, तथा जो बा० एम० के० II स्टेज एक्सटेणन, बेंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपा-बद्ध अनुसूर्ची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1708 द्या 16) के अधीन, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयानगर में तारीख 7-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकृति में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविध्य दायित्व के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्यों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित, व्यक्तियों, अर्थात्ः— श्रीमती सीताम्मा,
नं० 237, IV मेन,
यामाराजापेट,
बेंगलूर-18।

(अन्तरक)

श्रीमती मिवता चि०हेगड़े,
 बि० हैथ रोड, अरिसकेरे,
 हासन डिस्ट्रिक्ट,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्तार्धरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तेंं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में टिया गया है।

वम्स्यी

(दस्तावेज सं० 892/84 तारीख 7-6-84) खाली जगह है जिसकी सं० 1157, जो बनशंकरि II स्टेज एक्सटेशन, बेंगलूर में स्थित है।

> अ।र० मारद्वाज, यझम प्राप्तिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेग, बंगलूर

नारीख: 30-1-1985.

मोहर 🛭

प्रकृप **वार्**ं, टी<u>. एन् . एस्.</u> -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बगलूर

बगलूर, दिनाक 31 जनवरी 1985 स० सि० आर० 62/43956/84-85:—यतः मुझे, आर० भारदाज,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम'क हा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि, स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

भीर जिसकी सख्या 15 है, तथा जो बेन्दोर वार्ड, कि 'ए' विलेज, मगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मगलूर में तारीख जून, 1984

को पृष्टिक्स संपरित के उत्तित बाजार मृल्य से कम के एरयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का क्रारण है कि यथापूर्विक्स सपित का उचित बाजार मृल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से एसे एरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया क्रीनफल, जिस्तिलित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाव की यावत, उक्त जिथितियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा लो सिहर; बीर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थावा चाहिए था, स्थिनने में स्विधा भी लिए;

बतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ३ बधीन, निम्निसिवित अधिकसों, अधित ६मैसर्स गलाडिस डिसौजा, कानडल गारडन्स, बन्टास हासटेल रोड, मगलूर सिटी।

(अन्तरक)

 श्रीमती सुवासिनि भण्डारि, "रीटा बिल्ला", अप्पार बेन्दोर, मगलूर।

(अन्तरितो)

3. अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

की यह स्थाना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संगंधी स्थितताों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी स्थिनत द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 716/84 तारीखा जून, 1984) सम्पत्ति है जिसकी स० 15, बेनदोर वार्ड, ऋद्रि 'ए' विलेज, मगलूर सिटी, में स्थित है।

> नार० भारद्वाज, नक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज, बेगलूर

तारीख 31-1-1985 मो**हर**ः

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ---- ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरंकार

कार्यां नय, सहायक मायकर मायुक्त (निर्धिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, धिनांक 30 जनवरी 1985

तिदेश सं० सी० आर० नं० 62,45585,84-85---अतः मुझे, आर० भारबाज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 323 है तथा जो 415 कास VIII ब्लाक जयानगर बंगलूर में स्थित है (भौर उससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयानगर में तारीख 27-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से, एसे स्त्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ब्रास्थिव में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) श्री सी० सखोनमा राव,
 नं० 1741, ईस्ट एण्ड "ए" मेन रोड़,
 38 कास IX ब्लाक, जयानागर,
 बंगलूर

(अन्तरमः)-

(2) कृष्ण मूर्ति,
 नं० 216₁2, 4, मेन रोड़,
 यामराजापेट, बंगलूर-18

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृतित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्पाद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1179/84 ता० 27-6-84)

सम्पति है जिसकी सं० 323, जो 41 कास, ब्लाक जयानगर, बंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलर

दिनांक : 30-1-1985

मोहर 🛭

प्रकार बार्ड, टी. एन, एस,-------

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगल् ए, दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० 62/44875/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृस्व 25,000/- रा. से अधिक है

षौर जिसकी सं० 70 है तथा जो उदायागिरि कास नजरबाद मोहल्ला मैसूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर में तारीख 6-6-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के करपमान प्रतिक्रित को सिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके ध्रवमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिकल का पंच्छ प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण किचित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी गाम की नावत, उत्क अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बीट/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिनाने में सुविधा के लिए;

क्रमञ्जल , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रम्म (1) श्री एस० के० रिह्मान, नं० 70 उदयागिरि लेभाउट, क्रास, नजरबाद, मोहरूला, मैसूर।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० एस० शमन्ता, नं० 25, उदयागिरि, ले आउट, मैसूर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्णन के निष् कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब लें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख हैं 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्यूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्बब्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है।

STORY.

(दस्तावेज सं० 1166/84 ता० 6-6-84) सम्पत्ति है जिसकी सं० 70 जो उवयागिरि 5 कास, नजरबाव मोहरूला, मैसूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 30-1-1985 मोहर ध

प्ररूप बार्ड. टी, एन. एस. -----

नाथकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निवेश सं० सी० आर० 62/43346/84-85-अतः मझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विद्वास करने का सारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० 23 है तथा जो जैन टेंपल रोड़, वि० वि० पुरम, बेंगलूर में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडि में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्तिं के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान पितिकस के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने से कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य हसकी रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिकृत से अधिक हे और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि किति व

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; जरि/वा
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, वा भन्कर अधिनियम, वा भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में त्या के जिए)

(1) श्रीमती के० आर० उमा लक्ष्मी, नं०-245, आर० वि० रोड़, वि० वि० पुरम, बेंगलूर-4

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वि० योगलाल श्रौर सी० महेश कुमार, न०-1017, नगरनपेट, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तु सम्पृत्त के वर्णन् के स्म्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप् :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की व्यक्तियां पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकेंगी।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो इंक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 964/84 ता० 11-6384)

सम्पति है जिसकी सं० 23, जो टेंपल रोड़ वि० वि० पुरम, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायके आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

सतः सन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरणु में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिचित स्थितियों, समाति क्लान

विनांक : 31-1-1985

मोहर 🕽

प्रकल् बार्ड . दी . इन . एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

बाउत क्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जान रेंज, वेंगलूर

बेंगलूर, विनांक 28 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/43513 हैं 84~85—अतः मझे, आर० भ।रहाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्रतिभकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-7 से अधिक है

ष्ठीर जिसकी सं० 296,1 सि० सि० हेथ-7 है सथा जो स्वीमीग पूल रोड़ सरस्वित पुरम, यामराजा मोहला, मैसूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद्ध अनसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय मैसूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमन प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुव किसी आय की वाबत, उक्त अधिनिधन के अधीन कार दोने के जन्मरक के बाबित्व में कमी करने या उन्नसे वचने में खुनिया के लिए बारि/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बत्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1972) में उत्ता मिकिसियम, वा धन-कर बिधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में स्विका के किया,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ंग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ंग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिक्ति व्यक्तियों, जर्धात् :——
47 —516GI/84

(1) श्रीमसी राघाबाई प्रागणि, नं० 165/1, पुराना बंडिकेरि, के० आर० मोहल्ला, मैसूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टि॰ सी॰ गिरिजाम्मा, नं०-287, VI ऋास, III स्टेज, गोकुलम, देवाराजा मोहल्ला, मैसूर ।

(अन्तरिती)

चाँ वह शुचना जारी करके प्रवासित गम्पतित के धर्मन के निम् कार्यवाहियां करता हूं।

बब्द सम्पृतिक के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हन-

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीज '
 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियाँ प
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पृथिकत
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंग।

स्थानिकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, का श्वक् विधीनसम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बहुरी वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

नगृत्यी

(बस्तावेज सं० 1387/84 ता० जून, 1984)

खाली जगह है जिसकी सं० 15, डि॰ न॰ 2961/1-सि॰ श्रीर न्यू नं० सि॰ हेथ -- 7, जो स्वीमिंग पूल रोड़, सरस्वित पुरम, यामराजा मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

विनांक : 28-12-1984

मोहर 👙

त्रक्ष बाई.टी.एन.एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

- कार्यांलय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० नं० 62_l 45583_l 84-85---- अतः मझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

भौर जिसकी सं० 134 है सथा जो ईस्ट एण्ड मैन रोड़, IX—स्लाक, जवानगर, बेंगलूर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाद अनसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय जवानगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्योध्य से उकत अंतरण लिखित य वाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्योध्य से उकत अंतरण लिखित य वामतिवस क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्मरक के शुक्ष किसी बाब की वाबस, उक्स किसिनयम के अभीन कर योने के अन्सरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के निहर, और/या
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय भायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विभा के लिए।

अत अब, जक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ज सभीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, वर्षात :--- (1) श्री पी० एस० मिन, नं०न्2, डि० वि० जि० रोड़, नसवनगुडि, बेंगलूर-4

(अन्तरक)

(2) श्री डी॰ आर॰ प्रभाकर, नं॰ 134, VII मैंन रोड़, V ब्लाक, जवानगर, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

का यह स्वना बारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिख कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वक्कोकरण :— इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पवों का, जो उत्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वाहै।

अनुसूची

(बस्तावेज सं० 853/84 ता० जून 1984)

सम्पति है जिसकी सं० 134, ईस्ट एन्ड मैंन रोड, IX ब्लाक, जवानगर, बेंगलूर में स्थित है।

भारः भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

दिनांक : 30-1-1985

मोहर:

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अअन रेंज, बगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 फरवरी 1985

निदेश सं० सि० आर० नं० 62/44984/84--8**5--**अतः मझे, आर० भारक्षाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमक पञ्चात उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000 रा स अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० 10(32) है तथा जो विक्टोरिया ले-आउट III कास, बेंगलूर ने स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रीर पूण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-6-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्पत्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वयेष्य से उक्त अन्तरण लिसिता में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुं किसी आयं की बाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोन क अन्तरक के बार्यित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा क निए, और/था
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों नारतीय आपकर अधिनियम, .322 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन अर अभिनियम । 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, । छपाने में स्विधा के लिए

अस अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च के अनसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की छपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रो सैयद अब्दूल सुबान अलिवास, बावा न०-135, मैन रोड़, कलासिपालयम, बेगलूर सीटी।

(अन्सरक)

(2) श्री मीर शाहनावाज हुसन, न.-19, अरबलेन 'बी०' स्ट्रीट' रिथमड टाउन, बेगलुर।

(अन्तरिती)

का गह स्थान जारी करके पूर्वोक्त करनीर के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की प्रजिध या तत्सम्बराधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विदिश्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारी क है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद् व किया अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए आ सकोंग।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

जन्स्ची

(दस्सावेज सं॰ 2444/84 तारीख **6**-6-1984) सम्पति है जिसकी स॰ 10 (32), जो विक्टोरिया ले-आउट, III कास बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगलूर

दिनोक : 4-2-1985

माहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की , धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 जनवरी 1985

निदेश सं० सि० आर० नं० 62,583,84-85—अतः
मुझे आर० भारद्वाज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

25,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० 18 है तथा जो बोरडा मरगोवा सलसेटें
गोवा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपापद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण
रूप से विणित हैं) राजिस्ट्रीकर्ता आधिकारी के कार्यालय
मरगोवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के रायमान गद्द है के लिए अन्तिरत की अरि प्रतिफल विश्वास करने का कारण यह कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दंश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से कथिष नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, नियम, निश्चिम अस्तियम, निर्माण अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री सीताराम पि० कोरगावनकर,
 - 2. तारामती एस० कोरगावनकर,
 - बापु पि० कोरगावनकर,
 - मेसर्स घि० कोरगावनकर,
 - वसंस पि० कोरगावनकर,
 - 6. मेसर्स सत्यावती वि० कोरगावनकर,
 - मृकुंद पी० कोरगावनकर,
 - 8. लकसिमिम एम० कोरगावनकर,
 - 9. शांताराम पि० कोरगावनकर,
 - 10. मसानताबाई,
 - 11. दामोदर पि० कोरगावनकर,
 - 12. पुग्पलता डि॰ कोरगावनकर,

बोरडा, मरगोवा ।

(अन्सरक)

(2) श्री प्रकाश एस० पननडिकार, मरगोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हन्नेगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसंची

(वस्तावेज सं० 2275,84 तारीख जून 1984) सम सम्पति है जो बोरडा, मरगोवा सलसेटे, गोवा सर्वे नं0 18 में स्थित है।

> आर० भारताज सक्षम प्राधिकारी [सहायक आयकर औयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

विना**क** : 24-1-1985

मोहर :

प्रकृप बाइ.टी.एम.एस..-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागभर भागुक्त (निजीक्षण)

वर्जन रेज, बंगलूर

बगल्र, दिनांक 24 जनवरी 1985

निदेश स० सि० आर० न० 62,587,84-85-अत मुझे आर० भारदाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रह से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० प्लाट नं० 2 है तथा जो काटानो पचेको रोड, मरगोवा मे ।स्यत है (ग्रीर इससे उपाषद अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकति अधिकारी के कार्यालय मरगोवा मे रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984

का पूर्वांन्न सम्पात के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रक्तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण हैं कि यथापूर्वांक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हहयमान प्रतिफल से एसे हहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निखित से वास्तिविक रूप से किथित नहीं कया गया हैं —

- (क) बन्तरण से हुई किसी अय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के बन्धरक के दायित्व के कमी करने या उद्दर्श क्वने में सुविधा दायित्व के लिए; अदि/या
- (क) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयन्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्याने वें सुविधा के लिए;

अतः जय, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री जोसे फानसिसको आलफेडो, डा० पैडाडे फेयास इ रोड्रिग्यस,
 श्रीमती मरिया फरनान्डा, मेसच्यूट इ रोड्रिग्यस,
 कारलस विसेंट हुमबीरटो, डा० पैडाडे फरयास इ रोड्रिग्यस, आफ मरगोवा,

(अन्तरक)

(2) श्री नेलसन असिसडा, पैडाई डि॰ मोरोन्हा, घीर (2) श्रीमती मरिया फिलोमेना वास, मिलाग्रेउ नेरेसिन्हा , नोरान्हा आफ मारगोवा।

(अन्तरिती)

(3) न० 1

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी ह ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधिकरणः इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

(वस्तावेज सं० 2166,84 तारीख 30-6-1984) प्लाठ नं० 11 जो काटानो पचेको रोड, गोबा में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन रैंज, बंगलुर

विनोम : 24-1-1985

मोहर 🛭

प्रकृष बाह्र .टी. एन . एस . ----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) मी धारा 269-थ (1) के मधीन सुचना 🗈

भारत सहस्राह

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 फरवरी, 1985

निवेश सं ० सी ०आर ०नं ० 62/आर-1243/37-ईई/84-85 — अतः मुझे आर० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' अहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 299 है, तथा जो पोंडा, गोवा, में स्थित हैं (स्रौर इससे उनाबद्ध अनुसूबा में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्कोंक्त सम्पत्ति का उविध बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तर रिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिनित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत उक्त जिनियन के अजीय करू दोने के अन्तरक के दाक्तिय में क्सी करने या उक्को वचने में बृजिधा के किय, कार्रिया
- (ब) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-अर व्यक्तिवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था. डिज्या स्विका के किया का बात की किया स्वीका के किया स्वीका के किया स्वीका के किया स्वीका के किया

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरक में मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एवं श्रीमती वासुवेव पुरुषोत्तम मान्डकर, केअर/आफ आरिकटेकटन, विल्ला आलिवेन्ट मारयन, जेन, बेवार्ड, ग्युडस रोड, पनाजि, गोवा।

(अन्तरम)

2. मैससं हरीश कन्सट्रक्शन्स, 30, राधा शांति नगर, पोन्धा, गोवा ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी कारके पृशीस्त सम्पत्ति के वर्षत के जिए कार्यगाष्ट्रियों करता हूं।

उन्ह कम्पोरत के वर्षन के सम्बन्ध में कोई श्री वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी बनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर भेगे क्यों क्या में से किसी स्पन्ति ब्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्च व्यक्ति ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए था सकोंगे ।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया

नप्रकारि

(दस्तावेज, सं० 1010/84, विनांक 25-6-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 299, नोन एस० 'लोकोन्डियम'' पुस्तक बी० के० (नया), जो इतहास, पोन्डा, गोवा में स्थित, है ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगस्टर

विनांक 2-2-1985 मोहर ३ प्ररूप बाधुँ, टी. एन. एस., 🕫 🕶 -

नायकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ भारा 269-च (1) के वधीन सुचना

पाउँ प्रयान

कार्यालय, सहायक जायकर शायक्त (नि.रीक्सण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 फरवरी, 1985

निवेश सं० सी ०आर० 62/आर-1221/37ईई/84-85— यतः मुझे आर०भारद्वाण

जायकर जिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं 0 213 है, तथा जो मारगोवा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप ने वणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 6-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उयित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मल/के पास रिक्टर्टिकृत किया गया है मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी वान की वानंत, उपन् विविधित की वृशीन कर दोने के अन्तरक की वावित्व को अभी करने का उससे वचने में सूर्विका के सिए; वॉर्थ/वा
- (था) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गय-धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविध्य के लिए:

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— एंजाला फिलोमिना डि० फिब्युरेडो, लारगो दास क्वाटसं नजदीक गोमानष्टक निकेतम, बिल्डिंग, मरगोवा, गोवा ।

(अन्तरक)

 मैसर्स सुनिवास रियलेटर्स, कामादेन,, डाक्टर दावा वैध्या रोड, पणजी, गोवा। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सध्यक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हू

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किमी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण :--- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

यगत ची

(वस्मार्थेज सं 6 998/84, दिनांक 6-6-84)

सब सम्पत्ति है जिसका मालता नं० 213, जो मरगोवा, सलसेहें, गोवा, में स्थित है।

> क्षार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 2-2-1985 मोहर 🖫 **अरुप बाइं**.टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 फरवरी 1985

निदेश सं ० सी ० आए०62/आए-1270/37ईई/84-85---यतः मुझे आर०भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाबार मृल्य 25,000/- रा से अधिक है

मीर जिसकी सं व प्लाह न ० 71है, तथा जो आरचर्ड अपार्टमेन्ट्स, आर ० वि ० एक्सटेशन, रोड, बेगलूर, में स्थित है (मीर इससे उपाबद अनुसूची में मीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेगलूर, में ५ वि रर्ट्ट ट ण अहि निरम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 11-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित ब्राजार मृत्य से बम्म के दरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके इदयमान प्रतिफाल से एसे उद्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक बाबा गवा प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आयं की बाबत, उक्त जिस्तियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नीलिंखित व्यक्तियों, अर्थात् — श्री सुनिल सेवन्तीलाल परेक,
 72, मरेनद्रैव, बस्बई-400020

(अन्तरक)

मैसर्स ५रेक, कारपोरेशन,
यूनाइटेड इंडिया खिल्डिंग,
2, फ्लोर, सर०पं० एम० रोड, पोर्ट,
वम्बई-400001

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त हाली हो, के भीतर पूर्वों कर क्यांकित यो में के किसी व्यक्ति दवारा,
- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पूर्व लिखित में किये जा सकी।

स्पर्वाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

(वस्तावेष सं० 1038/84, दिनांक 11-6-1984) प्लाट नं० 71, 7वां फ्लोर, प्यालेस आरचर्ड अपार्टमेन्ट्स, राजमहरू विलास एक्सटेंशन, रोड, बेगल्र में स्थिस है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 2-2-1985

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा (२) श (३) के अभीन सुचना

भारत परकात

अत्यानिय महायक साथकर गाम्यः (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेंगलूर

बेगल्र, दिनांक 22 जनवरी 1985

निदेश सं० 62/आर-1235/37ईई/84-85——अत: मुझे, आर**०** भारद्वाज,

कारणार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-ख है अधीन सक्ष्म पाधिकारी को, यह विश्वाम करने का फारण है कि एक्षावर मंगित्त जिसका उचित बाजार मन्य 29,000/-र से अधिक है

श्रोर जिसकी मं० प्लाप्ट नं० 1 है, तथा जो कामपाल, पणजी, गोबा, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विभिन्न है) रिजस्ट्रार्क्त अधिकारी के कार्यालय बेगलूर में रिजर्द्र एएण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-6-1984

को पर्यक्ति समाहित के तिमत बाजार मन्य से कम को प्रयमान इंकिता के उप देव दिन की गई हैं और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एमे रद्यमान प्रतिफल का उन्हें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तिशत (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त निभ-निमम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दियाल में अधी करने या उससे यजने में मृत्रिधा के लिए; नीर/या
- (ब) एरेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिरियम, 1922 (1922 का 11) या उटन अधिरियम, या धनकर अधिरियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिष्पाने में मुविधा के लिए:

अतः अव, तक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, माँ, उदत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कार्य निमानिस्ति व्यक्तियों, अर्थात:—
48—516GI/84

- श्री बिट्टाल वै० पवाण, बेलिम, बाण्डेज, गोवा कनकराषम,पाटी मिसेस विजयलक्ष्मी नारायन णिडे कामपाल, पणजी, गोवात
 - (अन्तरक)
- श्री आलफेड कोट्टा, केयर/आफ श्रे. एसटाक्वियो कोट्टा, मलवोरा, अगाकैम, इलहास,गोबा।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करकं प्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मं. 30 दिन की अविध, जो भी अविध गाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित के निए जा सकेंगे।

स्वक्तिरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौ का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 1075/84, दिनांक 1-6-1984) प्लाप्ट न० एफ० 1, एट ग्रिन लैण्ड को-आपरेटिव हाउसिंग मोमायटी लिभिटेड, यामधाल, पणज , गोवा में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयग्र आयुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगल्र

दिनान . 22-1-1985

मोहर :

प्रका बाहां . सी . एन् . एस् . प्रान्ताना

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मभीन सुन्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्वस (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनां रु 7 फ न्वरी 1985

निदेश सं ० सी ० आर ० 62/आर-1285/84-85/37ईई/---यतः मुझे आर ० भारद्वाज,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न को अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 375 है, तथा जो अमीना विलेज, वियोतिम गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार पृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाम प्रमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) एसी जिन्ही क्या या किसी अन या अन्य व्यक्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 170 मू ने 11) या का उपधित है। ता धन-यह अधिनियम, 1957 (1957 के 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित ध्यक्तियों, अधीत १—

- 1. (1) श्री जानक गमाचन्द्रा पाडटे,
 - (2) श्री गोबिन्द रामा बन्द्रा पाउटे,
 - (3) मिससं राधा ग।विन्दा पाएटे,
 - (4) श्री ऋष्ण रामाचन्द्रा पाइटे, अमोना विलेज, गोवा।

(अन्तराः)

2. सीसा गोवा लिभिटेड, आलॉटॅंग्हो, पजिम, गोवा।

(अस्धारनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आअंप .----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशः की तारील से अह दिन की अवधि या तत्त्रम्हर्सी कान्या पर सुवना की तामीन से 30 दिन की अनिहा, को भी नविभ बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से फिसी कांक्ट पुकार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उन्तेत अधिनियम के अध्वाय 20-क में परिभागित हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याए में दिया गया है।

बन्सची

(दस्तावेज सं 0 1037/83, दिनांक 11-6-7981) सब सम्पत्ति है जिसका प्लाट ए और एपाट बा, प्राता सर्वे नं 0 375, नीन एम 0 आदवान कोलगाकोडिल क्लिंग, जो अमोना विलेज, बियोलिम, गोवा में स्थित है।

> आर० भारकाज, पत्रम पाञिकारी सहायक आयक्ष आय्वत (विरीक्षण) अर्जनरेज, चेंगलर

दिनांक : 7-2-1985

मोहर 🗄

प्रस्थ नार्षे. टी. एन. एस्. - - - - -

आयनहर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की थार 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक गायकर भायुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रेज, बेगलूर

बंगलूर, दिनाक 7 फरवरी 1985

निदश स० भि०आए० 62/आए-1191/37ईई/84-85— जत मुझे आए० भारदाय,

वाश्कर जा संनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पावार उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 200 स के अवीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य , स्थावर सामिक है

श्राणात कित सर् 1 व है, तथा जो के र एचर बार कालोती कोरामगतबारूर में स्थित है (थाँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार जो पूर्ण रूप से विश्वत है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के ार्यालय, वेश्लूर मराजद्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) ने अधीन दिनाव 13-6-1984

्र पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान तित्रल के तिए अन्दर्शित को गई है और मुक्ते यह विद्यास के रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार प्रस् , एसके दरयभान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का उन्दर्श प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिरितों (अतर्रित्य) के बांच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निग्निजिश्ति उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अध्यरक के सामित्व में कभी करने या उससे वचने में सुनिभा के लिए; और/या
- ्य) एसी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्ध अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए,

अतं अबं, उतत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, भं उत्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के संधीन∡ निय्नितिषत अधिकार्योक सर्वाद्य कर् शिमती डि० वत्साला, घर न० 1-2-593/4/ए, गगन महल कालोनी, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्यामी बेगम, डम्माम, सौदि, अरेबिया, पी० ए० हाल्डर, श्री खलाज, अहमद बैंग, न० ७, ७,ХУІ क्रांस VI मैंन रोड, लक्कासन्द्रा, लालजिनगर, बेगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहयां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भोतर पूर्वीकल स्थितियों में से फिश्री व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्ल- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकना।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख

(दस्तावेज स० 1055/84, दिनाक 13-6-1984) सम्पत्ति है जिसका स० 116/ए, जो के ०एच० वि०कालोनी, कोरामगला, बेगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलूर

दनाक 7-2-1985 . मोहर :

प्रक्ष्य बाइ". टी. ६व. एस.-----

भावकदु अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

नारत परकार्

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जनरोज, बेगलूर

बेगलूर, दिनाक 7 फरवरी 1985

निर्वेश स० सी० आर० 62/आर-1248/37ईई/84-85---अत. मुझे आर० भारताज,

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. में अभिक है

श्राँर जिसकी साठ प्लाट 47 है, तथा जो LX मैन, V1 काम, राजमहत्तृ, विलास, बेगलूर-80 में स्थित है (श्रींग इसमें उपाबद अनुसूची में श्रांग जो पूर्ण कप से विणित है) रोजस्ट्रीकर्ता अधिकार। के कार्यालय बेगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 6-6-1984

को पूर्वोक्त सक्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अतरितियो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्रया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिनित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्रया है:—

- (क) अन्तरण संहूर्ण किसी साथ की बाबस उन्ध अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक वं दायित्व मो कमी करने या उसने प्रथन में धृतिका के 'लए; और/या
- (च) इसी किसी जाय या किसी भन मा अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किए। गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग क अनमरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :---

- (A) काथि कारपोरेणन, मेहु हाउस, 15, सि०पी० स्ट्रीट, बम्बई-1
 - (B) भक्तावर दूस्ट, 33/1, कातिगहाम रोड, बेगलूर

(अन्तरक)

श्री अशीन प्राब्मीदास स्पारेल ग्राप
 श्री वितय प्रभुदास रूपारेता,
 408, विलवरसँड, वि०एम० ई० कलगारि,
 आलवरटो, टी०2, जे-127, केनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यसाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षाप ---

- (क) इस सूचना के गुजपत्र में प्राप्त कर महिला के 45 दिन को अविधि में ते कर की मिनतिया प्रस्तिया प्रस्तिन की तामील से 30 दिए की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्यिक्त में से कि की अविक्त द्वारा.
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवह्श्र किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्थान।

स्थव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

(दस्नावेज, स० 1013/84, दिनाक 6-6-1984) १८६ र ० 17, इन प्यालेस आरयर्ड, अपारटमेन्ट्स, १, मैन, ६, कास, राजमहल विलास, बेगलूर-80 में स्थित है।

> आ४० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेगलूर

विनान: 7-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-- - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, बेगलूर

बेगलूर, दिनाक 7 फरवरी 1985

निदेश स० सि० आ२० 62/आर- 1226/84-85—— यत: मुझे आ२०भा³द्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परुणत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० प्याप्ट न० ई-10 (दो प्लाट्न ह तथा जिस्माना, गिना, मेंगोबा में प्याप्त है (श्रीप इपस उपाबद अनुसूचा में श्रीप जो पूर्ण स्वत स अर्णित है) रिल्ट्रीफर्ता अधिकारी क कार्यालय, बेपल्च में सं क्ष्माप्त कियालयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनार 6-6-1981

कर्री पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल क लिए जन्दरित की गई है और मुक्ते रह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिहाद से अधिक है और अतरक (अहरकों) और अतरिती (अहरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए;

अत अब, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थान् —

- (1) श्रीमती मरिया दोनेन, जोसेफिना, मनेजेस, सोघरिय।
 - (2) फानिसिको, स्काबियर जिपसे बरेटो, केअर/आफ एलिसबे बरेटो, सियो।लम, बारडेज, गोवा।

(अन्तरक)

2ू मैसर्स जे० आर० कन्सद्रमणनन्स, अपोजिष्ट बैनः आफ इंडिया, मिरामर, पंजिम, गावा।

(अन्तागता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपित के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वात व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति म हितदब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाग अधोहस्ताक्षरी के बाम लिखित में किए जा सकींगी।

स्पष्टोकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज, सं० 1003/84, दिनांक 6-6-84)

सम्पत्ति, है जिसका प्लाट नं ० ई 10, (दो प्लाट्स), जो सेटो मेरिस कालोनी, सिरामर, पंजिम, गोव में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बेंगलर

दिनांक 7-2-1985 मोहर प्रकल कार्यु औ । एन्यु एक .-----

भायकडु अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत चरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेगलूर, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 62/ग्रार-1253/37**६६/84-85—ग्रतः मुझे** श्रार० भारद्वाज

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारफ हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० भालता 30 है तथा जो फटरडा मरगोवा सलसेट्टे, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुवन्धी में और जो पूर्ण रूप सं वांगत है) और रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय बेगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 6-6-84

को पूर्विनेत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास इन्दर्न का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से, एसे इर्यमान प्रतिफल का पहुंह भीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर रित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दर्य से उक्त अंतरण लिखित में अभ्तावक रूप से कथिस नहीं किया गया है ----

- (क)] अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कह देने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा स्रोतिस्ए; बोह्र/या
- एसी किसी आय या किसी धन या कन्य बास्तियों कां, जिन्हें भारतीय अायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने यें सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, ∫नक्तिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ६—- श्री दामोदर पुरुशोत्तम इगडो, मिस्सं गोपकाबि पामोतर ३गडो फटरडा, गोवा,

(ग्रन्तरक)

 जोसे पानितनो कौटिन्हा जैमिरा कौटिन्हो मैंनेजस सिनक्लवेटिम नवेलिम सलसेटे, गोवा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांइ' भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राज्ञपत्र का विकास का लागा कि का अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूचना कि सामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि गद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख स 45 विन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बहुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरों ♣ क पास लिखित में किए जा स्कृत

स्पक्किरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, आ उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं₁₀ वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1018/84 दिनाक 6-6-84) सम्पत्ति जिसका चालता नं० 30, जो फटरडा, सलसहे, गोबा में स्थित है (1734.35) स्ववायर भीटर्स ।

> स्रारक भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज बंगलूर

दिनांक 7-2-1985 मोहरु

प्रमुख बाह् . क्ष्रु . एष् . एष

आथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की যাত 260 জ (1) के स्पीन स्पूना

सारव सन्वार

कार्यांक्य, सहायक आध्कर वाध्क (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज बेगलूर

बंगलुर दिनाक 7 फरवरी 1985

निदेश स० 62/ग्रार-1250/37ईई/84-85---ग्रतः मुझे ग्रार- भारताज

आयकर अधिनियाम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार नाम अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ता जिनीन रक्षा प्रतिवास करने का कारण हो कि स्थायर सक्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 '- रुज संअधिक हैं

अीर जिसकी स० प्लाट न० 33 है तथा जो सेट इनेज पनिज कुर्वहाप गोता से स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पर्ण रूप से पणित ई) और रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय अगलूर में रिनिट्रीकरण पिशित्यम 1908 (1908 का 16) के प्रशीत दिनाक 6 6 1984

कर पर्विक्त सम्भागि के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान गण्डल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिकार से, एसे खरयमान प्रतिकत का स्माह प्रतिकार के विश्वास के किए स्थान प्रतिकत का सम्माह प्रतिकार के विश्वास है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (प्रतिक्रिंग) के जैदा एसे के संतरण के निए तथ पाया गया प्रतिकार का सम्मान कि कि के वास्त का सम्मान कि कि के वास्त का समान के जिसक के वास्त का समान का स्वास का स्वास का समान का स्वास का समान का स्वास का स्वास

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- कि एेमी निर्मि जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिल्ही भारतीय आयकर जिमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या पनकर जीविनयम या पनकर जीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रसीहरण के जन्मिती दवारा प्रकट नहीं विश्या गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में मृतिश्या के निर्मा;

गतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण प मी, उपन अधिरिध्य की धारा 269-ग का उपधारा (1) इ. सीन, निम्निलिश व्यक्तियाँ, अर्थात भ्रमा श्री दोरमा बाबुसो नैक्यु०, मिसर्स गांति दोरमा नैक्यु, सेट, इनेज, पणजी, गोवा,

(श्रन्तरक)

2. श्री श्ररविन्द महाबलेश्यर नायक, नं० 360, नियर सिरबोयकर गारेज, सेट, इनेज, पणजी, गोवा।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

क्या कम्मीत्व के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासंप ह----

- (क) इंड बूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 वित्र की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृजना की तामीस से 30 दिन की अविध, जों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की सारीच सें 45 दिन को भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी कें पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क न परिस्तर ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुंबा है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 1015/84 दिनांक 6-6-1984)

संब सम्पत्ति है जिसका नाम डरवानो, डिकासस" नोन एस० प्लाट नं० 33 जो सेट, इनेज, टिवाडि इलहास, गोत्रा, मे स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्अन रेज, बेंगल्र

दिनांक 7-2-1985

भोहर 🛚

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६०-च (1) के अधीन स्पना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरोक्षण) श्रर्जनरेज, बेंगलूर

बेगलूर, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश मं० मि० श्राप्त 62/43372/848-5--श्रत मुझे, श्राप्त भारदाज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-क के अधिन गक्षम प्राधिकारी को गत विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपिन, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रुट से ङिधिक है

और जिसकी म० 7 है, तथा आके उत्तरादि मठ लेन, चिकपेट काम, वेगलूर में स्थित है (और इसगे उपाबद्ध प्रनुचची, में जो पूर्ण रूप से विणत है) जिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय गाधीनगर में जिन्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाक 6-6-1984

का पूर्वोवन सम्पत्ति के उचित वाजार पून्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करा का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूला, जमके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंवह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करनी या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एकि फिली शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-का पिपियम, 1957 (1957 का 27) के राजा किया गया भारति किया गया भारति या किया गया भारति का किया गया के सिए,

जतः ग्रद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भे, चैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात.—— श्री श्रीर० एस० माध्या राव, न० 7, उत्तरादि मठ लेन चिकपेट, कास, बेगलूर-53

(ग्रन्तरक)

श्री मोहनलाल,
 गं० बी/7, मारम्मा टेपल, स्ट्रीट,
 बेगल्र-2

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उसत संपति के अर्जन के सबंध में कोई भी काओप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिकारों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसूची

(दस्तावेज सं० 990/84 दिनाक 6-6-1984)

सम्पत्ति है जिसका सं० 7, (भाग), जो उत्तरादि मठ लेन, चिकपेट कास, बेलूर में स्थित है

> श्रार० भारढाज सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बेगलर -

दिनाक 12-2-1**9**85

मोष्टरः

प्ररूप **वार्<u>ः</u>टी . एव** . एस_{ः.} वानवायान्यान्यान

जायकार वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० सि॰श्रार० 62/4589/84-85—अतः मुझे श्रार० भारक्षाज

भागकर जिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,00/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 0 7 है, तथा ओ उत्तराधि मठ लेन चिकपेन कास, बेंगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वाणत है) रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय) गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन दिनांक 6-6-1984

का पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रामान प्रितिक को लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रामान प्रतिकल से एोसे ध्रामान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मीं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बतः अब उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नितित व्यक्तियों. अर्थात ए—— 49—516GI/84 श्री ग्रार एस० माधवा राव,
 न० ७उत्तरादि मठ लेन, चिकपेट क्रांस बेंगलूर
 (श्रन्तरक)

श्री णा चन्दानमल,
 केश्चर /श्राफ मैंसर्स मिल्स क्लाथ कारपोरेशन,
 डि० एस० लेन, चिकपेट, बेंगलूर-53 अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीच खें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति व्धारा अधोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमैं प्रयुक्त घट्यों और पर्यों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित र हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज स० 988/84, दिनांक 6-6-1984) सम्पत्ति है जिसका सं ० ७ (भाग), जो उत्तरादि मठ लेन, चिकपेट कास, बेंगलूर-53 में स्थित हैं

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी ग्री सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 12-2-1985 मोहर प्रकृप आईं. टी. एन. एस. ----

भायकार अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की शहा 269-व (1) के स्थीत स्वा

नारव बरकार

कार्यांतय, सहायक मायकर मायुक्त (निद्धीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० भार० 62/45892/84-85--भनः मुझे, भार० भारद्वाज

बाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्ति, विस्का अधित बाबार मृक्य 25,000/- रा. से विधिक हैं

मौर जिसकी र्सं० 7 है तथा जो उत्तराधि मठ लेन चिकपेट कास बेंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन रजिस्ट्रीकृत श्रधिकारी के कार्यालय गाधी नगर में दिनांक 6 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्तृष्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितेयों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तय पाया गया प्रति-का निम्निपिद्य उद्विष्य से उक्त बन्दरण विविद्य में वास्तिक्य क्य से कि शिश नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण ते तूर्व जिल्ही बाव की वाब्स, उथक अधिनियम के स्थीन कर दोने के सम्तरक कें समिरण में कमी करने या उसक्को अपने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अभिनियम, शा भन-कर अभिनियम, शा भन-कर अभिनियम, शा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्नारा प्रकट नहीं किया ज्वा था वा क्या जाना चाहिए ना, किया के तिए;

नतः वन उन्त नीधीनयम की शास 269-न की वन्तरन में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) भी नधीर निम्नितिन स्थानस्था, अर्थात् ह— (1) श्री भ्रार० एस० माधवा राव, र्न० 7 उत्तरादि मठ लेन, चिकपेट कास, बंगलूर-53

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाशचन्द्र सि० जैन, नं० 14, राजान्ना लेन चिकपेट बेंगलूर-53

(म्रन्तरिती)

को वह बुचना चारी करके प्रानिक सम्मित्त के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुई।

तकत सम्मणि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिए की नगीं वा तत्स्वन्धी व्यक्ति पुर सूचना की दात्रीस से 30 दिन की नगीं , जो भी वनित में से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थानर सम्पत्ति में हितनद्ध किती जन्म व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पाड सिवित में किए वा बकोंगे।

लाकीकरणः — इवजे प्रमुख्य कर्यों और वर्षे का, को वर्षे मौधनियम, मौ मध्याध 20-क में परिभावित हैं। नहीं मर्थ होगा को उस मध्याय में विका नवा है।

धनुसूची

(दस्तावेज सं० 989/84 ता० ०-०-४4) सम्पत्ति है जिसका सं० 7 (भाग), जो उत्तराधि मठ लेन, विकपेट कास, बेंगलूर -53 में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन, रेंज बंगलूर

विनांक :- 12-2-1985 मोहर ॥

HER BIE OF LES WELLEN

भायकुर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं भारत 269-म् (1) के स्भीन सुमना

भारत तरकाष्ट्र

कार्यास्य, सहायक जायकार जायकाः (निर्दासक)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, विनांक 12 फरवरी 1985

निदेश र्स० ऐ० पी० नं० 5752 श्रीर 5753---श्रतः मुझे जे० एल० गिरधर

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिन्यम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो फरीवकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाश्चद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फरीवकोट में रजिस्ट्री करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान अपिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास कर्मने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) संधरण से हुइ किसी जाय की बाबता, सबसा बीधिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक को दायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अकः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अ अभीम, निम्मिसिस व्यक्तियों, सर्थात् १(1) दुर्गा धास पुत्र केहरचन्द, वासी देवी द्वारा, फरीधकोट ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती भूपिन्त्र कौर पत्नी हरिन्त्र जीत सिंह श्रौर बलजीत कौर पत्नी प्रीचम सिंह मार्फत सामरा राईस मिल्स, सदीक रोड़, फरीबकोट । (श्रन्तरिती)
- (3) श्री शाम लाल गुष्ता मार्फत सामरा राइस मिल्स फरीदकोट । (बहु व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के द्वाजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो शी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकरा
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतन अकत स्थावर सम्पत्ति में हित- नव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे. पदों का, भी उक्षत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाचित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय के विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि लेख र्न० 1273, 1424 दिनांक जून 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फरीदकोट ने लिखा है)

> जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज जोलन्धर

दिनांक 12 फरवरी 1985 मोहर अ प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिक) भूर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 5754 श्रीर 5755— यतः मुझे, जे० एत० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो बठिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बठिण्डा में रजिस्ट्रीकरण धिनियस, 1908 (1908 का 16) के धिधीन जून 1984

को पूर्वों वत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि सभापूर्वों वत सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) करतरण से हुई किसी जाय की वानत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्वियत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; अर्रि/बा
- (था) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर स्विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन: निम्निलिखित अधिनतयों, अर्थात एक्क (1) श्रीमती चन्द्र कौर विधवा बिशन सिह, मानसा रोड, विठण्डा ।

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमती चरनजीत कौर पत्नी घरिन्द्र सिंह मार्फत वरिन्द्र मिंह, एस्० डी० श्रो०, इरिगेशन, गिदङ्वाही तहसील मुक्तसर । (ग्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्लाक में किए जा सकेंग।

स्पल्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्ग् अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याम में दिया नवा है।

are well

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1254,1264 दिनांक जून 1984 की रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, बठिण्डा में लिखा है)।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 13-2-1985

मोहर :

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० नं० ए० पी० नं० 5756—यतः, मुझे, जे० एल० रिगधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बाह्या गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने, का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुन्म 25,000/- रत. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० जैसा अनुसुची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी केकार्यालय, जालन्धर मे रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जून 1984 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मित्त का उपित बाबार मुल्थ, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का 📺 इं प्रतिशत से अदिधक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- '(क) अन्तरण से हुइ' किसी बाद की बाबत उक्त अपि-नियम के अभीन कर दीने के बन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीर∕या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा **बे सिए**;

कतः वद, उक्त विधिनयम, कौ भारा 269-न के वनुसरुक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-धं की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--

- (1) श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी तेज पाल सिंह वासी 737 मोता सिंह नगर, जालन्धर।
- (2) श्री रिवन्द्र कुमार गोयल पुत्र साधू राम 737 मोता सिंह नगर, जालन्धर । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विन की अविध सा सत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुतारा;
- (ख) इस स्वना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा ५ केंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया 📽 ।

अम्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमाकि विलेख नं० 1001 दिनांक जन 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनाक : 13-2-1986

मोहर 🗓

प्ररूप बार्ड <u>टी. एन एस .*************</u> आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत चरकार

कार्यानय, सहायक आयंकर आयंक्त (निर्देशिक) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5757 श्रौर 5758—यतः, मुझे .जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उनाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर 1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्येष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनतरण ते हुई किती बाव की वावतः, उक्त जिथितियमं के अभीत कर दोने के जनतरक के वादित्व में कजी करने वा बख्दे व्यने में दृषिधा के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ की, चिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानी में सुविधा के निष्;

नतः नम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै ननुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, भिम्निसियत व्यक्तियों, अभूति :---

- (1) श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी तेज पाल सिंह वासी 737 मोता सिंह नगर, जालन्धर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री रिवन्द्र कुमार गोयल पुत्र साधू राम वासी 737 मोता सिंह नगर, जालन्धर । (भ्रन्तरिती)

की यह भूजना चारी करके पूर्वोक्त सुम्पृत्ति के वर्षन् के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप रू--

- (क) इस बूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, को भी अनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति वृनाए;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभाहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पच्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विकेश गया है।

वन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न 2229, 2241 दिनांक सितम्बर 1984 का रजिल्झे हर्ना भ्रविकारी, बालन्धर ने लिखा है)

> खे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

दिनाक 13-2-1985

मोहर:

प्ररूप बाइ .टी.एन्.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ब्रांगि स्वता

भारत संस्कार

फायसिय, सहायक मायकर आयुक्त (निर्देशिक) अर्जन रेंज, जालन्धर,

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5759—यतः, मझे जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैमा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपायब श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर है रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन अगस्त 1984

को पूर्वोगत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कर्यों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और भंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कि चित नहीं किया गया है ए---

- (क) जन्तरभ से हुई किसी साथ की बाधत, उपत विभिन्निया के बभीन कर दोने के जन्तरक के सर्वित्व में कमी करने वा उससे वचने वे कृतिका के लिए; औड़/या
- (क) ऐसे किसी बाय वा किसी भन या अस्य आस्तिकों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या अक् कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया प्रया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के किए;

बतः बदः उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)' के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी तेजपाल सिंह वासी 737 मोता सिंह नगर, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रिवन्द्र कुमार गोयल पुत्र साधू राम वासी 737 मोता सिंह नगर, जालन्धर (भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पृत्ति के भूर्वन् के सम्बन्ध में कोई भी बाओंप :----

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूभना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द स्पिनतमों में से किसी स्पन्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तर्र्यांक दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए वा सकोंगे।

स्यक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त कब्यों और पर्यों का, वा उपक विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

वनस्थी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2141, दिनांक भगस्त 1984 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 13-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, यहायक सायकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5760--यतः, मुझे जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से व्यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जन 1984

को वृवेकित सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्थामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरक से निए तय वाया नथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी लाग की बाबत उक्त लिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; और/मा
- (क) ऐसी किसी लाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए, और/या

अतः अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात ।---- (1) श्री सोहन सिंह पुत्र भुल्ला सिंह, वासी किगरा, तहसील जालन्धर द्वारा मुख्तयार श्री ग्रनिल भोपडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) कुलदीप सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह वासी गांव व डाक खाना दरौली कला, तहसील जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के वर्षन के लिए कार्यवाहियां वाक करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के तंर्वंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ष वृक्ष किसी जन्द व्यक्ति वृद्धार अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त किंभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वसा है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमािक विलेख नं 933 दिनांक जून 1984 को रजिस्ट्रीकर्बा प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है)

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज, जालन्धर

दिनाक : 14-2-1985

मोहर 🛭

प्रस्य भार्दः टी. एत्. एस्.,-----

माभकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5761——यतः, मुझे जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिस्जिट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकास अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निस्चित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किशत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त बिधिवयर के अधीन कर दोने के बन्तरक के बादित्व में कमी करने या उससे दचने में ज़्विधा के सिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुनिधा के निएं,

अतः अस, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 50--516GI/84

(1) श्री सोहन सिंह पुत्र भुल्ला सिंह, वासी किंगरा, तहसील जालन्धर, द्वारा मुख्तमार बलवन्त सिंह,

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हरजीत कौर श्रीर निरलजीत कौर पुत्री जसबीर सिह, वासी 34-एल माडल टाउन, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्वित्यों में से किसी स्वित्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर मंपिता में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किएं, जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्सकी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 972 दिनांक जून 1984 को रिजम्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, जालन्धर ने लिखा है जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनाक . 14-2-1985

मोहर 🕫

मुक्त बाहरे, टी, एस एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भाइत सडकाह

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 22 श्रेप्रेल 1985

निवेश सं० ए० पी० 5762—श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका अचित बाबार मृत्य 25,000/-रा. सेश्जिभिक है

और जिसकी सं जैसा अनुमूचो में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक प्रगरत 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और जुके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उज़ित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पत्तह प्रतिशत से अभिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंसरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक कप मे कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संदुर्द किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अभ्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में युविधा के सिए;

्र अतः अयः, उक्तः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ उक्तः विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को समीतः, निम्मीलिखित् व्यक्तियों, अधातः :—- (1) श्री सोहन सिंह पुत्र भुल्लासिंह, वासी किंगरा, तहसील जालन्धर क्षारा मुख्लपार वलवन्त सिंह

(भ्रन्तरक)

(2) चेतन कौर और रबनीत कौर पुत्री जसबीर सिंह, वासी 34-एल माडल टाउन जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्रवेक्त संपरित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत ए पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्तित में किए जा सकोंगे।

स्वचीकर्णः - इसमें प्रयुक्त सन्यों औड़ प्यां का, वो वर्षे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआवित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 1969 दिनांक ग्रगस्त 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है)

> जे० एल० ११८। सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-2-1985

भोहर:

भक्त वार्षः को ्यन् । युक् ु-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

ताहत रहना

कार्यास्यः, सहायक भागकर वायक्त (निरीक्षक)

भ्रजीन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनाक 13 फरवरी 1986

निवेश सं अई-2/37-ईई/5853/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास ,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मरित, जितका उचित - बाजार मून्य 25,000/- रा. से जीभक हैं

अरे जिम्ब्बी सं० फ्लैंट नं० 301 जो तीसरी मझिल बिल्डिंग अव्हरी हाईटस, प्लाट न० 1 एस नं० (अंश), 4 बंगलोज वसींवा, अंधेरी (प०) बम्बई—58 में स्थित हैं) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनाक 2 जून 1984

कहे पूर्विकृत सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाव की वाबत, टक्स जिल्हा के अधीन कर दीने के जन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा चे हिस्ट; बॉर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, विन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा की लिए;

बतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) है अभीन, निम्निविधित व्यक्तियों हैं स्थारित हैं— (1) मैसर्स यस्मिन इंटरप्रायसेण ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती इस्माइल ग्रब्दुल्ला जुम्मा

(भन्तरिती)

(3) मैंसर्स ओणिवरा लैन्ड डेबेलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट लि०) (वह व्यक्ति जिसके बारे मे भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

की गृह सुचना आरों कारके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुन

उनक सम्मित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षु से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी विदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानत में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इत त्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा तकोंगे।

स्थव्योकरण :--इसमा प्रयुक्त शक्यों और पतों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्वी

"फ्लैंट नं० 301 जो तीसरी मंज्ञिल बिल्डिंग ग्रव्हरी हाईटस प्लाट नं० 1 एस० न० 41 (अश) 4 बंगलोज क्सोना अंद्येरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा की कि० सं० ध्रई-2/37ईई/5853 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज 2, बम्बई

दिनांक : 13-2-1985

मोहर :

प्रकृष बार्ड . सी . एवं . एच . ------

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

STATE SALVEY

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-2 अम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985 निदेश सं श्रई-2/37-ईई/6910/84-85-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० सी-11 जो पहली मंजिल सांताऋस रामेक्वर को-श्रापरेटिव हार्जीसग सोसाईटी लि० सर्वे नं० 50 प्लाट नं० 122 एन ए० सर्वे नं०118 और 221 एस० वि० रोड सांताकूज (प०) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची से पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकरु श्रिधनियम 1961 का धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 25 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित्त में वास्त- विक रूप से काथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त आंध-निष्म "के अधीत कर दोने के अन्तरक के दारियत्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें सुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-थ के बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, न्मिनीकवित व्यक्तियों, अर्थात् हरू (1) श्री पंकज एस० पारीख।

(प्रन्तरक)

(2) श्री शरद जे० राच और श्री किरीट जे० राच (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए हैं कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्संबधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त बिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

"पर्सैट नं० सी-11 जो पहली मंजिल सांताऋक रामेश्वर को-भापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० सर्वे नं० 50 प्लाट नं 122 एन० ए० सर्वे नं० 18 और 231 एस० वी० रोड़ सांताऋस (प) बम्बई 54 में स्थित है

श्रनुसूची जैंसा की कि० सं० ग्रई-2/37ईई/6910/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25 जुन 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख : 13-2-1985

मोहर ः

प्रकप बाइ . टी. एन. एस. ------

नामकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

भारत सरकार

सहायक भायकर श्रायुक्त (निरंक्षिण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 फरवरी 1985

निर्देश सं० म्रई-2/37 ईई/6211/84-85-म्प्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गण हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 4, जो 3री मंजिल, 'सी" इमारत, कांतीश्रपार्टमेंट्स,माउंट मेरी रोड,बांद्रा, बम्बई—50 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर श्रीधनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 15—6—1984

को पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार भूक्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निचित उद्देश्य से उच्च क्रमरण निचित में बास्तिक स्प्य से कथित नहीं किया गया है '---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाम की बाबत, उपत विधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विकया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के किया।

अत: जब, जबत अभिनियम की धारा 269-म के जनुसर्थ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिखत व्यक्तियों, वर्षात् क्ष्र-- 1. मेसर्स मिन् डेब्हलीपर्स

(भन्तरक)

2. कासम एस॰ मुसानी और श्रीमती मुमताज कासम मुसानी

(म्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स संपर्तिस के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में टिंग गया है।

जन्स्ची

फ्लैट नं० 4 जो 3री मंजिल, "सी" इसारत कांती श्रपार्टमेंट्स, माउन्ट मेरी रोड बांद्रा बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37 ईई/6211/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनोक 20-2-1985 मोहर ः हरून, बाह् ्टी, रून, एवं, ----

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के नभीन सुचना

प्रार्व बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 20 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37 ईई/6986/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मस्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 3 जो 1ली मंजिल "ए" इमारक्ष कांती अपार्टमेंट्स माउन्ट मेरी लोड बांद्रा बम्बई—50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, दिनांक 28—6—1984

को प्रोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह बिश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल हो, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली बाब की बावत उपत जिल्ला निवस की अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व को कमी करने या उलसे बचने में सुविधा के लिए; और/वा,
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के निक्

वतः वज, उक्त विधिनवत की भारा 269-ग क वनुसर्थ में, मैं. उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के वधीन, निम्निवित व्यक्तियों, वर्षत् હ 1. मेसर्स मिन् डेक्हलोपर्स ।

(भन्तरक)

 श्री प्रविण पी० ठक्कर और श्रीमती हर्षापी ठक्कर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्भ किसी वन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया मवा है।

ware will

फ्लैट नं ्री3 ओ 1ली मंजिल "ए" इमारत कोती भ्रपार्टमेंट्स, माजन्ट मेरी रोड, बांब्रा बम्बई-50 मे स्थित है ।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धर्ध-2/37-ईई/6986/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

विनांक: 20-2-1985

मोहर ः।

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत नरकार

कार्यासयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजीन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 20 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/6212/84-85--- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं 1 जो 3री में जिल, "सी" इमारत, कांती एपार्टमट्स माउन्ट मेरी रोड, बांद्रा, बम्बई—50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसक करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 15—2—1985

को पूर्वोक्स सम्बन्धि के उधित बाजार बूल्य से कन के क्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि वधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, इसके क्यमाल प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम वामा मना बतिकल निम्निसित ब्रुविध्य से उक्त बंतरण सिचित के बास्तिकल क्य से अधिक नहीं किया प्या है:—

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी भाष की बाबते, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के संतरक खें दासित्य मों कामी कारने या उसले रक्षने में सीविशा औं सिए: और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

नतः नव, उक्त निधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) जै सधीन निम्निविक्त व्यक्तिकों, अर्जात् 4--

1. मैसर्स तेज बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स गुप्ता एण्ड टुब्ज एण्ड पाईप्स प्राइवेट लि॰ (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावित सम्पत्ति के बर्जन के सिए कार्वहाहिमां करता हूं।

चक्त संपरित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी मार्क्षः---

- (क) इत ब्यान के रायपन में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन की बनीथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर त्यान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो श्री जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यास्त;
- (ण) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विश्व किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

अनुसूची

फ्लैट र्न ० 1, जो 3री मजिल, "सी" इमारत, कांती श्रपार्टमेंट्स, माउन्ट मेरीरोड बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ,ई-2/37-ईई/6212/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-84 को राजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिका**री** सहाय**म** प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 20-2-1985

मोहर :

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.------

1. श्री जियाउद्दीन ्युखारी ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रियाज ग्रहमद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुकागः;
- (ख) इस सूजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास . लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैट न० 404 जो 4थीं मंजिल, बिल्डिंग न० 10, विलेज ओशिवरा बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

यनुसूची जैसा कि क० सं० प्रई-2/37-ईई/6272/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984 की रस्जिटर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2; बम्बई

तारीख: 6-2-1985

मोहर:

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37—ईई/6272/84—85—श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मेंख्या फ्लैट न० 404; जो 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० 10, विलेज ओणिवरा, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प,) बम्बई—58, में स्थित है (और इससे उपावड प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्थ के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-्ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्राजीन रेंच-2, बम्बई बम्बई विनांक 20-2-1985

निर्देश स० ग्रई-2/37-ईई/6550/84-85--भतः मुझे, लक्ष्मण वास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-ख के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी संख्या हं डिस्ट्रियल एस्टेट बेयरिंग एस० नं 0 10 और 11, जोगेश्वरी, केटज ोड, जोगेश्वरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससें उपाबद्ध अगुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, यम्बई में रिजस्ट्री है दिनाक 22-6-1984

क्री पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशतः से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क). अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----51—516GI/84 1. भक्तवार कन्स्ट्रक्शन कंपनी प्राध्वेट लिमिटेड

(भन्तरक)

2. मेसर्स फिकाया इंजीनियरिंग प्राइवेट लि०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उनत स्थावर संपरित में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवास मों किए था सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

''इंडस्ट्रियल श्रीमाइसेस श्राम प्लाट बेयरिंग सर्वे न० 10 और 11, जोगेव्वरी, केळा होड, जोगेव्वरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है। मनुसूची जैसा कि ऋ० से० श्रई-2/37-ईई/6550/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-6-1984 को राजस्टक किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहामक पायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 20-2-1985

मोहर:

प्ररूप माई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक अध्यक्त काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, सम्बद्ध सम्बद्ध, विमांक 12 फरवरी 1985

निर्वेश सं० आई० 3,37ईई,10385,84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रूपये में अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलैंट मं० 402, जो 4 थी मंजिल, पूजा इमारत, माहूल रोड, चेंबूर, धम्बई-71 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप. से विणत है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को प्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितयों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्थ से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुनिधा के निगा और/था
- (क) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उल्धारा (1) के अधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— 1. नहार एसोसिएटस ।

(अन्तरक)

 श्री हरचरण सिंह गुरमुख सिंह घुरा, चरणजीत कौर हरचरण सिंह घुरा घौर झान कौर गुरमुख सिंह घुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्यकिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

नन्त्र्या

पर्लंट मं० 402, जो 4 थी मंजिल, पूजा इमारल, माहूल रोड, चंबूर, धम्यई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकि क० सं० आई-3,37ईई,10385,84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ब किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🥲

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 11th March 1985

No. F.6/85-SCA(I).—1. The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri Mahesh Prasad, officiating Joint Registrar, to officiate as Additional Registrar with effect from the forenoon of March 11, 1985 to March 31, 1985 in the leave vacancy of Shri A. N. Oberai, Additional Registrar.

- 2. The Hon'ble the Chief Justice of India has further promoted and appointed Shri S Banerjee, Deputy Registrar, to officiate as Joint Registrar with effect from the forenoon of March 11, 1985 until further orders against a newly created post of Joint Registrar.
- 3. The Hon'ble the Chief Justice of India has also promoted and appointed Shri H S Munjral, Deputy Registrar, to officiate as Joint Registrar with effect from the forenoon of March 11, 1985 to March 31, 1985 vice Shri Mahesh Prasad promoted as Additional Registrar.
- 4. The Hon'ble the Chief Justice of India has further promoted and appointed Shri C Balasubramanian, Assistant Registrar, to officiate as Denuty Registrar with effect from the forenoon of March 11, 1985 to March 31, 1985 vice Shri H. S Munjral, promoted as Joint Registrar.

R. SUBBA RAO, Registrat Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 6th February 1985

No A.32011/1/84-Admn I.—In pursuance of the Depart ment of Personnel and Administrative Reforms A.M. No. 13/2/83-CS(II)(1) dated 23-1 1/84 Shi I litted r 1 at Selection Grade Stenographer grade (C) of the CSSS cadre of Uffion Public Service Commission who has been working as Assistant Director (English Shorthand and Typewriting on deputation basis in the Institute of Secretariat Training and Management, has been promoted to the post of Senior Personal Assistant (Grade 'B' of CSSS) in the CSSS cadre of Union Public Service Commission with effect from 23-1-1984 (Forenoon) until further orders.

The 13th February 1985

No. A-32011/1/83-Admn. I.—The Chairman, UPSC is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the CSS Cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Under Secretaries in Grade I of CSS on ad-hoc basis for the period mentioned against their names under the powers vested in him vide Regulation 7 of UPSC (Staff Regulations) 1958.—

S. No	. Name	Perio	1 of	ad-hoc promotion
1.	Shri Mukul Chatterjes .	5-11-84	to	19-12-84
		21-12-84	to	31-12-84
2.	Shri B.N. Arora .	15-10-84	to	28-11-84
		30-11-84	to	31-12-84
3.	Shri I.P. Tuli	15-10-84	to	28-11-84
		30-11-84	to	31-12-84
4.	Shri K.L. Surl .	15-10-84	to	28-11-84
5.	Shri B.D. Sharma .	15-10-84	to	24-11-84
6.	Shri D R Madan .	13-8-84	to	26-9 -84
		15-10-84	to	23-11-84
7	Shri Dhanish Chandra	3-7-84	to	28- 7-84
		21-8-84	to	4-10-84
		29-10-84	to	11-11-84

The 14th February 1985

No A 32014/1/85-Admn III —The President is pleased to appoint the following regular Assistants of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers in the CSS cadre of the Union Public Service Commission for the period indicated against each on ad-hoc basis or until further orders whithever is earlier;—

S. N	o. Name		P	eriod of ad-hoc appointment
1	. Shrı S.D. Mall			18-2-85 to 4-4-85
2	. Shri Manjit Kumar			1-3-85 to 14-4-85
3	. Shri Amrit Lal .			1-3-85 to 14-4-85
4.	Shri S P S Sagar (SC)			1-3-85 to 14-4-85

The 15th February 1985

No A.19014/4/84-Admn I.—Consequent upon his selection as a probationer in the Indian Railway Traffic Service, Shri Surendia Rumar, Under Secretary has been relieved of his duties in the Commission's office with effect from 15-2-85 (AN).

The 21st February 1985

No. A-32013/1/85-Adm, I.—The President is pleased to appoint Smt. Jayalakshmi Balachandran, a permanent Section Office of CSS Cadre of UPSC, included in the Select List for Grade I of CSS for the year 1983—No. 24 as Under Secretary in the Commission's Office on a regular basis with effect from 1-2-1985 (FN), until further orders subject to para 2 of Department of Personnel & ARs OM No. 4/14/83-CS(I) dated 4-1-84.

The 22nd February 1985 CORRIGENDUM

No A 32014/1/85-Adm I—In this office Notification No. A.32014/1/85(u)-Admn I dated the 21st January, 1985, the name of Smt Saroj K. Kapoor and other entries relating to her against Sl No 3 may be deleted and Sl. No. 4 may be renumbered as 3.

The 26th February 1985

No. P 1142/Admn I.—The President is pleased to permit Shri B S Jagopota, permanent Grade I officer of the CSS and offic ating as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission, to retire from Government service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 28th February, 1985.

No. A 19014/2/83-Admn, I.—The President is pleased to permit Shri M. L. Ray, a permanent Section Officer and officiating as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission to retire from Government service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 28th February, 1985

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn)
Union Public Service Commission

New Delhi, the 18th February 1985

No. A 35014/1/84-Admn II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Karan Singh, Section Officer of CSS cadre of Union Public Service Commission to the ex-cadre post of Accounts Officer in the Commission's Office on ad-hoc basis for the period from 1-2 85 to 30-4-1985 or until further orders whichever is earlier.

The appointment of Shri Karan Singh as Accounts Officer will be on deputation terms and his pay will be regulated as per instructions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F.1(11)-E.III(B)-75 dated 7-11-1975.

VIJAY BHALLA
Section Officer (Admin.II)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 5th March 1985

No. 1-20/82-CFSL/1593.—The President is pleased to extend the appointment of Shri N. K. Prasad, Senior Scientific Assistant, Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi as Senior Scientific Officer (Grade II), Chemistry Division, Central Forensic Science Laboratory, Central Bureau of Investigation, New Delhi with effect from 19th January, 1985 (Forenoon) on ad-hoc basis for a further period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

New Delhi, the 11th March 1985

No. A-19015/1/78-AD-V.—Shri H. C. Putro relinquished charge as Office Supdt./C.B.J., New Delhi with effect from the afternoon of 28th February, 1985 on superannuation.

No. A-19021/11/80-AD-V.—The services of Shri Tilak Kak, IPS (UP: 1971) Superintendent of Police, Central Burcau of Investigation Special Police Establishment, Dehradum Branch on repatriation are placed at the disposal of Government of Uttar Pradesh with effect from the afternoon of 26th February, 1985.

No. 3/6/85-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri L. D. Narwal, IPS (Haryana: 1972) as Superintendent of Police, on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 1st March, 1985 and until further orders.

No. 3/18/85-AD-V.—Shri D. Mukherjee, Crime Assistant, Central Bureau of Investigation is appointed to officiate as Office Superintendent in C.B.I. with effect from the forenoon of 1st March, 1985 and until further orders.

The 12th March 1985

No. A-19021/2/82-AD.V.—On attaining the age of superanjulation, Shri R. P. Kapoor, Superintendent of Police, CIU (f), Central Bureau of Investigation, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 28th February, 1985.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110 003, the 6th March 1985

No D. I-30/83-Estt-I.—The services of Shri Sarjeet Singh, Dy. S.P. of 7th Bn., CRPF are placed at the disposal of Government of Assam on deputation basis with effect from 1-2-85 forenoon.

M. P. JAKHMOLA Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 4th March 1985

No. E-32015(3)/2/85-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri P. S. Nandal, on promotion as Deputy Com-

mandant CISF Unit IG Mint, Hyderabad with effect from the forenoon of 14th February 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period up to 26-3-85 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

> A. K. SAXENA Asstt. Inspector General (Pers.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF

THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 11th March 1985

No. 559-CA.I/167-69.—On his attaining the age of superannuation Shri Roop Basant Sharma, Audit Officer (Commercial) working in O/O the Accountant General (Audit-II), Punjab, Chandigarh has retired from service with effect from 31-12-1984 (A.N.).

K. P. LAKSHMANA RAQ Asstt. Comptr. & AR., Genl. (Comml.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (ACCOUNTS) I BIHAR

Ranchi, the 5th March 1985

No. Admn.-Promo-3414.—The Accountant General (A&E) I Bihar Ranchi has been pleased to promote Md. Nasimul Haque a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 30-1-85 (FN).

No. Admn-Promo-3125 Accountant General (A/cs) I Bihar Ranchi has been pleased to Promote Shri Satva Narayan Choudhury a substantive Section Officer of this office to officiate until further order as an Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 30-1-85 (F.N.).

No. Admn/Promo/3437.—The Accountant General (A/cst I Bihar Ranchi has been pleased to promote 3hri Mahandra Prasad Verma a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 31-1-1985 (P.N.).

P. SENGUPTA Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I. MAHARASHTRA

Bombay, the 15th December 1984

No. Admn.I/Genl./31-Vol.III/C-1(1)/420.—The Accountant General (A & E), Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers to officiate as Accounts Officers from the dates mentioned against their names until further orders.

- 1. Shri S. B., Chaubal-20-10-1984 F.N.
- 2. Shri S. S. Ranwadkar-5-11-1984 FN.
- 3. Shri P. L. Keswani-5-11-1984 F.N.

S. VISWANATHAN Sr. Dy. Accountant Genl. (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 5th March 1985

No. 5691/A. Admn./130/82-84.—On attaining the age of superannuation Shri D. Srinivasan, Assistant Audit Officer, retired from service, with effect from 28-2-1985 (A.N.).

B. S. TYLE Jt. Director of Audit, D.S.

MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 18th February 1985

No. A-12025(i)/7/83-Admn.III.—The President is pleased to appoint with effect from the 14th December, 1984 and until further orders Shri Narendrakumar Okhkabhai Solanki, as Assistant Director Grade I (Weaving) in the Weavers Service Centre, Panipat.

V. K. AGNIHOTRI Additional Development Commissioner for Handlooms

MENISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 6th March 1985

No. A-19018(194)/75-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri A. Bandhopadhyav. Deputy Director (Electrical) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi as Director (Gr. II) (Electrical) in the same office on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 2-2-1985 for a period of five months.

No. A-19018/222/75-Admn.(G).—The President regrets to announce the death of Shri D. Ramachandra Rao, Dy. Director (Giass & Ceramics) Small Industries Service Institut Bangalore on 19-1-1985.

No. A-19018(775)/85-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Ram Kumar, Small Industry Promotion Officer (EI) as Asstt. Director (Gr. II)(EI/PI) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Solan with effect from the forenoon of 1-2-1985 until further orders.

No. A-19018(776)/85-Admm. (G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Kamala Pandey, Small Industry Promotion Officer (EI) in Small Industry Development Organisation as Asst, Director (Gr. II) (EI/PI) at Small Industries Service Institute Patna on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 18-1-1985 until further orders.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE & SUPPLY

OFFICE OF THE DÉVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi, the 28th February 1985

No. 58(176)/75-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri S. N. Sehgal, Deputy Director (Exhibition), in the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) New Delhi, retired from Government service, with effect from the afternoon of 28th February, 1985.

> SHIROMANI SHARMA Development Commissioner for (Handicrafts)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 2nd March 1985

No. 1382B/A-32014(2-OS)/81/19B.—Shri R. S. Pankaj, S.T.A. (Survey), G.S.I. has been appointed on notional promotion to the post of officer surveyor in the same department by the Director General, GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 9-9-83. Shri Pankaj has actually taken over charge of the post of Office Surveyor in GSI w.c.f. 15-11-84 (FN).

A. KUSHARI, Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 21st January 1985

No. A.19011(177)/77-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri M. K. A. Munaf, permanent Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from 2-1-1985 forenoon, for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis through Departmental Promotion Committee/Union Public Service Commission, whichever is earlier.

The 4th Morch 1985

No. A-19011(239)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Alok Basu, officiating Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from 18-1-1985 afternoon, for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis through Departmental Promotion Committee Union Public Service Commission, whichever is earlier.

No. A-19011(186)/84-Esstt.A.—The President is pleased to appoint Shri K. C. P. Singh, permanent Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from 25-1-1985 afternoon for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis through Departmental Promotion Committee/Union Public Service Commission, whichever is earlier.

P. P. WADHI, Adm. Officer for Controller General Indian Bureau of Mines.

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 8th February 1965

No. F.30-11/83-Estt./4634.—On attaining the age of superannuation, Shri S. C. Roy Chowdhury, Junior Administrative Officer, Zoological Survey of India, relinquished the charge of the post of Junior Administrative officer on 31-1-1985 (AN).

The 6th March 1985

No. F.9-2/Estt_/4535.—Shri C. R. Saha, Office Superintendent is hereby appointed to the post of Junior Administrative Officer (Group B) in the scale of Rs. 650-1200 in the Headquarters Office of the Zoological Survey of India, Calcutta, in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from 16-2-85 (forenoon), until further order.

Dr. B. K. TIKADER, Diretor

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Dalhi, the 18th February 1985

No. 17/7/84-S IV (Pt):—Consequent upon their promotion the undermentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the post of Assistant Engineers in ad-hoc capacity at different AIR Offices/Doordarshan from the date shown against each; till further orders:—

S. No.	Namo	 Station/ Office	Date of Joining
1. Shri M.	Jayanarayanan	AIR, Coimbatore	12-12-84 (F.N.)
2. Shri S.K	. Sharma .	DDK, New Delhi	1-1-85 (F.N.)

J. D. BHATIA Dy. Dir. of Admu.(E) for Dir. Gen.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 28th February 1985

No. PA/76(2)/84-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Smt. Yashodhara Yogesh, permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in this Research Centre with effect from February 15, 1985 (FN) until further orders.

A. S. DIKSHI

Sr. Administrative Offices

Bombay-400 085, the 8th February 1985

No. PA/76(5)/84-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Anthony Mascarenhas, Asstt. Accounts Officer in Directorate of Purchase and Stores to officiate as Accounts Officer-II in this Research Centre at Tarapur with effect from January 29, 1985 (FN) until further orders.

P. GOPALAN Administrative Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 4th March 1985

No. DPS/2/1(3)/82-Adm./6622.—The Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Adat Ramankutty Nair, a permanent Assistant Accountant in B.A.R.C. to officiate as an Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in this Directorate in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of February 18, 1985 until further orders.

P. GOPALAN Administrative Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT Kalpakkam-603 102, the 4th March 1985

No. MAPP/3(1515)/84-Adm./P.11869.—The Project Director, Madras Atomic Power Project is pleased to appoint Shri S. Venkataraman, a permanent Assistant Administrative Officer as Administrative Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in the Madras Atomic Power Project in a temporary capacity with effect from the afternoon of February 4, 1985 until further orders.

B. A. S. PRASAD Administrative Officer

NUCLEAR POWER BOARD

Bombay-5, the 19th January 1985

No. PPED/3(253)/83.—Director (Engg.) Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri G. G. Kulkarni, a Permanent Sr. Stenographer of this Board as Assistant Personnel Officer in the same Board in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of December 6, 1984 until further orders.

No. NPB/3(235)/84-Estt.I.—Director (Engineering). Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri M. N. Lottikar, Assistant of Bhabha Atomic Research Centre as Assistant Personnel Officer in this Board in a temporary capacity with effect from the forenoon of January 1, 1985 until further orders.

R. V. BAJPAI General Administrative Officer for Director (Engg.)

Bombay-5, the 11th February 1985

No. NPB/3(282)/85/Estt.I.—Consequent on his transfer from Bhabha Atomic Research Centre Complex, Tarapur, Shri K. P. Wadia, Accounts Officer-II has assumed the charge of the post of Accounts Officer-II in Nuclear Power Board, Bombay, with effect from the rerenoon of January 31, 1985 until further orders.

R. S. TALPADE Asstt. Personnel Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 26th February 1985

No. RRC/A 32023/1/85/R-3800.—In continuation of his Centre's Notification of even number (242) dated January 4, '85 Director, Reactor Research Centre has extended the period of officiating promotion of Shri Killikulangara Maman Velayudhan, a permanent Assistant Accountant of this Centre as Assistant Accounts Officer in the same Centre for the period from 1-2-85 to 28-2-85 or until further orders, whichever is earlier, in an officiating capacity on an ad-hoc basis.

KUM, S. GOPALAKRISHNAN Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-22, the 12th February 1985

No. VSSC/EST/A/85/156.—The Director, VSSC hereby appoints the following officials as Scientist/Engineer 'SB' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis with effect from the dates shown against each and until further orders :—

Sl. No.	Name	Div.	Date of Appointmen ^t
	A.V. Nirmal . Baby Abraham	. CGD . IPD	26-11-84 22-10-84

G. MURALIDHARAN NAIR Admn. Officer-II (EST) for Dir. VSSC

ISRO SHAR CENTRE

PGA DIVISION

Nellore, the 25th February 1985

No. SCF-PGA-ESTT-III-1-72.—The Director is pleased to appoint the following officials to the post of Scl./ Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders:

Si. No.	Na	me		Designation	Date of appointment
S/SI	ıri	_			
1. S. Vi	jaya			Sci. Engineer-SB	21-09-84
2. V. N	agaraju			Sci. Engineer-SB	12-11-84
3. S. Ja	yalakshn	ni		Sci. Engineer-SB	30-11-84
	Prasad :		a.	Sci. Engineer-SB	07-12-84
				E-	

L. RAJAGOPAL Admp. Officer-II for Director

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th March 1985

No. A.38013/1/84-EC(.).—Shri B. N. Bhattachariee, Assistant Communication Officer, Aero. Comm. Station, Calcutta, in Civil Aviation Department relinquished charge of his office w.e.f. 31-12-1984 (A.N.) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

V. JAYACHANDRAN Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 8th March 1985

No. 1/91/85-EST.—The Director General, Overseas Communication Service, hereby appoints Shri V Kothandaraman, Supervisor, Madras Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 9-12-83 to 7-1-84 (both days inclusive), against a short-term vacancy on ad-hoc basis, and as a local arrangement.

R. K. THAKKER

Dy. Director (Admn)

for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Vadodara, the 1st March 1985

No. 1/1985.—Shri Y. B. Bedarkar, Administrative Officer of Central Excise and Customs, (Group-'B') of Surat Dn. III, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 28-2-1985.

N. B. SONAVANE
Collector
Central Excise and Customs
Vadodara

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad-500 371, the 8th March 1985

No. P/GAZ/185/Acts.—Shri M. Jayakrishnan and Smt. Geeta Toopal, Officers of the Indian Railway Accounts Service

of this Railway are confirmed in Senior Scale of that Service with effect from 7-7-80 (Seventh July, Nineteen Hundred and Eighty) and 15-5-1983 (Fifteenth May, Nineteen Hundred and Eightythree), respectively.

C. M. MALIK General Manager

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Aroor Industries Private Limited

Cochin-682 011, the 1st March 1985

No. 69/Liq/560(5)/1662/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Aroor Industries Priavte Limited, has this day been struck off the register and the sald company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. United Rubbers Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 1695/Liq/560(5)/1731/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. United Rubbers Ltd. has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s, Associated Luxcu Chit Funds Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2076/Liq/560(5)/1733/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Associated Luxmi Chit Funds Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Indian Trust Fund Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 483/I iq/560(5)/1735/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of M/s. Indian Trust Fund Private Limited, has this day been struck off the regiter and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Suresh Chit Funds Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No 2325/Lia/560(5)/1737/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of M/s. Suresh Chit Funds Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. M. Beres and Company (Cochin) Private Limited

No. 726/Liq/560(5)/1739/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. M. Percs and Company (Cochin) Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Trichur Fertiliser Distributors Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2244/Liq/560(5)/1741/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M./s. Trichur Fertiliser Distributors Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Sarvotham Kurles and Loans Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 3399/Liq/560(5)/1743/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sarvotham Kuries and Loans Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Darsana Chit Finance and Trading Company Private Ltd.

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2445/Liq/560(3)/1745/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Darsana Chit Finance and Trading Company Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Hindustan Corporation (Travancore) (P) Ltd.

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 439/Liq/560(3)/1748/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Hindustan Corporation (Travancore) Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Renowned Films Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2074/Liq/560(3)/1751/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Renowned Films Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Industrial Lime and Allied Products Private Ltd.

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2854/Liq/560(3)/1754/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Industrial Lime and Allied Products Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved,

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Trivandrum Carbides (P) Ltd.

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 3149/Liq/560(3)/1757/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Trivandrum Carbides Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Malabar Vijaya Company Private Ltd.

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 1552/Liq/560(3)/1760/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Malabar Vijaya Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Ajay Furnaces Private Ltd.

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2569/Liq/560(3)/1784/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Ajay Furnaces Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Pan Travancore Industries Private Ltd.

Coohin-682 011, the 5th March 1985

No. 935/Liq/560(3)/1790/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name M/s. Pan Travancore Industries Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and in the matter of M/s. George Hanry Micro Blonics Private Ltd.

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2703/Liq/560(3)/1795/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. George Hanry Micro Bionics Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act. 1956 and of M/s. Alwaye Chemicals (P) Ltd.

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2552/Liq/560(3)/1816/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/3. Alwaye Chemicals Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. New India Produce Agencies Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 1970/Liq/560(5)/1807/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies

Act, 1956, that the name of M/s. New India Produce Agencies Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Technical and Management Consultants Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2798/Liq/560(5)/1809/85,—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Technical and Management Consultants Private Limited, has this Jav been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. S. Pitchu Iver and Sons Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 1034/Liq/560(5)/1811/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. S. Pitchu Iyer and Sons Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Najoma Graphics Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2627/Liq/560(5)/1813/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Najoma Graphics Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved,

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Engineering Technical Industrial Promotional and Managerial Undertakings (P) Ltd.

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2651/Liq/560(3)/1819/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expire of three months from the date hereof the name of M/s. Engineering Technical Industrial Promotional and Managerial Undertakings (P) Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies, Kerala

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES WEST BENGAL

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Eastern Concessions Private Limited

Calcutta, the 4th March 1985

No. 9552/560(3).—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Eastern Concessions Private Limited. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Scientific Software Private Limited

Calcutta, the 4th March 1985

No. 32375/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof 52—516GI/84

the name of the M/i. Scientific Software Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Alakrenda Engineers Private Limited

Calcutta, the 4th March 1985

No. 30776/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Alaknanda Engineers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Indian Clock Manufacturing Co. Limited

Calcutta, the 4th March 1985

No. 10465/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expration of three months from the date hereof the the name of the M/s. Indian Clock Manufacturing Co. I imited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Repister and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s, Paul Brothers (Umbrella) Private Limited

Calcutta, the 4th March 1985

No. 22316/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Paul Brothers (Umbrella) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Janapadashree Private Limited

Calcutta, the 4th March 1985

No. 16085/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Janapadashree Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Gossen & Co. (India) Private Limited

Calcutta, the 4th March 1985

No. 17646/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Gossen & Co. (India) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

H. BANERJEE Asstt. Registrar Companies, West Bengal

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES TAMIL NADU

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s. Amaravathi Sri Venkatesa Finance Private Ltd

Madras-600 006, the 4th March 1985

No. DN/9470/560/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Amaravathi Sri Venkatesa Finance Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE Asst. Registrar of Companies, Tamil Nadu

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES MAHARASHTRA

Bombay, the 5th March 1985

No. 13241/445(2)/Liqn.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Sammiscas Private Limited, has been ordered to be would up by an order dated 17-3-77 passed by the High Court of Maharashtia and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtia has been appointed as the Official Liquidator of the company.

O. P. JAIN Addl. Registrar of Companies, Maharashtra

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10385/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 402, 4th fl. Pooja Bldg. Mahul Rd. situated at Chembur, Bombay-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 2604B of the Incorporator Act. 1961 in the office of Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Harcharan Singh Gurmukh Singh Chura & Ors.

-3----

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th fl. Pooja Bldg. Mahul Rd., Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10385/83-84 dated 1-6-1985.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kavita A, Ramchandani.

may be made in writting to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10386/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to sa the said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 404, 4th fl. Pooja Bldg., Mahul Road, Chembur, situated at Bombay-71. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of 'the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flåt No. 404, 4th fl. Pooja Bldg. Mahul Rd. Chembur,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10386/83-84 dated 1-6-1984.

> A, LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 11-2-1985

(1) Sh. K. N. Srinivasa Murtty,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. K. Vijay Shetty;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10138/84-85.--Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ro. Rs. 25.000/- and

beating No. Hat No. 39, 2nd fl. Prem Prakash C.H.S.L. Plot No. 5, 6 & 7 Laxmi Colony, Mahal Rd.

Chembur, situated at Bombay-74

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of sfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

No, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of th aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 39, 2nd fl. Prem Prakash Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Plot Nos. 5, 6 & 7 Laxmi Colony, Mahul Rd. Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10138/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 12-2-1985

Scal:

(1) M/s. Supreme Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Nutan K. Chheda.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10055/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 4, Plot No. 4, CST No. 278, bearing No. Shop No. 4, Plot No. 4, CST No. 278, Wadhavli Village, Chembur Colony situated at Bombay-74 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid average the apparent consideration. property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the sobject of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Plot No. 4, CST No. 278, Wadhavli Village, Chembur Colony, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10055/83-84 dated 1-6-1984.

> A, LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985

FORM LT.N.S.-

(1) M/s, Parekh Bros.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Gulab Sureshbhai Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10021/84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 9, Ground fl. Waman Apartment, Bldg. on Plot CTS No. 642, 642/1 to 35, Jg. of V.N. Purav Nagar situated at Eombay-74

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

- tand more tuny described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

1957 (27 of 1987);

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Gr. Fl. Waman Apartment, Bldg. On plot No. 642, 642/1 to 35 J/O V.N. Purav Marg, Ghatla Village Rd. Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10021/83-84 dated 1-6-1984,

A, LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-2-1985

Scal:

(1) Mr. Satish Gajanan Chitale,

(Transferor)

(2) Mr. Pundalik Krishna Nakhre.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10043/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. C1/10 of Hari Ratan Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Goregaon (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer apparent to between the parties has not been truly extend in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Right interest and title in flat No. C1/10 of Hari Ratan Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Gorregaon (W), Bombay.

The agrement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR III/37EE/10043/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay '

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons nam'ly :--

Date: 12-2-1985

(1) Rojaram Kabra son of Niwar Kabra.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ganesh Narayan Ajmera & Ors.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10137/84-85.—Whereas, It A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 48 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. Flat No. C/33, 1st fl. Mangal Karini C.H.S. Ltd. 17, Siddharth Nagar Rd. Goregaon (W),

Bombay-62

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 25x2 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

53-516GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C/33, Mangal Karini C.H.S. Ltd. 1st fl. 17, Siddhath Nagat Rd. Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide No. AR.III/37EF/10137/83-84 dated 1-6-1984.

A. I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Dated: 12-2-1985

(1) Mrs. Hasmukh Pravin Sheth & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Mahendra N. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONL'R OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37E+/10008/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000iand

bearing No. Flat No. 201, Plot No. 301, Devkrupa Bldg. Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay-62 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201. Plot No. 301, Devkrupa Bldg. Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay-62,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10008/83-84 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 12-2-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) V. B. Mankodi.

(Transferor)

(2) Jagdish S, Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME, TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR III/37EE/10501/84-85,---Whereas, J,

A. I AHIRI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-bearing No. Flat No B-1/4, Mahesh Nagar, S.V. Road, Goregaon (W), Bombay-62. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said preverty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act,. shall have the same 'meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No B-1/4, Mamesh Nagar, S. V. Rd. Goregaon (W),

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37EE/10501/83-84 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Assett, Commissioner of Incometax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely :---

Dated : 12-2-1985

(1) H. J. Patel U.J. Patel & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anil L. Shah & Ors.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37LE/10182/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and

Rs 25,000/- and bearing No Gala No. 31 2nd il Pravasi Indl. Estate, Off Aarey Road, Dindoshi Village, Goregaon (E), Bombay-63.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 31, 2nd fl. Parvasi Indl. Estate, Dindhoshi Village, Ofi Aarev Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37FE/10182/83-84 dated 1-6-1984.

A, LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

Dated: 12-2-1985

(1) Sh P N Brahmwar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr Bapna Chain Singh

may be made in writing to the undersigned

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref No AR III/37EE/10171/84-85 —Whereas, I, A LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

and bearing
Hat No 6, 1st fl Goicgaon Sahyadri CHS Ltd, Aarey Pd
Goregaon (E), Bombay 63

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 16-1984

the Competent Authority Bombay on 1 6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tansfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

LXPL\NATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning mas given in that Chapter

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Flat No 6, 1st fl Goregaon Sahyadri CHS Ltd Aarey Road Goregaon (E), Bombay-63

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No ΔR III/37EF/10171 83 84 dated 1-6 1984

A LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range III Bombas

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Dated 12 2-1985 Seal .

(1) N.C.A. Harris.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rekha B. Kapadia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10637/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Flat No. 80-1/21, Jai Vijayshree Co-op. Hsg. Soc. Bungui Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 80-1/21, Jai Vijayshree Co-op, Hsg. Soc. Ltd.. Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10637/83-84 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 11-2-1985.

(1) Mrs Kaushalya W Kumar and Ors

(Transferoi)

(2) M/s Sandeep Consts

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref No AR III 37EE/10165/84 85 -Whereas I, A LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/ and bearing Plot No 47, CTS No 931 Ghatkopar Mahul Rd Chembin Bombay-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income fix Act 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1684 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Plot No 42, CTS No 931, Ghatkopar Mahul Rd Chembur,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No AR III/37EE/10165/83 84 dated 1 6 1984

A LAHIRI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely

12-2 1985 Dated

r ingalirea a Alin mari (1) Smt, Bhagwati Jayantilal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jayntilal Manifel Mehta & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37FE/10574/84-85.-Whereas, 1, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and beating Shed No. 56, Second II at Sidhpura Indl. Estate Cihodbunder Rd. Goregaon (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration than of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration than of the property and the property and the property as aforesaid exceeds the apparent consideration than of the property and tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shed No. 56, second fl. at Sidhpura Indl. Estate, Ghodbunder Rd. Golegaon (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10574/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:

Dated: 11-2-1985.

(1) Sh Gyan Jethanand Lulla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Girdhar L. Thakur & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR III/37EE/10450/84-85.—Whereas, I, Λ. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Flat No. 5, Bldg. No. 8, Mahatama Gandhi Nagar R.C. Marg, Bombay-74 Chembur. situated at Bombay-74

(and more fully described in the Schedule annuexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Flat No. 5, Bldg. No. 8, M.G. Nagar, R.C. Marg, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10450/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 54-516GI/84

Act, 1957 (27 of 1957);

Dated: 11-2-1985.

(1) Smt. Kanta S. Chawla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pramod J. Gokani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10478/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 7, Building No. 25-C, M. G. Nagar, Chembur Colony, Bombay-74.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction on evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the attoresaid persons within a person of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Bldg. No. 25-C, M. G. Nagar, Chembur colony, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10478/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 11-2-1985.

Beal:

M/s Gundecha Builders.

· (Transferor)

(2) N. K. Khandelwal Family Trust.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10278/84-85.—Whereas, I,
 A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Indl. Gala No. 27, Gr. Fl. Kiran Indl. Estate, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-62. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 2694B of the Incorporator Act. 1961 in the office of Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1984.

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execces the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ganette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Scrvice Indl. Gala No. 27, Gr. Fl. Kiran Indl. Estate, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10278/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

11-2-1985.Date

(1) M/s B. Parikh & Co.

(Transferor)

(2) M/s Polymer Processors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10002/84-85.—Whereas, I,

ocing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. B-312, Virawani Indl. Estate, Western Express Highway. 3rd fl. Goregaon (E), Bombay-62. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that Chapter.

THE SCHEDULE

B-312, Virwani Indl. Fstate, Western Express Highway 3rd

fl., Goregaon (E), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10002/83-84 dated 1-6-1984. Competent

> A. PRASAD Competent Authority mspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Act, 1957 (27 of 1957); Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 11-2-1985.

Scal :

(1) Shri B. S. Venkatachar.

(Tansferor)

(2) M. Venugopalan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III вомвлу

Bombay, the 11th February 1985

Rcf. No. AR-III/37EE/10645/84-85.-Whereas, 1,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 20, Kailash Building Plot No. 83, Road No. 1,
Postam Nagar, Chembur, Bombay-89,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

et Bombay on 1-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the comeideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- ta) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purstance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely ,-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20, Kalash Building Plot No. 83, Pestamnagar,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III, 37EF/10645, 83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III **Bombay**

Date: 11-2-1985.

FORM JTNS-

(1) Smt. Niramalabai Parmanand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rukmanibai K. Panjabi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10641/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Flat No. 9. Bldg. No. 2-B, Nityanand Baug, Co-op. Hsg. Soct. Ltd., R. C. Marg, Chembur, Bombay-74.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as efforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11. of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Bldg. No. 2-B, Nityanand Baug Co-op. Hsg. Sct. Ltd., R. C. Marg, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10641/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-UI
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

Date: 11-2-1985.

Scal

(1) Shri Sartaj Singh Thukral and

(2) Smt. Rajwan Thukral.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Manohar Singh J. Arora & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10297/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Ptat No. 601, Pooja Building Mahul Rd., Chembur, Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more tha fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattern has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons,

whichever period expires later; (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, Pooja Building Mahul Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10297/83-84 dated 1-6-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ,-

Date: 11-2-1985,

(1) Conwood Const. Co. Pvt.-Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Radhika Devi R. Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37FE/10425/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. G-13, Village Dindoshi/Chincholi, in Gokuldham Botivli Taluka, Goregaon-Mulund Link Road, Goregaon (E). Bombay-63.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian locome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

| Shop No. 4/13, Village Dindoshi/Chincholl, Borivli Taluka in Gokuldham at Goregaon-Mulund Link Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been regustered with the Competent Authority, Bombay vide serial No., AR-III/37EE/10425/83-84 dated 1-6-1984.

Competent Autho
Inspecting Assistant Commissioner of IncomeAcquisition Range-III
Bombay

Date: 11-2-1985,

Scal:

(1) Rev. Father Philomeno D' Cruz,

(Transferor)

(2) Mis. Libania Rosa De-Souza.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX '
ACQUISITION RANGE-III
ROMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10484/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

Flat No. A-104, 1st floor, Kumud Nagar, A-Block Goregaon

(E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 4ct, 1957 (27 of 1957). Hat No. A-104, Kumud Nagar, A-Block, Groegaon, Bombay.

The agreement has been regustered with the Competen Authority. Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10484/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authore
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I levely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely:—
55-416GI84

Date: 11-2-1985,

(1) Faslah Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rohinton Nariman Wadiwalla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10131/84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Gala No. 113. first floor, Indl. Estate Bldg. Plot No. 7. Udyognagar, Off. S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax vet, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideratios and that the consideration by such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of of transfer with the object of :-

Objections, if any to the aguisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys-or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922, (11 of 1922) or the taid Act of the Wealth-tax Act 1957, 27 of 1957)

Gala No. 113, first floor, Indl. Estate, Bldg., Plot No. Udyognagar, Off. S. V. Road, Goregaon (W). Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37F7 10131 83-84 daied 1-6-1984.

> A. PRASAD Commetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II! Rombay'r

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 11-2-1985.

(1) Sam Fashionwear Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Everlite Industries.

(Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. .AR-III/37EE/10503/84-85,—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Unit No. 135, 1st fl., Kohinur Indl. Estate, off. Wester Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the rains maining as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 135, first fl., Kohinoor Indl. Estate, Off. Western Express Highway, Goregaon (E), Bothbay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10503/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-2-1985.

FORM TINS-

(1) Shri H. N. Viyas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sangita Mohan Kamat

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No AR-III/37EF/10592/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and beating No. 14 Harket Value exceeding RV. 25,000/- and beating No. 14 No. 10/77, Bidg. No. 10, Goregaon Navjyoti Co-op Hsg. Sct. Ltd., Unnut Nagai Park-2, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay.

(and more fully de cribed in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely . -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10/77, Bldg. No. 10, Goregaon Navjyoti Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Uunut Nagar Park-2, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay.

The agreement has been registered with Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10592/83-84 dated 1-6-1984.

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III **Bombay**

Date: 11-2-1985.

Scal

FORM ITNS-

(1) N. R. Jagganathan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hemalata R. Iver.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-JII **BOMBAY**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10529/84-85,---Whereas, I, A, PRASAD,

A, PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₅, 25.000/- and bearing No. Flat No. 9, Poornima, Plot No. 47, Swastik Park, Chembur, Bombay-71.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984. It is an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Poornima, Plot No. 47, Swastik Park, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10529/83-84 dated 1-6-1984. Competent

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, meeting, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-2-1985.

FORM ITNS...

(1) P. H. Nensey Land Development Corpn. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmala Bhagwanji Nandy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-III/37EE/10407/84-85.—Wheeras, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 35, 3rd floor Unit No. 5, M. G. Road, Goregaon

(W), Bombay-62.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 35, 3rd floor Unit No. 5, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10407/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date: 11-2-1985.

(1) R. K. Decorators.

(2) M/s. J. J. S. Carriers.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition or the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;

Ref. No. AR-III/37EE/10708/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 25,000/- and bearing No. Office No. 4, 1st floor Neelkanth Commercial Complex, Chembur Govandi Road, Chembur, Bombay-71. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair

at Bombay on 1-6-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of .--

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of hte said Art shall have the same meating as given on that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 4, 1st floor Neelkanth Commercial Complex Chembur Govandi Road, Chembur, Bombay-71.

Authority. Bombay vide serial No. AR-III/37EF/10708/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 11-2-1985.

(1) Smt. Usha Sundareshwaran.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Padma Rupchand Kiipalani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37FE/10591/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 6, 1st floor Chembur, Madhuban C.H.E.D.6 Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Chembur Madhuban Co-op, Hsg. Soct. Ltd., D-6, Sion, Trombay Road, Chembur, Atur Park, Bombay 71

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37FF/10591/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-2-1985.

(1) Shri Shankerlal Somabhai Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kamabhai G. Patel and Br V. Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10773/84-85 --- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 25,000/- and bearing

Gala No 41, Kiran Inld. Estate, 1st floor Mahatma Gandhi

Road, Goregaon (W), Bombay-62. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984.

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Gala No. 41, Kiran Inld. Estate, 1st floor Mahatma Gandhi Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10773/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ·-- 56-516GI/84

Date: 11-2-1985.

Seal ·

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Naresh Doulatram Kamra.

(Transferoi)

(2) Mr. Ashok R. Tarasinghani and Mrs. Monica A. Tarasinghani.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-111 **BOMBAY**

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No AR-III/37EF/10602/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

rand bearing No.
Flat No. 603, 9th floor Bldg, A. Bagnart C.H.S.L. Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984. for an apaprtment consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acr. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 9th floor, Bldg. A. Bagnari Co-op. Hsg. Socy Ltd., Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10602/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10113/84-85.-Whereas, I, LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Fint No. 103, 1st floor, Building No. 15, Kapadia Nagar. Kuila, Bombay-70

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said -Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaki property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shahnawaz Mohd. Ali Virani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, Building No. 15, Kapadia Nagar, Kurla, Bombay-70,

The agreemnt has been regsitered with the Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10113/84-85 dated 4-6-1984,

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II) Bombay

Date: 12-2-1985.

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shameem Ismaial Khot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10115/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immobavle property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. $\overline{3}$, Gr. F. Bulding No. 17, Kapadia Nagar, CTS Kurla, Bombay-70. ffi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said that the consideration with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Gr. F. Bulding No. 17, Kapadia Nagar, CTS Kutla, Bombay-70.

The agreement has been regustered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10115/84-85 dated 4-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 12-2-1985.

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shaikh Mohammed Shafique.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10016/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 403, 4th fl. Bldg. No. 18, Kapadia Nagar, CST Rd.

Kurla West, Bombay-70

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 4-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th-fl. Bldg. No. 18, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla Bombay-70.

The agreement has been regsitered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10116/84-85 dated 4-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-UI, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985.

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Hayatbi Kadar Momin and Kasam Karim Momin,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10134/84-85.—Whereas, I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 003, Gr. Fl. Bldg. No. 18, Kapadia Nagar, CST Rd.

Kurla, Bombay-70

(and more fully described in the Schedule annexed heretc), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 5-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 003, Gr. Fl. Bldg. No. 18, Kapadia Nagar, CST Kurl^ Bombay-70.

The agrement has been regsitered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10134/84-85 dated 5-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985.

FORM LT.N.S.

(1) M/s. Decpak Builders.

(Transferor)

arazera eta e

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kazi Abdul Halim Hassan,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIII/37EE/10584/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Plot No. 404, 4th floor Bidg, No. 16, Kapadianagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70 tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984

at Bombay on 23-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-nble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and engreenous used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given EXPLANATION :in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor Bldg. No. 16, Kapadianagar. CST Road, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIII/37EE/10584/84-85 dated 23-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under susception (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Parul Enterprise.

(Transferor)

(2) Shri Ramdas Baburao Kanade.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10555/84-85,—Wheres, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 2, Gr. floor, Wing B, 2, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

may be made in writing to the undersigned :- .

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Gr. floor B-Wing Bldg. No. 2, Damodar Park. L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10555/83-84 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Parul Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Udayrai K, Dubey.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10339/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 2, Gr. floor 'C' Wing Bldg, No. 2, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Micen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Gr. floor C-Wing, Bldg. No. 2, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR.III/37EE/10339/83-84 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursutnce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
57—516GI/84

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dawood Daryakhan Dalvi and Mrs. K. D. Dalvi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10017/84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereniafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 001, Gr. floor Bldg. No. 17, Kapadia Nagar, C.T.S. Road, Kurla (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule ennexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 4-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period el 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latent
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1, Gr. floor Bldg No. 17, Kapadia Nagar. CST Road. Kulla West, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10117/84-85

dated 4-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Acquisition Range-III, Bombay Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :---

Date : 12-2-1985

(1) M/s. Sheth Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Anand Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10032/84-85.—Whereas 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 105, 1st fl. Plot G. Chhotalal Villa, Amratnagar, Chothanna Bearley 26

Ghatkopar, Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tux Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, Chhotalal Villa, 1st floor, Plot G, Amrutnagar, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Authority, Bombay vide serial No. AR. 1V/37-EE/10032/84-85 dt. 16-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Sheth Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Zohrabi A. Mulla.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-ILL, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR, III/37-EE/10132/84-85.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 22, Gr. Fl. Plot C, Bharati Bldg. Amrutnagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar (WA), Bombay-86, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as exceed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald.

Act, shall have the same meaning as in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, Bharati Bldg., Gr. Fl. Plot C, Amrutnagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10132/84-85 dt. 5-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Icnome-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

Seal

(1) M/s. Sheth Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Smt. Nigar Sultana Abdul Kayan Patwekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

HE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10164/84-85.--Whereas I.

Ref. No. AR. 111/3/-EE/10104/84-85.....Whereas 1, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 25, Gr. Fl. Plot C, Bharati Bldg. Amrutnagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under-Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 7-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the pasideration for such transfer as agreed to between the arties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the lightity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25, Bharati Bldg., Gr. Fl., Plot C. Amrutnagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10164/84-85 dt. 7-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely :-

Date: 12-2-1985

(1) M/s, Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Zainul Abedina Moinuddin Khot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Rcf. No. AR, III/37-EE/10133/8485.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 4, Fr. Fl. Bldg. No. 17, Kapadia Nagar CTS Road, Kurla, Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act; 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Gr. Fl. Bldg. No. 17, Kapadia Nagar, CTS Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, III/37-EE/100133/84-85 dt. 5-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Seal:

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shaikh Abdul Bari,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10583/84-85.--Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

and bearing
Flat No. 002, Gr. Fl. Bldg. No. 7, Kapadianagar Kurla

(W), Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the disideration for such transfer as agreed to between the part is has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and loc

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 002, Gr. Fl. Bldg. No. 7, Kapadianagar, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10583/84-85 dt. 23-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date*: 12-2-1985

(1) M/s. Rao & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Lancy Anthony Fernaez.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

AR. III/37-EE/10488/84-85.—Whereas. I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No. 1, 2nd Fl. D-Wing, Gajanan Niwas, Vakola Village,

Road Santacruz (E), Bombay-55.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1933). (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd Fl. D-Wing, Gajanan Niwas, Vakola Village Road Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10488/84-85 dt. 22-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Rao & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Creeta Kapooi & Mr. Suresh Kapoor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th Debruary 1985

No. AR. III/37-EF/10610/84-85.--Whereas L. Ref. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 4, Gr. Fl. D Wing, Behind Gajanan Niwas, Kadamwadi, Vakola Village Road, Santaeruz (E). Bombay-55, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more there fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hlat No. 4, Gr. Fl. D-Wing, Gajanan Niwas, behind existing Gajanan Niwas, Kadamwadi, Vakola Village Road, Santacruz (F), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay viste serial No. AR. III/37-EF/10610/84-85 dt. 25-6-1984.

> A. LAIIIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 58—516GL'84

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Rao & Associates.

(Transferor)

(2) Joaquim D'Scuza & Irin D'Souza.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

AR. III/37-EE/10612/84-85.—Whereas 1, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1, 5th Fl. D-Wing, Gajanan Niwas, Kadamwadi Behind Old Bldg., Vakola Village, Road Santacruz (E),

Bombay-55.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 5th Fl. D-Wing, Gaja en Niwas. Kadoriwadi Behind Old Bldg., Vakola Village, Road Santacruz (E). Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR HI/37 Pr. 10012/84-85 dt. 25-6-1984.

Competent Authoriving Inspecting Assistant Commissioner of Income day Acquisition Range-III. Bomba.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

No. AR. III/57-1 L/10236/84-85.--Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 25,0007-and bearing No. Fran No. 5 on Ground floor Shree Krupa, Plot No. 159, Garadia Nagu, Gnaffor ar (East), Bombay 400 077. Satuated at Ghatkopar, Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), but been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Rombay on 8-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the public has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Radha Veeramani.

(Transferor)

(2) Shri Nayan Chunilal Vora.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, on Ground floor, Shree Krupa, Plot No. 159, Garodia Nagar, Ghatkopar (East), Bombay 400 077.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10236/ 84-85 dt. 8-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) Smt. Ratna H. Fanjabi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Veena G. Bheda.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

. Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. II!/37-LE/10343/84-85.—Whereas .1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Basement No. 5, Pankaj C.H.S.L. Near Vakola Bridge Santacruz (F.), Bombay-55.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) oy any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 5, Pankaj C.H.S.L. Near Vakola Bridge Santaciuz (E), Bombay-55,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR. IV/37-EE/10343/84-85 dt 15-6-1984.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) Mr. Razal Gotaes & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Milind Associates.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10769/84-85.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece or parce of land, Kale Kalyan, Challa No. 242, Survey No. 6166 of Kalina Gauthan, Kalina Gauthan, Santaeruz (F), Bombay-29.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires bater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land Kale Kalyan, Chalta No. 242, Survey No. 6166 of Kalina Gauthan, Santacruz Bombay-29.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Eogibay vide serial No. AR. III/37-FE/10769/83-84 dated 29:6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985

FORM ITNS ---

(1) Smt. Raju Rajana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mehta Vinodrai Shantilal & Ois.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF, INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JII,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ΔR III/37-EE/10235/84-85 - Whereas I, Δ. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovible property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 1. Usha Sadan C.H.S.L. Plot No. 135, Garodia Nagar, Gharkopar, Bombay-77

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lombay on 3-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of dantifer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the number; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 1, Usha Sadan C.H.S.L. Plot No. 135, Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37-EE/10235/84-85 dt. 9-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-FE/10197/84-85.—Whereas I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25.000/- and bearing No. Flat No. 3, fildg. No. 13, Gr. Fl. Vinobha Bhave Nagar, MTG. Colony, Kurla (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Rombay on 11-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of granster with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Shi P. S. Salvi.

(Transferor)

(2) Et. Rev. Dr. Samuel I. Bishop.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undresigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of43 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givet in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Pldg. No. 13, Gr. Fl. Vinobha Bhave Nagar, M.J.G. Colony, Kurla (W), Bombay.

The parsement has been registered with the Comp tent Authority. Boint of vide scient No. AR. IV/37-EE/10197/8187 dt. 11 n 1984

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985

Scal -

FORM ITNS----

(1) Shi₁ K. K. Nair,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 '43 OF 1961'

(2) Mis. Kene Fieda Pereira

(Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIII 37EE/10380/84-85 -- Whereas 1, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov

able property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Flat No. E-13, Silver Valley Bldg. No. 2, Co-op. Hsg. Soct. Ltd. Bulstoyee Colony Rd. Vakola, Santacruz (£), Bombal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16 6-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

sald instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No E-13, Silver Valley Building No 2, C.H S I , Bulsrovee Colony Rd . Vakola Santacruz (F), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No ARIII/37EE/10380/84-85 dt 16-6-1984,

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985.

FORM ITNS----

(1) Shri Premji V. Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Medico Distributors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY .

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIII/37-EE/10050/84-85.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 13, Jaylaxmi Shopping Centre, M. G. Road, Ghat-

kopar, Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 13, Jaylaxmi Shopping Centre, M. G. Rd., Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Scrial No. ARIII/37-EE/10050/84-85 dt. 2-6-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—59—516GI/84

A. LAHIRI Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985.

FORM ITNS--- .

(1) Shri Dattaram G. Naik.

(Transferor)

(2) Shri B. B. Vora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/10748/84-85.--Whereas I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

Flat No. 15, Jagdusha Anjali C.H.S.L. Jagdusha Nagar, Ghat-kopar (W), Bombay-86 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 29-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as a coresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dasy from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Jagdusha Anjali Co-op. Hsg. Sct. Jagdusha Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Scrial No. ARIII/37-EE/10748/84-85 dt. 29-6-1984.

> A. LAHIM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985, Seal 1

(1) Shri R. D. Patel.

(Transferor)

(2) Smt. N. A. Kazi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIII/37-EE/10560/84-85.--Whereas I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 2698 or no income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2, 5th il. B-Wing. Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (E), Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

his been transferred and the agreement is fegistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984 tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Flat No. 2, 5th fl. B-Wing, Bldg. No. 3, Damodar Park, 1...B.S. Marg, Ghatkopar (E), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIII/37-EE/10560/84-85 dt. 23-6-1984.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

"Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date : 12-2-1985.

FORM TINS----

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M. C. Parikh & Ors.

(1) Smt. Bhavna P. Khara.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIII/37-EE/10194/84-85.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 3, 5th fl. Bldg. No. 6-C, Damodar Park, L.B.S.

Maig. Ghatkopai (W), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-6-1984 for an apparent consideration which is less than the first

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tansfer as agreed to between the parties has not been truly stoted in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 5th fl. Bldg. No. 6-C. Damodar Park. L.B S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIII/37-EE/10194/84-85 dt. 11-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 12-2-1985,

FORM I.T.N.S .-

(1) Mrs. Zubedabai Gulam Mohda Patka,

(Transferor)

(2) Allauddin A. Quddus Shaikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

kef. No. ARIII/37-EE/10119/84-85.-Whereas I, Λ. LAHJRÍ.

A. LAHJRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.

Flat No. 205, 2nd fl. Bldg. No. 10, Kapadia Nagar, S.T.S. Rd. Kurla (W), Bombay-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), when transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4-6-1984

sombay on 4-6-1984 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excueds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd fl. Bldg. No. 10, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla West, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIII/37-EE/10119/84-85 dt. 4-6-1984,

> A. LAHIRI
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985.

FORM 1.T.N.S.-

(1) Master Sumer Sharma.

(Transferor)

(2) Shri H. R. Shah & Smt. H. H. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE ASSISTANT ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIII/37-EE/10247/84-85.—Whtreas J,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a hair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.
Flat No. 2, 9th fl. Bldg. No. 3-C, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at
Bombay on 11-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the'r transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 9th fl. Bldg, No. 3-C, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIII/37-EE/10247/84-85 dt. 11-6-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985.

- (1) Shri V. N. Palekar.
- (2) Smt. Vinod Thukral & Ors.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIII/37-EE/10728/84-85.—Whereas I, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. B-14, Himalaya Parvat Co-op. Hsg. Sct. Ltd. P.O. Barve Nagar, Ghatkopar, Bombay-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1984 Bombay on 27-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better than the consideration are the such transfer as agreed to be the such trans ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-14, Himalaya Parvatiya Co-op. Hsg. Sct. Ltd., P.O. Barve Nagar, Ghatkopar, Bombay-84.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIII/37-EE/10728/84-85 dt. 27-6-1984,

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985,

FORM ITNS----

(1) Kumati Meena R. Gosar.

(Transferor)

(2) Smt. D. J. Shah & Ors.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGF-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985 Ref. No. ARIII/37-EE/10770/84-85.—Whereas I.

A. LAHIRI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 66, 4th fl. Pankaj B, Agaia Rd. L.B.S. Marg.

Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 66, 4th fl. Pankaj B, Agra Road, L.B.S, Marg, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIII/37-EE/10770/84-85 dt. 29-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 12-2-1985.

Scal:

(1) Suresh Mohanlal Soni

(Transferor)

(2) Shri Inderjit Puluram Yaday.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10003/84-85.--Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 3, Gr. Fl. Bldg. 'Nupur', Plot No. 185, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have been the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Gr. F., 'Nupur' Bldg., Plot No. 185, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR.III/37-EE/10003/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-60-516GI/84

Date: 12-2-1985.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-FE/10292/84-85.--Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'ad Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000 /- and hearing No.

25,000/- and bearing No.
Plot of land at Village Kole Kalvan, CVS Nos. 5864 to 5869 and 4871, Santacruz (F), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Rev. Sr. Asuntha & Ors.
- (Transferor)
- (2) Kalidas Waman Usapkar & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officia 1Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I VPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at Village Kole Kalyan CTS Nos. 5864 to 5869 and 5871 along with structures, Santacruz (E). Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide Serial No. AR.III/37-EE/10292/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Oate : 12-2-1985

Seal 1

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS----

(1) M/s. Anil Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Radhakrishna M. Adappa.

may be made in writing to the undersigned :-

. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10543.—Whereas, I, A. LAHIRI,

Competent Authority under Section 269B of the being the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 14, Necta Apartment, Plot No. 21, 4th floor, 'D' Colony Road, Behind Yasoda Niwas, Rajawadi, Vidhyavihar (E), Bombay-400 075 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or nny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Neeta Apartment. Plot No. 21, 4th floor, 'D' Colony Road, Behind Vasoda Niwas, Rajawadi, Vidhyavihar (E), Bombay-400 074.

Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/10543/84-85 on 22-6-1984.

> A. LAHIRI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following paragraphy: persons, namely :--

Date: 12-2-1985.

(1) M/s. S.M.P. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. PRA Instalations.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 12th 1 cornary 1965

Ref. No. AR.III/37EE/10716/84-85.—Whereas I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to be a second of the market value exceeding Rs. 25,000/as the sant Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Unit No. 303, 3rd hoor Hill View Indl. Estate situated at L.B.s. Marg, Chatkopar, West, Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the tan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtraigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 303, 3rd floor Hill View Indl. Estate, L.B.S. Marg, Ghatkopar West, Bomaay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10716/84-85 dated 1-6-1984.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date : 12-2-1985.

(1) M/s. Parul Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Februida Usman Shajiff,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.111/37EE/10556/84-85.—Whereas, 1, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 9, Wing B Bldg, No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, situated at Ghatkopar (W), Bombay-86, (and more Jully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for cuch training as unread to be attached. consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tinsfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period ox 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Wing B Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.JII/37EE/10556/84-85 dated J-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 12-2-1985.

E 174, h. The 1st of t FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

> COMMISSIONER OF INCOME-FAX ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.[11/37EE/10487/84-85.---Whereas 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Piece of Parel of land S. No. 424, Hisa No. 21, CTS No. 832, Vakola Village, Santacruz, Bombay-55, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Concord Enterprise.

(Transferor)

(2) Shri Y. C. Sathe.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property—may be made in writing to the undtraigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (a) by any of the atoresaid persons within a period of property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land survey No. 424, Hissa No. 23, CTS No. 832, Vakola Village, Opp. Canara Bank, Vakola, Main Road, Santacruz, Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10487/83-84 dated 1-6-1984.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III,-Bombay

Date: 12-2-1985.

FORM ITNS

(1) Smt Matagatham 'Kalvan ikrishnan,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Asdhir Naiya,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February ',985

Ref. No. AR.III/37EE/10486/84-85,---Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 8, 1st floor Paresh Bhavan, C.H.S.I. Sainathnagar,
L.B.S. Marg, Ghatkopar West, Bombay-86,
(and more fully described in the Schedule amexed hereto),
has been tran transferred and the agreement is registered
under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrucment of transferred with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or many moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perior of 30 days from the service of notice on the respect repersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8. 1st floor Paresh Bhavan Co-operative Housing Society Ltd., Sainath Nagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar West, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10486/84-85 dated 22-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.—--

(1) Smt. Rama Rugunath and Shri G. Rugunath,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii T. S. Venkataraman.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10242/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 12, 1st floor Vishal Apartment, Plot No. 108, Garodia Nager, Chatkoner (East), Rombuy 77

Nagar, Ghatkopar (East), Bombay-77, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor Vishal Apartment, Plot No. 108. Garodianagar, Ghatkopar (East), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR.JII/37FF/10242/83-84 dated 8-6-1984.

A. LAHTRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985

(1) 1. Shri L. K. Lala &

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Tulsio K. Lala, (2) Parul Enterprise.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10557/84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinather referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3, 7th floor C-Wing, Building No. 3, Damodar Park, I.B.S. Marg Ghatkopar (W), Bombay-86, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-61-516 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :-

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 7th floor C-Wing, Building No. 3 Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10557/84-85 dated 23-6-1984.

A. LAHTRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985

Scal:

(1) Shri T. S. Venkataraman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Radha Veeramani and Shri Narayan Veeramani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10493/84-85.--Whereas, I, LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 9, Ground floor Dwarka Dham, Plot No. 133,

Garodianagar, Ghatkopar (E), Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid parsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Ground floor Dhwarka Dham Building Plot No. 133, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10493/84-85 dated 22-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay"

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

Scal :

(1) Gayathri R. Nayak.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Parul Enterprise.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Eombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-FE/10340/84-85.—Whereas, I A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 3, 4th floor Wing C, Building No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar West, Bombay-86,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been tran transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excelled the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 4th floor Wing C, Building No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10340/84-85 dated 15-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-2-1985

Scal:

(1) Mrs. Bhagwanti D. Makhijani

(Tran feror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jayen N. Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR III/37EE/10558|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 1, 11th fl. Bldg. No. 3/D, Damodur Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar(W), Bombay-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or svasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 11th fl. Bldg. No. 3/D, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar(W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Consectent Auhtority, Bombay vide serial No. AR III/37EE/16658 84-85 dt. 23-6-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI Competent_Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985 Seal:

FORM LT.N.S .--

(1) Shree Ganesh Const. Corpa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Biseswari Dewali,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10092|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 2, and 3 Hill view Apts. Super Builtup Himalaya Parvatiya C.H.S. Ltd. Netaji Palkar Marg, Asalpe, Ghat-

kopar situated at Bombay-84,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market there of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly tated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concesiment of any income or any secsety, or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period copiese later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, and 3 Hill view Apts. Super Builtup Himalaya Parvatiya C.H.S. Ltd. Notaji Palker Marg, Asalpe, Ghatkopar, Bombay-84.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10092|84-85 dt. 2-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 12-2-1985

Scal:

(1) Shri Munir Mohsin Bachooali.

(Transferor)

(2) Shri S. V. Choudhary

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

AR.III/37EE/10381184-85.—Wheeras, J, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Unit No. 2, Gr. fl. Anoto Indl. Estate, Nityanand Nagai, L.B.S. Marg. Ghatkopar, Bombay-86.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sala Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 2, Gr. fl. Anoto Indl. Estate, Nityanand Nagar, L.B.S. Marg, Chatkopar, Bornbay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10381|84-85 dt. 16-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) M. T. Mirchandani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Baljitsing Chocher & Others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10559184 35.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

bearing No. 1-lat No. 3, 9th fl. Bldg 3/C, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), situated at Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the posities has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-56---506GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 9th fl. Bldg. 3/C, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar(W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10559/84-85 dt. 23-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) Shri A. J. Bhatia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. H. Sampat & Smt. R. D. Sampat

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.JII/37EE/10741|34-85.--Whereas, I, LAHIRJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No 4, Shri Dwarka Dham, Plot No. 133, Garodia Nagar, Ghatkopar (Fast) situated at Bombay-77, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to beexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax'Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 4, Shii Dwarka Dham, Plot No. 133, Garodia Nagar, Ghatkopar (East), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10741/84-85 dt. 29-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985

Scal:

(1) Shri P. V. Shenoy

(Transferor)

(2) Smt. P. D. Mathia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10013[84-85.—Whereas, I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 25. 6th fl. Raju Munsion, Vallabh Baug Lane.

Ghatkopar (E), situated at Bombay-75,

(and more fully described in the Schedule nunexed hereto),

has been transferred and the concernent is registered under has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the (lability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any radoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25, 6th fl. Raju Mansion, Vallabh Baug I ane, Ghatkopar(E), Bombay-75.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bomby vide serial No. AR III/37EE/10013/84-85 dt. 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-62-516 GI/84

Date: 12-2-1985

FORM ITMS-

(1) M/s A1ay Builders

(Transferor)

(2) M/s. Steel Authority of India Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10163/84 85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 5, 1st fl. Rushabh Aashish, Plot No. 74, D. P.
Road, Mulund (W), situated at Bombay-81.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor. andlor
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, it any, to the acquisition of the said propert

(b) by any other person interested in the said immovabic property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st fl. Rushabh Anshish, Plot No. 74, D. P. Road, Mulund(W), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR III/37EE/10163|84-85 dt. 1-6-1984.

A, LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III; Bombay

Date: 12-2-1985,

(1) M/s. Patel Banaji Karmshi & Co.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jayram M. Shetty

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR III/37FE/10564,84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3, Gr. Fl. Indraprashtha Plot No. 1, Survey No. 194, H. No. 1. (P), CTS No. 107 part, Mithagar Road, Mulund(F). Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believ that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating of other assets which have not been or moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Gr. Fl. Indraprashtha Plot No. 1, Survey No. 94. H. No 1, (P), CTS No 107 part, Mithagar Road, Muland (F), Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III 37EE/10564/84-85 dt 1-6-1984

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bomba.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.---

(1) Mrs. Rita A. Desai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Prabha Tiwari

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10720[84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing

Flat No. 46, Falguni, Ladiwalla Colony, Balarajesur Road,

Mulund(W), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed heroto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purpose of the Indian Incometar Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 46, Falguni, Ladiwalla Colony, Balarajesur Road, Mulund(W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10720/83-84 dt. 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II1. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the floresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 12-2-1985

(1) M/s. S. N. Builders

(Transferor)

(2) Smt. V. A. Rane

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bomoay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III. = 7EH/10251 84-85. -- Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Hat No. B-303. Solubh Apartments Survey No. 44. part,
Off: P. K. Rd Nahur, Mulund (W), Bombay-80,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bembay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reaton to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of respector with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chargest

THE SCHEDULE

Flat No. B-303, Sotabh Apartments Survey No. 44, part, Off: P. K. Road Nahur, Mulund (W), Bombay-80,
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10251/83-84 dt. 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following ing persons, namely

Date: 12-2-1985 Seal:

(1) M/s. Modern Builders

(Transferor)

(2) Shri N. C. Show

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

No. AR.III/37EE/10453!84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 7, Plot No. 48, Kanjur Co-op. Hsg. Soct. Ltd. Bhandup(F), Bornbay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 48, Flat No. 7, Kanjur Co-op, Hsg. Soct. Ltd. Bhandup(F), Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10453/83-84 dt. 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-JII, Rombay

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri P. N. Subramanian.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M J. Soni

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECITING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombry, the 12th February 1985

Ref. No. AR III/37ΓΓ/10593/84-85 —Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 4, Gr. floor Mulund Raj Mayor CHS Ltd S. L. Road, Mulund (W), Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and exxpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 4, Ground floor Mulund Raj Mayor Co-op. Hsg. Society Ltd S. L. Road, Mulund (W), Bombay-80. The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10593|84-85 dt, 1-6-1984

> A. LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby make proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followin. persons, namely:--

Date: 12-2-1985 Seal:

(1) Smt. Bhagyavantı Achaldas Palesa,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Balkrishnan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37FE/10516|84-85.—Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Flat No. 304, 3rd (1 Sushim Apartment, S. N. Rd., Tambe
Nagar, Mulund(W), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this serice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor Sushila Apartments, S. N. Rd., Tambe Nagar, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EP/10516|84-85 dt, 1-6-1984.

A. I AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

(1) Smt. Vasundhara R. Fari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pratibha P. Mumbarkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10288[84-85.— Whereas, I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 5, Gr. Fl. Shu Sadan Kunj Co-op. Hsg. Sct. Itd. 90 Ft. Road. Navgar Rd. Mulund(W), Bombay-81

90 Ft. Road. Navgar Rd. Multind(W), Bombay-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—63—516 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Gr. Fl. Shri Sadan Kunj Co-op. Hsg. Sct. Ltd. 90 Ft, Road, Navghar Rd. Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No AR-III/37EE/10288/83-84 dt. 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombay

Date: 12-2-1985

Scal

(1) Hiranandani Indl. Estate

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok T. Chandnani & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37FF/10156[81-85. -- Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No 139, 1st il. Hiranandani Indi. Estate, Kanjur Mar, Rombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly staed in hes said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as aren in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Unit No. 139, 1st floor Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg, Bombay.

The agreement has been registered with the Authority, Bombay vide Scriul No. AR.III/37EE/10156/83-84 dt. 1-6-1984.

(b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Hansrat K. Harla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Yaspal K. Kalra,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10166/84-85.—Whereas, I, Λ. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Gala No. 25, Meghal Service Indl. Estate, D. D. Road,
Mulund (W), Hombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beliefe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 25, Meghal Service Indl, Estate, D. D. Road. Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR.III/37-EE/10166/83-84 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Eurobay.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 12-2-1985

(1) Mr. Antony Saldanha,

(Transferor)

(2) Shri V. R. Haridas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10277/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No C-1, Hit Niketan Kokan Nagar, J. M. Road, Bhandar All Market Value Barket 278

dup (W), Bombay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-1, Hit Niketan Cocna Nagar, J. S. Rd. Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide setial No. AR.III/37-EE/10227/83-84 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

1(1) Hiranandani Indl. Enterprises.

(Transferor)

(2) Suresh Tikamdas Mulchandani.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-Ші, ВОМВАҮ

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-FE/10540/84-85.—Whereas, 1, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Unit No. 27, 1st il. Haanandani Indl. Estate Kanjui Maig, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income_tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 27, 1st fl. Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10540/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) Bharat M. Parwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 ÒF 1961)

(2) Smt. Gajraben L. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10727/84-85.-Whereas, I, A. LAIHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

And bearing No.

Flat No. 404, 4th fl. Sushila Apartment, Tamba Nagar, S.

N. Rd. Mulund (W), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Composent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of ... transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or

Flat No. 404, 4th fl. Sushila Apartment, Tamba Nagar, Sarojini Naidu Rd. Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10727/83-84 dated 1-6-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 12-2-1985

§1) Shir Narottamdas Prabhulal Ganatra & Ors. (Transferor)

(2) Shii Rameschandra S Modi & Ois.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISTTION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.1II/37-EE/10353/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25000/-

property naving a fair market value exceedings RS. 25000/s and bearing Plot No. B-4, 1st fi, Maheshwari Apartment, Jattashankar Dosaa Rd. Mulund (W), Bombay-80. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration wnich is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. B-4, 1st fl. Maheshwari Apartment, Jattasankar Dosaa Rd. Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10353/83-84 date 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act to the following regons, namely;-

Date: 12-2-1985

Scal:

FORM I.T.N.S .--

(1) P. N Kothari

(Transferor) (2) Spacetech Equipment & Structural Pvt. L.d. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10135/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property, having a fair market value exceeding No. 200 (P), CTS No. 288, Agra Rd. Bhandup, Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269 \(\text{B}\) of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or otherwassets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 213, 2nd fl. P. N. Kothari Estate, Survey No. 200 (P), CTS No. 288, Agra Rd. Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10135/83-84 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

FORM ITNS-

(1)Patel Bhanji Kaamshl & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shii Piakash M. Kuntak

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 12th February 1985

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Re.. No. AR.III/37-FE/10563/84-85.—Wheeas, I, A. LAHIRI. being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No 7, 2nd fl Indrapiastha, S. No 94. H. No. 1 (P) CTS No 1071 (P) Mithagai Rd Mulund East, Bombay.

CTS No 1071 (P) Mithagai Rd Mulund East, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered up Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-III,

Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

Scal :

64--516GI/84

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd fl. Indraprastha, P. No. 1, S. No. 94 H. No. 1 part CTS No. 107 (p), Mithagai, Rd. Mulund (East), Bombay.

The agreement has cen registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR.III/37-EE/10563083-84 dated 1-6-1984

(1) M/s. Indo Saigon Agency.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Metacans.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EL/10233/84-85,--Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 1, Gr. Fl. "Gobind Udyoog Bhavan, Balarajeshwar Rd. Mulund (W), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office the Competent Authority,

at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ; -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 1, Gr. fl. Gobind Udyog Bhavan Balarajeshwar Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has een registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EF/10233/83-84 dated 1-6-1984.

> A. [AH]R] Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom-Acquisition Range-III. Bombay

Date: 12-2-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Glow Packaging Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Telcon Industries.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Rej. No. AR.111/37-EL/10153/84-85.--Whereas, 1, A LAHIRÍ.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Unit No 24, K K Gupta Indl. Estate, Mulund, Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered unde Sec. 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) 'by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Unit No. 24, K. K. Gupta Indl. Estate, Mulund, Bombay-

The agreement has een registered with the Competent Authority, Bombay vide script No. AR.III/371EE/1015/83-84 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

(1) Mukand Iron Staff Association Co. Hsg. Soc. Ltd. (Transferor)

(2) Smt. Anasuya Ramnath Sonde & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-FE/10550/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 16, Bldg, No. 1e, Plot No. 4, S. No. 55 and 56, CTS No. 2070208, Muland (E), Bombay-81. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), here been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered und. Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of th's notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 6, Bldg. No. 16, Plot No. 4, S. No. 55 and 56, CTS No. 2070208, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has een registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10550/83-84 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Rombay

Date: 12-2-1985

(1) M/s. S. N. Builders.

(Transferor)

(2) Shri A. D. Rang.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR./37-EE/10438 84-85.--Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immoving the said Act of the sai able property, having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing
Flat No. A-202, Sorabh Apartment B. O.f. P. K. Rd. Nabur Village, Mulund, Bombay-80.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered inde. Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-0-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the Soiceaid property, and I have reason to take the fair market to the fair market transfer the property of the

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the property as the state of the property as a spore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better the property as the property as a special part of the propert ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A-202, Sorabh Apartments-B, Off. P. K. Rd. Nabur Village, Bombay-80.

The agreement has cen registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10438/83-84 dated 1-6-84.

> A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985

FORM ITNS ---

(1) M/s. S N Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajnikant B. Rege.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10250. -- Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Cmpetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have leason to believe that the immovable property, having a Isit market value exceeding Rs.

25,000/- and beating Flat No. 1/2, Surabh Apartments, Survey No. 44 Oil. P.K. Rd. Nahur. Mulund (W). Bombay-80. (and more fully described in the scheduled annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered and Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the idoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); I-lat No. A/2, Surabh Apartments, Survey No. 44, Off : C. K. Road, Nahur, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has een registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IIII/37-EE/10250/83-84 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax Acquisition Range-III. **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s. S. N. Builders.

(Transferor)

(2) Shu M. G. Mishra,

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ΛR.III/37-FF/10291/84-85.—-Whereas, I, A. LAHIRI,

A. LATIRI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and beating No.

Hat No. A-102, Solabh Apartment, Survey No. 44, "Asha Off: P. K. Rd., Nahui Mulund (W), Bombay-80, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority. Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; which ought to be disclosed by the transferee for and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that the query

THE SCHEDULE

Flat No. A-102, Surabh Apartments, Survey No. 44, "Asha", Off: P. K. Road, Nahur, Mulund (W), Bombay-80,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay serial No. AR III/37-EE/10291/83-84 dated 1-6-1984

A. I AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 12-2 1985 Seal .

(1) P. N Kothari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Newetch Energy Engineers.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/;0329/84-85—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Unit No. 212, 2nd floor P. N. Kothari Estate, S. No. 200 Part, CTS No. 288, Agra Rd. Bhandup, Bombay-78. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in he office of the Competent Authority. Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 212, 2nd fl. P. N. Kothari state, Survey No. 200 (p), CTS No. 288. Agra Rd. Bhandup, Bhandup-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10329/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 12-2-1985

(1) Shri Pahajsing Hassasing Bajaj

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Devendra Prabhudayal Mangla

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBÁY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR, III/37-EE/10567/84-85.--Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value erceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 15, 'B' Wing Atlanta, Plot No. 38, at Village Val-nai, Malad-Marve Rd. Malad, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in he office of the Competent Authority.

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15, B-Wing of Atlanta, Plot No. 38, Village Valnia, Malad-Marve Road, Malad, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10567/83-84 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 12-2-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

65---516GI/84

FORM I.T.N.S.--

(1) M/s. Manali Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sayed Shahid Hussain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10547/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 1, Gr. Fl. Manali Bldg. No. 2, Plot Nos. 48, 49 and 50 at Valnai Village, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in he office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

en or 49 ce for 1922 lth-tax 84

Shop No. 1, Gr. Fl. Manali Bldg. No. 2, Plot Nos. 48, 49 and 50, Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10547/83-84 dated 1-6-84,

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. M. S. Brothers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. R. Pawaskar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10551/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Premises bearing CTS No. 515-A 128, Municipal Asstt. S. No. P-3925-52, Turen Pakhadi House, Malad Tureal Pakhadi, Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1934 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises bearing CTS No. 515-A, 128, Municipal Assits. No. P-3925-52, Turen Pakhadi House, Malad Turel Pakhadi, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10551/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

(1) Mrs. Mahinder Kaur Batra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. V. V. Veghasia & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10569/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-.

and bearing
Flat No. A-5/3, Emceco C-H. S. Ltd. Sunder Nagar Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in he office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endlor

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-5/3, Emceco C. H. S. Sct. Ltd. Sunder Nagar. Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. \R.III/37-EE/10569/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date : 12-2-1985

Scal

(1) M/s. Chandraraj Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ravjibhai K. Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11I, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10692/84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. $25,000/_{-}$ and bearing

Flat No. 301 Chandraraj Apartment, Chincholi Road, Malad

(W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301 Chandrarai Apartment, Chincholi Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10692/64-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following appropriate according to the said Act, to the following appropriate according to the said Act, to the following appropriate according to the said Act, to the following according to the said Act, to the said Act, to the following according to the said Act, to the following according to the said Act, to the following according to the said Act, to the following the said Act, the s lowing persons, namely :-

Data + 11-2-1985 Scal:

(1) Shri Babubhai V. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinodkumar N. Gada and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10455/84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Block No. 2 1st floor, Malad Ashok Premises Co-op. Daftary

Road. Malad (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Block No. 2 1st floor Malad Ashok Premises Co-op. Daftary Road, Malad (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10455/84-85 dated 1-6-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date + 11-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE DICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Shakuntala K. Misen & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10261/84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
Fla. No. 303, 3rd floor C. Wing, "Atlanta", Plot No. 38,
Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1928 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor C-Wing, "Atlana", Plot No. 38, Off Valual Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.1 $\Pi/37EE/10261/84-85$ dated 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Muraj Shahid Ali Tayyab Shalkh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10106/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have 1000 to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and hearing

and bearing
Flot No. 302, 3rd floor C Wing, "Atlanta" Plot No. 38
Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trnasfer as agreed to between the part of has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ...ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresuid property by the issue of this notice under sub-nection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fl2; No. 302, 3rd floor, C-Wing "Atlanta" Plot No. 38. Oif Vainai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10106/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authoric
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985

- (1) M/s, Ahmed Construction.
 - (Transferor)
- (2) Mrs. Charnjit Kaur Madan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.JII/37FE/10613/84-85.-Whereas, 1,

LAHIRÍ.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 7, Amit Building 3rd floor Sei Baba Park, Mith Chowki, Malad, (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor "Amit Building", Sai Baba Park, Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10613/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Insome-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following весьова, тажевіу :---66-516GI/84

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Neerav Holdings Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijaykumar Dev Salian,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10030/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000), and bearing.

to as the said Act) have reason to believe that the liminovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. L/10, 3rd floor Building Haridwar-I, Plot No. 18-19-20A Village Valnai, Malad (W), Bombay-64, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. L/10, 3rd floor Haridwar-I Building Plot Nos. 18-19-20A of village Valnai, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide sorial No. AR.III/37EE/10030/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-85

Seal;

FORM ITNE

- (1) Rajendra & Naresh P. Upadhyay.
- (Transferor)
- (2) Ranjitsingh Mokha,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10725/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a falr market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 9, Gr. Floor Bldg. No. 6, Survey No. 26(P) Hissa No. 1(P) Mith Chowkl, Ushma Nagar, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gratette or a period of 30 degration the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Gr. Fl. Bldg. No. 6, Sandesh Bldg. Survey No. 26(P), Hissa No. 1(P) Mith Chowki, Ushma Nagar, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10725/84-85 1-6-1985.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Vaishali Arts.

(Transferor)

(2) M/s. Leakless (India) Engg.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10725A/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Indl. Unit No. 122, 1st floor Vinay Indl. Estate, Survey No. 128/1, Deorukhar Wadi, Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay

Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mone,'s or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intuate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 122, 1st floor, Vinay Indl. Estate, Survey No. 128/1, Deorukhar V/adi, Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10725A/84-85 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985

- (1) M/s .S. R. Enterprises.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Meera Murlidhar Kashikar & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.HI/37EE/10005/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

Flat No. 33, 3rd floor Plot No. 4, Road No. 3, Near Mehta Industrial Estate, Liberty Garden, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act., in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 33, 3rd floor Plot No. 4, Road No. 3, Near Mehta Industrial Estate Liberty Carden, Malad (W). Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10005/84-85 dated 1-6-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 12-2-1985

(i) Arunkumar & Associate.

(Transferor)

(2) Dushyant Gabilal Marfatia.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR,III/37EE/10087/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and becaring

Ashish Building, Flat No. 5, 1st floor, Saibaba Park, Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and ahe agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act,, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaflette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ashish Building, Flat No. 5, 1st floor, Saibaba Park, Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10087/84-85 dated 1-6-1984

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

(1) Majojkumar R. Kothari & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amubhai G. Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10270/84-85.—Whereas, I. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing A flat on 3rd floor, Matrukrupa, B-Building, Solicitor Road, Malad (E), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed (hereto has been transferred and ahe agreement is registered under Section 260AB of the Incometer Act in the Office of the Section 269AB of the Income-tax Act,, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofof 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

any of the aforesaid persons within a period

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

flat on 3rd floor, Matrukrupa, B-Building, Solicitor Road, Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37FE/10270/84-85 dated 1-6-1984

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, **Bomb**ay

Date: 12-2-1985

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following bersons namely :-

FORM ITNS ---

(1) Rajendra & Naresh P. Upadhyay.

(Transferor)

(2) Ranjit Singh Mokha.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10461/84-85.—Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 9, Ground floor Building No. 6, "Sandesh" Survey No. 26 (P), Hissa No. 1 (P), Mith Chowki, Ushma Nagar, Off Marve Road Malad (W) situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act., in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Ground floor Building No. 6, "Sandesh" Survey No. 26 (Pt) Hissa No. 1(Pt) Off Marve Road, Malad (W) Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10461/84-85 dated 1-6-1984

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III. Bombay

Date: 12-2-1985

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mayadevi K. Agarwal,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10108/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 303, 3rd floor B Wing "Atlanta" Plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and ahe agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act., in the Office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fyplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor B Wing "Atlanta" Plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10108/84-85 dated 1-6-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—67—516GI/84

Date: 12-2-1985

FORM TINS-

(1) Bab Hira Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Chander Kanta Khanna,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10103/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

he competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/- and hearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 40, C-Wing, Building No. 3, Baba Hira Nagar, Plot No. 263, Part CTS No. 8, Village Malwani, Malad (W),

Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and also agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act., in the Office of the Competent Authority.

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 40, C-Wing, Building No. 3, Bab Hira Nagar, Plot No. 263, Part CTS No. 8, Village Malwani, Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR.JII/37EE/10103/84-85 dated 1-6-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

Date: 12-2-1985

FORM ITNS ---

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Maladkar B. Balkrishna.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR,III/37EE/10755/84-85.—Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 12, Building No. 'A' Wing 'A', 2nd floor, Sant Gadge Baba Nagar, Chinchole Bunder Road Malad (W),

Bombay-64.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority,

Bombay on I-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Building No. 'A' Wing 'A', 2nd floor, Sant Gadge Baba Nagar, Chinchole Bunder Road Malad (W). Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10755/84-85 dated 1-6-1984

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectio 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Rcf. No. AR.III/37EE/10142/84-85.—Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 103, 1st fl. The Ratna Rupal C.H.S. Ltd.,
28-A, Shivaji Nagar, Daftary Rd. Malad (E) Bombay-97
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Seetaram Chandru & Ors.

(Transferor)

(2) Smt. Mayaben Ramji Manek & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st fl. Ratna Rupal C.H.S. Ltd. 28-A, Shivaji Nagar, Daftary Rd. Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10142/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III
Bombay

Dated: 12-2-1985

Seal .

(1) M/s Queens Park

(Transferor)

(2) Mr. Jagannath D. Poojari.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10510/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 15, "Nalanda" Bldg, No. 1, Plot Nos. 32 & 33 Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/o:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15, "Naland" Bldg. No. 1, Plot Nos. 32 & 33, Valnai Village, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10510/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Dated: 12-2-1985

(1) Shri V. H. Shah & others.

(Transferor)

(2) Shri R. R. Putel & others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA CE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, OFFICE OF

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10281/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immov-Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 9, 2nd Floor, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra Road, Malad (F), Bombay-400 064, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be discussed by the transferee for the moneys of the Indian Income-tax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the ocquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 9 2nd Floor, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10281/84-85 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 11-2-1985

(1) Shii V H Shah & others.

(Transferor)

(2) Shir Vinod Kantilal Shah & others

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

AR III/37I E/10281/84 85 -Whereas, I, A LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing
Block No 10, 2nd floor Shantmath Chhaya, Plot No 11
Itendra Roid, Malad (E), Bombay-400 064,
tand more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Sec 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 16 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-aid
exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tix Act, 1957 (27 of 1957), Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Block No. 10 2nd Floor, Shantinath Chhaya Plot No. 11, Intendia Kond, Malad (E), Bombay 400 064. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III/37EE/10282/84-85. dated 1 6-1984

> A LAHIRI Competent Authority,
> Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely '---

dated 1-6-1984 Seal:

(1) Shri V. H. Shah & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arvindkumar Mangaldas Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11I, **BOMBAY**

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10101/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Block No. 6, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra Road,
Malad (E), Bombay-400 064,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of
the Competent Authority,
at Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which we remaind the interval of the service of the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 6, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10101/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated: 11-2-1985

FORM ITNS

(1) Shri V. H. Shah & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. S. Shah & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37I·E/10102/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a foir market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Block No. 7, 1st Floor, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tux Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombayon 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the enid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 7, 1st Floor, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10102/84-85

dated 1-6-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in purshance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-68-516 GI 84

Dated: 11-2-1985

(1) Shri V. H. Shah & others.

(Transferor)

(2) Shri A. J. Purohit & others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10276/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Block No. 13, 3rd Floor, Shantinath Chhaya, Plot No. 11,
Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the haid Act, in respect of any income arising from the transfer end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 13, 3rd floor, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10276/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 11-2-1985

(1) Shri Vashumal A. Matlani.

(Transferor)

(2) Mr. Sha Khamrajii K. Jain

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.HI/376E/10524/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Shop No. 5 Man Satovar Bldg, Junction of Govind Nagar Rd. and S. V. Rd. Malad (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more tha fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 5 Man Sarovar Bldg. Junction of Govind Nagar Rd. and S. V. Rd. Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10524/84-85 dated 1-6-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

Dated: 11-2-1985

(1) Shri V. H. Shah & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jaygiri Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.ΠΙ/37ΕΕ/10099/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. 14, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Scc. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons mannely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 14, Shantinat Chhaya, Plot No. 11, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064.

- The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10099/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Dated: 11-2-1985

- (1) M/s Chandraraj Builders.
- (Transferor)
- (2) Shri Mohanlal Muljibhai Patel.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10354/84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fau market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 303, Chandraraj Apartments Plot No. BS No. 5A and 4A (Part) Chincholi Bunder Rd. Malad (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the garties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 303 Chandraraj Apartment, Chincholi Bunder Rd. Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1054/84-85 dated 1-6-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the saforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 11-2-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s J. H. Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishan Singh Sohal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10734/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 12, 2nd Floor, "Madhaw Kutir" Off 7th Road, Rajawadi. Vidya Vihar, Bombay-77 (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor, in the building known as MADHAV KUTIR plot No. 3, Survey No. 92, Off 7th Road, Rajawadi, Vidya Vihar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10734/84-85 dated 1-6-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 11-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10034/84-85.—Whereas, I, A LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 12A, 3rd Floor, "Madhav Kutir" off 7th Road, Rajawadi, Vidyavihar, Bombay-77 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Popular and 16-1984. at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) M/s. J. H. Enterprise.

(Transferor)

(2) Smt. Damyanti Javerilal Raval & Ors.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12A, 3rd Floor in the Building known as "MADHAV KUTIR", plot No. 3, Survey No. 92, Off 7th Road, Rajawadi, Vidya-vihar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide social No. AR.III/37EE/10034/84-85 dated 1-6-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Dated: 11-2-1985

Seal.

FORM I.T.N.S.———

(1) M/s. Venus Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abraham Rayman Powel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10462/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 602, 6th Floor, Venus Apartment, Kalina Market, Kalina Santacruz (E), Bombay-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the came meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 662, 6th Floor, at Plot No. CTS No. 5835 to 5851 Kole Kalyan Venus Apartment, Kalima Market, Santacruz (E). Bombay-28.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR.III/37EE/10462/84-85 dated 1-6-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 11-2-1985

#1) Khanolkai & Desai Bldg, Dev. Pvt. Ltd (Transferor)

Pravin Ganpat Rane,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37FE/10192/84-85.---Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Flat No. 4, A Wing, 2nd fl. Abhijeet Apartment, Near Vakola Bridge Police Station, Santacruz (E), Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftgen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

69-516 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, A-Wing, 2nd Fl. Abhijeet Apartments, Near Vakola Bridge Police Station, Santacruz (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10192/84-85 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dated: 12-2-1985

FORM FINS...

(1) Shri V. H. Shah & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) C. R. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, J BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR III/37EE/10441/84-85 -Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Block No. 15, 3rd Floor, Shantinath Chhava, Plot No. 11, Jitendia Road Malad (F), Bombay-400 064, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the noome-fax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of (922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, pamely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 15, 3rd Floor, Shantinath Chayya, Pot No. 11, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10441/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Author + Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Dated: 11-2-1985

Scal

(1) M/s Chandraraj Builders.

(Transferor)

(2) Shri Muljibhai K. Patel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10686/84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 304 Chandraraj Apartment, Chincholi Road Malad

(W) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Sec. 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particle has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability if the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per one, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 304 Chandraraj Apartment, Chincholi Road, Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent' Authority, Bombay vide serial No. AR III/37EE/10686/84-85 dated 1-6-84.

> A. LAHIRI Compétent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date : 30-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Industrial Engineering Works.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bola Mundanna Shetty and Others.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10233/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

unit No. C-4 on ground floor, Bldg. No. 1, in Small Industries Co-op. Society Ltd., I.B. Patel Marg, Gorcgaon (W),

Bombay-63,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-6-84

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. C-4, on ground floor, Bldg. No. 1 in Small Co-op. Society Ltd., I.B. Patel Marg, Goregaon (W), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10223/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition .Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Scal:

Dated: 11-2-1985

(1) Smt. Darshan Kaur W/o Santsingh.

(Transieror)

(2) M/s. Rupal Traedis,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bonibay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/371-E/10722/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 104 1st floor, Malad Rajni Gandha Co-op, Society S. V. Road Malad (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bomoay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 104 1st floor, Malad Rajni Gandha Co-op, S. V. Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10722/84-85 dated 1 6-34.

A. I AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 11-2-1985

((1) Smt. Hemlatha S. Deshpande.

(Transferor)

(2) Smit. Shashikala K. Salian.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR III/37FF/10498/84-85,---Wherea, I, A. LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Hat No. 4 Advani Apartment Co-op. Society, L.B.S., Marg. Malland (W). Ropphoy.

Mulund (W) Bombay

Multind (W) Bonnbay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of ethe Competent Authority,

at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of not cc on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 Advani Apartment, L.B.S. Marg, Juliod (W),

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. II/37FF/10498/84/85 dated 1-6-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Rombay

Dated: 12-0-1985 Scal:

(1) Mr. John 9. D'silya,

(Transferor)

(2) Mr. Vijay J. Doshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10424/84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 19 2nd floor, Building No. 3 Bijal Apartment, Mithehoki Ma'ad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the consealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Block No. 19, 2nd floor, Building No. 3, Bijal Apartment, Mithchoky Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10424/84-85 dated 1-6-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bonibay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in that proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Dated: 12-2-1985

FORM ITNS (1) Smt B'ndu G Choudhary.

(Transferor)

(2) Shri A. B. Zalki.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No AR.III/37EE/10299/84-85.—Whereas, I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. G/7 Kirit Co-op. Housing Society, Malad West

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 16-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is teapert of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property/may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6/7 Kitit Co-op. Housing Society, Malad (W),

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10299/84-85 dated 1-6-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 12-2-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX · ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARJII/37FE/10573/84-85. -- Whereas, I,

A. LAHIRT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the haid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. O/8 Haridwar I Off Marve Road, Matad (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority,
at Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said set, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:---70-516GI/84

(1) Mrs. Chandra Balram Talreja and others. (Transferor)

(2) Mr. Ramesh N. Dharamdasani and others. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. O/8, Building Haridwar I, Off Marve Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competerior Authority, Bombay vide scrial No. AR.III/37EE/10573/84-85 dated 1-6-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 11-2-1985

(1) Shri V. H. Shah & others.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Shri A, R Champanarı,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMB.\Y

Hombay, the 11th February 1985

Ref No. AR.III/37EE/10100/84-85. -Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable oroperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Rlock No. 5, 1st Floor, Shantinath Chayya, Plot No 11 Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 054, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 5, 1st Floor, Shantinath Chayya, Plo. No. 11, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10100/84-85 dated J-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Jil.
Bombay

Dated: 11-2-1985.

(1) The Dharmasi Moraraji Chemical Co. Ltd. (Transferor)

(2) Mrs. Nalmi G. Poojari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10298/84-85.---Whereas, I,

A LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B/10 New Evershine Co-op. Housing Marve Road Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair A LAHIRI.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fitteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No B/10 New Evershine Co-op. Society Marve Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Arthority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10298/84-85 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 11-2-1985.

(1) A A. Fernandes.

(Transferor)

(2) M/s U. K. Builders.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Reg. No. AR.III/37EE/10759/84-85. -Whereas, I, G. S. GOPALA,

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.
Plot No. bearing S. No. 33 Hissa No. 1 (part) plot No. 45, Valuai Village, Maland (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of

Sec. 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-84

persons, namely :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mennig as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. bearing S. No. 33 Hissa No. 1 (part) plot No. 45 Valnai Village, Malad (W) Bombay.

Authority, Bombay vide serial No. AR.(II/37EE/10759/84-85 dated 1-6-84. The agreement has been registered with the Competent

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 11-2-1985.

Scal:

- (1) M/s Baf Ilna Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)

(2) Nirmal Shome.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR III/37EE/10469/84-85.--Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Bldg. No. 3, Flat No. 19/B, Baf Hira Nagar, Marve Road, Mahd (W) Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bembay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have mason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Baf Hira Nagar, Bldg No. 3, Flat No. 19/B Marve Road, Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10469/83-84 dated 1-6-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 11-2-1985.

Scal ·

(1) M/s Kailash Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bipin Kumar H. Gohil and Others.
(Transferee)

may be made in writing to the undersigned .-

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref No AR III/37-LE/10629/84-85 --- Whereas, I, A LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/and bearing

Shop No. 14, on ground floor in Kailash Apartment situated at 1/171 opp Filmistan Studio, Goregaon (W), Bombay (and more fully described in the schedule annoxed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Inconcetax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1 6 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesud exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No 1A, in Kailash Apartment situated at 1/171 opp Filmistan Studio, Goregaon (W) Bombey

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR III/37-EE/10629/83-84 dated 1-6-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Dated 12-2 1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Khanolkar & Desai Bldg, Dev. Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Shri Pradeep Ganpat Rane

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10191/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 3-A, Wing third II. Abiject Apartments, Near Vakola Bridge Police Station, Santacruz (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 3, A, Wing, 3rd fl. Abhijeet Apartments, Near Vakola Bridge Police Station, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37EE/10191/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 12-2-1985

سار مورا چه در منظم این منظم و در استان و در این در در این در ۱۹۸۶ میلید و ۱۹۸۶ میلید <mark>به به در در استان در استان</mark>

FORM ITNS-

(1) M/s. Khanolkar & Desai Bldg. Dev. Pvt. Ltd.
(Transferor)

(2) Shii Ganpat, S. Rane

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EF/10193/84-85.—Whereas, J, A. LAH1RI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No 2, A-Wing 2nd il. Abhijeey Apartments, Near Vakola Bridge, Police Station Santaciuz (E), Bombay-400 055

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suscetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressiom used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, A-Wing 2nd fl. Abhijecy Apartments, Near Vakola Bridge, Police Station Santacuz (E), Bombay-55,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide social No. AR. III/37-FE/10193/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 12-2-1985

(1) Mrs. Swati Sanil Sahu

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Murlidhar G. Gopalani

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No AR. III/37-EE/10445/84-85.-Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

roperty, naving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 502, In Vale E-Ram-I, Evershin Nagar, Off, Marva
Road, Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Ac 1961, in the office of
the Competent Authority,
at Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 502, Val E Ram I Off Marve Road, Near Ushma nagar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10445/83-84 dated 1-6-1984.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

71-516GI/84

Dated: 12-2-1985

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Baf Hira Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Vinodhkumar Bhavanji Sangvi,

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. 111/37-EE/10690/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax A^{**} 1961, in the office of the Competent Authority,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforessid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisit n of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interests d in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chap er XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUL

Shop No. 7, Gr. Fl. Bldg. No. 1, Lathira Nagar, Marve Road, Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. 1 . HI/37-EE/10690/83-84 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI on petent Authority Inspecting Assistant Committioner of Income-tax Acquisitie 1 Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 12-2-1985

FORM ITNE

(1) Baf-Hira Bpilders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Jagdish Prasad Dhawan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10089/64-85.—Whereas, I,

A. I.AHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

Baf Hira Nagar, Flat No. 3/D/53, Marve Road, Malad (W),

Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority.

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Baf Hira Nagar, Flat No. 3/D/53, Marve Road Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. 111/37-EE/10089/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 12-2-1985

Scal:

(1) Baf-Hira Bpilders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. T. Chakraborty

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10283/84-85.-Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Baf Hira Nagar, Marve Road Flat No. 1/C/42 Bldg. No. 3

Malad Bombay

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of' 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Junian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1/C/42, Baf Hira Nagar, Marve Road Malad (W), Bombay-95.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10283/83-84 dated 1-6-1984.

THE SCHEDULE

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 12-2-1985

(1) M/s. Lubin Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Errol Remedios & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Rcf. No. AR 111/37-EE/10439/84-85.-Whereas. I. A. LAHIRI,

being the Cmpetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Flat No. C/7, second fl., CTS No. 397, 297/1 to 6 of Village Valuai, J.B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in resistanced under has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C/7, 2nd fl., Part-A. CTS No. 397, 297/1 to 6 of Village Valnai, J.B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, III/37 EE/10439/84-85 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated . 12-2-1985

(1) M/s. Manali Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kashiram D. Jashnani

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Rcf. No. AR. III/37-EE/10694/84-85.—Whereas, I, A. LAHIR),

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaiter teferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No 8, Gr. fl. Manali Bldg. No. 1, Plot Nos 48, 49, 50 of Valnar Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appaint consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the late of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as arc defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, G1 Fl Manalı Buldg. No 1, plot Nos. 48, 49 & 50 Valnaı Village, Marve Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10694/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated 12-2-1985

(1) M/s. Karmali Enterprise

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mohd, Dawood Umar Sheikh,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10063/84-85.---Whereas, I. A. I. AHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter ref-rred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 304, Ad-Sabha, Somwar Bazar. Behind Bombay Talkies Compound, S. No. 388/2(Malad, Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority.

Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, A1—Sabha, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies Compound, S. No. 388/2, Malad, Bombay-64.

The agreemen, has been registered with the Competent Authority; Bombay vide scrial No. AR, III/37-EE/10063/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 12-2-1985

Scat :

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/s. Hemal Enterprises

(Transferor)

(2) Mrs. Sheela N. Palande

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10696/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and bearing

Fiat No. 27, 2nd fl., Hemal Apartment plot CS No. 19, 41 Nos. 85.5/96/1, At Village Malwani, Malad, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 27, 2nd fl. Hemal Apartment plot No. CS No. 19, 41, Nos. 85/5, 96/1, Village Malwani, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR. III/37-EE/10696/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely:—

Dated: 12-2-1985

Seal;

(1) Asha Arun Desai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shyam Prakash Chunilal Thakur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10672/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Flat No. 305, 3rd fl. Sanjeeta, CTS No. 9 & 10, Off; Datta Mandir Road Malad (E), Bombay-97 (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under the scheduled annexed hereto). Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority. Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely

72-516GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 305, 3rd fl., Sanjeeta CTS No. 9. & 10, Datta Mandir Road, Malad (E), Bombov-97

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10762/84-85 dated 1-6-1984.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax , Acquisition Range-III, Bombav

Dated: 12-2-1985

(1) M/s. Hemal Enterprises

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Rajan Vishnu Revankar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10695/84-85.--Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 36, 3rd fl. Memal Apartment on plot C.S. No. 19, 41 Nos. 85/5, 96/1, Village Malwani, Malad (W) Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property es aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 38, 3rd fl. Hemal Apartment Plot CS No. 19, 41 Nos. 85/5, 96/1, Village Malwani, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10695/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 12-2-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri Ram Const. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. Bhaskaran

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10433/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Hat No. B-203, 2nd fl. Shriram Towers Tank Lane, Near Orlem Church Off, Marve Road Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed horeto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, insign sanday poined leavening.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. B-203, 2nd fl. Shriram Towers, Tank Lane, Near Orlem Church, Off Marve Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10433/83-84 deted 1-6-1984.

Competent Authority
[aspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 12-2-1985

(1) M/s. Queens Park

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1981 (43 OF 1961)

(2) Sh. Sharath G Mada

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

Ref. No. AR. III/37-EE/10509/84-85.---Whereas, I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 14, Gr. Fl. Nalanda Bldg. No. 1, Plot Nos. 32, 33, Valnar Village, Marve Road Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 14, Gr. Fl. Nalanda Bldg. No. 1, Plot Nos. 32 & 33, Valnai Village, Marve Road Malad (W), Bombay-64.

The agreemen has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. 1II/37-EE/10509/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 12-2-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Glondala Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Elizabeth Mascarenhas

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. 1II/37-EE/10095/84-85,--Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No 8, first fl., Bldg on plot No. 16-A, CTS No. 432,
Village Valnai, J.B. Colony, Orlem, Malad (W) Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
The Pombay on 16,1984. at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) (scilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period σ 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, first fl. Plot No. 16-A CTS No. 432 Village Valnai, J.B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64. The agreemen has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10095/ 83-84 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 12-2-1985

(1) M/s. Lubin Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anoop Kumar Puri & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10244/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Flat No A/9, fourth fl. CTS No. 397, 297/1 to 6, Village Valnai, J. B. Colony, Orlem, Mallad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schtdule annexed heretod),

(and more fully described in the Schtdule annexed heretod), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bol eve that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquialtion of the said property may be in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat A/9, 4th fl. CTS No. 397/1 to 6, Village Valnai, J.B. Colony, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10244/ 83-84 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 12-2-1985

Scal:

(1) M/s. Span Builders

(Transferor)

(2) J. V. Mehta (HUF) & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref No. AR. III/37-EE/10744/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable immovable to the said Act'), have reason to believe that the immovable immovable immovable immovable immovable. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 1, 1st fl., Subhalaxmi Shorping Centre, Quarry Rd., Malad (E), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), that been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 1, 1st fl. Subhalaxmi Shopping Centre, Quarry Rd. Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No AR, III/37-EE/10744/83-84 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely :---

Dated: 12-2-1985

- Note that the first the first the second of the first the first

(1) M/s. Ravi Builders

(Transferor)

(2) Shri Jethalal Padamshi Gala

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref No AR. III/37-EE/10418/84 85 -- Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exerciting Rs 25,000/-

and begging No
Flat No 301 31d fl Ray by Apartin 12 115 No 816
Mamletdarwidt Rd No 3 Malad (W) + 1 bay n4
(and more fully described in the Schrödile annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
the 260AB of the Incomestix, 1961, in the Office of the section 269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the Compatent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 19.7 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovnble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 301, 3rd fl. CTS No. 816, Mamletdarwadi, Road No 3, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR III/37-EE/10418/83-84 dated 1-6-1984

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bomb is

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Dated: 12-2-1985

Seal

(1) M/s. Lubin Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Jennifer Pereira.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR III/37-EE/10019/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. A/10, fourth fi. CTS No. 397 397/1 to 6, Village Valna1, J. B. Colony, Orlam, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority the Competent Authority

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
73—516GI/84 Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/10, fourth fl. CTS No. 397, 397/1 to 6, village Valnai, J.B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10019/ 84-85 dated 1-6-1984.

> A. LAHTRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 12-2-1985

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Muraj Shahzad Tayyab Shaikh,

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/10107/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 /s and bearing.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd fl. 'C' Wing, "Atlanta", P.O. No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Malad, Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such arparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd fl. 'C' Wing, "Atlanta", P.O. No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37-FE/10107/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

(1) Vasantbhai A. Patel

(Transferor)

(2) Patel Natwarlal Chinubhai & Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10347/84-85.--Whereas, I,

A. LAHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the accome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

Office bearing No. 27, plot No. 348, F.P. No. 5-A, Laxminarayan Shopping Centre, Podar Road, Malad (E), Bombay-

97 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the falt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaluate of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 27, Plot bearing CTS No. 348, F.P. No. 5-A, Laxminarayan Shopping Centre, Podar Rd. Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.II/37EE/10347/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Ill, Bombay

Date 12-2-1985

(1) M/s. Baf-Hira Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Subhashim Gupta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10544/84-85.--Whereas, I.

Ref. No. ARAIII/3/-EE/10344/64-63.—verteques, a.

A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. A-5, Bldg. No. 3, Baf Hiranagar, Marve Road,
Malad Romboy.64

Malad, Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority,
Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hlat No. A-5, Bldg. No. 3, BAF-Hira Nagar, Marve Rd., Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10544/ Competent 84-85 dated 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 12-2-1985

(1) Smt. Smita Sadanand Kadam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Liladhar Damodar Chhatbar

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10234/84-85.—Whereas 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-movable property, having a fair market value exceeding

movable ploperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rs. 25,000/- and bearing Flat No 301, 3rd fl Akash Ganga, Bachani Nagar Road, Malad (E), Bombay-97 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is loss than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the affresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the teamsfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd fl. "Akash Ganga" Bachani Nagar Road, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/!0234/ 84-85 dated 1-6-1984.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely re-

Dated: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIL BOMBAY

Bombay, the 15th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10707/84 85.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Sertion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |and bearing

Flat No. 7, 1st floor, Rekha Bldg., Nahur Road. Mulund

West, Bombay-80, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) M/s. Asterisk Tools Manufacturers Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Mr. Easwaran V.

(Transferee)

(3) Mr. Easwaran V.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of persons, whichever notice on the respective period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor, 'Rokha' building, Nahur Road, Mulund West, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/3/EE/10707/84-85 on 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority,
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-2-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th February 1985

Ref. No. RA.II/37EE/10162/84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 10, 2nd floor, Meera-Shyam Co.op. Soc. Ltd.,
Gaushala Road, Mulund West, Bombay-80,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shii C. V. Krishnan

(Transferor)

(2) Shri G. Harikrishnan Iyer

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee

(Person whom the undersigned knows to be interested in property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, Meera-Shyam Co-op. Soc. Ltd., Gaushala Road, Mulund West, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Commetent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/10162/ Authority, 84-85 dated 1-6-1984.

> A. I.AHIRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-2-1985

(1) Patel Bhanji Kuramshi & Co.

(Transferor)

(2) Shri Jayram M. Shetty

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, EOMBAY

Bombay, the 15th February 1985

Ref. No. AR. III/37EE/10564/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Flat No. 3 (Indraprastha) P. No. 1, S. No. 94, H. No. 1 (Part) C.T.S. No. 1071 (P) Mithagar Road Mulund (E), Bombay-40,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Poinbay on 20-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebiest of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any facesme or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 (Indraprastha) P. No. 1, S. No. 94, H. No. 1 (P) CTS 1071)P) Mithagar Road, Mulund (E), Bornbay-80. The agreement has been registered with the Competent Authority Bornbay under No. AR.II/37EE/10564/84-85 on dated 20-6-1984.

A. LAHIRICompetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated: 15-2-1985.

(1) M/s. Modern Builders

(Transferor)

(2) Mr. A. S. Notamraj

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. A.R. III/37-EE/10306/84-85.---Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competert being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tire Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'self Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No

Flat No. 10, Plot No. 46, Kanjur CHS Ltd. Kanjur Marg, Bombay-78

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transcried and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideratoin and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the pressid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---74-516G1/84

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: -The terms and expressions used herein as are lefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Plot No. 46, Kanjur Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Kanjur Marg. Bombay-78,
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10306/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1985

Ref. No. 27/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 49, Rajaram Mehta Nagar, 1st Main Road, situated at Aminjikarai, Madras, 29 (Block No. 17) and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1628/84 in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfere; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Leela Raghunath, 35B, Railway Colony, III St., Nelson Manickam Road, Madras-29.

(Transferor)

(2) Dr. B. Sarat, No. 49, Rajaram Mehta Nagar, 1st Main Road, Aminjikarai, Madras-29.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of thiffs notice in the Ocial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building:—Door No. 49, Rajaram Mehta Nagar, 1st Main Road, Aminjikarai, Madras.29. Kodambakkam/Doc. No. 1628/84.

MRS. M. SAMUEI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1985

FORM ITNS _ -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1985

Ref. No. 30/June 84/R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing

No. Vacant Land in R. S. No. 235/1, situated at Arumbakkam

Village.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1686/84 in June. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri M. V. Janakiram Naidu, M. Sundararaj, and M. Kanakaraj,
- 4, Vth St., Doraipillai Nagar, Arumbakkam,

(Transferor)

(2) Thirumalai Fine Arts and Housing Welfare Society by its Secretary, Sti S. V. Arangesan, Old No. 280, New No. 10A (Near) Poonamallee High Road, Arumbakkam, Madras,

18

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in Arumbakkam Village, Madras R. S. Nu. 235/1 0.77 cents.

MRS. M. SAMUPL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-2-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 12th February 1985

Ref. No. 169/6/84/R.II—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Plot No. 36, Krishnasaminagat co-op. House bldg. Society, Lay out No. 2 situated at Coimbatore Taluk/Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Coimbatore/Doc. No. (2291.84) in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

persons, namely :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Smt. K. Vijayalakshmi,
 D/o. Late C. Kochumy Menon.
 Krishnasamy Nagar Coimbatore not at 10/20/21, C asa Major Road,
 Egmore, Madras.8

(Transferor)

 Thiru R. Gopalakrishnan, s/o Ramkrishna Chettair, 211, Gangai Gounder St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and biulding: Plot No. 36, Krishnaswamy nagar Cooperative House Bldg. Society, Layout No. 2, Souripalayam, Coimbatore, Coimbatore/Doc. No. 2291/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1985

Ref. No. 40/June 84/R.II.--Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Door No. 12, IV Main Road, Telepost Colony situated at West Mambalam, Madras-33

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1908)

of 16) in the office of the Registering Officer at KODAMBAKKAM/Doc. No. 1441/84 in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sii M. K. Rajagopalan, c/o Sri Ramasamy, Plot 2594, AJ. 32, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Sir Ramasamy, Plot No. 2594, AJ.32, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) 'by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and and building :- 12, IV Main Road, Telepost Colony, Madras-33, Kodambakkam/Doc. No. 1441/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1985

Rei. No. 62/June 84/R.II.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Old No. 103, New No. 36, Kodambakkam, High Road, situated at Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at at THOUSANDLIGHTS/Doc. No. 344/84 in June. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Rukmani Acharya & S. J. Kumar 36, Kodambakkam High Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) Sri S. ARUMUGASWAMY & A. Kasiammal, Kandappa Acharya St., Madras-7

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period eexpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 36, Kodambakkam High Road, Thousandlights/Doc. No. 344/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-U, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under rule section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 64-June 84/R.II.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

R. 25,000/- and bearing Flat No. 3, II floor and undivided 1846/36770 share of land out of 3 grounds 680 sft. in situated at No. 5, Haddows Road, 1st St., Madray, 6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 344/84 in JUNE, 1984 at Thousandlights/Doc. No. 344/84 in JUNE, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri Manu D. Bajaj (2) Prakash D. Bajai.

(3) Bali D. Bajai, Flat No. 3, II Floor of Aarti Apartment, 4, Haddows Road, 1st St., Madras.6.

(Transferor)

(2) Smt. Leela K. Menon, Gowri Vilas, Chittoor Road. Ernakulam, Kerala State.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, II floor and undivided 1846/36770 share land out of 5 grounds 680 sft. in No. 4, Haddows Road, 1st St, Madras-6. Thousandlights/Doc. No. 334/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11. MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 71/June 84/R.II.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. 25, College Road, Nungambakkam, situate at Madras.6. R. S. No. 99/3

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Thousand Lights/Doc. No. 279/84 in JUNE, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The South India Flour Mills Pvt. Ltd., 19/20, Royapuram Beach Road, Madras-13.

(Transferor)

(2) (1) Shri Milapchand R. Shah,

(2) Rajendra M. Shah (3) Hemanthkumar M. Shah (4) Smt. Kamala M. Shah,

(5) Smt. Bharnti R. Shah,

(6) Smt. Naina H. Shah,
(7) Rajendra M. Shah, (HUF)
(8) Hemant Kumar M. Shah (HUF), 25,
College Road, Madras.6

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: No. 25, College Road, Nungambakkam, Madras-6 Thousandlights/Doc. No. 279/84

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-2-1985

AND ACTION AND CONTRACTOR OF THE PARTY OF THE PARTY.

MATERIAL PARTIES OF THE PROPERTY NAMED IN COLUMN FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961—43 OF 1961)

(1) Sri Babu, son of S. Doraiswamy, Plot No. 502, 18th St. 4th Sector, K. K. Nagar, Madras-78.

w/o E S. Daniel Gunanidhi, No. 29, 23rd Cross St.,

2) Smt. G. Mangayarkarasi,

Besant Nagar, Madras-30

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUIJITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 75/June 85/R.H.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a foir market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. Properly of No. 29, 23 d Cross St., situated at Besant Nagar, Madra - 90

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transfer ed under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Virugambakkam/Doc. No. 1711/84 in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the troperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen ner cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said in amount of transfer with the object of the said in the

(a) facilitating the reduction of evenion of the limits. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of why have a surroung from the transfer; end/or

(b) racilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the priposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land and building No. 29, 23rd Cross St., Besant Nagar Madras-90 Virugambakkam/Doc. No. 1711/84

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—75—516GI/84

Date: 7-2-19885

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

ACCURREMENT OF INDIA

Mrs. Shoba Rani Venuri, Vijaya Raghavachari Road, T'Nagar, Madras-17

(Transferor)

(2) Mrs. Vadiapatla Vijayalakshmi, alias Smitha, No. 20, Annamalai Colony, Madras-92.

(Transferce)

OF FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No 718/June 84/R II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUCL,

being the Connectent Authority under Section 269B of the Income-ter Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ms the faid Act), have reason to believe that the immovable preparty, taking a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

And the state of the state of the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registration of the state of the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Virupambakkam/Doc. No. 1748/84, in June 1984

Virunambakkam/Doc. No. 1748/84, in June 1984 for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resucc of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) r the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land:—Property as specified in Schedule to Doc. No 1748/84 Virugambakkam/Doc. No. 1748/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 00%

subllow- Date: 7-2-19885 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore oil property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 880/June 84/R.II.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 2, Subbiah Naidu St., Purasawalkam, situated at Madras-Purasawalkam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madras North/Doc. No. 1514/84 in June 1984

for an apparent consideration which is less than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid xceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- ,b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pur poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

<mark>impressor a provincia provincia de la composito della composi</mark> (1) Mrs. Darling Roberts,

Mis. Kamaladevi Masilamani, Mrs. Chandramathi Victor, Mrs. Pramila Pandian,
Mrs. Vijayarani Rathinaraj,
Mrs. Kajkumari Nirmalkumar,
No. 55, Kailash Darshan, Ritherdon Road,
Rutland Gate, Madras.

(Transferor)

(2) 1. Sri Himatmal Mardia, Huf

Smt. Kaushalya Mardia,
 Mr. Navcen Mardia,

4. Mr. Nitin Mardia, 2 Barnaby Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition is the and property roay be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the atoresaid person within a period of 45 days from the date of sublication of this nouce in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 2, Subbish Naidu St., Purasawalkaa, Madras, Madras North/Doc. No. 1514 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Madias-600 006

Date: 7-2-19885

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 81/June 84/R.II.-Whereas, I. MRS. M. S. MUEL,

of transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as specified in schedule situated at to Doc. No. 1708/84

(and more fully described in the Schedule annexed nereto). has been t ansferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Madras North/Doc. No. 1708/84 in June 1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the afcrended property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aftersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the pa pores of the Indian income-tax Act, 1922 111 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Sherifkhan and 4 others, represented by Nawab Ali khan and 4 others, 11, 1st Main Road, Housing Board Colony, Madras-85.

(Transferor)

(2) Sri R. Rajan, Pa. Rajan, Pa Rajan and T. Rajan Old No. 20, New No. 8, Rutlanel Gate, Madras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immaable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc No. 1708/84 Madras North/Doc. 1708/84

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sulsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 7-2-19885

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri P. Ramaswamy, 10, 1st Trust Link St., Mandavelipakkam, Madras-28.

(2) 1. Sri AR Palaniappan, 2. Sri PL Arunachalam, 268, Avvai Shanmugham Road, Madras-17. (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS+ SHONLE OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 106/June 84/R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Baid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10, Let Trust Link St., situated at Maudavelipakkam, Madras-28.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Mylapore/Dec. No. 806/84 on June 1984 for an apparen consideration which is less than the fair

at Mylapore/Dec. No. 806/84 on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

nb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tra Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following secreous, samely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 10, 1st Trust Link St., Mandavelipakkam, Madraa.28 MYLAPORE/Doc. No. 806/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incame-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-2-19885

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 111/June 84/R.H.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Door No. 46, Abhiramapuram III St., situated at Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer, at Mylapore/Doc. No. 829/84 on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Sri M. K. Soshan, No. 46, Abhiramapuram 3rd St., Madras-18

(Transferor)

(2) Sri E. Balaraman, No. 43, Fifth Trust Cross St., Mandavelipakkam, Madras-28

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building Door No. 46, Abhiramapuram, III St., Madras-18 Mylapore/Doc. No. 829/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-2-19885

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 115/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ks. 25 600/- and bearing Plot No. 17, Door No. 21, situated at Becmanna Mudali St, 8Mydnous, Madagast.

8Mylapore, Madias-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc No. 871/84 on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri S. P. Palanippan, (2) PL. Subramanian, No. 4410, Anna Nagar, Madras-40

(Transferor)

(2) Mrs. S. B. Devikarani, w/o Nambinathan. Mrs. Ranjini, w/o Late Sampathy Bhoopal, No. 3, Dr. Radhakrishna Road, 7th St. Mylapore, Madras-4

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Plot No. 17, Door No. 21, Beemanna Mylapore Madras-4 (Mylapore/Doc. Mudali St., 871/84).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date - 7-2-19885

Form No. LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Madras-17.

No. 13, Sir Theagaraya Road, T. Nagar,

S. Krishnaswamy alias Chitra Krishnaswamy,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1985

Ref. No. 118/June84 R.II.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. 9, Bangarmmal St., situated at Mylapore, Madras

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 881/84 in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(2) Sri L. Vellayau, Cainton Estate, Yercaud

(1) Mrs. Bagheerathi Ammal,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

CAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 9, Bangarammal St., Mylapore,

Mylapore/Doc. No. 881/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-2-19885

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri K. Ramanathan Servai, Adamboor Village, Avudaiyarkoil Taluk. Pudukkottai Dist.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1V, BOMBAY MADRAS-600 006 (2) Kum. Selvi L. Karpagam, d/o A. R. Lakshmanan Servai, Adamboor Village, Avudaiyarkoil Faluk, Pudukottai Dist.

(Transferce)

Madras, the 7th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Ref. No. 123/June 84/R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 15, Lalitha puram St., Royapettah situated at Madras-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc No. 554/84 in June, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building: No. 15, Lalitha puram St. Royapettah, Madras-14,

Madras Central/Doc. No. 554/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, it parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rections, namely —
76—516GI/84

Date: 7-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri V. Narayanaswamy and Radha Narayanaswamy, 27, Parson Gemini Apartments, Madras-6.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

5. Central Avenue. K. P. Puram, Madras-28.

(2) Smt. K., Udayasri,

(Transferee)

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 141/6/84/R.II.-Whereas, I.

Ref. No. 141/6/84/R.11.—whereas. 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
First floor flar in building F. Block bearing Corporation Door No. F. 27, Parson Complex, situated at Mount Road, Madras-6

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 638/84 in June, 84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast. on respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 19057 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat-First floor in Bldg. F. Block, Door No. F. 27, Parson Complex, Mount Road, Madras-6. Madras Central/Doc. No. 638/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 7-2-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 146/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 100, New Door No. 171, Lloyds Road, situated at Gopalapuram, Royapettah, Madras-14. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 657/84 in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said trument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; mi/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Dr. W. Doraiswamy, No. 22, Lloyds Road, First Lane, Royapettah, Madras-14.

(Transferor)

(2) Sri Kasamalai Dawood Bhai, Saifuddın Kasamalai Sahirbhoy Kasamalai, Hussain Bhai Kasamalai and Fakruddin Kasamalai, No. 220, Angappa Naicken St., G. T., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Door No. 100, New Door No. 171, Llyods Road, Gopalapuram, Royapettah, Madras-14.

Madras Central/Doc. No. 657/84.

MRS. M. SAMUEL Competent_Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th February 1985

Ref. No. 151/June/84/R. II.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Old D. No. 89, New D. No. 49, G. N. Chetty Road, situated

at T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 666/84 in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, er the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri B. Varadarajan,

B. V. Jayagopal, B. V. Balakrishnan,

B. V. Kannabiran,
B. V. Shanmugam,
B. V. Sashi (alias Gajalakshmi) G. Kala (alias Santhanalakshmi) and
S. Mala (alias Mahalakshmi),
No. 49, G. N. Cheety St. Madras-17.

(Transferor)

(2) M/s. Sas Enterprises (Rep. by its Managing Partner Sri S. Appaswamy) No. 3, Mangesh St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building New D. No. 49, G. N. Chetty Road, T. Nagar, Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 666/84,

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 8-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1985

Ref. No. 155/June 84/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Krishna Bai St., T. Nagar, Madras-17

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 854/84 in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as arroresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri G. S. Easwatan, No. 27, Tilak St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Shri M. S. Rammohan Rao, C. A., No. 27, Tilak St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Olficial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Land :--Survey No. 8142-Vacant land in Krishna Bai St., T. Nagar, Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 854/84.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 7-2-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Sri S. Raja Perlasamy, Veedivadagam, Kivalakudi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Swarna Vanilarasu, First Banaimar, St., MDS. 17.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1985

Ref No. 157/June 84/R-II.—Wheras, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 45, S. No. 4753/11, measuring 4164 sq. ft.with

with superstructure

transfer with the object of :-

situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at T. Nagar/Doc. No. 700/84 in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of such apparent consideration therefor by more than of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereif as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Property as specified in schedule to doc. No. 700/84.

T. Nagar/Doc. No. 700/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the mid Act, I htreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II Madras-600 006, the 7th February 1985

Madras-600 006, the 7th February 1985

Ref. No. 379/June 84/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 81, situated at 71, Velachery Road, Madras-32 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Saldapet/Doc. No. 524/84 in June 84

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. Nihalchand Nahatha, by Power of Attorney R. Dayachand, Savan Sukha, 26, North Crescent Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

Smt. Saraswathi Kailasam,
 Smt. Lakshmi Valdyanathan,
 Sri A. S. Subramaniam,
 B1, Dr. C. P. Ramaswami Iyer Road,
 Alwarpet, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 71, Velachery Road, Saldapet, Madras-32.
Saldapet/Doc. No. 524/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

Date: 7-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th February 1985

Ref. No. 44/June 84/R-II,—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Door No. 81, P. H. Road, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Puraswalkam-104/84, in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Ilavarasi, 285, Trichy Road, Combatore-18. Sri M. Lakshmanan, 1, Veerappa Pillai St., Periiyur Post, via. Mayuram.

(Transferor

Sri Vashoomal S. Chabbra,
 New Avadi Road,
 Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said numov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building . 81, P.H. Road, Madras. Purasawalkam/Doc. No. 1048/84 and 1049/84.

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 7-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1985

Ref. No. 357/6/84.--Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. R. S. No. 226/15 ttAaavnaipidaryur Village, situated at Perundhurai T. K.

No. R. S. No 472/84) incmf rd eta s hsrhr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Competent Authority at of Competent Authority at

at Sennimalai. (Doc. No. 472/84) in June 84

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from " the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—77—516GI/84

(1) Sri N. Ramasamy, Co-op. Sub Registrar, Gobichettipalayam, for Chennimalai Multipurpose cooerative Society, Chennimalai, Perundural Taluk. Periyar Dist.

(2) Sri M. Marappan, President. Chennimalai Metro Weavers' Coop. Sales Society, Chennimalal, Perundurai Taluk,

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building :—Resurvey No. 226/15-Pidariur Village, Perundurai Taluk, Chennimalai Sub dist. Periar Chennimalai/Doc. No. 472/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 2-2-1985

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II , MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1985

Ref. No. 143/June 84/R-II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mylapore Tk. situated at Mylapore Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Madras Central/Doc, No. 646/84 in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri K. S. Natarajan, Flat No. 6 'A' Block, T. B. Road, Madras-35.

(Transferor)

(2) Smt. G. Vimala, 3, IV Main Road, T. N. H. B. Colony, Madras-35,

(Transferce) -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the re-blication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Block No. A 1065 sq. ft. S. No. 3903/Part, Mylapore
Madras Central/Doc. No. 646/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 7-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-660 006, the 8th February 1985

Ref. No. 333/June 84/R. H.-Whereas, I, MRS. M. SAMÚEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 3,000/- and bearing

No. Thirunagar Colony, situated at 4th ward, Erode Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Erode/Doc. No. 2252/84 in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the confideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri K. Abdul Rajack, S/o Kadar Sahib, 61, Janaki Amma Layout, Cauvery Road, Erode, 2. K. Abdul Kadar, S/o. No. 1, Cauvery Road, Erode. 3. K. Iqbal, S/o. No. 1, 40B. P. Agraharam Majith St., K. Md. Najar, S/o. No. 1, Cauvery Road, Erode. 5. K. Shajee Khan,

S/o. No. 1, Cauvery Road, Erode.

(Transferor)

(2) F. M. Anju, F. M. Arshath, F. M. Asath, Sons of Sri N. M. Fakrudeen, D. No. 79, Thirunagar Colony, Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said isomovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site and building: Thirunagar Colony, Erode Town. 4th ward. Erode/Doc. No. 2292/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 8-2-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri A. Govindhasamy, S/o. Shri Angappa Mudaliari, Sidhodu, Erode, Periyar Dt.

(Transferor)

 Shri B. K. Chinnaiya,
 S/o Shri Kuppa Chettiar,
 15/21, Appannakara Street, Coimbatore.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1985

Rcf. No. 33/June/84-R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. D. No. 6, Dhukkara Nalla Ceunder Street, situated at Erode Towa & T. K.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transerred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

section 269AB of the income-tax Act, 1901, in the Office of the Competent Authority at Frode, (Doc, No. 2131/84), Periyar Dt. in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Kazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building at D. No. 6, T. S. No. 302, Dhukkara Nalla Gounder Street.

Doc. No. 2131/84.

S. R. O. Erode.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 22-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 196 1 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1985

Ref. No. 329/June 84/R. H.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoving the section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoving the section of the sect able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at Suriyampalayam Village, situated at Erode Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Erode/Doc. No. 2090/84

in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideation and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri C. Manickam, S/o Chinnappa Gounder, Suriampalayam,

 Shri P. Darmelingam, S/o P. Samiappa gounder, Krishnasamy, Municipal Colony, Erode,

3. M. Chinnayan,
5/0. S. M. Maludagounder,
84, Periar Nagar, Erode,
4. S. A. Shanmugan,
5/0. Annamuthugounder,
Teachers' quarters Frode

Teachers' quarters, Erode.
5. Shri Kumarasamy, S/o. Ramasamy Gounder Chinnapuliyur Mottur,

6. P.R. Nachiappan, 5/0. P. N. Ramasamy, Gounder, 4 Krishnachetty St., Erode,

7. M. Sugumar, S/o. Shri Muthusamygounder, 11, Sathiroad, Erode,

T. C. Palanisamy, S/o. Chinnasamy gounder, Thottipatty.

(Transferor)

(2) 1. Shri Chengoda Gounder, S/o. Marappa Gdr. Indrapuram,

Asiriyar Palayam.

2. Shri M. S. Kumarasamy Gounder,
S/o Chengodagounder,
3. Shri K. Chandrasekaran,
4. R. Nallasamy, S/o. M. S. Kumarasamy Gounder, Indrapuram, Asiriyar Palayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said poperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Suriampalayam illage, Erode Taluk. Erode- Doc. No. 2090/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 8-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th February 1985

Ref. No. 288/June/84/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land is situated at Gudalur Taluk (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Uthagamandalam/Doc. No. 495/84

in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following namedy: persons, namely :—

(1) Mr. Robert Barton Wright, S/o. Lat Cocil Stewart, Barton Wright, Landlord, North Lake Road, Dotacamund, The. Nilgiris.

(Transferor)

(2) 1. Mr. P. M. Kurian,

Mr. P. M. Kurian,
 S/o. Kurian Mathew, Plaparambil.
 Pathamution, P. O.
 Kottayam Dist., Kerala State.
 Mr. P. M. Zachariah,
 S/o. Kurian Mathew,
 Gavipara' Estate: Gudalur Taluk: Nilgiris.
 Mr. George P. Mathew: S/o. Kurian Mathew
 Indian Plastics: Gudalur Taluk, Nilgiris.

4. Mrs. K. A. George: W/o K. A. George/Kaithayil Pathamuttom P. O. Kottayam Dist: Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later; -
- i(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building; Property as specified in Schedule to Doc. No. 495/84, Uthagamandalam/

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecing Assisanta Commissioner of Income-ax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 8-2-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

MΛDRAS-600 006 Madras-600 006, the 8th February 1985

Ref. No. 287/June 84/R. II.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property as specified in schedule situated at to Doc. Nos. 561,562,563,564,565,566,567,/84,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Uthagai/Doc. No. 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567/84 on

Uthagai June/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, 'n pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. M. Kappini, S/o. Late Muddhal Gowder, Minor Rajesh, S/o M. Kappini, Mahalakshmi Nilayam, Glenrock Road, Vannarpet, Coty. Minor Ramesh -do-

(Transferor)

(2) 1. Smt P. Susedla, W/o. Ganga Reddy,

W/o. Ganga Reuuy,

2. P. Sarojini,
W/o P. Narayanan Reddy
11/1583/1/2, Kolhwada:
Warangar Distirict.

2. Sreelatha Bhupal, 6-3-1100/B.
Somajiguda, Hyderabad. 500482 A.P.

3. Vijaya Vardhan Reddy,
S/o Rama Reddy,
Hyderabad.

Hyderabad.
R. Surender Reddy,
1-10-147, Begumpet,
Hyderabad. 500 016 A. P.
D. Srinivas Reddy,
S/o. D. Damodar, Reddy,
Banjara Hills, Hyderabad.

Jaidcep Reddy, S/o. Sudhakar Reddy, Sivaswada Village,

Nagar Karnool, A. P.

7. B. Vijender Reddy,
S/o. B. Pulla Reddy, at Secunderabad, AP.

8. C. Ranga Reddy,
S/o Ramasamy Reddy, Banjara Hills, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as Specified in schedule to Doc. No. 561, 562, 563,564,565,566, and 567/84. Uthagai.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π, Madras-600 006.

Date: 8-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1985

Ref. No. 286/June 84/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Sec

Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

No. Land at situated at Ootacamund town.

No. Land at situated at Octacamund town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthagai/Doc. No. 541/84 in June 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid that the fair market value of the property as aforesaid the property as aforesai said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

 S/Shri L. Raju, (2) L. Bojan, Sons of J. Linga Gowder Mynalai, Thummanatti P. O., Nilgiris.

(Transferor)

S/Shri A. B. Iqbal Sait, S/o. Abdul Rahiman Sait,
 Fathima Iqbal, W/o. A. R. Iqbal Sait,

3. Farha Iqbal, d/o. A. R. Iqbal Sait 4. Ommer Farook Iqbal and

5. Fiaz Ahmed Iqbal, Sons of A. R. Iqbal Sait, Farah Manzil, Ootacamund.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereing are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ootacamund Town: R. S. No. 3943/2CIB Uthagai/Doc. No. 541/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 8-2-1985

Şeal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1985

Rcf. No. 228/6/84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property as specified in schedule situated at to Doc. No. 1125/84.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sathiamangalam, Doc. No. 1125/84, in June 84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (\$7 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
78—516GI/84

 Shri K. M. Kaliappan, K. M. Palanisamy, Shri K. M. Thiruvengadasubramaniam, Kasipalayam, Post, Gobichettipalayam.

(Transferor)

(2) Shri Bhavani Textile Process Co. Ltd., Directors, Shri S. R. Perumal (2) P. Natarajan, Erode Town, Perundurai Road.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 1125/84. Sathiamangalam.

MRS. M. SAMUEL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 2-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th February 1985

Ref. No. 201/June/84 R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. land and building Konavakoorai situated at Kotagiii, Nilgiris

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri/Doc. No. 627/84 in June 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the trustfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri T. S. Raman,
 T. M. Selai Cownder,
 Thinniyur, Aravenu Post,
 Nilgiris.

(Transferor)

(2) Shri T. Motilal,S/o. K. Tharachand,19, Mount Road, Coonoor,Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building:—Konavakoorai village, Kotagiri, ilgiris.
Kotagiri/Doc. No. 627/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-2-1985

Scal;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th February 1985

Ref. No. 181/6/84/84|R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Durkalava Vcedhi, situated at Coimbatore. Taluk

No. Durkalava Vcedhi, situated at Coimbatore, Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 2476/84 in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Haji P. H. Mohd. Ibrahim, S/o. Late Shri Hidrusrowther, 19/19, Durkalala St., Fort. Coimbatore-1.

(Transferor)

(2) Shri M. S. Sheikmohd., S/o.. Saibatha Rowther, 19/18, Durkalala St., Fort, Comibatore-I.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: —Durkalala St., Fort, Coimbatore.-I., Coimbatore/Doc. No. 2476/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 8-2-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Smt. Scethalakshmi ammal, W/o R. Ponnusamy Naidu, Edaiyar Veedhi, Coimbatore.

(2) 1. Shii N. Viswanath Rao,

 Suganya Rao, Thiruvenkadasamy St., R. S. Puram, Coimbatore. (Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 8th February 1985

Ref. No. 172/6/84|R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Property as specified in schedule situated at to Doc. No. 2321/84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Co'mbatore/Doc. No. 2321/84 in June

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land and building: Property as specified in schedule to Doc. No. 2321/84, Coimbatore.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 170/June/84[R. II.—Whercas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269H of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. D. No. 19/2 Vincent Road, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officor at Coimbatore Town. (Doc. No. 2295/84) in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought so be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Biharilal L. Vijayan, S/o. Shri Lodindarwal, No. 1/A New Mission Road, Bangalare-27.

(Transferor)

(2) Shri M. Ramasamy, S/o. Shri Muthusamy, Managing Partner, Sree ViJaya Transports, No. 258 B, Raja Street, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building at Bellam Krishna Chetty Street, Fort, D. No. 19/2, Vincent Road, Colmbatore. Doc. No. 2295/84.

S R. O. : Coimbatore.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 6-2-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600'006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 63/6/84/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 61, T.S. No. 7/3660, Subramania Mudaliar situated at Road R.S. Puram: Coimbatore Town

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Combatore: Doc. No. 2715/84 in June 1984

for an apparent consideration which is less than the gair market value of the aforesaid property, and I have person to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Shri S. Kumaraguru, 2. S. Sivaguru, Sons of Shri M. Subramaniam, 35, A-Ranadi Veedhi, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

 Shri M. A. Muralidharan, S/o. Arunachalam Achari, D. No. 27, Samiar Pudu St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building:—Old D. No. 19|33Å, 35Å, New Door No. 61, T.S. No. 7/3660, Subramania Mudaliar Road, R. S. Puram: Coimbatore.

Coimbatore/Doc. No. 2715/ 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th February 1985

Ref. No. 125/June 84/R. II.--Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Undivided share in 4 grounds and 2165 sft. being part of

new door No. 2 (Old D. No. 1) Baltour Road, situated at

Kilpauk, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 558/84 in June 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Shantha Vijay Enterprises, No. 2, Balfour Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Shri Joseph Rozario, V. P. Colony, 1st Cross St., Ayyanavaram, Madras-23.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Undivided share in 4 grounds and 2165 sft. being part of New Door No. 2 (Old D. No. 1), Balfour Road, Kilpauk, Madras.

Madras Central/558/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 11-2-1985

Seal .

on June 1984.

FORM ITNS----

 Sri Shanthi Vijay Enterprises, No. 2, Balfour Road, Kilpark, Madras-10.

(Transferor)

(2) Smt. E. Vijayalakshmi, No. 20, Jayalakshmi Gardens, Milk Colony, Post office, Madras-51.

(Transferent)

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 11th February 1985

Ref. No. 124/June 84/R.II Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Undivided share in 4 gooudds & 2165 sft. together with building thereon with the compound walls part of situated at New Door No. 2, (Old No. 1) Balfour Road, Kilpauk, Madras. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central 557/84 Doc. No.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building share in 4 grounds and 2165 sft. together with bldg. thereon with the compound walls part of New Door No. 2 Old No. 1, Balfour Road, Kilpauk, Madras Madras Central/Doc, No. 557/84

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11-2-1985

(1) Sit G. Duranai, 5 'o Late Guruswamy, 30 Ramappa Nagar, Perungudi, Madras-96

s o late Jagannathan, 43. 5th Lane, Indira Nagar

(2) Sri I Narayanan,

Madras-20

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II MADRAS

Madras-600006 the 11th February 1985

Ref No 22/6/84/R II -Whereas J MRS M SAMUFL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a rair market will Rs 25,000/ and bearing No Survey No 46, Bin k No 13, Kalikundiam Village, Indira Napar

Nagar, situated at Indira Nagar (and more fully de cith if r th Schedule annexed hereto), his been transferred under the Registration Act, 1908 (16 co. 908) in the office of the Registering Office at Advar/Doc No. 1642/84

of Madras in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the far market value of the foresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer which to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other issets which have no been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tex Act 1957 (27 of 1957);

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPIANATION -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

iam Villaic Indira Nagai

Land and building Survey No. 46. Block No. 13, Kalikund

Adv ir Dov. No. 1642181

MRS M SAMUEL Competent Authority Inspe ting Assistant Commissioner of Income-tax Vigitation Range-II Madres 600 606

re in pursuance of Section 769C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the aid Act to the following nersons namely --- 79—516GI/84

Date · 11-2-1985 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ASSISTANT ACQUISITION RANGE-IJ, MADRAS

Madras, the 12th February 1985

Ref. No. 149 June 84 R.II. -- Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-in-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/8th share in Door No. 25, situated at Burkit Road, T. Nagar, Madras-17. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 908) in the office of the Registering Officer at at T. Nagar/Doc. No 564, 565, 613 and 614/84, at Madras in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair merket value of the aforesaid property and I have reason to the that the fair merket value of the aforesaid property and I have reason to the fair merket value of the aforesaid property and I have reason to the fair merket value of the aforesaid property and I have reason to the fair merket value of the aforesaid property and I have reason to the fair merket when the fair merket walk of the aforesaid the second property and I have reason to the fair merket walk of the aforesaid the aforesaid the second property and I have reason to the fair merket walk of the aforesaid property and I have reason to the fair merket walk of the aforesaid property and I have reason to the fair merket walk of the aforesaid property and I have reason to the fair merket walk of the aforesaid property and I have reason to the fair merket walk of the aforesaid property and I have reason to the fair merket walk of the aforesaid property and I have reason to the fair merket walk of the aforesaid property and I have reason to the fair merket walk of the aforesaid property and I have reason to the fair merket walk of the fair merket walk of the aforesaid property and I have reason to the fair merket walk of the aforesaid property and I have reason to the fair merket walk of the aforesaid property and I have reason to the fair merket walk of the aforesaid property and I have reason to the fair merket walk of the aforesaid property and I have reason to the fair merket walk of the aforesaid property and I have reason to the fair merket walk of the aforesaid property and I have reason to the fair merket walk of the aforesaid property and I have reason to the aforesaid property and I have reason to the aforesaid property and I have r believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 1. Sri C. R. Srinivasau
 2. Sri C. R. Bharathan
 3. Smt. C. L. Rajalakshmi
 4. Sri C. R. Mukundan
 2. Saravana Mudali St. T. Nagar Madras-17.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Lakshmi Senapathi, 7. Customs Colony, Besant Nagar. Madras-90,

2. Sri F. N. Kitshnamurthy, , Arisikaran St., Mylapore.

Madras-4.
3. Dr. R. P. Viswanathan, s/o. Late N. Viswanathan Iyar, D. 16/5, Adyar Avenue, 1.I.T. Complex Madias 36, 4. Mrs. Lakshmi Viswanathan, No. 8. Raine St. T. Nessen,

No. 8, Rajan St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the put

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 1/8 share Door No. 25, Burkit Road T. Nagar, Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 564, 565, 613 and 614/84.

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 55|June 84|R.II -- Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House and ground 11. College Road, situated at Madras-6. (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Thousandlights/Doc. No. 324/84.

on June 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Sri Kazim Khaleeli 2. Abbar Khaleeli,

- Taqui Khaleeli
- Shamsunnisa Begum,
- Zeebennisa Begam,
- 6. Olyakhannan
- M. Jawar Khaleeli
 Nayarah Khaleeli
- 9. Maheb Khaleeli,
- Sharkoofa Khaleeli, 162, Greams Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Smt. H. Vajidha, dlo. Ayeshath Monawara, 3, Subba Rao Avenue, 2nd St., Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 11, College Road, Madras-6, Thousandlights/Doc. No. 324/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri A, Ganesan, V. M. Syed Ahamed, No. 3. Nallappan St., Mylapore, Mdaras-4.

(2) Sri Santhiar Maideens Family Trust. by S. M. Salima Beevi, No. 11, Nehru Lane, Koothanallur.

may be made in writing to the undersigned :-

Tanjore district.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Mdras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 104/June 84/R.II.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
New R. S. No. 1731/15 situated at Mylapore village No. 10B N. Door No. 25, Edward Elliots Rd. Mylapure Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mylapore/Doc. No. 799/84.

on June 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not beth truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

l and and building No. 10B, Door No. 25, Edward Elliots Road, My'apo'e, Madras-4, Naravan Castle', R. S. No.1731/51 New R. S. No. 1731/15 of Mylapore village.

Mylapore/Doc. .No. 799/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

(1) Sii V. Subba Rao, 16, Krishnaswamy Nagar, Souripalayam Village,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vasantha Kumari, 2. Jagannathan, 52A, Gandhipuram, III St., Coimbatore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Mdras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 168/6/84/R.II.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tan market value exceeding Rs 25 000% and bearing

Plot No. 16, Krishnaswamy Nagai, situated at Souripalayam Village, Coimbatore Taluk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Coimbatore/Doc No 2230 84

on June 1984.

on June 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atomic exide exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it' any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aroresaid persons within a period of obtains from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period capites rater;
- (b) by an other jerson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nonce in the Official Gazette.

15 terms and expressions used herein as EXITANATION the get ned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building Plot No. 16, Krishnaswamy Nagar, Sourspalayam Village, Coimbatore Taluk.

Coimbatore/Doc. No. 2230/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the oforeraid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 235/6/84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property at Marchnaickenpalayam 697/84 situated at Doc. No. 698/84 (vide schedule).

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Anaimalai/Doc, No. 697/84 and 698/84 in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties here not been truly extend in the cold between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri K. K. Rangasamy Gounder, son of Late Krishnasamy Gounder, K. R. Ramaraj, K. R. Sabarigiri, Easwaran, sons of K. K. Rangasamy Gounder, Meenakshipuram, Pakaam Kulam, Mulathurai Village, Chittoor Taluk, Palghat District.

(Transferor)

Smt. Saiyathan, w/o Late Kaliappa Gounder, Athupollachi, Marchnaickenpalavam, Pollachi, Coimbatore.
 Smt. K. Saraswathi, w/o M. Krishnasamv, J-3, Police Colony, Uppilipalavam, Coimbatore Distt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Property as specified in schedule to Doc. No. 697/84, 698/84 Anaimalai.

> MRS. M. SAMUĘI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S. (1) Sri M. S. Naniappapillai s/o, Sundaram Pillai, Sundarapuri, Marchnaickenpalayam, Pollachi, Coimbatore.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Km. Abdul Majeed, 1/60, Sangam Subway, Koundan Pudur, Marchnaickenpalayam, Pollachi, Coimbatore

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 238/6/84/R.II.—Whereas, I. MRS, M. SAMUEL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land and Bldg, situated at Marchnalckenpalayam at Anaimalai/Doc. No. 718/84 in June, 1984 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registration Officer. 1908) in the office of the Registering Officer at Madras in June, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as algreed to between the parties has not been truly statted in the said instrument of transfer with the chieft of : the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property Mr. T. K. Sholapurwala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in Writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property wihtin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Marchnaickenpalayam. Colmbatore, Anaimalai/Doc. No. 718/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 329/6/84.--Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
S. F. No. 163/I, and 152/I, situated at Thensangampalayar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Anaimalai/Doc No. 721/84 in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent contherefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Str S. M. Ramasamy Gounder, s/o Mylsami Gr., Meenakshi, w/o S. M. Ramasamy Gr., Nagarathinam, Shanthi, Chitra, Daughters of S. M. Ramasami Gr., Thensangapalayam, Pollachi, CB.E.

(Transferor)

(2) Minor Sree Ram Kumar Prasanna, s/o. P. R. Thangavel (guardian), 78, F. Meenkarai Road, Pollachi, Fown Coimbalore District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and a well with 7.5 Hp, pump set etc. S. F. No. 163/1, 152/1, Thensangampalayam.

Anaimalai/Doc. No. 721/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madias-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons namely:

Date: 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGF-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 274/June, '84/R.II.—Whereas. I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding able property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS. Nos. 255-B and 255-A, situated at Lakshminata: Samudram village, Karur Tk. (Trichy Dt.)
Co-op Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Karur (Trichy Dt.) (Document Nos. 1335, 1342 ar. 1343/84) on 15-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by finore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instanbetween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act. 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following nersons namely · _ 80--516 GI/84

(1) 1. Mr. Karuppanan,

S/o Mr. Muthusamy Gounder. 2. K. Ramalingam,

S/o Mr. M. Karuppanan, 3. K. Kannaiyan,

S/o Mr. M. Karuppanan. 4. K. Jegadeesan.

S/o Mr. M. Karuppanan, Periakulathupalayam, Karur (Trichy Dt).

(Transferor)

(2) Mr. A. Mayakrishnan, President.

Karur Vysya Bank Co-operative Society, Karur (Trichy Dt.),

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at R. S. Nos. 255-B and 255-A in Lakshminarayana Samudram village, Karur Tk. Trichy Dt.—Document Nos 1335, 1342 and 1343/84.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, OFFICE OF

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 277/6/84.--Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land and building: Perianaicken Palayam, Village situated at

Coimbatore Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam/Doc. No. 1245/84 in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid accorded the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Soma Azhagiyavanan, 8/0 A. M. N. Somasundaram Chettiar, 9/3SE, Kuppichipalayam Road, P. N. Palayam, Coimbatore,

(Transferor)

(2) 1. Dr. K. A. Selvaraj, 2. Mrs. Vijayalakshmi, wife of No. 1, Garden, Near Kuppichipalayam, Perianaickenpalayam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a perior of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Perianaicken Palayam village; S. No 295/1A 5B. A division No. 17 Coimbatore Taluk, Perianaickenpalayam, Doc. No. 1245/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri P. Sadasivan, s/o. M. Parameswaran Pillai, 115A-9, No. St., Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1985

(2) Sri R. Angappan, s/o Ramanna Mdr., D. No. 1240, Mettupalayam Road, Near Saibaba Mission, Coimbatore-43.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. 293/6/84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. D. No. 10/17A 1, A2, Sanganoor situated at Coimbatore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gendhipuram Doc. No. 2249/84 in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building: Door No. 10/17A 1, A.2, Sanganoor, Coimbatore, Gandhipuram-Doc. No. 2249/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 350/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Property as specified in schedule to at Doc. No. 1089/84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi/Doc. No. 1089/84 in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) 1, Sri V. N. Narayanasamy, 72, Mudaliar St., Vettaikaranpudur,
 - Sri V. N. Meyyappan and V. N. Santhakumar, s/o V. N. Narayanasamy,
 - Bharathi St., Mahalingapuram, Pollachi.
 V. N. Kadiivel, s/o. V. N. Natayanasamy.
 Mudaliar St., Vettaikaranpudur, Pollachi.

(Transferor)

(2) Shri P. Doraisamy, s/o Ponniappa Gounder and Smt. Jothimani, w/o P. Doraisamy, Alankadavu, Marchanaickenpalayam, Pollachi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Property as specified in schedule to Doc. No. 1089/84 Pollachi/Doc. No. 1089-84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Iucome-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Rgl. No. 161/June 84/R.II.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. Puram T.S. No. 8, situated at Venkatasamy Road (West), Coimbatore Town

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Rogistering Officer at Coimbatore/Doc. No. 2670/84 in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filtern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to thefollowing persons, namely:—

(1) 1. Sri L. Vadivelu, s/o A. Lakshmana Pillai, No. 30, Sahadevapuram, Extension, Salem,

 L. Atunachalam, s/o A. Lakshmana Pillai, Venkatasamy Road (West), R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri A. Krishnaswamy, s/o, T. S. Arunachalam Pillai, Lloyds Colony, Lloyds Road, Royapettah, Madras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other poison interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Venkataswamy Road (West), R. S. Puram, Coimbatore Town, T. S. No. 8/384, Coimbatore Doc. No. 2670/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 171/6/84.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUÉL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000 and bearing

T.S. No. 8/38, New T.S. No. 8/411 part, situated at Sambandam Road, R. S. Puram, Coimbatore Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registration Act, 1908 (18 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatoic/Doc. No. 2297/84 in June. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1'i of 1922) or the Sald Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri N. Murugan, 2. M. Sudha, 28/85, Merku Sambandam Road, R. S. Puram, Colmbatore.

Transferor)

(2) Smt. G. Bharathi, w/o R. Govardhanan, 24/258, D. RAJA Veedhi, Coimbatorc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: New T.S. No. 8/411 part, Sambandam Road, R. S. Puram. Coimbatore Town. Coimbatore town/Doc. No. 2297/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Sri Chenniappan, s, o Chellappagounder, Varadampalayam, Sathyamangalam.
2. Sri Krishnan, s/o Palani, Varadampalayam Sathy.

(2) Sri S. L. Subiamanjam, s/o Lakshminarayanan, Athani, Bhavani.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 227/6/84.R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Property at suitated at Varadampalayam (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sathyamangalam/Doc. No. 1350/84 and 1351/84 in July

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land at Vara 1350/84, 1351/84 Varadampalayam. Satyamangalam/Doc. No

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the salt Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-2-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 232/6/84/R.II.—Wheeras, I, MRS. M. SAMUFL, being the Competent Authority

transfer with the object of :-

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. land situated at Perai Bogha, Village Bulathil (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai/Doc. No. 684/84 and 683/84 in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Sri Angamuthu Gounder, and his sons, son of Late Subbagounder, Odayagulam, Pollachi.

(Transferor)

(2) Mrs. Shoba and Minors Bindu and Ravi, By guardian Mrs. Shoba, 'SHOBA VANDHANAM', Alathur, Palagat District, Kerala State.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiccation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Peruabogha Village. Anaimalai/Doc. No. 683/84 and 684/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 245/June 84/R.II.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Puthur Villages, Abishegapuram Town situated at Srinivas Nagar North Extension Resettlement survey No. 48/3,

Woriyur, Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registering Officer at Woraiyur/Doc. No. 1563/84 in June. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of granafer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the sourcealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-81-516 GI/84

(1) Sri R. Bhaskaran, s/o T. N. Ramamurthy, 22, Srinivasanagar, North Extension Pudur Vayalur Road, Trichy.

(Transferor)

(2) Sri S. Subbiah Pillai, s/o Late Sri Aravandiya Pillai, 111, Woraiyur Salai Road, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein_ms are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land: Survey No. 48/3, Srinivasanagar Nort' Extension, Abishegapuram Town, Woraiyur, Trichy, Worniyur/Doc. No. 1563/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-2-1985

FORM ITNS----

(1) Sri S. Ganapathy, w/o L. Santhanam, 22, Chinnakadai Chetty St., Trichy Town-8.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri N. Valliappan, s/o Nagappachettlar, 2, Naduallimal Theru, Trichy Town-8.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 246/June/84/R.II.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Thillainagar Post Colony situated at Trichy
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Woraiyur/Doc. No. 1629/84 in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- ·2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building: Thillainagar Post Colony. Woraiyur/ Doc. No. 1629/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I b reby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nereons, namely :--

Date: 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 257/6/84/R.II.--Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Re-Survey No. 8/20 and 8/15, situated at Oonjalur Village. Erode.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at Kodumudi/Doc. No. 386/84 in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the carties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the c of any income or any ch have not been or i by the transferee for moneys or other which ought to Income tax Act, 1922 the purposes of (11 of 1922) d t, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1947)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manualy:-

- (1) Sri K. C. Rangasamygounder, s/o Chinnagounder, Kolathupalayam and Smt. Gunavathi Subramaniam, w/o Dr. K. A. Subramaniam Kuttapalayam. (Transferor)
- (2) Smt. Chandigadevi, w/o N. L. Senapathi, 220, Powerhause Road, Erode.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- . (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Resurvey No. 8/20 and 8/15, Oonjalur village, Erode. Kodumudi/Doc. 386/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 6-2-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SEGTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 258/6/84 R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

Old Survey No. 4/B, Oonjalur Village, situated at Erode, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Kodumudi/Doc. No. 388/84 on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excezds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Muthayee Ammal W/o Sri Rangasamy Gounder, Kolathuppalayam and Gunavathi Subramaniam, W/o Dr. K. A. Subramaniam, Kuttapalayam.

(Transferor)

(2) Smt. Ponglammal. W/o Lakshmanagounder, Neikarankattur, Donjalur Village.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land:—Old Survey No. 48/Re. Survey No. 8/20, Vonjalur Village, Kodumudi, Erode.
Kodumudi/Doc. No. 388/94

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting A missioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Dato: 6-2-85

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras, the 6th February 1985

Ref. No. 263/June.84/R.II.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Property as specified in schedule situated at to Doc. No. 1043/84

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at Thanjavur/Doc. No. 1043/84 on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri S. Rathinasabapathy and others, S/o Sri Saminathan Chettlar, 28/533, Rameshwaram Road, Dharumamchavadi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Smt. Jagadambal, W/o Sambasivam Chettiar, Chetti St., Pattukottai. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever perio dexpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building:—Property as specified in schedule to Doc. No. 1043/84, Thanjavur.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 6-2-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTE. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 283/6/84/R.II.-Whereas, L. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. 6th Ward, Peria Kadai Veedhi, situated at Trichy district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Trichy/Doc. No. 1050/84. on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri B, Ashok Kumar, represented by Sri Habibul, Receiver, Trichy Sub Court, 89, Perla Kadai Veedhi, Trichy.

(Transferor)

(2) Sri V. Selvaraj, S/o Vellayapillal, Thiruvanaikaval, 1, E. V. R. Nagar, Trichy.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 6th ward, Peria Kadai Veedhi, Trichy. Trichy/Doc. No. 1050/84.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 6-2-85 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 290/June.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land in R. S. No. 1672/2, situated at (and more fully described in the Scheduled annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty/Doc. No. 505/84 on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) Sri H. A. C. Bunshaw, S/o I. V. Bunshaw, Sydenham, Cottage, Doty,

(Transferor)

(2) Mrs. Chellammal, Ooty, Mrs. Palaniammal, alias Selvi, Pillayar_Koil St., Lower Bazar, Octy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in R. S. No. 1672/2. Ooty/Doc. No. 050/84. Date: 6-2-85

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 12-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 323/June/.84/R.II.-Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Uo. Property as specified in schedule situated at to Doc. No. 2479/84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Erode/Doc. No. 2479/84 on June 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other esects which have not been or which englet to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 et 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following nersons, namely :---

Angamuthu S/o Sri K. Chinnappa (1) 1. Sri C. Mudaliar

Smt Thanayiammal,
 Sri Sivanandam,

, Muthuvelappa Gounder St., Erode, Town.

(Transferor)

(2) Sri J. Suthanandam, S/o Sri Jagannatha Mdr., President, Erode Weaver's cooperative production and Sales Society Ltd., 218, Nethaji Road, Erode Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used headin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Property as specified in schedule to Duc. No. 2479/ Erode/Doc. No. 2479/84.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 6-2-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 347/June-84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Door No. 7, Pollachi situated at Samba Murthy Josier St., T. S. Ward 2, Pollachi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at Pollachi/Doc. No. 1307/84 on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument d transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 82-516 GI/84

(1) Sri G. Neclaloola Chettiar, S/o Govindarajulu Chettiar, 147, Theppakulam Veedhi, Pollachi Town.

(Transferor)

(2) Sri Sudhalamset, S/o Mahadevaset, Smt. S. Kamala, W/o Mahadevaset, 11, Thenayappa Mudaliar Chandu, Pollachi town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the wish Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building Door No. 7, T. S. ward 2, Sambamutthy Josier St., Pollachi Town, Pollachi Doc. No. 1307/84.

Mrs. M. SAMUEL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 348/June-84/R.II.—Whereas, I,

Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authrity under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Plot No. 38, Jawahar Road, Malnalingapura situated at

(und more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Pollachi/Doc. No. 1335/84 on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aloresald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. M. Kausalya, w/o. Dr. S. Murugaiyan, Coimbatore Road, Pollachi.

(Transferor)

(2) Smt, Chellammal, w/o A. Vellangiri, 38, Jawahar Road, Mahalingapuram, Pollachi taluk

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ing representation and the contract of the con

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: -38, Jawahar Road, Mahalingapuram, Colony, Pollachi. Pollachi/Doc No. 1335./84.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in tate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-2-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 360/June.84 R.II.-Whereas, I,

instrument of transfer with the object of :-

Mrs. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

25.000/- and bearing
Door No. 44, Plot No. 47, Natesan Nagar, situated at
Reddiarpalayam Village, Dulgaret, Pondicherry.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at Ozugarai/Doc. No. 1350/84 on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expects the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and, that the consideration to such transfer as agreed to be with the parties has not been truly stated in the said intersement at transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) The Pondicherry Housing Board represented by its Secretary Thiru P. Mathavan Pillai, S/o Perimal Pillai.

(Transferor)

 Selvi M. A. S. Unnamalai, alias Manimegalai, d/o M. A. Shanmugam, No. 1/81, Irulanchavadi Kalayur, P.O. Bahour (via) Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and building: —Door No. 44, Plot No. 47, Natesan Nagar, in Resurvey No. 172/Part of Reddiarpalayam Village, of Oulgaret commune, Pondhicherry.

Dzhugarai/Doc. No. 1350/84.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 6-2-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAIN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-775/84-85.—Whereas, I, T. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. X situated at Dadra

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Dadra under registration No. 2799 dated 12-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Shri Darshan Lal, S/o Sh. Ashchery Lal, B-36, Mohan Park, Naveen Shahadara, Delhi. (Transferor)
- (2) Lok Priya Sahkari Awas, Samiti, Through Sri A. K. Gupta, Secretary, C-43, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

(3) Transferee. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold land measuring 16 bight, 7 biswas & 32 biswas at Doari.

> J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-1-1985

FORM ITNS— —-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-856/84-85 —Whereas, I, P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 25,000/- and bearing

No A-244 situated at Surya Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act,

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 3184 dated 25-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Amir Chand, S/o Shri Mohan Lal, R/o C|o Munshi Ram Mohan Lal, Gole Bazar, Shri Ganga Nagar, (Rajasthan).

(2) Ojpal Singh Malik, S/o Sh. Gurbagh Singh, R/o 5-35, Inderpuri New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. A-244, situated at Surya Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILARI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-1-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-857/84-85.-Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Village Chhabra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 3200 dated 27-6-84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ; the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Lajja Ram, Dharam Bir & Dharampal, S/o Shri Sher Singh R/o Vill. Chhabra Bagh, P.O. Baraula, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) New Delhi Auto Finance,
 (P) Ltd., Through Shri Jaipal Agarwal,
 7/7, Deshbandhu Gupta Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Chhabra, Parg & Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad.

> J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kaupur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:-

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref .No. M-928/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

No. situated at Habibpur (Dadri)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 2797 dated 12-6-84

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than siffmteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Kishan Lal, S/o Shri Ram Sharma Dass, B-36, Mohan Park, Naveen Sharma, Delhi. (Transferor)
- (2) Lok Priya Sahakari Awas, Samiti, Through Shri A. K. Gupta, Secretary, C-43, Defence Colony, New Delni. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold Land measuring 15-8-83 (pucca) at Habibpur, Teh. Dadri, Ditst. Ghaziabad.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-1-1985

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1010/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 136, 637, 638 situated at Roshanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sandhana, under registration No. 2467 dated 6-8-84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Padam Singh, Aman Singh, S/o Budhu, Ratan Singh, Village—Roshanpur. Jairali, Post, Khaeh. Sardhana—Meerut

(Transferor)

(2) Konarak Sahkari Avash Samit P&D. Modipuram, Through—C. D. Sharana S/o D. P. Sharma Umed Singh Rajput S/o Rawat Singh Rajput Post—Khash, Dorala, Sardhana—Meerut. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 136, 637, 638, 639, 688 E.T.C., Village—Roshanpur. Dorli, Sardhana—Meerut.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

Date; 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1015/84-85.—Whereas, I. J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. R-12/1 situated at Raj Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay under registration No. 720 dated 31-7-84

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—83—516 GI/84

Shri G. L. Seth (KS-Rtd). Flat No. 6 Fairlawn-2nd floor, Maharah Karway Marg—Bombay-400020.

(Transferor)

(2) Shri Col. B. N. Bali, C-11/72 Moti Bagh-I Sauti Path-New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used benein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. R-12/1 Raj Nagar Scheme No. (IV) Gaziabad.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1033/84-85.—Whoreas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. KM-68 situated at Kalu Nagar

No. KM-68 situated at Kalu Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer a Gaziabad under registration No. 27422 dated 25-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of say income arising from the transfer; Shri Mababir Prasad Jain
 Ummadi Lal Jain
 Laxmi Bihar Colony, Gaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Anand Kishor Jha S/o Kusheshwar Jha, Smt. Tripurar Jha W/o Anand Kishor Jha C/o Katudi Woolen Mills Ltd., G.T. Road-Dadri Gaziabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. K. M. 68 (200 Sq. yards) M Block Sector-18 Residential Colony Kavi Nagar—Gaziabad.

J. P. HILORI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-1-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 25th January 1985

Ref. No. M-1034/84-85.—Wheras, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. R14/183 situated at Block-14 Raj Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 27340 dated

25-6-84
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by made than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gopi Chand Gupta Late Shri Ratan Lal Gupta R/o C-122 Sector-B-Aliganj, Lucknow.
- (2) Smt. Bina Gupta w/o Shri M. K. Gnpta R/o R-14/183 Raj Nagar, Ghaziabad.
- (3) (Transferee)
 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) -do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. R-14/183, Block-14, Raj Nagar Gheziabad.

J. P. HILORI
Acquisition Range, Kanpur
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Date: 25-1-1985

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref No. M-1037/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. R-1/38 situated at Raj Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 26827 dated 18-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Vinai Bhushan Gupta S/o Bageshwar Vidyalankar C-378, Sarswati Bihar Delhi-34. (Transferor)

(2) Smt. Ramwati W/o Sri Om Prakash Vill. Dabara— Dadari Ghaziabad.

(Transferee)

(3) -do-

(Person(s) in occupation of the property)

(4)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

or Plot No. R-1/38 (500 sq. yards) situated at Raj Nagaror Ghaziabad,

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 31-1-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR 106/282, KANCHAN BHAWAN GANHID NAGAR OPP, LENIN PARK,

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1046/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believ that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No.—situated at—
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Saharanpur under registration No. 6250 dated 25-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Hem Prabha Devi W/o Late Ravindra Nath Angrise Janakpuri-Khatudli Present Address—Khatoli Bazar Distt. Muzaffer Nagar.

(Transferor)

(2) Shri Hari, Harishchand Gupta S/o Ramesh das R/o Mangal Nagar Distt. Saharanpur.

(Transferee)

- (3) -do-(Person(s) in occupation of the property)
- (4) -do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dasy from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: "The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter."

THE SCHEDULE

House No. 3/141 Janakpur Saharanpur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-2-85

(3)

FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1051/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 9233 situated at Sikandrabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikandraabd under registration No. 1675 dated

28 /6 /84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:—

(1) Shri Udaiveer, Sohan Lal, Ram Singh Ss./o Man Phool, Smt. Vishan Devi W/o Man Phool, Guardian Balmukand, Raj Phal, Mahesh (Miror) Sarai Jhhajhan Sikandrabad.

(Transferor)

(2) Shri Bharat Cold Storage & Ice Mills through Hazi Abdul Rahman Khan, S/o Hazi Nanhey Khan Partner Rahman Manzil—G.T. Road, Sikandraabd.

-do-

(Person(s) in occupation of the property)

-do(Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein is as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khata No. 85 Khet No. 9233 Pukhta 1/2 Part East Jhhoralcha—Jhhaihan, Sikandrabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-1-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR 106,/282, KANCHAN BHAWAN GANHID NAGAR OPP. LENIN PARK,

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1063/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable proporty, having a fair market value exceeding Rs. 25,090/- and bearing

No. A73 situated Surya Nagar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. — dated 12-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kamlesh Kavir W/o Sh. Amar jit Kavir R/o A-273 Surya Nagar Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Satya Trehan W/o Sh. Virender Kumar Trehan R/o 39 Jaina Building Roshan Ara Road, Delhi

(3) (Transferee)

- (4) (Person(s) in occupation of the property)
 -do(Persons whom the undersigned knows
 to be interested in the property)
- (3) Transferor.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. A-273 Surya Nagar colony Teh-Dadri Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-1-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, KANPUR 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1064/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C-145 situated at Nehru Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 26071 dated 6/6/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanhaya Lal Chakravarti S/o Dr. N. N. Chakrawarti-36 Naya Ganj Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Ram Gupta S/o Ratan Lal Gupta 149-Naya Gandhi Nagar Ghaziabad.
(Transferee)

(3) -do-(Person(s) in occupation of the property) !

(4) -do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. Second C-145 Nehru Nagar Gazla Bad.

J. P. HILORI
Competent Authorits
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-1-85 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

106/282, KANCHAN BHAWAN ACQUISITION RANGE, KANPUR GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref No. M-1065/84-85.—Whereas, I. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Raj Nagar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 25703 dated 1/6/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—84—516GI/84

- (1) Shri Krishan Lal Aneja S/o Kashi Ram Aneja R-11/131 Raj Nagar—Ghaziabad.
 - (Transferor)
- (2) Shri Jawahar Singh Arnata S/o Parmanand Arnaja I-12 Axbition Camp Kesheo Nagar Saharan pur. (Transferce)
- (3) -do(Person(s) in occupation of the property)
- (Person(s) in occupation of the property)
 -do
 - to be interested in the property)
 (Persons whom the undersigned knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. R-11/101 Raj Nagar Ghaziabad (200 Sq. Yards Three rooms, Bath. Kitchen Waters).

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kangur

Date: 31-1-85

NOTICE UNDEL JECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF TOTA INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUSTION RANGE, KANPUR 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUK

Kanpur-,08 012, the 25th January 1985

Ref. No M-1066/84-85.—Whereas, I.J. P. HILORI being the Competent Authority under Secuol 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 2/62 situated at Raj Nagar G.Bad

No. 2/62 situated at Raj Nagur G.Bad (and more fully described in the Schedule annexed here o), has been transferred and registered under the registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration. No. 25697 dated 1-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the refunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby invicte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Surender Mohan Chadda S/o M. S. Chadda R/o 8, Safder Lam New Delhi.
 - (Transferoi)
- (2) Smt. Pupa Shama W/o Shii Suiesh Chand Shaima, Prasant Raj, Amit(other Mother Kudarti Puspa Shaima, Smti Rajwati W/o Shanker aLi Garg R/o E-6 Joti Colony Shahdra Delhi-132. (Transteree)
- (3) -do-(Person(s) in occupation of the property)
- (4) -do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Greette or a record of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R/2/62 Block 2, Raj Nagar Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting As istant Commissioner of Income-toAcquisition Range, Kanpur

Date: 25-1-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR

Kangur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1067/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have leason to belive that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. 445 situated at Didwari (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), here been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Chilory to transfer expenses and the control of the Registering Chilory to the under registration No. 25659 dated Officer at Canadabad under registration No. 25659 dated 15/6/84

an apparent consideration which to less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Dilawar Singh S/o Sri Ram Vill. Chitwara Mazara Didwari-Dasana Chaziabad.

(Transfe**tor**) (2) Shri Uiyukat Ali, Riyaj Ahmad Mahraj Ahmad S/o Sri Labu Khan Vill, Nahar--Da ana Ghaziabad. (Transferce)

(Person(s) in occupation of the property)

(4) -do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- a) by the chartest decrease versions which a period of the days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte of a veriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

E.PIANATION:—The time and striction; used being as a distribution of the culd Act. should have the super rectanglas given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasara No. 445 in Vill. Didwati Pargana-Dasana Dist. Ghaziabad.

> J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-1-85



NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282. KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR

Kangua-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. 1068/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the competent Auditivy under Section 269D of the Income-tax Avi, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred-to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing house No. C-131 situated at Lohia Nagar

(and more fully described in the Scheduled a mexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chazabad under registration No. 25573 dated 15-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason by a that the fair maket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Excilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahesh Kumar S/o Ram Prakash 8-Sidharta Enclave, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Kaptan Singh S/o Beni Ram 137-Chandra puri Ghaziabad. (Transferec)
- (3) __-do-
 - (Person(s) in occupation of the property)
- (4) -do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the jublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-131 Lohia Nagar Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-1-85

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1069/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 48 situated at Purwa Ismail Khan
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Ghaziabad under registration No. 26510 dated

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better the parties has not been transfer as agreed to better ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following Date: 11-2-1985 persons, namely :--

- (1) Smt. Darshan Kaur W/o S. Inder Singh, R/o 31, Arjun Nagar, Ghaziabad.
- (Transferor)
 2() Shri Pooran Chand S/o Sri Gaddumal & Sri Rej
 Kumar, S/o Sri Pooran Chand, R/o 159, Jawaharganj, Hapur, Distt. Ghazabad ganj, Hapur, Distt, Ghazabad.

(Transferee)

- (3) -do-(Person(s) in occupation of the property)
- (4) -do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 48 situated at Purwa Ismail Khan, Turabnagar,

J. P. HILORI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-1-85

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1070/84-85.—Whereas, 1 J. P. HILORI

Ref. No. M-1070/84-85.—Whereas, 1 J. P. HILORI being the Competent hatnotity under tection 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (historidae referred to as the 'said Act), have cason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, 360 situated Village Bhiswal (and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registation Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registation and the fair market value of the eforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the eforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) Shri Amer Singh S/o Rughunath Singh Viltage Engiswal, Post Hhash Pargana, Snamili, Kaliana, M. Plagar.
- (Transferor) (2) Shri iqbal Singh S/o Chauhal Singh Ram Pal Singh ²/₁ Pirham Singh, R/o Bhiswal Post— Khash Shami, Kairana Muzaftar Nagar.
- (3) (Person(a) in occupation of the property)
- (4) -ദവ-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, is any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from 6 - service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovare properly, within 45 days from the date of the publication this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said 1ct, shall have the same meaning as given' that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing khata No. 5 & 360 at Village-Bhainsawar, Uaigana, Shamli, Teh, Kairana, Distt. Muzaffarnagar.

> J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-1-85 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

I INFRNMENT OF INDIA

FIGL OF THE INSPECTING ASSISTANT MMISSIONER OF PICOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1071/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/and bearing

No KI./76 situated at situated kays Nagar G.Bad (and restably described in the Schedule annexed hereto) has been to insterred and registered under the registration Act, 1908 (10 + 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No., 27613 dated 28-6-81

28-6-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the accressed property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as exceed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shit Madan Mohan Jai Bhatnagar S/o Late Shri dtess—R1068 Chitra Bihat Behind Radhiv Pailesh New Delhi

(Transferor)

- (2) Shri Nabab Singh S/o Hukum Singh R/o Village—Tikri Post Naik Ich. Distt. Meerut. (Transferee)
- (3) do-(Person(s) in occupation of the property)
- (4) -do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 da/s from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the second o notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Jagmohan Lal Bhutnagr R/o 569 Moti Bagh, Piesent Ad-

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-1-85

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1073/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding its. 1,00,000/- and bearing

No. S-18 situated at Brindaban Garden

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goziabad and registration No. 26790 on 18-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Devi Prasad Agrawal, S/o Sri Ram Swarup Agrawal R/o 993, Kailash Nagar, Main Road, Gandhinagar, Delhi-31.

(Transferor)

- (2) Shri Subhash Chand Garg S/o Sri Sukhdeo Prasad and others R/o Holiwahgali, Gaziabad.

 (Transferee.
- (3) -do-(Person in occupation of the property)
- (4) -do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop cum House No. S-18 situated at Brindaban Gardens Village—Pasaunda Ton. & Distt. Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-1-85.

Seal

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. Ms1075/8189 --Whereas, I. I. P. InflORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. situated at Nai Cota

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hudwar unity registration. No. 14440 dated 30-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ceal of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—85—516GI/84

(1) Shri Arun Kumar & Rajiv Kumar, sons of Late Sri Bishan Chand Agrawal Rzo Radway Road. Saharanpur.

(Transferor)

- (2) Shii S. Charan Singh S. o S. Mool Singh R/o Nai Gota (Harki Pondi), Hardwar, Parg. Jwalapur Dis r. Saharanpu
 - (Transferee)
- (3) -do-(Persons in occupation of the property)
- (4) -do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House known as Uil Pathar Wall' situated at Nai Gota (Harki Pand); Hu dwar Disti Saharanpur,

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-1-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. 1076/84-85.--Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 306-A situated at Thaper Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 9120 dated 25-6-1984

tion which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Banarsi Lal & Shri Amrit Lal S/o Late Lala Devi Dass, R/o Thaper Nagar, Meerut.

(Transferor)

(2) Dr. Santosh Kumai Singhal S/o Shri Suresh Prakash & Dr. Umesh Agrawal S/o Shri Jyoti Swaroop, R/o Dalampara, Meerut.

(Transferee)

(3) [Person(s) in occupation of the property]

— Do — (4) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

– De

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 306-A situated at Thapar Nagar, Meerut.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1080, 84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

No. 411 situated at Khannar

No. 411 situated at Khangur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana under registration No. 3711, dated 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Shiv Devi W/o Shri Ved Prakash, R/o Khanpur, Post—Jhivjhara, Distt. Muzaftanagar.

(Transferor)

Shri Asha Ram,
 S/o Shri Dalpat and others,
 R/o Khanpur, P.O. Jhivjhara,
 Distt. Muzaifarnagar.

(Transferee)

(3) — Do —
[Person(s) in occupation of the property]

(4) — Do —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural I and No. 411 at Village Khanpur, Pargana—Jhivjhara, Distt. Muzaffarnagar.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BLIAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN, PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1081/84-b5—Whereas, I, J P HII ORI being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-erred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000, and pearing No 27 situated at Gandhi Road, Dehradin (and more fully described in the Scheduled annoted hereto) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradin under registration No 4864 dated 15-6 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value or the aforesaid property, and I have reason to be covered that the fair market value or the aforesaid property, and I have reason to be covered to such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any uncome arming from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

(1) Anoop Kumar Mittal, S/o Shri Lal Chand R/o 38, Dispensary Road, Dehradun

> (Tran S/Shu Chandu Piakash & Amar Nath.

(2) S/Shir Chandia Piakash & Amar Nath, Both Ss o shir (Late) Pooran Chand, R/o 30, Rajpur Road, Dehradun

(Transferec)

(3) — Do — [Person(s) in occupation of the property]

(4) — Do —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as priven in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No 27, Gandhi Road, Dehradun

J P HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date · 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQLISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref No. M-1084/84-85—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ro. 1,00,000/- and bearing Ro. 143/1, 145 etc. situated at Micharia Round Khuid (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under to registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Round (28 6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kiishna Chand Nagaliya, S/o Shri Ganga Ram, R/o 57, Raja Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Snt. Chandra Kanta, W/o Shri Mool Raj Singh, R/o 21, New Cantt. Road, Dehradun. (Transferee)

— Do —
[Person(s) in occupation of the property]

(4) — Do —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 143/1, 145 etc. at Mauja—Mohkampur Khurd, Pargana— Parwa, Distt. Dehradun.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1086/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing and bearing No.

and bearing No.

55 situated Hardwar Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Dehradun under registration No. 4975 dated 19-6-84
for an apparent consideration which is less then the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fif een per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) iacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. Raj Dulari Suri,
 W/o Shri Desh Raj Suri,
 R/o 55, Hardwar Road; Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Rajeshwari Devi, W/o Shri Pt. Jyoti Prasad, R/o Rishikesh, Dehradun.

(3)

— Do — (Transferee)

(4) [Person(s) in occupation of the property]

Do

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning area in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 55, Haidwar Road, Dehradun.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-1-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1087/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent, Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 58/1 situated at Kabli Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) ir the office of the Registering Officer at

Dehradun under registration No. 4946 dated 12-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by mounthan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Banta Singh, 'S/o Shri Achebbar Singh, R/o 58/1, Kanwadi Road, Dehradun. (Transferor)

(2) Sunt. Sita Rani, W/o Shri Ram Niwas & Shri Ram Niwas, R/o 136, Park Road Dehradun.

(3) — Do — (Transferee)
[Person(s) in occupation of the property]

— Do —

(4) — Do —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 58/1, Kanwli Road, Dehradun,

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range • Kanpur

Date: 31-1-1985

(3)

(4)

FORM ITNS--- --

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK.
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1038/84-85—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have feason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - and bearing I and situated at Dharaon Fur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 112 dated 25-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I havereason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the vaid instrument of transfer with the object of in the said instrument of transfer with the object of in the said instrument of transfer with the object of in the said instrument of transfer with the object of in the said instrument of transfer with the object of in the said instrument of transfer with the object of in the said instrument of transfer with the object of in the said instrument of transfer with the object of in the said instrument of transfer with the object of in the said instrument of transfer with the object of in the said instrument of transfer with the object of in the said instrument of transfer with the object of in the said in the said in the object of in the said in the object of in the said in the said in the object of in the said in the sai

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

(1) Smt. Kamla. Khanna. W/o Shri. B. D. Ishanna, R/o 14 Mohan. Fool., Dehradun.

(Transferor)

(Transferee)

(2) bhagnathi Sahleri Avas Somiti Ltd Through—Shir P S Bisht, 39-Raj Pur Road, Dehradun

-- Do -- Person(s) in occupation of the property

- Do - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, where er period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

tree Hold La d Situated in Vill Dharampur, Dehradun.

I. P. HII ORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur-

Date : 31-1-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 25th January 1985

Ref. No. M-1090/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8/1 situated at Inder Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 5031 dated 21-6-84 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—86—516GI/84

(1) Smt. Sumran Mala Jain W/o Shri Sumer Chand Jain, Shri Pradeep Kumar Jain, S/o Shri Sumer Chand Jain & other, R/o 5/2 Subhash Road, Dehradun.

R/o 5/2 Subhash Road, Dehradun.
(Transferor)

(2) Shri Ganesh Prasad,
S/o Shri Shanker Lal Mittal.
Shri Vinay Kuzar Mittal
S/o Shri Ganesh Prasad Mittal,
R/o 46 Maliyar Mohalla, Dehradun.

Do — (Transferee)

(4) — Do —
[Person(s) in occupation of the property]
— Do —
(Person) whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person in rested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8/1, Inder Road, Dehradum.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kangur

Date: 25-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 25th January 1985

Ref. No. M-1091/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair makret value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. R.13/89 situated at Raj Nagar Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 26685 dated 15-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Shri Amlok Lal Bajaj
 S/o Shri Bhagwan Das Bajaj
 R/o 11/6 B, Pusha Road, New Delhi,
 Prosent Ad. 9A/44 Karol Bagh,
 W.E.A. New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Pahil W/o Shri Bhjender Singh Pahil, R/o 63 Kotgaw, Ghaziabad.

3) — Do — (Transferee)
[Person(s) in occupation of the property]

(4) Do — Do — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. R-13/89 Raj Nagar, Ghaziabad,

J. P. HILORI
Competent Authority
uspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

)atc: 25-1-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 25th January 1985

Ref. No. M-1094/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair mar Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-22 situated at Nehru Nagar market value (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 25798 dated 2-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

 Smt. Vimal Gupta W/o Shri M. P. Gupta, R/o B-32 Mall Road, Agra, Present Add. R/o 180 New Gandhi Nagar, Ghaziahad.

(Transferor)

(2) Smt. Sakuntla Devi Wo Shri Bhop Singh R/o F-IIIrd 184 Nehru \Nagar, Ghaziabad.

(4) [Person(s) in occupation of the property]

— Do —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-22 Nehru Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 25-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanput-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1095/84-85—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

No. R-12/32 situated at Raj Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad under registration No. 25767 dated 2-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jivan Chand Pant S/o Shri Harish Chandra Pant R/o Talli Fal, Kailash View, Nainital.

(Transferor)

(2) Smt. Reeta W/o Shri Roshan Lal R/o QG-52, Kavi Nagar, Gaziabad.

(Transferee)

(3) — Do —
[Person(s) in occupation of the property]

— Do —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. R-12/32 (500 Sq. Yards) at Raj Nagar,

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income, tax Acquisition Range Kanpur

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 25th January 1985

Ref No M-1098/84 85—Whereas, I, J P HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and beating situated at Dadri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No 2649 dated 6-6 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or eyasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shii Suicsh Chand S/o Shii Ram Kumar, GhanShyam Road Dadri, Post—Fargana—Dadrı, Distt Gaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Chokhey Lal S/o Shri Kudey, R/o Railway Road, Dadri, Post -Dadri, Distt, Gaziabad.

(Transferee)

- Do -(3) [Person(s) in occupation of the property]

(4)Do (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village Dadri Pargana, Dadri Distt Ghaziabad,

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 25-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1102/84-85.--Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. K-H-36 situated at Karve Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad under registration No. 25567 dated 15-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (2) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income moneys or other sesets which have not been er which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenith-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

(1) Shri Bhagwan Das Gaur S/o Pt. Kashi Rum C/o Janata Auto Store, Now-Universal Service Station GT Road, Buland Shahar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Laxman Prasad Jain S/o Shri Kalyan Rai Jain 2. Shri Ashok Kumar Jain S/o Shri Laxman Prasad Jain R/o KH-188, Kavi Nagar, Gaziabad.

(Transferee)

(3) --- Do -[Person(s) in occupation of the property]

(4)Do (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. KH-36, situated at Kavi Nagar, Gaziabad.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE . 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985.

Ref. No. M-1103/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. 2/142-C situated at Pathan Pura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharan Pur under registration No. 5660 dated 12-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between that parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sardar Pooran Singh S/o Sardar Pal Singh Sarada Nagar, Saharan Pur.

(Transferor)

(2) Sardar Amar Singh S/o Sardar Dhan Singh Sarada Nagar, Present Shankar Nagar, H. No. 2/1424-C, Saharan Pur.

(Transferee)

- (3) Do —
 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Do —
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. C-2/1424, Shankar Nagar (Pathan Pura) Saharn Pur.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1112/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 2 situated at Chak Basant bur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

No. 2 situated at Chak Basant bur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Gaziabad under registration No. 2667 dated 6-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the amsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Fakira Mahipal
 S/o Shri Ram Kishan
 Vill. Karhada, P.O. Mohan Nagar,
 Gazinbad.

(Transferor)

(2) Deevan Trust M-225- Greater Kailash New Delhi, Through Shri Radhey Shyam S/o Shri Musoddi Lal 23/K-Maliwara, Gaziabad.

(Transferee)

(3) — Do — [Person(s) in occupation of the property]

(4) — Do —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khata No. 2 Rakba 179-4-18-1/10 Pal situated at Chak Basant Pur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> (ACQUISITION RANGE) 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR. OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 28th January 1985

Ref. M-1113/84-85.-Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No. B/75, situated at Surya Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Dadri under registration No. 2864, dated 15-6-84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparat consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Vinod Chandra Rishi,
 S/o Shri O. P. Rshi,
 R/o G-6, Green Park Extension,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pooran Chandra Gupta, S/o Shri Shyam Lal Gupta, R/o D-1/4, Krishna Nagar, Delhi-110051.

(Transferee)

(3)- do (Person(s) in occupation of the property)

ob -(4) (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B/75, Sector No. 7, situated at Surva Nagar, Ghaziabad.

> J. P. HILORI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
> (Acquisition Range), Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

87—516 GI/84

Date : 28-2-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1114/84-85.--Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 30A, situated at A Bazar Nai Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of

the Registering Officer at M. Nagar, under registration No. 6073 dated 6.6.1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or my moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(1) Shrì Govind Ram, S/o Shri D.orkadas, Balkishan S/o Shri Govind Ram Bhatia, R/o 107 Ghair Khatiyan Nai Mandi, Muzzaflarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Promod Kumar, S/o Lala Shivaji Ram, Muzaffar Nagar. R/o 111/1-B Nai Mandi,

(Transferee)

(3) do Person(s) in occupation of the property] (4) do

> (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given on that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 30A, A. Bazar Nai Mandi, Muzaffar Nagar.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date:31-1-85. Scal:

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR. OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1119/84-85.—Whereas, I,

J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

56, situated at Bag Pal Road,

has been transferred and registered has been transferred and the agreement is registered under under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at the Registering Officer at
Meerut under registration No. 81309 dated 12-6-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparnt consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of munsfer with the object of :--

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind.an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shri Surendra Singh, S/o Sardar Sawan Singh, Madhuban Colony, Bagpat Road, Mcerut.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Prakash, S/o Chanan Shah, Tobachi Bara, Meerut.

(Transferee)

(3)do ---!Person(s) in occupation of the property]

(4)ďΩ (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as suc defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Residential House No. 56 Bagpat Road, Meerut.

J. P. HJLORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-1-85. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR. OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. 1125/84-85.--Whereas, 1,

J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. C-7, situated at Sikanderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sikanderabad under registration No. 1436, dated 13-6-84 for an apparent consideration which is less than the februarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. U.P. Financing Corporation, Through Shri D. S. Lal, Garh Road, Mecrut.

(Transferor)

(2) M/s. Supriya Vegetable Oil Mills Pvt. Ltd. Through Shri Satish Chandra Agrawal, Managing Director, 21, Chandrapuri, Ghaziabad.

(Transferee)

- (3) do -Person(s) in occupation of the property]
- (4) ob – (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-7, situated at Industrial Area, Sikandrabad.

J. P. HILORI Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-1-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR. OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1129/84-85.—Whereas, I,

سيحدر مسوت

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

House situated at Bagnut, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Bagpat under registration No. 3967, dated 27-6-84, tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1922

(1) Shri Sukh Bir Singh, S/o Jyota Prasad, Narendra, Suiendra Kumar, S/o Sukh Bir Singh, Baraut, Bagpat, Meerut.

(Transferor)

Fıroji Devi, (2) Smt. W/o Late Mahendra Singh, Smt. Reeta Devi, W/o Ashok Kumar, Patti Vazidpur, Baraut. Meerut.

(Transferce)

(3) Transferee.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Transferec.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House in which (Two Rooms) situated at Patti Wazidpur Pargana Baraut, Meerut.

> J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date:31-1-85. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX, ASSISTANT COMMIS-

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR. OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1132/84-85.-Whereas, I. J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 386, situated at Tilak Road, Meerut, (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of

the Registering Officer at

Meetut under registration No. 9013, dated 22-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Savitri Singh W/o (Late) Dr. Nanchal Singh, R/o Begam Bagh, Begam Brij Road, Megrut.

(Transferor)

(2) Shri Howana Ram Taneja, S/o Parma Rum Taneja—Faridabad. Bharat Bhushan S/o Hari Chand, R/o Lai Kurti, Mcerut.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Transferee.

Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sall Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half Part of House No. 386 old, Hall No. 15, Tilak Road,

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur.

Date: 31-1-85. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN,

GANDHI NAGAR. OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1133/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,

J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 80/3, situated at Shivaji Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered.

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Office1 at

the Registering Office1 at
Meerut under registration No. 7732, dated 2-6-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Dr. P. Pandey S/o Late K. P. Pandey, 261, Shivaji Road, Meetut. Present-Shastri Nagar, Meerut.

(Transferor)

(2) Smt. Kusumlata Garg, W/o V. K Garg, Shii Rakesh Kumar Garg, S/o Y. K. Garg etc, 114-Mohan Puri, Meeruit.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Transferee.

Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House No. 80/3 New No. 261, Shivaji Road, Meerut Hapur Road, Meerut.

> J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur,

Date:31-1-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR. OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1135/84-85,—Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

9/137, situated at Rajnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 26349, dated 11-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Smt. Krishna Baghawan,
 W/o (Late) Shri Chandia Prakash Baghawan,
 R/o 8-A/93, W.E.A. Barol Bagh,
 New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Phoolkali, W/o Shri Badan Singh, R/o Vill. & P.O. Jalokhari, Distt. Aligarh.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Transferee.

Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 9/137, Sector No. 20, situated at Rajnagar,

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
(Acquisition Range),
Kanpur.

Date :31-1-85. Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(ACQUISITION RANGE) 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR. OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1155/84-85.--Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-C-187, situated at Surya Nagar, and bearing No.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

under the registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at

Dadri under registration No. 2634, dated 6-6-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the gainsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-88---516GI/84

(1) Shri Rajendra Kumar Gupta, S/o (Late) Shri Indra Chand Agrawal, H. No. 1170, Chhata Madan Gopal, Maliwada, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chhidda Lal Sharma, S/o Shri Govind Swaroop, R/o Vill . Siliani, P.O. Khas, Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Transferce.

Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-187, Sector No. 7, Surya Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (Acquisition Range), Kanpur.

Date: 31-1-85. Scal:

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR. OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1263/84-85.--Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Nil, situated at Haripani,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at

Mussoorie, under registration No. 105, dated 30-8-84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Prithy Shamsher, S/o Maha Raj Kumar, Bahadur Shamsher. R/o Fair Town Tharipari, Mussoorie.

(Transferor)

(2) M/s. Prem Heavy Engineering Works, P.2 T.D. Through Chairman, S. C. Jain, S/o Shri Phool Chad Jain, Rani Mills, Delhi Road, Meerut.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Transferee.

Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette ora period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date, of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Part of fair Town Estate, Thari Pani, Mussoorie.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur.

Date :31-1-85.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, RAHTAK.

Rohtak, the 8th February 1985

Ref. No. GRG/89/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

Half portion of shop No. 68/16, situated at Basai Road, Gurgaon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon under Registration No. 2397, dated 6-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Santosh Kumari, W/o Shri Balbir Kumar, r/o H. No. 528/16, Ice Factory, Civil Lines, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Smt. Sarla Marg, W/o Shri Ram Kishan Garg, R/o House No. 68/16, Basai Road Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being half portion of shop No. 68/16, Basai Road Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2397 dated 6-6-84 with Sub-Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak.

Date: 8-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, RAHTAK.

Rohtak, the 8th February 1985

Ref. No. GRG/90/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter hereferred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Half portion of shop No. 68/16, situated at Basai Road, Gut-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon under Registration No. 2398, dated 6-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Smt. Santosh Kumari, W/o Shri Balbir Kumar, 1/o H. No. 528/16, Ice Factory, Civil Lines. Gurgson.

(Transferor)

(2) Smt. Manju Garg, w/o Shri Asha Nand Garg, r/o shop No. 68/16, Basai Road, Gurgaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being half portion of shop No. 68/16 situated at Basai Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2398 dated 6-6-1984 with Sub-Registrar. Gurgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 8-2-1985.

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, RAHTAK.

Rohtak, the 8th February 1985

Ref. No. GRG/90-A/84-85.--Whereas, I. R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Ahata on the back of shop No. 68/16, situated at Basai Road.

Gurgaon,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon under Registration No. 2399, dated 6-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax xunder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Santoch Kumari, W/o Shri Balbir Kumar, r/o H. No. 528/16, Ice Factory, Civil Lines, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Smt. Manju Garg, w/o Shri Asha Nand Garg, r/o shop No. 68/16, Basai Road, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Ahata on the back of shop No. 68/16 situated at Basai Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2399 dated 9-6-1984 with Sub-Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak.

Date: 8-2-1985.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, RAHTAK.

Rohtak, the 7th February 1985

Ref. No. GRG/105/84-85.—Wheras, I, R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00000/- and bearing No. Land 5 Acre 1 Kanal 10 Marlas situated at Village Shikoh-

pur (Gurgaon)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferered and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon under Registration No. 2751, dated 19-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Tuansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sys. Ram Chander---Babir Singh alias Bholu--Balwant Singh, S/o Bhim Singh & Risal Singh s/o Lila Ram, r/o Village Shikohpur. Teh. & Distt. Gurgaon.

(Transferor) (2) M/s. Baker Oil Tools (India) Pvt. Ltd., 13-B, Atmaram House, 1-Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person inferested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given] that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 Acres 1 Kanal 10 Marias situated at village Shikohpur (Gurgaon) and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2751 dated 19-6-1984 with Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 7-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, RAHTAK.

Robtak, the 7th February 1985

Ref. No. GRG/106/84-85.—Whereas, I.

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the impact of the income tax act.

movable property, having a fair market value exceeding Rs.

1.00.000/- and bearing Land 1 Acre 5 Kanals 15 Marlas sinated at VIII. Shikohpur

(Gurgaon), (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been ransferred and egiserred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at Gurgaon under Registration No 27.52, dated 19-6-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Svs. Rampat—Dalip Ss/o Ram Chander 9/0 Maha Singh; Ram Chander-Balbir Singh Ss/o Lila Ram, r/o Village Shikohpur, Teh. & Distt. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Baker Oil Tools (India) Pvt. Ltd., 15-B, Atmaram House, 1-Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- i(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 Acre 5 Kanal 15 Marlas situated at village Shikohpur, Tehsil & Distt. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2572 dated 19-6-1984 with Sub Registrar, Gurgaon.

> R, K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 7-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 8th February 1985

Ref. No. IND/19/84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing
No. Land measuring 60 Kanals 7 Marlas situated at Jind
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jind under Registration No. 1147 dated 7-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Vipin Kumar adopted son of Smt. Ram Kali Wd/o Shri Ram Chander, H. No. 311, Mohalla Sheela Pati,

(Transferor)

(2) (i) Smt. Kesar Devi Wd/o Shri Telu Ram;
(ii) Bhagwan Dass s/o. Shri Mool Chand;
(lii) Govind Ram Mittal s/o Om Parkastf;
(iv) Brahma Nand Singhal s/o Late Lachhman Dass,
(v) Subash Chander s/o Pyare Lal;
(vi) Smt. Ram Devi w/o Hargovind and
(vii) Smt. Sudarshan Kumari w/o, Shri Sham Lal
through M/s. Punjab Timber Store,
Jind Mandi (Haryana).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 60 Kanals 7 Marias situated at Jind and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1147 dated 7-6-24 with Sub Registrar, Jind.

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this settice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-2-1985.

FORM ITNS----

(1) Shri Chandu Lal s/o Shri Chhangamal s/o Banshidhar, R/o Rewari, Distt, Mahendergarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 8th February 1985

Ref. No. RWR/6/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Shop situated at Town Rewari

Shop situated at Town Rewari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewari under Registration No. 584 dated 2-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the processid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 89—516G1/84

(2) Shri Anil Kumar s/o Shri Hari Shanker Jain, R/o Charkhi Dadri C/o Munna Lal Onkar Mal, Cloth Merchant, Gur Bazar, Rewari,

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Shop No. 1318-19 situated at Gur Bazar, Rewari and as more mentioned in the Sale Deed registered at Registration No. 584 dated 2-6-84 with the Sub Registrar, Rewari.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohta

Date: 8-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 8th February 1985

Ref. No. RWR/7/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. Shop situated at Town Rewari (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewari under Registration No. 841 dated 18-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Hari Ram S/o Shri Chhanganmal s/o Lala Banshidhar R/o Town Rewari, Distt. Mahendergarh.

(Transferor)

(2) Shri Ram Parkash s/o Shri Banarsi Dass s/o Lala Munna Lal C/o Munna Lal Onkar Mal, Cloth Merchant, Gur Bazar, Rewari

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property being Shop No. 1318-19 situated at Gur Bazar, Rewari and as more is mentioned in the Sale Deed registered at Registration No. 841 dated 18-6-84 with the Sub Registrar, Rewari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-2-1985.

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 12th February 1985

Ref No SRS/2/84-85 — Whereas, I, R K BHAYANA,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Shop No 157-A, Anaj Mandi situated at Sirsa (and more fully described in the Schedule below), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa under Registration No 2205 dated 13-7-1984 for anapparnt consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Acs, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rameshwar Dass s/o Shri Kashmiri Lal s/o Lala Bhanju Ram Mukhtiare-am Smt. Pushpa Devl, R/o Anaj Mandi, Sirsa.

(Transferor)

(2) Smt, Geeta Devi w/o Shri Heeia Lal s/o, Shri Gaja Nand, r/o village Bhadra (Ganganagar) c/o M/s Subhash Chond Harish Chand, 160, Anaj Mandi, Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- c) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. 157-A situated at Na Anaj Mandi Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No 2205 dated 13-7-1984 with Sub Registrar, Sirsa.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 12-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 12th February 1985

Ref. No. SRS/1/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. 157-A, Anaj Mandi, situated at Sirsa has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa under Registration No. 1831 dated 23-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rameshwar Dass s/o Shri Kashmiri Lal s/o. Lala Bhanju Ræm Mukhtiare-am Smt. Pushpa Devi Self, R/o Nai Anaj Mandi, Sirsa.

(2) Smt. Geeta Devi w/o Shri Heera Lal S/o Raja Nand R/o Village Bhadra (Ganganagar) c/o M/s. Subhash Chand Harish Chand, 160, Anaj Mandi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sai.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. 157-A situated at Nai Anaj Mandi Sirsa and as more mentioned in the Sale Deed registered at Sr. No. 1831 dated 23-6-1984 with Sub Registrar, Sirsa.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition RangeRohtak

Date: 12-2-1985.

Sear :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 11th February 1985

Ref. No. HSR/33/84-85.--Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Land measuring 237 Kanals 12 Marlas situated at

Village Daulatpur (Hisar)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hisar under Registration No. 1912 dated 27-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Lal Singh alias Lal Chand s/o, Molar Ram s/o. Phool Chand r/o Mandi Kalan, Tchsil Narvana, Distt. Jind now r/o Barwala, Tchsil & Distt. Hisar.

(Transferor)

(2) Svs. Prithvi Singh Lamba s/o. Sohan Lal Lamba; Pardeep Lamba s/o. Prithvi Singh; Yogender Singh s/o Ramji Lal; Smt. Salochna w/o. Yogender Singh, All r/o Village Daulatpur, Tchsil & Distt. Hisar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 237 Kanals 12 Marias situated at village Daulatpur, (Hisar) and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1912 dated 27-6-84 with the Sub Registrar, Hisar.

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Rohtak

Date: 11-2-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 11th February 1985

Ref No. AMB/43/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. House No. 46, Dayal Bagh, situated at Ambala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer

Registering Officer at Ambala under Registration No. 3072 dated 27-6-1984 for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sampuran Singh s/o. Shri Santokh Singh, r/o Machhond, Teh. & Distt. Ambala.

(Transferor)

(2) Smt. Sita Devi w/o Shri Joginder Parsad, r/o 46, Vijay Nagar, Dayal Bagh Colony, Ambala Cantt,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 46 situated at Dayal Bagh, Ambala Cantt and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3072 dated 27-6-1984 with Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Robitak

Date: 11-2-1985.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th February 1985

Ref. No. Radaur/10/84-85.—Whereas, I,

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 2 Kanals 18 Marlas plus building structures

situated at Radaur (Kurukshetra)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Radaur under Registration No. 1732 dated 11-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Insume-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ashok Kumar s/o. Shri Ram Dayal s/o. Lachman Dass, r/o Radaur, Distt. Kurukshetra.

(Transferor)

(2) M/s. Aggarwal Ice Factory, Distt. Kurukshetra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 Kanals 18 Marias situated at Radaur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 445 dated 15-6-1984 with Sub Registrar, Radaur.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Rohtak

Date: 11-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 11th February 1985

Ref. No. KNL/24/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing House No. 1974/13, Urban Estate, situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Karnal under Registration No. 1732 dated 11-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such than a greed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or armoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this effice notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhupinder Singh s/o Shri Sadhu Singh, r/o 1974/13, Urban Estate, Karnal.

(Transferor)

(2) Smt. Sarbjeet Kaur d/o. Major Gurdial Singh Mann, Village Talania, Tehsil Sirhind, Distt. Patiela.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 1974/13 situated at Urban Estate, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1732 dated 11-6-1984 with Sub-Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 11-2-1985.

(1) Shri Amrik Singh s/o. Shri Kesar Singh r/o Panipat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ludhiana Wool & Shal Manufacturing Association, Ludhiana through Shri Jagdish I al 5/0 Hans Rai, r/o Ludhiana,

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 12th February 1985

Ref. No. PNP/33/84-85.—Whereas, I, R. K BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

I and measuring 5 Bigha 18 Biswas situated at Village Taraf Insar (Panipat)

situated at Panipat

and for

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Panipat under Registration No. 1506 dated 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the critics has not been truly stated in the said instrument of densier with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 44 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 Bigha 18 Biswas situated at village Taraf Insal, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1506 dated 21-6-1984 with Sub Registrar, Panipat.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

> R. K. BHAYANA Competent Authors v Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 12-2-1985.

Seal:

90--516 GI/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING. ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 11th February 1985

Ref. No. PNP/38/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Plot measuring 1835.5 sq. yds., situated at Industrial Area. Area, Panipat

Area, rampat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Panipat under Registration No. 1644 dated 28-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than afficient and consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following PERIORS. namely :---

(1) (i) Shri Jai Kanwar Singh s/o. Raghbir Singh, r/o 106, Ward No. 5, Panipat. (ii) Smt. Usha Rani Wd/o, Shri Raj Kumar,

1/o 83-B, Wazir Chand Colony,

Karnal.

Sunder Industrial Corporation through Shift Nasib Chand s/o. Babu Ram c/o M/s. Aggarwal Hardware Store, Sangrur Road, Dhuri (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plot measuring 1837.5 sq. yds., situated at Industrial Area, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1644 dated 28-6-1984 with Sub-Registrar, Panipat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 12th February 1985

Ref. No. PNP/39/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Land measuring 10 Bigha 10 Biswas situated at Village Taraf Jusar, Panipat

(and more fully described n the Schedule below), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 1676 dated 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the (cansferor(s) and transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Svs. Jagir Singh—Dalip Singh—Jasbir Singh— Lakhbir Singh Ss/o. Shri Pala Ram; Smt. Dalip Kaur Widow & Smt. Gurmeet Kaur, Lakhvinder Kaur De/o. Shri Piara Singh, r/o village Taraf Insar, Panipat.

(Transferor)

 Ludhiana Hosiery & Textile Association (Regd.), H.O. Madhopuri Chowk, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 10 Bigha 10 Biswas situated at village Taraf Insar, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1676 dated 29-6-1984 with Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Rohtak

Date: 12-2-1985.

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 407/84-85.---Whereas, I,

M. IEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land & buildings situated at Koritipadu

R Agraharam, Guntur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur in June 1984,

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as adorsand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of namefor with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax tasker the sold Ast. in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:-

- (1) M/s. Decean Agro Industries Ltd., Guntur. (Transferor)
- (2) M/s. Polisetty Somasundaram Pvt., Ltd., Managing Director Sri P. E. Gupta, R. Agraharam, Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:--The terms and expressions used herein we are defined in Chapter XXA of the saio Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Land and Buildings situated at R. Agraharam, and Kontipadu, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 7808/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 408/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section

269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Lands situated at Nallapada Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur in June 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pictues has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any nioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrt D. China Hattimi Reddy and Others, Nallapadu, Guntur.

(Transferor)

(2) Si M Shanmukham Chettiar and Others, C o Sri Kamatchi Cotton Ginning & Pressing Factory, 88-F/7-B(1), Kamaraj Road, Tirupur-638 604 Tamilnadu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in , that Chapter

THE SCHEDULE

Lands admeasuring 4-17 cents situated at Nallapadu village Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 8308, 8267, 11102, 8403, 9403, 9465, 9081/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985

Scal:

(1) Smt. V Suryakantam, W/o Venkataraju, Kakinada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri M Koteswara Rao, Szo Butchayya, Ganapayaram, Chilaka luripeta, Guntur Dt. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undereigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

RAC. No. 409/84-85 -- Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 25,000/- and bearing
No. Land situated at Kakinada,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
hadringdo in tune 1924

Kakınada in June 1934,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said interpret the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land admeasuring 1306 sq. yds. situated at Kakinada registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 5375/

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

(1) Sri G. Veerabhadta Rao and Others Gedavalli, Krishna Dt

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kuriseti Satyavathamma, W/o Nagabhushanam, Bhimavaram, W.G. Dt. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Hyderabad, the 12th February 1985

Ref. No. RAC No. 410/84-85—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable of the competence of the compete property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
I and situated at Gudavallı (v) Krishna Dt.,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per registered under the Indian Regis tration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vijayawada in June 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 /27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land situated at Gudavalli village, Krishna Dt. admeasuring 2 acres 34 guntas registered by the S.R.O., Vijayawada vide document Nos. 3531, 3476, 3460, and 3508/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-2-1985

(1) Sri Kankimalla Venkateswara Rao, Nandigama, Krishna Dt,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERAJAD (A P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 411/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mraket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. land & Factory situated at Nandigam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandigama in June 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(2) Umamaheswara Groundnut Modern Dall and Oil Mill,
Rep. by partners Sri D. Pullaiah and Others,
Nandigama Post, Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Factory building situated at Nandigama, Krishna Dt., registered by the SR.O. Nandigama vide document Nos. 1800, 1801, 1802, 1803/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE HYDFRABAD (AP)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC No 412/84 85—Whereas, I, M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (4. of 1961) (hereinafter referred to 1961) to 1961 (4. of 1961) the immovable of the 1961 (4. of 1961) the 1961 (4. of property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No House situated at Hi num inpet Vijavawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Virayawada in Juar 1984,

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such interfer is a red to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(N) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act to the following persons namely— 91-516GI /84

(1) Sir Gajavallı Apparah Rao, and Smt Nagendramma and Others. Singarajuvariveedhi, Vijayawada

(Transferor)

(2) Sri Narayanam Gopala Krishna Rao, S/o Venkateswara Rao, Raja Rangayyappa Rao Street, Vijayawada

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property Bearing D No 14 8-10, situated at Hanumanpet, Vnayawada registered by the SRO, Vijayawada vide document No. 3786/84

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date: 12-2-1985

FORM ITNS——

(1) Sri B, Bhushaiah, Mulukuduru Sivaru, Muchayaram Post, Guntur Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri B. Pitchaiah \$/o Vee.aiah, Mulghiduru Sivaru, Machavaram Post, Guntur Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 413/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mill situated at Mulukudura Guntur Dt (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Pennur in June 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Rice Mill situated at Mulukuduru village near Machavaram, Guntur Dt., registered by the S.R.O., Ponnur vide document No. 560/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Ghalib Saheb and Others, Venigundla, Guntur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 414/84-85.—Whereas, I,
M. IEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(heremafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding
Rs. 25,000-/- and bearing No.
No. Lands situated at Guntur Dt.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred as per registered under the Indian Regis-

tration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur in June 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Guntur Cooperative House Construction, Society Ltd., Rep. by Sri G. Lakshminarayana, Srinivasa Nagar, Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propermay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Venigundla, Pedakakani, Reddy Palem, registered by the S.R.O., Guntur vide document Nos. 8757, 8746, 7976, 7921, 7683, 7682, 3362, 3363/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

(1) Sri J. Laxmikantha Rao, Machilipatnam. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Kothuri Sesha Rao, S/o Veeraraghavaiah, D. No. 13-2-57, Gunturuvarithota, Guntur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No 415/84-85.—Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Rs. 45,000/- act Conturnivarithete Guntur

No. House situated at Gunturivarithota Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Guntur in June 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); House property situated at Gunturuvari thota, Guntur, registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 7051, 7040/84.

> M. JEGAN MOHAN
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 416/84-85 — Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at Industrial Area Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vijayawada in June 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

(1) S₁₁ Ch. Ramachandra Rao and Others, Patamata, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri C. Rama Rao, M/s Automotive Rubber Products, C-6, Industrial Estate, Vijaywada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House property situated at Induestrial Area, Vijayawada admeasuring 1667 sq. yds. of land area and 2200 sft., shed area registered by the S.R.O. Vijayawada vide document No. 3557/84

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 417/84-85.--Whereas, I.

RAC. No. 417/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. House situated at Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore in June 1984.

Nellore in June 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; uad ∕or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sti D. Ranga Reddy, 15, Cathedral Garden Road, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

(2) Sri S. Ramalinga Reddy and Others, H. No. 24/1622, Dargamitta, Nellore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 24/1622 at Dargamitta, Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide document No. 3541/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 12-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 418/84-85.-Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House Flat situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada in June 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the statics has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand or
- (m' facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri S. Panduranga Raju, S/o N. V. Narayanaraju, Viiavawada.

(Transferor)

(2) Smt. M. Dhanandtan, W/o K. R. Dhanendran, Pr. in M/s Sabhapathi Rajendran Canal Road, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat admeasuring 735 sft. situated at Mogalrajapuram. Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 4327/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1010/84-85. -- Whereas, I,

RAC. No. 1010/84-85.—whereas, 1,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
No. Flat situated at P.G. Road, Secunderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.R. Dt. in June 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Toorkey Engineering Contracting SHAMA Apartments, 138, Prenderghast Road, Secunderabad.
- (2) Mrs. Khorshed Rustom Bisney, 46 Shama Apartments, P.G. Road, Secunderabad.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 46 in Shama Apartments, 4th floor situated at S.P. Road, Secunderabad admeasuring 1660 sft. registered by the S.R.O., R.R. Dt. vide document No. 3565/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Date: 11-2-1985

and interior of American programmed and interior of the state of the s FORM ITNS (1) M/s Kamal Roop Builders, 3-4-183, T.B., Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S Ravi Chowdary, NTPC A-59, Jyothinagar, Karimnagar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1011/84-85.--Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat stituted at Walker Fown, Secunderabad, (and reason fully described in the Schedule appared beauty)

No. Flat situated at Walker Fown, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Scounderabad in Jure 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice, in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4 in 1st floor . 1 Sujatha Apartments, 6-1-138, Walkar Town. Secunderabad admeasuring 700 sft., registered by the 5 R.O., counderabad vide document No. 287/

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting visitant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

92-516GI/84

Date: 11-2-1985

FORM I.T.N S .--

NOTIFE TINDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1012/84-85,---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Shop situated at T.B., Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad in June 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other samets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Srinivasa Market Complex, 2-1-41/A, T.B., Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. P. Kousalya W/o Jaganadham, Mothukuu village, Malgonda Dt.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2-1-41/A/10 at 1st floor of Srinivasa Market T.B., Secunderabad admeasuring 171 sft. registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 303/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1985

Ref. No. RAC. No. 1013/84-85.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
bearing No. Flat situated at West Marredpally, Sec.
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on 6/84
for an apparent consideration which is less than the for
market value of the aforesaid property and I have reason/fo
believe that the fair market value of the property as af,
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has truly stated in the said instrument of transly,
with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ₩ which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Meghna Constructions, 225/A Triveni West Marredpally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Homi R. Mehta, Flat No. 2, Ground floor, 225/A, West Marredpally, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said interested able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 in ground floor of Meghana Apartments, West Marredpally Secunderabad registered by the S.R.O. Marredpally vide document No. 1336/84.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-2-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Gitanjali Constructions, 225/A, West Marredpally, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1014/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. Flat situated at Rukminidevi Colony Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on 6/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen part consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Transferee)

(2) Sri Venkataramana Babu, Plot No. 195, Mahendra Hills, Secunderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 in 1st floor of Gitanjali Apartments, West Marredually Secunderabad admeasuring 1026 sft., registered by the S.R.O., Marredually vide document No. 1317/84.

> M. JEGAN MOHAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following: persons namely :-

Date: 11-2-1985

Scal:

(1) M/s. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, M.G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Electronic Industries of A.P. Office No. 636, M.G. Road, Secundentabad. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1985

No. 1015/84-85.--Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

bearing No. Office situated at M.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has ben transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on 6/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Figurater with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 636 in 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad admeasuring 439 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3565/84.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1016/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Rukminidevi Colony

Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Re-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the apparent tons deration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Gitanjali Constructions, 225/A West Marredpally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Miss Kamalesh Rajesham, Flat No. 5, Second floor on Plot No. 4, Rukminidevi Colony, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from her service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 in 2nd floor of Rukminidevi Colony, Secunderabad admeasuring 955 sft., registered by the S.R.O. Marred-pally vide document No. 1316/84.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-2-1985

FORM ITNS-

 Sri Praveen Kumar Ganatra and Other, R/o 108 Navyungnagar, 9th Floor, Forjeet Hill, Tardeo, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Deepta, W/o Sri Ramesh Ahuja Flat No. 408, Tahasaiman Chamber, 142-C, Penderaghast Road, Secunderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1017/84-85.—Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
bearing No. Office situated at Kabra Complex
Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on 6/84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Office No. 206 in 2nd floor of Kabra Complex, M.G. Road, Secunderabad admeasuring 491.66 sft., registered by the S.R.O. Secunderabad vide Document No. 34/84.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-2-1985

Scal;

FORM ITNS----

M/s. Kabra & Co., Rep. by Sri S. Prabhakara Reddy 2-2-132 to 139, M.G. Road, Secunderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri P. Mohan Rao, S/o Hanumantha Rao, 1-8-48/3, Krishnanagar Colony, P.G. Koad, Secunderabad.

Objections, f any, to the acquisition of the said property

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

may be made 'n writing to the undersigned :-Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1018/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Office situated at M.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 6/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the consideration which is less than the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more said exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette of a period of 30 days from the service of notices on the persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 204 in 2nd floor at Kabra Complex, 2-2-132 to 139, M.G. Road, Secunderabad admeasuring 491.66 sft. registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 318/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad the 11th February 1985

RAC, No. 1023/84-85.Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Domalguda Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 6/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arizing from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

93—516GI/84

(1) Sri J. Probhakar Rai and Others, 1-2-282, 282/A, Domalguda, Hyderabad.

(2 Smt. K. Matchamma, Flat No. 303, D. No. 1-2-282/282-A, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expression used herein avare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 in 1-2-282, 282/A, Domalguda, Hyderabad admesouring 900 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3320/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC, No. 1024/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
set the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Flat situated at Domalguda Hyderabad
(Additional Fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 6/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the garties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Srl J. Prabhakar Rao, and Other 1-2-282/282-A, Domalguda, Hyderabad, (Transferor)
- (2) Sri N. Raghunath, Flat No. 407, D. No. 1-2-282 & 282-A, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 407 in 1-2-282 and 282/A, Domalguda, Hyderabad admeasuring 900 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3318/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-2-1985

Scal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabau, the 11th February 1985

RAC. No. 1025/84-85.-Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Domalguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 6/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Sri J. Prabhakar Rao and Others 1-2-282 and 282-A, Domalguda, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. G. Hemalatha, 1-2-282 and 282-A, Flat No. 406, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406 in 1-2-182 and 182-A., Domalguda, Hyderabad adreasuring 900 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3319/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-2-1985

(1) Smt. O. Sarasathi, W/o, Gopal Reddy, 1-10-380/27/4, Ashoknagar, Hydexabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Chabbinath, S/o Sugumar, H. No. A-23, Domalapenta, Srisailam Dam West, Mahaboobnagar Dt., A.P.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 1026/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAON MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269AB of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
bearing No. House situated at Jubilee Hills
Colony Hydrahad

Colony, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 6/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, and /or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULB

House No. 8-2-293/32/A/1102 at Road No. 36 of Jubilee Hills, Colony, Hyderabad registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 1450/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 12-2-1985

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 1027/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

House situated at Tilak Road

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Sri Mohd. Hashmi Moosa, 4-1-872, Tilak Road Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sharada Gupta, W/o Omprakash, 4-1-872, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferce)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 4-1-872, Tilak Road, Hyderabad admeasuring 388 sq. yds. of land area and 1700 sft., plinth raea registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3265/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1022/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

m. IEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No. Flat situated at bearing No. Flat situated at

Domalguda Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the intellity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate Proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versions, namely:---

(1) Sri J. Prabhakar Rao & Other, 1-2-282, 282/A, Domalguda, Hyderabad

(Transferor)

(2) Smt. J. Vijayalakshmi, 1-2-282, 282/A, Domalguda, Hyderabad, Flat No. 101.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 in 1-2-282 and 282-A, Domalguda, Hyderabad admeasuring 900 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3321/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 11-2-1985 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1021/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat situated at Domalguda

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri J. Prabhakar Rao and Other 1-2-282 and 282-A, Domalguda, Hyderabad.

(2) Smt. M. Uma Devi, W/o M. Mohan Raju, Flat No. 103, 1-2-282 and 282-A, Domalguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in 1-2-282 and 282-A at Domalguda, Hyderabad admeasuring 900 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3322/84,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 11-2-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1020/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop situated at T.B.,

Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 6/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) inclitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Srinivasa Market Complex 2-1-41/A, Tobacco Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Pocham Prakash S/o Jagannadham, Shop No. 2-1-41/A/7, Tobacco Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2-1-41/A/7 in Srinivasa Market Complex Building, T.B., Secunderabad admeasuring 153 sft., registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 304/84.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 11-2-1985

Scal:

FORM TING---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 11th I-chinary 1985

Ref. No. RAC. No. 1019/84-85.--Whereus, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat situated at Rukminidevi Colony, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been time-ferred as its deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marrodpully on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer: and/or

(1) Gitanjali Constructions, 225/A, West Marredpally. Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. A. Laxmidevi, Flat No. 1, Ground floor Plo. No. 4, Rukminidevi Colony, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1 ground floor of Rukminidevi Colony, Secunderabad admeasuring 1026 sft., registered by the S.R.O., Marredpally vide document No. 1315/84,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (Λ .P.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atmessid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 94—516GI/84

Dute: 11-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 5th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/870/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing Ward No. 1, CS No. 491/2 X 491/1B situated at Keshwapur Road, Hubli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registrat on Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hubli on 28-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Shri Vasantrao Narayam ao Chittugappi
 Smt. Sudhabai w/o Vasanthrao Chittagappi
 Shri Narayam Vasanthrao Chittugappi
 Kum. Negta Vasanthrao Chittugappi.
 Smt. Padma w o M. Mohanrao Resident of Kashwapur Road S. No. 491/2 Hubli now at Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Venkatesh Bhodharao Joshi.2. Ashok Bhudharao Joshi R/o Keshwapur Road, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1051 Dated 21-6-1984) Open plot situated at Keshwapur Road, Hubli under-Ward No. Measuring CS No. 1 491/2 20.00 Guntha 1 491/1B 15.10 Guntha

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 5th February 1985

C.R. No. 62/871/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, vR. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. 166 situated at Pirna in Bardez Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bardez Goa on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Purushottam Narayan Mainkar
 Smt. Shalinibai Purushottam Mainkar Residing at Baina, Vasco-do-Gama.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Maruti Shindolkar Residing of Altafonaw, Molra Bardez, Taluka, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 542 Dated June, 1984) Land property situated in Village Panchayat of Pirna in Bardez Taluka S. No. 166. The area of 52,600 Mtr. including house.

R. BHARADWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 5-2-1985

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-5600J1

Bangalore, the 5th February 1985

CR No 62/872/84 85 ACQ/B - Whereas, I, R BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property having a fair market value exceeding

Rs 25,000,- and bearing
S Chalta No 4 P1S 132
situated at Margao Municipal Area
(and more fully described in the Cehedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 ct 1908) in the Office of the Registering Officer t

Matgao Goa on 1-6 1984

for an apparent consideration which is less than the I have fur market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'nid Act' to the follow ing persons, namely :--

- (1) Shri Venetexa Madu Porobo Gaokar and Wife Malau Venkatesh Prabhu Goankar Residing at Siroda Ialuka Ponda, Goa
- (2) Shri Caetano Rosario Luis and Wile Mana Felecidade Santa Rita da Veiga Luis R/o Borda, Margao (Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said imminute able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetia

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 2016/84

Dated 1-6-1984)

Plot situated in Margao Municipal Area measuring 1087 Sq Mts

> R BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date 5 2 1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE 560001

Bangalore, the 5th February 1985

C.R No 62/873 84 85 ACQ/B—Whereas, 1 R. BHARDWAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. S. No 197/2 situated at Unakal Village Hubb Taluka Hubb on 26-6-1984

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been trinsleried under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at tor an apparent consideration which is less that the put market value of the ifo and property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent con iditation and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weal'h-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Venkanagouda Ramanagouda Doddaninganagoudre Siraguppa, Taluka Hubli.

(2) Shri Subhod Jagannath Shanabag Hubh Unakal Sidheshwar Nagar, (Transferor)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1089

Dated 26-6-1984)

Plot No. 52 situated at Unakai Village measuring 4.25 guntas under survey No. 192/2

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intuate proceedings for the acquisition of the atores id property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely.—

Date 5 2 1985

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ningangouda Ramanaggouda Dodda Ninganagcud R/o Shivagapi Tal. Hubli.

(Transferor)

(2) Smt. Beena w/o Iaganmath Shonabheg, R/o Unakal, Shiddeshwar Nagar, Hubbi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 5th February 1985

C.R. No. 62/874/84-85/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing

R. Survey No. 192/2 situated at Unkal, Hubli Dharwad Corporation

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hubli on 26-6-1984

Hubli on 26-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1090 Dated June 1984] Open plot measuring 4 Guntha 34 Annas under R. Survey No. 192/2 Plot No. 49, situated at Unkal Hubli Dharwad Corporation.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF BANGALORE-560001

Bangalore, the 5th February 1985

C.R. No. 62/875/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. M. No. 4964/5104

situated at Shimoga City Rajendia Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shimoga on 4-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri K. S. Nagaraj Shetty S/o Kasal Somahaih, J.P.N. Road, Shimoga,

(Transferor)

(2) Shi H, M. Vishwanath Shastry S/o H, M. Chandrashekar Shastry Tilak Nagar, Shimoga, IV Cross Shimoga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 883 Dated 4-7-1984) Open Plot situated at Rajendra Nagar Shimoga City measuring 109.09 Sq. meter.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Vasundarabai Alias Vasundari Alias Sunuscabai Supad Kukod R/o originally from Aapora hut Opp. Pace Suit Margao, Goa. (2) Roy Athanaseis Disilva

(Transferor)

R/o Nezul Border Goa.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGAT ORE-560001

Bangalore, the 6th February 1985

C.R. No. 62/876/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 106/5 and S. No. 98

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Barder Goa on 17-7-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe there the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 566/202) Dated 17-7-1984) Land and coconut Grooves property measuring 20.200 sq. metre: situated at Nozul Border, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 6-2-1985

FORM NO I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 6th February 1985

C.R. No. 62/877/84-85/ACQ/B.--Whereas, I,

R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Chalta No. 187 part 130 and 312 PT No 239

situated at Margao

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Margao, Goa on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I breely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely ---95-516GT/84

(1) 1. Shri Pandalik Vishnu Naik

2. Suman Pundalik Naik

- 3 Mis. Surekha Atchut Naik
- 4 Miss Amita Atchut Naik
- 5. Atish A. Naik
- 6. Purshotam Vishnu Naik 7. Sarita Purshotam Naik 8 Trivikam Vishnu Naik and
- 9. Sudha Trivikram Naik.
- (2) Babu Esmail Ebrahim Bandnede Alias Yeque Ismail Bandnede.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1581 Dated June 1984)
Property situated at Margao within the limits of Municipal
Council known as "UDEGO" by other name "MESTABHAT".

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-2-1985

Seg

FORM J.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 1st February 1985

C.R. No. 62/43761/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 145/A, situated at IV Main Road, Industrial Town.

Rajajinagar, Banalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Rajajinagar, Bangalore

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the consideration for the consideration are that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income scrietar from the transfer. and for

(b) facilitating the concealment of any income or any makeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per one namely:-

(1) Shri T. H. Basava Raj, 334, III Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Shri H. Raghu Rama Shetty, No. 2190, IV Main R.P.C. Layout, Vijayanagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2124/84-85 Dated 16-8-84) Property bearing Factory premises No. 145/A situated at IV Main Road, Industrial Town, Rajajinagar, Bangalore,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 1-2-1985

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 1st February 1985

C.R. No. 62/43949/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

83 (19), situated at Richmond Road, Richmond Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 31-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atomeraid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:--

(1) 1. Shanawar Begum alias Yakuth Begum Sri Mirza Mohd. Karim, No. 39 (27), Serpentine Street, Richmond Town, Bangalore-25.

(Transferor)

(2)1. Shri Dasarathmal Chordia Smt. Saroj Kumari Chordia No. 106, IJI Cross, Gandhinagar, Bangalore-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1832/84-85) Dated 31-8-84) Property bearing No. 83(19), situated at Richmond Road, Richmond Town, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, Bangalore

Date: 1-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 31st January 1985

C.R. No. 62/43746/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

75 (6 then No. 8), situated at Appurayappa Lane, Siddanna Lane, Nagarathpet, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at the Competent Authority
Gandhinagar on 22-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been any stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. C. Nagaraj Urf Muniveerappa
 2. Chinnamma,
 1023/1 BSK I Stage Hanumanthanagar,
 Bangalore.

(Transferor)

 Rishabchand Bansoli and
 Premdevi,
 T.N.S. Lane, Avenue Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1664/84-85 Dated 22-8-1984)
Property bearing No. 75 (Old No. 6, then No. 8), situated at Siddanna Lane, Appunayappa Lane, Nagarathpet, Bangalore

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 31st January 1985

C.R. No. 62/44995/84-85/ACQ/B,---Whereas, 1, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|... and bearing No.

25, situated at Chikka Kadirappa Garden, St. Thomas Town, Bangalore

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have recon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitatir the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri R, Simhadri, No. 25, Sundaramurthy Road, Cox Town, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Smt. Shcela, No. 32/1, Rukmini Colony, St. John's Cross Road, Siranchetty Gardon, Bangalore-42.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2423/84-85 All that site bearing No. 25, situated at Garden, St. Thomas Town, Bangalore, Dated Aug. 84) Chikkakadirappa

> R. BHARDWAJ Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 4th February 1985

C.R. No. 62/45593/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 502/14, situated at 19th Main Road, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on 18-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evanon of the limbing of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, mad /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1, S. Alamelu 2. Raghupathi,
 - Dr. Jayaram Seshav
 Smt. S. Sulochana

 - 5. S. Srlnivasan6. S. Nachiar @ Jayashree
 - 7. S. Prema
 - S. Kalyani and Miss S. Jayalakhshmi, No. 502/14, 19th Main Road, IV "T" Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) K. K. Batra, No. 83, 13th Cross, IX Main, Wilson Gardens, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used hereingas are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1776/84-85 Dated 18-7-84)
Property bearing No. 502/14, situated at 19th Main Road, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 4-2-1985

(1) H. Harisharana, Manager, Canara Bank, Jamshedpur (M.P.).

(Transferor)

(2) Dr. P. Padmanabha Maiya, MTR No. 14, Lalbagh Road, Bangalore-27.

(Transferce)

VOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 4th February 1985

C.R. No. 62/45620/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property bearing a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

343, situated at Block-II, Stage-II, Banashankari Extension,

Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the against a such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1735/84-85 Dated July, 84) Vacant site No. 343, situated at Block-II, Stage-II, Banashankari Extension, Bangaloe,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Data: 4-2-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:-

Tanana da kana da kana

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 31st January 1985

C.R. No. $62/43566/84-85/\Lambda CQ/B$ —Whereas, I. C.R. No. 62/43566/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 542, situated at III Block, Korumangala Extension.

Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Tq. on 5-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— N. S. Parvathi, C/o Sri K. S. Saptharishi, Advocate, No. 12, JV Block, V Cross, Subramania Temple Road,

(Transfuror)

(2) Shri K. S. Panikkar, No. 46-B, Kudremukh Colony, Koramangala Extension, Bangalore-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(Registered Document No. 2234/84-85 Dated 5-7-84)
Vvant site bearing No. 542 situated at III Block, Koramangala Extension, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922, or Personal Notes in Wealth-car Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1985

(1) Shri G. N. Narayana Reddy, Gunjur Village, Verthin Hobli, Bangalore, South Tq.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 31st January 1985

C.R. No. 62/43945/84-85/ACQ/.—Whereas, I, R. BHARDWAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 898, situated at HAL II Stage, VII Main, V Cross Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at with the computant outlearing under /with the competent authority under Section 269AB, in his office at Shivajinagai on 23-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (2) Saraswathi Devi. No. 898, HAL II Stage, VII Main, IV Cross, Indiranagar, Bangalore.

HERSHE THE

(Transferec)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax -Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 1936/84-85 dated 23-7-84)
Building in Site No. 898, situated at HAL II Stage, VII
Main, IV Cross, Indiranagar, Bangalore.

R. BHARDWAI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely '---

96-516GJ/84

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st February 1985

C.R. No. 62/43682/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

20(16), situated at Benson Road, Benson Town, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 '16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 23-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (i) Shri J. Mccarthy Igo & (ii) Mrs. Joan Mccarthy Igo, No. 20. Benson Road, Benson Town, Bangalore-46.

(Transferor)

(2) Mrs. Shamim Alcem Khan, No. 31, I Cross, Vivekananda Nagar, Bangalore-33.

(Transferee)

(3) Owner occupied.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1267/84-85 dated 23-7-1984)

Property bearing No. 20(16), situated at Benson Road, Benson Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bangalore

Date: 1-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th January 1985

C.R. No. 62/45622/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing.

No. 504, situated at Banashankari II Stage Extn.—Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, at /with the competent authority under Section 260AB in his officer.

Section 269AB, in his office at Jayanagar on 26-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ameerjan, No. 2, Sushila III Cross, Doddamavalli, Bangalore-4.

(Transferor)

Shri V. S. Prabhakar
 Shri V. S. Sudhakar,
 No. 842 17th Main BSK II Stage,
 Bangalore-70.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1655/84-85 dated 26-7-1984) Site No. 504, situated at Banashankari II Stage Extension, Bangalore. (60 ft × 40 ft.)

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 14-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore560 001 the 30th January 1985

C.R. No. 62/45554/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Cmpetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1157 situated at BSK II Stage Extn. Bangalore

No. 1157 situated at BSK II Stage Extn. Bangalore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at /with the competent authority under Section 269AB, in bis office at Jayanagar on 7-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Seethama, No. 237, IV Main Chamanaj Pet, Bangalore-18.

(Transferor)

(2) Smt. Samitha G, Hegde, B.H. Road, Arsikere, Hassan Dist.

(Transferee) ,

(3) Shared B. Phadke & Others
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date f publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 892/84-85 dated 7-6-1984)
Site No. 1157, situated at Banashankarı II Stage Extension,
Bangalore

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 31st January 1985

C.R. No. 62/43956/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter teferred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15, situated at Bendore Ward, Kadri 'A' Village

Bangalore (and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the registering Officer at /with the competent authority under Section 269 \B, in his office at Mangaloru on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Gladys D'Souza, Candle Gardens, Bunshti Hostel Road, Mangalore City.

(Transferor)

(2) Smt. Suvasini Bhandary "Rita Villa", Upper Bendore, Mangalore.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 716/84-85 dated June, 84)
Property situated in No. 15. Bendore Ward in Kadri 'A' Village, Mangalore City.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 31-1-1985

 Shri C. Sarvothama Rao,
 No. 1741, East End 'A' Main Road,
 38th Cross, IX Block, Jayanagar, Blore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kuishna Murthy, No. 216/2, IV Mam Rd., Chawarajpet, Blore-18.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 30th January 1985

C. R. No. 62/45585/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 323

situated at 41st Cross, VIII Block, Jayanagar, B'lore-82. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on 27-6-1984

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aft. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1179/84-85 Dated 27-6-84) House bearing No. 323, situated at 41st Cross, VIII block, Jayanagar, Bangalore,

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range, Bangalore

Date: 30-1-85 Seal:

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. K. Rahiman, No. 70, Udayagiri Layout, V Cross, Mazerbad Mohalla, Mysore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri T. S. Shamanna, No. 25, Udayagiri Layout Mysore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th January 1985

C R. No. 62/44875/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing
No. 70 situated at Udayagiri V Cross, Nazerbad

Mohalla, Mysore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1998 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore on 6-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or mansfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

used herein as The terms and expressions EXPLANATION: are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same maturing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(Registered Document No. 1166/84-85 dated 6-6-84)

House bearing D.O. No. 70 situated in Udayagiri V Cross. Nazerbad Mohalla, Mysore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suspection (1) of Section 249D of the said Act. to the follownersons, namely:—

Date: 30-1-1985

(1) Smt. K. R. Uma Lakshmi, No. 245, R. V. Road, V.V. Puram, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shi V. Chhogalal &2. Shri C. Mahesh Kumar,No. 1017, Nagarathpet, Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 31st January 1985

C.R. No 62/43346/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 23, situated at Jain Temple Road, V.V. Puram,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi on 11-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from respective persons, the service of notice on the whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 964/84-85 dated 11-6-84.

Property bearing No. 23, situated at Jain Temple Road, V.V. Puram, Bangalore.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said; Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, parely: ing persons, namely:---

Date: 31-1-1985



FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Banga 60 001, the 28th December 1984

13/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,

C.R. No. R BHARD being the C being the Content Authority under Section 269B of the Income-tax-1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ac have reason to believe that the immovable fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing.

Door No. 2961/1-C, CH-7, situated at Swimming Pool Road Saraswathi Puram, Chainaraja Mohalla, Mysore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to clieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration for such transfer accorded to between the the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 97- -516 OT /84

Srat. Radha Bai Pragji No. 165/1. Old Bandikeri, K.R. Mohalla, Mysore.

(Transferor)

(2) Smt. T. C. Girijama No. 287, VI Cross, III Stage, Gokulam Devaraja Mohalla, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days-from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall bave the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1387/84-85 dated June 1984)

Site No. 15, Door No. 2961/J-C and New No. CH-7, situated at Swimming Pool Road, Saraswathipuram, Chamaraja Mohalla, Mysote.

> R. BHARDWAJ Competent Authority aspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 28-12-1984

<u>- - -- --</u>

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th January 1985

C.R. No. 62/45553/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 134 sinusted at Fast End Main Road, IX Block, Jaynagar, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer at Jayanagar in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri P. S. Mani, No. 2- D.V.G. Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferor)

 Shri D. R. Prabhakar,
 No. 134, VII Main Road,
 V Block, Jayanagar, Bangalore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Gazette. -period of 30 days from the service of no the respective persons, whichever period exi
- (b) by any other person interested in id immovable property, within 45 days from the ate of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 853/84-85 dated June 84)

Site & House No. 134, situated at East End Main Road, IX Block, Jayanagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 30-1-1985

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th February 1985

C.R. No. 62/44984/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10(32), situated at Victoria Lavout, UI Cross, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivajinagar on 5-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afo esaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Syed Abdul Subban @ Baba, No. 135, Main Road, Kalaripalyam, Bangalore city.

(Transferor)

(2) Shri Mir Shahnawamy Hussain, No. 19, Arablane 'B' Street, Richu and Town, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be madee in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2444/84-85, dated 5-6-84).

Premises No. old 32, New No. 10, situated at Victoria Layout, III cross, Bangaiore city.

R BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-2-1985

FORM ITMS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE 560 001

Bangalore-560 001, the 24th January 1985

62/583/84-85/ACQ/B -- Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bungalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Survey No. 18 situated at Borda, Milgao,

Salcete Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) of 1908) in the Office of the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Screete, Margio under Document No. 227./84-85 in June 1984.

for an apparent consideration which is less than the for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exicults the appaient consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any rioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) l. Mr. Sitaram P. Korgaunkar.
 - 2. Taramati S. Korgaunkar.

 - 3. Bapu P. Korgaunkar.
 4. Mrs. B. Korgaunkar.
 5. Vasani P. Korgaunkar.
 6. Mrs. Satvavathi V. Korgaunkar.

 - 7. Mukund P. Korgaunkar. 8. Lacximini N. Korgaunkar. 9. Shantharam P. Korgaunkar.

 - 10. Xantabai 11. Damodar P. Korgaunkar.
 - 12. Pushpalata D. Korgaunkar All tre resident of Borda, Margao,

(Transferor)

(2) Mr Prakash S. Panandikai; R/o Margao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propery may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notic, on the respective persons. whichever period expires liver
- (b) by any other person interested in the said implo-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as ar defined in Chapter XXA of the said Act, shall in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2275/84-85, dated June 1984)

All that property known as 'Go Goi A' alias CULNA situated at Borda, Margao, Salcete, Goa under Survey No.

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-1 1985



NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 24th January 1985

C.R. No. 62/587/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plat No. II, situated at Caclano Pacheco Road,

Margao,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Margoa in June 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair marct value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or avasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Jose Immesco Mfredo Da Piedade Frias (Rodingues.

2. Smt. Maria Fernanda Mesoquite Rodigues.

 Carlos Vicente Humberto Da Piedade Frias e Rodingues of Margao.

(Transferor)

(2) Shri Nelson Assis da Piedade de Noronha and Smt. Maria Filomena Dos Milagres Teresinha Noroula of Margao.

(Transferee)

(3) As in item 1.

(Person(s) in o ccupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2166/84 dated 30-6-84).

Flat No. 11 having built in area of 90.00 sq. mts. situated at Cactums Pacheco Road, Goa.

R, BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mrs. & Mr. Vassudev Putushotham Mondkar, C/o Architecture, Villa Olivant Marchon, Gen Bevard Guades Road, Panaji, Goa.

('Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd February 1985

C.R. No. 62/R-1243/37EE/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 299, situated at Ponda Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1.010/84-85 on 25-6-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) M/s Harish Constructions, 30 Radha Shantinagar, Ponda, Goa.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; EXPLANATION :shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 1010/84-85 dated 25-6-84).

THE SCHEDULE

Property known as Locondiem under No. 299 of Book-B-K (New) situated at Ilhas, Ponda, Goa.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Maid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985.

Sanl

Soal:

Date: 2-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

OFFICE' OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

Bangalore-560 001, the 2nd February 1985

C.R. No. 62/R-1221/37EF/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Chatta No. 213, situated at Margao (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 998/84-85 dt. 6-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the aid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaki property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

(1) Miss Angela Filomena De Figueiredo Largo Dos Quarters. Near Gomantak Niketan Building

(Transferor)

Margao, Goa. (2) M/s. Sunivas Realators, Kham denu. Dr. Dada Vaidya Road, Panaii. Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 998/84-85 All that piece and parcel of land known as 'COMBA' admeasuring 1254 sq. mts. situated at Margao, Salcete, Goa,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-2-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd February 1985

C.R. No. 62/(R-1270/37EE)/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 71, situated at Orchard Apts., Rajmahal Vilas Extension Road, Panerslore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1038/84-85 on 11-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Sunil Seventilal Parekh, 72, Marine Drive, Bombay-400 020.

(Transferor)

(2) M/s. Parekh Corporation, United India Bldg. II Floor, Sir, P. N. Road, Fort, Bombay-400 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1038/83-84 Dated 11-6-84] Flat No. 71. VII floot, Palace Orchard Apartments, Rajmahal Vilas, I-atension Koad, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd January 1985

C.R. No. 62/(R-1235/37EE)/84-85/ACQ[B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1.

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1. 1. situated at Campal, Janaji, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Oilice of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1075/84-85 on 1-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or armoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naraely:—

98-516GI/84

(1) Mr. Vithal Y. Pawar, Behim, Bardez, Goa Confirming Party:— Mrs. Vijayalakshmi, Natayan Shinde, Campar, Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Alfred Cotta, C/o Mr. Estoquio Cotla, Nalvora, Agacam, Ilhas, Goa.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1075/84-85 Dated 1-6-84] Flat No. F 1 at Green Land Co-op Housing Society Ltd. Campal, Panaji, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th February 1985

C.R. No. 62/(R-1285/37EE)/84-85/ACQ/8.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable presenty, having a fuir market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

preparty, having a fair market value exceeding RS. 23,000-1, and bearing.
Survey No. 375, situated at Amona Village, Bicholim, Goa (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Bangalore under Registration No. 1038/84-85 on 11-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefer to pay tax und the said Act, in respect of, any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Jankie Ramachandra Phadke Mr. Govind Ramchandra Phadke Mrs. Radha Govind Phadke Mr Krishna Ramachandra Phadke, Amona Village, Goa.

(Transferor)

(2) Sesa Goa Limited, Altinho, Panjim, Goa.

(Transferee)

. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1037/83-84 Dated 11-6-84]
All that area admeasuring 37029 sq. mts. Plot A and
Plot B bearing Old Survey No. 375 Property known as
Advon Calmacodil Xir situated at Amona Village, Bicholim,
Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the allowed property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following cursons. namely:

Date: 7-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th February 1985

C.R. No. 62/(R-1191/37FE)/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. 116/A, situated at K.H.B. Colony, Koramangala, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1055/84-85 on 13-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursutnce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

D. Vathsala w/o
 Late Mr D. Govinda Reddy,
 H. No. 1-2-593/4/A, Gajan Mahal Colony,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Pyami Begum w/o Dammam, Saudi Arabia, Dammam Saudi Aratria, Power of Attorney holder Mr. Khalet Ahmed Baig, H. No. 6, 16th Cross, 6th Main Road, Lakkasandra, Laljinagar, Bangalore-560 030.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1055/84-85 Dated 13-6-84]
Property bearing No. 116/A at K.H.B. Colony, Koramangala, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BANG ALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th February 1985

C.R. No. 62/(R-1248/57EE)/84-85/ACQ/B—Whereas, I. R. BHARDWAI, hospecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Rangs, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereniafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vaule exceeding Rs 25,000/- and bearing

Flat No 47.

situated at 9th Main, 6th Cross, Rajmahal Vilas, Bangalore-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the R gistering Officer at

Bangalore under kegistration No. 1013/84-85 on 6-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property—and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

- (1) 1. Kanchi Corporation, Nehru House, 15, C.P. St, Bombay-1 2. Bakhtawar Trust,
 - 33/1 Gunningham Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr Asheet Prabhudas Ruparell and M1. Vinay Prabhudas Ruparell, 408, Wilverside Way, S.F. Calgary, Alberto, T. 2 J. 127, Canada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

[Registered Document No 1013/84-85 Dated 6-6-84]
Flat No. 47 in 'Palace Orchard Apartments' 9th Main, 6th Caoss, Rajmahal Vilas, Bangalore-80.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th February 1985

C R No 62/(R-1226/37EE)/84 85/ACQ/B—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No 1 10 (Two flats)

situated at Miramar, Panjim, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No 1003/84-85 on 6-6-84

Bangalore under Registration No 1003/84-85 on 6-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the fitters has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or sny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Mrs. Maria Doceu Josefina Manezes Sonies.
 Francisco Lavier Jesus Barreto
 c/o Elisabe Barreto,
 Siotim, Bardez,
 Goa.

(Transferor)

(2) M/s. J. R. Constructions, Opp. Bank of India, Miramar, Panjim, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1003/84-85

Dated 6-6-841

Two flats admeasuring 179 sq mts. In plot No. E-10 of St Mary's Colony situated at Miramar, Ranjim, Goa

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date , 7-2-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 7th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1253/37EE/84-85/ACQ|B,—Whereas, I R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Chatta No. 30 situated at Fatorda, Margao, Sakete, Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Bangalore under Registration No. 1018/84-85 on 6-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Damodar Purshotham Egdo., Mrs. Gopkabi Pamodar Egdo., Patoida, Goa. (Transferor)

(2) Shi Jose Panlino Coutinho.. Zemira Continho Menezes., Sinouclim, Nangum., Sakete, Goa.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein avare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1018/84-85 dated 6-6-84)

Landed property known as "Urbano Com Sen Patio E Quintal admeasuring 1734.35 sq.mts. property contains a Ground floor under Chatta No. 30 situated at Fatorda., Sakete Goa.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-85

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 7th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1250/37EE/84-85/ACQB --- Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Lot No 33 situated at St. Inez Panjim Khas, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1015/84-85 on 6-6-84 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of the said inst

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income unleing from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Mr. Dorma Babusso Naique, Mrs. Shanti Dorma Naique, St. Inez Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Arvind Mahabaleshwar Naik H. No. 360 Near Sirvoikar Garage., St. Incz Panaji, Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1015/84-85 dated 6-6-84)

All that piece and plot of land admeasuring 270 sq.mts. known as 'Lot No. 33' Urbano De Casas' situated at St. Inez Tiswadi, Khas, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-2-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 12th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/43372/84-85/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 25,000/- and bearing No. 7 situated at Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross. exceeding

Bangalore-53

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar. Bangalore under Document No. 990/84-85 dt. 6-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. R. S. Madhava Rao S/o Ramohalli Subbanna, No. 7 Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross, Bangalore-53.

(Transferor)

(2) Mr. Sohanlal S/o Mr. Chandanmal No. B/7 Maramma Temple St., Bangalore-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of th's notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 990/84-85 dated 6-6-1984)

A Portion of premises No. 7 Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross. Bangalore-53.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance o f Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 12th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45891/84-85/CAQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Old 2/80 then 123, Present No.

transfer with the object of :-

and or

situated at Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferren under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore under Document No. 988/84-85

dt, 6-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than deficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the aid instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

99-516GI/84

(1) Mr. R. S. Madhava Rao S/o Ramohalli Subbanna, No. 7 Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross, Bangalore-53.

(Transferor)

Mr. Sha Chandanmal S/o Late Prem Chandji C/o M/s. Mills Cloth Corporation., D.S. Lane, Chickpet, Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 988/84-85 dated 6-6-84) Portion of Premises No. 7 Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross, Bangalore-53,

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 12th February 1985

Ref. No. C.R. No 62/45892/84-85/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 situated at Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross,

Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore under Document No. 989/84-85 on 6-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ---

(1) Mr. R. S. Madhava Rao, S/o Ramohalli Subbanna, No. 7 Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross, Bangalore-53.

(Transferor)

(2) Mr. Prakash Chand C. Jain S/o Sha Chandanna No. 14, Rajanna Lane, Chickpet, Bangalore-53. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 989/84-85 dated 6-6-84) Portion of Premises No. 7 Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross, Bangalore-53.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th February 1985

Ref. No. A.P. No./5752 and 5753.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at Faridkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Durga Dass S/o Kehar Chand R/o Devi Dawara, Faridkot

(Transferor)

(2) Smt. Bhupinder Kaur W/o Harinderjit Singh & Balject Kaur W/o Pritam Singh c/o Samra Rice Mills, Sadiq Road, Faridkot.

(Transferee)

(3) S. No. 2 above & Sh. Sham Lal Gupta c/o Samra Rice Mills, Faridkot,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knowns to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires Inter;
- (b) by any other person interested in the sad immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop No. 66 in New Grain Market, Faridkot and persons as mentioned in registered sale deed Nos. 1273 & 1424 of June, 1984 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-2-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1985

Ref. No. AP. No. / 5754 & 5755.—Whereas, 1 J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt, Chand Kaur Wd/o Bishan Singh, Mansa Road, Bathinda.

(Transferor)

(2) Smt. Charanijt Kaur W/o Barindar Singh, C/o Barinder Singh, S.D.O. Irrigation, Giddarbaha, Teh, Muketsar.

(Transferee)

- (3) As Sr. 2 above (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein—fasture defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.*

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 1254 and 1264 of June 1984 of the Registering authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-2-85

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1985

Ref. No. A.P. No./5756.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Gurbachan Kaur W/o Sh. Tejpal Singh r/o 737, Mota Singh Nagar, Jalandhar.
- (2) Shri Ravinder Kumar Goyal 5/0 Sadhu Ram, r/0 737, Mota Singh Nagar, Julandhar.

(3) As S. No. 2 above, (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 737 (portion) situated in Mota Singh Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1001 of June, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-2-85

Smt. Gurbachan Kaur W/o Sh. Tej Pal Singh r/o 737 Mota Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFF OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1985

Ref. No. A.P. No. /5757 and 5758.—Whereas, 1 J. L.

clirchar, two. A.F. two. 75757 and 5755.—whereas, T.F. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Oilice of the Registering Officer at

Jalandhar on Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- ia) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to puy tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (J1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-the Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Ravinder Kumar Goyal s/o Sadhu Ram R/o 737 Mota Singh Nagar, Jalandhar. (Transferce)

- (3) As S. No. 2 above, (Person in occupation of the property) (Person in ocupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 737 (portions) situated in Mota Singh Nagar, Jalandhar and the persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2229 and 2241 of September, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :-

Date: 13-2-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONFR OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1985

Ref. No. A.P. No./5759.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Gurbachan Kaur W/o Sh. Tej Pal Singh r/o 737—Mota Singh Nagar, Jalandhar. (Transferor)

(2) Shii Ravinder Kumar Goyal s/o Sadhu Ram r/o 737 -Mota Singh Nugar, Jalandhar. (Transferce)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) any other person intersted in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

" Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 737 (Portion) situated in Mota Singh Nagar, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed No. 2141 of August, 84 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcasid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th February 1985

Rcf. No. A.P. No./5760.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule

Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sohan Singh s/o Bhulla Singh r/o V. Kingra Tehsil Jalandhar Through Mukhtiar Sh. Anil Chopra.

(Transferor)

- (2) Shii Kuldip Singh s/o Gurdial Singh r/o V. & P.O. Daroli Kalan, Tehsil Jalandhar.

 (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in ocuration of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 Kl. situated in village Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 933 of June, 84 of the Registering Authority, Julandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th February 1985

Ref. No. A.P. No./5761.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule appared beauty).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Sohan Singh s/o Bhulla Singh r/o V. Kingra Teh, Jalandhar through Mukhtiar Balwant Singh. (Transferor)
- (2) Smt. Harjit Kaur & Nirmaljit Kaur Da/o Sh. Jasbir Singh r/o 34-L. Model Town, Jalandhar. (Transferce)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Vealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property area I Kl. situated in Kingra and persons mentioned in the registered sale deed No. 972 of June, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar,

THE SCHEDULE

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 100-516 GI/84

Date: 14-2-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th February 1985

Ref. No. A.P. No./5762.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

bearing No. as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer

at Jalandhar in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Sohan Singh S/o Bhulla Singh r/o V. Kingra tehsil Jalandhar through Mukhtiar Balwant Singh
- (2) Smt. Chetanjit Kaur & Ravnit Kaur Ds./o Sh. Jasbir Singh r/o 34-L, Model Town, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 Kl. situated in V. Kingra and persons mentioned in the registered sale deed No. 1969 of August, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhai

Date: 14-2-1985

(1) M/s. Yasmin Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Esmall Abdulla Jumma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5853/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

haxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd floor, Ivory Towers Building, Plot No. 1 of part of S. No. 41, 4 Bungalows, Versova, Andheii (W) Rombay, 58

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of thansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Ivory Towers Building, Plot No. 1 part of S. No. 41, 4 Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5853/84-85 on 2-6-1984.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-2-1985

(1) Mr. Pankaj S. Parikh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961),

(2) Mr. Shared J Rach & Mr. Kirit J Rach.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR-II/37EE/6910/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. C-11, 1st floor, Santacruz Rameshwar CHSL, Survey No. 50, Plot No. 1 and 2, N. A. Survey No. 118 and 231 S. V. Road, Santacruz (West) Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB, of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1984

at Bombay on 25-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. C-11, 1st floor, Santacruz Rameshwar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Survey No. 50, Plot No. 122., N.A. Survey No. 118 & 231, S. V. Road, Santacruz West, Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6910/84-85 on 25-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26°D of he said Act, to the following persons. namely:—

Date: 13-2-1985

(1) M/s. Minoo Developers.

(Transferor)

(2) Kassam S. Musani & Mrs. Mumtaz Kassam Musani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERMNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 20th February 1985

Ref. No. AR.IJ/37EE/6211/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 4, 3rd floor 'C' Building Kanti Apartments, Mount

Mary Road, Bandra, Bombay-50.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB, of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid axceeds the apparent consideration therefor by more than iften per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tranafer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 3rd floor in "C Bldg., Kanti Apartment Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6211/84-85 on 15-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-II, Bombay

Date: 20-2-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Minoo Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Parvin P. Thakkar. & Mrs. Harsha P. Thakkar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 20th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6986/84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3 one 1st floor ii 'A' Bldg., Kanti Apartments, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50. tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfererred and the agreement is registered Section 269AB. of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Commetent Authority

the Competent Authority at Bombay on 28-6-1984

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as all in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 1st floor in 'A' Building, Kanti Apartment, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6986/84-85 on 28-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following comons, namely :-

Date: 20-2-1985

FORM TINS

(1) M/s. Tej Builder

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43, OF 1961)

(2) M/s. Gupta & Tubes & Pirch

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 20th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6212/83-84,--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plat No. 1, 'C' Bldg., Kanti Apartments, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB, of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said ν may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 3rd floor in 'C' Building, Kanti Apartments.

Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6212/84-85 on 15-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-2-1985

(1) Mr. Ziauddin Bakharl.

(Transferor)

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Riyaz Ahmed.

(Transferee)

GÖVERNMENT OF INDIA

. FICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Rcf. No. AR.II/37EE/6272/84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 404, 4th floor, bldg. No. 10, forming part of survey No. 41, of Village Oshiwara, Joeshwari (W), Bombay-58. has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB, of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, bldg. No. 10, forming of part of survey no. 41, of Village Oshiwara, Behind Behram baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6272/84-85 on 16-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Icnome-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1985

Seal ,

FORM LT.N.S.-

(1) Bakhtawar Contraction

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Fykays Engineering Det. Ltd.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 20th February 1985

Ref. NoN. AR.II/37EE/6550/84-85.—Whereas, J.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Industrial Estate bearing S. No. 10 and 11 at Jogeshwari, Caves Road, Jogeshwari (East) Bomboy.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreemnt is registered under Section 269AB, of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ijability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Premises on Plot bearing Survey No. 10 & 11 at Jogeshwari, Caves Road, Jogeshwari (East).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6550/84-85 on 22-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 20-2-1985